بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَنَزَّلْنَا عَلَيْكَ الْكِتٰبَ تِبْيَانًا لِّكُلِّ شَيْءٍ

# اشاریہ

# تبیان القرآن

مرتب

مولانا حافظ آس محمد سعیدی

فرید بک سٹال

۳۸۔ اردو بازار لاہور

علماء اہلسنت کی کتب Pdf فائیل میں فری
حاصل کرنے کے لیئے
ٹیلیگرام چینل لنک
https://t.me/tehqiqat
آرکاریو لنک
https://archive.org/details
/@zohaibhasanattari
بلوگسپوٹ لنک
https://ataunnabi.blogspot
.com/?m=1
طالب دعا۔ زوہیب حسن عطاری

وَنَزَّلْنَا عَلَيْكَ الْكِتٰبَ تِبْيَانًا لِّكُلِّ شَيْءٍ

اور ہم نے آپ پر یہ کتاب نازل کی جو ہر چیز کا روشن بیان ہے

# اشاریہ تبیان القرآن

مُرتب

مولانا حافظ آس محمد سعیدی

ناشر

فرید بک سٹال ۳۸۔ اردو بازار لاہور

marfat.com

Marfat.com

**Copyright ©**
**All Rights reserved**
This book is registered under the copyright act. Reproduction of any part, line, paragraph or material from it is a crime under the above act.

**جملہ حقوق محفوظ ہیں**
یہ کتاب کاپی رائٹ ایکٹ کے تحت رجسٹرڈ ہے، جس کا کوئی جملہ، پیرا، لائن یا کسی قسم کے مواد کی نقل یا کاپی کرنا قانونی طور پر جرم ہے۔

مرتب وتصحیح : مولانا حافظ آس محمد سعیدی
مطبع : رومی پبلی کیشنز اینڈ پرنٹرز لاہور
الطبع الاول : محرم 1430ھ / جنوری 2009ء

**Farid Book Stall**
*Phone No:092-42-7312173-7123435*
*Fax No.092-42-7224899*
*Email:info@faridbookstall.com*
*Visit us at:www.faridbookstall.com*

فرید بک سٹال ۳۸۔ اردو بازار لاہور
فون نمبر ۰۹۲۔۴۲۔۷۳۱۲۱۷۳۔۷۱۲۳۴۳۵
فیکس نمبر ۰۹۲۔۴۲۔۷۲۲۴۸۹۹
ای میل : info@faridbookstall.com
ویب سائٹ : www.faridbookstall.com

marfat.com
Marfat.com

بسم اللہ الرحمن الرحیم

# فہرست مضامین

## اشاریہ تبیان القرآن (مکمل)


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| ☆ | انتساب | 27 |
| ☆ | تعارف مؤلف | 29 |
| ☆ | تبیان القرآن، ارباب علم وفکر کی نظر میں | 32 |
| ☆ | تاثرات | 40 |
| ☆ | پیش لفظ | 43 |

### (۱) آ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1.1 | آثار صحابہ | 45 |
| 1.2 | آثار قیامت | 45 |
| 1.3 | آخرت | 45 |
| 1.4 | آداب | 45 |
| 1.5 | حضرت آدم علیہ السلام | 45 |
| 1.6 | آزر | 46 |
| 1.7 | آزمائش | 47 |
| 1.8 | حضرت آسیہ رضی اللہ عنہا | 47 |
| 1.9 | آسمان | 47 |
| 1.10 | آغاز | 48 |
| 1.11 | آگ | 48 |
| 1.12 | آل | 48 |
| 1.13 | آمین | 48 |
| 1.14 | آنکھ | 48 |
| 1.15 | آیت | 48 |
| 1.16 | آیۃ الکرسی/کرسی | 48 |
| 1.17 | آیت تطہیر | 48 |

### (۲) الف

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2.1 | حضرت ابراہیم علیہ السلام | 48 |
| 2.2 | ابرار | 50 |
| 2.3 | امام اعظم حضرت ابوحنیفہ رحمۃ اللہ علیہ | 50 |
| 2.4 | حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ | 51 |
| 2.5 | ابولہب | 51 |
| 2.6 | ابلیس | 51 |
| 2.7 | ابوجہل | 51 |
| 2.8 | ابرہہ | 51 |
| 2.9 | حضرت ابن مسعود رضی اللہ عنہ | 52 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2.10 | حضرت ابوطالب | 52 |
| 2.11 | ابتداء | 52 |
| 2.12 | ابدال | 52 |
| 2.13 | سورۂ ابراہیم | 52 |
| 2.14 | حضرت ابن مکتوم رضی اللہ | 52 |
| 2.15 | اجر/اجرت | 52 |
| 2.16 | اجتہاد | 53 |
| 2.17 | اجماع | 53 |
| 2.18 | اجازت | 54 |
| 2.19 | سورۃ الاحقاف | 54 |
| 2.20 | سورۃ الاحزاب | 54 |
| 2.21 | غزوۂ احزاب | 54 |
| 2.22 | احوال آخرت | 54 |
| 2.23 | احسان | 54 |
| 2.24 | احکام شریعت | 54 |
| 2.25 | احصار | 55 |
| 2.26 | غزوۂ اُحد | 55 |
| 2.27 | اختلاف | 55 |
| 2.28 | اختیارات | 55 |
| 2.29 | اخلاص | 55 |
| 2.30 | سورۂ اخلاص | 56 |
| 2.31 | ادب مصطفیٰ صلی اللہ علیہ وسلم | 56 |
| 2.32 | ادب | 56 |
| 2.33 | حضرت ادریس علیہ السلام | 56 |
| 2.34 | اذان | 57 |
| 2.35 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن | 57 |
| 2.36 | استغفار | 58 |
| 2.37 | اسلام | 58 |
| 2.38 | استاذ | 59 |
| 2.39 | حضرت اسماعیل علیہ السلام | 59 |
| 2.40 | اسراف | 59 |
| 2.41 | اسرائیلی روایات | 59 |
| 2.42 | اسماء مصطفیٰ صلی اللہ علیہ وسلم | 59 |
| 2.43 | استمناء بالید | 60 |
| 2.44 | اسماء باری تعالیٰ | 60 |
| 2.45 | استقامت | 60 |
| 2.46 | حضرت اسامہ رضی اللہ عنہ | 60 |
| 2.47 | استخارہ | 60 |
| 2.48 | اسم اعظم | 60 |
| 2.49 | اسباب | 60 |
| 2.50 | اسماء حسنیٰ | 60 |
| 2.51 | استعانت/استمداد | 60 |
| 2.52 | استنجاء | 60 |
| 2.53 | اصحاب الاخدود | 61 |
| 2.54 | اصول فقہ | 61 |
| 2.55 | اصول حدیث | 61 |
| 2.56 | اصحاب کہف | 61 |
| 2.57 | اصحاب الایکہ | 61 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2.58 | اطاعت | 61 |
| 2.59 | اطمینان | 61 |
| 2.60 | اعتکاف | 61 |
| 2.61 | اعوذ باللہ من الشیطٰن الرجیم | 61 |
| 2.62 | سورۃ الاعلیٰ | 62 |
| 2.63 | اعتبار | 62 |
| 2.64 | سورۃ الاعراف | 62 |
| 2.65 | اغواء | 62 |
| 2.66 | اقتدار | 62 |
| 2.67 | اقامت | 62 |
| 2.68 | اقرار | 62 |
| 2.69 | اللہ تعالیٰ | 62 |
| 2.70 | الہام | 68 |
| 2.71 | الحاد | 68 |
| 2.72 | حضرت الیاس علیہ السلام | 68 |
| 2.73 | امام | 68 |
| 2.74 | امامت | 68 |
| 2.75 | امتحان | 68 |
| 2.76 | امن وسلامتی | 68 |
| 2.77 | امی | 68 |
| 2.78 | امثلہ | 69 |
| 2.79 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر | 69 |
| 2.80 | امت محمدی صلی اللہ علیہ وسلم | 69 |
| 2.81 | امتیاز | 69 |
| 2.82 | امانت | 70 |
| 2.83 | امید | 70 |
| 2.84 | امیر | 70 |
| 2.85 | انسان | 70 |
| 2.86 | سورۃ الانشقاق | 72 |
| 2.87 | سورۃ الانشراح | 72 |
| 2.88 | سورۃ الانفطار | 72 |
| 2.89 | انجام | 72 |
| 2.90 | انجیل | 72 |
| 2.91 | انعام | 72 |
| 2.92 | انذا | 72 |
| 2.93 | انگور | 73 |
| 2.94 | انبیاء کرام علیہم السلام | 73 |
| 2.95 | ان شاء اللہ | 74 |
| 2.96 | سورۃ الانبیاء | 74 |
| 2.97 | انصار | 74 |
| 2.98 | سورۃ الانفال | 74 |
| 2.99 | انفاق فی سبیل اللہ | 75 |
| 2.100 | سورۃ الانعام | 75 |
| 2.101 | انار | 75 |
| 2.102 | انعام یافتہ لوگ | 75 |
| 2.103 | انعامی بانڈز | 75 |
| 2.104 | اولی الامر | 76 |
| 2.105 | اوس وخزرج (قبائل) | 76 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2.106 | اولاد | 76 |
| 2.107 | اولوالعزم | 76 |
| 2.108 | اہل سنت وجماعت | 76 |
| 2.109 | اھانت | 76 |
| 2.110 | اہل کتاب | 76 |
| 2.111 | اہل بیت | 77 |
| 2.112 | ایثار | 77 |
| 2.113 | ایمان | 77 |
| 2.114 | ایندھن | 78 |
| 2.115 | ایلاء | 78 |
| 2.116 | ایٹمی ہتھیار | 78 |
| 2.117 | ایذاء پہنچانا | 79 |
| 2.118 | حضرت ایوب علیہ السلام | 79 |
| 2.119 | ایصال ثواب | 79 |


## (۳) ب


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3.1 | بارش | 79 |
| 3.2 | باطل | 80 |
| 3.3 | بال | 80 |
| 3.4 | باندی | 80 |
| 3.5 | بت/بت پرست | 80 |
| 3.6 | بچے | 81 |
| 3.7 | بچھڑا | 81 |
| 3.8 | بخیل | 81 |
| 3.9 | بدعت | 81 |
| 3.10 | (معرکہ) بدر | 81 |
| 3.11 | بددعا | 82 |
| 3.12 | بدکار | 82 |
| 3.13 | بدگمانی | 82 |
| 3.14 | بدلہ دینا | 82 |
| 3.15 | بدلہ لینا | 83 |
| 3.16 | بدشگون | 83 |
| 3.17 | برائی | 83 |
| 3.18 | برکات مصطفیٰ ﷺ | 83 |
| 3.19 | بروج | 83 |
| 3.20 | سورۃ البروج | 83 |
| 3.21 | برائی سے روکنا | 83 |
| 3.22 | بسم اللہ الرحمٰن الرحیم | 83 |
| 3.23 | بسیار خوری | 84 |
| 3.24 | بشارت | 84 |
| 3.25 | بشر | 84 |
| 3.26 | بعث بعد الموت | 84 |
| 3.27 | بغاوت | 84 |
| 3.28 | بغض | 84 |
| 3.29 | سورۃ البقرہ | 84 |
| 3.30 | بلوغت | 84 |
| 3.31 | ملکۂ سبا/بلقیس | 84 |
| 3.32 | سورۃ البلد | 85 |
| 3.33 | سورۂ بنی اسرائیل | 85 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3.34 | بنو اسرائیل | 85 |
| 3.35 | بنو قریظہ | 86 |
| 3.36 | غزوۂ بنو المصطلق | 86 |
| 3.37 | غزوۂ بنو قینقاع | 86 |
| 3.38 | غزوۂ بنو نضیر | 86 |
| 3.39 | بھاگنا (میدانِ جنگ سے) | 87 |
| 3.40 | بہتان | 87 |
| 3.41 | بھولنا | 87 |
| 3.42 | بیع | 87 |
| 3.43 | بیٹھنا | 87 |
| 3.44 | بیٹی | 87 |
| 3.45 | بیٹا | 87 |
| 3.46 | بیماری | 87 |
| 3.47 | بیعت | 87 |
| 3.48 | سورۃ البینہ | 87 |
| 3.49 | بیوی | 88 |

## (۴) پ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4.1 | پاک | 88 |
| 4.2 | پانی | 88 |
| 4.3 | پردہ | 88 |
| 4.4 | پرہیز | 88 |
| 4.5 | پرندہ | 88 |
| 4.6 | پڑوسی | 88 |
| 4.7 | پل صراط | 88 |
| 4.8 | پناہ طلب کرنا | 88 |
| 4.9 | پوسٹمارٹم | 88 |
| 4.10 | پہاڑ | 88 |
| 4.11 | پیش گوئی | 88 |
| 4.12 | پیشہ | 89 |
| 4.13 | پیوند کاری | 89 |
| 4.14 | پیشوا | 89 |
| 4.15 | پیدائش | 89 |

## (۵) ت

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5.1 | تباہ | 89 |
| 5.2 | تبلیغ | 89 |
| 5.3 | تبیان القرآن | 89 |
| 5.4 | غزوۂ تبوک | 89 |
| 5.5 | عقیدۂ تثلیث | 89 |
| 5.6 | تجوید | 90 |
| 5.7 | تحفہ دینا | 90 |
| 5.8 | تحویل قبلہ | 90 |
| 5.9 | سورۃ التحریم | 90 |
| 5.10 | تخلیق | 90 |
| 5.11 | تدبر | 90 |
| 5.12 | تدبیر | 90 |
| 5.13 | تربیت | 90 |
| 5.14 | ترغیب | 90 |
| 5.15 | ترہیب | 90 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5.16 | تزکیہ | 90 |
| 5.17 | تسبیح باری تعالیٰ | 90 |
| 5.18 | تصوف | 91 |
| 5.19 | تصویر | 91 |
| 5.20 | تصدیق | 91 |
| 5.21 | تعظیم رسول ﷺ | 91 |
| 5.22 | تعلیم/تعلم | 91 |
| 5.23 | تعویذ | 91 |
| 5.24 | تعظیم خداوندی | 91 |
| 5.25 | تعریض | 91 |
| 5.26 | تعجب | 92 |
| 5.27 | سورۃ التغابن | 92 |
| 5.28 | تفسیر کبیر (للامام رازی) | 92 |
| 5.29 | تفسیر | 92 |
| 5.30 | تقویٰ | 92 |
| 5.31 | تقلید | 92 |
| 5.32 | تقدیر | 93 |
| 5.33 | تقسیم کرنا | 93 |
| 5.34 | تقویم | 94 |
| 5.35 | تقیہ | 94 |
| 5.36 | تکبر | 94 |
| 5.37 | تکلف | 94 |
| 5.38 | سورۃ التکویر | 94 |
| 5.39 | سورۃ التکاثر | 94 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5.40 | تلاوت کلام پاک | 94 |
| 5.41 | تمباکو نوشی | 94 |
| 5.42 | تہجد | 94 |
| 5.43 | توسل | 95 |
| 5.44 | توبہ | 95 |
| 5.45 | تورات | 96 |
| 5.46 | توکل | 96 |
| 5.47 | تواضع | 97 |
| 5.48 | سورۃ التوبہ | 97 |
| 5.49 | توہین رسالت | 97 |
| 5.50 | توحید باری تعالیٰ | 97 |
| 5.51 | توریہ | 99 |
| 5.52 | تیمم | 99 |
| 5.53 | سورۃ التین | 99 |
| 5.54 | تیراندازی | 99 |


## (۶) ٹ


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6.1 | ٹیکس | 99 |


## (۷) ث


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7.1 | ثابت قدمی | 99 |
| 7.2 | حضرت ثعلبہ بن حاطب رضی اللہ عنہ | 99 |
| 7.3 | ثواب | 99 |
| 7.4 | قوم ثمود | 100 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|

## (۸) ج

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8.1 | جانور | 100 |
| 8.2 | جاہل / جہالت | 100 |
| 8.3 | جادو | 100 |
| 8.4 | جار (پڑوسی) | 101 |
| 8.5 | جاسوس | 101 |
| 8.6 | جان بچانا | 101 |
| 8.7 | سورۃ الجاثیہ | 101 |
| 8.8 | جبریہ | 101 |
| 8.9 | جبروقدر | 101 |
| 8.10 | جبلت | 101 |
| 8.11 | حضرت جبریل علیہ السلام | 102 |
| 8.12 | جدال | 102 |
| 8.13 | جزاء | 102 |
| 8.14 | جزیہ | 102 |
| 8.15 | جلد بازی | 102 |
| 8.16 | جمعۃ المبارک | 102 |
| 8.17 | جماعت | 103 |
| 8.18 | جماع | 103 |
| 8.19 | جمادات | 103 |
| 8.20 | سورۃ الجمعہ | 103 |
| 8.21 | جمہوریت | 103 |
| 8.22 | جنت | 103 |
| 8.23 | جن | 106 |
| 8.24 | سورۃ الجن | 106 |
| 8.25 | جنازہ نماز | 106 |
| 8.26 | جنون | 107 |
| 8.27 | جنگ جمل | 107 |
| 8.28 | جواء | 107 |
| 8.29 | جوامع الکلم | 107 |
| 8.30 | جھوٹ | 107 |
| 8.31 | جھگڑنا | 107 |
| 8.32 | جہنم | 108 |
| 8.33 | جہاد / جنگ | 108 |
| 8.34 | جھوٹی نبوت کے دعویدار | 109 |

## (۹) چ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9.1 | چاند | 109 |
| 9.2 | چاندی | 109 |
| 9.3 | چشمے | 109 |
| 9.4 | چغلی کھانا | 109 |
| 9.5 | چلنا | 109 |
| 9.6 | چوری کرنا | 109 |
| 9.7 | چھٹی | 109 |
| 9.8 | چھپکلی | 109 |
| 9.9 | چھینک | 109 |
| 9.10 | چیونٹی | 110 |
| 9.11 | چیخنا | 110 |


marfat.com
Marfat.com

## (۱۰) ح


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10.1 | سورۃ الحاقہ | 110 |
| 10.2 | حضرت حاطب رضی اللہ | 110 |
| 10.3 | حاکم | 110 |
| 10.4 | حاجت روائی | 110 |
| 10.5 | حبیب النجار | 110 |
| 10.6 | حج وعمرہ | 110 |
| 10.7 | حجر (قولی تصرف سے روکنا) | 111 |
| 10.8 | حجت | 111 |
| 10.9 | حج اکبر | 111 |
| 10.10 | سورۃ الحجر | 111 |
| 10.11 | سورۃ الحج | 111 |
| 10.12 | حجاب | 111 |
| 10.13 | سورۃ الحجرات | 112 |
| 10.14 | حدود وقصاص | 112 |
| 10.15 | حدیث | 112 |
| 10.16 | سورۃ الحدید | 113 |
| 10.17 | حروف | 113 |
| 10.18 | حرابہ | 113 |
| 10.19 | حرام | 113 |
| 10.20 | حرمت والے مہینے | 114 |
| 10.21 | حرص | 114 |
| 10.22 | حروف مقطعات | 114 |
| 10.23 | حسد | 114 |
| 10.24 | حساب | 115 |
| 10.25 | حسرت | 115 |
| 10.26 | حسن سلوک | 115 |
| 10.27 | حسن اخلاق | 115 |
| 10.28 | سورۃ الحشر | 115 |
| 10.29 | حشرات الارض | 115 |
| 10.30 | حشر | 115 |
| 10.31 | حقوق العباد | 116 |
| 10.32 | حقیقت | 116 |
| 10.33 | حق | 117 |
| 10.34 | حکمت | 117 |
| 10.35 | حکومت | 117 |
| 10.36 | حلال | 117 |
| 10.37 | حضرت حلیمہ (حضرت موسیٰ علیہ السلام کی بہن) | 117 |
| 10.38 | حمد | 117 |
| 10.39 | حمل | 117 |
| 10.40 | سورۃ حٰمٓ السجدہ | 118 |
| 10.41 | غزوۂ حنین | 118 |
| 10.42 | حور | 118 |
| 10.43 | حواریین | 118 |
| 10.44 | حضرت حواء علیہا السلام | 118 |
| 10.45 | حیاء | 118 |
| 10.46 | حیلہ | 118 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10.47 | حیات | 118 |
| 10.48 | حیض | 119 |
| 10.49 | حیات النبی ﷺ | 119 |

## (۱۱) خ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11.1 | خارجی | 119 |
| 11.2 | خاموش | 119 |
| 11.3 | خاک نشیں | 119 |
| 11.4 | خاندانی منصوبہ بندی | 119 |
| 11.5 | خبر واحد | 119 |
| 11.6 | ختم نبوت | 119 |
| 11.7 | خدمت | 120 |
| 11.8 | خراج | 120 |
| 11.9 | خرچ کرنا | 120 |
| 11.10 | حضرت خزیمہ بن ثابت رضی اللہ | 120 |
| 11.11 | خسارہ | 120 |
| 11.12 | خشوع وخضوع | 120 |
| 11.13 | خشیت الٰہی | 121 |
| 11.14 | خصائص مصطفیٰ ﷺ | 121 |
| 11.15 | حضرت خضر علیہ السلام | 121 |
| 11.16 | خلیفہ/خلافت | 121 |
| 11.17 | خلفاء راشدین رضی اللہ تعالیٰ عنہم | 121 |
| 11.18 | خمر و دیگر منشیات | 121 |
| 11.19 | خمس | 122 |
| 11.20 | خنزیر | 122 |
| 11.21 | غزوۂ خندق | 122 |
| 11.22 | خواہش | 122 |
| 11.23 | خودکشی | 122 |
| 11.24 | خون | 122 |
| 11.25 | خوف خدا | 122 |
| 11.26 | خواب | 123 |
| 11.27 | خیانت | 123 |
| 11.28 | خیال | 123 |
| 11.29 | غزوۂ خیبر | 123 |

## (۱۲) د

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12.1 | دارالحرب | 124 |
| 12.2 | دارالسلام | 124 |
| 12.3 | دارالکفر | 124 |
| 12.4 | داڑھی | 124 |
| 12.5 | حضرت داؤد علیہ السلام | 124 |
| 12.6 | سورۃ الدخان | 125 |
| 12.7 | درود شریف | 125 |
| 12.8 | درایت | 125 |
| 12.9 | درگور کرنا | 125 |
| 12.10 | دشمن | 125 |
| 12.11 | دعوت دین | 125 |
| 12.12 | دعا | 125 |
| 12.13 | دل | 127 |
| 12.14 | دماغ | 127 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12.15 | دم درود | 127 |
| 12.16 | دنیا | 127 |
| 12.17 | دن | 128 |
| 12.18 | دودھ | 128 |
| 12.19 | دوزخ | 129 |
| 12.20 | دوست | 130 |
| 12.21 | دھمکی دینا | 130 |
| 12.22 | دھواں | 130 |
| 12.23 | دہریہ | 130 |
| 12.24 | دھمال | 130 |
| 12.25 | سورۃ الدھر | 130 |
| 12.26 | دھوکہ دینا | 130 |
| 12.27 | دین | 131 |
| 12.28 | دیت | 131 |
| 12.29 | دیدارِ الٰہی | 131 |
| 12.30 | دیہاتی | 131 |


## (۱۳) ڈ


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 13.1 | ڈاکو/ڈاکہ | 131 |
| 13.2 | ڈکار | 131 |


## (۱۴) ذ


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 14.1 | سورۃ الذاریات | 131 |
| 14.2 | ذبیحہ | 132 |
| 14.3 | ذخیرہ اندوزی کرنا | 132 |
| 14.4 | ذکرِ الٰہی | 132 |
| 14.5 | ذوی القربیٰ | 132 |
| 14.6 | ذوی الارحام | 132 |
| 14.7 | ذوالقرنین | 132 |
| 14.8 | حضرت ذوالکفل علیہ السلام | 133 |
| 14.9 | ذوالحجہ | 133 |


## (۱۵) ر


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15.1 | رات | 133 |
| 15.2 | راحت | 133 |
| 15.3 | راہب/رہبانیت | 133 |
| 15.4 | راز | 133 |
| 15.5 | رب | 133 |
| 15.6 | ربا | 133 |
| 15.7 | ربانیین | 134 |
| 15.8 | رجم | 134 |
| 15.9 | سورۃ الرحمٰن | 134 |
| 15.10 | رحمتِ باری تعالیٰ | 134 |
| 15.11 | رزق | 134 |
| 15.12 | رسالت/رسول | 135 |
| 15.13 | رشوت | 135 |
| 15.14 | رشتہ دار | 136 |
| 15.15 | رضائے الٰہی/مصطفیٰ | 136 |
| 15.16 | سورۃ الرعد | 136 |
| 15.17 | رقص وسرود | 136 |
| 15.18 | رکون (کفار سے میل جول) | 136 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15.19 | رمضان المبارک | 136 |
| 15.20 | رحل | 136 |
| 15.21 | روزہ | 136 |
| 15.22 | روح المقدس | 137 |
| 15.23 | روضۂ رسول اللہ ﷺ | 137 |
| 15.24 | روح | 137 |
| 15.25 | رونا | 138 |
| 15.26 | روٹی | 138 |
| 15.27 | سورۃ الروم | 138 |
| 15.28 | رہائش | 138 |
| 15.29 | رہن (گروی رکھنا) | 138 |
| 15.30 | رؤیت باری تعالیٰ | 138 |
| 15.31 | ریاکاری | 139 |
| 15.32 | ریشم | 139 |
| 15.33 | ریب | 139 |

## (۱۶) ز

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 16.1 | زبور | 139 |
| 16.2 | سورۃ الزخرف | 139 |
| 16.3 | زرہ | 139 |
| 16.4 | زکوٰۃ | 139 |
| 16.5 | حضرت زکریا علیہ السلام | 140 |
| 16.6 | زلزلہ | 140 |
| 16.7 | سورۃ الزلزال | 140 |
| 16.8 | زمزم | 140 |
| 16.9 | زمین | 140 |
| 16.10 | سورۃ الزمر | 141 |
| 16.11 | زندیق | 142 |
| 16.12 | زنا | 142 |
| 16.13 | زندگی | 142 |
| 16.14 | زوجہ | 142 |
| 16.15 | زوج | 142 |
| 16.16 | زہد | 143 |
| 16.17 | زیارت رسول کریم ﷺ | 143 |
| 16.18 | زیورات | 143 |
| 16.19 | زیتون | 143 |
| 16.20 | حضرت زید بن حارثہ رضی اللہ عنہ | 143 |
| 16.21 | حضرت زینب بنت جحش رضی اللہ عنہا | 143 |
| 16.22 | زینت | 143 |
| 16.23 | زیارت قبور | 143 |

## (۱۷) س

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 17.1 | سامری | 144 |
| 17.2 | سالک | 144 |
| 17.3 | سائل/سوال کرنا | 144 |
| 17.4 | سازش | 144 |
| 17.5 | سورۂ سبا | 144 |
| 17.6 | سبحان | 144 |
| 17.7 | سبب نزول | 144 |
| 17.8 | سابقہ امتیں | 144 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 17.9 | قوم سبا | 145 |
| 17.10 | السبع المثانی | 145 |
| 17.11 | ستارہ | 145 |
| 17.12 | سٹہ باری | 145 |
| 17.13 | سجدہ | 145 |
| 17.14 | سجدۂ تلاوت | 145 |
| 17.15 | سورۃ السجدہ | 146 |
| 17.16 | سجدۂ تعظیمی | 146 |
| 17.17 | سچ | 146 |
| 17.18 | سحر | 146 |
| 17.19 | سرقہ کرنا (چوری کرنا) | 146 |
| 17.20 | سرجری | 146 |
| 17.21 | سرگوشی کرنا | 146 |
| 17.22 | سزا | 146 |
| 17.23 | حضرت سعد رضی اللہ عنہ | 146 |
| 17.24 | سفر | 146 |
| 17.25 | سکوت | 146 |
| 17.26 | سگریٹ نوشی | 146 |
| 17.27 | حضرت سلیمان علیہ السلام | 147 |
| 17.28 | سلام/معانقہ | 148 |
| 17.29 | سلطان | 148 |
| 17.30 | سلطنت | 148 |
| 17.31 | سماع موتی | 148 |
| 17.32 | سماع | 148 |
| 17.33 | سمندر | 149 |
| 17.34 | سنت | 149 |
| 17.35 | سود | 149 |
| 17.36 | سورۃ | 149 |
| 17.37 | سورج | 149 |
| 17.38 | سونا | 149 |
| 17.39 | سہو | 150 |
| 17.40 | سیارہ | 150 |
| 17.41 | سیدھا راستہ | 150 |


## (۱۸)ش


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 18.1 | شام | 150 |
| 18.2 | شب برات | 150 |
| 18.3 | شجرۃ الزقوم | 150 |
| 18.4 | الشح | 150 |
| 18.5 | شر | 150 |
| 18.6 | شرح صدر | 150 |
| 18.7 | شرک | 150 |
| 18.8 | شریعت | 151 |
| 18.9 | شرمگاہ | 151 |
| 18.10 | شعور | 151 |
| 18.11 | شعر | 151 |
| 18.12 | حضرت شعیب علیہ السلام | 152 |
| 18.13 | شعائر اللہ | 152 |
| 18.14 | سورۃ الشعراء | 152 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 18.15 | شفاء | 152 |
| 18.16 | شفقت | 152 |
| 18.17 | شفاعت | 152 |
| 18.18 | شق صدر | 154 |
| 18.19 | شق قمر | 154 |
| 18.20 | شکر/شاکر | 154 |
| 18.21 | شک | 154 |
| 18.22 | شکوہ/شکایت | 155 |
| 18.23 | شکار | 155 |
| 18.24 | شگون | 155 |
| 18.25 | شمس | 155 |
| 18.26 | سورۃ الشمس | 155 |
| 18.27 | شوہر | 156 |
| 18.28 | سورۃ الشوریٰ | 156 |
| 18.29 | شہادت | 156 |
| 18.30 | شہید | 156 |
| 18.31 | شہد | 157 |
| 18.32 | شہاب ثاقب | 157 |
| 18.33 | شہاب زہری | 157 |
| 18.34 | شیطان | 157 |
| 18.35 | شیعہ | 159 |
| 18.36 | شیخ | 159 |

## (۱۹) ص

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 19.1 | سورۂ ص | 159 |
| 19.2 | حضرت صالح علیہ السلام | 159 |
| 19.3 | صالح | 160 |
| 19.4 | صائبین | 160 |
| 19.5 | صابن | 160 |
| 19.6 | صبر | 160 |
| 19.7 | صحابۂ کرام رضی اللہ عنہم | 161 |
| 19.8 | صحیفہ | 161 |
| 19.9 | صدیق | 162 |
| 19.10 | صدق | 162 |
| 19.11 | صدقہ | 162 |
| 19.12 | صراط مستقیم | 162 |
| 19.13 | صعقہ | 162 |
| 19.14 | سورۃ الصف | 162 |
| 19.15 | جنگ صفین | 162 |
| 19.16 | صفات باری تعالیٰ | 162 |
| 19.17 | سورۃ الصّٰفّٰت | 162 |
| 19.18 | صلح حدیبیہ | 162 |
| 19.19 | صلوٰۃ (درود و سلام) | 163 |
| 19.20 | صلوٰۃ (نماز) | 164 |
| 19.21 | صلح | 166 |
| 19.22 | صلہ رحمی | 166 |
| 19.23 | صوفی باصفا | 166 |
| 19.24 | صور | 166 |
| 19.25 | صیغۂ امر | 167 |


marfat.com
Marfat.com

## (۲۰) ض

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 20.1 | ضالین | 167 |
| 20.2 | سورۃ الضحیٰ | 167 |
| 20.3 | ضد | 167 |
| 20.4 | ضمانت | 167 |

## (۲۱) ط

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 21.1 | سورۃ الطارق | 167 |
| 21.2 | طالوت | 167 |
| 21.3 | طاعون | 167 |
| 21.4 | طائر | 167 |
| 21.5 | طریقت | 168 |
| 21.6 | طریقۂ انتخاب | 168 |
| 21.7 | طعام | 168 |
| 21.8 | طعنہ | 168 |
| 21.9 | سورۃ الطلاق | 168 |
| 21.10 | طلاق | 168 |
| 21.11 | سورۃ الطور | 169 |
| 21.12 | طواف | 169 |
| 21.13 | سورۂ طٰہٰ | 169 |
| 21.14 | طہارت | 170 |
| 21.15 | طیب | 170 |

## (۲۲) ظ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 22.1 | ظالم/ظلم | 170 |
| 22.2 | ظن | 170 |
| 22.3 | ظہار | 170 |

## (۲۳) ع

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 23.1 | عاجزی کرنا | 171 |
| 23.2 | حضرت عائشہ صدیقہ رضی اللہ عنہا | 171 |
| 23.3 | عالمین | 171 |
| 23.4 | عالم | 171 |
| 23.5 | سورۃ العادیات | 172 |
| 23.6 | قوم عاد | 172 |
| 23.7 | عابد/عبادت | 172 |
| 23.8 | العاص بن وائل | 173 |
| 23.9 | عاشورہ | 173 |
| 23.10 | سورۃ العبس | 173 |
| 23.11 | حضرت عبداللہ بن سلام رضی اللہ عنہ | 173 |
| 23.12 | عبرت | 173 |
| 23.13 | عبداللہ بن ابی | 173 |
| 23.14 | عتاب | 174 |
| 23.15 | حضرت عثمان غنی رضی اللہ عنہ | 174 |
| 23.16 | عجلت | 174 |
| 23.17 | عدت | 174 |
| 23.18 | عدل | 174 |
| 23.19 | عذاب | 175 |
| 23.20 | عذر | 177 |
| 23.21 | عرش | 177 |
| 23.22 | عرس | 177 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 23.23 | عربی زبان | 178 |
| 23.24 | عراف | 178 |
| 23.25 | عزت | 178 |
| 23.26 | عزیمت | 178 |
| 23.27 | عزلت نشینی | 178 |
| 23.28 | حضرت عزیر علیہ السلام | 178 |
| 23.29 | عشر | 178 |
| 23.30 | عصا | 178 |
| 23.31 | عصمتِ انبیاء | 178 |
| 23.32 | سورۃ العصر | 179 |
| 23.33 | عطا کرنا | 179 |
| 23.34 | عفوودرگزر | 179 |
| 23.35 | عقیدہ | 179 |
| 23.36 | عقد | 179 |
| 23.37 | عقل | 179 |
| 23.38 | عقیقہ | 180 |
| 23.39 | سورۃ العلق | 180 |
| 23.40 | علم/علم دین | 180 |
| 23.41 | حضرت علی المرتضیٰ رضی اللہ عنہ | 181 |
| 23.42 | علم جفر | 181 |
| 23.43 | علم غیب | 181 |
| 23.44 | علم لدنی | 182 |
| 23.45 | علم نجوم | 182 |
| 23.46 | علم باری تعالیٰ | 182 |
| 23.47 | علم نبوی صلی اللہ علیہ وسلم | 183 |
| 23.48 | علاج | 183 |
| 23.49 | علامات قیامت | 184 |
| 23.50 | علوم خمسہ | 184 |
| 23.51 | عمارت | 184 |
| 23.52 | حضرت عمر فاروق رضی اللہ عنہ | 184 |
| 23.53 | عمران کی بیوی | 185 |
| 23.54 | عمر | 185 |
| 23.55 | عمریٰ | 185 |
| 23.56 | عمل | 185 |
| 23.57 | سورۃ العنکبوت | 186 |
| 23.58 | عورت | 186 |
| 23.59 | عہد | 186 |
| 23.60 | عہد شکنی | 187 |
| 23.61 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام | 187 |
| 23.62 | عیادت | 189 |
| 23.63 | عیب | 189 |
| 23.64 | عیش وعشرت | 189 |


## غ (۲۴)


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 24.1 | سورۃ الغاشیہ | 189 |
| 24.2 | غبن | 189 |
| 24.3 | غریب | 189 |
| 24.4 | غزوۂ بدر | 189 |
| 24.5 | غصہ | 189 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 24.6 | غفلت/ غافل | 189 |
| 24.7 | مفسر قرآن علامہ غلام رسول سعیدی صاحب | 189 |
| 24.8 | غلام | 189 |
| 24.9 | غلام احمد قادیانی | 190 |
| 24.10 | غلو | 190 |
| 24.11 | مال غنیمت | 190 |
| 24.12 | غناء | 190 |
| 24.13 | غور وفکر | 190 |
| 24.14 | غیر اللہ کو پکارنا | 190 |
| 24.15 | غیب | 190 |
| 24.16 | غلطی کرنا | 190 |
| 24.17 | غیبت | 190 |
| 24.18 | غیرت | 190 |
| 24.19 | غیظ وغضب | 191 |


## (۲۵) ف


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 25.1 | سورۃ الفاتحہ | 191 |
| 25.2 | فاتحہ خلف الامام | 191 |
| 25.3 | حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا | 191 |
| 25.4 | فاسق/ بدعقیدہ | 191 |
| 25.5 | سورۃ فاطر | 191 |
| 25.6 | فاحشہ | 191 |
| 25.7 | فال | 191 |
| 25.8 | فارس | 191 |
| 25.9 | فبای آلاء ربکما تکذبن | 191 |
| 25.10 | فتح | 191 |
| 25.11 | فتویٰ | 191 |
| 25.12 | فتنہ | 191 |
| 25.13 | سورۃ الفتح | 192 |
| 25.14 | فطر | 192 |
| 25.15 | سورۃ الفجر | 192 |
| 25.16 | فحش کام | 192 |
| 25.17 | فخر | 192 |
| 25.18 | فرعون/قوم فرعون | 192 |
| 25.19 | فرقے | 193 |
| 25.20 | فرق | 193 |
| 25.21 | فرقہ بندی | 194 |
| 25.22 | فرشتہ | 194 |
| 25.23 | فریب | 195 |
| 25.24 | سورۃ الفرقان | 195 |
| 25.25 | فراست | 195 |
| 25.26 | فرمانبردار | 195 |
| 25.27 | فساد | 195 |
| 25.28 | فضول خرچی | 195 |
| 25.29 | فضل | 195 |
| 25.30 | فضیلت | 195 |
| 25.31 | فطرت | 195 |
| 25.32 | فعل | 195 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 25.33 | فقہ | 196 |
| 25.34 | فقیر/فقر | 196 |
| 25.35 | فلسطین | 196 |
| 25.36 | فلسفہ | 196 |
| 25.37 | سورۃ الفلق | 196 |
| 25.38 | فوآبہ | 196 |
| 25.39 | فیصلہ | 196 |
| 25.40 | سورۃ الفیل | 196 |
| 25.41 | فئے | 196 |


## ق (۲۶)


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 26.1 | سورۂ ق | 196 |
| 26.2 | قاضی | 196 |
| 26.3 | قابیل/ھابیل | 196 |
| 26.4 | قارون | 197 |
| 26.5 | سورۃ القارعہ | 197 |
| 26.6 | قبر | 197 |
| 26.7 | قبلہ | 197 |
| 26.8 | قبول اسلام | 197 |
| 26.9 | قبح | 197 |
| 26.10 | قتل | 197 |
| 26.11 | قدرت باری تعالیٰ | 198 |
| 26.12 | سورۃ القدر | 198 |
| 26.13 | قذف | 198 |
| 26.14 | قرآن مجید | 198 |
| 26.15 | قرض | 202 |
| 26.16 | قرامطہ | 202 |
| 26.17 | قرأت خلف الامام | 202 |
| 26.18 | قربانی | 203 |
| 26.19 | قریش | 203 |
| 26.20 | سورۃ القریش | 203 |
| 26.21 | قرعہ اندازی | 203 |
| 26.22 | قرض خواہ | 204 |
| 26.23 | قسم | 204 |
| 26.24 | قصہ | 204 |
| 26.25 | قصاص | 204 |
| 26.26 | سورۃ القصص | 204 |
| 26.27 | قضاء | 205 |
| 26.28 | قلب | 205 |
| 26.29 | سورۃ القلم | 205 |
| 26.30 | قمار | 205 |
| 26.31 | سورۃ القمر | 205 |
| 26.32 | قناعت | 205 |
| 26.33 | دعائے قنوت | 205 |
| 26.34 | قوت | 205 |
| 26.35 | قواعد فقہیہ | 205 |
| 26.36 | قیاس | 205 |
| 26.37 | قید/قیدی | 206 |
| 26.38 | قیام تعظیمی | 206 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 26.39 | قیامت | 206 |
| 26.40 | سورۃ القیامہ | 209 |

## (۲۷) ک

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 27.1 | کائنات | 209 |
| 27.2 | کاہن | 209 |
| 27.3 | سورۃ الکافرون | 209 |
| 27.4 | کامیابی | 209 |
| 27.5 | کبوتر بازی | 209 |
| 27.6 | کتا | 209 |
| 27.7 | کتاب | 209 |
| 27.8 | کذب | 210 |
| 27.9 | کرامت | 210 |
| 27.10 | کراماً کاتبین | 210 |
| 27.11 | کسب | 210 |
| 27.12 | کعبہ | 210 |
| 27.13 | کفر/کفار | 210 |
| 27.14 | کفارہ | 216 |
| 27.15 | کفریہ کلمات | 216 |
| 27.16 | کفو | 217 |
| 27.17 | کلمۂ طیبہ | 217 |
| 27.18 | کلمۂ حق | 217 |
| 27.19 | کلالہ | 217 |
| 27.20 | کلام باری تعالیٰ | 217 |
| 27.21 | کم عقل | 217 |
| 27.22 | کن فیکون | 217 |
| 27.23 | سورۃ الکوثر | 218 |
| 27.24 | کوڑے | 218 |
| 27.25 | کھیل | 218 |
| 27.26 | کھانا کھانے کے آداب | 218 |
| 27.27 | کھجور | 218 |
| 27.28 | سورۃ الکہف | 218 |

## (۲۸) گ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 28.1 | گدھا | 218 |
| 28.2 | گداگری | 218 |
| 28.3 | گرفت | 219 |
| 28.4 | گروی رکھنا | 219 |
| 28.5 | گستاخ رسول | 219 |
| 28.6 | گمراہ/گمراہی | 219 |
| 28.7 | گمان | 219 |
| 28.8 | گنبد خضریٰ | 219 |
| 28.9 | گناہ | 219 |
| 28.10 | گوشت | 221 |
| 28.11 | گوہ | 221 |
| 28.12 | گواہی دینا | 221 |

## (۲۹) ل

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 29.1 | لا الٰہ الا اللہ محمد رسول اللہ | 221 |
| 29.2 | لاحول ولا قوۃ الا باللہ العلی العظیم | 221 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 29.3 | لاٹری | 221 |
| 29.4 | لالچ | 221 |
| 29.5 | لباس | 221 |
| 29.6 | لذت | 221 |
| 29.7 | لذیذ | 221 |
| 29.8 | لشکر | 221 |
| 29.9 | لعان | 221 |
| 29.10 | لعنت | 222 |
| 29.11 | لغو | 222 |
| 29.12 | لقب | 222 |
| 29.13 | لقطہ | 222 |
| 29.14 | لقیط | 222 |
| 29.15 | سورۃ لقمان | 222 |
| 29.16 | حکیم لقمان | 222 |
| 29.17 | لکھنا | 222 |
| 29.18 | لوح محفوظ | 222 |
| 29.19 | لوح قرآنی | 223 |
| 29.20 | لواطت | 223 |
| 29.21 | حضرت لوط علیہ السلام | 223 |
| 29.22 | سورۃ اللھب | 224 |
| 29.23 | لوہا | 224 |
| 29.24 | لہو ولعب | 224 |
| 29.25 | سورۃ اللیل | 224 |
| 29.26 | لیلۃ القدر | 224 |


## م (۳۰)


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 30.1 | مال | 225 |
| 30.2 | مال غنیمت | 225 |
| 30.3 | سورۃ المائدہ | 225 |
| 30.4 | ماشاء اللہ | 225 |
| 30.5 | سورۃ الماعون | 225 |
| 30.6 | مباہلہ | 225 |
| 30.7 | حضرت ماریہ قبطیہ رضی اللہ عنہا | 225 |
| 30.8 | مباشرت | 226 |
| 30.9 | مایوس ہونا | 226 |
| 30.10 | متقی | 226 |
| 30.11 | متعہ | 226 |
| 30.12 | متفرقات | 226 |
| 30.13 | مٹی | 226 |
| 30.14 | مجرم | 226 |
| 30.15 | مجمع البحرین | 226 |
| 30.16 | مجذوب | 226 |
| 30.17 | مجتہد | 226 |
| 30.18 | مجلس | 226 |
| 30.19 | مجوسی | 227 |
| 30.20 | سورۃ المجادلۃ | 227 |
| 30.21 | مچھلی | 227 |
| 30.22 | محسن | 227 |
| 30.23 | محراب | 227 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 30.24 | محرم الحرام | 227 |
| 30.25 | سورۂ محمد | 227 |
| 30.26 | محبت | 227 |
| 30.27 | سیدنا محمد عربی ﷺ | 227 |
| 30.28 | محمد بن عبدالوہاب نجدی | 235 |
| 30.29 | محکم | 235 |
| 30.30 | مخلوق | 235 |
| 30.31 | مداہنت | 235 |
| 30.32 | مدافعت | 236 |
| 30.33 | مدد حاصل کرنا | 236 |
| 30.34 | سورۃ المدثر | 236 |
| 30.35 | مدینہ منورہ | 236 |
| 30.36 | مدعی نبوت | 236 |
| 30.37 | مذاق کرنا | 236 |
| 30.38 | مذہب | 236 |
| 30.39 | حضرت مریم علیہا السلام | 236 |
| 30.40 | مرتد | 237 |
| 30.41 | مردار | 237 |
| 30.42 | سورۂ مریم | 237 |
| 30.43 | مرغ | 237 |
| 30.44 | مردوں کو زندہ کرنا | 238 |
| 30.45 | مرجئہ | 238 |
| 30.46 | سورۃ المرسلات | 238 |
| 30.47 | مزارات | 238 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 30.48 | سورۃ المزمل | 238 |
| 30.49 | مسکین | 238 |
| 30.50 | مسجد | 238 |
| 30.51 | مسح | 239 |
| 30.52 | مسلمان | 239 |
| 30.53 | مشابہت | 240 |
| 30.54 | مشرق | 240 |
| 30.55 | مشرک | 240 |
| 30.56 | مشکل الفاظ کے معانی | 242 |
| 30.57 | مشورہ | 249 |
| 30.58 | مصیبت | 250 |
| 30.59 | مصارف زکوٰۃ | 250 |
| 30.60 | مصاہرت | 251 |
| 30.61 | مضطر | 251 |
| 30.62 | سورۃ المطففین | 251 |
| 30.63 | سورۃ المعارج | 251 |
| 30.64 | معاف کرنا | 251 |
| 30.65 | معجزہ | 251 |
| 30.66 | معرفت | 252 |
| 30.67 | معذور | 252 |
| 30.68 | معصوم | 252 |
| 30.69 | معراج النبی ﷺ | 252 |
| 30.70 | معاد | 253 |
| 30.71 | معاملہ | 253 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 30.72 | حضرت معاویہ رضی اللہ عنہ | 253 |
| 30.73 | مغضوب | 253 |
| 30.74 | مغفرت | 253 |
| 30.75 | مغرب | 253 |
| 30.76 | مفتوحہ علاقے | 254 |
| 30.77 | مقابلہ | 254 |
| 30.78 | مقتول | 254 |
| 30.79 | مقام محمود | 254 |
| 30.80 | مکہ مکرمہ/اہل مکہ | 254 |
| 30.81 | مکس | 255 |
| 30.82 | مکڑی | 255 |
| 30.83 | ملت | 255 |
| 30.84 | ملائکہ | 255 |
| 30.85 | ملحد | 255 |
| 30.86 | سورۃ الملک | 255 |
| 30.87 | سورۃ الممتحنہ | 255 |
| 30.88 | منت ماننا | 255 |
| 30.89 | منطق | 255 |
| 30.90 | مناظرہ/مباحثہ | 255 |
| 30.91 | منافق | 255 |
| 30.92 | سورۃ المنافقون | 257 |
| 30.93 | موت | 257 |
| 30.94 | حضرت موسیٰ علیہ السلام | 257 |
| 30.95 | مواخذہ | 260 |
| 30.96 | مویشی | 260 |
| 30.97 | مولوی | 261 |
| 30.98 | موالات | 261 |
| 30.99 | مہر | 261 |
| 30.100 | مہمان نوازی | 261 |
| 30.101 | مؤمن | 261 |
| 30.102 | سورۃ المؤمنون | 263 |
| 30.103 | سورۃ المؤمن | 263 |
| 30.104 | میت | 263 |
| 30.105 | میقات | 263 |
| 30.106 | میثاق | 263 |
| 30.107 | میزان | 263 |
| 30.108 | میلاد رسول ﷺ | 263 |
| 30.109 | میانہ روی | 264 |


## ن (۳۱)


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 31.1 | نام | 264 |
| 31.2 | سورۃ الناس | 264 |
| 31.3 | ناپ تول | 264 |
| 31.4 | سورۃ النباء | 264 |
| 31.5 | نبوت/نبی | 264 |
| 31.6 | نجات | 266 |
| 31.7 | نجات از جہنم طلب کرنا | 266 |
| 31.8 | سورۃ النازعات | 266 |
| 31.9 | نجاشی | 266 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 31.10 | نجومی | 266 |
| 31.11 | سورۃ النجم | 266 |
| 31.12 | سورۃ النحل | 266 |
| 31.13 | نحوست | 266 |
| 31.14 | نداء یارسول اللہ ﷺ | 267 |
| 31.15 | نذر | 267 |
| 31.16 | نسخ | 267 |
| 31.17 | سورۃ النباء | 267 |
| 31.18 | نسیان | 267 |
| 31.19 | نسب | 268 |
| 31.20 | نسبت | 268 |
| 31.21 | نشانی | 268 |
| 31.22 | نصب | 268 |
| 31.23 | سورۃ النصر | 268 |
| 31.24 | نصاریٰ | 268 |
| 31.25 | نصیحت | 268 |
| 31.26 | نطفہ | 268 |
| 31.27 | نظر لگنا | 268 |
| 31.28 | نعمت | 268 |
| 31.29 | نفس | 270 |
| 31.30 | نفل | 270 |
| 31.31 | نفاق | 270 |
| 31.32 | نفع وضرر | 270 |
| 31.33 | نفع رسانی | 271 |
| 31.34 | نقصان | 271 |
| 31.35 | نکاح | 271 |
| 31.36 | نگاہ | 272 |
| 31.37 | نماز | 272 |
| 31.38 | نمرود | 272 |
| 31.39 | سورۃ النمل | 272 |
| 31.40 | حضرت نوح علیہ السلام | 272 |
| 31.41 | سورۂ نوح | 274 |
| 31.42 | نور | 274 |
| 31.43 | سورۃ النور | 274 |
| 31.44 | نوحہ کرنا | 274 |
| 31.45 | نیت | 274 |
| 31.46 | نیند | 274 |
| 31.47 | نیک اعمال | 274 |
| 31.48 | نیک لوگ | 275 |
| 31.49 | نیکی | 275 |
| 31.50 | نیکی کا حکم دینا | 275 |


## (۳۲) و


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 32.1 | والدین (ماں+باپ) | 275 |
| 32.2 | والدین کریمین رضی اللہ عنہما | 276 |
| 32.3 | وادی حجر | 276 |
| 32.4 | وادی طویٰ | 276 |
| 32.5 | واعظ | 276 |
| 32.6 | وارث | 276 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 32.7 | سورۃ الواقعہ | 277 |
| 32.8 | وجاہت | 277 |
| 32.9 | وجد | 277 |
| 32.10 | وجود باری تعالیٰ | 277 |
| 32.11 | حضرت وحشی رضی اللہ عنہ | 277 |
| 32.12 | وحی | 277 |
| 32.13 | وراثت | 278 |
| 32.14 | وزیر/وزارت | 278 |
| 32.15 | وسیلہ | 278 |
| 32.16 | وسوسہ | 279 |
| 32.17 | وصیت | 279 |
| 32.18 | وضو | 279 |
| 32.19 | وعد/وعید | 279 |
| 32.20 | وعدہ | 279 |
| 32.21 | وکیل | 279 |
| 32.22 | ولایت | 279 |
| 32.23 | ولی | 279 |
| 32.24 | ولید بن عتبہ | 280 |
| 32.25 | ولید بن مغیرہ | 280 |
| 32.26 | ووٹ | 280 |
| 32.27 | وہم | 280 |

## (۳۳) ہ/ھ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 33.1 | حضرت ہارون علیہ السلام | 280 |
| 33.2 | ہاروت وماروت | 280 |
| 33.3 | ہجرت/مہاجرین | 280 |
| 33.4 | ہدیٰ | 281 |
| 33.5 | ہدہد | 281 |
| 33.6 | ہدایت/ہادی | 281 |
| 33.7 | ہڈی | 282 |
| 33.8 | ہلاکت | 282 |
| 33.9 | سورۃ الہمزہ | 282 |
| 33.10 | ہم جنس پرستی | 282 |
| 33.11 | ہنسنا/تبسم/قہقہہ | 282 |
| 33.12 | سورۂ ہود | 282 |
| 33.13 | حضرت ھود علیہ السلام | 282 |

## (۳۴) ی

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 34.1 | یاجوج وماجوج | 283 |
| 34.2 | یاد | 283 |
| 34.3 | یتیم | 283 |
| 34.4 | حضرت یحییٰ علیہ السلام | 284 |
| 34.5 | یزید | 284 |
| 34.6 | سورۂ یٰسین | 284 |
| 34.7 | حضرت یعقوب علیہ السلام | 284 |
| 34.8 | یقین | 285 |
| 34.9 | حضرت یوشع بن نون علیہ السلام | 285 |
| 34.10 | سورۂ یوسف | 285 |
| 34.11 | حضرت یوسف علیہ السلام | 285 |
| 34.12 | یوم | 289 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 34.13 | یوم حساب | 289 |
| 34.14 | یوم حشر | 289 |
| 34.15 | یوم عرفہ | 289 |
| 34.16 | یوم میلاد | 289 |
| 34.17 | یوم نحر | 289 |
| 34.18 | سورۂ یونس | 289 |
| 34.19 | حضرت یونس علیہ السلام | 290 |
| 34.20 | یہود ونصاریٰ | 290 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|



تمت

marfat.com
Marfat.com

# انتساب

میں اپنی اس علمی کاوش کو ان دو عظیم شخصیات کے نام منسوب کرتا ہوں
جن کے علمی فیضان سے یقیناً ایک عالم مستفیض و مستفید ہو رہا ہے
جن کا وجود مسعود مسلمانانِ عالم کے لیے باعث رحمت اور مینارۂ نور ہے

میری مراد ہیں

محدث عصر، سعیدِ ملت، جامع المعقول والمنقول، شیخ الحدیث والتفسیر
حضرت علامہ مفتی **غلام رسول سعیدی** صاحب

اور

میرے محسن و مربی، میرے استاذ محترم، میرے راہبر و رہنما
حضرت علامہ مولانا پروفیسر **عون محمد سعیدی** صاحب
امداللہ ظلہما علیٰ جمیع المسلمین والمسلمات

marfat.com
Marfat.com

بسم اللہ الرحمن الرحیم

# تعارف مؤلف اشاریہ تبیان القرآن

حضرت مولانا حافظ آس محمد سعیدی زید علمہ وفضلہ واسعدہ اللہ فی الدارین' نہایت مخلص اور جلیل القدر عالم دین ہیں' انہوں نے نہایت محبت اور اخلاص سے تفسیر تبیان القرآن کا اشاریہ ترتیب دیا ہے' جس میں حروف تہجی کے اعتبار سے مضامین تبیان کی فہرست بنائی ہے' مثلات کے باب میں ایک عنوان ہے: توسل' اس کی فہرست اس طرح بنائی ہے:

## توسل

| | |
|---|---|
| وسیلہ کا معنی | 187/1 |
| انبیاء اور اولیاء کا وسیلہ | 188/1 |
| توسل بعد از وصال پر اعتراضات کے جوابات | 196/1 |
| توسل بعد از وصال کے متعلق علماء کرام کے نظریات | 198/1 |
| حضور ﷺ کے وسیلہ سے دعا کا قبول ہونا | 448/1 |
| وسیلہ بمعنی ذریعۂ تقرب | 171/3 |
| انبیاء واولیاء کے وسیلہ سے دعا کرنا | 171-173/3 |
| وسیلہ بمعنی درجہ جنت | 174/3 |
| دعا اذان میں حدیث شفاعت کی تحقیق | 174/3 |
| دعا اذان کے بعض دیگر کلمات کی تحقیق | 175/3 |
| وسیلہ بمعنی مرشد کامل | 176/3 |

## پیدائش وابتدائی حالات

حافظ آس محمد سعیدی کے والد کا نام محمد الیاس ہے' حافظ آس محمد 1987ء میں بہاولپور پیدا ہوئے' ابتدائی تعلیم اپنے ہی شہر میں حاصل کی' ان کے استاذ گرامی حافظ عون محمد سعیدی ہیں' دوسرے استاد جن سے انہوں نے اکتساب فیض کیا علامہ اللہ وسایا سعیدی ہیں اور شیخ المیراث علامہ احمد دین صاحب سے بھی استفادہ کیا۔ قرآن مجید حافظ محمد سلیمان کے پاس تین سال میں حفظ کیا' جب سے اب تک دو مرتبہ تراویح میں قرآن مجید سنانے کی سعادت حاصل کی اور باقی سالوں میں قرآن مجید کی سماعت کا شرف حاصل کیا۔ آپ اپنے استاد حافظ عون محمد سعیدی صاحب سے 2005ء میں شرف بیعت سے مشرف ہوئے' اور حافظ عون محمد سعیدی غزالی زماں بیہقی دوراں حضرت علامہ سید سعید احمد شاہ صاحب کاظمی قدس سرہ العزیز کے دست اقدس پر بیعت ہیں۔

marfat.com
Marfat.com

## تعلیمی مراحل

2002ء میں ثانوی عامہ اور میٹرک پاس کیا 2003ء میں فاضل عربی پاس کیا اور بہاولپور بورڈ میں پہلی پوزیشن حاصل کی 2004ء میں ثانوی خاصہ اور I.com پاس کیا۔ 2006ء میں B.com اور عالیہ پاس کیا' پھر 2008ء میں تنظیم المدارس سے شہادت عالیہ کی سند حاصل کی۔ 2006ء میں کمپیوٹر ہارڈ ویئر اور سوفٹ ویئر کی تعلیم حاصل کی۔ عامہ' خاصہ' عالیہ اور عالیہ میں ممتاز مع شرف کی ڈگری حاصل کی جب کہ میٹرک' I.com اور B.com پہلی ڈویژن (1st Division) کے ساتھ پاس کیا۔ 2007ء میں استاذ عون محمد سعیدی صاحب سے دورۂ حدیث مکمل کیا۔ 2006ء میں مرکز تحقیق فیصل آباد میں ترتیبی کورس مکمل کیا۔ تنظیم المدارس کے امتحان العالیہ کے لیے جو مقالہ تحریر کیا' اس کا عنوان تھا: قرآن اور سنت کی روشنی میں مسئلہ حجاب۔

دار العلوم محمدیہ غوثیہ' بصیرہ شریف میں آل پاکستان مقابلہ تحریر منعقد ہوا' اس میں مقالے کے عنوان تھا: فروغ دین میں مدارس کا کردار' اس مقابلے میں آپ نے پہلی پوزیشن حاصل کی۔

دوران تعلیم مختلف رسائل و جرائد میں مضامین لکھے' رسائل کے نام یہ ہیں: (۱) السعید (ملتان) (۲) نور الحبیب (بصیر پور) (۳) ماہنامہ نظامیہ (لاہور) (۴) ماہنامہ عرفات (لاہور) (۵) مجلہ الہدایت (ملتان) اس کے علاوہ آسان جنرل ریاضی' محبت رسول ضروری کیوں' اور قربانی کے مسائل وفضائل کے نام سے کتابیں لکھیں' جو طبع ہو چکی ہیں۔

2005ء میں اپنے استاذ کے مدرسے دار العلوم حسینیہ قادریہ سعیدیہ میں تدریس شروع کی' جس میں صرف' نحو' انگریزی' ریاضی اور سراجی پڑھاتے ہیں۔ اس کے علاوہ ایل۔ ایل۔ بی کر رہے ہیں۔

## سماجی خدمات

سعیدی ویلفیئر فاؤنڈیشن کے نام سے ایک تنظیم کی بنیاد ڈالی اور اس کے چیئر مین منتخب ہوئے' اس تنظیم کی طرف سے کثیر تعداد میں غرباء میں آٹا تقسیم کیا اور عید الفطر میں عید گفٹ پیک تقسیم کیے۔

## اشاریہ تبیان القرآن شائع کرنے کا داعی اور محرک

حافظ آس محمد نے سب سے پہلے فقیر ناکارہ کی کتاب معاشرے کے ناسور پڑھی' پھر مقالات سعیدی' تذکرۃ المحدثین' شرح صحیح مسلم اور تبیان القرآن کے کچھ حصے پڑھے اور پھر نعمۃ الباری' ایک مرتبہ ان کے استاذ حافظ عون محمد سعیدی تبیان القرآن کی فہرستوں میں ورزش کے عنوان سے کچھ مواد تلاش کر رہے تھے' استاد شاگرد تقریباً 50 منٹ تک ڈھونڈتے رہے' پھر کہیں جا کر انہیں مطلوبہ مواد ملا۔

پھر انہیں یہ خیال آیا کہ لوگوں کو اس سے اپنا مطلوبہ عنوان تلاش کرنے میں اتنی ہی کاوش کرنی پڑتی ہوگی اور وقت صرف کرنا پڑتا ہوگا' تو کیوں نہ تفسیر تبیان القرآن کا ایک اشاریہ مرتبہ کیا جائے تاکہ لوگوں کو علمی اور تحقیقی کام کرنے میں سہولت میسر ہو' پہلے انہوں نے تفسیر تبیان القرآن کی بارہ (12) جلدوں کی فہارس کو اکٹھا کیا' پھر انہوں نے حروف تہجی کے اعتبار سے کسی ایک عنوان کے تحت اس عنوان کے موافق جو مضامین مختلف جلدوں میں پھیلے ہوئے تھے' ان کو ایک جگہ جمع کیا اور یوں پوری تبیان القرآن کی فہرست بنادی' ظاہر ہے اس میں انہوں نے بہت مشقت اٹھائی لیکن اپنی خداداد صلاحیت کی بنیاد پر صرف ایک مہینے میں یہ کام مکمل کرلیا' شروع میں آپ نے یہ کام چھوڑ دیا مگر رمضان کے مہینے میں خواب میں مجھ سے ملاقات کے بعد اس کام کو پھر اسی ذوق وشوق سے شروع کر دیا۔ میں دعا کرتا ہوں کہ اللہ عزوجل ان کی اس محنت اور کاوش کو اپنی بارگاہ میں مقبول اور مشکور فرمائے اور قارئین تبیان القرآن کو اس سے زیادہ سے زیادہ

marfat.com
Marfat.com

استفادہ کی توفیق مرحمت فرمائے۔آمین یا رب العالمین! بجاہ سیدنا و سید الانبیاء و المرسلین

غلام رسول سعیدی غفرلہٗ خادم الحدیث دارالعلوم نعیمیہ، کراچی

marfat.com
Marfat.com

# تبیان القرآن' اربابِ علم وفکر کی نظر میں

## قائدِ اہل سنت علامہ شاہ احمد نورانی صدیقی قدس سرہ العزیز

**بسم اللہ الرحمٰن الرحیم ط الحمد للہ رب العالمین و الصلوٰۃ والسلام علیٰ حبیبہ**
**سیدنا محمد و علیٰ آلہ و صحبہٖ اجمعین۔ اما بعد:**

تفسیر قرآن (تبیان القرآن) پر جو کام فخر الاماثل شیخ الحدیث علامہ غلام رسول سعیدی زید مجدھم نے کیا ہے اس پر وہ صرف میرے ہی شکریہ کے مستحق نہیں بلکہ تمام اہلسنت کے شکریہ کے مستحق ہیں۔ جو خدمت' مسلک اور دین کی ان کے ذریعے سے ہو رہی ہے اللہ تبارک وتعالیٰ نے اس کو شرف قبولیت بخشا ہے۔ تبیان القرآن علامہ سعیدی زید مجدھم کا ایک عظیم علمی وتحقیقی شاہکار اور ایک ایسا سمندر ہے کہ اگر کہا جائے: **بحر لاساحل له** تو بجا ہے۔

مولیٰ تعالیٰ ان کے علم وعمل اور عمر میں برکتیں عطا فرمائے اور مزید خدمت دین کی توفیق بخشے (آمین)

فقیر شاہ احمد نورانی صدیقی غفرلہ

(ملخصاً حیات سعید ملت' ص: ۸۴+ حقائق شرح صحیح مسلم ودقائق تبیان القرآن' ص: ۱۸)

## حضرت علامہ پروفیسر مفتی منیب الرحمٰن صاحب (مہتمم دار العلوم نعیمیہ' کراچی)

**بسم اللہ الرحمٰن الرحیم۔ الحمد للہ و حدہ ازلی ابدی لا اول له ولا آخر له صمدی سرمدی لاضد ولا ندله والصلوٰۃ والسلام علی من لانبی بعدہ سیدنا و مولانا محمد النبی الامی وعلی کل من صحبه و تبعه باحسان بعدہ۔**

''تبیان القرآن'' عہد جدید کی نہایت جامع' کامل اور مکمل تفسیر ہے' میرے محدود مطالعہ کے مطابق اردو اور عربی کی کسی تفسیر میں اتنا ذخیرۂ معلومات یکجا نہیں ہے' اگر چہ ہر تفسیر میں آپ کو جستہ جستہ تمام علوم وفنون سے متعلق معلومات ملیں گی' لیکن بالعموم ہر تفسیر میں کوئی نہ کوئی رنگ غالب ہے' مثلاً ابن جریر طبری اور ابن کثیر کی تفاسیر میں احادیث اور روایات پر زیادہ انحصار کیا گیا ہے' علامہ جار اللہ زمخشری کی تفسیر میں قرآن کی ادبیت اور بلاغت کی شان کو زیادہ نمایاں کیا گیا ہے' امام راغب اصفہانی نے لغت کے بیان تک اپنے آپ کو محدود رکھا ہے' علامہ زجاج نے صرفی اور نحوی ابحاث کو اپنا موضوع بنایا ہے' علامہ ثعلبی نے اسرائیلیات اور تاریخی رطب ویابس کو جمع کر

marfat.com
Marfat.com

دیا ہے' علامہ ابوبکر جصاص کی تفسیر میں فقہی رنگ غالب ہے' انہوں نے فقہ حنفی کی برتری ثابت کی ہے' علامہ قرطبی کی تفسیر یوں نہایت جامع ہے لیکن اس میں فقہ مالکی کو ترجیح دی گئی ہے' علامہ احمد جیون کی تفسیر بھی آیات احکام پر مشتمل ہے' امام رازی نے اپنی شانِ جامعیت کے ساتھ ساتھ فقہی موضوعات میں اگرچہ فقہ شافعی کو ترجیح دی ہے لیکن ان کی تفسیر کا خاصہ باطل فرقوں کا دلائلِ عقلیہ اور نقلیہ سے ردِ بلیغ ہے' تفسیرِ روح المعانی میں دیگر امور کے علاوہ صرفی ونحوی ترکیب پر کافی توجہ دی گئی ہے' تفسیر روح البیان اور تفسیرِ مظہری میں تصوف کا رنگ غالب ہے' سید قطب کا مرکزی موضوع مستشرقین کے اعتراضات کے جوابات اور جواہر طنطاوی کا مرکزِ نظر قرآن اور سائنس میں تطبیق ہے۔ ہمارے اس خطے' پاک وہند کی اردو تفاسیر میں ہر مفسر کے ذہن پر اس کا مخصوص مکتبۂ فکر' مسلک' مذہب اور سیاسی سوچ غالب نظر آتی ہے' چنانچہ وہ قرآن کا مطالعہ اسی سیاق وسباق میں کرتے ہیں اور قرآن کی جامعیت' آفاقیت' ابدیت اور ہمہ گیریت کا حق ادا نہیں کرپاتے۔

الغرض'' کلامِ ربانی'' کی تفسیر کے تمام شعبوں کا کسی ایک تفسیر میں کما حقہ احاطہ کرنا نہایت دشوار امر ہے اور نہ کسی تفسیر کو حرف آخر کہا جاسکتا ہے۔ تاہم بلاخوف تردید کہا جاسکتا ہے کہ قرآن مجید کی موجود اور دستیاب تفاسیر میں جو شانِ جامعیت وکاملیت'' تبیان القرآن'' کو حاصل ہے' اس میں اس کا کوئی ثانی نہیں ہے' دورانِ تفسیر اردو زبان کے قارئین کے لیے مختلف موضوعات پر اتنا عظیم تحقیقی مواد جمع کردیا گیا ہے۔ جو کہیں اور کسی جگہ دستیاب نہیں ہے' مستقبل کا کوئی بھی مفسر ومحقق صاحب'' تبیان القرآن'' کے کسی بھی نتیجۂ فکر سے اختلاف تو کرسکتا ہے اور یہ اس کا حق ہے' لیکن اس سے صرفِ نظر نہیں کرسکتا۔

'' تبیان القرآن'' کی تمام زبانوں کی موجود تمام تفاسیر میں یہ بھی امتیازی شان ہے کہ اس میں ہر بات جدید معیار تحقیق کے مطابق' کتاب' صفحہ' مصنف' مطبع اور سن طباعت کے حوالوں کے ساتھ نقل کی گئی ہے' یہ چیز دیگر کتب تفاسیر میں بہت مخصوص موضوعات کے ضمن میں خال خال تو ملے گی' لیکن اس کا کلی التزام نہیں ملے گا۔

بلاشبہ'' تبیان القرآن''، علم تفسیر اور اس منبع علم سے پھوٹنے والے مختلف علوم وفنون کا انسائیکلوپیڈیا اور انمول خزینہ ہے اور یہ آفتابِ علم مطلعِ علم پر صدیوں جگمگاتا رہے گا' کسی نے سچ کہا ہے:

یلوح الخط فی القرطاس دھرا و کاتبہ رمیم فی التراب

(صفحہ پر لکھی ہوئی تحریر ہمیشہ چمکتی رہتی ہے' اس وقت بھی جبکہ اس کا لکھنے والا مٹی میں گل سڑ چکا ہوتا)

اللہ تعالیٰ اپنے حبیب مکرم علیہ الصلوٰۃ والتسلیم کے طفیل حضرت علامہ غلام رسول سعیدی کو تمام تر جسمانی' علمی' عملی' فکری اور ذہنی قویٰ کی کامل سلامتی کے ساتھ تبیان القرآن کی تکمیل کے بعد بھی تادیر مزید دینی وعلمی عنوانات پر اپنے دینِ متین کی خدمت کی توفیق عطا فرمائے۔ آمین! یا رب العٰلمین بجاہ سید المرسلین علیہ و علٰی آلہ و صحبہ افضل الصلوٰۃ و التسلیمات. و آخر دعوٰنا ان الحمدللہ رب العالمین.

پروفیسر مفتی منیب الرحمٰن (مہتمم: دار العلوم نعیمیہ' کراچی)
چیئرمین: مرکزی رؤیت ہلال کمیٹی' پاکستان
رکن: اسلامی نظریاتی کونسل' پاکستان

(ماخوذ از: حقائق شرح صحیح مسلم ودقائق تبیان القرآن ص: ۲۳۔ ۲۸)

marfat.com
Marfat.com

## حضرت علامہ غلام محمد سیالوی صاحب (مہتمم جامعہ رضویہ شمس العلوم کراچی)

علامہ غلام رسول سعیدی صاحب! جلیل القدر محدث' مفسر' خطیب اعظم' نامور محقق اور متبحر عالم دین ہیں۔ اللہ تعالیٰ نے انہیں بلندیٔ فکر' جدت نظر' وسعت مطالعہ اور اظہار مافی الضمیر کی بے پناہ قوت عطا فرمائی ہے۔ علامہ سعیدی صاحب کی محققانہ شان اپنے مرتبۂ کمال پر نظر آتی ہے۔ آپ نے تحقیق کی روش کے تسلسل کو نہ صرف برقرار رکھا ہے' بلکہ اسے آگے بھی بڑھایا ہے۔ کسی بھی تفسیر' حدیث اور فقہی کاوش کو پرکھنے کا پیمانہ یہ ہے کہ اس میں سابق مفسرین اور محققین کی تفسیری کاوشوں اور تحقیقات پر کس قدر اضافہ کیا گیا ہے' اس کے پیش نظر مجھے یہ کہنے میں کچھ بھی تامل نہیں ہے کہ علامہ سعیدی صاحب کی تفسیر تبیان القرآن اس معیار پر پوری اترتی ہے' تفسیر تبیان القرآن میں مسائل حاضرہ' عبادات' معاملات پر سیر حاصل بحث کی گئی ہے۔ اس کے علاوہ احکام و مسائل میں تمام مذاہب آئمہ کو ان کی اصل کتابوں کے حوالے کے ساتھ ذکر کیا گیا ہے۔ تفسیر تبیان القرآن میں اسلام کے مسلمہ عقائد کو دلائل سے مزین کیا گیا ہے' تفسیر میں مذکورہ احادیث کی تخریج کی گئی ہے۔ مأخذ و مراجع کی فہرست سنین وفات کے ترتیب سے مرتب کی گئی ہے' اس نوع کی یہ انفرادی فہرست ہے' جس کے ذریعہ پتہ چل جاتا ہے کہ محدث' مفسر' فقیہ اور مصنف کا تعلق کس زمانے اور کس دور سے ہے۔ میری دعا ہے کہ اللہ تبارک وتعالیٰ ان کی اس تفسیر ''تبیان القرآن'' کو شرف قبول عام عطا فرمائے۔ آمین ثم آمین

(ماخوذ از: حیات سعید ملت' ص: ۸۴_۸۵)

❁❁❁❁❁

## حضرت علامہ مولانا پروفیسر حافظ عون محمد سعیدی صاحب
### (مدیر: جامعہ حسنیہ نزد سبزی منڈی بہاولپور)

تبیان القرآن اس دور کے محقق اعظم حضرت علامہ غلام رسول سعیدی صاحب کی بے مثال اور بے بدل تفسیر ہے۔ علامہ غلام رسول سعیدی وہ شخصیت ہیں کہ ان جیسے لوگ صدیوں بعد صفحۂ ہستی پر نمودار ہوتے ہیں اور دنیا والوں کو خلافت الٰہیہ کی یاد تازہ کرا جاتے ہیں۔

دنیا کے حسین گلشن میں ہر قدم پر ببول ملتے ہیں
کچھ انہی سے وقار گلشن ہے دو گھڑی کو جو پھول کھلتے ہیں

علامہ سعیدی صاحب نے شرح صحیح مسلم (۷ جلد)' تبیان القرآن (۱۲ جلد) اور نعمۃ الباری لکھ کر اہل سنت پر اتنا بڑا احسان کیا ہے کہ وہ صدیوں تک ان کا قرض نہیں چکا سکتے۔ دوں ہمت اور زوال پذیر اہلسنت محسن کشی میں اپنی مثال نہیں رکھتے' یہ ہر اس شخص کے مخالف ہوتے ہیں جو انہیں بقاء اور عزت کا راستہ دکھاتا ہے اور ہر اس شخص کے قدموں میں گرتے ہیں جو خود بھی خواب خرگوش میں ہوتا ہے اور انہیں بھی میٹھی نیند کی لوریاں سناتا ہے۔ یہ تو مسلک اہلسنت کی حقانیت ہے کہ اللہ رب العالمین اپنی حکمت بالغہ سے ان میں ایسے جلیل القدر افراد بھیج دیتا ہے جو انہیں حیات نو کی نوید سنا جاتے ہیں۔ مجدد الف ثانی' علامہ فضل حق خیر آبادی' اعلیٰ حضرت امام احمد رضا

marfat.com
Marfat.com

خان قادری، غزالی زماں علامہ سید احمد سعید کاظمی اور حضرت علامہ غلام رسول سعیدی یہ وہ ہستیاں ہیں کہ بڑے بڑے اساطین علم ان کے سامنے بالشتیے نظر آتے ہیں۔ میں کہا کرتا ہوں کہ مسلک اہل سنت کے مخالفین خواہ کتنی ہی کثیر تعداد میں اپنے علماء تیار کریں وہ سارے مل کر ہمارے صرف ایک شاہکار کا مقابلہ بھی نہیں کر سکتے' کیونکہ ایک ہیرا لاکھوں ٹھیکریوں پر بھاری ہوتا ہے۔ یہ کیسی عجیب بات ہے کہ ایک طرف تو سارے کا سارا دارالعلوم دیو بند ہے اور دوسری طرف تنہا اعلیٰ حضرت۔ مگر بخدا! اعلیٰ حضرت کے آفتاب کے سامنے وہ چراغ بھی نہ بن سکے البتہ چراغ پا ضرور ہو گئے...... اسی طرح اس دور میں بھی بے شمار بد مذہب' علم و تحقیق کا پرچم لے کر اٹھے مگر جب علامہ غلام رسول سعیدی کی ہستی ان کے سامنے آئی تو یہ لوگ ان کے ٹخنوں کو بھی نہ چھو سکے۔ یقیناً علامہ سعیدی صاحب نے اہل سنت کا سر فخر سے بلند کر دیا ہے اور اس حقیقت کو ثابت کر دیا ہے کہ ہر دور میں ایک ایسے محقق کی بہرحال ضرورت ہوتی ہے جو اس دور کے مسائل کا ادراک کر کے ان کا صحیح حل پیش کر سکے۔

علامہ صاحب کی تفسیر قرآن ہو یا شرح حدیث دونوں چندے آفتاب و چندے ماہتاب ہیں۔ آپ نے اپنی ساری زندگی دین و مسلک کے نام وقف کر دی ہے۔ یقیناً قیامت کے دن اللہ رب العالمین انہیں عبیین و صدیقین کی صف میں جگہ عطا فرمائے گا۔ اللہ تعالیٰ آپ کے صدقے ہمیں بھی دین و مسلک کی خدمت کی توفیق عطا فرمائے اور ہمارے گناہوں کی بخشش فرمائے۔ (آمین)

عصر حاضر میں چونکہ یونیورسٹیز اور جامعات میں تحقیق کو باقاعدہ ایک فن کی صورت میں پیش کیا گیا ہے اور اس کے باقاعدہ اصول وضوابط متعین کیے گئے ہیں (اور یہ بھی ایک حقیقت ہے کہ ہمیشہ دینی مدارس کے علماء نے اپنے زمانے کے ہر علم وفن میں اپنا لوہا منوایا ہے) لہٰذا ضرورت تھی کسی ایسے عالم دین کی' جو دینی تحقیقات کو یونیورسٹیز اور جامعات کے مقابلہ میں زیادہ بہتر فنی انداز میں پیش کر سکے تو یہ سہرا اللہ تعالیٰ نے مولانا غلام رسول سعیدی کے سر باندھا' جنہوں نے جدید تحقیقی انداز کو اختیار کر کے تن تنہا اتنا بڑا کام کر دیا کہ آنے والی صدیوں میں کئی جامعات مل کر بھی اس فرد واحد کا مقابلہ نہیں کر سکتیں۔ ساری زندگی ایک کمرہ میں بیٹھ کر کم وبیش ۲۰۰ انسٹیٹیوٹس کا کام ایک ہی شخص نے کر دکھایا ہے۔ ہمیں فخر ہے کہ اس طرح کا کام مسلک حق اہل سنت کے نمائندہ نے کیا ہے۔ اس کی جزاء انہیں صرف اور صرف اللہ تعالیٰ ہی عطا فرما سکتا ہے۔ یہ انہی کی محنت کا نتیجہ ہے کہ آج ان کے طرز تحقیق کو اختیار کر کے دیگر مصنفین بھی اپنی کتب میں مکمل حوالہ جات پیش کرنے کی کوشش کرتے ہیں' کیونکہ علماء کرام میں تحقیق کا یہ انداز سب سے پہلے انہوں نے ہی اختیار کیا۔ لہٰذا اب جتنا بھی تحقیقی کام آگے بڑھے گا' اس کا ثواب علامہ صاحب کے نامۂ اعمال میں ضرور لکھا جائے گا۔ یہ بھی واضح رہے کہ تحقیق کا یہ طریقۂ کار کوئی آسان کام نہیں' اگر کوئی مصنف اس طرز پہ لکھنا شروع کر دے تو چند ہی دنوں میں پریشان ہو جائے گا۔ شرح صحیح مسلم و تبیان القرآن جیسا ایک صفحہ لکھنا بھی مشکل کام ہے مگر علامہ صاحب نے اکیلے ہی ہزاروں صفحات لکھ کر ہر صفحہ کو بیسیوں حوالہ جات سے مزین کر دیا ہے۔ پھر مزیدار بات یہ ہے کہ کسی بھی موضوع کو تشنہ نہیں چھوڑا' تقریباً ہر موضوع پر لکھا اور باکمال لکھا۔ اگر کسی کے پاس آپ کی تصانیف ہوں تو میرا یہ دعویٰ ہے کہ اس کی ساری زندگی کے لیے آپ کی کتب ہی کافی رہیں گی' اور دوسری کتب کی اس کو ضرورت ہی پیش نہیں آئے گی۔

علمی تحقیقات کے حوالے سے ہمارا موقف بھی یہی ہے کہ ان میں اختلاف کی گنجائش موجود ہوتی ہے۔ نیز کسی بھی شخصیت سے علمی وتحقیقی آداب کو سامنے رکھتے ہوئے اختلاف رائے کوئی برا کام نہیں ہے۔ لیکن ضد' ہٹ دھرمی' تعصب اور حسد کی بناء پر کسی کے پیچھے پڑ جانا یقیناً ایک بدترین کام ہے۔ ایسے لوگوں سے ہم کہا کرتے ہیں کہ جس شخص سے تم اختلاف کرنے جا رہے ہو پہلے اس جتنا اور ویسا کام

marfat.com
Marfat.com

کر کے دکھاؤ پھر اختلاف کرو تو تمہیں زیب بھی دیتا ہے ورنہ ''چھوٹا منہ بڑی بات'' کا محاورہ تمہارے لیے ہی بنایا گیا ہے۔ بہر حال ہم علامہ صاحب کے طرز تحقیق کے بے حد شیدائی ہیں وہ ہر موضوع کی گہرائی میں اترتے ہیں اور ایسے ایسے گوہر پائے گرانمایہ پیش کرتے ہیں کہ آدمی ششدر رہ جاتا ہے۔ وہ نہایت اخلاص کے ساتھ معروضی انداز میں تحقیق فرماتے ہیں۔ لگی بندھی سوچ کے پیچھے چلنا ان کی عادت نہیں اور اس پر وہ مبارکباد کے مستحق ہیں۔ اگر وہ لگی بندھی سوچ کے مالک ہوتے تو آج یقیناً اس مقام پر نہ ہوتے۔

چند احمق قسم کے لوگ آپ پر پھبتی کستے ہیں کہ ''وہ تو مجتہد ہیں'' تو ہم اس کے جواب میں عرض کرتے ہیں کہ الحمد للہ یقیناً وہ مجتہد ہیں۔ آج امت مسلمہ میں اجتہاد مفقود ہوتا جا رہا ہے اور ہمیں مجتہدین کی شدید ضرورت ہے۔ اللہ کا شکر ہے کہ ہم میں کوئی مجتہد موجود ہے جس کا اعتراف تم بھی اپنی زبان سے کر رہے ہو۔ اگر مولانا بھی تمہاری طرح لگی بندھی سوچ کے مالک ہوتے تو وہ بھی تمہاری طرح خشک مقلد ہی ہوتے اور ہمیں ایسے مقلدین کی قطعاً کوئی ضرورت نہیں' ہمیں تو مجتہدین کی ضرورت ہے اور اجتہاد کا دروازہ آج بھی کھلا ہوا ہے۔ مجتہد کی تمام صفات علامہ صاحب میں پائی جاتی ہیں وہ قرآن وحدیث پر گہری نظر رکھتے ہیں اور ہر مسئلے کا حل پیش کرنے کی کامل صلاحیت رکھتے ہیں وما ذٰلک علی اللہ بعزیز ان کی رائے سے اختلاف کرنے کا حق بھی کسی مجتہد ہی کو ہے۔ یہ نہیں کہ جو بھی ان سے اختلاف کرے گا وہ مجتہد بن جائے گا' نہ ہر کہ سر بتر اشد قلندر است۔

وہ ایسے زبردست محقق ہیں کہ جس مسئلہ کے متعلق وہ مزید غور فرماتے ہیں اور ان پر حق واضح ہو جاتا ہے تو وہ اپنی سابقہ رائے سے رجوع کر لیتے ہیں' جس کی مثالیں ان کی کتب میں کئی جگہ پر موجود ہیں۔ بہر حال ہمیں فخر ہے کہ ہمارے درمیان مولانا غلام رسول سعیدی جیسی باوقار' صالح' مجتہد' علمی شخصیت موجود ہیں اللہ تعالیٰ انہیں تا دیر سلامت رکھے۔ راقم الحروف کو یہ اعزاز حاصل ہے کہ وہ آپ کے مبارک قدموں کو اپنے سر پر رکھ چکا ہے۔ شاید یہ اعزاز دنیا میں کسی کو بھی نصیب نہ ہوا ہو گا اور ہم یہ سمجھتے ہیں کہ علماء کا قدم جس کے سر پر ہونا کامی اس کے مقدر میں کبھی نہیں لکھی جائے گی۔

## کچھ اشاریہ کے بارے میں

مولانا آس محمد سعیدی صاحب جو کہ دار العلوم حسنیہ کے ماہر اساتذہ میں سے ہیں اور اسی ادارہ سے ہی مکمل تعلیم حاصل کی ہے ان کی ہمت بڑے بڑے امور کو اپنی جولانگاہ بناتی ہے۔ سعیدی ویلفیئر فاؤنڈیشن قائم کر کے انہوں نے خلق خدا کی خدمت کا عظیم سلسلہ شروع کر رکھا ہے۔ مختلف مقالات اور مضامین بھی لکھ چکے ہیں مکتبہ حسنیہ کو بھی حسن وخوبی کے ساتھ چلا رہے ہیں اور آئندہ بھی ان کے عزائم بہت بلند ہیں انہوں نے میری تحریک پر تبیان القرآن کا انڈیکس تیار کرنے کا ارادہ کیا جو بہر حال ایک محنت طلب کام تھا اور پھر گوناگوں مصروفیات کے ہوتے ہوئے یہ جان جوکھوں کا کام بن جاتا ہے مگر اس کے باوجود انہوں نے کامل توجہ اور انتہائی عرق ریزی کے ساتھ اسے پایۂ تکمیل تک پہنچا دیا۔ و مرداں چنیں کنند۔ اشاریہ کی تکمیل کے بعد کراچی جا کر حضرت علامہ غلام رسول سعیدی صاحب کے خدمت میں پیش کیا تو انہوں نے اسے بہت سراہا اور اسی وقت فرید بک سٹال کے مالک جناب سید محسن اعجاز صاحب کو فون کر کے اس کی اشاعت کا عندیہ دیا جسے انہوں نے نہایت خوشی کے ساتھ قبول کر لیا۔ ہزاروں صفحات اور سینکڑوں عنوانات پر محیط تبیان القرآن میں مطلوبہ مواد کو تلاش کرنا یقیناً ایک مشکل ترین کام ہے اور جس کے پاس وقت نہ ہو اس کے لیے تقریباً ناممکن ہے۔ مولانا آس محمد صاحب نے قارئین کی اس مشکل کو آسان تر بنا دیا ہے۔ حروف تہجی کی ترتیب سے انہوں نے تبیان القرآن کے تمام مضامین کو ایک خوبصورت لڑی میں پرو دیا ہے۔ اب علماء' خطباء' محققین اور مطالعہ کے شوقین حضرات کے لیے متعلقہ عنوان تک پہنچنا کچھ مشکل نہیں رہا۔ وہ چٹکیوں

marfat.com
Marfat.com

میں اپنا مسئلہ تلاش کر کے فوری تسلی کا اہتمام کر سکتے ہیں۔ اللہ تعالیٰ ان کی اس کاوش کو قبول فرمائے اور اس کے بدلے انہیں انٹرنیشنل سکالر بنائے۔ آمین بجاہ النبی الامین ﷺ

پروفیسر عون محمد سعیدی
مدیر: جامعہ حسنیہ نزد سبزی منڈی بہاول پور
25 مارچ 2008ء

## جناب محترم ومکرم شیخ عبدالمالک صاحب

شیخ الحدیث مولانا مفتی غلام رسول سعیدی' عصر حاضر کے ممتاز مفسر' عظیم القدر محدث اور وسیع النظر فقیہ ہیں۔ متعدد گراں قدر علمی تصانیف ان کی باقیات الصالحات ہیں۔ خصوصاً سات جلدوں میں صحیح مسلم شریف کی شرح پیش کر کے ملک کے تمام مکاتب فکر کے علماء سے خراج تحسین حاصل کر چکے ہیں۔ انہیں علمی گہرائی' گیرائی اور استحضار میں خصوصی مقام حاصل ہے۔ مختصر مدت میں ایک مثالی او رجامع علمی کتاب پیش کر دیتے ہیں۔

تفسیر کا مطالعہ کرنے سے یہ بات اظہر من الشمس ہو جاتی ہے کہ مصنف مدظلہ العالی نے ان خصوصیات اور اصولوں کی پوری طرح پاسداری کی ہے۔ شاید وہ عصر حاضر کے ان چند مفسرین میں شامل ہیں جو ایک مسلک سے وابستہ ہونے کے باوجود مسلکی تعصب کا شکار نہیں ہوئے اور اپنے مسلک میں متصلب ہونے کے باوجود دوسرے مسالک کا بھی کما حقہ احترام کرتے ہیں۔

مصنف کی تصنیف کی یہ خصوصیت ہے کہ وہ مسلکی مسائل میں بریلوی مسلک پر قائم رہتے ہوئے دوسرے مسالک کا احترام کرتے ہیں اور بریلوی مسلک کی توضیح اس طرح کرتے ہیں کہ دوسرے سے دوری کو کم کر دیتے ہیں۔ وہ اس کے لیے دلائل سے بات کرتے ہیں۔ بے شمار علمی عنوانات پر نہایت عالمانہ انداز میں تحقیق کی گئی ہے' آیات سے جو احکام مستنبط ہوتے ہیں' ان پر سیر حاصل بحث کی گئی ہے۔ جو علماء' طلباء اور عامۃ المسلمین کے لیے قیمتی معلومات اور فوائد پر مشتمل ہے۔

علمی تحقیق میں جس جرأت اور دیانت داری اور اعتدال کا مظاہرہ کیا ہے' اس پر وہ خراج تحسین کے مستحق ہیں۔ نیز ان کی وہ علمی تحقیقات جو خالص علمی حیثیت رکھتی ہیں۔ وہ گراں قدر ہیں اور تمام اہل علم کی ضرورت ہیں اس لیے یہ تفسیر اس بات کی حق دار ہے کہ ہر صاحب علم کی الماری کی زینت ہو۔ مصنف نے جس تیزی سے تفسیر لکھنے کا کام شروع کیا ہوا ہے' اس سے امید پیدا ہوتی ہے کہ وہ جلد ہی اس کو پایہ تکمیل تک پہنچاویں گے۔ اللہ تعالیٰ انہیں اس کی توفیق عطا فرمائے اور ان کی اس تفسیر کو مسلمانوں کے مختلف مکاتب فکر میں اتحاد و اتفاق کا ذریعہ اور ایک دوسرے سے استفادے کی بنیاد بنا دے۔ دوسرے علماء کو بھی ان کے نقش قدم پر چلنے کی توفیق سے نوازے۔

آمین (ماہنامہ ترجمان القرآن: ص ۷۰۔ ۶۵' باب ماہ اپریل ۱۹۹۹ء لاہور) (ماخوذ از: حیات سعید ملت' ص: ۸۵۔ ۸۶)

marfat.com
Marfat.com

## استاذ العلماء علامہ جمیل احمد نعیمی صاحب (ناظم تعلیمات: دارالعلوم نعیمیہ، کراچی)

الحمدللہ الذی ھدانا الٰی طریق اھل سنة و جماعة بفضله العظیم، والصلوٰة والسلام
علٰی سیدنا محمد الذی کان علی خلق عظیم وعلٰی اٰله الطیبین الطاھرین
و اصحابه المکرمین الداعین الی صراط مستقیم.

قرآن عظیم وحدیث رسول کریم ﷺ میں ارباب علم وفضل، اصحاب فکر ونظر اور صاحبانِ عقل وتدبر کے جو فضائل اور مناقب بیان کیے گئے ہیں وہ کسی صاحبِ فہم وفراست پر پوشیدہ نہیں۔ اللہ تبارک وتعالیٰ نے متعدد آیاتِ طیبہ اور حضور اکرم ﷺ نے بے شمار احادیث مقدسہ میں ان کی عظمت ورفعت کو بیان فرمایا ہے۔ احقر اس وقت صرف تین آیاتِ قرآنیہ اور دو احادیثِ نبویہ ﷺ پر اکتفا کرتے ہوئے عرض کرنے کی سعادت حاصل کرتا ہے۔

یرفع اللہ الذین آمنو امنکم والذین اوتوا العلم درجات. (المجادلہ ۵۸:۱۱)

اللہ تمہارے ایمان والوں کے اور ان کے جن کو علم دیا گیا درجے بلند فرمائے گا۔

قل ھل یستوی الذین یعلمون والذین لایعلمون. (الزمر ۳۹:۹)

تم فرماؤ کیا برابر ہیں جاننے والے اور انجان۔

یؤتی الحکمة من یشاء ومن یؤت الحکمة فقد اوتی خیرا کثیرا. (البقرہ ۲:۲۶۹)

اللہ حکمت دیتا ہے جسے چاہتا ہے اور جسے حکمت دے اسے بہت بھلائی ملے۔

من یرد اللہ به خیرا یفقهه فی الدین.

اللہ تعالیٰ جس سے خیر کا ارادہ فرمالے اسے دین کی سمجھ بوجھ عطا فرماتا ہے۔

فقیه واحد اشد علی الشیطان من الف عابد.

ایک فقیہ ہزار عابدوں سے زیادہ شیطان پر سخت ہوتا ہے۔

ان آیات کریمہ اور احادیث سنیہ کی روشنی میں ایک عالم حقانی وفقیہ ربانی کی عزت وعظمت اور شان وشوکت کا پتہ چلتا ہے خالق کائنات نے اس خاکدانِ عالم میں بے شمار مصنوعات ومخلوقات کو تخلیق فرمایا لیکن جو مقام ومرتبہ حاملین ایمان وعلم کو عطا فرمایا وہ کسی اور کو حاصل نہیں۔ آیئے اب ان آیاتِ مبارکہ اور احادیثِ صحیحہ کی روشنی میں ایک ایسے خادم دین اور درویش صفت شخصیت کو تلاش کرتے ہیں کہ جس نے اپنے آپ کو ہمہ وقت خدمت دین متین کے لیے (یعنی درس وتدریس اور تصنیف وتالیف کے لیے) وقف کر دیا۔ جس کی زندگی جہدِ مسلسل اور سعی پیہم سے عبارت ہے وہ ہیں عالمِ شہیر محدث کبیر فقیہ بے نظیر ابوالوفا علامہ غلام رسول سعیدی صاحب دامت برکاتہم العالیہ جن کو مولائے کریم نے اپنے پیارے حبیب رؤف رحیم ﷺ کے صدقے ذہانت وفراست، قوت حافظہ ذکاوت اور تفقہ فی الدین کی دولت سے وافر حصہ عطا فرمایا ہے نیز یہ کہ مبدء فیاض نے علامہ موصوف کو جو ذہنِ وقاد، طبع اخاذ، مزاج نقاد اور قلم سیال کی جس نعمت سے سرفراز فرمایا ہے وہ بھی اپنی مثال آپ ہیں۔ ذالك فضل اللہ یؤتیه من یشاء واللہ ذو الفضل العظیم۔ شاید ہی

marfat.com
Marfat.com

وجہ ہے کہ معاصرین میں سے بعض حضرات حسد کرنے لگے۔ اللہ تبارک وتعالیٰ کی عنایت اور رسول کریم ﷺ کی برکت سے موصوف جب کسی موضوع یا کسی مسئلے پر قلم اٹھاتے ہیں تو تحقیق و تدقیق اور تشریح و توضیح کا حق ادا کر دیتے ہیں بالخصوص (حوادث ونوازل) یعنی جدید مسائل جن پر ان کی شرح مسلم شریف اور تبیان القرآن شاہد عادل ہیں' موصوف ایک عالم وشارح ہی نہیں بلکہ ایک صاحب طرز ادیب بھی ہیں۔ علامہ موصوف کے مجتہدات و تحقیقات سے صرف نظر کرتے ہوئے احقر عرض کرتا ہے کہ علامہ سعیدی صاحب کی دونوں کتابیں (شرح صحیح مسلم و تبیان القرآن) حقائق و دقائق' معانی و معارف کا خزینہ اور تحقیق و تخلیق کا گنجینہ ہیں۔ احقر مندرجہ بالا حروف و الفاظ اور عبارت کو اگر مجتمع کرے تو ایسی شخصیت تشکیل پاتی ہے جو علم وآگہی' فکر ونظر' ذہانت و ذکاوت' تدبر و تفکر اور تفقہ فی الدین کی جامع ہو اور یہ ہیں علامہ سعیدی صاحب دامت برکاتہم العالیہ۔ اللہ تبارک وتعالیٰ اپنے حبیب پاک صاحب لولاک ﷺ کے صدقے علامہ سعیدی صاحب کو صحت کاملہ وعاجلہ مرحمت فرمائے۔ آمین

جمیل احمد نعیمی

استاذ الحدیث وناظم تعلیمات' دار العلوم نعیمیہ' کراچی

(ماخوذ از: حقائق شرح صحیح مسلم ودقائق تبیان القرآن ص: ۲۹۔۳۱)

❁❁❁❁❁

## مولانا محمد ناصر خاں چشتی صاحب

حضرت سعید ملت کی مایۂ ناز اور شہرۂ آفاق تصنیف لطیف ''تفسیر تبیان القرآن'' جو اب تک بارہ عظیم وضخیم جلدوں اور جہازی سائز کے تقریباً بارہ ہزار صفحات پر مشتمل تحقیقات نادرہ و عجیبہ اور قدیمہ و جدیدہ سے لبریز عظیم علمی وفقہی انسائیکلوپیڈیا ہے۔ جس میں آیاتِ قرآنیہ کا بے مثال' سلیس رواں اور بامحاورہ اردو ترجمہ و بعدہٗ اس کی جامع اور مبسوط تفسیر اور تشریح و توضیح کی گئی ہے۔ آیات مبارکہ سے ایمان وایقان' علم و معرفت اور مکارم و محاسن کی عظیم و بے مثال جواہر پارے وشہ پارے نکھر کر سامنے آئے۔ اس کے علاوہ ان آیات مبارکہ سے بے شمار علمی وفقہی شہ پارے تحقیق و تدقیق کے رنگ سے مزین ہو کر منصۂ وجود میں آئے' تفسیر تبیان القرآن کے ان انمول موتیوں اور لاجواب جوہر کو احاطۂ تحریر وتقریر میں لانا ایک جوئے شیر لانے کے مترادف ہے۔ خصوصاً عصرِ حاضر کے پیچیدہ اور دقیق مسائل کا بہترین اور صائب جواب آپ کو تفسیر تبیان القرآن کے علاوہ شاید خال ہی نظر آئے۔ اس لیے ہم بانگِ دہل یہ کہہ سکتے ہیں کہ تفسیر تبیان القرآن! قدیم وجدید علمی وفقہی تحقیقات کا حسین امتزاج ہے اور یہ اس صدی کی سب سے عظیم اور بہترین تفسیر ہے' بلکہ اس صدی کا عظیم مذہبی شاہکار ہے۔

محمد ناصر خان چشتی

فاضل دار العلوم نعیمیہ' کراچی

(ماخوذ از: حیاتِ سعید ملت' ص: ۸۷)

marfat.com
Marfat.com

# تاثرات

## پروفیسر ڈاکٹر محمد مسعود احمد (ایم اے، پی۔ ایچ۔ ڈی، اعزازِ فضیلت)

برادرم زید مجدکم!

السلام علیکم ورحمۃ اللہ وبرکاتہ! عنایت نامہ موصول ہوا، جس سے اندازہ ہوا کہ آپ فقیر کو جانتے پہچانتے نہیں۔ علامہ غلام رسول سعیدی سے فقیر کے دیرینہ مراسم ہیں، وہ اہل سنت کا اثاثہ ہیں اور ان کی تصانیف اہل سنت کا سرمایہ ہیں، فقیر کی دعائیں ان کے ساتھ ہیں۔ فقط والسلام

پروفیسر ڈاکٹر محمد مسعود احمد
۹ شوال المکرم ۱۴۲۸ھ/ ۲۱ اکتوبر ۲۰۰۷ء
۲/۱۷، سی۔ پی۔ ای۔ سی۔ ایچ، سوسائٹی، کراچی

❁❁❁❁❁

## محترم مولانا عبدالرشید صاحب

علامہ غلام رسول سعیدی دامت فیوضہم کی جلالت علمی کسی سے مخفی نہیں، چنانچہ تبیان القرآن ان کی جلالت علمی کا ایک عظیم شاہکار ہے، موصوف نے یقیناً اس کتاب کی تصنیف میں بے پناہ عرق ریزی اور محنت فرمائی، کتاب کا مطالعہ کرنے والا اس حقیقت سے انکار نہیں کرسکتا، باقی تفاسیر کے مقابلے میں اس کو درج ذیل اُمور میں انفرادیت حاصل ہے:

(1) کسی مسئلہ کو تشنہ نہیں چھوڑا گیا (خصوصاً دورِ حاضر کے مسائل)

(2) بہتر اور معتمد واحسن قول کی نشاندہی فرمائی اور وہ بھی دلائل کی روشنی میں۔

(3) روحِ قرآن یعنی اعجازِ قرآنی اور مقام محمدی ﷺ کی خوب وضاحت کی گئی۔

(4) یقیناً احادیث مبارکہ کا ایک عظیم ذخیرہ پیش کیا گیا، اور مفسر کے لیے یہ ضروری ہے کہ وہ تفسیر بالحدیث کو اہمیت دے کیونکہ احادیث کے بغیر قرآن پاک کی تفسیر یقیناً مشکل ہے۔

(5) عموماً احادیث کی نشاندہی نمبروں کے ساتھ کی گئی اور یہ ظاہر ہے کہ ہمارے مدارس میں صحاح ستہ جو مروج اور مطبوعہ ہیں، وہ نمبرنگ سے خالی ہیں، اگر نمبرنگ کے ساتھ ساتھ مذکور کتاب کے صفحہ یا باب کو بھی لکھ دیا جاتا تو یقیناً اس سے استفادہ کرنا بہت آسان ہوتا

marfat.com
Marfat.com

اور مطلوبہ حدیث کی تلاش آسان ہو جاتی' شاید بعد کے کسی ایڈیشن میں اس پر عملدرآمد ہو جائے۔ واللہ تعالیٰ اعلم

مولانا عبدالرشید
انجمن مدرسہ غوثیہ ہدایت القرآن'
ممتاز آباد ملتان

## مولانا شیر محمد خان صاحب

محترمی ومکرمی جناب قبلہ آس محمد سعیدی صاحب

السلام علیکم ورحمۃ اللہ! خیریت موجود عافیت مطلوب

آپ کا مراسلہ باصرہ نواز ہوا' تبیان القرآن از شیخ الحدیث علامہ سعیدی صاحب پر تبصرہ کرنے کا حکم نامہ موصول ہوا۔ اس سلسلہ میں عرض ہے کہ اگرچہ تبیان القرآن کا بالاستیعاب مطالعہ کرنے کا شرف حاصل نہ ہو سکا' بہر حاصل علامہ سعیدی صاحب کے کام کے بارے اہل السنت والجماعت کی اکثریت معترف بھی نظر آتی ہے اور شکر گزار بھی' اس ناچیز کا تعلق بھی انہی لوگوں سے ہے جو دل سے علامہ سعیدی صاحب کے لیے دعا گو ہیں کہ اللہ رب العزت آپ کو طویل عمر عطا فرمائے اور ہر موڑ پر آپ کی دستگیری فرمائے۔

اگرچہ بعض مسائل میں اختلاف رائے ممکن ہے' اور علماء نے اختلاف کیا بھی ہے لیکن اس کا یہ مطلب نہیں کہ اس اختلافِ رائے کو مخاصمت کا رنگ دے دیا جائے' علمی اختلافات دلائل کی بنیاد پر ہر دور میں ہوتے رہے' یہ 'اِخْتِلَافُ اُمَّتِیْ رَحْمَةٌ'' کے زمرے میں آتے ہیں۔

سعیدی صاحب نے جو کچھ لکھا' اس پر دلیل قائم کرنے کی سعی بلیغ فرمائی اور اپنی رائے کو اپنی ذات کی طرف منسوب کیا اور اللہ رب العزت کی بارگاہ بے کس پناہ میں بار بار التجائیں کیں کہ گر حق ہے تو قبول فرما' یہ من جانب اللہ ہے' اور خطا ہوئی تو معاف فرما' تو بڑے رقت انگیز انداز میں دعاؤں اور التجاؤں کے ساتھ اپنی معروضات کو پیش کیا گیا' یہ چیز خوف خدا پر دلالت کرتی ہے۔

اور ان کی ایک اہم خوبی یہ ہے کہ اپنی رائے سے رجوع کرنے میں جھجک محسوس نہیں فرماتے بلکہ بڑی جرأت سے اپنی رائے سے رجوع کر لینے کی ہمت رکھتے ہیں' جب کہ یہ صفت دورِ حاضر میں بہت حد تک ناپید ہو چکی ہے' اگرچہ بعض باتوں میں بزرگوں سے اختلاف رائے کیا ہے لیکن اس میں بھی کافی حد تک محتاط انداز اختیار فرمایا' تحریر کے لب ولہجہ کو کنٹرول رکھنے کی کوشش فرمائی' لہٰذا ان کی فکر سے جن احباب کو اختلاف ہو' وہ بھی اسی قسم کا انداز اختیار فرماتے ہوئے دلائل سے اپنی رائے کا اظہار فرمائیں تو بہت مناسب رہے گا۔

آپ نے بہت سارے جدید موضوعات کو صفحہ قرطاس کی زینت بنایا اور اپنی قیمتی آراء سے امت مسلمہ کو آگاہ فرمایا' اسے آپ کا طرۂ امتیاز بھی کہا جا سکتا ہے۔

بایں ہمہ ناچیز کو ان کی ہر رائے سے اتفاق نہیں بلکہ بعض مقامات پر اختلاف رائے کی گنجائش موجود ہے اور ایسا ہر دور میں ہوتا رہا اور مجالِ تحقیق وجستجو میں ایسا ہونا ایک مثبت اقدام ہوتا ہے اور ہونا بھی چاہیے' علماء کرام کو کھلے دل سے اس کو قبول کرنا چاہیے کیونکہ وسعت

marfat.com
Marfat.com

ظرفی کے بغیر کام نہیں چل سکتا۔

ناچیز کی خواہش اور تمنا ہے کہ حضرت موصوف کو اللہ کریم توفیق ارزانی فرمائے کہ مختلف موضوعات پر ذخیرہ احادیث سے جو مواد پیش کیا جاتا ہے' اُس کی چھان بین کر کے تقابلی جائزہ لیتے ہوئے قواعد جرح وتعدیل کے پیش نظر کوئی مستقل رسالہ یا کتاب اگر وجود میں آ جائے و بہت مفید رہے گا۔ اللہ کریم آپ کا حامی و ناصر ہو اور زیادہ سے زیادہ خدمت دین کی توفیق عطا فرمائے اور شرف قبول سے نوازے۔ تاخیر ہونے پر معذرت قبول ہو۔

راقم الحروف:

**شیر محمد خان**

خادم دار الافتاء المحمدیہ الغوثیہ' بھیرہ الشریفہ ضلع سرگودھا

۲۹ اپریل ۲۰۰۸ء

marfat.com
Marfat.com

# پیش لفظ

**بسم اللہ الرحمٰن الرحیم ط**

**الحمد للہ رب العالمین و الصلوٰۃ والسلام علیٰ سیدنا محمد**

**وعلیٰ آلہٖ و صحبہٖ اجمعین. آمین . اما بعد !**

محدث عصر' سعید ملت' مفسر قرآن' جامع المعقول والمنقول' حضرت علامہ مفتی غلام رسول سعیدی صاحب مدظلہ العالی بے بدل مصنف اور عظیم محقق و مجتہد ہیں۔ ویسے تو آپ کی تمام تصانیف' آپ کے تبحر علمی اور فقہی تحقیقات سے مملو ہیں' مگر آپ نے خصوصاً ''تبیان القرآن'' میں جو علم و حکمت اور علمی وفقہی تحقیقات قلم بند کی ہیں ان کی مثال نہیں ملتی۔

بلاشبہ! آپ نے تفسیر ''تبیان القرآن'' میں سینکڑوں تفاسیر قرآن کا خلاصہ و نچوڑ اور لب لباب بڑے خوبصورت' دلنشیں اور سہل انداز میں پیش کر کے ایک عظیم کارنامہ سرانجام دیا ہے۔ آپ مدظلہ العالی اپنی تفسیر کے انداز تحریر اور اسلوب کے بارے میں رقمطراز ہیں:

''میں نے اس تفسیر (تبیان القرآن) کو متوسط طریقہ پر لکھا ہے' اس میں بہت زیادہ تفصیل ہے نہ بہت اختصار ہے' مسائل حاضرہ پر میں نے بہت شرح وبسط کے ساتھ 'شرح صحیح مسلم' میں لکھ دیا ہے' اسی طرح عبادات اور معاملات پر سیر حاصل بحث اس میں آ گئی ہے' تاہم جو مسائل اور مباحث اس میں آنے سے رہ گئے ہیں' ان شاء اللہ ان کا اس میں تفصیل کے ساتھ ذکر کروں گا۔ معاصرین اور عہد قریب کے مفسرین کی تحقیقات اور نگارشات کو میں نے اپنے پیش نظر رکھا ہے اور جہاں میری رائے ان کے ساتھ متفق نہیں ہو سکتی' میں نے ادب واحترام کے ساتھ اپنی رائے کا اظہار کر دیا ہے''۔ (تبیان القرآن ج:۱' ص:۳۸۔۳۹)

عصر حاضر میں تفسیر ''تبیان القرآن'' کو جو غیر معمولی مقبولیت حاصل ہوئی ہے' وہ کسی پر مخفی نہیں ہے' اس کی سب سے بڑی وجہ یہ ہے کہ اس میں ایسے لوگوں کی تسلی وتشفی کا سامان ہے جو قرآن مجید کو جدید انداز واسلوب اور قدیم ذخیرہ سے استفادہ کر کے سمجھنا چاہتے ہیں۔

بلاشک وشبہ تفسیر ''تبیان القرآن'' علم ومعارف کا ایک بحر بے کراں ہے' جس سے مطلوبہ حکمت کے موتیوں کو تلاش کرنا' کہ وہ کون کون سی جلدوں کے کن کن صفحات پر ہیں' ایک دقت طلب اور وقت طلب معاملہ تھا' لہٰذا اس کا ایسا اشاریہ مرتب کرنے کی اشد ضرورت تھی۔ جسے تشنگان علم کے لیے Key کی حیثیت رکھتا ہو۔ اللہ رب العزت کا کروڑہا احسان ہے کہ اس نے کاتب الحروف کو یہ کام کرنے کی ہمت وسعادت بخشی۔

اس اشاریہ کو ترتیب دیتے وقت درج ذیل امور کا خیال رکھنے کی کوشش کی گئی ہے:

☆ اشاریہ' مضامین کے بجائے حروف تہجی کے اعتبار سے ترتیب دیا گیا ہے' کئی عنوانات' مرکبات اضافیہ کی صورت میں ہیں' ان میں سے بعض میں مضاف کا اعتبار کیا گیا ہے' مثلاً: ''بیت اللہ'' ''علم غیب'' اور ''علم دین'' بالترتیب ''با'' اور ''عین'' کے تحت درج

marfat.com
Marfat.com

کیے گئے ہیں۔ بعض عنوانات مضاف الیہ کی مناسبت سے لکھے گئے ہیں مثلاً: ''غزوۂ احد'' ''غزوۂ بدر'' اور ''نمازِ جنازہ'' بالترتیب ''الف'' ''با'' اور ''جیم'' کے تحت درج کیے گئے ہیں' جن واقعات میں متعدد اشخاص اور جگہوں کے نام آتے تھے ان میں اشخاص ومواضع کا لحاظ کرتے ہوئے ایک ہی عنوان کئی جگہوں پر تحریر کیا گیا ہے۔ مثلاً ''مشرکین پر جلدی عذاب نہ آنے کی وجہ'' کو ''مشرک'' اور ''عذاب'' دونوں کے تحت تحریر کیا گیا ہے' عنوانات ترتیب دیتے وقت زیادہ تر مشہور الفاظ کا لحاظ رکھا گیا ہے' البتہ سہولت کے لیے غیر مشہور الفاظ بھی ذکر کر دیے گئے ہیں' سوائے امت محمدیہ کے بقایا تمام امتوں کا ذکر ان کے انبیاء کے ساتھ ہی کر دیا گیا ہے۔ جیسے ''قوم ثمود'' اور ''قوم عاد'' کو بالترتیب ''حضرت صالح علیہ السلام'' اور ''حضرت ہود علیہ السلام'' کے تحت درج کیا گیا ہے۔

راقم نے تمام مندرجات کی لفظی ومعنوی اور حوالہ جاتی صحت کا اپنی طرف سے پورا پورا خیال رکھا ہے۔ اس کے باوجود بتقاضائے بشریت غلطی کا امکان رد نہیں کیا جا سکتا' لہٰذا دوران مطالعہ کسی محترم ومکرم اہل علم وتحقیق کو کوئی قابل اصلاح چیز نظر آئے تو براہِ کرم اس سے مطلع فرمائیں تاکہ آئندہ ایڈیشن میں اس کی تصحیح کی جا سکے۔

اس اشاریہ کی ترتیب وتالیف کے دوران جن جن حضرات کا تعاون شامل رہا' راقم الحروف ان سب حضرات کا تہہ دل سے شکر گزار اور ان کے لیے دعا گو ہے۔ جزاهم الله تعالٰی احسن الجزاء۔

نیز فرید بک سٹال لاہور کے مالک جناب محترم ومکرم سیّد محمد محسن اعجاز شاہ صاحب کا شکریہ ادا کرنا بھی انتہائی ضروری ہے' جنہوں نے اس کی طباعت واشاعت کا اہتمام فرمایا۔

اللہ رب العزت کی بارگاہ بے کس' میں دعا ہے کہ وہ اس خدمت کو قبول فرماتے ہوئے راقم' ناشر' کمپوزر اور ہر قاری کے لیے ذریعۂ نجات بنائے۔ آمین بجاہِ طٰهٰ و یٰسین ﷺ

آس محمد سعیدی
(فاضل درس نظامی' فاضل عربی' فاضل اردو' بی کام' ایل ایل بی)
چیئرمین: سعیدی ویلفیئر فاؤنڈیشن'
گلبرگ روڈ' نزد ناردرا آفس' بہاول پور
0300-6818535,0321-6850235
5 اپریل 2008ء / ۲۷ ربیع الاول ۱۴۲۹ھ

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| | **آ** | |
| 1 | **آثار صحابہ** | |
| 1 | آثار صحابہ کی حجیت پر دلائل | 456/3 |
| 2 | **آثارِ قیامت** | |
| 1 | دیکھئے "49: علامات قیامت" صفحہ 184 | |
| 3 | **آخرت** | |
| 1 | دار آخرت کا معنی | 278/1 |
| 2 | آخرت کے لیے نیکیاں بھیجنا | 494/1 |
| 3 | مسلمانوں کو آخرت میں دوستی اور سفارش سے نفع | 924/1 |
| 4 | مال و دولت اور شرک کے پرستاروں کی آخرت میں محرومی | 599/3 |
| 5 | پہاڑوں کو چلانا۔ زمین کا صاف میدان ہونا | 116/7 |
| 6 | آخرت میں کفار کی اقسام | 723/7 |
| 7 | آخرت میں مومنوں کے انعامات | 726/7 |
| 8 | آخرت میں کفار کے چار اوصاف | 915/7 |
| 9 | آخرت میں حساب کے متعلق احادیث | 916/7 |
| 10 | آخرت میں مسلمانوں کے مال کی نفع رسانی | 356/8 |
| 11 | آخرت میں مسلمانوں کی اولاد کی نفع رسانی | 357/8 |
| 12 | عقیدۂ آخرت کی تعلیم | 65/9 |
| 13 | دار آخرت کا حقیقی زندگی ہونا | 115/9 |
| 14 | آخرت پر یقین کا معنی | 219/9 |
| 15 | مومن اور فاسق کا آخرت میں مساوی نہ ہونا | 338/9 |
| 16 | آخرت کی طرف رغبت کی فضیلت | 579/10 |
| 17 | آخرت میں کفار کے عذاب کی وعید | 776/10 |
| 18 | آخرت میں متقین کے اجر و ثواب کی بشارت | 777/10 |
| 19 | آخرت سے ڈرانا اور اللہ کی حمد و تسبیح کرنا | 825/10 |
| 20 | آخرت میں برے کاموں کی بری اور ڈراونی صورتیں | 825/10 |
| 21 | آخرت چلانے والے اور گواہی دینے والے کا مصداق | 324/11 |
| 22 | متقین کے آخرت میں احوال | 361/11 |
| 23 | آخرت میں توبہ اور ندامت کا بے فائدہ ہونا | 739/12 |
| 4 | **آداب** | |
| 1 | پیری و مریدی کے آداب | 191/8 |
| 2 | اپنے ماتحت لوگوں اور اولاد کو ادب سکھانا | 124/12 |
| 5 | **حضرت آدم علیہ السلام** | |
| 1 | آدم کی لفظی تحقیق | 337/1 |
| 2 | حضرت آدم علیہ السلام کی تخلیق کے مراحل | 337/1 |
| 3 | حضرت آدم علیہ السلام کو خلیفہ بنانے کی وجہ | 337/1 |
| 4 | حضرت آدم علیہ السلام کو تمام اسماء کا علم | 338/1 |
| 5 | حضرت آدم علیہ السلام کو فرشتوں کے سجدہ کرنے کی وجہ | 339/1 |
| 6 | آیا حضرت آدم علیہ السلام کو جنت الخلد میں رکھا گیا یا زمین کے کسی باغ میں؟ | 349/1 |
| 7 | حضرت آدم علیہ السلام کا شجر سے کھانا معصیت تھا یا نہیں | 345/1 |
| 8 | حضرت آدم علیہ السلام کو زمین پر بھیجنے کی حکمتیں | 351/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | حضرت آدم علیہ السلام کی توبہ کے کلمات | 352/1 |
| 10 | حضرت آدم علیہ السلام کو دوبارہ نیچے اترنے کا حکم دینے کی توجیہ | 357/1 |
| 11 | عصمت آدم علیہ السلام پر حشویہ کے اعتراضات کے جوابات | 357/1 |
| 12 | قصۂ آدم و ابلیس میں حکمتیں | 361/1 |
| 13 | حضرت آدم علیہ السلام کی فضیلت | 125/2 |
| 14 | حضرت آدم و عیسیٰ علیہم السلام میں وجوہ مماثلت | 186/2 |
| 15 | حضرت آدم علیہ السلام سے محمد عربی ﷺ تک کا زمانہ | 143/3 |
| 16 | حضرت آدم علیہ السلام کی سوانح | 58/4 |
| 17 | حضرت آدم علیہ السلام کی مرحلہ وار تخلیق | 59/4 |
| 18 | حضرت آدم علیہ السلام کو ان کی اولاد کا مشاہدہ کرانا | 60/4 |
| 19 | حضرت آدم علیہ السلام کی آزمائش | 61/4 |
| 20 | حضرت آدم علیہ السلام کا محمد عربی ﷺ کے وسیلہ سے دعا کرنا | 62/4 |
| 21 | حضرت آدم علیہ السلام کے سکون کیلئے حضرت حوا کی تخلیق | 63/4 |
| 22 | حضرت آدم علیہ السلام کی دنیا میں تشریف آوری | 64/4 |
| 23 | حضرت آدم علیہ السلام کی وفات | 64/4 |
| 24 | حضرت آدم علیہ السلام کا برزخ میں حضرت موسیٰ علیہ السلام سے مباحثہ | 64/4 |
| 25 | حضرت آدم علیہ السلام کا ابلیس سے افضل ہونا | 69/4 |
| 26 | حضرت آدم علیہ السلام کا زمین پر آنا اور توبہ کرنا | 83/4 |
| 27 | حضرت آدم علیہ السلام کا فرشتہ اور دائمی جنتی کی طمع پر اعتراضات اور ان کے جوابات | 85/4 |
| 28 | حضرت آدم علیہ السلام کا شجر ممنوع سے کھانا | 85/4 |
| 29 | حضرت آدم علیہ السلام کے جنت سے باہر آنے کا سبب | 91/4 |
| 30 | حضرت آدم علیہ السلام و حوا کا اپنے بیٹے کا نام عبدالحارث رکھنا | 489/4 |
| 31 | بنو آدم کے دلوں کو الٹ پلٹ کرنے کا معنی | 604/4 |
| 32 | نسیان کے باوجود حضرت آدم علیہ السلام پر عتاب نہ ہونا | 484/7 |
| 33 | حضرت آدم علیہ السلام کا اولوالعزم رسول نہ ہونا | 484/7 |
| 34 | ابلیس کی حضرت آدم علیہ السلام سے عداوت کی وجوہ | 487/7 |
| 6 | **آزر** | |
| 1 | آزر کے متعلق مختلف اقوال | 553-558/3 |
| 2 | آزر کیلئے حضرت ابراہیم علیہ السلام کے استغفار کی توجیہ | 275/5 |
| 3 | قیامت کے دن آزر کی شفاعت کی توجیہ | 275/5 |
| 4 | آزر کو شیطان سے متنفر کرنے کی وجہ | 283/7 |
| 5 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی آزر کیلئے دعا کی توجیہ | 351/8 |
| 6 | قیامت کے دن حضرت ابراہیم علیہ السلام کی آزر سے ملاقات | 352/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | قیامت کے دن آزر کی شفاعت | 353/5 |
| 8 | آزر کو دوزخ میں ڈالنے پر خلف وعدہ وعید | 354/8 |
| 7 | **آزمائش** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کے آزمانے پر ایک اعتراض کا جواب | 337/5 |
| 2 | میدان قیامت میں بچوں اور دیگر کا امتحان ہونا | 671/6 |
| 3 | انسان کو امتحان میں مبتلا کرنا | 43/7 |
| 4 | اچھی اور بری دونوں حالتوں میں آزمانا | 558/7 |
| 5 | حضرت ایوب علیہ السلام کو آزمائش میں مبتلا کرنا | 648/7<br>114/10 |
| 6 | اہل نعمت واہل مصیبت کی آزمائش | 228/8 |
| 7 | رسول اللہ ﷺ کے اصحاب کی آزمائش | 40/9 |
| 8 | سابقہ امتوں کی آزمائشیں | 41/9 |
| 9 | اللہ تعالیٰ کے آزمانے کا مطلب | 175/11 |
| 10 | اہل وعیال کا آزمائش ہونا | 919/11 |
| 8 | **حضرت آسیہ رضی اللہ عنہا** | |
| 1 | حضرت آسیہ رضی اللہ عنہا کا راہ حق میں مظالم برداشت کرنا | 132/12 |
| 2 | حضرت آسیہ رضی اللہ عنہا کا جنت میں حضور ﷺ کے نکاح میں ہونا | 132/12 |
| 9 | **آسمان** | |
| 1 | آسمان پر سیڑھی لگانے کا معنی | 446/3 |
| 2 | آسمانوں کو حق کے ساتھ پیدا کرنے کا معنی | 541/3 |
| 3 | آسمان کی نشانیوں سے وجود باری تعالیٰ اور توحید پر دلائل | 602/3 |
| 4 | آسمان کو سات دنوں میں بنانا | 155/4 |
| 5 | آسمانوں میں اللہ تعالیٰ کے وجود اور اس کی وحدت کی نشانیاں | 876/5 |
| 6 | آسمان کی تبدیلی کے متعلق اقوال وغیرہ | 225-226/6 |
| 7 | آسمان بنانے کی حکمتیں | 529/7 |
| 8 | آسمان کے فتق اور رتق کا معنی | 545/7 |
| 9 | آسمان کی حفاظت | 554/7 |
| 10 | آسمان میں اللہ تعالیٰ کی بلند صفات | 150/9 |
| 11 | آسمانوں کا گول اور ایک دوسرے سے منفصل ہونا | 236/9 |
| 12 | آسمان سے اترنے اور اس کی طرف چڑھنے والی چیزیں | 597/9 |
| 13 | آسمانوں کی حفاظت فرمانا | 697/9 |
| 14 | آسمان دنیا کا ستاروں سے مزین ہونا | 860/9 |
| 15 | آسمانوں کی چابیوں کے محامل | 561/10 |
| 16 | آسمان کا دھواں لانے سے کیا مراد ہے؟ | 761-765/10 |
| 17 | آسمان کے خزانے | 906/11 |
| 18 | آسمان کا زبان قال سے تسبیح کرنا | 912/11 |
| 19 | آسمان کی بناء کو متعدد بار ذکر کرنے کی حکمت | 385/11 |
| 20 | آسمان میں نشانیاں | 712/12 |
| 21 | آسمان کو ذات الرجع فرمانے کی توجیہات | 676/12 |
| 22 | آسمان کے دروازوں کا ثبوت | 515/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10 | آغاز | |
| 1 | دیکھئے ''11: ابتداء'' صفحہ 52 | |
| 11 | آگ | |
| 1 | آگ کے اوپر تلے حصوں کو آگ کے سائبان کہنے کی توجیہ | 206/10 |
| 2 | آخرت کی آگ کی شدت | 680/11 |
| 12 | آل | |
| 1 | آل کا لغوی معنی | 397/1 |
| 2 | حضور ﷺ کی آل کے مصداق | 398/1 |
| 13 | آمین | |
| 1 | آمین کا معنی | 217/1 |
| 2 | نماز میں آمین کہنے کے متعلق مذاہب اربعہ | 218/1 |
| 3 | آمین کہنے کی فضیلت میں احادیث | 219/1 |
| 4 | آمین بالجہر کے متعلق احادیث | 219/1 |
| 5 | آمین بالسر کے متعلق احادیث | 220/1 |
| 6 | آمین کا قرآن کی جزء ہونا | 221/1 |
| 14 | آنکھ | |
| 1 | آنکھوں کی خیانت | 339/10 |
| 15 | آیت | |
| 1 | سب سے پہلے نازل ہونے والی آیت | 93/1 |
| 2 | سب سے آخر میں نازل ہونے والی آیت | 95/1 |
| 3 | متقدمین کی پسندیدہ آیات | 784/6 |
| 4 | علامہ غلام رسول سعیدی صاحب کی پسندیدہ آیات | 784/6 |
| 5 | نقش نعل پاک پر آیت لکھنا | 351/7 |
| 6 | ایک آیت دو بار ذکر کرنے کی وجہ | 853/8 |
| 7 | سب سے زیادہ امید افزاء آیت | 81/12 |
| 16 | آیۃ الکرسی/کرسی | |
| 1 | آیۃ الکرسی کے مفردات وجملوں کی تشریح | 926/1 |
| 2 | آیۃ الکرسی کے فضائل | 928/1 |
| 3 | کرسی پر بیٹھنے کی تحقیق | 928/1 |
| 4 | کرسی کا معنی | 929/1 |
| 5 | چارزانو بیٹھنا | 929/1 |
| 17 | آیت تطہیر | |
| 1 | آیت تطہیر کے مصادیق | 437/9 |
| 2 | آیت تطہیر سے ازواج مطہرات کا مراد ہونا | 437/9 |
| 3 | آیت تطہیر سے اہل بیت کا مراد ہونا | 438/9 |


## الف


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | حضرت ابراہیم علیہ السلام | |
| 1 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے آزمائشی کلمات | 520/1 |
| 2 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی مطلق ذریت کیلئے دعا کرنے کی وجہ | 541/1 |
| 3 | مقام ابراہیم کی تعیین کی تحقیق | 543/1 |
| 4 | حضرت ابراہیم علیہ السلام اور حضرت اسماعیل علیہ السلام کے مسلمان کرنے کی دعا | 547/1 |
| 5 | فقط اپنی اولاد کے لیے دعا کرنا | 547/1 |
| 6 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو مناسک حج کی تعلیم | 548/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | حضرت ابراہیم علیہ السلام نے کس عظیم رسول کی بعثت کی دعا کی؟ | 548/1 |
| 8 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے بیٹوں کی سوانح | 552/1 |
| 9 | حضرت ابراہیم علیہ السلام و حضرت اسماعیل علیہ السلام کا دین یہودیت وعیسائیت پر نہ ہونا | 561/1 |
| 10 | دعائے ابراہیم میں تزکیہ کا مؤخر جبکہ دعائے استجابت میں مقدم ہونا | 587/1 |
| 11 | حضرت ابراہیم علیہ السلام اور نمرود کے مباحثہ کا پس منظر | 939/1 |
| 12 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے دلائل | 941/1 |
| 13 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو حیات بعد الممات کا مشاہدہ کرانا | 943/1 |
| 14 | آپ علیہ السلام کی طرف یہود ونصاریٰ کی نسبت کا باطل اور مسلمانوں کی نسبت کا برحق ہونا | 193/2 |
| 15 | مقام ابراہیم کی نشانیاں | 267/2 |
| 16 | خلیل کا معنی اور حضرت ابراہیم علیہ السلام کا خلیل اللہ ہونا | 809/2 |
| 17 | حضرت ابراہیم علیہ السلام اور سیدنا حضرت محمد ﷺ کے مقام خلت کا فرق | 811/2 |
| 18 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا نام وغیرہ | 552/3 |
| 19 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی زندگی کے اہم واقعات | 552/3 |
| 20 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے ابوین کا ایمان والا ہونا | 562-565/3<br>212/6 |
| 21 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو دکھائے گئے ملکوت کا بیان | 565/3 |
| 22 | ستارے، چاند اور سورج کی الوہیت کے عقیدہ کو باطل کرنا | 567/3 |
| 23 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا ستارے کو ''ہٰذا ربی'' کہنا | 567/3 |
| 24 | استدلال سے اللہ تعالیٰ کی معرفت حاصل کرنا | 568/3 |
| 25 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا اپنی قوم سے مباحثہ | 568/3 |
| 26 | حضرت ابراہیم علیہ السلام پر اللہ کی نعمتوں کا تسلسل | 572/3<br>614/7 |
| 27 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کو آپ کی اولاد میں ذکر نہ کرنے کی وجہ | 573/3 |
| 28 | نواسوں کا اولاد میں داخل ہونا | 574/3 |
| 29 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے پاس آنے والے فرشتوں کی تعداد | 582/5 |
| 30 | فرشتوں کے سلام کے الفاظ | 583/5 |
| 31 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے خوف زدہ ہونے کی وجوہ | 589/5 |
| 32 | حضرت ابرہیم علیہ السلام کو مہمانوں کے فرشتہ ہونے کا علم تھا یا نہیں؟ | 590/5 |
| 33 | حضرت سارہ کے ہنسنے کی وجوہ | 591/5 |
| 34 | فرشتوں سے حضرت ابراہیم علیہ السلام کا مباحثہ | 594/5 |
| 35 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی مدح سرائی | 595/5 |
| 36 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی دعاؤں کی تشریح | 211/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 37 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا غیر آباد وادی میں اپنے اہل کو چھوڑنے کا پس منظر و پیش منظر | 199/6 |
| 38 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا قصہ شروع کرنے کی وجوہ | 281/7 |
| 39 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے ذکر جمیل کا جاری رہنا | 286/7 |
| 40 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو نبوت عطا فرمانا | 601/7 |
| 41 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا اپنی قوم کو تبلیغ فرمانا | 602/7 |
| 42 | بتوں کو توڑنے کی بڑے بت کی طرف نسبت | 603/7 |
| 43 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی قوم کا خود کو ظالم کہنا | 608/7 |
| 44 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو آگ میں ڈالا جانا | 608/7 |
| 45 | حضرت ابراہیم علیہ السلام نے اللہ سے دعا کیوں نہیں کی؟ | 609/7 |
| 46 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا ہجرت فرمانا | 613/7<br>68/9 |
| 47 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو مسلمانوں کا باپ فرمانا | 811/7 |
| 48 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا مغفرت طلب کرنا | 343-346<br>8 |
| 49 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی دعا کا مطلوب | 349/8 |
| 50 | قوم کا معنی اور مصداق | 329/8 |
| 51 | حضرت ابراہیم علیہ السلام پر آگ کا ٹھنڈا ہونا | 611/7<br>66/9,<br>908/9 |
| 52 | حضرت لوط علیہ السلام و سارہ کا حضرت ابراہیم علیہ السلام پر ایمان لانا | 67/9 |
| 53 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی طرف جھوٹ کی نسبت | 69/9 |
| 54 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے طریقہ کی اتباع کی ترغیب | 70/9 |
| 55 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا قصہ | 329/8<br>897/9 |
| 56 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے شیعہ نوح سے ہونے کی وضاحت | 898/9 |
| 57 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی قوم کی کواکب پرستی | 898/9 |
| 58 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے ستاروں کی طرف دیکھنے کا محمل | 899/9 |
| 59 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا خود کو بیمار کہنے کا پس منظر | 899/9 |
| 60 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے بظاہر تین جھوٹ | 898/9 |
| 61 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے ''میں بیمار ہوں'' کہنے کی توجیہات | 901/9 |
| 62 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا صالح بیٹا طلب کرنا | 914/9 |
| 63 | کیا حضرت ابراہیم علیہ السلام کی قوم نے ان کی بیماری کو طاعون سمجھا تھا؟ | 904/9 |
| 64 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو آگ میں ڈالنے کی آزمائش میں مبتلا کرنے کی حکمتیں | 909/9 |
| 65 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے خواب کا سچا ہونا | 926/9 |
| 66 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا اولین مہاجر ہونا | 911/9 |
| 67 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کا فرشتوں سے مکالمہ | 380/11 |
| 2 | ابرار | |
| 1 | دیکھئے ''48: نیک لوگ'' صفحہ 275 | |
| 3 | امام اعظم ابو حنیفہ رحمۃ اللہ علیہ | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | امام اعظم ابوحنیفہ رحمۃ اللہ علیہ کا اخلاق، زہد وتقویٰ، عبادت اور خوف خدا | 432/5 |
| 4 | **حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے قمار کی وضاحت | 209/2 |
| 2 | تصدیق معراج کا صلہ | 496/2 |
| 3 | خصوصیات وفضائل | 720/2 |
| 4 | حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ کی خلافت | 215/3 |
| 5 | حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ کے فضائل | 217-220/3 |
| 6 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کا اعلان برأت کرنا خلافتِ ابوبکر رضی اللہ عنہ میں وجہ طعن نہیں ہے | 52/5 |
| 7 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کا مانعین زکوٰۃ سے قتال | 69/5 |
| 8 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے ساتھ غار ثور میں رفاقت | 137/5 |
| 9 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی افضلیت کی وجوہ | 140/5 |
| 10 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کا زہد وتقویٰ اور خوف خدا | 427/5 |
| 11 | حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ کے مہمانوں کی حدیث سے استنباط شدہ مسائل | 887/7 |
| 12 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی منفرد فضیلت و خصوصیت | 87/11 |
| 13 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی فضیلت پر ایک اعتراض کا جواب | 92/11 |
| 14 | فقہاء مہاجرین کا صادق ہونا حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی خلافت کے صادق ہونے کو مستلزم ہے | 816/11 |
| 15 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کا افضل الامت ہونا | 719/11 |
| 16 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے فضائل میں احادیث وآثار | 720/11<br>793/12 |
| 17 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی خلافت وامامت پر دلیل | 245/11 |
| 18 | آپ رضی اللہ عنہ کی فضیلت میں سورۃ اللیل کا نزول | 787/12 |
| 19 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی فضیلت میں کتب شیعہ کی تصریحات | 802/12 |
| 20 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کا حضرت بلال رضی اللہ عنہ اور دیگر چھ غلاموں کو خرید کر آزاد کرنا | 791/12 |
| 5 | **ابولہب** | |
| 1 | ابولہب کا نام اور رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم سے اس کی عداوت | 1029/12 |
| 2 | ابولہب کی عبرت ناک موت | 1030/12 |
| 3 | ابولہب کے بیٹے عتیبہ کا انجام | 1030/12 |
| 4 | ابولہب کی بیوی کی مذمت | 1032/12 |
| 5 | ابولہب کی بیوی کے لیے دوزخ کی وعید | 1032/12 |
| 6 | **ابلیس** | |
| 1 | دیکھئے "34: شیطان" صفحہ 157 | |
| 7 | **ابوجہل** | |
| 1 | ابوجہل کی مذمت | 884/12 |
| 2 | ابوجہل کے لیے عذاب کی وعید | 885/12 |
| 8 | **ابرھہ** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | پرندوں سے ابرھہ کے لشکر کو فنا کرنا | 981/12 |
| 2 | اصحاب الفیل سے انتقام لینے میں رسول اللہ ﷺ کی فضیلت کے نکات | 982/12 |
| 3 | ابرھہ کے لشکر کا ہاتھیوں سے بھی کم درجہ ہونا | 983/12 |
| 9 | **حضرت ابن مسعود رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت ابن مسعود رضی اللہ عنہ اور دیگر صحابہ کا موجودہ قرآن کے خلاف پڑھنا اور اس کی توجیہات | 780-782/12 |
| 10 | **حضرت ابوطالب** | |
| 1 | ایمان ابوطالب کی تحقیق | 425-429/3 |
| 2 | ابوطالب کا مرتے وقت کلمہ نہ پڑھنا | 271/5 |
| 3 | ابوطالب کے ایمان کے متعلق ایک روایت | 271/5 |
| 4 | ایمان ابوطالب کے متعلق آیات واحادیث | 839/8 |
| 5 | ایمان ابوطالب کے متعلق مفسرین اہلسنت کی تصریحات | 839/8 |
| 6 | ابوطالب کے اسلام لانے کی روایت پر مختلف علماء کے تبصرے | 841-844/8 |
| 11 | **ابتداء** | |
| 1 | ہر اہم کام کی ابتداء بسم اللہ، الحمد للہ اور صلوٰۃ وسلام سے کرنا | 703/8 |
| 12 | **ابدال** | |
| 1 | ابدال کے متعلق احادیث وآثار اور ان کی فنی حیثیت | 421/5 |
| 2 | احادیث ابدال کا معناً متواتر ہونا | 423/5 |
| 3 | احادیث ابدال کی مزید توثیق | 425/5 |
| 4 | نجباء اور نقباء وغیرہ کی تعداد | 425/5 |
| 13 | **سورۂ ابراہیم** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 127/6 |
| 2 | سورۂ ابراہیم کا زمانہ نزول | 127/6 |
| 3 | سورۃ الرعد اور سورۂ ابراہیم کی آپس میں مناسبت | 128/6 |
| 4 | سورۂ ابراہیم کے مضامین ومقاصد | 128/6 |
| 5 | سورۂ ابراہیم کا اختتام | 228/6 |
| 14 | **حضرت ابن ام مکتوم رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت ابن ام مکتوم رضی اللہ عنہ کو تمام مغازی میں خلیفہ بنانا | 295/4 |
| 2 | حضرت ابن ام مکتوم رضی اللہ عنہ کا تذکرہ | 566/12 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کا حضرت ابن ام مکتوم رضی اللہ عنہ سے اعراض کرنے کی وجہ | 576/12 |
| 15 | **اجر/اجرت** | |
| 1 | تعلیم قرآن ودیگر عبادات پر اجرت لینا | 584/2 |
| 2 | فقط دنیاوی اجر کی مذمت | 822/2 |
| 3 | دس گنا، سات سو گنا اور بے حساب اجر کے محامل | 699/3 |
| 4 | کسی چیز کو ڈھونڈنے کی اجرت کی تحقیق | 820/5 |
| 5 | نیک کاموں کے ظہور پر خوش ہونے کا اجر | 236/7 |
| 6 | ریڈیو اور ٹی وی کی مرمت کی اجرت لینا | 630/7 |
| 7 | مویشیوں کو گھیا بھن کرنے کی اجرت لینا | 634/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8 | اللہ کی راہ میں مقتول اور طبعی موت مرنے والے کا اجر | 786-788/7 |
| 9 | مواعظ اور خطابات پر اجرت لینا | 371/8 |
| 10 | اجرت لے کر کام کرنے کا جواز | 795/8 |
| 11 | اللہ تعالیٰ کا زیادہ اجر عطا فرمانا | 678/9 |
| 12 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام نے مادی اجر کی نفی کی ہے | 460/11 |
| 13 | دودھ پلانے کی اجرت لینا | 86/12 |
| **16** | **اجتہاد** | |
| 1 | نبی علیہ الصلوٰۃ وسلام کا اجتہاد | 476<br>478-482/3 |
| 2 | صحابہ کرام کا اجتہاد | 477/3 |
| 3 | آپ ﷺ کا وحی کی اتباع کرنا اجتہاد کے منافی نہیں ہے | 478/3 |
| 4 | اجتہاد کی تعریف | 478/3 |
| 5 | اجتہاد کا لغوی واصطلاحی معنی | 35/6 |
| 6 | اجتہاد پر ایک اعتراض کا جواب | 35/6 |
| 7 | ایک مسئلہ میں حضرت سلیمان اور داؤد علیہما السلام کا اجتہاد | 626/7 |
| 8 | انبیاء علیہم السلام کا اجتہاد | 627/7 |
| 9 | عصر حاضر میں اجتہاد کرنے کی تحقیق | 627/7 |
| 10 | ضرورت اجتہاد | 628/7 |
| 11 | مجتہد کی ضرورت | 628/7 |
| 12 | طبقات فقہاء | 629/7 |
| 13 | چلتی ٹرین میں نماز پڑھنے کے متعلق اجتہاد | 629/7 |
| 14 | لاؤڈ سپیکر کے مائیک پر نماز پڑھنے کے متعلق اجتہاد | 630/7 |
| 15 | روزہ کی حالت میں انجکشن لگوانے کے متعلق اجتہاد | 630/7 |
| 16 | ریڈیو اور ٹی وی کی مرمت کی اجرت لینے کے متعلق اجتہاد | 630/7 |
| 17 | حالت اضطرار میں مریض کو خون دینے کے متعلق اجتہاد | 631/7 |
| 18 | ایلو پیتھک اور ہومیو پیتھک دواؤں کے استعمال کے متعلق اجتہاد | 631/7 |
| 19 | بعض دیگر مسائل اجتہادیہ | 633/7 |
| 20 | ائمہ اربعہ کے بعد اجتہاد کا دروازہ بند ہونے کا معنی | 633/7 |
| 21 | ایک مجتہد دوسرے مجتہد سے کب اختلاف کرسکتا ہے؟ | 603/8 |
| 22 | رسول اللہ ﷺ کے ہوتے ہوئے اجتہاد کرنے کی تحقیق | 553/10 |
| 23 | عہد رسالت میں اجتہاد کے ثبوت پر دلائل | 554/10 |
| 24 | رسول اللہ ﷺ کے اجتہاد کی تحقیق | 483/11 |
| 25 | رسول اللہ ﷺ کے اجتہاد میں مذاہب فقہاء | 483-487/11 |
| 26 | صحابہ کے اجتہاد کی تصدیق | 807/11 |
| **17** | **اجماع** | |
| 1 | اجماع کی حجیت پر دلائل | 456/3 |
| 2 | اجماع کے حجت ہونے پر دلائل | 432/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 18 | **اجازت** | |
| 1 | تین اوقات میں گھر میں دخول کیلئے اجازت لینا | 183/8 |
| 2 | اجازت کا حکم منسوخ ہے یا باقی؟ | 184/8 |
| 19 | **سورۃ الاحقاف** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 35/11 |
| 2 | الاحقاف کا معنی | 35/11<br>102/11 |
| 3 | الاحقاف کا محل وقوع | 36/11 |
| 4 | سورۃ الاحقاف کا زمانہ نزول | 36/11 |
| 5 | سورۃ الاحقاف کے اغراض ومقاصد | 36/11 |
| 6 | سورۃ الاحقاف کا خاتمہ | 121/11 |
| 7 | سورۃ الاحقاف کی آیت: ۳۵ منسوخ ہے یا نہیں؟ | 120/11 |
| 8 | سورۃ الاحقاف کی آیت: ۹ کا منسوخ ہونا؟ | 55-68/11 |
| 20 | **سورۃ الاحزاب** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 349/9 |
| 2 | سورۃ الاحزاب کا زمانہ نزول | 349/9 |
| 3 | سورۃ الاحزاب کے مشمولات | 350/9 |
| 4 | سورۃ الاحزاب کی ایک آیت کا حضرت خزیمہ بن ثابت رضی اللہ عنہ کی شہادت سے ملنا | 403/9 |
| 5 | سورۃ الاحزاب کا اختتام | 587/9 |
| 21 | **غزوۂ احزاب** | |
| 1 | غزوۂ احزاب کا مختصر ذکر | 351/9 |
| 2 | غزوۂ احزاب میں قضا ہونے والی نمازیں | 352/9 |
| 3 | غزوۂ احزاب میں وقوع پذیر ہونے والے معجزات | 353/9 |
| 4 | غزوۂ احزاب میں مسلمانوں پر اللہ کا خصوصی فضل | 388/9 |
| 5 | غزوۂ احزاب' اللہ اور اس کے رسول کے وعدہ کے محامل | 400/9 |
| 22 | **احوال آخرت** | |
| 1 | دیکھئے "3: آخرت" صفحہ 45 | |
| 23 | **احسان** | |
| 1 | احسان کا معنی | 553/6 |
| 2 | احسان اور عدل میں فرق | 555/6 |
| 24 | **احکام شریعت** | |
| 1 | احکام شرعیہ پر عمل | 641/2 |
| 2 | شریعت کا مزاج آسان احکام بیان کرتا ہے | 642/2 |
| 3 | احکام شرعیہ کا مدار | 765/2 |
| 4 | احکام شرعیہ کی اقسام | 804/7 |
| 5 | جب عزیمت پر عمل کرنا مشکل ہو تو رخصت پر عمل کرنا فرض ہے | 807/7 |
| 6 | احکام شرعیہ کی تعداد، تعریفات اور مثالیں | 820/7 |
| 7 | فرض وواجب کی تحقیق | 821/7 |
| 8 | سنت مؤکدہ کی تحقیق | 822/7 |
| 9 | سنت غیر مؤکدہ کی تحقیق | 823/7 |
| 10 | مستحب کی تحقیق | 824/7 |
| 11 | حرام اور مکروہ تحریمی کی تحقیق | 825/7 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | اسامت کی تحقیق | 826/7 |
| 13 | مکروہ تنزیہی کی تحقیق | 827/7 |
| 14 | خلاف اولیٰ کی تحقیق | 828/7 |
| 15 | مباح کی تحقیق | 829-831/7 |
| 16 | احکام شرعیہ ظاہر پر مبنی ہیں | 374/8 |
| 17 | مکروہ تنزیہی اور خلاف اولیٰ کا گناہ نہ ہونا | 122/10 |
| 18 | احکام شرعیہ پر عمل کرنے پر ثواب کی بشارت اور نافرمانی پر عذاب کی وعید | 89/12 |
| 19 | کیا کفار احکام شرعیہ کے مخاطب ہیں؟ | 388-395/12 |
| 25 | **احصار** | |
| 1 | احصار کی تعریف | 730/1 |
| 2 | احصار کے متعلق مذاہب اربعہ | 731/1 |
| 3 | محصر کے لیے قربانی کی جگہ کا تعین | 733/1 |
| 4 | ضرورت کی وجہ سے منیٰ میں پہنچنے سے پہلے سرمنڈوانا | 734/1 |
| 26 | **غزوۂ اُحد** | |
| 1 | غزوۂ احد کا مختصر تذکرہ | 334/2 |
| 2 | غزوۂ احد کے لیے صحابہ سے مشورہ | 336/2 |
| 3 | غزوۂ احد کے متعلق احادیث | 337/2 |
| 4 | غزوۂ احد میں مسلمانوں کی پسپائی | 401/2 |
| 5 | مسلمانوں کو غم اٹھانے کا عادی بنانا | 403/2 |
| 6 | بھاگنے والے مسلمان | 407/2 |
| 7 | مسلمانوں کی خطا | 408/2 |
| 8 | چند شبہات کے جوابات | 455/2 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | احد کی ہزیمت پر مسلمانوں کو تسلی | 498/2 |
| 27 | **اختلاف** | |
| 1 | عقائد حقہ میں اختلاف کی ممانعت | 290/2 |
| 2 | باہمی بغض، حسد اور عصبیت کی وجہ سے اختلاف | 291/2 |
| 3 | فرعی واجتہادی مسائل میں اختلاف | 294/2 |
| 4 | بنی اسرائیل کے اختلاف کی مذمت کا سبب | 307/2 |
| 5 | دلائل کی بناء پر اکابر سے اختلاف | 708-709/2 |
| 6 | اختلاف رائے کی بناء پر مخالفت | 649/4 |
| 7 | مسائل فقہیہ میں آئمہ مجتہدین کے اختلاف کے اسباب | 296/5 |
| 8 | اختلاف کے مذموم ہونے کے باوجود مجتہدین کے اختلاف کا محمود ہونا | 652/5 |
| 28 | **اختیارات** | |
| 1 | اختیارات صرف اللہ کے پاس ہیں | 111/7 |
| 29 | **اخلاص** | |
| 1 | اخلاص کا بیان | 396/2 |
| 2 | اخلاص کا معنی | 95/4 280/6 |
| 3 | قرآن میں اخلاص کے ساتھ عبادت کا حکم | 95/4 |
| 4 | عمل میں اخلاص کے فوائد | 95/4 |
| 5 | عمل میں اخلاص نہ ہونے کا نقصان | 97/4 |
| 6 | اخلاص سے کیا ہوا کم عمل | 99/4 |
| 7 | کیا چیز اخلاص کے منافی ہے؟ | 281/6 |
| 8 | اخلاص کے مراتب و درجات | 281/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | دوزخ سے نجات اور جنت کے حصول کیلئے عبادت کرنا اخلاص ہے لیکن کامل اخلاص اللہ کی رضا جوئی ہے | 282/6 |
| 10 | اخلاص کے متعلق قرآن مجید کی آیات | 283/6 |
| 11 | اخلاص کے متعلق احادیث وآثار | 283/6<br>235/7 |
| 12 | اخلاص کے متعلق صوفیاء اور مشائخ کے اقوال | 284/6 |
| 13 | دوزخ سے نجات اور جنت کے حصول کی دعا کرنا بھی اخلاص کا اعلیٰ درجہ ہے | 285/6 |
| 14 | کیا اصحاب اخلاص کو شیطان نے لغزش میں مبتلا کیا؟ | 289/6 |
| 15 | اخلاص کا لغوی واصطلاحی معنی | 234/7<br>116/9<br>166/10<br>908/12 |
| 16 | مومن اور کافر کے اخلاص میں فرق | 116/9 |
| 17 | اخلاص کی حقیقت | 166/10 |
| 18 | اخلاص کی ترغیب اور ترہیب کے متعلق احادیث | 166/10 |
| 19 | اخلاص کے متعلق اقوال علماء | 168/10 |
| 20 | اخلاص کی اہمیت | 951/12 |
| **30** | **سورۃ الاخلاص** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 1034/12 |
| 2 | سورۃ الاخلاص کے فضائل | 1034/12 |
| 3 | سورۃ الاخلاص کا خلاصہ | 1039/12 |
| 4 | سورۃ الاخلاص کی تکمیل | 1041/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **31** | **ادب مصطفیٰ ﷺ** | |
| 1 | نبی ﷺ کے قول وفعل پر اپنے قول وفعل کو مقدم کرنے کی ممانعت | 275/11 |
| 2 | حضور ﷺ کے سامنے بلند آواز کے ساتھ بولنے کی ممانعت | 275/11 |
| 3 | بلند آواز سے بولنے کو دو مرتبہ منع کرنے کے الگ الگ محمل | 276/11 |
| 4 | اپنی ضرورت اور آپ ﷺ کی نعت کے کلمات کو آپ ﷺ کے سامنے بلند آواز سے پڑھنے کا جواز | 276/11 |
| 5 | رسول اللہ ﷺ کے سامنے آواز پست رکھنے والے صحابہ | 278/11 |
| 6 | رسول اللہ ﷺ کو حجروں کے باہر سے ندا کرنے والوں کے مصادیق | 279/11 |
| **32** | **ادب** | |
| 1 | دیکھئے "4: آداب" صفحہ 45 | |
| **33** | **حضرت ادریس علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت ادریس علیہ السلام کی سوانح | 290/7 |
| 2 | حضرت ادریس علیہ السلام کا چوتھے یا چھٹے آسمان پر ہونا | 293/7 |
| 3 | حضرت ادریس علیہ السلام کا جنت میں زندہ ہونا | 293/7 |
| 4 | حضرت ادریس علیہ السلام کو اوپر اٹھانا اور ان کی زندگی | 294/7 |
| 5 | حضرت ادریس علیہ السلام کے متعلق قول فیصل | 295/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | حضرت ادریس علیہ السلام کا تذکرہ | 653/7 |
| 34 | **اذان** | |
| 1 | اذان کی ابتداء | 225/3 |
| 2 | کلمات اذان | 226/3 |
| 3 | اذان کا جواب | 229/3 |
| 4 | دعا بعد الاذان | 229/3 |
| 5 | اذان کی فضیلت | 230/3 |
| 6 | اذان کی فضیلت میں احادیث | 496/10 |
| 7 | اذان میں اشھدان محمدا رسول اللہ سن کر انگوٹھے چوم کر آنکھوں پر رکھنا | 497/10 |
| 8 | مسجد میں اذان دینے کا شرعی حکم | 499/10 |
| 35 | **ازواجِ مطہرات رضی اللہ عنہن** | |
| 1 | حضور ﷺ کی ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کا بیان | 558/2 |
| 2 | تعدد ازدواج کا آپ ﷺ کی خصوصیت ہونا | 559/2 |
| 3 | آپ ﷺ کے تعدد ازدواج کی تفصیل وار حکمتیں | 559-566/2 |
| 4 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کے مؤمنوں کی مائیں ہونے کی وضاحت | 382/9 |
| 5 | حضور علیہ السلام کا ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کو طلاق کا اختیار دینا | 414/9 |
| 6 | طلاق کا اختیار دینے کا سبب اور اس کی نوعیت | 415/9 |
| 7 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کی تفصیل | 417/9 |
| 8 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کا مقام بیان فرمانا | 419/9 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن پر زیادہ گرفت فرمانے کی توجیہ | 420/9 |
| 10 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کو دگنا اجر عطا فرمانا | 422/9 |
| 11 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن اور سیدتنا فاطمہ رضی اللہ عنہا کی باہمی فضیلت | 423/9 |
| 12 | آیت تطہیر سے ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کا مراد ہونا | 437/9 |
| 13 | ازواج مطہرات کا احادیث کو پہنچانا | 445/9 |
| 14 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کا حق مہر | 515/9 |
| 15 | آیا نبی ﷺ پر ازواج میں باریوں کی تقسیم واجب تھی یا نہیں؟ | 520/9 |
| 16 | ازواج مطہرات رضی اللہ عنہن کے متعلق دل میں برا خیال لانا بھی قابل مواخذہ ہے | 530/9 |
| 17 | نبی ﷺ کی ازواج دنیا و آخرت میں آپ ﷺ کی ازواج ہیں | 529/9 |
| 18 | ازواج مطہرات سے پردہ کی اوٹ سے بات کرنے کا حکم | 528/9 |
| 19 | کیا کوئی خاتون ازوج مطہرات سے افضل ہوسکتی ہے؟ | 119/12 |
| 20 | رسول اللہ ﷺ کے ایک ماہ ازواج سے ناراض رہنے کی وجہ | 122/12 |
| 21 | ازواج مطہرات کو دنیا و آخرت میں اختیار دینے کا سبب | 123/12 |
| 22 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا اور حضرت حفصہ رضی اللہ عنہا سے حضور ﷺ کی ناراضگی | 119/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 36 | **استغفار** | |
| 1 | حضور علیہ السلام کو استغفار کا حکم دینے کی توجیہ | 384-390 / 10 |
| 2 | استغفار کے متعلق احادیث صحیحہ | 748/10 |
| 3 | والدین اور اعزہ کے لیے استغفار | 749/10 |
| 4 | استغفار کو لازم رکھنے کے متعلق احادیث صحیحہ | 750/10 |
| 5 | طلب مغفرت کے لیے وقت سحر کی خصوصیت | 365/11 |
| 6 | استغفار کے کلمات اور اس کی فضیلت | 367/11 |
| 7 | اللہ تعالیٰ سے استغفار کرنا | 356/12 |
| 8 | استغفار کی فضیلت میں آیات، احادیث و آثار | 250/12 |
| 9 | استغفار کرنے سے دنیا و آخرت کی نعمتوں کا ملنا | 285/12 |
| 10 | رسول اللہ علیہ السلام کے استغفار کے محامل | 1020-1023 / 12 |
| 37 | **اسلام** | |
| 1 | اسلامی تقویم | 716/1 |
| 2 | اسلام دین یسر ہے | 687/1 |
| 3 | دین اسلام کے ساتھ کسی اور دین کی رعایت | 752/1 |
| 4 | دین اسلام میں جبر نہیں ہے | 931/1 |
| 5 | اسلام کا معنی | 91,237/2<br>458/5<br>450/9<br>309,381/11 |
| 6 | اسلام قبول نہ کرنے کے نقصانات | 237/2 |
| 7 | اسلام میں احکام کا آسان ہونا | 256/2 |
| 8 | دین اسلام پر استقامت کے ذرائع | 283/2 |
| 9 | تاحیات اسلام پر قائم رہنے کا حکم | 288/2 |
| 10 | دین اسلام کے غلبہ کی پیش گوئی | 473/2 |
| 11 | اسلام میں رنگ و نسل کا امتیاز | 544/2 |
| 12 | دین اسلام کا برحق ہونا | 809/2 |
| 13 | مہر مقرر کرنا مذہب اسلام کی خصوصیت ہے | 567/2 |
| 14 | دین اسلام کے احکام کا بتدریج نزول | 65/3 |
| 15 | اسلام کا کامل دین ہونا | 66/3 |
| 16 | اسلام معتدل، سہل اور دین فطرت ہے | 280/3 |
| 17 | اسلام کے لیے شرح صدر کی علامت | 648/3 |
| 18 | جن علاقوں میں اسلام کا پیغام نہیں پہنچا وہاں کے باشندوں کا حکم | 655/3 |
| 19 | اسلام کی نعمت سے عرب کے مخالف دھڑوں کا باہم شیر و شکر ہو جانا | 686/4 |
| 20 | تمام ادیان پر دین اسلام کا غلبہ | 126/5 |
| 21 | اسلام کا فطرت کے مطابق ہونا | 481/5 |
| 22 | جس کے اسلام لانے کا اللہ نے اذن نہیں دیا اس کے اسلام نہ لانے میں اس کا کیا قصور ہے؟ | 132/6 |
| 23 | اسلام کی نشر و اشاعت آپ علیہ السلام کی تعلیم سے ہوئی یا دلائل سے؟ | 132/6 |
| 24 | اسلام میں کسی نیک کام کی ابتداء کرنا | 402/6 |
| 25 | اسلام سب سے مستحکم دین ہے | 651/6 |
| 26 | اسلام کے خلاف یہودی کا اعتراض اور اس کا جواب | 569-571 / 10 |
| 27 | دور دراز کے علاقوں میں رہنے والے لوگ جن تک اسلام کا پیغام نہیں پہنچا آیا وہ مکلف ہیں یا نہیں؟ | 823/10 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **38** | **استاذ** | |
| 1 | استاذ کا ادب واحترام | 181/7 |
| 2 | استاذ کی تعظیم اور حقوق کے متعلق آیات | 255/9 |
| 3 | استاذ کی تعظیم اور حقوق کے متعلق احادیث | 258/9 |
| 4 | استاذ کی تعظیم وتکریم کے متعلق اعلیٰ حضرت کے دلائل | 262/9 |
| 5 | استاذ کی تعظیم وتکریم کے متعلق فقہا اور علماء کے اقوال | 259/9 |
| **39** | **حضرت اسماعیل علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کے ذبیح ہونے پر دلائل | 202/6 |
| 2 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کی صفات | 279/7 |
| 3 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کا تذکرہ | 653/7 |
| 4 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کا حلیم ہونا | 915/9 |
| 5 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کی قربانی کا پس منظر وپیش منظر | 916/9 |
| 6 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کے فدیہ کے مینڈے کا مصداق | 917/9 |
| 7 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کے ذبیح ہونے پر دلائل | 918-922/9 |
| 8 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کا حلقوم کٹنے سے محفوظ رہنا | 923/9 |
| 9 | حضرت اسماعیل علیہ السلام کا ذکر اپنے والد اور بھائی سے منفصل کرنے کی توجیہ | 126/10 |
| **40** | **اسراف** | |
| 1 | نفلی صدقہ میں کیا چیز اسراف ہے اور کیا نہیں؟ | 672/3 |
| 2 | تبذیر کا معنی | 698/6 |
| 3 | مبذرین کو شیطان کا بھائی فرمانا | 698/6 |
| 4 | جو لوگ فضول خرچی نہیں کرتے | 270/8 |
| 5 | اسراف کا محمل | 596/10 |
| 6 | لذت وآسائش کے لیے مال خرچ کرنا اسراف نہیں ہے | 596/10 |
| **41** | **اسرائیلی روایات** | |
| 1 | اسرائیلی روایات کا رد علامہ زمخشری سے | 99/10 |
| 2 | اسرائیلی روایات کا رد امام رازی سے | 100/10 |
| 3 | اسرائیلی روایات کا رد علامہ ابوالحیان اندلسی سے | 101/10 |
| 4 | اسرائیلی روایات کا رد علامہ اسماعیل حقی سے | 102/10 |
| 5 | اسرائیلی روایات کا رد علامہ آلوسی سے | 103/10 |
| **42** | **اسماء مصطفیٰ ﷺ** | |
| 1 | رسول اللہ ﷺ کے اسماء مبارکہ | 331/7 |
| 2 | رسول اللہ ﷺ کے اسماء مبارکہ کے معانی | 334/7 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کے اسماء مبارکہ کی تعداد | 333/7 |
| 4 | رسول اللہ ﷺ کے اسماء مبارکہ کے متعلق علماء کی تحقیق | 337/7 |
| 5 | نقش نعل پاک پر اسماء مبارکہ لکھنا | 351/7 |
| 6 | نبی ﷺ کے اسماء اور آپ ﷺ کی صفات | 503/9 |
| 7 | اسم محمد (ﷺ) کی تشریح وتحقیق | 127/11 |
| 8 | نام محمد (ﷺ) کے فضائل وخصوصیات | 127/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | آپ ﷺ کا نام محمد ہونا آپ ﷺ کے کمال مطلق ہونے کی دلیل ہے | 128/11 |
| 10 | نام محمد (ﷺ) وصف اور علمیت کا جامع ہے | 130/11 |
| 11 | اسم محمد (ﷺ) کی خصوصی عظمتیں | 131/11 |
| **43** | **استمناء بالید** | |
| 1 | استمناء بالید کا شرعی حکم | 855/7 |
| **44** | **اسماء باری تعالیٰ** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کے اسماء کو لکھنے اور پڑھنے کے آداب | 157/1 |
| 2 | اللہ کے اسماء حسنیٰ کا معنی | 424/4 |
| 3 | اسم مسمی کا عین ہے یا غیر | 425/4 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کے اسماء کا توفیقی ہونا | 426/4 |
| 5 | اللہ تعالیٰ کے ننانوے اسماء کی تفصیل | 428/4 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کے اسماء میں الحاد کی تفصیل | 430/4 |
| 7 | لفظ اللہ کے نام ہونے پر دلائل | 133/6 |
| 8 | اسماء حسنیٰ کا بیان | 435/7 |
| 9 | اللہ تعالیٰ کے نام کے نقص اور عیب سے پاک ہونے کی وجوہ | 683/12 |
| **45** | **استقامت** | |
| 1 | استقامت کا لغوی و شرعی و عرفی معنی | 639/5<br>640/5<br>479/10 |
| 2 | صوفیاء کے نزدیک استقامت کا معنی | 640/5 |
| 3 | استقامت کا معنی اور اس کی اہمیت | 436/10 |
| 4 | استقامت کو استغفار پر مقدم کرنے کی توجیہ | 437/10 |
| 5 | نبی کریم علیہ التحیۃ والتسلیم سے استقامت کی تفسیر | 479/10 |
| 6 | صحابۂ کرام اور فقہاء تابعین سے استقامت کی تفسیر | 480/10 |
| 7 | استقامت کے حصول کا دشوار ہونا | 481/10 |
| **46** | **حضرت اسامہ رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت اسامہ رضی اللہ عنہ کو امیر بنانے پر صحابہ رضی اللہ عنہم کی شکایات کی توجیہات | 553-556<br>9 |
| **47** | **استخارہ** | |
| 1 | استخارہ کرنے کا طریقہ | 59/3<br>851/8 |
| 2 | درپیش مہم کے وقت استخارہ کرنا | 59/3 |
| 3 | استخارہ کے متعلق احادیث | 850/8 |
| **48** | **اسم اعظم** | |
| 1 | اسم اعظم کی تحقیق | 429/4 |
| 2 | اسم اعظم کے متعلق احادیث | 482/7 |
| **49** | **اسباب** | |
| 1 | رزق اور دیگر مقاصد کے حصول کے لیے اسباب تلاش کر کے اختیار کرنا | 224/8 |
| 2 | ترک اسباب کیسا؟ | 226/8 |
| 3 | اسباب معیشت کی نعمتیں | 853/8 |
| **50** | **اسماء حسنیٰ** | |
| 1 | دیکھئے "44: اسماء باری تعالیٰ" صفحہ 60 | |
| **51** | **استعانت/استمداد** | |
| 1 | دیکھئے "33: مدد حاصل کرنا" صفحہ 236 | |
| **52** | **استنجاء** | |
| 1 | پانی کے ساتھ استنجاء کرنے کی فضیلت | 261/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **53** | **اصحاب الاخدود** | |
| 1 | اخدود کا معنی | 652/12 |
| 2 | اصحاب الاخدود کے واقعہ کی تفصیل | 652/12 |
| 3 | خندق کھودنے والوں کا انجام | 657/12 |
| **54** | **اصول فقہ** | |
| 1 | مطلق کو مقید پر محمول کرنے کا ضابطہ | 189/9 |
| 2 | لفظ عام سے عموم وخصوص مراد لینے کا ضابطہ | 252/9 |
| **55** | **اصولِ حدیث** | |
| 1 | خبر واحد اور خبر متواتر کی تعریف واحکام | 677/8 |
| **56** | **اصحابِ کہف** | |
| 1 | اصحاب کہف کے واقعہ کا شان نزول | 48/7 |
| 2 | اصحاب الکہف اور اصحاب الرقیم کی سوانح | 49/7 |
| 3 | اصحاب کہف کی دعا | 56/7 |
| 4 | اصحاب کہف کا کھڑا ہونا | 63/7 |
| 5 | اصحاب کہف کے جسم کی حفاظت | 65/7 |
| 6 | اصحاب کہف کا کروٹیں بدلنا | 67/7 |
| 7 | اصحاب کہف کا نیند سے اٹھنا | 70/7 |
| 8 | اصحاب کہف اور ان کے شہر والوں کے درمیان ماجرا | 76/7 |
| 9 | اصحاب کہف کی صحیح تعداد | 84/7 |
| 10 | اصحاب کہف کے اوصاف | 85/7 |
| 11 | غار میں اصحاب کہف کے قیام کی مدت | 93/7 |
| 12 | آیا اصحاب کہف زندہ ہیں یا نہیں؟ | 93/7 |
| **57** | **اصحاب الایکہ** | |
| 1 | اصحاب الایکہ کا معنی ومصداق | 307/6 |
| 2 | اصحاب الایکہ کا ظلم اور ان سے اللہ کا انتقام لینا | 308/6 |
| **58** | **اطاعت** | |
| 1 | فرمانبرداروں کو نافرمانوں کے ملک میں آباد کرنا | 164/6 |
| 2 | کتاب، سنت اور حکام مسلمین کی اطاعت | 164/8 |
| 3 | اختیاری اطاعت اور جبری اطاعت | 288/8 |
| 4 | شیخ، امام یا امیر کی اطاعت کا ضروری ہونا | 649/8 |
| 5 | شرک ومعصیت میں مخلوق کی اطاعت نہ کرنے کا حکم | 45/9 |
| 6 | والدین کی اطاعت کے متعلق احادیث | 45/9 |
| 7 | ہر چیز اللہ تعالیٰ کی اطاعت گزار ہے | 150/9 |
| 8 | ہر حال میں اللہ تعالیٰ کی اطاعت ضروری ہے | 919/11 |
| 9 | اطاعت میں کثرت طلب کرنا | 958/12 |
| **59** | **اطمینان** | |
| 1 | اطمینان سے کام کرنے کی فضیلت | 573/10 |
| **60** | **اعتکاف** | |
| 1 | اعتکاف کا معنی مع اقسام | 704/1 |
| 2 | اعتکاف کی شرائط | 704/1 |
| 3 | اعتکاف کے آداب | 704/1 |
| 4 | اعتکاف کے مفسدات | 705/1 |
| 5 | اعتکاف کے ضروری مسائل | 705/1 |
| **61** | **اعوذ باللہ من الشیطن الرجیم** | |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | اعوذ باللہ کے مفردات واعراب کا بیان | 142/1 |
| 2 | اعوذ باللہ کو نماز وغیر نماز میں پڑھنا | 143/1 |
| 3 | قرآن کی تلاوت سے قبل اعوذ باللہ پڑھنا | 571/6 |
| 62 | **سورۃ الاعلیٰ** | |
| 1 | سورہ کا نام اور وجہ تسمیہ | 681/12 |
| 2 | سورۃ الاعلیٰ کے مشمولات | 681/12 |
| 3 | سورۃ الاعلیٰ کی تفسیر کا اختتام | 703/12 |
| 63 | **اعتبار** | |
| 1 | اعتبار کا لغوی واصطلاحی معنی | 806/11 |
| 64 | **سورۃ الاعراف** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 27/4 |
| 2 | الاعراف کا معنی ومصداق | 28/4 144/4 |
| 3 | سورۃ الاعراف کی آیتوں کی تعداد اور ان کی صفات | 30/4 |
| 4 | سورۃ الاعراف کا زمانۂ نزول | 31/4 |
| 5 | سورۃ الاعراف کے مضامین اور مقاصد | 31/4 |
| 6 | سورۃ الانعام اور سورۃ الاعراف کی باہمی مناسبت | 32/4 |
| 7 | اصحاب الاعراف کو دخول جنت کا اذن | 147/4 |
| 8 | سورۃ الاعراف کا اختتام | 526/4 |
| 65 | **اغواء** | |
| 1 | اغواء کا معنی | 77/4 |
| 66 | **اقتدار** | |
| 1 | جن کو اقتدار عطا کیا جائے گا ان کے مصادیق | 765/7 |
| 67 | **اقامت** | |
| 1 | کلمات اقامت | 22/3 |
| 68 | **اقبار** | |
| 1 | اقبار کا محمل | 596/10 |
| 69 | **اللہ تعالیٰ** | |
| 1 | لفظ اللہ کا معنی اور اس کا وصف وعلم ہونا | 148/1 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کے اسماء کو لکھنے اور پڑھنے کے آداب | 162/1 |
| 3 | رب کا لغوی وشرعی معنی | 169/1 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کی تربیت میں غور وفکر | 171/1 |
| 5 | اللہ، رب، رحمان ورحیم میں وجہ ارتباط | 177/1 |
| 6 | اللہ کے کلام کے قدیم ہونے پر اعتراض اور اس کا جواب | 282/1 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کا انسانوں کو ممکنات کے ساتھ مکلف کرنا | 282/1 |
| 8 | محال بالذات کے ساتھ مکلف کرنا | 283/1 |
| 9 | اللہ کے استہزاء کی توجیہ | 298/1 |
| 10 | اللہ تعالیٰ کے کلام میں کذب محال ہے | 301/1 633/3 537/5 |
| 11 | اللہ تعالیٰ کی قدرت کے معنی اور اس کا کذب پر محال ہونا | 302/1 |
| 12 | اللہ تعالیٰ کا انسانوں کے قریب ہونے کے باوجود یاایھاالناس سے ندا کرنے کی توجیہ | 303/1 |
| 13 | اللہ تعالیٰ کا خالق اور لاشریک ہونا | 305/1 310/1 |
| 14 | اللہ تعالیٰ کی طرف مشورہ کی نسبت کا شرعی حکم | 336/1 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15 | اللہ تعالیٰ کی مرضی اور مشیت میں فرق | 472/1 |
| 16 | اللہ تعالیٰ کی اولاد نہ ہونے پر دلائل | 507/1 |
| 17 | اللہ تعالیٰ کی مثل پر ایمان لانا | 559/1 |
| 18 | اللہ تعالیٰ کا رنگ | 560/1 |
| 19 | اللہ تعالیٰ کے علم کی نفی پر اشکال کا جواب | 574/1 |
| 20 | واحد کا معنی اور لا الٰہ الا اللہ پڑھنے کی فضیلت | 621/1 |
| 21 | اللہ تعالیٰ کے وجود، وحدت اور اس کے علم پر دلائل | 623/1 |
| 22 | اللہ تعالیٰ کے کلام نہ کرنے اور نظر نہ فرمانے کی توجیہ | 647/1 |
| 23 | اللہ تعالیٰ پر ایمان لانے کا معنی | 649/1 |
| 24 | اللہ تعالیٰ کے جلد حساب لینے کی تفسیر | 743/1 |
| 25 | اللہ تعالیٰ کو قرض حسن دینا | 874/1 |
| 26 | دلوں کو ٹیڑھا کرنے کی نسبت اللہ تعالیٰ کی طرف | 67/2 |
| 27 | جن افعال سے اللہ تعالیٰ محبت کرتا ہے | 120/2 |
| 28 | جن افعال سے اللہ تعالیٰ محبت نہیں کرتا | 122/2 |
| 29 | اللہ تعالیٰ کے ہدایت دینے کا مطلب | 239/2 |
| 30 | مرتدوں کو ہدایت نہ دینے کے اشکال کے جوابات | 239/2 |
| 31 | اللہ تعالیٰ کی رسی کا بیان | 289/2 |
| 32 | اللہ تعالیٰ کے سوا کوئی خدا نہیں | 401/2<br>516/2 |
| 33 | اللہ تعالیٰ کے آزمانے کا مطلب | 406/2 |
| 34 | اللہ تعالیٰ کی مغفرت و رحمت کا دنیاوی تمام لذتوں سے افضل ہونا | 413/2 |
| 35 | اللہ تعالیٰ کی شان میں توہین آمیز کلام کرنا | 495/2 |
| 36 | من عرف نفسہ فقد عرف ربہ کی تشریح | 520/2 |
| 37 | خالق کی عظمت | 544/2 |
| 38 | اللہ تعالیٰ کی تقسیم کے خلاف تمنا کرنا | 651/2 |
| 39 | اللہ تعالیٰ کی عبادت کرنا اور اس کا کسی کو شریک نہ ٹھہرانا | 669/2 |
| 40 | اللہ تعالیٰ کے ظلم نہ کرنے کا معنی | 675/2 |
| 41 | اللہ تعالیٰ کے اجر و ثواب بڑھانے کا مطلب | 675/2 |
| 42 | اللہ تعالیٰ کا مستحق عبادت ہونا | 812/2 |
| 43 | بندوں کے شکر سے اللہ تعالیٰ کا غنی ہونا | 821/2 |
| 44 | اللہ تعالیٰ کی نعمت اور اس کا عہد و میثاق | 116/3 |
| 45 | کیا اللہ نے کافر کے کفر یا اس کے ایمان کا ارادہ کیا تھا؟ | 176/3 |
| 46 | ید اللہ کا معنی | 238/3 |
| 47 | اللہ تعالیٰ کے نزدیک نیکوکار و بدکار | 329/3 |
| 48 | قیامت کے دن انبیاء کا فرمانا کہ "ہمیں کچھ علم نہیں" | 358/3 |
| 49 | اللہ تعالیٰ پر اسماء کے اطلاق کا ضابطہ | 361/3 |
| 50 | اللہ تعالیٰ کی عظمت و جبروت | 381/3 |
| 51 | تمام تعریفوں کا اللہ تعالیٰ کی ذات کے ساتھ خاص ہونا | 392/3 |
| 52 | اللہ تعالیٰ کے وجود اور اس کی وحدانیت کی دلیل | 393/3 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 53 | اللہ تعالیٰ کے کمال علم پر دلیل | 396/3 |
| 54 | الوہیت، رسالت اور قیامت پر دلیل | 404/3 |
| 55 | اللہ تعالیٰ کی رحمت کے متعلق احادیث | 404/3 |
| 56 | حقیقی حاجت روا، کارساز اور مستعان صرف اللہ ہے | 411/3 |
| 57 | مصیبتوں میں صرف اللہ کو پکارنا انسان کا فطری تقاضا ہے | 465/3 |
| 58 | اللہ کے مستحق عبادت ہونے پر دلیل | 470/3 |
| 59 | اللہ کے قہر کا معنی | 504/3 |
| 60 | اللہ کے مولیٰ اور حق ہونے کا معنی | 511/3 |
| 61 | اللہ تعالیٰ کی قدر شناسی | 585/3 |
| 62 | اللہ تعالیٰ کے لیے مولود نہ ہونا | 610/3 |
| 63 | اللہ تعالیٰ کا واحد ہونا | 614/3 |
| 64 | اللہ کے کلمات کے صادق اور عادل ہونے کا معنی | 633/3 |
| 65 | اللہ تعالیٰ کے مستغنی ہونے کا معنی | 657/3 |
| 66 | استغفار اور رحمت کا اللہ تعالیٰ میں منحصر ہونا | 658/3 |
| 67 | اللہ کے لیے پھلوں اور مویشیوں کی تقسیم | 660/3 |
| 68 | مویشیوں کے وجود میں اللہ تعالیٰ کی نعمتیں | 674/3 |
| 69 | اللہ تعالیٰ پر بہتان باندھنا | 133/4 |
| 70 | اللہ تعالیٰ کا مستحق عبادت ہونا | 195/4 206/4 |
| 71 | اللہ تعالیٰ کے کلام کی کیفیت اور اس کے متعلق مختلف مذاہب | 297/4 |
| 72 | اللہ تعالیٰ کا حضرت موسیٰ علیہ السلام کے ساتھ کلام کرنا | 299/4 |
| 73 | اللہ تعالیٰ کی وحدانیت اور الوہیت پر دلائل | 437/4 |
| 74 | اللہ تعالیٰ کی ذات میں علوم خمسہ کا منحصر ہونا | 451/4 |
| 75 | اللہ تعالیٰ کی معلومات واقعیہ اور فرضیہ | 600/4 |
| 76 | اللہ تعالیٰ کا انسان اور اس کی دل کے درمیان حائل ہونا | 603/4 |
| 77 | رحمان کی دو انگلیوں سے مراد | 605/4 |
| 78 | اللہ تعالیٰ کی نعمتوں کا تقاضا | 609/4 |
| 79 | اللہ اور اس کے رسول سے خیانت کی ممانعت | 610/4 |
| 80 | اللہ تعالیٰ اور اس کے رسول کی امانت میں خیانت | 612/4 |
| 81 | اللہ تعالیٰ کا فضل | 621/4 |
| 82 | اللہ کا عرش پر استواء فرمانا | 158-166/4 |
| 83 | کلام باری تعالیٰ | 336/4 |
| 84 | اللہ تعالیٰ کا علم تمام زمانوں کو محیط ہے | 705/4 |
| 85 | اللہ تعالیٰ کے بھلانے کا مطلب | 187/5 |
| 86 | بڑے سے بڑا نیک بھی اللہ تعالیٰ کی بخشش اور اس کی رحمت سے مستغنی نہیں | 227/5 |
| 87 | اللہ تعالیٰ کا عالم الغیب ہونا | 231/5 |
| 88 | اللہ تعالیٰ کا جنت کے بدلہ میں مومنوں کی جانوں اور مالوں کا خریدنا | 264-266/5 |
| 89 | اللہ تعالیٰ کے حجاب سے مراد | 355/5 |
| 90 | اللہ تعالیٰ کے فضل اور اس کی رحمت کا مصداق | 409/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 91 | اللہ تعالیٰ کے لیے اولاد کا محال ہونا | 448/5 |
| 92 | اللہ تعالیٰ کے واحد ہونے پر دلیل | 479/5 |
| 93 | اللہ تعالیٰ کا اصل مقصود اپنے بندوں کو نفع پہنچانا ہے نہ کہ ضرر پہنچانا | 482/5 |
| 94 | اللہ تعالیٰ کی صفات متشابہات کے متعلق متاخرین کا مسلک | 538/5 |
| 95 | اللہ تعالیٰ کی صفات متشابہات کے متعلق متقدمین کا مسلک | 539/5 |
| 96 | اللہ تعالیٰ کی صفات متشابہات کے متعلق قرآنی آیات | 541/5 |
| 97 | اللہ تعالیٰ کی صفات متشابہات کے متعلق احادیث | 542/5 |
| 98 | اللہ تعالیٰ کسی کافر پر رحم نہیں فرمائے گا | 553/5 |
| 99 | ہر کام کے آغاز سے قبل اللہ کا نام لینا | 547/5 |
| 100 | اللہ تعالیٰ اور رسول اللہ ﷺ کا جمادات کو خطاب | 550/5 |
| 101 | اللہ تعالیٰ کی طرف سے سلامتی اور برکتوں کا معنی | 559/5 |
| 102 | اللہ تعالیٰ کے مستحق عبادت ہونے کی دلیل | 764/5 |
| 103 | اللہ تعالیٰ کے گمراہ کرنے اور ہدایت دینے کے محامل | 94/6 |
| 104 | عرش پر استواء اور دیگر صفات کے متعلق متقدمین و متاخرین کے نظریات | 37/6 |
| 105 | رحمٰن کے انکار کا شان نزول | 97/6 |
| 106 | لفظ اللہ کے نام ہونے پر دلائل | 133/6 |
| 107 | اللہ تعالیٰ کا کسی سمت کے ساتھ مختص نہ ہونا | 134/6 |
| 108 | بندوں کی جفا کے صلہ میں اللہ کی وفا | 193/6 |
| 109 | اللہ تعالیٰ کو واحد اور جمع کے صیغوں سے تعبیر کرنا | 244/6 |
| 110 | الٰہ کا معنی | 460/6 |
| 111 | اللہ تعالیٰ کو مصیبت کے وقت پکارنا اور بعد میں بھول جانا | 464/6 |
| 112 | اللہ تعالیٰ کے لیے اچھی صفات کا معنی اور اللہ تعالیٰ کے اسماء کا توقیفی ہونا | 470/6 |
| 113 | اللہ تعالیٰ کے لیے مثال گھڑنے کے محامل | 521/6 |
| 114 | اللہ تعالیٰ کی اولاد نہیں ہے | 814/6 |
| 115 | اللہ تعالیٰ کا کوئی شریک نہیں ہے | 815/6 |
| 116 | اللہ تعالیٰ کی کبریائی | 815/6 |
| 117 | اللہ تعالیٰ کے کلمات کا غیر متناہی ہونا | 222/7 |
| 118 | اللہ تعالیٰ کا بیٹا نہ ہونا | 276/7 |
| 119 | اللہ تعالیٰ ہمارا رب ہے اس کے تقاضے | 276/7 |
| 120 | اللہ تعالیٰ پر وارث کا اطلاق | 279/7 |
| 121 | اللہ تعالیٰ کے سوا کسی کا نام ''اللہ'' نہیں | 303/7 |
| 122 | اللہ تعالیٰ کا سوال کہ ''تمہارے دائیں ہاتھ میں کیا ہے؟'' | 356/7 |
| 123 | اللہ تعالیٰ کا نبی اکرم ﷺ سے ہم کلام ہونا | 357/7 |
| 124 | اللہ تعالیٰ کی آنکھ کا معنی | 371/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 125 | اللہ تعالیٰ کی ربوبیت پر دلائل | 380/7 |
| 126 | اللہ تعالیٰ کی تعظیم | 783/7 |
| 127 | اللہ تعالیٰ کو عرش عظیم کا رب کہنا کیسا؟ | 533/7 |
| 128 | اللہ تعالیٰ کا شریک نہ ہونے پر دلیل | 536/7 |
| 129 | اللہ تعالیٰ کے ارحم الراحمین ہونے کی وجوہ | 652-653/7 |
| 130 | اللہ تعالیٰ کے ظلم نہ کرنے کی وجوہ | 884/7 |
| 131 | مخلوقات کے تنوع سے اللہ کی ذات پر استدلال | 161/8 |
| 132 | اللہ تعالیٰ کے خالق اور مستحق عبادت ہونے پر دلیل | 199/8 865/8 |
| 133 | اللہ تعالیٰ کی توحید کی تمہید | 213/8 |
| 134 | اللہ تعالیٰ کا رحیم ہونا | 367/8 468/8 |
| 135 | اللہ تعالیٰ کے رحم اور اس کے قہر و غضب کے تقاضے | 407/8 |
| 136 | اللہ تعالیٰ کی پسندیدہ چیزیں | 849/8 |
| 137 | اللہ تعالیٰ کا غنی اور بے نیاز ہونا | 43/9 |
| 138 | اللہ تعالیٰ کا قرب حاصل کرنے کا طریقہ | 60/9 |
| 139 | اللہ تعالیٰ کی ذات و صفات پر روزمرہ کے مشاہدات سے استدلال | 112/9 |
| 140 | اللہ تعالیٰ کی مخلوق کو اس کا شریک کہنا ظلم ہے | 153/9 |
| 141 | اللہ تعالیٰ کی طرف رجوع کرنے والے | 264/9 |
| 142 | اللہ تعالیٰ کے پاس حسن انجام کا پانا | 274/9 |
| 143 | اللہ تعالیٰ کے غنی ہونے کی وجہ | 276/9 |
| 144 | اللہ تعالیٰ کا غیر متناہی ہونا | 277/9 |
| 145 | اللہ تعالیٰ کا تدبیر کرنے کا معنی | 309/9 |
| 146 | عالم الغیب کا معنی | 312/9 |
| 147 | ہر چیز اور ہر مخلوق کو حامل حسن بنانا | 313/9 |
| 148 | اللہ تعالیٰ کا مستحق عبادت ہونا | 621/9 |
| 149 | اللہ تعالیٰ کے چنے ہوئے بندے | 680/9 |
| 150 | اللہ تعالیٰ کا بے نیاز اور نکتہ نواز ہونا | 725/9 |
| 151 | اللہ تعالیٰ کو بن دیکھے ڈرنا | 726/9 |
| 152 | اللہ تعالیٰ کی صفات میں مبالغہ کا معنی | 850/9 |
| 153 | اللہ تعالیٰ کی حمد و ثناء کرنے اور رسولوں پر سلام بھیجنے میں مناسبت | 972/9 |
| 154 | اللہ تعالیٰ کی صورت اور اس کے ہاتھوں کی تفسیر | 143/10 |
| 155 | کیا دنیا میں سب کچھ اللہ کی رضا سے ہو رہا ہے؟ | 153-156/10 |
| 156 | اللہ تعالیٰ کا اپنے بندوں پر ستر فرمانا | 172/10 |
| 157 | اللہ تعالیٰ کا تمام جہانوں سے بے پرواہ اور بے نیاز ہونا | 176/10 |
| 158 | اللہ تعالیٰ کا تمام افعال کا خالق ہونا | 177-181/10 |
| 159 | اللہ تعالیٰ کا کفر اور معصیت کو پسند نہ فرمانا | 181/10 |
| 160 | اے میرے بندو! اس کے مخاطب کون ہیں؟ | 206/10 |
| 161 | اللہ تعالیٰ کی تکذیب کرنے والے | 253/10 |
| 162 | اللہ تعالیٰ کو بندروں اور خنزیروں کا مالک کہنا کیسا؟ | 288/10 |
| 163 | اللہ تعالیٰ کے جسمانی اعضاء | 296/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 164 | اللہ تعالیٰ خود بلند ہے اور مخلوق کے درجات بلند کرنے والا ہے | 334/10 |
| 165 | اللہ تعالیٰ کے ساتھ کیسا ظن رکھنا چاہیے؟ | 469/10 |
| 166 | کیا اللہ تعالیٰ گناہ کا ارادہ کرتا ہے؟ | 473-476/10 |
| 167 | اللہ تعالیٰ علی الاطلاق عظیم اور بلند ہے | 542/10 |
| 168 | اللہ تعالیٰ کی ذات اور صفات سے مماثلت کی نفی | 565/10 |
| 169 | اللہ تعالیٰ کے بندوں پر لطیف ہونے کا معنی | 574/10 |
| 170 | اللہ تعالیٰ کے بھلا دینے کی توجیہ | 825/10 |
| 171 | اللہ کے لکھنے اور فرشتوں کے لکھنے میں تعارض کا جواب | 822/10 |
| 172 | اللہ عزوجل کا انکار، استخفاف اور استحقار کفر ہے | 41/11 |
| 173 | اللہ تعالیٰ کی ہیبت اور جلال کا خوف | 76/11 |
| 174 | اللہ تعالیٰ کے مستغنی ہونے کی وضاحت | 179/11 |
| 175 | اللہ تعالیٰ نافرمانوں کی جگہ کس قوم کو دے گا؟ | 180/11 |
| 176 | اللہ تعالیٰ کو قرض حسنہ دینے کا معنی | 920/11 |
| 177 | اللہ تعالیٰ کے فضل کی مختلف تعبیریں | 881/11 |
| 178 | اللہ تعالیٰ کا سرگوشیوں پر مطلع ہونا | 779/11 |
| 179 | اللہ تعالیٰ کسی کا محتاج نہیں سب اسی کے محتاج ہیں | 713/11 |
| 180 | اللہ تعالیٰ کے اوّل و آخر، ظاہر و باطن ہونے کے معانی | 714/11 |
| 181 | اللہ تعالیٰ کے خاص افعال کا مخلوق کی طرف نسبت کرنے کا جواب | 670/11 |
| 182 | اللہ تعالیٰ کے نام کی برکت کا معنی اور اس کی رحمت کے تقاضے | 644/11 |
| 183 | اللہ تعالیٰ کے انشاء اللہ فرمانے کی توجیہات | 265/11 |
| 184 | اللہ تعالیٰ کے شہ رگ سے زیادہ قریب ہونے کا معنی | 321/11 |
| 185 | اللہ تعالیٰ کا کوئی جوڑ نہیں | 386/11 |
| 186 | اللہ تعالیٰ کی طرف بھاگنے کے محامل | 387/11 |
| 187 | آیا اللہ تعالیٰ کے افعال معلل بالاغراض ہیں یا نہیں؟ | 393-398/11 |
| 188 | اللہ تعالیٰ تمام مخلوقات سے مستغنی ہے | 398/11 |
| 189 | اللہ تعالیٰ کے خزانوں کے محامل | 458/11 |
| 190 | اللہ تعالیٰ کیلئے بیٹیوں کو ثابت کرنا پرلے درجہ کی حماقت ہے | 459/11 |
| 191 | اللہ تعالیٰ کے ہنسانے اور رلانے کی توجیہات | 569/11 |
| 192 | "تبارک" کا معنی اور اس لفظ کا اللہ تعالیٰ کے ساتھ مخصوص ہونا | 138/12 |
| 193 | اللہ تعالیٰ کے امتحان لینے اور آزمانے کی توجیہ | 141/12 |
| 194 | رحمٰن کے نظام تخلیق میں کسی قسم کی کمی کا نہ ہونا | 141/12 |
| 195 | بار بار دیکھنے کے حکم کی توجیہ | 142/12 |
| 196 | اللہ تعالیٰ پر آسمان والے کے اطلاق کی توجیہ | 153/12 |
| 197 | اللہ تعالیٰ کی الوہیت پر دلائل | 155/12 |
| 198 | اللہ تعالیٰ کو قرض دینے کا معنی | 356/12 |
| 199 | اللہ تعالیٰ کی تعظیم و توقیر | 352/12 |
| 200 | اللہ تعالیٰ کو کسی کے پاس سفارشی بنانے کا عدم جواز | 254/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 201 | اللہ تعالیٰ کی تعظیم اس کو وسیلہ بنانے کے منافی ہے | 255/12 |
| 202 | ''اللہ اور رسول چاہے'' کہنا موہم بے ادبی ہے | 256/12 |
| 203 | اللہ تعالیٰ کا مخلوق کو بتدریج پیدا فرمانا | 256/12 |
| 204 | اللہ کے نزدیک کفار کی ذلت اور مؤمنوں کی عزت و وجاہت | 297/12 |
| 205 | اللہ تعالیٰ کی اولاد نہ ہونے پر دلائل | 171/10<br>1038/12 |
| **70** | **الہام** | |
| 1 | الہام کا معنی | 767/12 |
| 2 | نیک کاموں کا الہام نیکی کی جدوجہد کرنے والوں کو ہوتا ہے | 768/12 |
| 3 | الہام سے مراد اچھے اور برے کاموں کا لزوم ہے | 769/12 |
| 4 | نیکی اور بدی کے الہام کے متعلق احادیث | 769/12 |
| **71** | **الحاد** | |
| 1 | الحاد کا معنی | 733/7 |
| 2 | الحاد کا معنی اور اس کا مصداق | 514/10 |
| 3 | جعلی پیروں اور بناوٹی صوفیوں کا الحاد | 515/10 |
| **72** | **حضرت الیاس علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت الیاس علیہ السلام کا نسب اور ان کا مصداق | 576/3 |
| 2 | حضرت الیاس علیہ السلام کا قصہ اور ان کی سوانح | 947/9 |
| 3 | حضرت الیاس علیہ السلام کی ہمارے نبی ﷺ سے ملاقات | 948-950<br>9 |
| 4 | حضرت الیاس علیہ السلام کے لوگوں سے ملاقات کرنے کی روایت | 950/9 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **73** | **امام** | |
| 1 | امام کا لغوی معنی | 522/1 |
| 2 | اہل سنت اور اہل تشیع کے نزدیک امام کا شرعی معنی | 522/1 |
| 3 | امام کا معصوم ہونا | 525/1 |
| 4 | امام کا تقرر | 526/1 |
| 5 | اہل تشیع کے بارہ امام | 529/1 |
| **74** | **امامت** | |
| 1 | امامت منعقد کرنے کا طریقہ | 529/1 |
| 2 | خواتین کی امامت | 374/1 |
| 3 | خواتین کی امامت کے متعلق احادیث | 374/1 |
| 4 | سمجھدار اور نابالغ لڑکے کی امامت | 378/1 |
| 5 | خواتین کی امامت کے متعلق فقہاء مذاہب اربعہ کے نظریات | 376/1 |
| 6 | امامت کے مسائل | 529/1 |
| 7 | امامت کا واجب ہونا | 530/1 |
| 8 | نماز میں فاسق کی امامت کے متعلق فقہاء مذاہب اربعہ کے نظریات | 531/1 |
| **75** | **امتحان** | |
| 1 | دیکھئے ''7: آزمائش'' صفحہ 47 | |
| **76** | **امن وسلامتی** | |
| 1 | امن وسلامتی کا ایمان واسلام پر مقدم ہونا | 210/6 |
| 2 | امن وسلامتی کی تفسیر | 295/6 |
| **77** | **اُمی** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | اُمّی کا معنی | 357/4 |
| 2 | قرآن وسنت میں نبی پر اُمّی کا اطلاق | 356/4 |
| 78 | **امثلہ** | |
| 1 | مالدار کافر اور مومن کی مثال | 105/7 |
| 79 | **امر بالمعروف ونہی عن المنکر** | |
| 1 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر کے متعلق قرآنی آیات | 297/2 |
| 2 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر کے متعلق احادیث | 298/2<br>422/7 |
| 3 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر کی تفصیل وتحقیق | 300/2 |
| 4 | نہی عن المنکر کے لیے تادیب اور تعزیر کے مراتب | 301/2 |
| 5 | بغیر علم کے وعظ وتقریر کرنا کیسا؟ | 303/2 |
| 6 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر کے لیے خود نیک ہونا | 400/1<br>306/2<br>398/8 |
| 7 | ہتھیاروں سے امر بالمعروف ونہی عن المنکر کرنا کیسا؟ | 306/2<br>399/8 |
| 8 | کسی شخص سے محبت کی وجہ سے امر بالمعروف ترک کرنا | 307/2 |
| 9 | امر بالمعروف میں ملائمت اختیار کرنا | 307/2 |
| 10 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر نہ کرنے کی مذمت | 234/3 |
| 11 | نجات کیلئے امر بالمعروف ونہی عن المنکر کا ضروری ہونا | 344/3 |
| 12 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر کی اہمیت | 344/3 |
| 13 | امر بالمعروف ونہی المنکر کی وجہ | 254/5 |
| 14 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر کی فرضیت | 396/8 |
| 15 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر کو ترک نہ کیا جائے | 397/8 |
| 16 | امر بالمعروف ونہی عن المنکر میں ملائمت کو اختیار کیا جائے | 307/2<br>399/8 |
| 80 | **امت محمدی ﷺ** | |
| 1 | امت مسلمہ کا دیگر امتوں پر گواہ ہونا | 570/1 |
| 2 | امت محمدیہ کا تمام امتوں سے افضل ہونا | 314/2 |
| 3 | قرآن و حدیث میں لفظ ''امت'' کے اطلاقات | 505/5 |
| 4 | امت محمدی ﷺ کا سب سے زیادہ ہونا | 160/6 |
| 5 | امت کا معنی | 594/6<br>660/7<br>880/7<br>672/10 |
| 6 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو امت فرمانا | 595/6 |
| 7 | ملت ابراہیم کی اتباع کی توجیہ | 597/6 |
| 8 | اس امت کا نام امت مسلمہ کس نے رکھا؟ | 814/7 |
| 9 | امت محمدی ﷺ کے فضائل | 818/8 |
| 10 | امت محمدی کو ذکر کا حکم دینے کی توجیہ | 498/9 |
| 11 | رسول اللہ ﷺ کا امت کے حق میں شاہد ہونا | 504/9 |
| 12 | رسول اللہ ﷺ کا اعمال امت پر شاہد ہونا | 506/9 |
| 13 | امت مسلمہ کا قرآن مجید کا وارث ہونا | 679/9 |
| 14 | امت محمدی ﷺ سے کون کون سا عذاب اٹھالیا گیا ہے؟ | 446/10 |
| 81 | **امتیاز** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 1 | اسلام میں ذات پات کا امتیاز نہ کرنے پر احادیث سے دلائل | 306/11 |
| **82** | **امانت** | |
| 1 | امانت ادا کرنے کے متعلق آیات | 699/2 |
| 2 | امانت ادا کرنے کے متعلق احادیث | 700/2 |
| 3 | اللہ کے ساتھ معاملہ میں امانت داری | 700/2 |
| 4 | خلق خدا کے ساتھ معاملہ میں امانت داری | 701/2 |
| 5 | اپنے نفس کے ساتھ معاملہ میں امانت داری | 702/2 |
| 6 | امانت کے متعلق حکم قرآن | 613/4 |
| 7 | امانت کے متعلق حکم حدیث | 613/4 |
| 8 | امانت کی حفاظت کرنا | 856/7 |
| 9 | امانت کے متعلق احادیث | 578/9 |
| 10 | آسمانوں، زمینوں اور پہاڑوں پر پیش کی گئی امانت | 579/9 |
| 11 | جنس انسان پر امانت پیش کرنے کی حکمت | 586/9 |
| 12 | امانت کی رعایت | 236/12 |
| **83** | **امید** | |
| 1 | دنیا میں مشغولیت اور لمبی امیدوں کی مذمت | 239/6 |
| 2 | مستقبل سے امیدیں وابستہ رکھنا | 241/6 |
| **84** | **امیر** | |
| 1 | امیر وغریب کے طبقاتی فرق کی حکمتیں | 680/6 |
| 2 | بعض لوگوں کو امیر بنانے کی مصلحتیں | 600/10 |
| **85** | **انسان** | |
| 1 | تاریخ انسانیت | 756/1 |
| 2 | ابتدا میں نوع انسانی کا دین حق پر ہونا | 757/1 |
| 3 | تمام انسانوں کا دین فقط اسلام ہے | 757/1 |
| 4 | انسان، فرشتوں سے افضل ہیں | 123/2 |
| 5 | انسان کو مٹی سے پیدا کرنے کی حکمتیں | 186/2 |
| 6 | بشر کا معنی | 222/2 |
| 7 | انسان کے نفس سے وجود باری تعالیٰ اور توحید پر دلائل | 603/3 |
| 8 | تمام انسان نسلاً برابر ہیں | 604/3 |
| 9 | انسان نہ تو مجبور محض ہے اور نہ ہی مختار مطلق | 479/5 |
| 10 | انسان کے افعال کی قدرت میں مذاہب متکلمین اور جبر وقدر کی وضاحت | 534/5 |
| 11 | انسان کو زمین سے پیدا کرنے کے دو محمل | 573/5 |
| 12 | انسان کی پیدائش سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 573/5 |
| 13 | انسان کی خلقت کے مادہ میں مختلف آیات کی توجیہ | 271/6 |
| 14 | انسان کی تخلیق سے اللہ تعالیٰ کی الوہیت اور وحدانیت پر استدلال | 270/6 |
| 15 | انسان اور بشر کو نبی اور رسول بنانے کی تحقیق | 427/6 |
| 16 | انسان کا جلد باز ہونا | 655/6 |
| 17 | انسان اپنے افعال میں مجبور نہیں ہے | 660/6 |
| 18 | انسان کے اشرف المخلوقات ہونے کی وجوہ | 756/6 |
| 19 | انسان کا کمزور دل اور ناشکرا ہونا | 783/6 |
| 20 | انسان کا با اختیار ہونا | 42/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 21 | انسان کو امتحان میں مبتلا کرنا | 43/7 |
| 22 | لوگوں کی اقسام | 435/7 |
| 23 | لوگوں کے آگے اور لوگوں کے پیچھے کی تفسیر | 481/7 |
| 24 | بعض لوگوں کو بعض دوسرے لوگوں سے دور کرنا | 763/7 |
| 25 | انسان کو خیر و شر کا اختیار ہے | 456/8 |
| 26 | انسان کو مٹی سے بنانا | 313/9<br>524/11<br>257/12 |
| 27 | انسان کو پانی کی ایک حقیر بوند سے بنانا | 314/9 |
| 28 | مٹی اور نطفہ سے انسان کی پیدائش | 665/9 |
| 29 | انسان کو اپنی اصلاح کیلئے کتنی عمر کی ضرورت ہے؟ | 692/9 |
| 30 | انسان کو پیدا کر کے انواع و اقسام کی نعمتوں سے نوازنا | 174/10 |
| 31 | انسان کو چاہیے کہ وہ اپنے حال کو زمین کی پیداوار پر قیاس کرے | 215/10 |
| 32 | انسان کے دل میں اللہ کے نور کا معیار اور اس کی علامتیں | 217/10 |
| 33 | تخلیق انسان کے مراحل | 710/7<br>411/10 |
| 34 | قیامت کے دن انسان کے اعضاء کا نطق | 467-468<br>10 |
| 35 | آنکھ، کان اور کھال کی خصوصیت کی توجیہ | 468/10 |
| 36 | انسان کی ناسپاسی اور ناشکری | 522/10 |
| 37 | مذکر اور مؤنث کی پیدائش کی علامات | 634/10 |
| 38 | بیٹی کے ذکر کو بیٹے کے ذکر پر مقدم کرنے کی وجوہ | 634/10 |
| 39 | انسان کی فطرت میں اللہ کی معرفت کا ہونا | 658/10 |
| 40 | چالیس سال کی عمر میں انسان کا اپنی قوت کے کمال کو پہنچ جانا | 83/11 |
| 41 | انسان کی صورت سب سے حسین ہے | 913/11 |
| 42 | انسان کی دنیا میں غفلت اور آخرت میں اس کی نگاہ کا تیز ہونا | 324/11 |
| 43 | انسانوں کی وجہ تخلیق | 393/11 |
| 44 | انسان کو مٹی سے پیدا کرنے کے متعلق احادیث | 525/11 |
| 45 | انسان کی باقی مخلوق پر فضیلت | 1053/12 |
| 46 | انسان کی درست تخلیق کا مطلب | 686/12 |
| 47 | انسان کے محافظ اور نگہبان کی تحقیق | 668/12 |
| 48 | فرشتے انسان کی کس چیز کی حفاظت کرتے ہیں؟ | 671/12 |
| 49 | انسان کو لوٹانے کے دو محمل | 674/12 |
| 50 | انسانوں کا مختلف احوال اور منازل میں منتقل ہونا | 541/12 |
| 51 | انسان کی بہترین ساخت میں ہونے کی توجیہ | 872/12 |
| 52 | انسان کا اپنے ''الکنود'' ہونے پر گواہ ہونا | 944/12 |
| 53 | تمام انسانوں کا خسارے میں مبتلا ہونا | 976/12 |
| 54 | انسان پر ضروری ہے کہ دوسروں کو بھی نیک بنائے | 973/12 |
| 55 | انسان کے مقدم اور موخر اعمال کے محامل | 608/12 |
| 56 | انسان کی تخلیق کی تفصیل | 609/12 |
| 57 | انسان کی معتدل صورت بنانا | 610/12 |
| 58 | انسان کے مصداق میں متعدد اقوال | 429/12 |
| 59 | جس مدت میں انسان قابل ذکر نہ تھا | 430/12 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 60 | انسان کو اختیار دیا ہے خواہ وہ شکر گزار ہو یا ناشکرا | 432/12 |
| 61 | انسان کی اپنے اوپر بصیرت کے دو محمل | 410/12 |
| 62 | انسان کو عبث پیدا نہ فرمانا | 422/12 |
| 63 | انسان کی صرف دو صنفوں پر ایک اعتراض کا جواب | 423/12 |
| 64 | بشر کا معنی اور نبی کے بشر ہونے کی حقیقت | 524/5 |
| 65 | بشر ہونا نبوت کے منافی نہیں ہے | 530/5 |
| 66 | بشر کا معنی | 274/6<br>223/7 |
| 67 | کفار کا انبیاء کو بشر کہنے کی وجہ | 224/7 |
| 68 | انبیاء کا بشر ہونا ہمارے لیے وجہ احسان | 225/7 |
| 69 | رسول اللہ ﷺ کا خود پر بشر کا اطلاق فرمانا | 225/7 |
| 70 | نبی اور رسول ﷺ کا بشر ہونا | 226/7 |
| 71 | رسول اللہ ﷺ کا بشر ہونا | 227-230/7 |
| 72 | نبی ﷺ سے "میں بشر ہوں" کہلوانے کی وجہ | 231/7 |
| 73 | بشر کی تفسیر | 253/8 |
| 74 | بشر کا معنی اور اس کا تخلیقی مادہ | 147/10 |
| 75 | رسول اللہ ﷺ کے بشر ہونے کی تحقیق | 434/10 |
| **86** | **سورۃ الانشقاق** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 633/12 |
| 2 | سورۃ الانشقاق کے مشمولات | 633/12 |
| 3 | سورۃ الانشقاق کا اختتام | 644/12 |
| **87** | **سورۃ الانشراح** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 840/12 |
| 2 | سورۃ الانشراح کی تفسیر کی تکمیل | 867/12 |
| **88** | **سورۃ الانفطار** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 604/12 |
| 2 | سورۃ الانفطار کا اختتام | 614/12 |
| **89** | **انجام** | |
| 1 | ہر شخص کا انجام اس کے اعمال کے اعتبار سے ہے | 580/11 |
| **90** | **انجیل** | |
| 1 | انجیل کا معنی | 53/2 |
| 2 | انجیل کی تاریخی حیثیت اور اس کے مشمولات | 53/2 |
| 3 | انجیل کے متعلق قرآن کی آیات | 54/2 |
| 4 | موجودہ انجیل | 54/2 |
| 5 | احکام اسلام بمقابلہ تعلیمات انجیل | 56/2 |
| 6 | نزول قرآن کے بعد انجیل پر عمل کے حکم کی توجیہ | 205/3 |
| 7 | عیسائیوں کی موجودہ انجیل کا وجود مشکوک ہے | 413/11 |
| 8 | اناجیل اربعہ کی اصلیت | 413-420<br>11 |
| **91** | **انعام** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کے بندوں پر انعامات و احسانات | 422/10 |
| 2 | عباد صالحین پر اللہ تعالیٰ کے انعامات | 482/10 |
| 3 | فرشتوں کا مومنین کو موت کے وقت انعامات کی بشارت دینا | 485/10 |
| **92** | **انڈا** | |
| 1 | انڈے کا پاک اور حلال ہونا | 884/9 |
| 2 | انڈے کے غذائی اجزاء اور بد پرہیزی کے نقصانات | 885/9 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 93 | انگور | |
| 1 | انگور کے خواص | 607/3 |
| 2 | انگور کے غذائی اور طبی فوائد | 862/7 |
| 94 | انبیاء کرام علیہم السلام | |
| 1 | انبیاء علیہم السلام کے نام لکھنے اور پڑھنے کے آداب | 157/1 |
| 2 | تمام انبیاء علیہم السلام کا پیدائشی مومن ہونا | 551/1 |
| 3 | تمام انبیاء علیہم السلام پر ایمان لانے کی وجہ | 558/1 |
| 4 | تمام انبیاء علیہم السلام پر نازل شدہ کتاب پر ایمان لانے کے محامل | 558/1 |
| 5 | انبیاء علیہم السلام کی حیات | 598/1 |
| 6 | حیات انبیاء علیہم السلام پر حضرت سلیمان علیہ السلام کے گرنے سے معارضہ کے جوابات | 600/1 |
| 7 | وفات کے بعد انبیاء علیہم السلام کے دکھائی دینے کی کیفیت | 601/1 |
| 8 | رسولوں کی باہمی فضیلت | 894/1 |
| 9 | انبیاء کرام علیہم السلام کی جسمانی وروحانی خصوصیات | 125/2 |
| 10 | انبیاء علیہم السلام کا دعوائے الوہیت کرنا عقلاً ممتنع ہے | 226/2 |
| 11 | انبیاء سابقین پر ایمان لانا | 236/2 |
| 12 | انبیاء کی بعثت کا عام انسانوں اور مسلمانوں کے لیے رحمت ہونا | 446/2 |
| 13 | انبیاء کرام کو علم غیب | 480-483/2 |
| 14 | تمام انبیاء کے صدق پر رسول اللہ ﷺ کی شہادت | 676/2 |
| 15 | انبیاء اور اس کی تعداد | 878/2 |
| 16 | انبیاء کا فرشتوں سے افضل ہونا | 889/2 |
| 17 | بعض رسولوں کے انکار سے نجات نہیں ہوگی | 128/3 |
| 18 | انبیاء اور اولیاء، اللہ کی دی ہوئی طاقت سے اور اس کے اذن سے تصرف کرتے ہیں | 413/3 |
| 19 | انبیاء کا مقرر شدہ کام | 471/3 |
| 20 | انبیاء، علماء اور مومنین کے درجات کی بلندی | 572/3 |
| 21 | قرآن وسنت کی روشنی میں انبیاء کا نسیان | 530/3 |
| 22 | انبیاء کے ذکر میں ایک نوع کی مناسبت | 577/3 |
| 23 | انبیاء کا ملائکہ سے افضل ہونا | 578/3 |
| 24 | نبی کی صفات لازمہ | 647/3 |
| 25 | تمام نبی حاصل معجزہ ہیں | 237/4 |
| 26 | انبیاء علیہم السلام کو ایک دوسرے پر فضیلت نہ دینا | 304-310/4 |
| 27 | انبیاء علیہم اسلام کی ہمارے نبی ﷺ پر فضیلت | 312/4 |
| 28 | حیات انبیاء علیہم السلام پر دلائل | 311/4 |
| 29 | انبیاء سابقین کے قصص بیان کرنے کی حکمتیں | 654/5<br>451/5<br>523/5 |
| 30 | انبیاء کرام علیہم السلام کی تبلیغ کی ترتیب | 577/5 |
| 31 | انبیاء سابقین اور ان کی اقوام کے قصص اور واقعات بیان کرنے کے فوائد | 619/5 |
| 32 | انبیاء کرام کا امر اور نہی سے مکلف ہونا | 106/6 |
| 33 | انبیاء سابقین کے ذکر کی حکمت | 141/6 |
| 34 | تمام انبیاء کی بعثت کا مقصد واحد ہے | 141/6 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 35 | انبیاء کا کافروں کی دھمکیوں سے نہ ڈرنا | 160/6 |
| 36 | کیا انبیاء پہلے کافروں کے دین پر تھے؟ | 163/6 |
| 37 | بعض نبیوں کی بعض پر فضیلت | 743/6 |
| 38 | انبیاء علیہم السلام پر مصائب کا آنا | 110/7 |
| 39 | کفار کا انبیاء علیہم السلام کو بشر کہنے کی وجہ | 224/7 |
| 40 | انبیاء علیہم السلام کی وراثت | 252/7 |
| 41 | اللہ کے دشمنوں سے ڈرنا انبیاء علیہم السلام کی سنت ہے | 377/7 |
| 42 | انبیاء علیہم السلام کو چالیس سال کی عمر میں مبعوث کیا جانا | 373/7 |
| 43 | انبیاء علیہم السلام کا مختلف پیشے اپنانا | 638/7 |
| 44 | انبیاء علیہم السلام کے ذنوب کی توجیہ | 473/8 |
| 45 | انبیاء مبعوثین کی ترتیب | 598/8 |
| 46 | انبیاء کرام علیہم السلام کا پرندوں کی باتیں سمجھنا | 631/8 |
| 47 | انبیاء کرام علیہم السلام کا اپنے صالح ہونے کی دعا کرنے کی وجہ | 648/8 |
| 48 | انبیاء کرام علیہم السلام کا علم غیب | 660/8 |
| 49 | انبیاء کرام علیہم السلام کا منکر کافر ہے | 137/9 |
| 50 | یوم میثاق میں انبیاء سے جو عہد لیا گیا تھا اس کے متعدد محامل | 384/9 |
| 51 | انبیاء علیہم السلام سے سوال کے متعدد محامل | 385/9 |
| 52 | انبیاء علیہم السلام کے ڈرنے کی حقیقت | 459/9 |
| 53 | انبیاء علیہم السلام کا جسمانی عیوب سے بری ہونا | 574/9 |
| 54 | انبیاء علیہم السلام کی حیات و وفات کے بعد ان کا قبروں سے نکلنا | 614/9 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 55 | انبیاء علیہم السلام کی ایک دوسرے پر فضیلت | 679/9 |
| 56 | انبیاء علیہم السلام کو کفار کا بدشگون کہنا | 737/9 |
| 57 | انبیاء علیہم السلام کا ملائکہ سے افضل ہونا | 810/9 |
| 58 | انبیاء علیہم السلام کا کام صرف تبلیغ کرنا ہے | 815/9 |
| 59 | انبیاء علیہم السلام کے حواس اور عقل کا ڈھلتی ہوئی عمر میں زیادہ فعال ہونا | 826/9 |
| 60 | انبیاء سابقین کے قصص | 895/9 |
| 61 | انبیاء علیہم السلام کا خالص دار آخرت کے ساتھ مشغول ہونا | 121/10 |
| 62 | انبیاء علیہم السلام کا آن واحد میں متعدد جگہ موجود ہونا | 236/10 |
| 63 | کیا فرشتے انبیاء علیہم السلام سے افضل ہیں؟ | 320-322/10 |
| 64 | انبیاء علیہم السلام کو اولاد عطا فرمانے کی تفصیل | 634/10 |
| **95** | **ان شاء اللہ** | |
| 1 | ان شاء اللہ کہنے کو ترک کرنا | 88/7 |
| 2 | ان شاء اللہ کہنے کے فقہی مسائل | 89/7 |
| 3 | ان شاء اللہ کہنے کو بھولنا | 90/7 |
| **96** | **سورۃ الانبیاء** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 509/7 |
| 2 | سورۂ طٰہٰ اور سورۃ الانبیاء میں باہمی مناسبت | 510/7 |
| 3 | اختتامی کلمات و دعا | 698/7 |
| **97** | **انصار** | |
| 1 | انصار میں سے ایمان میں سبقت کرنے والوں کی تفصیل | 239/5 |
| 2 | انصار کے فضائل | 241/5 |
| **98** | **سورۃ الانفال** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | انفال کا معنی | 531/4 |
| 2 | سورۃ الانفال کی وجہ تسمیہ | 532/4 |
| 3 | سورۃ الانفال کا زمانہ نزول | 532/4 |
| 4 | ترتیب نزول کے لحاظ سے سورۃ الانفال کا مقام، آیتوں کی تعداد اور سبب نزول | 533/4 |
| 5 | سورۃ الانفال کے مضامین کا خلاصہ | 538/4 |
| 6 | سورۃ الانفال کے مقاصد | 539/4 |
| 7 | انفال کا معنی اور اس کا مصداق | 540/4 |
| 8 | سورۃ الانفال کا اختتام اور دعا | 718/4 |
| **99** | **انفاق فی سبیل اللہ** | |
| 1 | آیا اللہ کی راہ میں خرچ کرنے سے بالخصوص زکوٰۃ مراد ہے یا عام صدقہ وغیرہ؟ | 276/1 |
| 2 | راہِ خدا میں کل مال خرچ کرنا | 276/1 |
| 3 | راہِ خدا میں مال خرچ کرنے کی تاکید | 924/1 |
| 4 | انفاق فی سبیل اللہ کے مصارف | 647/1 |
| 5 | بے حساب اجر دینے کی وجوہات | 948/1 |
| 6 | صدقات وخیرات کے آداب وشرائط | 949/1 |
| 7 | متفرق مثالیں | 950/1 |
| 8 | صدقہ میں دیئے جانے والے مال کی صفات | 956/1 |
| 9 | خفیہ اور علانیہ صدقہ | 968/1 973/1 |
| 10 | اہل ذمہ کو نفلی صدقات دینا | 970/1 |
| 11 | اللہ کی راہ میں اخلاص سے خرچ نہ کرنا | 673/2 |
| 12 | نفلی صدقہ میں کیا چیز اسراف اور کیا نہیں؟ | 672/3 |
| 13 | اللہ کی راہ میں پانی خرچ کرنا | 148/4 |
| 14 | کن لوگوں پر خرچ کرنا انسان پر واجب ہے؟ | 696/6 |
| 15 | خرچ میں اعتدال کا واجب ہونا | 700/6 |
| 16 | خرچ کرنے کی فضیلت | 700/6 |
| 17 | زیادہ خرچ کرنا | 702/6 |
| 18 | تمام مال صدقہ کرنا | 704/6 |
| 19 | اپنے اوپر، اپنے عیال پر اور دوسروں پر خرچ کرنے کی ترغیب | 823/11 |
| **100** | **سورۃ الانعام** | |
| 1 | سورۃ الانعام کے نزول کے متعلق احادیث | 386/3 |
| 2 | سورۃ الانعام کی فضیلت | 387/3 |
| 3 | سورۃ الانعام کا موضوع | 388/3 |
| 4 | سورۃ الانعام کے مضامین | 389/3 |
| 5 | سورۃ الانعام کا اختتام | 708/3 |
| **101** | **انار** | |
| 1 | انار کے خواص | 607/3 |
| **102** | **انعام یافتہ لوگ** | |
| 1 | انعام یافتہ لوگوں کا بیان | 213/1 |
| 2 | انعام یافتہ لوگوں کے راستوں کا بیان | 213/1 |
| **103** | **انعامی بانڈز** | |
| 1 | انعامی بانڈز کا شرعی حکم | 816/1 |
| 2 | انعامی بانڈز کے جواز کی بحث | 713/5 |
| 3 | انعامی بانڈز کے متعلق جسٹس پیر محمد کرم شاہ کا فیصلہ | 716/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | انعامی بانڈز کے جواز کے متعلق جسٹس شفیع الرحمان کا فیصلہ | 718/5 |
| **104** | **اولی الامر** | |
| 1 | اولی الامر کی تفسیر میں متعدد اقوال | 705/2 |
| 2 | اولی الامر کی اطاعت بالتبع ہے | 706/2 |
| 3 | قرآن مجید اور احادیث، اقوال صحابہ پر مقدم ہیں | 706/2 |
| **105** | **اوس وخزرج (قبائل)** | |
| 1 | اوس وخزرج پر اللہ تعالیٰ کے احسانات | 295/2 |
| **106** | **اولاد** | |
| 1 | اولاد کے ذکر میں حسن ترتیب | 70/2 |
| 2 | اولاد کا فتنہ ہونا | 617/4 |
| 3 | اولاد کا سبب عذاب ہونا | 158/5 |
| 4 | عام لوگوں کا اپنی اولاد کو بے آب وگیاہ زمین میں چھوڑنا کیسا ہے؟ | 204/6 |
| 5 | اولاد کا آنکھوں کی ٹھنڈک ہونا | 277/8 |
| 6 | آخرت میں مسلمانوں کی اولاد کی نفع رسانی | 357/8 |
| 7 | اولاد کی محض کثرت باعث فخر اور پسندیدہ نہیں | 633/9 |
| 8 | اولاد کے فرائض | 78/11 |
| 9 | اولاد میں کثرت کی طلب مطلقاً مذموم نہیں ہے | 734/11 |
| 10 | اولاد پر شفقت کرنے کی ترغیب | 446/11 |
| 11 | مومنوں کے ایمان کی وجہ سے ان کی نابالغ اولاد کا جنت میں داخل ہونا | 444/11 |
| 12 | مومنوں کی بالغ اور کافر اولاد ان کے ایمان کی وجہ سے جنت میں داخل نہیں ہوگی | 445/11 |
| 13 | نابالغ اولاد کا اپنے مسلمان ماں باپ کو جنت میں لے جانا | 447/11 |
| **107** | **اولوالعزم** | |
| 1 | اولوالعزم کا معنی | 117/11 |
| 2 | اولوالعزم رسولوں کے مصادیق | 118/11 |
| **108** | **اہلسنت و جماعت** | |
| 1 | مسلک اہلسنت وجماعت کا سب سے افضل ہونا | 571/1 |
| 2 | معمولات اہلسنت کا جواز | 127/4 |
| 3 | محبت اہل بیت صرف اہلسنت وجماعت کی خصوصیت ہے | 588/10 |
| 4 | تعظیم صحابہ کا عقیدہ صرف اہلسنت وجماعت کی خصوصیت ہے | 588/10 |
| **109** | **اہانت** | |
| 1 | عقبہ ابی معیط کا حضور ﷺ کی اہانت کرنا | 234/8 |
| 2 | غیر مسلم اموات کی اہانت کا جواز | 186-188/9 |
| **110** | **اہل کتاب** | |
| 1 | اہلِ کتاب کا نبی ﷺ کو اپنے بیٹوں سے زیادہ پہچاننا | 607/1<br>417/3 |
| 2 | اہلِ کتاب کا اللہ کی مخالفت کرنا | 196/2 |
| 3 | اہلِ کتاب کا رسول اللہ ﷺ کی مخالفت کرنا | 197/2 |
| 4 | اہل کتاب کے امینوں اور خائنوں کا ذکر | 202/2 |
| 5 | کفر پر مذمت میں اہل کتاب کی تخصیص | 281/2 |
| 6 | اہل کتاب کے گمراہ کن حیلے | 282/2 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | مسلمانوں میں عداوت کی آگ بھڑکانا | 282/2 |
| 8 | اہلِ کتاب میں سے ایمان والوں کی تفصیل | 319/2 |
| 9 | اہل کتاب کی تعریف اور ان کا ذبیحہ | 89/3,91/3 |
| 10 | اہل کتاب مردوں سے مسلمان عورتوں کا نکاح | 91/3 |
| 11 | اہل کتاب عورتوں سے مسلمان مردوں کا نکاح | 91/3 |
| 12 | ایمان لانے میں اہل کتاب کا عاجزی کرنا | 812/6 |
| 13 | اہل کتاب کے لقب کے مستحق کون؟ | 96/9 |
| 14 | اہل کتاب میں سے جو شخص ہمارے نبی ﷺ پر ایمان لایا اس کو دو اجر ملنے کی تحقیق | 757-760/11 |
| **111** | **اہل بیت** | |
| 1 | اہل بیت کے مصداق کون؟ | 592/5 |
| 2 | آیت تطہیر سے اہل بیت کا مراد ہونا | 438/9 |
| 3 | اہل بیت کا ازواج اور اولاد وغیرہ کو شامل ہونا | 440-443/9 |
| 4 | اہل بیت کے ساتھ مذکر کی ضمائر لانے کی وجہ | 443/9 |
| 5 | شیعہ کا اہل بیت کی عصمت کو ثابت کرنا اور اس کا جواب | 444/9 |
| 6 | اہل بیت کرام کے فضائل | 681/9 |
| 7 | آل یاسین سے مراد آل محمد ﷺ ہے | 952/9 |
| 8 | محبت اہل بیت صرف اہل سنت و جماعت کی خصوصیت ہے | 588/10 |
| 9 | محبت اہل بیت کے متعلق احادیث | 588/10 |
| **112** | **ایثار** | . |
| 1 | مہاجرین پر انصار مدینہ کے ایثار کی تفصیل | 169/9 |
| 2 | صرف اصحاب صبر کے لیے تنگی میں اپنے اوپر ایثار کی اجازت ہے | 170/9 |
| 3 | تنگی میں دوسروں کے لیے ایثار کرنے کا ضابطہ | 171/9 |
| 4 | ایثار کا لغوی و اصطلاحی معنی | 817/11 |
| 5 | ایثار کے متعلق احادیث و آثار | 818/11 |
| 6 | کس کس کو ایثار کی اجازت ہے؟ | 821/11 |
| 7 | تنگی میں دوسروں کے لیے ایثار کرنے کا ضابطہ | 822/11 |
| 8 | جان کا ایثار صرف رسول اللہ ﷺ کے لیے کرنا جائز ہے | 824/11 |
| 9 | ایثار کی فضیلت میں احادیث | 436/12 |
| 10 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کا ایثار کرنا | 437/12 |
| **113** | **ایمان** | |
| 1 | ایمان کا لغوی و اصطلاحی معنی | 247/1<br>458/5<br>450/9<br>381/11 |
| 2 | ایمان کی تعریف | 249/1 |
| 3 | نفس ایمان اور ایمان کامل | 250/1 |
| 4 | مومن ہونے کے لیے ماننا ضروری ہے | 251/1 |
| 5 | ایمان کی حقیقت | 252/1 |
| 6 | ایمان میں کمی اور زیادتی | 253/1<br>550/4<br>473/2 |
| 7 | اسلام اور ایمان میں نسبت | 256/1 |
| 8 | جن کا ایمان نہ لانا مقدر ہو چکا ان کو تبلیغ کرنا | 282/1 |
| 9 | کفار کے دلوں پر مہر لگانے کے بعد ان سے مواخذہ کیوں؟ | 282/1 |
| 10 | صحابۂ کرام کے ایمان کا معیار | 393/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | ایمان والوں کو دوبارہ ایمان کا حکم دینا | 413/1 |
| 12 | اللہ، فرشتوں، کتابوں اور رسولوں پر ایمان لانے کے ذکر کی ترتیب | 1028/1 |
| 13 | اللہ تعالیٰ پر ایمان لانے کا معنی | 649/1 |
| 14 | ایمان کامل کا معیار | 314/2 394/10 |
| 15 | ایمان کے بدلے کفر کو خریدنا | 476/2 |
| 16 | ایمان کے ساتھ گناہوں پر مواخذہ | 522/2 |
| 17 | ایمان والوں کو ایمان لانے کا حکم دینے کی توجیہ | 827/2 |
| 18 | رسول کے بغیر محض عقل سے ایمان لانا | 881/2 |
| 19 | اللہ کا مطلوب بندوں کا اختیاری ایمان ہے | 628/3 |
| 20 | بغیر دلیل کے ایمان لانا صحیح ہے یا نہیں؟ | 439/4 |
| 21 | فرعون کے ایمان کو قبول نہ کرنے کی وجوہ | 462/5 |
| 22 | تمام اہل ملل پر سیدنا محمد ﷺ پر ایمان لانے کا وجوب | 514/5 |
| 23 | غیر متمدن دنیا میں رہنے والوں کے لیے فقط توحید پر ایمان لانا ضروری ہے | 515/5 |
| 24 | پسماندہ اور کمزور لوگوں کا ایمان لانا نبوت میں طعن کا موجب نہیں | 528/5 |
| 25 | اللہ کے نزدیک اغنیاء کی بہ نسبت فقراء کا مقرب ہونا | 528/5 |
| 26 | طبقاتی فرق اور نام ونسب، فضیلت کا موجب نہیں | 529/5 |
| 27 | ایمان اور تقویٰ کے بغیر نسلی امتیاز اور نسبی برتری کی کوئی وقعت نہیں | 558/5 |
| 28 | ایمان پر شکر ادا کرنے کا وجوب | 761/5 |
| 29 | ایمان لانے کے باوجود شرک کرنے والوں کے مصادیق | 876/5 |
| 30 | ایمان وکفر کی پانی اور جھاگ سے تشبیہ | 76/6 |
| 31 | ایمان لانے میں انسان کا فائدہ | 100/7 |
| 32 | ایمان کے مدارج ومراتب | 340/7 |
| 33 | ایمان اللہ کی توفیق سے ملتا ہے | 428/7 |
| 34 | ایمان لانے کو معلق کرنا | 231/8 |
| 35 | ایمان کے سورج کا طلوع ہونا | 248/8 |
| 36 | اختیاری ایمان اور جبری ایمان | 288/8 |
| 37 | ایمان کا نبی ﷺ کے ادب سے ملنا | 6820/8 |
| 38 | دولت ایمان سے کون کون مشرف ہوں گے؟ | 740/8 |
| 39 | ایمان والوں میں سے قابل مدح کون؟ | 791-793/10 |
| 40 | ایمان لانے سے تمام گناہوں کی مغفرت ہوگی یا بعض کی؟ | 113/11 |
| 41 | ایمان لانے کے بعد گناہوں کو نیکیوں میں بدلنا | 126/11 |
| 42 | اس کی توجیہ کہ انصار نے مہاجرین سے پہلے ایمان کی جگہ بنالی | 816/11 |
| **114** | **اینڈھن** | |
| 1 | اینڈھن فراہم کرنے کی نعمت | 680/11 |
| **115** | **ایلاء** | |
| 1 | ایلاء کا معنیٰ اور اس کے وقوع کے بعد فقہاء کا اختلاف | 795/1 |
| **116** | **ایٹمی ہتھیار** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | تیر اندازی کے فضائل | 663/4 |
| 2 | اس دور میں تیر اندازی کے مصداق ایٹمی میزائل ہیں | 664/4 |
| 3 | ایٹمی ہتھیار بنانے کے لیے تفکر کرنا اور اس کیلئے سائنسی علوم حاصل کرنا افضل ترین عبادت ہے | 665/4 |
| 4 | جہاد کے لیے بندھے ہوئے گھوڑوں کی فضیلت اور اس دور میں اس کے مصداق | 667/4 |
| 6 | دشمنان اسلام کو مرعوب کرنے کی حکمت | 669/4 |
| **117** | **ایذاء پہنچانا** | |
| 1 | اللہ، رسول اور مؤمنوں کو ایذاء پہنچانے کا فرق | 556/9 |
| **118** | **حضرت ایوب علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت ایوب علیہ السلام کا نام و نسب اور ان کی بعثت کی ترتیب | 648/7 |
| 2 | حضرت ایوب علیہ السلام کو آزمائش میں مبتلا کرنا | 648/7<br>114/10 |
| 3 | حضرت ایوب علیہ السلام کے نقصانات کی تلافی کرنا | 650/7<br>119/10 |
| 4 | حضرت ایوب علیہ السلام کا قصہ | 114/10 |
| 5 | حضرت ایوب علیہ السلام کے جسم میں کیڑے پڑنے کی تحقیق | 649/7<br>114/10 |
| 6 | حضرت ایوب علیہ السلام کی بیماری کو بعض مفسرین کا شیطان کی تاثیر قرار دینا | 116/10 |
| 7 | حضرت ایوب علیہ السلام کی زوجہ کے لیے قسم پوری کرنے میں تخفیف و رعایت | 650/7<br>119/10 |
| 8 | حضرت ایوب علیہ السلام کی دعا کے لطیف نکات | 652/7<br>120/10 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **119** | **ایصال ثواب** | |
| 1 | ایک شخص کے عمل کا دوسرے کو فائدہ ہونا | 562/1<br>1029/1 |
| 2 | ایصال ثواب کیلئے نامزد جانوروں کا حلال ہونا | 340/3 |
| 3 | ایصال ثواب کے متعلق احادیث | 728/6 |
| 4 | لیس للانسان الا ماسعی کی وضاحت | 727/6 |
| 5 | کوئی کسی کا بوجھ نہیں اٹھائے گا اس پر ایک اور سوال | 530/11 |
| 6 | ایصال ثواب کے عدم جواز پر معتزلہ کا استدلال اور اس کے جوابات و دیگر تفصیلات | 532-557<br>11 |
| 7 | اس کا جواب کہ زندہ کے لیے ایصال ثواب کیوں نہیں کیا جاتا؟ | 557/11 |
| 8 | اس کا جواب کہ رسول اللہ ﷺ سے ایصال ثواب کا ثبوت کہاں ہے؟ | 558/11 |
| 9 | ایصال ثواب کے متعلق مزید تحقیق | 560-566<br>11 |
| 10 | اس اعتراض کا جواب کہ قرآن مجید میں دوسرے کیلئے دعا کے ثبوت سے ایصال ثواب کا ثبوت لازم نہیں آتا | 559/11 |
| 11 | اس کا جواب کہ ایصال ثواب کے کھانے سے اغنیاء کیوں کھاتے ہیں؟ | 560/11 |


## ب


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **بارش** | |
| 1 | مختلف علاقوں میں بارش نازل فرمانا | 252/8 |
| 2 | بارش کا نظام | 252/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | بارش کے پانی سے بنجر زمین کو زرخیز کرنے کا انعام | 346/9 |
| 2 | **باطل** | |
| 1 | حق و باطل کا فرق | 641/9 |
| 3 | **بال** | |
| 1 | خنزیر کے بالوں کا نجس ہونا | 532/6 |
| 2 | انسان کے بالوں کا طاہر ہونا | 536/6 |
| 4 | **باندی** | |
| 1 | بغیر نکاح کے باندیوں سے جنسی عمل کرنا کیسا؟ | 855/7 |
| 2 | اس دور میں باندی بنانا | 855/7 |
| 3 | باندیوں کے بعض احکام | 136/8 |
| 5 | **بت/ بت پرست** | |
| 1 | بت پرستوں سے متعلق قرآن کی اصطلاح | 223/3 |
| 2 | بتوں کی عبادت کا خلاف عقل ہونا | 493/3 |
| 3 | بت پرستی کا لہو ولعب ہونا | 538/3 |
| 4 | بتوں کو برا بھلا کہنا | 625/3 |
| 5 | بتوں کے لیے پھلوں اور مویشیوں کی تقسیم | 660/3 |
| 6 | بت پرستی کی ابتداء | 191/4 |
| 7 | بتوں کی بے مائیگی اور بے چارگی | 499/4 |
| 8 | بتوں کو اللہ کے ہاں سفارشی قرار دینے میں مشرکین کے نظریات | 340/5 |
| 9 | بتوں کے صرف اسماء ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 764/5 |
| 10 | اللہ نے بتوں کی تعظیم کا ہرگز حکم نہیں دیا | 764/5 |
| 11 | بت پرستوں کا دلائل کے ساتھ رد | 71/6 |
| 12 | بت پرستوں کے سخت عذاب کا سبب | 134/6 |
| 13 | مشرکین اللہ کو خالق ماننے کے باوجود بت پرستی کیوں کرتے تھے؟ | 154/6 |
| 14 | اولاد ابراہیم کو بت پرستی سے مامون رکھنے کی دعا پر اعتراض کے جوابات | 196/6 |
| 15 | بتوں کے خدا اور سفارشی ہونے کا ابطال | 382/6 |
| 16 | بتوں کی عبادت | 64/7<br>282/7 |
| 17 | بت پرستی کا رد | 313/7<br>894/7 |
| 18 | بتوں کا انتقام لینے کے لے رحمن کی مذمت کرنا | 585/7 |
| 19 | بتوں کا عجز اور ان کی پرستش کا باطل ہونا | 800/7 |
| 20 | بت پرستوں کا اللہ کی قدر نہ کرنا | 802/7 |
| 21 | بتوں میں کوئی اچھائی نہیں | 705/8 |
| 22 | صنم کا معنی | 332/8 |
| 23 | بتوں کی عبادت کا رد فرمانا | 333/8 |
| 24 | بتوں کو دشمن کہنا | 334/8 |
| 25 | بتوں کی عبادت پر عقلی و نقلی دلائل کا نہ ہونا | 697/9 |
| 26 | بعل کا معنی اور اس کی پرستش کا پس منظر و پیش منظر | 951/9 |
| 27 | بعل کی ناکامی وغیرہ | 951/9 |
| 28 | بتوں کو ولی اور کارساز بنانے کی مذمت | 547/10 |
| 29 | کفار کے اس اعتراض کا جواب کہ اگر اللہ چاہتا تو ہم بتوں کی عبادت نہ کرتے | 667-672<br>10 |
| 30 | مشرکین کا نبی ﷺ کی عبادت کی بہ نسبت اپنے بتوں کی عبادت کو افضل قرار دینا | 700/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 31 | آیا کفار نے اپنے بتوں کو بہتر قرار دیا تھا یا حضرت عیسیٰ علیہ السلام کو؟ | 701/10 |
| 32 | مشرکین کو بت پرستی پر ملامت کرنا | 731/10 |
| 33 | بتوں کے نہ سننے کی قیامت تک کی تحصیل کی وجہ | 45/11 |
| 34 | بتوں کا قیامت کے دن مشرکین کی عبادت سے بیزاری کا اظہار کرنا | 46/11 |
| 35 | بتوں کی پرستش کا ابطال اور توحید کا استحقاق | 513/11 |
| 36 | لات، عزیٰ اور منات کی تحقیق | 513/11 |
| 37 | بت پرستوں کی ظالمانہ تقسیم | 514/11 |
| 38 | بتوں کے مؤنث ہونے پر دلائل | 517/11 |
| 39 | ود، سواع، یغوث، یعوق اور نسر وغیرہا کی تاریخی حیثیت | 260/12 |
| 40 | کیا کفار مکہ اور کفار نوح کے معبود بت ایک ہی تھے؟ | 262/12 |
| 6 | **بچے** | |
| 1 | زمانہ جاہلیت میں بچوں کو وارث نہ بنانا | 585/2 |
| 2 | نابالغ اولاد کا اللہ کی مشیت پر موقوف ہونا | 669/6 |
| 3 | مسلمانوں کے بچوں کا جنت میں ہونا | 670/6 |
| 4 | مشرکین کے بچوں کا دوزخ میں داخل ہونا | 670/6 |
| 5 | مشرکین کی اولاد کا اہل جنت کا خادم ہونا | 671/6 |
| 6 | تمام بچوں کا جنت میں داخل ہونا | 672/6 |
| 7 | **بچھڑا** | |
| 1 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی قوم کا بچھڑے کی عبادت کرنا | 417/7 |
| 2 | زیورات سے بچھڑا بنانا | 418/7 |
| 3 | بچھڑے کو معبود قرار دینا | 419/7 |
| 8 | **بخیل** | |
| 1 | بخل کو بے حیائی سے تعبیر کرنے کی وجہ | 963/1 |
| 2 | بخل کا معنی | 485/2 |
| 3 | بخل کی اقسام | 485/2 |
| 4 | بخل کی مذمت میں قرآنی آیات | 486/2 |
| 5 | بخل کی مذمت میں احادیث | 487/2<br>805/6<br>946/12 |
| 6 | بخل کی مذمتِ مزید | 780/9 |
| 7 | بخل کا معنی اور اس کا حکم دینا | 737/11 |
| 8 | بخل کے پیدائشی وصف ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 229/12 |
| 9 | **بدعت** | |
| 1 | بدعت اور ابداع کا معنی | 507/1<br>628/1 |
| 2 | بدعت کی تعریف واقسام | 534/1<br>692/3 |
| 3 | بدعات سے اجتناب کا حکم | 691/3 |
| 4 | بدعت سیئہ کی تعریف | 348/4<br>369/9 |
| 5 | بدعت کا لغوی واصطلاحی معنی | 748/11 |
| 6 | بدعت کی اقسام | 749-754<br>11 |
| 10 | **(معرکۂ) بدر** | |
| 1 | معرکۂ بدر میں اللہ تعالیٰ کی نشانیاں | 72/2 |
| 2 | غزوۂ بدر کا مختصر تذکرہ | 331/2 |
| 3 | بدر کا معنی اور اس کا جغرافیائی محل وقوع | 341/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | بدر میں مسلمانوں کا ضعف | 341/2 |
| 5 | بدر میں مسلمانوں کی مغلوبیت کے اسباب | 341/2 |
| 6 | جنگ بدر میں قتال ملائکہ | 343-353/2<br>558-569/4 |
| 7 | غزوۂ بدر کا خلاصہ | 533/4 |
| 8 | غزوۂ بدر کے متعلق احادیث | 534/4 |
| 9 | غزوۂ بدر کے دن حضور کا گڑگڑا کر دعا کرنا | 557/4 |
| 10 | غزوۂ بدر میں اللہ کی امداد کی چھ انواع | 572/4 |
| 11 | غزوۂ بدر کی رات مسلمانوں پر غنودگی کا طاری ہونا | 573/4 |
| 12 | غزوۂ بدر میں رسول اللہ ﷺ کی قیام گاہ اور بارش کا نزول | 573/4 |
| 13 | رسول اللہ ﷺ کا مقتولین بدر سے خطاب | 576/4 |
| 14 | کفار بدر کے قتل کی نفی | 592/4 |
| 15 | فتح بدر میں سیدنا محمد ﷺ کی دلیل نبوت | 644/4 |
| 16 | کفار اور مسلمانوں کی تعداد کم دکھانے کی حکمت | 644/4 |
| 17 | مقتولین بدر کی بوقت موت کیفیت | 655/4 |
| 18 | کفار بدر کا متبعین فرعون کے مماثل ہونا | 657/4 |
| 19 | مسلمانوں پر تخفیف کر کے مشکل حکم کو منسوخ کرنا | 691/4 |
| 20 | کفار کے مقابلہ میں مسلمانوں کی کامیابی کی وجوہات | 691/4 |
| 21 | بدر کے قیدیوں کے متعلق رسول اللہ ﷺ کا صحابہ سے مشورہ کرنا | 692/4 |
| 22 | فدیہ لینے کی وجہ سے عتاب کے محامل | 693/4 |
| 23 | بدر کے قیدیوں کو آزاد کرنے کے جوابات | 696/4 |
| 24 | مشرکین کے قتل سے جنگی قیدیوں کو مستثنیٰ کرنا | 697/4 |
| 25 | بدر میں بلا اذن مال غنیمت لینے کے باوجود عذاب کا نازل نہ ہونے کا سبب | 699/4 |
| 26 | بدر میں رسول اللہ ﷺ کی غیب کی خبر | 702/4 |
| 27 | بدر کے قیدیوں سے فدیہ | 704/4 |
| 28 | حاضرین بدر کو ان کی فضیلت کی وجہ سے صف اول میں بٹھانا | 784/11 |
| 29 | جنگ بدر میں کفار کی شکست کی خبر | 595/11 |
| 30 | جنگ بدر میں حضور ﷺ کی فتح کی دعا | 596/11 |
| **11** | **بددُعا** | |
| 1 | اپنے آپ کو اور اپنے اموال کو بددُعا دینے کی ممانعت | 333/5 |
| **12** | **بدکار** | |
| 1 | بدکاروں کے لیے دنیا کا ظرف ہونا | 574/5 |
| 2 | بدکاروں کے لیے وعید | 676/6 |
| **13** | **بدگمانی** | |
| 1 | بدگمانی دور کرنے کیلئے وضاحت کرنے کا استحباب | 841/5 |
| 2 | مسلمان کے متعلق بدگمانی کا حرام ہونا | 297/11 |
| 3 | ظن اور گمان بے جواز اور عدم جواز کے محمل | 298/11 |
| **14** | **بدلہ دینا** | |
| 1 | دیکھئے "13: جزاء" صفحہ 102 | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **15** | **بدلہ لینا** | |
| 1 | بدلہ لینے میں تجاوز کرنا | 603/6 |
| 2 | بدلہ کے بجائے صبر | 604/6 |
| 3 | بدلہ نہ لینے میں رسول اللہ ﷺ کی مبارک سیرت | 605/6 |
| 4 | بدلہ لینے اور نہ لینے کی آیتوں میں بظاہر تعارض کا جواب | 619/10 |
| 5 | بدلہ لینے کے جواز میں احادیث | 621/10<br>624/10 |
| 6 | بدلہ نہ لینے اور معاف کر دینے کے متعلق احادیث | 622/10 |
| **16** | **بدشگون** | |
| 1 | دیکھئے ''24: شگون'' صفحہ 155 | |
| **17** | **برائی** | |
| 1 | برائی ہمارے گناہوں کے نتیجہ میں رونما ہوتی ہے | 730/2 |
| 2 | برائی کے موجد کو ڈبل سزا | 704/3 |
| 3 | دوسرے کے جرم کی سزا | 705/3 |
| 4 | برائی کا جواب اچھائی سے دینے کی نصیحت اور نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کی سیرت میں اس کی مثالیں | 900-904<br>7 |
| 5 | برائی کو اچھائی سمجھنے والے اور ان کا شرعی حکم | 657/9 |
| 6 | عجب الذنب کی تحقیق | 659/9 |
| 7 | بدی کے متعلق مفسرین کے اقوال | 503/10 |
| **18** | **برکاتِ مصطفیٰ ﷺ** | |
| 1 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے کپڑوں اور آپ کے بالوں سے بیماروں کا شفایاب ہونا اور دیگر برکتیں | 852/5 |
| **19** | **بروج** | |
| 1 | بروج کا لغوی واصطلاحی معنی | 252/6 |
| 2 | بروج سے اللہ تعالیٰ کی الوہیت اور وحدانیت پر استدلال | 255/6 |
| 3 | بروج کا لغوی وعرفی معنی | 264/8<br>648/12 |
| 4 | بروج کے مصادیق میں اقوال مفسرین | 649/12 |
| 5 | بارہ برجوں کے معانی | 650/12 |
| 6 | ستاروں کی بروج میں گردش | 650/12 |
| **20** | **سورۃ البروج** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 645/12 |
| 2 | سورۃ البروج کے مشمولات | 645/12 |
| 3 | سورۃ البروج کے متعلق احادیث | 645/12 |
| 4 | سورۃ البروج سے مقصود | 646/12 |
| 5 | سورۃ البروج کا اختتام | 662/12 |
| **21** | **برائی سے روکنا** | |
| 1 | دیکھئے ''79: امر بالمعروف ونہی عن المنکر'' صفحہ 69 | |
| **22** | **بسم اللہ الرحمٰن الرحیم** | |
| 1 | بسم اللہ کا معنی | 146/1 |
| 2 | بسم اللہ میں اسم کا الف حذف کرنے کی وجہ | 147/1 |
| 3 | بسم اللہ میں رسول اللہ ﷺ کی طرف اشارہ | 150/1 |
| 4 | بسم اللہ کے متعلق فقہی بحث | 151/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | بسم اللہ کا آیت قرآنی ہونا | 151/1 |
| 6 | بسم اللہ کا سورۂ فاتحہ کی جز نہ ہونا | 152/1 |
| 7 | بسم اللہ کا سورتوں کے شروع میں ان کی جز نہ ہونا | 153/1 |
| 8 | بسم اللہ کو نماز میں آہستہ پڑھنا | 155/1 |
| 9 | بسم اللہ کے فوائد وحکمتیں | 157/1 |
| 10 | بسم اللہ کے معانی | 211/8<br>550/8 |
| 11 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا مکاتیب میں بسم اللہ لکھنا | 681/8 |
| 12 | بسم اللہ کے اسرار | 212/9 |
| 23 | **بسیارخوری** | |
| 1 | بسیارخوری کا اسراف ہونا | 105/4 |
| 2 | بسیارخوری کی مذمت | 105/4 |
| 3 | بسیارخوری کے دینی ودنیوی نقصانات | 217/7 |
| 4 | کھانے سے حد سے زیادہ بڑھنے کا معنی | 411/7 |
| 24 | **بشارت** | |
| 1 | بشارت دینا کیسا؟ | 208/10 |
| 25 | **بشر** | |
| 1 | دیکھئے "85: انسان" صفحہ 70 | |
| 26 | **بعث بعد الموت** | |
| 1 | بعث بعد الموت پر کفار کے اعتراض کا جواب | 838/9 |
| 2 | بعث بعد الموت پر دلائل | 838/9<br>870/9 |
| 27 | **بغاوت** | |
| 1 | بغاوت کا معنی اور اس کے متعلق احادیث | 352/5 |
| 28 | **بغض** | |
| 1 | رسول اللہ ﷺ سے بغض رکھنا | 719/7 |
| 29 | **سورۃ البقرہ** | |
| 1 | سورۃ البقرہ کا اجمالی تعارف | 231/1 |
| 2 | سورۃ البقرہ کی وجہ تسمیہ | 232/1 |
| 3 | سورۃ البقرہ کا محل نزول اور آیات وحروف کی تعداد | 233/1 |
| 4 | سورۃ البقرہ کے فضائل | 234/1 |
| 5 | سورۃ البقرہ کے افتتاح واختتام میں مناسبت | 1027/1 |
| 6 | سورۃ البقرہ آخری دو آیتوں کی فضیلت | 1030/1 |
| 30 | **بلوغت** | |
| 1 | لڑکے اور لڑکی کی بلوغت کا معیار | 582/2 |
| 31 | **ملکۂ سبا بلقیس** | |
| 1 | ملکۂ سبا کی تحقیق وتعارف | 660,661/8 |
| 2 | بلقیس کی حکمرانی سے عورت کی حکمرانی پر استدلال | 664/8 |
| 3 | عورت کو مردوں کے کسی بھی ادارہ کی سربراہ بنانا | 667/8 |
| 4 | عورت کو سربراہ مملکت بنانا | 669-672/8<br>675/8 |
| 5 | تخت بلقیس کی صفت | 675/8 |
| 6 | بلقیس کو ہدہد کا خط پہنچانا | 679/8 |
| 7 | بلقیس کے بھیجے ہوئے ہدیہ کی تفصیل | 687/8 |
| 8 | بلقیس کا حضرت سلیمان علیہ السلام کی خدمت میں روانہ ہونا | 688/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | تخت بلقیس منگوانے کی وجوہ | 688/8 |
| 10 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے ولی کا تخت بلقیس کو حاضر کرنا | 689/8 |
| 11 | تخت بلقیس کو حضرت سلیمان علیہ السلام کے سامنے حاضر کرنے کی کیفیت | 691/8 |
| 12 | بلقیس کے ایمان لانے کی تفصیل | 694/8 |
| 13 | بلقیس کا نکاح | 695/8 |
| 32 | سورۃ البلد | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 744/12 |
| 2 | سورۃ البلد کی سورۃ الفجر کے ساتھ مناسبت | 744/12 |
| 3 | سورۃ البلد کے مشمولات | 744/12 |
| 4 | لا اقسم میں لفظ "لا" کے دو محمل | 747/12 |
| 5 | سورۃ البلد کی تفسیر کی تکمیل | 750/12 |
| 6 | وانت حل بھذا البلد کی تفاسیر | 747-752/12 |
| 33 | سورۂ بنی اسرائیل | |
| 1 | سورۃ کا نام | 612/6 |
| 2 | زمانۂ نزول اور سورۃ النحل کی سورۂ بنی اسرائیل سے مناسبت | 612/6 |
| 3 | سورۂ بنی اسرائیل کے مشمولات | 612/6 |
| 4 | اختتامی کلمات | 816/6 |
| 34 | بنو اسرائیل | |
| 1 | بنو اسرائیل پر اللہ کی نعمتیں | 363/1 |
| 2 | بنو اسرائیل اور اللہ کے مابین عہد | 363/1 |
| 3 | بنو اسرائیل کی تلبیس اور کتمان حق | 370/1 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | یہود کی بے عملی | 380/1 |
| 5 | بنو اسرائیل پر فرعون کا عذاب | 396/1 |
| 6 | بنو اسرائیل کے لیے سمندر چیرنا | 400/1 |
| 7 | بنو اسرائیل کی قبولیت توبہ | 401/1 |
| 8 | بنو اسرائیل کو موسیٰ علیہ السلام کا کوہ طور پر لے جانا | 404/1 |
| 9 | ستر اسرائیلوں کا دوبارہ زندہ ہونا | 405/1 |
| 10 | میدان تیہ میں بنو اسرائیل کی سرگردانی | 405/1 |
| 11 | بنو اسرائیل کا حطۃ کو حنطۃ کہنا | 406/1 |
| 12 | بنو اسرائیل پر طاعون کا عذاب | 407/1 |
| 13 | اسرائیل کی حکومت، یہود پر عذاب کے باوجود | 412/1 |
| 14 | بنو اسرائیل کے سروں پر پہاڑ معلق کرنا | 417/1 |
| 15 | موجودہ بندروں کے مسخ شدہ اسرائیلی ہونا | 419/1 |
| 16 | بنو اسرائیل کی گائے | 417/1 |
| 17 | بنو اسرائیل کی تحریف | 435/1 |
| 18 | بنو اسرائیل کا اللہ کی نعمتوں کو کفر سے تبدیل کرنا | 754/1 |
| 19 | بنو اسرائیل کی ایک جماعت کی طرف مسلمانوں اور نبی علیہ السلام کا جہاد کے لیے جانا | 877/1 |
| 20 | بنو اسرائیل کا تابوت | 881/1 |
| 21 | بنو اسرائیل کی عہد شکنی | 127/3 |
| 22 | بنو اسرائیل کے انبیاء | 145/3 |
| 23 | بنو اسرائیل کے بادشاہ | 146/3 |
| 24 | بنو اسرائیل کا اپنے زمانے میں سب سے افضل ہونا | 146/3 |
| 25 | میدان تیہ میں بنو اسرائیل | 149/3 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 26 | بنواسرائیل کا دوبارہ اندھا اور بہرا ہونا | 258/3 |
| 27 | تبلیغ نہ کرنے کی وجہ سے بنواسرائیل پر لعنت | 267/3 |
| 28 | بنواسرائیل پر نازل ہونے والا طعام | 368/3 |
| 29 | بنواسرائیل کو مصر اور شام پر قابض کرنا | 283/4 |
| 30 | بنواسرائیل نے کون سا سمندر پار کیا تھا؟ | 286/4 |
| 31 | بنواسرائیل کی ناشکری اور احسان فراموشی | 288/4 |
| 32 | بنواسرائیل کا بچھڑا بنانے اور اس کی پرستش کرنا | 334/4 |
| 33 | توبہ قبول کرنے کے باوجود بنواسرائیل پر عذاب کی وعید | 348/4 |
| 34 | ستر اسرائیلیوں کا انتخاب | 351/4 |
| 35 | بنواسرائیل کے بوجھ اور ان کے طوق کا اٹھانا | 377/4 |
| 36 | اللہ کی نعمتوں کے مقابلہ میں بنواسرائیل کی نافرمانیاں | 399/4 |
| 37 | نافرمانی پر اصرار کرنے والے اسرائیلیوں کو بندر بنانا | 402/4 |
| 38 | بنی اسرائیل کے گھروں کو قبلہ بنانے کے محامل | 459/5 |
| 39 | بنی اسرائیل کی قومِ فرعون سے نجات اور فرعون کا غرق ہونا | 461/5 |
| 40 | بنی اسرائیل کو نعمتیں یاد دلانا | 410/7 |
| 41 | بنی اسرائیل کو آزمائش میں ڈالنا | 417/7 |
| 42 | بنی اسرائیل کے بیٹوں کو قتل کرنے کی وجہ | 771/8 |
| 43 | بنی اسرائیل کو امامت اور بادشاہت سے نوازنا | 772/8 |
| 44 | بنی اسرائیل کی مصر سے روانگی اور فرعون کا تعاقب | 320/8 |
| 45 | بنی اسرائیل کو کس زمین کا وارث بنایا گیا تھا؟ | 322/8 |
| 46 | بنی اسرائیل کی فضیلت اور ان کی آزمائش | 771/10 |
| 47 | بنواسرائیل کو دی گئی نعمتیں | 800/10 |
| 48 | بغض و عناد کی بناء پر بنی اسرائیل کا حق سے انکار کرنا | 801/10 |
| 35 | **بنو قریظہ** | |
| 1 | بنو قریظہ کی عہد شکنی | 659/4 |
| 2 | غزوۂ بنو قریظہ کا مختصر تعارف | 352/9 |
| 3 | غزوۂ بنو قریظہ کے متعلق احادیث | 411/9 |
| 4 | بنو قریظہ کو ان کی غداری کی سزا دینا | 410/9 |
| 36 | **غزوۂ بنو المصطلق** | |
| 1 | غزوۂ بنو المصطلق میں منافقین کا مسلمانوں سے جھگڑا کرنا | 901/11 |
| 37 | **غزوۂ بنو قینقاع** | |
| 1 | غزوۂ بنو قینقاع میں منافقوں کے خلاف سازش کرنا | 900/11 |
| 38 | **غزوۂ بنو نضیر** | |
| 1 | غزوۂ بنو نضیر | 802/11 |
| 2 | غزوۂ بنو نضیر کی مزید تفصیل | 803/11 |
| 3 | بنو نضیر کے عذاب سے عبرت حاصل کرنے کی تفصیل | 805/11 |
| 4 | بنو نضیر کے درختوں کو کاٹنا اور چھوڑ دینا | 808/11 |
| 5 | اموال بنو نضیر صرف مہاجرین کو عطا فرمانا | 817/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | بنو نضیر کو منافقین کا ورغلانا | 831/11 |
| 39 | **بھاگنا (میدان جنگ سے)** | |
| 1 | میدان جنگ سے پسپائی کی دو جائز صورتیں | 589/4 |
| 2 | اگر دشمن کی تعداد مسلمانوں سے کم یا دوگنا ہو تو پھر مسلمانوں کا بھاگنا جائز نہیں | 590/4 |
| 3 | میدان جنگ سے بھاگنے کا عموم یا خصوص | 591/4 |
| 40 | **بہتان** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ پر بہتان باندھنا | 133/4 |
| 41 | **بھولنا** | |
| 1 | دیکھئے ''18: نسیان'' صفحہ 267 | |
| 42 | **بیع** | |
| 1 | بیع مطلق و بیع سلم کی تعریف | 1003/1 |
| 2 | بیع سلم کی شرائط | 1004/1 |
| 3 | پکنے سے پہلے درخت پر لگے ہوئے پھلوں کی بغیر توڑے بیع | 608/3 |
| 4 | باغوں میں پھلوں کی مروجہ بیع کے جواز کی صورتیں | 609/3 |
| 43 | **بیٹھنا** | |
| 1 | کرسی پر بیٹھنے کی تحقیق | 929/1 |
| 2 | چارزانو بیٹھنا | 930/1 |
| 44 | **بیٹی** | |
| 1 | بیٹیوں کو عار سمجھنے کی مذمت | 467/6 |
| 2 | بیٹیوں کی پرورش کی فضیلت کے متعلق احادیث | 468/6 |
| 3 | اللہ تعالیٰ کے لیے بیٹیاں | 719/6 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کے لیے بیٹیوں کا ہونا محال ہے | 665/10 |
| 5 | مذکر و مؤنث کی پیدائش کی علامات | 634/10 |
| 6 | بیٹی کے ذکر کو بیٹے کے ذکر پر مقدم کرنے کی وجوہ | 636/10 |
| 7 | فرشتے اللہ کی بیٹیاں نہیں ہیں | 667/10 703/10 |
| 45 | **بیٹا** | |
| 1 | مذکر و مؤنث کی پیدائش کی علامات | 634/10 |
| 2 | بیٹی کے ذکر کو بیٹے کے ذکر پر مقدم کرنے کی وجوہ | 634/10 |
| 46 | **بیماری** | |
| 1 | عام لوگوں کی بیماری کے اسباب | 337/8 |
| 2 | نبی علیہ السلام اور نیک لوگوں کی بیماری کے اسباب | 338/8 |
| 3 | بیماری کے متعلق عارفین کے اقوال | 339/8 |
| 47 | **بیعت** | |
| 1 | جاہل پیروں کی بیعت کا حرام ہونا | 377/8 |
| 2 | شیخ، امام یا امیر کی بیعت کا ضروری ہونا | 649/8 |
| 3 | حضور علیہ السلام کا اسلام لانے والی خواتین سے بیعت لینا | 859/11 |
| 4 | حضور علیہ السلام کی بیعت لینے کی کیفیت | 860/11 |
| 5 | اصحاب بیعت رضوان کی فضیلت | 250/11 |
| 6 | کس درخت کے نیچے بیعت رضوان ہوئی تھی؟ | 251-255/11 |
| 48 | **سورۃ البینہ** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 901/12 |
| 2 | البینۃ:۱، اور البینۃ:۴، میں تعارض کا جواب | 904-906 12 |
| 3 | سورۃ البینہ کی تفسیر کا اختتام | 924/12 |
| 49 | **بیوی** | |
| 1 | دیکھئے "14: زوجہ" صفحہ 142 | |
| | **پ** | |
| 1 | **پاک** | |
| 1 | ہڈی کا پاک ہونا | 840/9 |
| 2 | انسان کے جسم سے الگ ہونے کے بعد بالوں کا پاک ہونا | 841/9 |
| 3 | بال، ہڈی اور دیگر سخت وٹھوس اجزاء کی طہارت میں مذاہب فقہاء | 841/9 |
| 4 | رسول اللہ ﷺ کے فضلات کی طہارت کے متعلق احادیث | 842-850/9 |
| 2 | **پانی** | |
| 1 | پانی پینے کے آداب | 107/4 |
| 2 | کھڑے ہو کر پانی پینا | 108/4 |
| 3 | وضو کے بچے ہوئے پانی اور آب زمزم کو کھڑے ہو کر پینا چاہیے | 112/4 |
| 4 | پانی کے ساتھ غیر اللہ کی تمثیل کے محامل | 64/6 |
| 5 | بارش کے پانی سے کھیتوں اور باغوں کی روئیدگی | 365/6 |
| 6 | تمام چیزوں کی پانی سے پیدائش کے بارے میں ایک اشکال کا جواب | 546/7 |
| 7 | پانی سے ہر چیز کی حیات کے بارے میں سائنس کا نظریہ | 547/7 |
| 8 | پانی کی تفسیر | 253/8 |
| 9 | میٹھا پانی فراہم کرنے کی نعمت | 680/11 |
| 3 | **پردہ** | |
| 1 | دیکھئے "12: حجاب" صفحہ 111 | |
| 4 | **پرہیز** | |
| 1 | قرآن وحدیث سے پرہیز کے ثبوت کے دلائل | 510/6 |
| 5 | **پرندہ** | |
| 1 | پرندوں کو پالنے کے متعلق احادیث | 389,390/8 629/8 |
| 6 | **پڑوسی** | |
| 1 | دیکھئے "4: جار" صفحہ 101 | |
| 7 | **پل صراط** | |
| 1 | پل صراط پر کفار، مومنین اور فساق وصالحین کے احوال کے متعلق احادیث | 877/9 |
| 8 | **پناہ طلب کرنا** | |
| 1 | فتنہ باز لوگوں سے پناہ طلب کرنا | 392/10 |
| 2 | اللہ تعالیٰ سے پناہ طلب کرنا | 1046/12 |
| 9 | **پوسٹ مارٹم** | |
| 1 | غیر مسلم اموات کے پوسٹ مارٹم کا جواز | 185/9 |
| 2 | مسلم اموات کے پوسٹ مارٹم کا عدم جواز | 185/9 |
| 10 | **پہاڑ** | |
| 1 | پہاڑ میں نشانیاں | 712/12 |
| 2 | قیامت کے دن پہاڑوں کے چھ احوال | 515/12 |
| 11 | **پیش گوئی** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | علم نجوم کی بنیاد پر پیش گوئیاں | 526/8 |
| 2 | علم جفر کی بنیاد پر پیش گوئیاں | 532/8 |
| 3 | حساب و کتاب اور سائنسی آلات کے ذریعے پیش گوئی | 532/8 |
| 4 | رومیوں کی ایرانیوں پر فتح کی پیش گوئی | 129/9 |
| **12** | **پیشہ** | |
| 1 | رزق حلال کی طلب کیلئے کسی بھی پیشہ کی فضیلت | 639/7 |
| 2 | بعض پیشوں کو گھٹیا اور باعث عار سمجھنا | 641/7 |
| 3 | جائز پیشوں کی فضیلت | 608/9 |
| 4 | بعض پیشوں کو برا جاننے کی مذمت | 608/9 |
| **13** | **پیوند کاری** | |
| 1 | ایک انسان کے اعضاء کے ساتھ کسی دوسرے انسان کے اعضاء کی پیوندی کاری کرنا | 154/9 |
| 2 | اپنے جسم کے بعض اعضاء کو نکلوانا یا کٹوانا تغیر خلق اللہ ہے | 159/9 |
| 3 | انسانی اجزاء کے ساتھ پیوند کاری کی ممانعت | 160-169/9 |
| **14** | **پیشواء** | |
| 1 | قرآن وحدیث کے مقابلہ میں دینی پیشواؤں کو ترجیح دینا کیسا؟ | 122/5 |
| 2 | احبار اور رہبان کا معنی | 121/5 |
| 3 | یہودی اور عیسائی علماء کے مال کمانے کے ناجائز طریقے | 126/5 |
| **15** | **پیدائش** | |
| 1 | تمام مخلوق کی پیدائش مبنی بر حکمت ہے | 169/6 |


## ت


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **تباہ** | |
| 1 | گذشتہ تباہ ہونے والی بستیاں | 139/7 |
| **2** | **تبلیغ** | |
| 1 | تبلیغ رسالت | 244/3<br>249/3 |
| 2 | تبلیغ نہ کرنے کی وجہ سے بنواسرائیل پر لعنت | 267/3 |
| 3 | جن لوگوں کو قرآن وحدیث کی تبلیغ کی گئی | 415/3 |
| 4 | تبلیغ کا فرض کفایہ ہونا | 403/4 |
| 5 | رسول اللہ ﷺ نے انتہائی تبلیغ کردی ہے | 485/5 |
| 6 | کیا حضور ﷺ نے کفار کے طعن وتشنیع کے خوف سے تبلیغ میں کمی کی؟ | 510/5 |
| 7 | تبلیغ میں نرمی اور حسن اخلاق | 742/6 |
| 8 | کفار کو تبلیغ کرنے سے منع کرنے کی توجیہ | 388/11 |
| **3** | **تبیان القرآن** | |
| 1 | تفسیر تبیان القرآن کی تکمیل اور کلمات تشکر | 1055/12 |
| 2 | تبیان القرآن جلد ثانی عشر کی مفصل ڈائری | 1058/12 |
| 3 | تبیان القرآن کی تصنیف کی ڈائری | 1059/12 |
| **4** | **غزوۂ تبوک** | |
| 1 | غزوۂ تبوک کی تیاری | 135/5 |
| 2 | غزوۂ تبوک کی تنگی اور سختی | 280/5 |
| 3 | غزوۂ تبوک میں ساتھ جانے والوں کی چار قسمیں | 255/5 |
| **5** | **عقیدۂ تثلیث** | |
| 1 | عقیدۂ تثلیث کا ابطال | 192/2<br>886/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | عقیدۂ تثلیث | 260/3<br>261/3 |
| 6 | **تجوید** | |
| 1 | مالک اور ملک کی قراءتیں | 172/1 |
| 7 | **تحفہ دینا** | |
| 1 | ایک دوسرے کو تحفہ دینے کا جواز | 685/8 |
| 2 | معاوضے کی طلب سے کسی کو ہدیہ دینا | 195-197/9 |
| 8 | **تحویل قبلہ** | |
| 1 | ابتدائی قبلہ | 565/1 |
| 2 | تحویل قبلہ کا بیان | 565/1 |
| 3 | تحویل قبلہ کے مسائل | 566/1 |
| 4 | نماز میں ایک طرف منہ کرنے کے اسرار | 567/1 |
| 5 | اہل کتاب پر تحویل قبلہ کا بھاری ہونا | 576/1 |
| 6 | نماز میں قبلہ کی طرف منہ کرنا | 577/1 |
| 7 | اہل کتاب کو تحویل قبلہ کے برحق ہونے کا علم | 578/1 |
| 8 | قبلہ کے بارے میں شک کرنے کی ممانعت | 582/1 |
| 9 | حضور ﷺ کے لیے اللہ کی ذات کا قبلہ ہونا | 582/1 |
| 10 | کعبہ کی طرف منہ کرنے کے حکم کو تین بار ذکر کرنے کی حکمتیں | 584/1 |
| 11 | استقبال قبلہ کے فقہی مسائل | 568/1 |
| 9 | **سورۃ التحریم** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 97/12 |
| 2 | سورۃ الطلاق اور سورۃ التحریم میں مناسبت | 97/12 |
| 3 | سورۃ التحریم کے مشمولات | 98/12 |
| 4 | سورۃ التحریم کا اختتام | 133/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10 | **تخلیق** | |
| 1 | زمین، آسمان اور ان کے درمیان کی چیزوں کو پیدا کرنے کی تفصیل | 442-445<br>10 |
| 11 | **تدبر** | |
| 1 | مخلوق وخالق میں غور وفکر | 520/2 |
| 2 | غور وفکر کرنے کا محل آیا دل ہے یا دماغ؟ | 768/7 |
| 3 | تدبر کا معنی | 88/10 |
| 4 | قرآن مجید کے معانی پر غور وفکر نہ کرنا اور اس پر عمل نہ کرنا قرآن کی ناقدری کرنا ہے | 88/10 |
| 5 | قرآن کو غور سے نہ سننے کی وجہ سے کفار کا ہدایت سے محروم ہونا | 517/10 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کی نعمتوں میں غور وفکر کرنے کے متعلق احادیث | 798/10 |
| 12 | **تدبیر** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کی خفیہ تدبیر | 195/12 |
| 13 | **تربیت** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کی تربیت میں غور وفکر | 171/1 |
| 14 | **ترغیب** | |
| 1 | ترغیب کا معنی | 117/2 |
| 15 | **ترہیب** | |
| 1 | ترہیب کا معنی | 117/2 |
| 16 | **تزکیہ** | |
| 1 | تزکیۂ نفس | 698-700<br>12 |
| 17 | **تسبیح باری تعالیٰ** | |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | کون کون سی چیز اللہ تعالیٰ کی تسبیح کرتی ہے | 723/6 |
| 2 | جانداروں اور بے جانوں کی تسبیح | 150/8 |
| 3 | کنکریوں، طعام اور پرندوں کی تسبیح | 156/8 |
| 4 | تسبیح کرنے والوں کی اقسام، مراتب اور درجات | 500/9 |
| 5 | اللہ تعالیٰ کی تسبیح کبھی منقطع نہیں ہوتی | 864/11 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کی تسبیح کی اقسام | 713/11 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کے اسم کی تسبیح کی توجیہات | 704/11 |
| 8 | رات کو اٹھ کر تسبیح پڑھنا | 341/11 |
| 9 | کسی مجلس میں اٹھنے سے پہلے اللہ تعالیٰ کی تسبیح کرنا | 467/11 |
| 10 | تسبیح کا معنی | 683/12<br>1020/12 |
| 18 | **تصوف** | |
| 1 | تصوف کے جھوٹے مدعی | 194/7 |
| 19 | **تصویر** | |
| 1 | تصویر بنانے کا شرعی حکم | 708/8 |
| 2 | جاندار کی تصویر بنانے کی تحریم | 708/8 |
| 3 | بے جان کی تصویر بنانے کا جواز | 709/8 |
| 4 | تصویر بنانے کے حکم میں فقہاء شافعیہ و مالکیہ کا نظریہ | 709/8 |
| 5 | تصویر بنانے کے حکم میں فقہاء احناف کا نظریہ | 710/8 |
| 6 | تصویر بنانے کے حکم میں علماء ازہر کا نظریہ | 711/8 |
| 7 | تصویر بنانے کے حکم میں علامہ غلام رسول سعیدی کا نظریہ | 711/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8 | ویڈیو اور ٹی وی کی تصاویر کا شرعی حکم | 712/8 |
| 9 | پاسپورٹ کے فوٹو گراف کی رخصت | 713/8 |
| 10 | تصویروں کا شرعی حکم | 612/9 |
| 20 | **تصدیق** | |
| 1 | تصدیق کی اقسام | 518/11 |
| 21 | **تعظیم رسول ﷺ** | |
| 1 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کی تعظیم میں صحابہ کا عمل | 388/4 |
| 2 | وصال کے بعد بھی حضور ﷺ کی تعظیم و توقیر | 388/4 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کی احادیث کا ادب و احترام | 389/4 |
| 4 | رسول اللہ ﷺ کا ادب قرآن مجید کے عمل پر مقدم ہے | 390/4 |
| 22 | **تعلیم/تعلم** | |
| 1 | تعلیم و تعلم کے آداب | 177/7<br>257/9 |
| 23 | **تعویذ** | |
| 1 | دیکھئے "48: علاج" صفحہ 183 | |
| 24 | **تعظیم خداوندی** | |
| 1 | تعظیم خداوندی قدوس کی تفصیل | 779/9 |
| 25 | **تعریض** | |
| 1 | جھوٹ سے بچنے کیلئے کلام میں تعریض استعمال کرنا | 604/7 |
| 2 | تعریض اور کنایہ کا فرق | 606/7 |
| 3 | قرآن واحادیث میں تعریض کا استعمال | 606/7 |
| 4 | تعریض کی تعریف اور اس کے ثبوت میں احادیث | 901/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 26 | تعجب | |
| 1 | تعجب کے معنی | 870/9 |
| 27 | سورۃ التغابن | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 909/11 |
| 2 | سورۃ المنافقون اور سورۃ التغابن میں مناسبت | 909/11 |
| 3 | مسبحات اور آخری چھ سورتوں میں ارتباط | 910/11 |
| 4 | سورۃ التغابن کے مشمولات | 910/11 |
| 5 | سورۃ التغابن کا اختتام | 921/11 |
| 28 | تفسیر کبیر (للامام رازی) | |
| 1 | مفتی محمد شفیع کانپوری کا تفسیر کبیر کو امام رازی کی تفسیر نہ قرار دینا | 916/12 |
| 2 | ابوالکلام آزاد کی تفسیر کبیر پر مبہم تنقید | 917/12 |
| 3 | تفسیر کبیر کے محاسن | 918/12 |
| 29 | تفسیر | |
| 1 | تفسیر اور تاویل کا لغوی معنی | 118/1 |
| 2 | تفسیر کے اصطلاحی معنی | 119/1 |
| 3 | تفسیر اور تاویل میں فرق | 120/1 |
| 4 | تفسیر قرآن کی فضیلت پر عقلی دلائل | 121/1 |
| 5 | تفسیر قرآن کی فضیلت کے متعلق احادیث | 121/1 |
| 6 | قرآن کی تفسیر کرنے والوں کے طبقات | 124/1 |
| 7 | تفسیر کی کتابوں کو بے وضو ہاتھ لگانا | 58/1 |
| 30 | تقویٰ | |
| 1 | تقویٰ کا صیغہ اور اس کا لغوی معنی | 242/1 |
| 2 | تقویٰ کا اصطلاحی معنی | 243/1 |
| 3 | تقویٰ کے متعلق احادیث | 245/1 |
| 4 | تقویٰ کے مراتب | 246/1 |
| 5 | اللہ سے ڈرنے کا حکم | 285/2 |
| 6 | تقویٰ کا معنی | 287/2 |
| 7 | تقویٰ کے متعلق احادیث | 286/2 |
| 8 | تقویٰ کی تعریف اور اس کی ضرورت | 707/7 |
| 9 | تقویٰ کے مصداق میں متعدد اقوال | 147/11 |
| 10 | کلمۃ التقویٰ کے متعلق متعدد اقوال | 263/11 |
| 11 | تقویٰ کو پرکھنے کا معنی | 278/11 |
| 12 | تقویٰ کا بیان | 149/12 |
| 31 | تقلید | |
| 1 | تقلید کی تعریف | 629/1 |
| 2 | تقلید کا حجت ہونا | 733/2 |
| 3 | تقلید مذموم اور تقلید محمود | 341/3 |
| 4 | تقلید صحیح اور تقلید باطل کا فرق | 637/3 |
| 5 | تقلید شخصی پر دلائل | 294/5 |
| 6 | مسئلہ تقلید پر فاسئلوا اهل الذكر سے استدلال | 428/6 |
| 7 | مذکورہ استدلال پر نواب صدیق حسن خان کے اعتراضات کے جوابات | 429-432/6 |
| 8 | تقلید کا لغوی و اصطلاحی معنی | 432/6 |
| 9 | قرآن کریم سے تقلید پر استدلال | 433/6 |
| 10 | احادیث سے تقلید پر استدلال | 433/6 |
| 11 | آثار صحابہ اور اقوال تابعین سے تقلید پر استدلال | 434/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | غیر مقلد علماء کی عبارات سے تقلید پر استدلال | 444/6 |
| 13 | تقلید کی ضرورت | 446/6 |
| 14 | ایک مقلد کے لیے متعدد ائمہ کی تقلید کا عدم جواز اور تقلید شخصی کا وجوب | 448/6 |
| 15 | تقلید پر امام غزالی کے دلائل | 449/6 |
| 16 | تقلید پر امام رازی و آمدی کے دلائل | 450/6 |
| 17 | تقلید پر شیخ ابن تیمیہ کے دلائل | 451/6 |
| 18 | مسئلہ تقلید میں حرف آخر | 451/6 |
| 19 | مقلد کے ایمان کا صحیح ہونا | 340/7 |
| 20 | مسئلہ تقلید | 523/7 |
| 21 | تقلید مخطی اور تقلید مصیب کی تعریف | 151/8 |
| 22 | عقائد میں اندھی تقلید کا مذموم ہونا | 67/9 |
| 23 | تقلید اور عقیدہ کا فرق | 273/9 |
| 24 | عقائد میں تقلید کا جواز یا عدم جواز | 273/9 |
| 25 | تقلید کی تحقیق | 375/10 |
| **32** | **تقدیر** | |
| 1 | مسئلہ تقدیر | 154/5<br>537/5 |
| 2 | جب انسان کی پیدائش سے پہلے ہی اس کی تقدیر میں شقی ہونا لکھ دیا تو پھر معصیت میں اس کا کیا قصور ہے؟ | 625/5 |
| 3 | تقدیر معلق اور تقدیر مبرم کے متعلق احادیث | 625/5 |
| 4 | قضاء مبرم کو کوئی نہیں ٹال سکتا | 626/5 |
| 5 | تقدیر پر ایمان لانا | 626/5 |
| 6 | تقدیر میں بحث کرنا | 627/5 |
| 7 | قصہ یوسف میں تقدیر کے غالب آنے کی مثالیں | 728/5 |
| 8 | قضاء معلق اور قضاء مبرم | 119/6 |
| 9 | تقدیر کا تدبیر پر غالب آنا | 652/8 |
| 10 | تقدیر پر وارد ہونے والے اشکالات کے جوابات | 965-968/9 |
| 11 | منکرین تقدیر کے متعلق احادیث اور ان سے تعلقات کا شرعی حکم | 415/10 |
| 12 | تقدیر پر ایک مشہور اشکال کا جواب | 913/11 |
| 13 | مسئلہ تقدیر | 597/11 |
| 14 | تقدیر کے متعلق علماء اہل سنت کے اقوال | 597/11 |
| 15 | تقدیر کے متعلق احادیث | 598/11 |
| 16 | تقدیر کے متعلق قرآن کی آیات | 71/12 |
| 17 | تقدیر کا لغوی و اصطلاحی معنی | 72/12 |
| 18 | تقدیر کا کھوج لگانے کی ممانعت | 72/12 |
| 19 | خلق اور تقدیر کا فرق | 73/12 |
| 20 | قضاء معلق اور قضاء مبرم | 74/12 |
| 21 | تقدیر کے متعلق احادیث | 75/12 |
| 22 | جبر | 770-774/12<br>785/12 |
| 23 | تقدیر کے متعلق آیات و احادیث | 686/12 |
| 24 | تقدیر مبرم اور تقدیر معلق | 248/12 |
| 25 | ہدایت اور گمراہی کا اللہ کی تقدیر سے ہونا | 249/12 |
| **33** | **تقسیم کرنا** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | تقسیم کرنے والے | 323/6 |
| 34 | **تقویم** | |
| 1 | اسلامی تقویم | 716/1 |
| 2 | عبادات و معاملات میں قمری تقویم کا اعتبار | 132/5 |
| 3 | تاریخ کا تعین قمری حساب سے کرنا چاہیے | 328/5 |
| 35 | **تقیہ** | |
| 1 | تقیہ کی تعریف، اقسام اور شرعی حکم | 112/2 |
| 2 | تقیہ کے متعلق شیعہ کا نظریہ | 113/2 |
| 3 | تقیہ کے متعلق آئمہ اہل سنت کا نظریہ | 115/2 |
| 36 | **تکبر** | |
| 1 | تکبر کا معنی | 340/1<br>318/4 |
| 2 | ابلیس کے تکبر کا بیان | 340/1 |
| 3 | نسلی تفاخر | 739/1 |
| 4 | غرور کا معنی | 528/2 |
| 5 | تکبر کرنے والے کے لیے ذلت اور پستی | 75/4 |
| 6 | تکبر کی مذمت میں قرآنی آیات | 319/4 |
| 7 | تکبر کی مذمت میں احادیث طیبہ | 320/4 |
| 8 | تکبر کی وجہ سے کپڑے ٹخنوں سے نیچے لٹکانا | 321/4 |
| 9 | بغیر تکبر کے کپڑے ٹخنوں سے نیچے لٹکانا | 322-331/4 |
| 10 | تکبر کی مذمت | 552/5 |
| 11 | تکبر کی مذمت کے متعلق احادیث | 395/6<br>716/6 |
| 12 | متکبرین کی مغفرت | 396/6 |
| 13 | اکڑ اکڑ کر چلنا | 715/6 |
| 14 | بیویوں اور اولاد کی کثرت پر فخر کرنا | 114/7 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15 | تکبر کی مذمت میں احادیث | 151/10 |
| 16 | تکبر کی تعریف اور متکبرین کا حشر | 287/10 |
| 17 | تفاخر کی مذمت میں حدیث | 734/11 |
| 37 | **تکلف** | |
| 1 | تکلف اور متکلفین کا معنی | 156/10 |
| 2 | تکلف اور تصنع کی مذمت میں احادیث | 157/10 |
| 38 | **سورۃ التکویر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 584/12 |
| 2 | سورۃ التکویر کے مشمولات | 584/12 |
| 3 | سورۃ التکویر کا اختتام | 603/12 |
| 39 | **سورۃ التکاثر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 955/12 |
| 2 | سورۃ التکاثر کی تفسیر کی تکمیل | 966/12 |
| 40 | **تلاوتِ کلام پاک** | |
| 1 | تلاوتِ قرآن پاک کے آداب | 677/9 |
| 2 | جنبی اور حائض کے لیے تلاوت قرآن پاک | 692/11 |
| 41 | **تمباکو نوشی** | |
| 1 | تمباکو نوشی کا شرعی حکم | 305/3 |
| 42 | **تہجد** | |
| 1 | تہجد کا معنی | 773/6 |
| 2 | تہجد کی رکعات | 773/6 |
| 3 | تہجد کا نفل ہونا | 774/6 |
| 4 | تہجد کی نماز کی فضیلت و اہمیت | 472/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | تہجد کی نماز کے فضائل | 183/10 |
| 6 | نماز تہجد پڑھنے کے حکم میں مذاہب فقہاء | 337/12 |
| 7 | تہجد کی فرضیت کا منسوخ ہونا | 338/12 |
| 8 | نماز تہجد پڑھنے کا وقت اور اس کی رکعات | 338/12 |
| 9 | تہجد پڑھنے کی فضیلت میں احادیث | 347/12 |
| 10 | تہجد کی فرضیت کو منسوخ کرنے کی توجیہ | 354/12 |
| 11 | نماز تہجد میں کتنا قرآن پڑھنا چاہیے؟ | 353/12 |
| 43 | **توسل** | |
| 1 | وسیلہ کا معنی | 187/1 |
| 2 | انبیاء اور اولیاء کا وسیلہ | 188/1 |
| 3 | توسل بعد از وصال پر اعتراضات کے جوابات | 196/1 |
| 4 | توسل بعد از وصال کے متعلق علماء کرام کے نظریات | 198/1 |
| 5 | حضور ﷺ کے وسیلہ سے دعا کا قبول ہونا | 448/1 |
| 6 | وسیلہ بمعنی ذریعۂ تقرب | 171/3 |
| 7 | انبیاء اور اولیاء کے وسیلہ سے دعا کرنا | 171-173/3 |
| 8 | وسیلہ بمعنی درجہ جنت | 174/3 |
| 9 | دعا اذان میں حدیث شفاعت کی تحقیق | 174/3 |
| 10 | دعا اذان کے بعض دیگر کلمات کی تحقیق | 175/3 |
| 11 | وسیلہ بمعنی مرشد کامل | 176/3 |
| 44 | **توبہ** | |
| 1 | توبہ کا معنی | 354/1 |
| 2 | قرآن وسنت میں توبہ کا بیان | 355/1 |
| 3 | توبہ کے قبول ہونے کی شرائط | 617/1 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | کوئی بھی توبہ سے مستغنی نہیں | 84/2 |
| 5 | استغفار کی فضیلت | 86/2 |
| 6 | توبہ کرنے والوں کے لیے مغفرت کی نوید | 375/2 |
| 7 | توبہ کی تعریف، ارکان اور شرائط | 378/2 |
| 8 | گناہوں کو معین کر کے توبہ کرنا | 379/2 |
| 9 | جہالت سے گناہ کرنے پر توبہ | 610/2 |
| 10 | موت کے وقت توبہ کی مقبولیت | 611/2 |
| 11 | توبہ کی حقیقت | 349/4 |
| 12 | ابولبابہ انصاری کی توبہ | 611/4 |
| 13 | جلاس بن سوید کی توبہ | 200/5 |
| 14 | ابولبابہ کی توبہ | 246/5 |
| 15 | نبی ﷺ کا توبہ کرنا اور اللہ تعالیٰ کا قبول کرنے کی توجیہ | 278/5 |
| 16 | مہاجرین اور انصار کی توبہ قبول کرنے کا محمل | 279/5 |
| 17 | اللہ تعالیٰ کا بار بار توبہ قبول فرمانا | 281/5 |
| 18 | حضرت کعب بن مالک، ہلال بن امیہ اور مرارہ بن ربیع کی توبہ قبول ہونے کی تفصیل | 282/5 |
| 19 | استغفار کے حکم کے بعد توبہ کے حکم کی توجیہ | 494/5 |
| 20 | توبہ کرنے کی ترغیب میں احادیث | 157/6 |
| 21 | توبہ کی اقسام | 105/10 |
| 22 | تائب کے لیے بری جگہ اور برے لوگوں کو چھوڑ دینے کا استحباب | 139/10 |
| 23 | توبہ کی ضرورت کیوں؟ | 285/10 |
| 24 | توبہ کب قبول نہیں ہوتی؟ | 424/10 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 25 | توبہ کا لغوی و عرفی معنی اور اس کے متعلق احادیث | 591/10 |
| 26 | حضرت عائشہ اور حضرت حفصہ رضی اللہ عنہما کو توبہ کا حکم دینے کی توجیہ | 114/12 |
| 27 | توبہ نہ کرنا | 406/12 |
| 28 | توبۃ النصوح کی تعریف | 127/12 |
| 29 | توبہ کرنے سے گناہوں کا معاف ہونا | 128/12 |
| **45** | **تورات** | |
| 1 | توراۃ کا معنی | 38/2 |
| 2 | پرانے عہدنامے کے مشمولات | 38/2 |
| 3 | اصل تورات کے مشمولات | 39/2 |
| 4 | موجودہ تورات کے متعلق یہودی، عیسائی اور منکرین کا نظریہ | 39/2 |
| 5 | تورات کا تلف ہو جانا | 40/2 |
| 6 | تورات کی نشاۃ ثانیہ | 40/2 |
| 7 | موجودہ تورات کے موضوع اور محرف ہونے کے ثبوت میں داخلی شہادتیں | 41/2 |
| 8 | اصل تورات کے متعلق قرآن کے ارشادات | 43/2 |
| 9 | موجودہ تورات کا محرف ہونا | 44-52/2 |
| 10 | تورات میں تحریف | 129/3<br>191/3<br>584/3 |
| 11 | موجودہ تورات میں آیت رجم | 197/3 |
| 12 | قرآن کی صداقت | 201/3 |
| 13 | تورات کی تختیوں کا مادہ، تعداد اور تاریخ نزول | 313/4 |
| 14 | تورات میں ہر چیز کی تفصیل | 314/4 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15 | تورات کے احکام کا درجہ بدرجہ ہونا | 315/4 |
| 16 | تورات کی تختیوں کو زمین پر ڈالنا | 341/4 |
| 17 | الواح تورات میں نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام اور آپ ﷺ کی امت کی خصوصیات | 316/4 |
| 18 | تورات کی تختیاں ٹوٹی تھیں یا نہیں | 351/4 |
| 19 | احکام تورات پر عمل نہ کرنے کی وجہ سے یہود کی مذمت | 882/11 |
| 20 | موجودہ تورات کے متن میں حضور ﷺ کے متعلق بشارتیں | 882/11 |
| **46** | **توکل** | |
| 1 | توکل کا معنی | 431/2 |
| 2 | توکل کے متعلق قرآن کی آیات واحادیث طیبہ | 432/2 |
| 3 | توکل کی صحیح تعریف | 433/2 |
| 4 | کیا اسباب کو ترک کرنا توکل ہے؟ | 435/2 |
| 5 | کیا اشیاء کو جمع کرنا توکل کے خلاف ہے؟ | 438/2 |
| 6 | اگر اللہ تعالیٰ مدد نہ کرے تو کوئی مددگار نہیں ہوسکتا | 439/2 |
| 7 | توکل کا معنی و مفہوم | 227/4<br>420/6<br>111/9 |
| 8 | دم کرانے پر توکل | 227/4 |
| 9 | توکل کی تعریف پر اشکال وجواب | 229/4 |
| 10 | توکل کا غلط مفہوم | 81/6 |
| 11 | توکل کا صحیح مفہوم | 82/6 |
| 12 | کیا سفر میں زادِ راہ لینا توکل کے خلاف ہے؟ | 153/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 13 | توکل کی تحقیق | 468/8 |
| 14 | حق توکل کا معنی | 469/8 |
| 15 | کیا اسباب کو ترک کرنا توکل میں شامل ہے؟ | 469/8 |
| 16 | توکل کی تعریف میں صوفیاء کے اقوال | 470/8 |
| 17 | متوکلین کے لیے اللہ تعالیٰ کا کافی ہونا | 287/10 |
| 18 | اللہ تعالیٰ پر توکل کرنے کی تلقین | 198/12 |
| 19 | توکل کا معنی اور اس کے متعلق احادیث | 70/12 |
| 47 | **تواضع** | |
| 1 | تواضع کرنے والے کے لیے سربلندی | 75/4 |
| 2 | تواضع کی تعریف | 552/5 |
| 48 | **سورۃ التوبہ** | |
| 1 | سورۃ التوبہ کے اسماء اور وجہ تسمیہ | 35/5 |
| 2 | سورۃ التوبہ کے اسماء کے متعلق احادیث | 36/5 |
| 3 | سورۃ التوبہ اور سورۃ الانفال کی باہمی مناسبت | 37/5 |
| 4 | سورۃ التوبہ کا زمانۂ نزول | 38/5 |
| 5 | سورۃ التوبہ کے نزول کا پیش منظر و پس منظر | 39/5 |
| 6 | سورۃ التوبہ کے مسائل و مطالب | 41/5 |
| 7 | سورۃ التوبہ کے شروع میں بسم اللہ نہ لکھنے کی توجیہات | 43/5 |
| 8 | سورۃ التوبہ سے قبل بسم اللہ پڑھنے میں مذاہب ائمہ | 45/5 |
| 9 | سورۃ التوبہ کے مدنی ہونے سے بعض آیتوں کا استثناء | 47/5 |
| 10 | سورۃ التوبہ کی آخری آیت قرآن مجید کی آخری آیت ہے یا نہیں؟ | 309-312<br>5 |
| 11 | سورۃ التوبہ کی آخری آیت کی فضیلت | 312/5 |
| 12 | سورۃ التوبہ کی آخری آیت آیا حضرت خزیمہ رضی اللہ عنہ کی شہادت سے قرآن میں مندرج ہوئی یا حضرت ابوخزیمہ رضی اللہ عنہ کی شہادت سے؟ | 405/9 |
| 49 | **توہینِ رسالت** | |
| 1 | توہین رسالت کرنے والے غیر مسلم کو اسلامی ملک میں قتل کرنے کے متعلق احادیث و آثار | 79/5 |
| 2 | توہین رسالت کرنے والے غیر مسلم کو اسلامی ملک میں قتل کرنے کے متعلق مذاہب فقہاء | 79/5 |
| 3 | شریعت کی توہین کرنے والا تورات کی تصریح کے مطابق واجب القتل ہے | 85/5 |
| 4 | نبی ﷺ کی شان میں توہین کا لفظ کہنا کفر ہے اگرچہ توہین کی نیت نہ ہو | 184/5 |
| 5 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی توہین کرنے والے کی شدید مذمت | 1033/12 |
| 50 | **توحید باری تعالیٰ** | |
| 1 | توحید کے اثبات پر دلائل | 361/5 |
| 2 | سورج و چاند کے احوال اور دنیا کے معاملات سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 36/6 |
| 3 | زمینوں، درختوں اور پھلوں سے توحید باری پر استدلال | 39/6 |
| 4 | زمین کے مختلف طبقات سے توحید باری پر استدلال | 41/6 |
| 5 | مختلف ذائقوں سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 42/6 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | اللہ تعالیٰ کی توحید پر دلائل | 354,461<br>479,722/6<br>380/7<br>238,674<br>859/9 |
| 7 | زمین کی پیداوار میں اللہ تعالیٰ کے وجود اور اس کی توحید پر نشانی | 366/6 |
| 8 | سورج اور چاند سے اللہ تعالیٰ کے وجود اور اس کی توحید پر نشانی | 367/6 |
| 9 | اس کائنات کی تخلیق سے اللہ تعالیٰ کے وجود اور اس کی توحید پر استدلال | 379/6 |
| 10 | صرف توحید کی وحی کی جانے پر اعتراض کا جواب | 696/7 |
| 11 | بارش کے نظام میں اللہ تعالیٰ کی توحید پر دلیل | 252/8 |
| 12 | اللہ تعالیٰ کے واحد ہونے پر دلائل | 303/8 |
| 13 | زمین کی خصوصیات سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 715/8 |
| 14 | عقیدۂ توحید کی تعلیم | 65/8 |
| 15 | انسان کے اپنے نفس اور خارجی کائنات سے اللہ تعالیٰ کی توحید پر دلائل | 135/9 |
| 16 | انسان اور بشر کی تخلیق سے اللہ تعالیٰ کی توحید پر استدلال | 145/9 |
| 17 | کائنات کی دیگر کئی اشیاء سے اللہ تعالیٰ کی توحید پر استدلال | 146-150/9 |
| 18 | توحید کی فضیلت | 238/9 |
| 19 | زمین کی روئیدگی سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 760/9 |
| 20 | دن اور رات کے توارد میں توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 762/9 |
| 21 | توحید کی ترغیب | 837/9 |
| 22 | اللہ تعالیٰ کے غالب ہونے سے اس کی توحید پر استدلال | 135/10 |
| 23 | اللہ تعالیٰ کی توحید پر آسان اور عام فہم دلیل | 22تا10 |
| 24 | توحید باری تعالیٰ پر دلیل | 509/10 |
| 25 | ازواج کی تخلیق سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 659/10 |
| 26 | چوپایوں اور کشتیوں کی تخلیق سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 660/10 |
| 27 | آسمانوں اور زمینوں کی تخلیق سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 788/10 |
| 28 | انسانوں، حیوانوں اور درختوں سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 789/10 |
| 29 | رات اور دن کے اختلاف سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 789/10 |
| 30 | بارش سے روئیدگی اور ہواؤں سے توحید باری تعالیٰ پر استدلال | 789/10 |
| 31 | توحید کے مراتب | 806/10 |
| 32 | حضور ﷺ پہلے سے اللہ کی توحید کے عالم تھے | 149/11 |
| 33 | تخلیق انسان سے توحید باری پر استدلال | 667/11 |
| 34 | انسان کے نفس میں اللہ تعالیٰ کی توحید کی نشانیاں | 374/11 |
| 35 | عالم کبیر کی نشانیوں کے مقابلے میں عالم صغیر کی نشانیاں | 375/11 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 36 | اللہ تعالیٰ کی وحدانیت پر دلیل | 568/11 |
| 37 | رات اور دن کے آنے جانے میں اللہ کی توحید پر دلائل | 779/12 |
| 38 | نر اور مادہ کو پیدا کرنے میں اللہ کی توحید کی نشانی | 780/12 |
| 39 | اونٹ میں اللہ تعالیٰ کی توحید کی نشانیاں | 711/12 |
| 40 | اللہ تعالیٰ کا خوب صورت چیزوں سے اپنی توحید پر استدلال نہ فرمانا | 713/12 |
| 41 | اللہ تعالیٰ کی تخلیق سے اس کی توحید پر دلیل | 685/12 |
| 42 | اللہ تعالیٰ کی توحید پر دلائل | 578-580/12 |
| 51 | **توریہ** | |
| 1 | توریہ کی تعریف اور اس کے ثبوت میں احادیث | 901/9 |
| 52 | **تیمم** | |
| 1 | تیمم کی تعریف اور شرائط | 684/2 |
| 2 | جنبی کے لیے جواز تیمم | 682/2 |
| 3 | تیمم کے مسائل | 685/2 |
| 4 | تیمم کا طریقہ اور دیگر احکام | 114/3 |
| 53 | **سورۃ التین** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 868/12 |
| 2 | سورۃ التین کے مشمولات | 868/12 |
| 3 | سورۃ التین کی تفسیر کی تکمیل | 873/12 |
| 54 | **تیر اندازی** | |
| 1 | تیر اندازی کے فضائل | 663/4 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | اس دور میں تیر اندازی کے مصداق ایٹمی میزائل ہیں | 664/4 |
| 3. | ایٹمی ہتھیار بنانے کے لیے تفکر کرنا اور اس کیلئے سائنسی علوم حاصل کرنا افضل ترین عبادت ہے | 665/4 |
| 4 | جہاد کے لیے بندھے ہوئے گھوڑوں کی فضیلت اور اس دور میں اس کے مصداق | 667/4 |
| 5 | دشمنان اسلام کو مرعوب کرنے کی حکمت | 669/4 |


## ٹ


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **ٹیکس** | |
| 1 | ٹیکس لگانا | 127/7 |
| 2 | ٹیکس لگانے کا وجوب | 129/7 |
| 3 | حکومت کا ٹیکس کی آمدنی کو ذاتی تصرف میں لانا | 131/7 |
| 4 | انکم ٹیکس اور دیگر ٹیکسوں کی تحقیق | 625/10 |


## ث


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **ثابت قدمی** | |
| 1 | سابقہ امتوں کی مصائب میں ثابت قدمی | 398/2 |
| 2 | آپ کو پیغام حق سنانے میں ثابت قدم رکھنا | 775/7 |
| 2 | **حضرت ثعلبہ بن حاطب رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت ثعلبہ رضی اللہ عنہ کو منافق کہنا | 202/5 |
| 2 | حضرت ثعلبہ رضی اللہ عنہ کا بدری صحابی ہونا | 203/5 |
| 3 | حضرت ثعلبہ کو منافق قرار دینے والی روایت کا ضعف | 204-209/5 |
| 3 | **ثواب** | |
| 1 | ثواب کا فضل ہونا | 312/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | ثواب کے درجات | 445/2 |
| 3 | مومنوں کو ثواب عطا فرمانے کا وجوب اللہ تعالیٰ کے وعدہ کی وجہ سے ہے | 480/5 |
| 4 | ثواب کا بیان | 62/9 |
| 5 | ثواب میں اضافہ | 894/12 |
| **4** | **قوم ثمود** | |
| 1 | دیکھئے "2: حضرت صالح علیہ السلام" صفحہ 159 | |

## ج

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **جانور** | |
| 1 | مویشیوں کے کان چیرنا | 803/2 |
| 2 | مویشیوں میں اللہ کے حقوق | 633/7 |
| 3 | مویشیوں میں بندوں کے حقوق | 634/7 |
| 4 | مویشیوں کو گابھن کرنے کی اجرت | 634/7 |
| 5 | رہن رکھے ہوئے مویشیوں سے استفادہ | 635/7 |
| 6 | مویشیوں کے ساتھ حسن سلوک کرنا | 636/7 |
| 7 | جانوروں کے ذبح کرنے پر اعتراض کا جواب | 35/3 |
| 8 | جس جانور کو درندوں نے کھالیا ہو، اس کا حکم | 56/3 |
| 9 | حرام جانور | 84/3 |
| 10 | جانوروں کے حساب و قصاص کے متعلق احادیث | 451/3 |
| 11 | جانوروں کے انسانوں سے وجوہ مماثلت | 452/3 |
| 12 | بکریوں، گایوں، اور اونٹوں کے مقاصد و وظائف خلقت | 355/6 662/10 |
| 13 | گھوڑوں، خچروں اور گدھوں کو اونٹوں، گایوں اور بھیڑ بکریوں سے علیحدہ ذکر کرنا | 357/6 |
| 14 | گھوڑوں کا گوشت حرام ہونا | 357-359/6 |
| 15 | پالتو گدھوں اور خچروں کا گوشت | 360/6 |
| 16 | جانوروں کو پالنے کے متعلق احادیث | 389/8 |
| 17 | موذی جانوروں کو قتل کرنا | 389,390/8 |
| 18 | تربیت دینے کے لیے جانوروں کو مارنا | 652/8 |
| 19 | جمال کا معنی اور مویشیوں کا جمال | 662/10 |
| 20 | جانوروں کے ساتھ نرمی کرنے کی ہدایت | 356/6 663/10 |
| **2** | **جاہل/ جہالت** | |
| 1 | جاہل کا وعظ، تقریر اور مرید کرنا | 382/1 |
| 2 | علم کے تقاضوں پر عمل نہ کرنا حکماً جہل ہے | 472/1 |
| 3 | جہل کے مراتب | 645/3 |
| 4 | جہل مرکب | 151/8 |
| 5 | جہل کی مذمت | 612/8 |
| 6 | انسان کے جاہل ہونے کی توجیہ | 585/9 |
| **3** | **جادو** | |
| 1 | سحر کا معنی | 461/1 |
| 2 | سحر کے دلائل مع اعتراضات کے جوابات | 462/1 |
| 3 | سحر کے شرعی حکم کے متعلق مذاہب اربعہ | 465/1 |
| 4 | ہاروت ماروت پر سحر | 468/1 |
| 5 | سحر کی تعریف | 257/4 |
| 6 | سحر اور معجزہ میں فرق | 257/4 |
| 7 | سحر اور ساحر کا شرعی حکم | 259/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8 | سحر کے سیکھنے اور سکھانے کا حکم | 259/4 |
| 9 | حضرت موسیٰ علیہ السلام اور فرعون کے جادوگروں کا مقابلہ | 260/4 |
| 10 | جادوگروں کا ایمان لانا | 262/4 |
| 11 | جادوگروں کی تعداد | 391/7 |
| 12 | جادوگروں کو لاٹھیاں ڈالنے کا حکم دینا | 393/7 |
| 13 | ساحر کامیاب نہیں ہوتا | 395/7 |
| 14 | سحر کی تعریف و شرعی حکم | 396/7 |
| 15 | جادو سے کسی چیز کی حقیقت کا تبدیل ہونا | 397/7 |
| 16 | فرعون کے جادوگروں کا ایمان لانا | 399-401<br>7 |
| 17 | سحر کو صرف تخیل اور مسمریزم قرار دینا کیسا؟ | 310/8 |
| 18 | سحر کا لغوی و اصطلاحی معنی | 311/8 |
| 19 | سحر اور کرامت میں فرق | 313/8 |
| 20 | سحر کے واقع ہونے کے دلائل | 313/8 |
| 21 | سحر کی اقسام | 315/8 |
| 22 | فرعون کے ساحروں کا ایمان لانا | 316/8 |
| 23 | فرعون کا اپنے جادوگروں پر الزام تراشی کرنا | 317/8 |
| 24 | جادوگروں کا اوّل المؤمنین ہونا | 319/8 |
| 25 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام پر جادو کیا جانا | 730-734/6 |
| 26 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام پر جادو کا اثر | 735/6 |
| 27 | رسول اللہ ﷺ پر جادو کا اثر | 1048-1050<br>12 |
| 4 | جار (پڑوسی) | |
| 1 | پڑوسیوں کے حقوق اور ان کے ساتھ نیکی کرنا | 671/2 |
| 5 | جاسوس | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | جاسوس کا شرعی حکم | 842/11 |
| 2 | ملک کے داخلی و خارجی استحکام کے لیے محکمۂ جاسوسی قائم کرنا | 300/11 |
| 6 | جان بچانا | |
| 1 | جان بچانے کے وجوب پر بعض مسائل کی تعریف | 537/5 |
| 7 | سورۃ الجاثیہ | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 784/10 |
| 2 | سورۃ الجاثیہ کے مشمولات | 784/10 |
| 3 | سورۃ الجاثیہ اور سورۃ البقرہ، دونوں میں کانوں اور دلوں پر مہر لگانے کے الگ الگ محامل | 813/10 |
| 4 | جاثیہ کی تاویلات | 825/10 |
| 5 | سورۃ الجاثیہ کا اختتام | 826/10 |
| 8 | جبریہ | |
| 1 | جبریہ کا رد اور ایمان میں تقلید کا کافی نہ ہونا | 674/2 |
| 9 | جبر و قدر | |
| 1 | جبر و قدر کے مسئلہ میں مفسرین و محدثین کی تقاریر | 459-470<br>12 |
| 2 | جبر و قدر | 770-774<br>12<br>785/12 |
| 10 | جبلت | |
| 1 | جبلت کا معنی | 427/8 |
| 2 | طبیعت، خصلت، خلق اور عادت کا فرق | 427/8 |
| 3 | جبلت کے متعلق احادیث | 428/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | خصلت وعادت کا معنی | 434/8 |
| 5 | کیا عادت کا بدلنا ممکن ہے یا نہیں؟ | 434/8 |
| **11** | **حضرت جبریل علیہ السلام** | |
| 1 | ملائکہ سے حضرت جبریل علیہ السلام کا مراد ہونا | 352/6 |
| 2 | حضرت جبریل علیہ السلام کا زیادہ نہ آنا | 303/7 |
| 3 | حضرت جبریل علیہ السلام کو روح الامین کہنا | 441/8 |
| 4 | کیا حضرت جبریل علیہ السلام نے قرآن کے علاوہ دیگر احکام کی بھی آپ ﷺ پر وحی نازل کی؟ | 442/8 |
| 5 | حضرت جبریل علیہ السلام کی شدت قوت اور نبی ﷺ کا حضرت جبریل علیہ السلام کو دوبار دیکھنا | 487/11 |
| 6 | حضرت جبریل علیہ السلام کی چھ صفات کا تذکرہ | 594/12 |
| 7 | حضرت جبریل علیہ السلام کے پڑھنے کی اتباع کا معنی | 412/12 |
| 8 | حضرت جبریل علیہ السلام کے فعل کو اللہ سبحانہ کا فعل قرار دینا | 412/12 |
| 9 | حضرت جبریل علیہ السلام سے قرآن کے معانی پوچھنے کی ممانعت | 413/12 |
| **12** | **جدال** | |
| 1 | دیکھئے "31: جھگڑنا" صفحہ 107 | |
| **13** | **جزاء** | |
| 1 | عدل کے ساتھ جزاء دینے کی توجیہ | 327/5 |
| 2 | جب ہر فعل کا خالق اللہ تعالیٰ ہے تو پھر اس پر جزاء وسزا کیوں؟ | 98-100/7 |
| 3 | رحمان کے مقبول بندوں کی جزاء | 278/8 |
| 4 | جزاء کا مدار اعمال اور اسباب دونوں پر ہے | 181/10 |
| 5 | مؤمنوں اور کافروں کی جزاء کے متعلق احادیث | 821/10 |
| 6 | نیکوکار اور بدکار کی پوری پوری جزاء | 95/11 |
| 7 | جس عمل میں زیادہ مشقت ہو اس کا اجر وثواب بھی زیادہ ہے | 718/11 |
| 8 | نیکی کی جزاء کی تفسیر میں احادیث وآثار | 636/11 |
| 9 | کفار کی جزاء اور مومنوں کی جزاء میں امام رازی کی نکتہ آفرینی | 442/11 |
| 10 | مومن اور کافر کے اعمال کے بدلہ کا ضابطہ | 939/12 |
| 11 | جزاء اور عطا میں بظاہر تعارض کا جواب | 532/12 |
| 12 | آخرت میں مسلمین اور مجرمین کی جزاء | 190/12 |
| **14** | **جزیہ** | |
| 1 | جزیہ کا معنی | 115/5 |
| 2 | جزیہ کن سے وصول کیا جائے؟ | 116/5 |
| 3 | جزیہ کی مقدار میں مذاہب فقہاء | 117/5 |
| **15** | **جلد بازی** | |
| 1 | عجلت کا انسان کی فطرت میں شامل ہونا | 585/7 |
| 2 | عجلت کی بناء پر کفار کی مذمت | 585/7 |
| **16** | **جمعۃ المبارک** | |
| 1 | جمعہ کے دن مغفرت اور نیکیوں میں اضافہ | 56/5 |
| 2 | جس جمعہ کو یوم عرفہ ہو اس دن حج اکبر ہونا | 58/5 |
| 3 | جمعہ کے دن حج کے متعلق اقوال مفسرین | 59/5 |
| 4 | جمعہ کے دن حج کے متعلق اقوال فقہاء | 60/5 |
| 5 | مسلمانوں کا جمعہ کے دن ہدایت کو پانا | 598/6 |
| 6 | جمعہ کے متعلق احادیث | 874/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | جمعہ کی وجہ تسمیہ | 885/11 |
| 8 | نماز جمعہ کے متعلق احادیث | 886/11 |
| 9 | نماز جمعہ کے ضروری مسائل | 887/11 |
| 10 | جمعہ کی سعی، اذانِ اوّل پر لازم ہے یا ثانی پر؟ | 888/11 |
| 11 | عید اور جمعہ دونوں ایک دن میں جمع ہو جائیں تو دونوں کو پڑھنا لازم ہے یا نہیں؟ | 889/11 |
| 12 | نماز جمعہ کے بعد کاروبار کرنا | 890/11 |
| 13 | جمعہ کی چھٹی کرنے کے دلائل | 891/11 |
| 14 | خطبۂ جمعہ کے دوران صحابہ کے اٹھ کر چلے جانے کی توجیہ | 892/11 |
| **17** | **جماعت** | |
| 1 | جماعت کے شرعی حکم میں مذاہب فقہاء | 371/1 |
| 2 | نوافل کی جماعت کا شرعی حکم | 373/1 |
| **18** | **جماع** | |
| 1 | عورتوں سے عمل معکوس کرنا | 411/8 |
| 2 | جنسی عمل کا تذکرہ کنایہ سے کرنا | 410/8 |
| 3 | تہذیب اور شائستگی کا تقاضا ہے کہ جماع اور مباشرت کو کنایہ سے تعبیر کیا جائے | 509/9 |
| **19** | **جمادات** | |
| 1 | جمادات وغیرہ کی حیات اور ان کے شعور پر قرآن سے استدلال | 579/9 |
| 2 | جمادات وغیرہ کی حیات اور ان کے شعور پر احادیث سے استدلال | 580/9 |
| 3 | جمادات سے کلام کرنے کی توجیہ | 581/9 |
| **20** | **سورۃ الجمعہ** | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | سورۃ کا نام | 874/11 |
| 2 | سورۃ الجمعہ کا زمانہ نزول | 875/11 |
| 3 | سورۃ الجمعہ کے مشمولات | 875/11 |
| 4 | سورۃ الجمعہ کا اختتام | 893/11 |
| **21** | **جمہوریت** | |
| 1 | موجودہ مغربی جمہوریت اور اسلامی ریاست کا فرق | 85/10 |
| **22** | **جنت** | |
| 1 | جنت کا معنی، اس کی ترغیب اور اس کی طلب | 317/1 |
| 2 | جنتی عورتیں اور حوریں | 320/1 |
| 3 | جس عورت نے دنیا میں متعدد نکاح کیے ہوں وہ عورت جنت میں کس کے ہمراہ ہوگی؟ | 321/1 |
| 4 | جن مردوں اور عورتوں کا دنیا میں نکاح نہیں ہوا | 321/1 |
| 5 | جنت میں ناپاک خواہشات کی عدم موجودگی | 322/1 |
| 6 | جنت کی طلب کی دعا کرنا | 741/1 |
| 7 | جنت طلب کرنا کیسا؟ | 500/2 |
| 8 | اہلِ جنت کا ایک دوسرے کے ساتھ ہونا | 719/2 |
| 9 | دخول جنت کا سبب اللہ کا فضل ہے نہ کہ اعمال کا | 408/3 |
| 10 | اہل جنت کے دلوں سے دنیا کی رنجش کا محو ہونا | 140/4 |
| 11 | جنت میں دخول کا حقیقی سبب اللہ کا فضل ہے | 141/4 |
| 12 | دخول جنت کے لیے اعمال کو سبب قرار دینا | 143/4 |
| 13 | دائمی جنتوں میں پاکیزہ رہائش گاہیں اور جنت کی نعمتیں | 190/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 14 | جنت کی تخفیف | 194/5 |
| 15 | اہل جنت کی گفتگو کا معمول | 330/5 |
| 16 | جنت کے دائمی کے متعلق احادیث | 353/5 |
| 17 | جنت کو دار السلام کہنے کی وجوہات | 649/3<br>354/5 |
| 18 | حضرت موسیٰ اور ہمارے نبی کو جنت عطا کرنے کا اختیار تھا | 876/5 |
| 19 | جن صفات کی بناء پر جنت عطا کی جاتی ہے | 86/6 |
| 20 | جنت الفردوس کو طلب کرنے کی دعا کرنی چاہیے | 86/6 |
| 21 | جنت میں اپنے اہل و عیال کے ساتھ مجتمع ہونا بھی نعمت ہے | 87/6 |
| 22 | جنت میں مومنوں کو فرشتوں کے سلام کرنے کے متعلق احادیث | 88/6 |
| 23 | جنت کی صفات | 104/6 |
| 24 | جنت نہ بنائے جانے کے متعلق معتزلہ کے دلائل اور ان کا رد | 104/6 |
| 25 | جنت میں سلام کا معنی | 178/6 |
| 26 | جنت کی نعمتیں | 103/7 |
| 27 | جنت اور اس کے مطلوب کا معنی | 106/7 |
| 28 | جنت الفردوس کا مقام | 219/7 |
| 29 | جنت کے فضائل | 219/7 |
| 30 | جنت کو کم تر کہنا | 221/7 |
| 31 | جنت اور جنتیوں کی صفات | 302/7<br>316/7 |
| 32 | جنت کی نعمتوں کی قدر دلانا | 487/7 |
| 33 | جنت میں مردوں کے لیے سونے چاندی کے زیورات کی تخصیص | 727/7 |
| 34 | کن صفات کا حامل جنت میں داخل ہوگا؟ | 859/7 |
| 35 | الفردوس کا معنی اور اس کے متعلق احادیث | 859/7 |
| 36 | جنت کے وارث ہونے کا معنی | 860/7 |
| 37 | جنت میں ہر چاہی ہوئی چیز کا ملنا | 222/8 |
| 38 | جنت کی صفات | 360/8 |
| 39 | جنت کس جگہ پر واقع ہے؟ | 361/8 |
| 40 | جنت کی تعریف و تحسین | 557/8 |
| 41 | جنت کی تخفیف نہ کی جائے | 563/8 |
| 42 | اپنے آپ کو جنتی کہنا | 615/8 |
| 43 | جنت کے بالا خانوں کا مستحق کون؟ | 107/9 |
| 44 | جنت میں سماع کی تحقیق | 140/9 |
| 45 | اہل جنت کا چھوٹے سے چھوٹا اور بڑے سے بڑا درجہ | 337/9 |
| 46 | جنت کا حصول اللہ تعالیٰ کا بڑا فضل ہے | 508/9 |
| 47 | جنت کی نعمتوں سے اہل جنت کا محظوظ ہونا | 796/9 |
| 48 | جنت میں حوروں اور نیک خواتین کی صفات | 797/9 |
| 49 | جنت میں اللہ تعالیٰ کا دیدار اور اس کی رضا | 798/9 |
| 50 | اہل جنت پر اللہ کا سلام اور اس کی عظمت و انفرادیت | 800/9 |
| 51 | جنت عدن کے متعلق احادیث و آثار | 127/10 |
| 52 | جنت کے دروازے کھلے رکھنے کے اسرار و نکات | 128/10 |
| 53 | متقین کے لیے جنت کی نعمتیں | 129/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 54 | جنت کے بالاخانے | 213/10 |
| 55 | اہل جنت کے دلوں کا حسد اور کینہ سے پاک ہونا | 254/10<br>778/10 |
| 56 | جنت کی نعمتیں اور اس میں اللہ کا دیدار | 361/10 |
| 57 | ایک فریق کا جنتی اور دوسرے فریق کا دوزخی ہونا | 545/10 |
| 58 | جنت کی وراثت کی توجیہ | 727/10 |
| 59 | اہل جنت کی دائمی نعمتیں | 781/10 |
| 60 | شہداء اور صالحین کے لیے دخولِ جنت میں آسانیاں | 138/11 |
| 61 | جنت میں انواع واقسام کے مشروبات | 145/11 |
| 62 | جنت میں دخول کے بعد مغفرت کے ذکر کی توجیہات | 145/11 |
| 63 | حصول جنت کا حقیقی اور ظاہری سبب | 735/11 |
| 64 | جنت کے پرندوں کی کیفیت | 658/11 |
| 65 | جنت کی بیریوں، کیلوں اور درختوں کی صفات | 661/11 |
| 66 | اہل جنت کی بیویوں کی کیفیات | 662/11 |
| 67 | حوروں کا حسن وجمال | 659/11 |
| 68 | دو جنتوں کے مصداق میں احادیث وآثار | 628/11 |
| 69 | جنت کے چشموں کی کیفیت | 632/11 |
| 70 | جنت کے بستروں اور پھلوں کی کیفیت | 633/11 |
| 71 | جنت کے درختوں، چشموں اور پھلوں کی نعمت | 637/11 |
| 72 | آیا جنت میں مؤمنوں کی بیویاں زیادہ حسین ہوں گی یا جنت کی حوریں؟ | 638/11 |
| 73 | جس عورت کے متعدد شوہر ہوں وہ جنت میں کس کے پاس رہے گی؟ | 639/11 |
| 74 | اہل جنت کے لیے غیر مترقبہ نعمتیں | 336/11 |
| 75 | جنت کے پھلوں اور گوشت کی صفات | 448/11 |
| 76 | اہل جنت کے مخمور ہونے کی کیفیات | 448/11 |
| 77 | مسلمان کی صفات اور ان کے مصادیق | 449/11 |
| 78 | اہل جنت کا باہمی مکالمہ | 450/11 |
| 79 | مؤمنین صالحین کو جزاء میں دائمی جنت عطا فرمانا | 919/12 |
| 80 | مؤمنین صالحین اور مؤمنین تائبین کو ایک سے زائد جنت دینا | 920/12 |
| 81 | کوئی مسلمان اپنے جنتی ہونے کا دعویٰ نہ کرے | 923/12 |
| 82 | جنت میں لغویات نہ سننے کی وجوہ | 710/12 |
| 83 | جنت کے چشمے، گلاس، فرش اور تکیے | 710/12 |
| 84 | جنت میں ابرار کی نعمتیں | 630/12 |
| 85 | جنت کا ثواب | 613/12 |
| 86 | جنت کی صفات کے متعلق احادیث | 563/12 |
| 87 | اہل جنت پر نوازشیں | 531/12 |
| 88 | جنت میں ابرار کو ملنے والے نعمتیں | 447/12 |
| 89 | جنت میں چاندی اور سونے کے برتنوں کا استعمال | 448/12 |
| 90 | جنتی لڑکوں کے دائمی ہونے کی توجیہ | 449/12 |
| 91 | جنتیوں کی سلطنت | 450/12 |
| 92 | جنت کی بلندی اور اس کی نعمتوں کی تفصیل | 210/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 23 | **جن** | |
| 1 | جنات کے لیے رسولوں کے ذکر کی توجیہ | 653/3 |
| 2 | مومن جن جنت میں داخل ہوں گے یا نہیں؟ | 655/3 |
| 3 | جنات کے دخول جنت کے متعلق علماء کی آراء | 656/3 |
| 4 | مسلمان جنوں کا جنت میں داخل ہونا یا نہ ہونا | 656/3 |
| 5 | جنات کا انسانوں کو دیکھنا اور انسانوں کا ان کو دیکھنا | 91/4 |
| 6 | جنات کا انسانوں پر تصرف | 93/4 |
| 7 | انسان کے اعضاء پر جنات کے تصرف کی نفی | 177/6 |
| 8 | انسانوں پر جنات کے تسلط کا رد | 288/6 |
| 9 | جنات پر رسول اللہ ﷺ کا تصرف | 645/7 |
| 10 | جنات کا نبی ﷺ کی شریعت کا متحمل ہونا | 645/7 |
| 11 | جنات کو حضرت سلیمان علیہ السلام کے تابع کرنا | 642/7 |
| 12 | جنات کا آپس میں اور انسانوں کے ساتھ نکاح | 646/7 |
| 13 | جنات کا فرشتوں کی باتیں سننا | 864-870/9 |
| 14 | جنات کا نماز فجر میں رسول اللہ ﷺ سے قرآن سننا | 110/11 |
| 15 | اللہ تعالیٰ اور جنات کے درمیان نسبی قرابت کے مدعیان کے محامل | 963/9 |
| 16 | لیلۃ الجن میں رسول اللہ ﷺ کے ساتھ حضرت ابن مسعود رضی اللہ عنہ تھے یا نہیں؟ | 111/11 |
| 17 | لیلۃ الجن کی مختلف روایات میں تطبیق | 112/11 |
| 18 | جنات کے قول میں حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا ذکر نہ ہونے کی وجوہ | 113/11 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 19 | جنات کا قرآن سن کر رسول اللہ ﷺ پر ایمان لانا | 109/11 |
| 20 | آیا اطاعت گزار جنات کو ثواب ہوگا یا نہیں؟ | 114/11 |
| 21 | جنات کا جنت میں داخل ہونا | 634/11 |
| 22 | انسان عورتوں کے ساتھ جنات کا جماع کرنا | 633/11 |
| 23 | جنات کی وجہ تخلیق | 393/11 |
| 24 | الجن کا لغوی واصطلاحی معنی | 271/12 |
| 25 | جنات کے متعلق فلاسفہ اور مفکرین کی آراء | 272/12 |
| 26 | جنات کے متعلق مفسرین کی آراء | 274/12 |
| 27 | کیا حضور ﷺ نے جنات کو دیکھا تھا؟ | 275-280/12 |
| 28 | انسان کے جسم میں جنات کا تصرف | 280/12 |
| 29 | جنات کا اپنے جرائم کا اعتراف کر کے ان سے برأت کا اظہار کرنا | 281/12 |
| 30 | فرشتوں کی باتوں کو جنات سے محفوظ رکھنا | 283/12 |
| 31 | جنات کے فرقے | 283/12 |
| 24 | **سورۃ الجن** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 267/12 |
| 2 | سورۃ الجن کے مشمولات | 268/12 |
| 3 | سورۃ الجن کا اختتام | 332/12 |
| 4 | سورۃ الجن آیت نمبر ۲۶ کی تفسیر | 312-317/12 |
| 25 | **نماز جنازہ** | |
| 1 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نماز جنازہ | 389/2 |
| 2 | غائبانہ نماز جنازہ | 532/2 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کی نماز جنازہ پڑھنے کی کیفیت | 238/10 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | عام مسلمانوں کی نماز جنازہ پڑھنے کی کیفیت | 240/10 |
| 5 | نماز جنازہ کے بعد دعا کرنا | 242-249/10 |
| 26 | جنون | |
| 1 | جنون کا لغوی واصطلاحی معنی | 602/9 |
| 27 | جنگِ جمل | |
| 1 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کا اصلاح کے قصد سے بصرہ روانہ ہونا | 428/9 |
| 2 | قاتلینِ حضرت عثمان رضی اللہ عنہ اان صحابہ کے تعاقب میں حضرت علی رضی اللہ عنہ کو بصرہ روانہ کرنا | 429/9 |
| 3 | قاتلینِ حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کا سازش کر کے بصرہ میں مسلمانوں کے مابین جنگ کرا دینا | 430/9 |
| 4 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا و حضرت علی رضی اللہ عنہ کا جنگ جمل میں مسلمانوں کے خون بہنے پر غم اور افسوس کرنا | 434/9 |
| 5 | جنگِ جمل کے وقوع پذیر ہونے کی وجہ | 287/11 |
| 6 | جنگ جمل کے متعلق حرفِ آخر | 289/11 |
| 28 | جواء | |
| 1 | جوئے کی تعریف اور اس کا حرام ہونا | 777/1 |
| 2 | لاٹری اور انعامی بانڈز کا شرعی حکم | 778/1 |
| 3 | حضرت ابو بکر رضی اللہ عنہ کے قمار کی وضاحت | 209/2 |
| 4 | جوئے کی تعریف اور اس کا حرام ہونا | 305/3 |
| 5 | معمہ، لاٹری اور سٹہ کا شرعی حکم | 306/3 |
| 6 | جوسر اور شطرنج | 307/3 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | جوئے کے دینی و دنیاوی خرابیاں | 309/3 |
| 8 | لاٹری اور قمار بازی کے متعلق تعزیرات پاکستان | 714/5 |
| 9 | جوئے سے جیتی ہوئی رقم صدقہ کرنا | 131/9 |
| 29 | جوامع الکلم | |
| 1 | جوامع الکلم کی مثال | 165/8 |
| 30 | جھوٹ | |
| 1 | جھوٹ کی تعریف مع شرعی حکم | 287/1 |
| 2 | جھوٹ کے عذاب سے متعلقہ احادیث | 287/1 |
| 3 | جھوٹ بولنے کی رخصت کے مواقع | 288/1 |
| 4 | جان، مال اور عزت بچانے کے لیے جھوٹ بولنا | 288/1 |
| 5 | شعر اور مبالغہ میں جھوٹ بولنا | 288/1 |
| 6 | تعریض اور توریہ میں جھوٹ بولنا | 289/1 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کے کلام میں کذب کا محال ہونا | 316/1 |
| 8 | جھوٹ کی قباحت | 280/6 |
| 9 | تکذیب کی تعریف | 151/8 |
| 10 | ضرورت اور مصلحت کے وقت جھوٹ بولنا | 901-904/9 |
| 11 | صدق اور کذب کی صحیح تعریفات | 599/9 |
| 12 | سابقہ امتوں میں مکذبین پر عذاب | 571/11 |
| 31 | جھگڑنا | |
| 1 | جدال کا معنی اور اس کا قرآن وحدیث میں اطلاق | 137/7 |
| 2 | جدال کا لغوی واصطلاحی معنی اور اس کا شرعی حکم | 709/7 |
| 3 | جدال کی اقسام | 317/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 32 | جہنم | |
| 1 | دیکھئے "19: دوزخ" صفحہ 129 | |
| 33 | جہاد/ جنگ | |
| 1 | اجازت جہاد کی آیت | 717/1 |
| 2 | بچوں، بوڑھوں اور عورتوں کو جہاد میں قتل کرنا | 717/1 |
| 3 | ہجرت سے قبل قتال کرنا | 718/1 |
| 4 | حرم میں ابتداءً قتل کا ممنوع ہونا اور کفار سے مدافعانہ جنگ کا جائز ہونا | 720/1 |
| 5 | جہاد کی تعریف اور اس کی اقسام | 761/1 |
| 6 | جہاد کرنے میں عزت اور نہ کرنے میں ذلت ہے | 761/1 |
| 7 | جہاد کے درجات اور اس پر اجر وثواب | 762/1 |
| 8 | جہاد کی تحریک | 874/1 |
| 9 | مشروعیت جہاد پر اعتراض کا جواب | 935/1 |
| 10 | کیا جہاد کی نیت نہ کرنا نفاق ہے؟ | 411/2 |
| 11 | جہاد کی تیاری اور اس کی طرف رغبت کرنا | 722/2 |
| 12 | اجر وثواب کے لیے جہاد کرنا | 723/2 |
| 13 | مظلوم مسلمانوں کی مدد کے لیے جہاد کرنا | 723/2 |
| 14 | مسلمانوں اور کافروں کی باہمی جنگ | 724/2 |
| 15 | ترغیب جہاد کے متعلق قرآن وحدیث کے ارشادات | 724/2 |
| 16 | بلاعذر جہاد میں شریک نہ ہونا | 766/2 |
| 17 | عذر کی وجہ سے جہاد کرنا | 767/2 |
| 18 | جہاد کی فضیلت کے متعلق قرآنی آیات | 670/4 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 19 | جہاد کی فضیلت کے متعلق احادیث | 971/4 |
| 20 | جہاد کی حکمت اور کفار کو قتل کرنا اللہ اور رسول اللہ ﷺ کی رحمت کے منافی نہیں ہے | 673/4 |
| 21 | جہاد کے فرض عین ہونے کی صورتیں | 674/4 |
| 22 | جہاد کے فرض کفایہ ہونے کی صورتیں | 675/4 |
| 23 | جہاد کے مباح ہونے کی شرائط | 676/4 |
| 24 | جہاد کے وجوب کی شرائط | 677/4 |
| 25 | فتح مکہ کے لیے جہاد کرنے کے فوائد | 86/5 |
| 26 | اللہ کی راہ میں جہاد کرنا کعبہ کو آباد کرنے سے افضل ہے | 98/5 |
| 27 | جہاد کے لیے نکلنے کا وجوب | 136/5 |
| 28 | جہاد کی اقسام | 143/5 |
| 29 | منافقین کا جہاد کے لیے نکلنا رب تعالیٰ کو ناپسند ہونے کے باوجود ان کی مذمت کرنا | 149/5 |
| 30 | منافقوں کے خلاف جہاد کی توجیہ | 196/5 |
| 31 | جہاد کا تبلیغ اسلام کے لیے فرض کفایہ ہونا | 292/5 |
| 32 | قریب کے کافروں سے جہاد کی ابتداء | 300/5 |
| 33 | جہاد کا حق ادا کرنے کی تفسیر | 805/7 |
| 34 | جہاد کبیر | 252/8 |
| 35 | جہاد بالنفس اور جہاد اکبر کے متعلق احادیث | 471/10 |
| 36 | کن کافروں کے متعلق جہاد کا حکم ہے؟ | 133/11 |
| 37 | کفار کا خون بہانے کے بعد ان کو گرفتار کرنا | 133/11 |
| 38 | جہاد کا حکم کب ختم ہوگا؟ | 135/11 |
| 39 | جہاد اور قتال کی فرضیت سے مسلمانوں کا خوش اور منافقوں کا غمگین ہونا | 156/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 40 | جہاد سے روگردانی پر منافقوں کے عذر کو رد کرنا | 156/11 |
| 41 | جہاد کی ترغیب اور زبوں حالی کی وجوہ | 176/11 |
| 42 | جہاد میں مال خرچ کرنے کی فضیلت | 178/11 |
| 43 | بلاضرورت جنگ کی صفوں کو توڑنا | 866/11 |
| 44 | سخت جنگجو قوم کے متعلق متعدد اقوال | 245/11 |
| 45 | کمزور اور معذور لوگوں کیلئے جہاد میں عدم شرکت کی رخصت | 248/11 |
| 46 | اگر کفار کے خلاف جہاد کرنے سے مسلمانوں کی ہلاکت کا خطرہ ہو تو پھر کیا کرنا چاہیے؟ | 262-263 11 |
| 47 | جو لوگ کسی بھی طریقے سے اصلاح کو قبول نہ کریں ان کا آخری حل ان کے خلاف جہاد ہے | 519/11 |
| 34 | **جھوٹی نبوت کے دعویدار** | |
| 1 | مسیلمہ اور اسود العنسی کے احوال | 593/3 |
| 2 | مدعی نبوت کو قتل کرنا یا نہ کرنا | 350/10 |

## چ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **چاند** | |
| 1 | چاند نظر آنے کی سائنسی و تکنیکی وجوہ | 534/8 |
| 2 | چاند کی منازل | 770/9 |
| 3 | سورج اور چاند میں سے کسی کا دوسرے پر سبقت نہ کرنا | 771/9 |
| 4 | چاند کن چیزوں میں سورج کے تابع ہے؟ | 764/12 |
| 5 | رات اور دن کی سلطنت کا چاند سے زیادہ ہونا | 765/12 |
| 2 | **چاندی** | |
| 1 | چاندی کے برتنوں کا حرام ہونا | 722/10 |
| 2 | چاندی کے کام والے کپڑوں کا جواز | 723/10 |
| 3 | چاندی کے ظروف کی تفصیل | 724/10 |
| 4 | چاندی کے کنگن | 451/12 |
| 5 | جنت میں چاندی کے برتن | 448/12 |
| 3 | **چشمے** | |
| 1 | چشموں کی تفسیر | 295/6 |
| 4 | **چغلی کھانا** | |
| 1 | چغلی کھانے پر وعید | 183/12 |
| 5 | **چلنا** | |
| 1 | آہستہ اور بھاگ کر چلنا | 268/9 |
| 6 | **چوری کرنا** | |
| 1 | دیکھئے "19: سرقہ" صفحہ 146 | |
| 7 | **چھٹی** | |
| 1 | جمعہ کے دن چھٹی | 599/6 |
| 2 | اتوار کے دن چھٹی | 600/6 |
| 3 | جمعہ کے دن چھٹی کرنے پر دلائل | 601/6 |
| 4 | اتوار کی چھٹی کے حامیوں کے دلائل اور ان کے جوابات | 891/11 |
| 5 | جمعہ کی چھٹی کرنے کے دلائل | 892/11 |
| 8 | **چھپکلی** | |
| 1 | چھپکلی کو مارنے کا حکم | 610/7 |
| 9 | **چھینک** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | چھینک کا نعمت اور بیماری ہونا | 651/9 |
| **10** | **چیونٹی** | |
| 1 | چیونٹیوں کے متعلق احادیث | 628/8 |
| 2 | نملۃ کا معنی | 637/8 |
| 3 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے لشکر سے ڈرانے والی چیونٹی | 637/8<br>642/8 |
| **11** | **چیخنا** | |
| 1 | چیخ اور چنگھاڑ کے تین محمل | 50/10 |

## ح

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **سورۃ الحاقہ** | |
| 1 | سورۃ کا نام وغیرہ | 199/12 |
| 2 | سورۃ الحاقہ کے مشمولات | 200/12 |
| 3 | الحاقہ کا معنی | 204/12 |
| 4 | سورۃ الحاقہ کا اختتام | 217/12 |
| **2** | **حضرت حاطب رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | کس عورت کے ذریعے حضرت حاطب رضی اللہ عنہ نے خط روانہ کیا تھا؟ | 841/11 |
| 2 | حضرت حاطب رضی اللہ عنہ سے مواخذہ کیوں نہیں کیا گیا؟ | 842/11 |
| **3** | **حاکم** | |
| 1 | ظالم حکومت کا سبب عوام کا ظلم ہے | 651/3 |
| 2 | سلطان کا معنی اور علماء کی سلطنت کا بادشاہوں کی سلطنت سے زیادہ قوی ہونا | 617/5 |
| 3 | سلطان اور سلطان مبین میں فرق | 618/5 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | حاکم کی اطاعت کے وجوب پر دلائل | 130-131/7 |
| 5 | حکمران دنیوی امور کے منتظم ہیں | 180/8 |
| 6 | سلطان کے متعلق احادیث | 634/8 |
| 7 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی سلطنت | 635/8 |
| 8 | سربراہ مملکت کا فرض ہے کہ وہ مومنوں کی زندگی اور موت میں ان کا کفیل اور ضامن ہو | 381/9 |
| 9 | حکام کی اطاعت کا محمل | 804/9 |
| **4** | **حاجت روائی** | . |
| 1 | انبیاء علیہم السلام سے حاجت روائی | 390/6 |
| 2 | حضرت عمر و عثمان رضی اللہ عنہما کے زمانہ خلافت میں صحابہ کا رسول اللہ ﷺ سے دعا کی درخواست کرنا | 391/6 |
| 3 | اولیاء اللہ سے حاجت روائی | 392/6 |
| **5** | **حبیب النجار** | |
| 1 | حبیب النجار کا تذکرہ | 738/9 |
| 2 | اپنے لیے فطرنی اور قوم کے لیے والیہ ترجعون کہنا | 742/9 |
| 3 | قوم کا حبیب نجار کو قتل کر دینا | 744/9 |
| 4 | حبیب نجار کی طرف قوم کی نسبت کرنا | 748/9 |
| 5 | بستی والوں کو ایک زبردست چیخ سے ہلاک ہونا | 748/9 |
| **6** | **حج وعمرہ** | |
| 1 | حج وعمرہ کا معنی | 609/1 |
| 2 | شوال میں عمرہ کرنے والے پر حج فرض ہونا | 610/1 |
| 3 | صفا اور مروہ میں سعی گناہ نہیں، فرمانے کی وجہ | 612/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | صفا اور مروہ کے درمیان سعی میں مذاہب اربعہ | 613/1 |
| 5 | فرضیت حج کی اقسام و تاریخ | 737/1 |
| 6 | عمرہ کرنے کا طریقہ | 725/1 |
| 7 | حج کرنے کا طریقہ | 726/1 |
| 8 | حج تمتع کا بیان | 737/1 |
| 9 | حج کے مہینے | 737/1 |
| 10 | فرضیت حج کے اسباب | 737/1 |
| 11 | ایام حج میں فحش باتیں اور گناہ وغیرہ کرنا | 737/1 |
| 12 | حج کے لیے سفر خرچ تیار کرنا | 738/1 |
| 13 | حج کے دوران روزی کمانا | 738/1 |
| 14 | حجاج کرام کے اجر وثواب اور ان سے مصافحہ کرنے کے متعلق احادیث و آثار | 746/1 |
| 15 | قیام منیٰ کی مدت | 746/1 |
| 16 | حج کی تعریف، شرائط، فرائض، واجبات، سنن، آداب اور ممنوعات و مکروہات | 274/2 |
| 17 | حج کے فضائل | 275/2 |
| 18 | حج کی استطاعت | 278/2 |
| 19 | قدرت کے باوجود حج نہ کرنا | 279/2 |
| 20 | مال حرام وحلال سے حج کرنا | 280/2 |
| 21 | قیامت تک کون کون حج کرے گا؟ | 737/7 |
| 22 | حج میں تاخیر کے جواز سے حضرت ابن عباس کی تفسیر پر اعتراض اور اس کے جوابات | 907/11 |
| 7 | **حجر (قولی تصرف سے روکنا)** | |
| 1 | حجر کا معنی | 581/2 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | قرآن وسنت سے حجر کا ثبوت | 581/2 |
| 3 | نااہل کو ذمہ داری سونپنا | 582/2 |
| 8 | **حجت** | |
| 1 | شرائع سابقہ کا حجت ہونا | 198/3<br>206/3 |
| 9 | **حج اکبر** | |
| 1 | حج اکبر کے مصداق کے متعلق احادیث | 54/5 |
| 2 | حج اکبر کے مصداق کے متعلق مذاہب فقہاء | 55/5 |
| 3 | حج اکبر کے متعلق مختلف اقوال میں تطبیق | 55/5 |
| 4 | حج اکبر کا معنی | 55/5,58/5 |
| 5 | جمعہ کے حج کے متعلق مختلف اقوال | 59/5 |
| 10 | **سورۃ الفجر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور الفجر کا معنی | 231/6 |
| 2 | الفجر کا مصداق | 232/6 |
| 3 | الفجر کے متعلق احادیث اور ان کی تشریح | 233/6 |
| 4 | سورۃ الفجر کے مقاصد | 234/6 |
| 5 | سورۃ الفجر کا اختتام | 342/6 |
| 11 | **سورۃ الحج** | |
| 1 | سورۃ الحج کی وجہ تسمیہ | 701/7 |
| 2 | سورۃ الحج کے مکی یا مدنی ہونے میں اختلاف | 702/7 |
| 3 | سورۃ الانبیاء اور سورۃ الحج کی باہمی مناسبت | 702/7 |
| 4 | سورۃ الحج کے مشمولات | 703/7 |
| 5 | سورۃ الحج کا اختتام | 832/7 |
| 12 | **حجاب** | |
| 1 | بوڑھی عورتوں کا حجاب | 185/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | عورت کے بے پردہ نکلنے کے متعلق قرآن و سنت کی تصریحات | 667/8 |
| 3 | پردہ کے لزوم کے متعلق قرآن و سنت کی تصریحات | 668/8 |
| 4 | اجنبی مردوں اور عورتوں کا ایک دوسرے کو دیکھنا | 668/8 |
| 5 | عورتوں کا مردوں سے کلام کرنا | 669/8 |
| 6 | آیت حجاب نازل ہونے کے متعلق احادیث | 525/9 |
| 7 | نزول حجاب کی تاریخ | 527/9 |
| 8 | دینی و دنیاوی ضرورت کی بناء پر عورتوں کا گھر سے باہر نکلنا | 527/9 |
| 9 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ کا حضرت سودہ رضی اللہ عنہا کو گھر سے باہر نکلنے پر دوبار ٹوکنا | 528/9 |
| 10 | عورتوں سے پردہ کی اوٹ سے سوالات کرنے کا حکم | 528/9 |
| 11 | خواتین پر ان کے محارم اور باندیوں سے پردہ لازم نہیں | 531/9 |
| 12 | جلباب کی تحقیق | 558/9 |
| 13 | چہرہ ڈھانپنے کی تحقیق | 558/9 |
| 14 | عورت کے حجاب کے متعلق آیات | 559/9 |
| 15 | ذٰلك ادنیٰ ان یعرفن سے چہرہ کا حجاب | 559/9 |
| 16 | بوڑھی عورتوں کا حجاب | 863/9 |
| 17 | عہد رسالت میں حجاب و نقاب کے معمولات | 564/9 |
| 18 | عہد تورات میں حجاب و نقاب کے معمولات | 565/9 |
| 19 | چہرے کے حجاب پر شبہات اور ان کے جوابات | 565/9 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **13** | **سورۃ الحجرات** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 272/11 |
| 2 | سورۃ الحجرات کے مسائل و مقاصد | 272/11 |
| 3 | سورۃ الحجرات کا خاتمہ | 310/11 |
| **14** | **حدود و قصاص** | |
| 1 | حرم میں حدود و قصاص لینا | 542/1 |
| 2 | غلام اور ذمی کے قصاص کا بیان | 654/1 |
| 3 | جماعت سے ایک شخص کا قصاص لینا | 657/1 |
| 4 | سلاطین اور حکام سے قصاص | 658/1 |
| 5 | قصاص لینا حکومت کا منصب ہے | 660/1 |
| 6 | کیفیت قصاص اور آلۂ قتل | 660/1 |
| 7 | ولی مقتول کا معاف کرنا | 662/1 |
| 8 | دیت کی مقدار اور عاقلہ کا بیان | 662/1 |
| 9 | عورتوں کی بدکاری پر ابتدائی سزا | 603/2 |
| 10 | زانی کے خلاف استغاثہ کرنے والی لڑکی پر حد | 605/2 |
| 11 | عمل قوم لوط پر حد یا تعزیر | 608/2 |
| 12 | حدود کے نفاذ کا رحمت ہونا | 415/8 |
| **15** | **حدیث** | |
| 1 | احادیث صحیحہ، اقوال صحابہ پر مقدم ہیں | 706/2 |
| 2 | ائمہ و فقہاء کے اقوال پر احادیث کو مقدم رکھنا | 709/2 |
| 3 | حجیت حدیث | 181/3<br>453/6 |
| 4 | خبر واحد کے حجت ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 363/5 |
| 5 | احادیث کا حجت ہونا | 38/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | چالیس احادیث کی تبلیغ کرنا | 183/4 |
| 7 | حدیث ضعیف پر عمل کرنے کی شرائط | 185/4 |
| 8 | حدیث افک سے استنباط شدہ مسائل | 92/8 |
| 9 | حدیث افک پر اعتراضات کے جوابات | 97/8 |
| 10 | کتب احادیث مقبولہ کا حجت ہونا | 446/9 |
| 11 | صریح حدیث پر عمل کرنے سے حضرت عمر رضی اللہ عنہ کے منع کرنے کی توجیہات | 556/10 |
| 12 | صحیحین کی دو روایتوں کے تعارض کا جواب | 101/12 |
| **16** | **سورۃ الحدید** | |
| 1 | سورت کا نام اور وجہ تسمیہ | 707/11 |
| 2 | سورۃ الحدید کا مکی یا مدنی ہونا | 707/11 |
| 3 | سورۃ الحدید کی فضیلت | 710/11 |
| 4 | سورۃ الحدید کے مشمولات | 710/11 |
| 5 | سورۃ الحدید کا اختتام | 761/11 |
| **17** | **حروف** | |
| 1 | تاء کی اقسام | 792/9 |
| **18** | **حرابہ** | |
| 1 | حرابہ کا معنی و تعریف | 162/3 |
| 2 | حرابہ کا رکن | 162/3 |
| 3 | حرابہ کی شرائط | 162/3 |
| 4 | حرابہ کے جرم کی تفصیل | 163/2 |
| 5 | ڈاکو کے فقط ڈرانے کی سزا | 164/3 |
| 6 | ڈاکو کے صرف مال لوٹنے کی سزا | 165/3 |
| 7 | ڈاکو کا قتل کرنا اور مال لوٹنا | 165/3 |
| 8 | حدود کا کفارہ | 166-169/3 |
| **19** | **حرام** | |
| 1 | حرام کھانے کا وبال | 631/1<br>706/1 |
| 2 | حرام کیے ہوئے مردہ جانوروں میں سے مستثنیات | 631/1 |
| 3 | سطح آب پر آنے والی مردہ مچھلی | 634/1 |
| 4 | بہائے ہوئے خون کا حرام ہونا | 635/1 |
| 5 | حرام چیزوں سے علاج کی ممانعت | 637/1 |
| 6 | مال حرام سے صدقہ کرنے کا شرعی حکم | 706/1 |
| 7 | حرمت والے مہینوں کا بیان | 721/1 |
| 8 | ممانعت قتال کا حرمت والے مہینوں میں منسوخ ہونا | 765/1 |
| 9 | حرام مال سے صدقہ کا وبال | 957/1 |
| 10 | مال حرام کی انواع واقسام | 643/2 |
| 11 | ضرورت کی بناء پر حرام اشیاء کا استعمال | 72/3 |
| 12 | حرام جانور | 84/3 |
| 13 | قرآن وحدیث میں حرام کیے ہوئے طعام کی تفصیل | 677/3 |
| 14 | اللہ کے حرام کیے کاموں کی تفصیل | 683/3 |
| 15 | شرک کا حرام ہونا | 683/2 |
| 16 | والدین کے ساتھ بدسلوکی کا حرام ہونا | 684/3 |
| 17 | قتل اولاد کا حرام ہونا | 685/3 |
| 18 | بے حیائی کے کاموں کا حرام ہونا | 686/3 |
| 19 | قتل ناحق کا حرام ہونا | 686/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 20 | یتیم کے مال میں بے جا تصرف کا حرام ہونا | 689/3 |
| 21 | ناپ تول میں کمی کا حرام ہونا | 690/3 |
| 22 | ناحق بات کا حرام ہونا | 690/3 |
| 23 | اللہ سے بدعہدی کا حرام ہونا | 691/3 |
| 24 | ڈرادھمکا کرنا جائز رقم بٹورنا حرام ہے | 224/4 |
| 25 | مال حرام سے نجات کے طریقے | 551/4 |
| 26 | حرام اور امور مشتبہ کے متعلق دعا کرنے کا عدم جواز | 557/5 |
| 27 | حرام بمعنی واجب | 665/7 |
| 28 | حرام کمائی سے کھانا | 877/7 |
| **20** | **حرمت والے مہینے** | |
| 1 | حرمت والے مہینے | 36/3 |
| 2 | بحیرہ وغیرہ کی حرمت | 340/3 |
| 3 | حرمت والے مہینوں میں ممانعت قتال کا منسوخ ہونا | 64/5 |
| 4 | حرمت والے مہینوں کا بیان اور ان کا شرعی حکم | 132/5 |
| 5 | مشرکین کا حرمت والے مہینوں کو مؤخر کرنا | 133/5 |
| **21** | **حرص** | |
| 1 | حرص کی مذمت | 805/6<br>113/7 |
| 2 | حرص کے پیدائشی وصف ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 229/12 |
| **22** | **حروف مقطعات** | |
| 1 | حروف مقطعات کے علم کی تحقیق | 240/1 |
| 2 | کھیٰعص | 250/7 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | طٰہٰ | 330/7 |
| 4 | طسٓ کے اسرار | 551/8 |
| 5 | طسٓمٓ کا معنی | 770/8 |
| 6 | الم کے اسرار | 212/9 |
| 7 | الم کے نکات | 305/9 |
| 8 | بعض سورتوں کی ابتداء میں حروف مقطعات ذکر کرنے کی حکمت | 712/9 |
| 9 | حروف مقطعات کا معنی ومفہوم | 713/9 |
| 10 | صٓ کے معانی ومحامل | 36/10 |
| 11 | حٰمٓ کا معنی | 315/10<br>431/10<br>741/10 |
| 12 | حٰمٓ ٥ عٓسٓقٓ کی تاویلات | 538/10 |
| 13 | حٰمٓ | 39/11 |
| 14 | قٓ | 312/11 |
| 15 | نون اور قلم کے معانی | 164/12 |
| **23** | **حسد** | |
| 1 | حسد کی تحقیق | 488/1 |
| 2 | حسد کے متعلق احادیث | 488/1 |
| 3 | حسد کے مراتب | 490/1 |
| 4 | حسد کے اسباب | 490/1 |
| 5 | حسد کا علاج | 491/1 |
| 6 | کسی کو ضرر سے بچانے کے لیے دوسرے کا عیب بیان کرنے کا جواز | 677/5 |
| 7 | حسد کے خطرہ سے نعمتوں کو چھپانا | 677/5 |
| 8 | حضرت یعقوب علیہ السلام کو حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کے حسد کا پیشگی علم ہونا | 678/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 9 | حسد، رشک اور منافست کی تعریفیں | 688/5 |
| 10 | حسد نہ کرنے کی فضیلت | 689/5 |
| 11 | حسد مذموم | 690/5 |
| 12 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کا حسد ہی ان کے تمام گناہوں کی جڑ تھا | 688/5 |
| 13 | حسد ایک نفسیاتی بیماری ہے | 691/5 |
| 14 | حسد کے متعلق احادیث | 692/5 |
| 15 | حسد کی تعریف، شرعی حکم اور اس کے متعلق احادیث | 1050/12 |
| 24 | **حساب** | |
| 1 | قیامت کے دن جلد حساب | 516/3 |
| 2 | حساب کی کیفیت | 520/3 |
| 3 | نعمتوں کی کتنی مقدار پر حساب | 521/3 |
| 4 | حساب کو آسان کرنے کا طریقہ | 521/3 |
| 5 | سخت حساب کا معنی | 84/6 |
| 6 | آسان حساب کا معنی | 638/12 |
| 7 | آسان حساب کے متعلق احادیث | 638/12 |
| 8 | حساب کی امید نہ رکھنے کی توجیہات | 528/12 |
| 25 | **حسرت** | |
| 1 | حسرت کا معنی | 752/9 |
| 26 | **حسنِ سلوک** | |
| 1 | حسن کا عقلی ہونا | 708/6 |
| 2 | غیر محارب کفار کے ساتھ حسن سلوک کرنا | 848/11 |
| 27 | **حسنِ اخلاق** | |
| 1 | حسن اخلاق کے متعلق احادیث | 429/8 |
| 2 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے اخلاق حسنہ | 430/8 |
| 3 | حسن اخلاق کے متعلق احادیث | 504/10 |
| 4 | حسن اخلاق میں کثرت طلب کرنا | 958/12 |
| 5 | حسن اخلاق کی تعلیم و تاکید | 165/12 |
| 6 | رسول اللہ ﷺ کے محاسن اخلاق کے متعلق احادیث | 166/12 |
| 7 | خَلق اور خُلق کا معنی | 165/12 |
| 8 | وانک لعلی خلق عظیم کی تفسیر | 179-182/12 |
| 28 | **سورۃ الحشر** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 798/11 |
| 2 | سورۃ الحشر کے مشمولات | 798/11 |
| 3 | سورۃ الحشر کا اختتام | 836/11 |
| 29 | **حشرات الارض** | |
| 1 | حشرات الارض کو مارنے کا شرعی حکم | 494/6 |
| 2 | حشرات الارض کو قتل کرنا | 389/8 |
| 30 | **حشر** | |
| 1 | انسانوں کے حشر کی کیفیت | 100/4 |
| 2 | نیک مسلمانوں کا حشر | 132/4 |
| 3 | حشر کے دن کفار کی توبہ | 143/4 |
| 4 | حشر کے دن مردوں کو زندہ کرنا | 187/4 |
| 5 | حشر اجساد پر دلائل | 325/5 |
| 6 | منکرین حشر کے احوال | 329/5 |
| 7 | حشر پر ایمان لانے والوں کے احوال | 329/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8 | محشر میں مومنین کی عزت و سرفرازی | 354/5 |
| 9 | محشر میں کفار کی ذلت و رسوائی | 356/5 |
| 10 | کیا حشر کے دن لوگوں کا مطلقاً باتیں کرنا ممنوع ہے؟ | 622/5 |
| 11 | کیا لوگ حشر کے دن سعید اور شقی میں منحصر ہوں گے؟ | 623/5 |
| 12 | لوگوں کے سعید اور شقی ہونے کے متعلق احادیث | 623/5 |
| 13 | انکار حشر کا کفر ہونا اور اس کی سزا | 43/6 |
| 14 | کفار کا حشر و نشر کو محال کہنا | 415/6 |
| 15 | حشر و نشر کے امکان اور وقوع پر دلائل | 416/6 |
| 16 | عام لوگ حشر میں بے لباس جبکہ شہداء لباس کے ساتھ اٹھیں گے | 671/7 |
| 17 | آیا حشر میں سب سے پہلے حضرت ابراہیم علیہ السلام کو لباس پہنایا جائے گا یا نبی ﷺ کو؟ | 672-676<br>7 |
| 18 | کیا قیامت کے دن برہنہ لوگ ایک دوسرے کو دیکھیں گے؟ | 677/7 |
| 19 | کائنات کے امکان سے حشر و نشر پر استدلال | 712/7 |
| 20 | حشر کے وقوع میں مشرکین کے شبہات | 893-894<br>7 |
| 21 | حشر و نشر کا ثبوت | 720/8<br>748/8 |
| 22 | حشر کے دن کفار کے کفر و شرک پر زجر و توبیخ | 747/8 |
| 23 | حشر کا ثبوت | 62/9<br>137/9 |
| 24 | روز محشر کفار کے ایمان کو قبول نہ کرنے کی وجہ | 644/9 |
| 25 | روز محشر کفار کی خواہشیں | 644/9 |
| 26 | بنجر زمین کی زرخیزی سے حشر و نشر پر استدلال | 659/9 |
| 27 | دن اور رات کے توارد میں حشر اجساد پر دلائل | 762/9 |
| 28 | منکرین محشر کے شبہات اور ان کے جوابات | 839/9 |
| 29 | حشر و نشر کے ثبوت پر دلائل | 87/10<br>393/10<br>817/10 |
| 30 | حشر و نشر کے امکان پر دلیل | 513/10 |
| 31 | بارش نازل کرنے سے مرنے کے بعد دوبارہ اٹھنے پر استدلال | 658/10 |
| 32 | تخلیق انسان سے حشر و نشر پر استدلال | 667/11 |
| 33 | قبروں سے باہر نکلنے کی کیفیت | 345/11 |
| 34 | گناہگاروں کے حشر کی کیفیت | 346/11 |
| 35 | بندہ کا جن گناہوں پر خاتمہ ہو، ان ہی گناہوں میں قیامت کے دن اس کو اٹھایا جانا | 347-353<br>11 |
| 36 | حشر کے دن لوگوں کا فوج در فوج آنا | 514/12 |
| 37 | لوگوں کا محشر میں تین بار اللہ تعالیٰ کے سامنے پیش کیا جانا | 209/12 |
| **31** | **حقوق العباد** | |
| 1 | عورتوں کے مردوں پر حقوق | 842/1 |
| 2 | مردوں کے عورتوں پر حقوق | 847/1 |
| 3 | عورت پر مرد کی خدمت | 849/1 |
| 4 | اللہ کے کرم سے حقوق العباد بھی معاف ہو سکتے ہیں | 594/7 |
| **32** | **حقیقت** | |
| 1 | حقیقت کا بیان | 500/1 |
| 2 | حقیقت کی تعریف | 173/7 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 33 | **حق** | |
| 1 | حق وباطل کا فرق | 641/9 |
| 2 | حق کا معنی ومراد | 40/11 |
| 34 | **حکمت** | |
| 1 | حکمت کی تعریف واقسام | 964/1 |
| 2 | حکمت کے متعلق احادیث | 964/1 |
| 3 | حکمت کے مصداق | 964/1 |
| 4 | حکمت کے معانی وتعریفات | 242/9 |
| 5 | حکیم لقمان کی حکمت آمیز باتیں | 243/9 |
| 6 | سیدنا محمد رسول اللہ ﷺ کی حکمت آمیز احادیث | 244/9 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کے ڈھیل دینے کی حکمتیں | 702/9 |
| 8 | حکمت کی تعریفات | 60/10 |
| 9 | حکمت بالغہ کے محامل | 580/11 |
| 35 | **حکومت** | |
| 1 | دیکھئے ''3: حاکم'' صفحہ 110 | |
| 36 | **حلال** | |
| 1 | حلال کا معنی | 628/1 |
| 2 | حلال کمائی کی مدح | 957/1 |
| 3 | حلال چیزوں سے اجتناب کی ممانعت | 274/3 |
| 4 | حلال کو حرام کرنا | 280-282/3 |
| 5 | بیوی سے کہنا ''تو مجھ پر حرام ہے'' کا شرعی حکم | 284/3 |
| 6 | حلال کو حرام یا حرام کو حلال کرنے کا شرعی حکم | 642/3 |
| 7 | حلال کمائی سے کھانا | 877/7 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 37 | **حضرت حلیمہ** (حضرت موسیٰ علیہ السلام کی بہن) | |
| 1 | حضرت حلیمہ کا جنت میں حضور ﷺ کے نکاح میں ہونا | 132/12 |
| 38 | **حمد** | |
| 1 | حمد کے لغوی واصطلاحی معنی | 160/1<br>649/9 |
| 2 | تمام تعریفوں کے لیے اللہ تعالیٰ کا مستحق ہونا | 161/1 |
| 3 | اللہ تعالیٰ کی کما حقہ حمد سے مخلوق کا عاجز ہونا | 162/1 |
| 4 | اللہ کی حمد کرنے کے احوال وواقعات | 162/1 |
| 5 | اللہ تعالیٰ کی حمد کی فضیلت | 164/1 |
| 6 | خود اپنی حمد وثنا کرنے کی شرعی حیثیت | 165/1 |
| 7 | دوسرے کے سامنے اس کی حمد وثنا کرنا | 167/1 |
| 8 | منہ پر تعریف کرنے کا جواز | 168/1 |
| 9 | اپنی پاکیزگی وفضیلت بیان کرنا | 690/2 |
| 10 | اللہ کی حمد کرنے کا طریقہ | 41/7 |
| 11 | آخرت میں اللہ تعالیٰ کی حمد کرنے کے چھ مقامات | 595/9 |
| 12 | حمد کی تعریف، اللہ تعالیٰ کی حمد کی اقسام اور حمد وشکر کی ادائیگی کا طریقہ | 596/9 |
| 13 | خودستائی کی ممانعت | 526/11 |
| 14 | حمد کی تعریف | 1020/12 |
| 39 | **حمل** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | رحم میں کمی اور زیادتی کے محامل | 55/6 |
| 2 | حمل کی کم سے کم اور زیادہ سے زیادہ مدت میں مذاہب فقہاء | 56/6 |
| 40 | سورۂ حٰمٓ السجدہ | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 427/10 |
| 2 | سورۂ حٰمٓ السجدہ کا زمانۂ نزول | 427/10 |
| 3 | سورۂ حٰمٓ السجدہ کے مشمولات | 429/10 |
| 4 | سورۂ حٰمٓ السجدہ کا خاتمہ | 529/10 |
| 41 | غزوۂ حنین | |
| 1 | وادی حنین کا محل وقوع | 107/5 |
| 2 | اہل حنین کی مسلمانوں کے خلاف جنگ کی تیاری | 107/5 |
| 3 | نبی ﷺ کی اہل حنین سے جہاد کی تیاری | 107/5 |
| 4 | نبی ﷺ کا غزوۂ حنین کے لیے روانہ ہونا | 108/5 |
| 5 | بعض نومسلم صحابہ کا حنین کے راستے میں ذات انواط کی تمنا کرنا | 108/5 |
| 6 | حنین میں ابتدائی شکست اور اس کے اسباب | 108/5 |
| 7 | غزوۂ حنین میں کامیابی و کامرانی | 109/5 |
| 8 | یوم حنین میں فرشتوں کا نزول | 110/5 |
| 9 | اہل حنین کو عذاب دینے کا معنی | 110/5 |
| 10 | اہل حنین میں سے ہوازن اور ثقیف کا اسلام قبول کرنا | 111/5 |
| 42 | حور | |
| 1 | حوروں کو پوشیدہ انڈوں کے ساتھ تشبیہ دینے کی توجیہ | 884/9 |
| 2 | حور کا معنی اور جنت میں حوروں سے عقد کا محمل | 779/10 |
| 3 | دنیاوی عورتیں افضل ہیں یا حوریں؟ | 780/10 |
| 4 | حوروں کا حسن و جمال | 659/11 |
| 5 | آیا جنت میں مؤمنوں کی بیویاں زیادہ حسین ہوں گی یا جنت کی حوریں؟ | 638/11 |
| 6 | حوروں کے متعلق سید مودودی کے انوکھے نظریہ پر بحث ونظر | 640/11 |
| 43 | حواریین | |
| 1 | حواریین کا معنی و مصداق | 179/2 |
| 44 | حضرت حواء علیہا السلام | |
| 1 | حضرت حواء علیہا السلام کی خلقت کا بیان | 343/1 |
| 45 | حیاء | |
| 1 | حیاء کا معنی اور اس کی اللہ تعالیٰ کی طرف نسبت | 324/1 |
| 46 | حیلہ | |
| 1 | حیلہ کی تعریف اور اس کی اقسام | 424/1 831/5 |
| 2 | قرآن وسنت میں حیلہ | 423/1 |
| 3 | فقہاء کے بعض حیلے | 424/1 |
| 4 | اسقاط حیلہ | 425/1 |
| 5 | حیلہ کے جواز کی تحقیق | 825/5 |
| 6 | حیلہ کو جائز کہنے کی وجہ سے امام ابوحنیفہ پر اعتراضات اور ان کے جوابات | 826-828 5 |
| 7 | حیلہ کے جواز پر قرآن وسنت سے دلائل | 829/5 |
| 8 | حیلہ کے جواز میں معترضین کے منشاء غلطی کا ازالہ | 831/5 |
| 47 | حیات | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | حیات کا معنی | 595/1 |
| 2 | برزخ میں حیات | 595/1 |
| 3 | اولیاء اللہ کی جسمانی حیات | 596/1 |
| 4 | شہداء کی حیات | 596/1 |
| 5 | انبیاء علیہم السلام کی حیات | 598/1 |
| 6 | انبیاء، اولیاء، شہداء اور صالحین کی حیات کا ثبوت | 387/6 |
| 7 | حیات کی مختلف تعبیریں | 569/11 |
| 8 | حیات کا معنی | 139/12 |
| 9 | حیات بعد الممات پر استدلال | 557/12<br>507/12 |
| 10 | حیات بعد الممات پر کفار کا شبہ اور اس کا جواب | 406/12 |
| 11 | حیات بعد الموت کا مشاہدہ کرانا | 943/1 |
| 12 | حیات بعد الموت اور صدقہ میں مناسبت | 947/1 |
| 13 | حیات کا معنی | 328/1 |
| 14 | مرنے کے بعد دوبارہ اٹھنے پر دلائل | 116/11<br>373/11 |
| 15 | حیات بعد الموت پر دلائل | 668-669<br>11 |
| 16 | حیات بعد الممات کو کفار کے بعید سمجھنے کی وجہ | 314-318<br>11 |
| 17 | پہلی بار پیدا کرنے کے بعد تھکنے کا باطل ہونا | 319/11 |
| **48** | **حیض** | |
| 1 | حیض کے حکم کا شان نزول | 785/1 |
| 2 | حائضہ سے مباشرت | 785/1 |
| 3 | حیض کا معنی | 785/1 |
| 4 | ایام حیض | 786/1 |
| 5 | حیض، نفاس اور استحاضہ میں مبتلا خواتین کے مسائل | 787/1 |
| **49** | **حیات النبی ﷺ** | |
| 1 | حضور ﷺ کی حیات کے ثبوت میں احادیث | 227/10 |
| 2 | حضور ﷺ کی حیات کے متعلق مستند علماء کی تصریحات | 229-235<br>10 |
| 3 | اجسام مثالیہ کا تعدد | 235/10 |


## خ


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **خارجی** | |
| 1 | خارجیوں کے ظہور کا سبب | 161/5 |
| 2 | خارجیوں کے متعلق اہل سنت کا نظریہ | 161/5 |
| 3 | خارجیوں کی علامت | 162/5 |
| 4 | خوارج کی تعریف اور ان کا مصداق | 332/10 |
| 5 | خوارج کے متعلق احادیث | 333/10 |
| **2** | **خاموش** | |
| 1 | خاموشی کا روزہ رکھنا | 269/7 |
| **3** | **خاک نشیں** | |
| 1 | خاک نشین کے مصادیق | 758/12 |
| **4** | **خاندانی منصوبہ بندی** | |
| 1 | خاندانی منصوبہ بندی کی ترغیب اور تشہیر کا شرعی حکم | 662/3 |
| 2 | ضبط تولید | 663/3 |
| **5** | **خبر واحد** | |
| 1 | خبر واحد کے حجت ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 363/5 |
| **6** | **ختم نبوت** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | ختم نبوت پر دلیل | 277/1 |
| 2 | حضور ﷺ کے خاتم النبیین ہونے کے متعلق آیات | 461/9 |
| 3 | حضور ﷺ کے خاتم النبیین ہونے کے متعلق احادیث | 463/9 |
| 4 | احادیث ختم نبوت کی صحیح تعداد | 470/9 |
| 5 | نبی ﷺ کے بعد مدعی نبوت کی تصدیق کرنا | 471-474/9 |
| 6 | منکرین ختم نبوت کا اجمالی جائزہ | 474/9 |
| 7 | غلام احمد قادیانی کا ختم نبوت پر ایمان واصرار | 475/9 |
| 8 | ۱۹۵۳ء کی تحریک ختم نبوت | 481/9 |
| 9 | ۱۹۷۴ء کی تحریک ختم نبوت | 482/9 |
| 10 | کیا اگر آپ ﷺ کے صاحبزادے حضرت ابراہیم رضی اللہ عنہ زندہ رہتے تو نبی بن جاتے؟ | 483/9 |
| 11 | ختم نبوت کے معنی پر ایک اعتراض کا جواب | 486/9 |
| 12 | لا نبی بعدی میں لا نفی کمال کے لیے ہے | 488/9 |
| **7** | **خدمت** | |
| 1 | ملکی اور جنگی معاملات میں کفار سے خدمت لینا | 224/3 |
| **8** | **خراج** | |
| 1 | دیکھئے ''29: عشر'' صفحہ 178 | |
| **9** | **خرچ کرنا** | |
| 1 | دیکھئے ''99: انفاق فی سبیل اللہ'' صفحہ 75 | |
| **10** | **حضرت خزیمہ بن ثابت رضی اللہ عنہ** | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | سورۃ الاحزاب کی ایک آیت کا حضرت خزیمہ رضی اللہ عنہ کی شہادت سے ملنا | 403/9 |
| 2 | حضرت خزیمہ رضی اللہ عنہ کی گواہی کو دو گواہوں کی گواہی کے قائم مقام کرنے کا سبب | 404/9 |
| 3 | سورۃ توبہ کی آخری آیت آیا حضرت خزیمہ رضی اللہ عنہ کی شہادت سے قرآن میں مندرج ہوئی یا ابوخزیمہ رضی اللہ عنہ کی شہادت سے؟ | 405-408/9 |
| 4 | خزیمہ اور ابوخزیمہ کے ناموں کا فرق | 408/9 |
| 5 | حضرت خزیمہ رضی اللہ عنہ کی گواہی کو دو گواہوں کی گواہی کے قائم مقام کرنے کا سبب | 433/11 |
| **11** | **خسارہ** | |
| 1 | خسارہ کی تفسیر میں دو اقوال | 551/12 |
| **12** | **خشوع وخضوع** | |
| 1 | خشوع کا معنی | 388/1<br>450/9 |
| 2 | خشوع وخضوع کا حکم | 862/1 |
| 3 | الخشوع کا لغوی معنی | 842/7 |
| 4 | الخشوع کا اصطلاحی معنی | 843/7 |
| 5 | الخشوع کے درجات | 843/7 |
| 6 | قرآن میں الخشوع کے درجات | 844/7 |
| 7 | الخشوع کے متعلق لفظاً ومعنًی احادیث | 844/7 |
| 8 | الخشوع کے متعلق آثار صحابہ واقوال تابعین | 846/7 |
| 9 | نماز میں خشوع وخضوع کے وجوب پر دلائل | 848-850/7 |
| 10 | خشوع کے فوائد | 851/7 |
| 11 | نماز میں خشوع کرنے والوں کی چند مثالیں | 851/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | خشوع وخضوع کی تعریف | 727/11 |
| **13** | **خشیت الٰہی** | |
| 1 | دیکھئے "25: خوف خدا" صفحہ 122 | |
| **14** | **خصائص مصطفیٰ ﷺ** | |
| 1 | وہ چیزیں جو فقط آپ ﷺ پر فرض ہیں امت پر نہیں | 517/9 |
| 2 | وہ اشیاء جو صرف آپ ﷺ پر حرام ہیں امت پر نہیں | 518/9 |
| 3 | وہ اشیاء جو صرف آپ ﷺ کے لیے حلال ہیں امت کے لیے نہیں | 519/9 |
| 4 | انبیاء سابقین کے اعتبار سے آپ ﷺ کے خصائص | 519/9 |
| **15** | **حضرت خضر علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت خضر علیہ السلام کا نام، لقب اور کنیت | 149/7 |
| 2 | حضرت خضر علیہ السلام کو خضر کہنے کی وجہ | 160/7 |
| 3 | حضرت خضر علیہ السلام کا نبی ہونا | 161/7 |
| 4 | حضرت خضر علیہ السلام فرشتہ تھے یا انسان؟ | 163/7 |
| 5 | حیاتِ حضرت خضر علیہ السلام | 165-171/7 |
| 6 | حضرت خضر علیہ السلام کو علم غیب | 172/7 |
| 7 | حضرت خضر علیہ السلام کا کشتی کا تختہ توڑنا | 178/7 |
| 8 | بچہ کو قتل کرنا | 179/7 |
| **16** | **خلیفہ/خلافت** | |
| 1 | خلیفہ کی تعریف واقسام | 334/1 |
| 2 | حضرت آدم علیہ السلام کو خلیفہ بنانے کی وجہ | 336/1 |
| 3 | حضور ﷺ کا حقیقت میں خلیفۂ اعظم ہونا | 358/1 |
| 4 | آیت استخلاف کا خلفائے راشدین رضی اللہ عنہم کے ساتھ مخصوص نہ ہونا | 169-171 / 8 |
| 5 | آیت استخلاف کا خلفائے راشدین رضی اللہ عنہم کے ساتھ مخصوص ہونا | 171-174 / 8 |
| 6 | آیت استخلاف سے حضرت علی رضی اللہ عنہ، بارہ امام یا امام مہدی کا مراد ہونا یا نہ ہونا | 174-179 / 8 |
| 7 | خلافت وامامت کی تعریفات | 665/8 |
| 8 | اس دور میں خلیفہ مقرر کرنا | 666/8 |
| 9 | خلیفہ کا معنی | 76/10 |
| 10 | انسانی معاشرہ میں خلیفہ کی ضرورت | 77/10 |
| 11 | انبیاء علیہم السلام کا عموماً اور سیدنا محمد ﷺ کا خصوصاً خلیفۃ اللہ ہونا | 78/10 |
| 12 | خلیفہ کا خواہش کی اتباع کرنا عذاب شدید کا موجب ہے | 79/10 |
| 13 | خلافت علیٰ منہاج النبوت کی تحقیق | 80/10 |
| 14 | آیت استخلاف کی تحقیق | 80/10 |
| 15 | خلافت کی تعریف | 81/10 |
| 16 | خلافت کی شرائط | 82/10 |
| 17 | خلافت منعقد کرنے کے طریقے | 83/10 |
| 18 | خلیفہ کو منتخب کرنے والوں کے لیے شرائط | 85/10 |
| **17** | **خلفائے راشدین رضی اللہ عنہم** | |
| 1 | خلفائے راشدین کی فضیلت | 765/7 |
| **18** | **خمر ودیگر منشیات** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | خمر کی قرآن میں تحریم | 773/1 |
| 2 | خمر کی حدیث میں تحریم | 775/1 |
| 3 | خمر کی تعریف میں مذاہب ائمہ اربعہ کے نظریات | 776/1 |
| 4 | شراب کی تحریم کے متعلق احادیث | 297/3 |
| 5 | شراب کی حقیقت | 298/3 |
| 6 | شراب کا بعینہٖ حرام ہونا | 299/3 |
| 7 | نشہ آور مشروب کی قلیل وکثیر مقدار | 300/3 |
| 8 | انگریزی دواؤں اور پرفیوم کا شرعی حکم | 300/3 |
| 9 | شراب نوشی پر وعید | 303/3 |
| 10 | خمر کی حد کا بیان | 304/3 |
| 11 | بھنگ اور افیون کا شرعی حکم | 304/3 |
| 12 | سکون آور دواؤں کا استعمال | 305/3 |
| 13 | شراب کے دینی ودنیوی نقصانات | 308/3 |
| 14 | تحریم خمر کی تاریخ | 313/3 |
| 15 | سکر کا معنی | 486/6 |
| 16 | سکر کی تفسیر میں مفسرین کی تصریحات | 487/6 |
| 17 | خمر کی تعریف اور اس کا حکم | 488/6 |
| 18 | خمر کا بعینہٖ جبکہ بقیہ مشروبات کا بقدر نشہ حرام ہونا | 490/6 |
| 19 | **خمس** | |
| 1 | خمس کی تقسیم میں مذاہب اربعہ کا مؤقف | 639-641/4 |
| 20 | **خنزیر** | |
| 1 | خنزیر کا نجس اور حرام ہونا | 52/3 |
| 21 | **غزوۂ خندق** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کا کفار کو غزوۂ خندق سے بے نیل مرام لوٹانا | 409/9 |
| 22 | **خواہش** | |
| 1 | جھوٹی آرزو | 803/2 |
| 23 | **خودکشی** | |
| 1 | خودکشی کرنا کیسا؟ | 644/2 |
| 2 | خودکشی کرنے والے کے لیے عذاب | 645/2 |
| 3 | خودکشی کرنے والے کا نماز جنازہ | 645/2 |
| 24 | **خون** | |
| 1 | خون کے شرعی احکام | 52/3 |
| 25 | **خوفِ خدا** | |
| 1 | خشیتِ الٰہی کا ذکر | 313/3 |
| 2 | خوف خدا سے مرنے والے کے لیے دو جنتیں | 510/4 |
| 3 | خوف خدا کے متعلق قرآنی آیات | 547/4 |
| 4 | خوف خدا کے متعلق احادیث وآثار | 548/4 |
| 5 | خلفائے راشدین کا خوفِ خدا | 427-432/5 |
| 6 | امام اعظم کا خوفِ خدا | 432/5 |
| 7 | ہم اللہ سے کیوں نہیں ڈرتے؟ | 462/6 |
| 8 | غیب میں ڈرنے کا معنی | 598/7 |
| 9 | رسولوں کا اللہ سے ڈرنا یا نہ ڈرنا | 575/8 |
| 10 | خلفائے راشدین رضی اللہ عنہم کا اللہ سے ڈرنا | 577-580/8 |
| 11 | عالم کا اللہ تعالیٰ سے ڈرنا | 674/9 |
| 12 | خوفِ خدا کی اقسام | 675/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 13 | خوف خدا رکھنے والوں کے لیے قرآن میں بشارتیں | 675/9 |
| 14 | خوف خدا رکھنے والوں کے لیے احادیث میں بشارتیں | 676/9 |
| 15 | بقدر طاقت اللہ سے ڈرنے کا حکم | 920/11 |
| 16 | اللہ سے نہ ڈرنے والوں کے لیے لمحہ فکریہ | 630/11 |
| 17 | خوف خدا سے مرنے والے نوجوان کو دو جنتیں | 630/11 |
| 18 | عام مسلمانوں کی خدا خوفی کی دلیل | 921/12 |
| 19 | اللہ تعالیٰ کے خوف سے رونے کی فضیلت | 921/12 |
| 20 | اللہ تعالیٰ کے خوف کی دو تفسیریں | 922/12 |
| 21 | اللہ سے ڈرنے کے فوائد | 81/12 |
| 22 | اللہ سے ڈرنے والے کا مصداق | 697/12 |
| 23 | خوف خدا کی وجہ سے گناہ ترک کرنا | 563/12 |
| 24 | نیک اعمال نہ کرنے اور برے اعمال سے نہ بچنے پر عذاب کا خوف | 234/12 |
| 25 | نیک اعمال کرنے اور برے اعمال سے بچنے کے باوجود اللہ کے عذاب کا خوف | 235/12 |
| 26 | خشیتِ الٰہی کا ذکر | 313/3 |
| **26** | **خواب** | |
| 1 | خواب کی تعریف | 667/5 |
| 2 | خواب کی اقسام | 667/5 |
| 3 | اچھے اور برے خوابوں کا شرعی حکم | 670/5 |
| 4 | رسول اللہ ﷺ کی خواب میں زیارت | 670/5 |
| 5 | چند خوابوں کی تعبیروں کے متعلق احادیث | 672/5 |
| 6 | خواب کی تعبیر بتانے کی اہلیت | 675/5 |
| 7 | حضرت یوسف علیہ السلام کو بھائیوں سے خواب کا ذکر کرنے سے منع کیا جانے کا سبب | 675/5 |
| 8 | کفار اور فساق کے خواب سچے ہونے کی توجیہ | 676/5 |
| 9 | خواب صرف ہمدرد اور خیر خواہ کے سامنے بیان کیا جائے | 676/5 |
| 10 | عمداً خواب کی غلط تعبیر بیان کرنا | 677/5 |
| 11 | سچے خوابوں کی بشارت ہونے کی تفصیل | 678/5 |
| 12 | خواب کا پہلی تعبیر پر واقع ہونا ضروری نہیں | 781/5 |
| 13 | خواب کی تعریف اور اقسام | 878/12 |
| **27** | **خیانت** | |
| 1 | مال غنیمت میں خیانت کرنا | 441/2 |
| 2 | اموال مسلمین میں خیانت کرنا | 442/2 |
| 3 | اللہ اور اس کے رسول ﷺ کی امانت میں خیانت کے محامل | 612/4<br>706/4 |
| 4 | اللہ اور اس کے رسول ﷺ سے خیانت کی ممانعت | 610/4 |
| 5 | خیانت کے متعلق آیات قرآنیہ | 613/4 |
| 6 | خیات کے متعلق احادیث طیبہ | 613/4 |
| 7 | خیانت کی ممانعت | 699/9 |
| **28** | **خیال** | |
| 1 | تخیل کی تعریف | 151/8 |
| **29** | **غزوۂ خیبر** | |
| 1 | منافقین کا غزوۂ خیبر میں شرکت کیلئے اصرار کرنا | 243/11 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| | **د** | |
| **1** | **دارالحرب** | |
| 1 | دارالحرب کی تعریف | 772/1<br>990/1<br>210/2 |
| **2** | **دارالسلام** | |
| 1 | دارالسلام کی تعریف | 772/1<br>990/1 |
| 2 | جنت کو دارالسلام فرمانے کی وجوہ | 649/3 |
| **3** | **دارالکفر** | |
| 1 | دارالکفر کی تعریف | 772/1<br>990/1<br>210/2 |
| 2 | دارالکفر میں' کفار کا مال کھانا کیسا؟ | 213/2 |
| **4** | **داڑھی** | |
| 1 | داڑھی میں قبضہ کی بحث | 510/1 |
| 2 | داڑھی کی مقدار | 45/3 |
| **5** | **حضرت داؤد علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت داؤد علیہ السلام کا خصوصیت کے ساتھ ذکر | 744/6 |
| 2 | حضرت داؤد علیہ السلام کا نام ونسب | 619/7 |
| 3 | حضرت داؤد علیہ السلام کی فضیلت میں احادیث | 619/7 |
| 4 | حضرت داؤد علیہ السلام کی وفات | 620/7 |
| 5 | حضرت داؤد علیہ السلام کے ساتھ پہاڑوں کی تسبیح | 637/7 |
| 6 | حضرت داؤد علیہ السلام کا قصہ | 590/8<br>52/10 |
| 7 | حضرت داؤد علیہ السلام کا نام ونسب اور ان کا جالوت کو قتل کرنا | 590/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 8 | حضرت داؤد علیہ السلام کی بعثت اور ان کی سیرت | 591/8 |
| 9 | حضرت داؤد علیہ السلام کی دعاؤں کے متعلق احادیث | 592/8 |
| 10 | حضرت داؤد علیہ السلام کے شکر کی ادائیگی کا طریقہ | 593/8 |
| 11 | حضرت داؤد علیہ السلام کی خوش آوازی | 594/8 |
| 12 | حضرت داؤد علیہ السلام کی دعائیں | 594/8 |
| 13 | حضرت داؤد علیہ السلام کی عمر | 595/8 |
| 14 | حضرت داؤد علیہ السلام کی وفات | 597/8 |
| 15 | حضرت داؤد علیہ السلام کا اللہ کی نعمتوں کا شکر ادا کرنا | 619/8 |
| 16 | حضرت داؤد علیہ السلام کو عظیم علم دیا جانا | 611/8 |
| 17 | حضرت داؤد علیہ السلام کے خصوصی فضائل | 605/9 |
| 18 | حضرت داؤد علیہ السلام کا آہن گر ہونا | 607/9 |
| 19 | زرہ بنانے میں مناسب مقدار کے محامل | 609/9 |
| 20 | آل داؤد کو شکر کرنے کا حکم | 613/9 |
| 21 | حضرت داؤد علیہ السلام کی فضیلت کی دس وجوہ | 53/10 |
| 22 | حضرت داؤد علیہ السلام کی تسبیح کے ساتھ پہاڑوں اور پرندوں کا تسبیح کرنا | 58/10 |
| 23 | حضرت داؤد علیہ السلام کی ہیبت | 59/10 |
| 24 | حضرت داؤد علیہ السلام کا محافظ ان کا لشکر تھا | 59/10 |
| 25 | حضرت داؤد علیہ السلام کے حجرہ کی دیوار پھاند کر آنے والے انسان تھے یا فرشتے؟ | 63/10 |
| 26 | آنے والوں کے فرشتے ہونے پر دلائل | 64-66/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 27 | آنے والوں کے انسان ہونے پر دلائل | 64-66/10 |
| 28 | حضرت داؤد علیہ السلام نے صرف ایک فریق کے بیان پر کیوں فیصلہ کیا؟ | 66/10 |
| 29 | حضرت داؤد علیہ السلام کے استغفار کی توجیہات | 67/10<br>74/10 |
| 30 | حضرت داؤد علیہ السلام کا اللہ کے حضور توبہ کرنا | 70/10 |
| 31 | حضرت داؤد علیہ السلام کی عصمت پر استدلال | 76/10 |
| 6 | **سورۃ الدخان** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 737/10 |
| 2 | سورۃ الدخان کی فضیلت میں احادیث | 737/10 |
| 3 | سورۃ الدخان کے مقاصد و مسائل | 738/10 |
| 4 | سورۃ الدخان کا اختتام | 783/10 |
| 7 | **درود شریف** | |
| 1 | دیکھئے "19: صلوٰۃ (درود وسلام)" صفحہ 163 | |
| 8 | **درایت** | |
| 1 | درایت کا معنی | 51/11 |
| 2 | درایت تفصیلی کی نفی | 52/11 |
| 9 | **درگور کرنا** | |
| 1 | زمانۂ جاہلیت میں بیٹیوں کو زندہ درگور کرنا | 591/12 |
| 2 | زندہ درگور کرنے کا سبب | 591/12 |
| 3 | زندہ درگور کرنے کی ممانعت میں احادیث | 591/12 |
| 10 | **دشمن** | |
| 1 | دشمن سے صلح کرنے کا حکم | 684/4 |
| 2 | دشمن کی نیت فاسد ہونے کے باوجود صلح کا جواز | 686/4 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | **دعوت دین** | |
| 1 | قرآن و سنت سے انبیاء اور مرسلین کی دعوت کا ثبوت | 492/10 |
| 2 | قرآن و سنت سے علماء دین کی دعوت کا ثبوت | 492/10 |
| 3 | قرآن و سنت سے امراء اور حکام کی دعوت کا ثبوت | 494/10 |
| 4 | قرآن و سنت سے مؤذنین کی دعوت کا ثبوت | 495/10 |
| 5 | قرآن و سنت سے عام مؤمنین کی دعوت کا ثبوت | 502/10 |
| 6 | علماء دین کی اقسام | 493/10 |
| 7 | دعوت الی اللہ دینے والوں کی احادیث میں مثالیں | 115/11 |
| 12 | **دعا** | |
| 1 | "اھدنا" میں جمع کے صیغہ سے دعا کرنے کی وجہ | 212/1 |
| 2 | اللہ سے دعا کرنے کے متعلق احادیث | 691/1 |
| 3 | ہاتھ اٹھا کر دعا کرنے کے متعلق احادیث | 692/1 |
| 4 | فرض نمازوں کے بعد دعا کرنا | 693/1 |
| 5 | طلب جنت کی دعا کرنا | 698/1 |
| 6 | قبولیت دعا کی شرائط و آداب | 699/1<br>397/10 |
| 7 | دعا قبول نہ ہونے کی وجوہات | 701/1<br>397/10 |
| 8 | دل کو دین پر ثابت رکھنے کی دعا | 67/2 |
| 9. | دعا قبول ہونے کے باوجود دعا کرنا | 525/2 |
| 10 | دعا قبول ہونے کا طریقہ | 526/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | مانعین دعا کے دلائل اور ان کے جوابات | 169/4 |
| 12 | دعا قبول نہ ہونے کے فوائد | 170/4 |
| 13 | دعا کی ترغیب وفضیلت | 17/4<br>395/10 |
| 14 | آہستہ دعا کرنے کے فوائد | 173/4 |
| 15 | خارج از نماز دعا کے وقت دونوں ہاتھ اٹھانا | 174-183/4 |
| 16 | دعا میں حد سے بڑھنا | 186/4 |
| 17 | دعا سے مصیبت ٹلنے کے بعد خدا کو فراموش کر دینا | 246/4 |
| 18 | اللہ تعالیٰ کے راستے سے گمراہ کرنے کی دعا کرنا | 460/5 |
| 19 | دعا کی قبولیت میں جلدی کی امید رکھنا جہالت ہے | 461/5 |
| 20 | دعا میں سوال سے پہلے اللہ تعالیٰ کی حمد وثنا کرنا | 867/5 |
| 21 | موت کی دعا کرنا | 868/5 |
| 22 | دعا کا طریقہ اور اس کی فضیلت میں احادیث | 209/6 |
| 23 | نبی معصوم کی دعا مغفرت کے محامل | 211/6 |
| 24 | نماز میں دعا مانگنے کے آداب | 215/6 |
| 25 | دعاء حرام | 216/6 |
| 26 | کیا تمام مسلمانوں کی مغفرت کی دعا کرنا کی خلف وعید کو مستلزم ہے؟ | 216/6 |
| 27 | دعا کے آداب | 252/7 |
| 28 | انبیاء اور اولیاء کی دعاؤں کی قبولیت | 448/7 |
| 29 | مال اور اولاد میں کثرت کی دعا کرنا | 275/8 |
| 30 | امام بننے کی دعا کرنا | 278/8 |
| 31 | بعد والوں کی بناء کے حصول کی دعا کرنا | 350/8 |
| 32 | وضو کے بعد حضرت ابراہیم علیہ السلام کی دعا کو پڑھنے کا ثواب | 354/8 |
| 33 | قیامت کے دن پردہ رکھنے کی دعا کی تلقین | 355/8 |
| 34 | دوزخ سے پناہ مانگنے اور جنت کے حصول کی دعا کرنا | 555/8 |
| 35 | مضطر اور مصیبت زدہ کی دعا کا قبول ہونا | 717/8 |
| 36 | مظلوم، مسافر اور والد کی دعا جلد قبول ہوتی ہے | 718/8 |
| 37 | تحیت کا معنی اور اس کے مواقع | 502/9 |
| 38 | دعاؤں کے قبول ہونے کی شرائط | 896/9 |
| 39 | دعا میں اخروی مطالب کو دنیاوی مطالب پر مقدم رکھنا | 106/10 |
| 40 | راحت ومصیبت، ہر حال میں اللہ سے دعا کرنا | 182/10 |
| 41 | آخرت میں کفار کی دعاؤں کو قبول نہ فرمانا | 378/10 |
| 42 | دعا کے اوقات کے متعلق علماء اور فقہاء کے اقوال | 401-406<br>10 |
| 43 | قرآن وذکر میں مشغول ہونا افضل ہے یا دعا کرنا؟ | 410/10 |
| 44 | مسلمانوں کی بعض دعائیں قبول نہ فرمانے کی حکمتیں | 592/10 |
| 45 | سفر پر روانہ ہوتے وقت سواری پر بیٹھنے کے بعد کی دعا | 660/10 |
| 46 | سفر سے واپسی کی دعا | 661/10 |
| 47 | دعا کے قبول نہ ہونے سے اکتانا نہیں چاہیے | 751/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 48 | تنہائی رات کے مستجاب وقت میں دعا قبول نہ ہونے کی وجوہ | 368/11 |
| 49 | اللھم اغفر لقومی فانھم لایعلمون یہ دعا حضور علیہ السلام کے علاوہ کسی اور نبی کی ہے | 856/12 |
| 13 | دل | |
| 1 | قرآن و حدیث میں دل کی طرف عقل و ادراک کی نسبت | 421/4<br>769/7 |
| 2 | قلب سلیم کی تعریف اور اس کی علامت و مصداق | 358/8 |
| 3 | کسی شخص کے اندر دو دل نہ بنانے کے متعدد محامل | 370/9 |
| 4 | قلب کے مصداق کے متعلق قدیم وجدید آراء | 371/9 |
| 5 | قلب سلیم کا معنی | 898/9 |
| 6 | دل کی سختی کے اسباب | 218/10 |
| 7 | دل کی چھپی ہوئی باتیں | 339/10 |
| 8 | دل پر زنگ لگنا | 627/12 |
| 9 | ظاہری اعضاء کے مقابلہ میں دل کے افعال کا معیار ہونا | 947/12 |
| 14 | دماغ | |
| 1 | دماغ کا محل عقل ہے | 421/4<br>768/7 |
| 15 | دَم درود | |
| 1 | دیکھئے "48: علاج" صفحہ 183 | |
| 16 | دنیا | |
| 1 | دنیا میں راحت و مصیبت کا آنا | 176/1 |
| 2 | دنیا و آخرت کی بربادی | 749/1 |
| 3 | دنیا کی تزئین و آرائش | 76/2 |
| 4 | دنیا کی رنگینیوں اور دلفریبیوں سے بے رغبتی پیدا کرنا | 504/2 |
| 5 | دین و دنیا میں توازن | 77/2 |
| 6 | اعتدال کے ساتھ عورتوں کی طرف رغبت | 79/2 |
| 7 | اعتدال کے ساتھ بیٹیوں کی طرف رغبت | 80/2 |
| 8 | اعتدال کے ساتھ مال کی طرف رغبت | 81/2 |
| 9 | اعتدال کے ساتھ گھوڑوں اور مویشیوں کی طرف رغبت | 82/2 |
| 10 | اعتدال کے ساتھ کھیتی باڑی کی طرف رغبت | 83/2 |
| 11 | دنیا کا بے وقعت ہونا | 436/3 |
| 12 | دنیا کی محبت قطعاً مذموم نہیں ہے | 440/3 |
| 13 | دنیا کے بے وقعت ہونے کے متعلق احادیث | 436/3 |
| 14 | قیام دنیا کو کم سمجھنے کی وجوہات | 371/5 |
| 15 | دنیاوی لذتوں کا بے مایہ ہونا | 134/6 |
| 16 | دنیا میں مشغولیت اور لمبی امیدوں کی مذمت | 239/6 |
| 17 | متاع دنیا کی طرف دیکھنے کی ممانعت کو رسول اللہ ﷺ کی طرف راجع ہونا | 317/6 |
| 18 | دنیاوی عیش کے سامان کو ترک کرنا | 320/6 |
| 19 | اسلام میں دین و دنیا کا امتزاج | 321/6 |
| 20 | صرف دنیا کے طلب گار کا انجام | 676/6 |
| 21 | دنیا سے رغبت کو کم کرنا | 44/7 |
| 22 | دنیا کی زینت اور اس سے دامن بچانا | 45/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 23 | دنیا کی پانی کے ساتھ تشبیہ | 112/7 |
| 24 | دنیاوی فراخ دستی اور تنگدستی حق و باطل کا معیار نہیں | 310/7 |
| 25 | دنیا میں ریشم اور سونا چاندی پہننے اور شراب پینے والے کا شرعی حکم | 728/7 |
| 26 | موت کے وقت دنیا میں دوبارہ لوٹنے کی تمنا | 905/7 |
| 27 | موت کے وقت مرتبہ کا علم | 906/7 |
| 28 | دنیا کا معنی اور اس کا خسیس وگھٹیا ہونا | 114/9 |
| 29 | دنیاوی زندگی کو کھیل تماشہ فرمانے کی وجہ | 115/9 |
| 30 | دنیادار اور دین دار لوگوں کی سوچ وفکر کا فرق | 135/9 |
| 31 | جن چھ دنوں میں دنیا بنی | 308/9 |
| 32 | مومن اور فاسق کا دنیا میں مساوی نہ ہونا | 338/9 |
| 33 | دنیاوی لذتوں میں غلو نہ کرنے کی تلقین | 422/9 |
| 34 | دوزخ میں کفار کے عذاب کی کیفیت | 571/9 |
| 35 | دنیا سے بے رغبتی کے متعلق احادیث | 579/10 |
| 36 | دنیاوی مال ومتاع کا مذموم ہونا | 673/10 |
| 37 | دنیا کی زیب وزینت کفار کے لیے ہے | 681/10 |
| 38 | اللہ تعالیٰ کے نزدیک دنیا کا حقیر ہونا | 681/10 |
| 39 | دنیاوی تعلق کا ناپائیدار ہونا | 718/10 |
| 40 | دنیا میں اچھی اور مقدس اشیاء کے باوجود دنیاوی زندگی کو صرف دھوکے کا سامان کہنا | 732/11 |
| 41 | دنیا میں فقر اور تونگری حق و باطل کا معیار نہیں | 589/11 |
| 42 | دنیا کی نعمتیں ملنے کو عزت وکرامت سمجھنا | 733/12 |
| 43 | دنیاوی عیش وعشرت کی مذمت کی وجہ | 734/12 |
| 44 | دنیاوی مال کے حصول پر اترانا کیسا؟ | 735/12 |
| 45 | دنیا میں کفار کا مومنوں پر ہنسنا اور مذاق اڑانا | 631/12 |
| 46 | دنیا کی زندگی کو ترجیح دینا | 561/12 |
| 47 | دنیا کی جلد ملنے والی نعمتوں کی محبت | 458/12 |
| 48 | حب دنیا کی آفات | 228/12 |
| **17** | **دن** | |
| 1 | دن کو رات اور رات کو دن میں داخل کرنا | 791/7 |
| 2 | دن میں رات کو اور رات کو دن میں داخل کرنے کا معنی | 278/9 |
| 3 | جن چھ دنوں میں دنیا بنائی گئی | 308/9 |
| 4 | منگل کے دن کو منحوس سمجھنا | 308/9 |
| 5 | پچاس ہزار سال کے دن اور ایک ہزار سال کے دن میں تطبیق (یوم قیامت کے متعلق) | 311/9 |
| 6 | ایک ہزار سال میں اللہ کی طرف کاموں کے چڑھنے کے محامل | 310/9 |
| 7 | معین دنوں کا منحوس یا مبارک ہونا | 586/11 |
| 8 | دن کن چیزوں کو ظاہر کرتا ہے؟ | 765/12 |
| 9 | دن کی سلطنت کا سورج اور چاند سے زیادہ ہونا | 765/12 |
| 10 | دن کے وقت میں مصروفیات کی وجہ | 345/12 |
| **18** | **دودھ** | |
| 1 | دودھ پلانے کے شرعی احکام | 844/1 |
| 2 | دودھ پلانے کی مدت | 844/1 |
| 3 | گوبر اور خون کے درمیان دودھ کو پیدا کرنا | 480/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | نر حیوانوں میں دودھ | 480/6 |
| 5 | اوجھڑی میں دودھ | 481/6 |
| 6 | دودھ کی خلقت میں اسرار و دقائق | 481/6 |
| 7. | دودھ کی خلقت میں حشر ونشر کا امکان | 483/6 |
| 8 | دودھ کے متعلق احادیث | 484/6 |
| 9 | دودھ کا کیمیائی تجزیہ | 485/6 |
| 10 | دودھ کے غذائی اور طبی فوائد | 862/7 |
| 11 | دودھ پلانے کی انتہائی مدت | 80-83/11 |
| 12 | دودھ پلانے کی اجرت لینے کا جواز | 86/12 |
| **19** | **دوزخ** | |
| 1 | دوزخ میں جلنے والے پتھروں کا بیان | 316/1 |
| 2 | دوزخ سے پناہ مانگنا | 500/2 |
| 3 | دوزخ سے نجات طلب کرنا | 414-418/2 |
| 4 | دوزخ کے طبقات | 837/2 |
| 5 | جہنم کے خلود سے استثناء | 640/3 |
| 6 | کیا تمام اہل بدعت اور گمراہ فرقے دوزخی ہیں | 81/4 |
| 7 | دوزخ میں کفار کے احوال | 135/4 |
| 8 | بہت سے انسانوں اور جنوں کو دوزخ کیلئے پیدا کرنا | 419/4 |
| 9 | دوزخ کی گرمی | 215/5 |
| 10 | جہنم کو جنوں اور انسانوں سے بھرنا | 653/5 |
| 11 | دوزخ کے پانی کی کیفیت | 166/6 |
| 12 | دوزخیوں کے عذاب کی کیفیت اور ان پر موت کا نہ آنا | 167/6 |
| 13 | دوزخ کے دروازے اور ان میں عذاب یافتگان | 291/6 |
| 14 | دوزخ کے متعلق آیات و احادیث | 102/7 |
| 15 | کیا دوزخ میں دخول کفار کے ساتھ خاص ہے؟ | 207/7 |
| 16 | دوزخ میں دخول پل صراط سے گزرنا ہے | 308/7 |
| 17 | مسلمانوں کے دخول نار سے مراد | 309/7 |
| 18 | دوزخ میں داخل ہونے اور دور رکھے جانے کا تعارض | 669/7 |
| 19 | برزخ کا معنی | 907/7 |
| 20 | دوزخ میں کفار کی چھ دعائیں | 918/7 |
| 21 | دوزخ کی آنکھ، کان اور زبان کے متعلق احادیث | 220/8 |
| 22 | آیا دوزخ میں کوئی اچھائی ہے؟ | 221/8 |
| 23 | کفار کا جہنم میں جھونکا جانا | 221/8 |
| 24 | دوزخ کی صفات | 360/8 |
| 25 | دوزخ کس جگہ واقع ہے؟ | 361/8 |
| 26 | مشرکین اور ان کے باطل معبودوں کی دوزخ میں حالت زار | 362/8 |
| 27 | دوزخ میں مشرکین اور بتوں کا ایک دوسرے کو طعن کرنا | 363/8 |
| 28 | زمین پر دوزخ کا وجود | 104/9 |
| 29 | جنات اور انسانوں سے دوزخ کو بھرنے کے متعلق احادیث | 330/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 30 | دوزخ میں اللہ تعالیٰ کے قدم رکھنے کی توجیہ | 330/9<br>328/11 |
| 31 | دوزخ میں کافروں کا مباحثہ | 377/10 |
| 32 | دوزخ میں کفار کے عذاب کا لزوم | 470/10 |
| 33 | دوزخ کے نگران "مالک" سے اہل دوزخ کا کلام | 728/10 |
| 34 | دوزخ کو بھرنے کے لیے ایک مخلوق کو پیدا کرنا | 329-335<br>11 |
| 35 | کون کون دوزخ کو دیکھیں گے؟ | 963/12 |
| 36 | دوزخ کی آگ کی شدت | 977/12 |
| 37 | کفار کو دوزخ کا عذاب دینے کی توجیہ | 147/12 |
| 38 | دوزخ میں چنگھاڑ کی تفسیر میں تین اقوال | 147/12 |
| 39 | دوزخ کے غیض و غضب میں آنے کی توجیہ | 148/12 |
| 40 | دوزخ کو لانے والے | 738/12 |
| 41 | دوزخ کا عذاب | 613/12 |
| 42 | کیا سورج اور چاند کو دوزخ میں ڈالا جائے گا؟ | 587/12 |
| 43 | دوزخ کا مصداق کس جگہ پر ہے؟ | 589/12 |
| 44 | دوزخ کی صفات کے متعلق احادیث | 563/12<br>377/12 |
| 45 | دوزخ کے فرشتوں کی تعداد | 378-383<br>12 |
| 46 | فرشتوں کو دوزخ کا محافظ بنانے کی حکمتیں | 378/12 |
| 47 | دوزخ کی صفات کا تذکرہ | 386/12 |
| 48 | دوزخ کے محافظ فرشتوں کی صفات | 125/12 |
| 49 | دوزخ کے بلانے کی توجیہات | 228/12 |
| **20** | **دوست** | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | صدیق کی تعریف | 719/2 |
| 2 | بدمذہبوں سے دوستی رکھنا | 709/7 |
| 3 | کیسے شخص کو دوست بنایا جائے؟ | 236/8 |
| 4 | قیامت کے دن فقط مومنوں کی دوستی کا کام آنا | 365/8 |
| **21** | **دھمکی دینا** | |
| 1 | دھمکی دینے کی تعریف اور اس کے مسائل | 582/6 |
| **22** | **دھواں** | |
| 1 | دوزخ کے دھوئیں کی تین شاخوں کے محامل | 481/12 |
| 2 | دھوئیں کے سائے کی صفات | 482/12 |
| **23** | **دھریہ** | |
| 1 | دھریوں کا رد اور ابطال | 782/9 |
| 2 | دہر کا لغوی و عرفی معنی | 815/10 |
| 3 | دہر کے متعلق احادیث | 815/10 |
| 4 | دہریے بلا دلیل اللہ سبحانہ و تعالیٰ کا انکار کرتے ہیں | 816/10 |
| **24** | **دھمال** | |
| 1 | ہمارے زمانہ کے بناوٹی صوفیاء کا دھمال کرنا | 387/8 |
| **25** | **سورۃ الدھر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 425/12 |
| 2 | سورۃ الدھر اور سورۃ القیامہ کی باہمی مناسبت | 425/12 |
| 3 | سورۃ الدھر کا مکی یا مدنی ہونا | 425/12 |
| 4 | سورۃ الدھر کے مشمولات | 426/12 |
| 5 | سورۃ الدھر کا اختتام | 469/12 |
| **26** | **دھوکا دینا** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | دیکھئے "23: فریب" صفحہ 195 | |
| 27 | دین | |
| 1 | دین کا لغوی و شرعی معنی | 176/1 |
| 2 | دین میں تفرقہ ڈالنے کی مذمت | 528/3 |
| 3 | دین کا معنی | 760/5 |
| 4 | دین اور شریعت کا فرق | 660/7 |
| 5 | دین میں فرقے بنانے کی ممانعت | 661/7 |
| 6 | ادیان مختلفہ اور ان کا شرعی حکم | 720/7 |
| 7 | دین میں تنگی نہیں | 806/7 |
| 8 | دین آسان ہے سو مشکل احکام نہ بتائے جائیں | 808/7 |
| 9 | سچے دین کو لانے اور اس کی تصدیق کرنے والے | 253/10 |
| 10 | تمام انبیاء کا دین واحد اور شریعتوں کا متعدد ہونا | 561/10 |
| 11 | دین کا لغوی و اصطلاحی معنی | 562/10 |
| 12 | انبیاء کے بعد دین میں تفرقہ ڈالنے والے کون؟ | 566/10 |
| 13 | اللہ تعالیٰ کے دین کی مدد کے طریقے | 139/11 |
| 14 | دین اسلام کے غلبہ کے محامل | 267/11 |
| 15 | دین کی سلامتی جسم کی سلامتی سے زیادہ اہم ہے | 1055/12 |
| 16 | رسول اللہ ﷺ اور تمام امت کے لیے دین کا آسان ہونا | 694/12 |
| 28 | دیت | |
| 1 | دیت کا معنی | 756/2 |
| 2 | قتل خطاء، قتل شبہ عمد اور قتل عمد کی دیت | 756/2 |
| 3 | دیت کی ادائیگی کی مدت | 757/2 |
| 4 | عورت کی نصف دیت کی تحقیق | 758/2 |
| 5 | ورثاء مقتول میں دیت کو تقسیم کرنا | 759/2 |
| 6 | دار الحرب میں کسی مسلمان کو غلطی سے قتل کرنے پر دیت | 759/2 |
| 7 | ذمی کافر کی دیت | 759-761/2 |
| 29 | دیدار الٰہی | |
| 1 | دیکھئے "30: رؤیت باری تعالیٰ" صفحہ 138 | |
| 30 | دیہاتی | |
| 1 | العرب اور الاعراب کا معنی | 232/5 |
| 2 | الاعراب سے مراد مدینہ کے گرد رہنے والے دیہاتی ہیں | 234/5 |
| 3 | اعراب کی سنگ دلی اور شقاوت | 234/5 |

## ڈ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | ڈاکو / ڈاکہ | |
| 1 | دیکھئے "18: حرابہ" صفحہ 113 | |
| 2 | ڈکار | |
| 1 | ڈکار کا نعمت اور بیماری ہونا | 651/9 |

## ذ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | سورۃ الذّٰریات | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 355/11 |
| 2 | سورۂ ق اور سورۃ الذّٰریات کی باہمی مناسبت | 355/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | سورۃ الذّریات کے مشمولات | 355/11 |
| 4 | سورۃ الذّریات کا اختتام | 404/11 |
| 2 | ذبیحہ | |
| 1 | جس ذبیحہ پر اللہ تعالیٰ کا نام نہ لیا گیا ہو اس کے متعلق مذاہب فقہاء | 641/3 |
| 3 | ذخیرہ اندوزی کرنا | |
| 1 | ضرورت کے لیے ذخیرہ اندوزی کرنے کا جواز | 781/5 |
| 2 | ضرورت کے بغیر ذخیرہ اندوزی کرنے کی ممانعت | 109/9 |
| 4 | ذکرِ الٰہی | |
| 1 | ذکر بالجہر کی تحقیق | 502/1<br>745/1 |
| 2 | ذکر کی اقسام اور اس کے متعلقہ اقوال | 592/1 |
| 3 | ذکر سے متعلق احادیث کریمہ | 517/2 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کا ذکر کم کرنا | 835/2 |
| 5 | ذکر خفی کی فضیلت | 520/4 |
| 6 | معتدل آواز کے ساتھ ذکر بالجہر | 521/4 |
| 7 | ذکر کے لیے اوقات کی تخصیص | 521/4 |
| 8 | دوران قتال ذکر کے متعلق احادیث | 647/4 |
| 9 | دوران قتال ذکر کے متعلق علماء کے اقوال | 648/4 |
| 10 | اللہ کے ذکر سے دلوں کے مطمئن ہونے اور خوفزدہ ہونے کے درمیان تطبیق | 95/6 |
| 11 | مطمئن دلوں کے مصداق | 96/6 |
| 12 | ذکر خفی کی فضیلت | 250/7 |
| 13 | ذکر میں سستی | 375/7 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 14 | قرآن پر ذکر کا اطلاق | 431/7 |
| 15 | کن لوگوں کو خرید و فروخت اللہ تعالیٰ کے ذکر سے غافل نہیں کرتی | 144/8 |
| 16 | ذکر اللہ کی فضیلت میں احادیث | 93/9 |
| 17 | اللہ تعالیٰ کے ذکر کو فانی اور باقی قرار دینا | 277/9 |
| 18 | کلمات اللہ کا غیر متناہی ہونا | 277/9 |
| 19 | اللہ تعالیٰ کے ذکر میں ضروری امور | 400/9 |
| 20 | بہ کثرت اللہ کا ذکر کرنے کے متعلق احادیث | 451/9 |
| 21 | امت محمدی کو ذکر کا حکم دینے کی توجیہ | 498/9 |
| 22 | ذکر کرنے والوں کی اقسام، مراتب اور درجات | 500/9 |
| 23 | بعض اذکار و اوراد | 501/9 |
| 24 | اذکار ماثورہ پڑھنے کا ثواب | 343/11 |
| 25 | اللہ کے ذکر سے اعراض کرنے کا معنی | 288/12 |
| 26 | اللہ کے ذکر سے اعراض کا دنیا میں تنگی کا سبب ہونا | 289/12 |
| 5 | ذوی القربیٰ | |
| 1 | رشتہ داروں کے ساتھ حسن سلوک | 443/1 |
| 2 | رشتہ داروں پر مال خرچ کرنے کی فضیلت | 649/1 |
| 3 | رشتہ داروں سے تعلق توڑنا اور جوڑنا | 545/2 |
| 6 | ذوی الارحام | |
| 1 | دیکھئے ”13: وراثت“ صفحہ 278 | |
| 7 | ذوالقرنین | |
| 1 | ذوالقرنین کا مصداق اور اس کی وجہ تسمیہ | 201/7 |
| 2 | تورات میں ذوالقرنین کی طرف اشارے | 202/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | ذوالقرنین کا تصرف اور اس کا اقتدار | 203/7 |
| 4 | ذوالقرنین کے تین سفر | 203-206/7 |
| 5 | ذوالقرنین کی تحقیق | 212/7 |
| 8 | حضرت ذوالکفل علیہ السلام | |
| 1 | حضرت ذوالکفل علیہ السلام کو نبی بنانے کا واقعہ | 654/7 |
| 2 | حضرت ذوالکفل علیہ السلام کی نبوت میں علماء کا اختلاف | 655/7 |
| 9 | ذوالحجہ | |
| 1 | الفجر سے مراد ذوالحجہ کی صبح اور اس کی فضیلت | 721/12 |
| 2 | ولیال عشر سے مراد ذوالحجہ کے دس دن اور ان کی فضیلت | 722/12 |

ر

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | رات | |
| 1 | رات کو دن اور دن کو رات میں داخل کرنا | 791/7 |
| 2 | رات کو دن میں اور رات میں دن کو داخل کرنے کا معنی | 278/9 |
| 3 | رات کو عبادت، معصیت اور غفلت میں گزارنے والے | 408/10 |
| 4 | رات کی سلطنت کا سورج اور چاند سے زیادہ ہونا | 765/12 |
| 5 | رات کو نماز کے لیے اٹھنے میں مشقت کی وجہ | 344/12 |
| 2 | راحت | |
| 1 | راحت کے وقت مسلمانوں کا طریقہ | 737/11 |
| 3 | راہب/رہبانیت | |
| 1 | رہبانیت کا لغوی و اصطلاحی معنی | 741/11 |
| 2 | مذاہب اربعہ کے مفسرین کا اختراع رہبانیت سے بدعت حسنہ کے جواز پر استدلال | 742-747/11 |
| 3 | رہبانیت کی رعایت نہ کرنے والوں کے مصادیق | 755/11 |
| 4 | راز | |
| 1 | حضرت حفصہ رضی اللہ عنہا کا رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے راز کو افشاء کرنا | 112/12 |
| 5 | رب | |
| 1 | دیکھیے "69: اللہ تعالیٰ" صفحہ 62 | |
| 6 | ربا | |
| 1 | ربا کا معنی | 976/1 |
| 2 | ربا الفضل کی تعریف اور اس کی علت | 977/1 |
| 3 | ربا الفضل کی حرمت کا سبب | 980/1 |
| 4 | بینک کے سود کے مجوزین کے دلائل کے جوابات | 981/1 |
| 5 | افراط زر کی صورت میں اصل زر کو بحال رکھنا | 983/1 |
| 6 | دار الحرب کے سود میں فقہاء کا نظریہ | 984/1 |
| 7 | سود کے ذریعہ حربی کافروں کا پیسہ بٹورنا | 987/1 |
| 8 | دار الحرب، دار الکفر اور دار الاسلام کی تعریفات | 990/1 |
| 9 | قیامت میں سود خور کا انجام | 991/1 |
| 10 | ربا اور بیع کا فرق | 992/1 |
| 11 | ربا کو بتدریج حرام کرنا | 993/1 |
| 12 | ربا کو حرام قرار دینے کی حکمتیں | 994/1 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 13 | سود خور کے لیے دائماً دوزخ | 994/1 |
| 14 | سود کا کم ہونا اور صدقہ کا بڑھنا | 994/1 |
| 15 | سودی کاروبار ترک نہ کرنے والا | 995/1 |
| 16 | سود پر وعید کے متعلق احادیث | 996/1 |
| 17 | سود کے بعد تجارتی قرضوں کا ذکر | 1002/1 |
| 18 | سود مفرد اور سود مرکب | 365/2 |
| 19 | ربا الفضل | 365/2 |
| 20 | ربا الفضل میں علت حرمت | 366/2 |
| 21 | سود میں منہمک رہنے والے کا انجام | 367/2 |
| 22 | کھلم کھلا سود کھانا | 747/6 |
| **7** | **ربانیین** | |
| 1 | ربانیین کا معنی | 224/2 |
| **8** | **رجم** | |
| 1 | رجم کی تحقیق | 62/8 |
| 2 | قرآن سے رجم کا ثبوت | 62/8 |
| 3 | رجم کی منسوخ التلاوۃ آیت | 64/8 |
| 4 | آیت رجم کی بحث | 65/8 |
| 5 | رجم کی احادیث متواترہ | 66/8 |
| **9** | **سورۃ الرحمٰن** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور اس کے متعلق احادیث | 601/11 |
| 2 | سورۃ الرحمٰن کے مشمولات | 602/11 |
| 3 | سورۃ الرحمٰن کا اختتام | 644/11 |
| **10** | **رحمت باری تعالیٰ** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کی رحمت سے مایوسی کا کفر ہونا | 846/5 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کی رحمت و عذاب دونوں کو ملحوظ رکھنا ضروری ہے | 296/6 |
| 3 | اللہ کی رحمت سے مایوسی کی وجوہات | 297/6 |
| 4 | وما ارسلنک الا رحمة للعالمین کی تفسیر | 682-693/7 |
| 5 | رحمت کی متعدد تفاسیر | 652/9 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کی رحمت کا اس کے غضب پر غالب ہونا | 587/11 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کی رحمت میں داخل کرنے کے دو محمل | 261/11 |
| 8 | رحمان ورحیم کا معنی | 149/1 |
| 9 | رحمان کو رحیم پر مقدم کرنے کی وجوہ | 150/1 |
| 10 | رحمٰن ورحیم کی تفسیر میں مفسرین کی فروگذاشت | 172/1 |
| **11** | **رزق** | |
| 1 | رزق کا معنی | 273/1 |
| 2 | حرام کا رزق ہونا یا نہ ہونا | 274/1 |
| 3 | گناہوں کو ترک کرنے سے رزق میں فراخی | 241/3 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کے رزق پہنچانے کی مثالیں | 499/5 |
| 5 | رزق میں وسعت کے متعلق احادیث | 119/6 |
| 6 | رزق میں ایک دوسرے پر فضیلت | 516/6 |
| 7 | رزق میں کمی اور زیادتی | 706/6 |
| 8 | تلاش رزق میں اعتدال | 265/9 |
| 9 | رزق کریمہ کا معنی | 598/9 |
| 10 | رزق کی وسعت | 199/10 |
| 11 | رزق کی اقسام | 561/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | کشادگی رزق کی وجہ سے سرکشی کی وجوہات | 601/10 |
| 13 | آسمان میں مخلوق کے رزق کی تفسیریں | 375/11 |
| 14 | رزق میں وسعت کے متعلق احادیث | 74/12 |
| 12 | **رسالت/رسول** | |
| 1 | منصب رسالت | 731/2 |
| 2 | تبلیغ رسالت | 244/3 |
| 3 | کسی کو جبراً ہدایت یافتہ بنانا | 329/3 |
| 4 | ہر امت کے پاس اس کے رسول آنے کے دو محمل | 372/5 |
| 5 | ایک رسول کی تکذیب تمام رسولوں کی تکذیب ہے | 313/6 |
| 6 | زمین والوں کے لیے فرشتہ کو رسول نہ بنانا | 803/6 |
| 7 | رسول کا لغوی و اصطلاحی معنی | 279/7 |
| 8 | صرف انسانوں اور مردوں کو رسول بنایا جاتا ہے | 523/7 |
| 9 | رسول کا اپنی قوم کی طرف پیغام پہنچانا | 870/7 |
| 10 | رسول کا اپنی قوم کے ایمان سے مایوس ہونا | 871/7 |
| 11 | تمام رسولوں سے بیک وقت خطاب کرنا | 877/7 |
| 12 | حضور ﷺ کی رسالت پر ایک اعتراض کا جواب | 524/7 |
| 13 | آپ ﷺ کی رسالت کا عموم | 212/8 |
| 14 | رسالت کی تمہید | 123/8 |
| 15 | عقیدۂ رسالت کی تعلیم | 65/9 |
| 16 | حضور علیہ السلام کی رسالت کے برحق ہونے پر دلائل | 103/9 |
| 17 | حضور علیہ السلام کی رسالت تمام مخلوق کے لیے ہے | 626/9 |
| 18 | پتھروں، پہاڑوں، درختوں اور جانوروں کا آپ ﷺ کی رسالت کی تصدیق کرنا اور ہر چیز کا آپ ﷺ کی رسالت کو پہچاننا | 627/9 |
| 19 | تبلیغ رسالت کا اجر طلب نہ کرنا | 640/9 |
| 20 | حضور ﷺ کی رسالت کی قسم کھانا | 715/9 |
| 21 | بشریت کا رسالت کے منافی نہ ہونا | 736/9 |
| 22 | رسولوں کے غلبہ سے مراد | 970/9 |
| 23 | قرآن و احادیث سے حضور علیہ السلام کی رسالت کا عموم | 544/10 |
| 24 | تبلیغ رسالت پر قرابت سے محبت کے اجر کے سوال پر اعتراض کا جواب | 582-588/10 |
| 25 | رسولوں کی نفرت کے محامل | 381/10 |
| 26 | رسولوں کی تعداد کی تحقیق | 418/10 |
| 27 | گذشتہ رسولوں سے سوال کرنے کی توجیہات | 688/10 |
| 28 | بعض بندوں کو رسول اور بعض کو گمراہ بنانے کی توجیہ | 811/10 |
| 29 | آپ ﷺ کی رسالت کا عموم | 878/11 |
| 30 | رسولوں کی تعداد کی تحقیق | 702/12 |
| 13 | **رشوت** | |
| 1 | رشوت کا معنی | 707/1 |
| 2 | قرآن و حدیث میں رشوت کا حکم | 707/1 |
| 3 | رشوت کی اقسام | 708/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 4 | رشوت کی تعریف، وعید اور شرعی احکام | 643/2 |
| 5 | رشوت کا معنی واقسام | 194/3 |
| 14 | **رشتہ دار** | |
| 1 | رشتوں کو جوڑنے کی اقسام | 82/6 |
| 2 | رشتوں کو جوڑنے کے متعلق احادیث | 83/6 |
| 3 | رشتہ داروں کے حقوق کی ادائیگی | 557/6 |
| 4 | رشتہ داروں کو صدقہ دینے کی فضیلت | 758/12 |
| 15 | **رضائے الٰہی / رضائے مصطفیٰ ﷺ** | |
| 1 | رضائے الٰہی کی خاطر دنیا ترک کرنا | 750/1 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کی رضا جنت سے افضل ہے | 99/5 |
| 3 | اللہ تعالیٰ کی رضا سب سے بڑی نعمت ہے | 192/5 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کی رضا کا مہاجرین وانصار کی نیکیوں میں اتباع کیے جانے پر موقوف ہونا | 242/5 |
| 5 | اللہ کی رضا کا بہت بڑا درجہ ہے | 561/8 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کا راضی ہونا جنت عطا کرنے سے بڑا انعام ہے | 921/12 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کی رضا اور بندوں کی رضا کے محامل | 922/12 |
| 8 | نبی کریم ﷺ کی رضا کے محامل | 502/7 |
| 9 | رضا اور مشیت میں فرق | 781/9 |
| 16 | **سورۃ الرعد** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 27/6 |
| 2 | الرعد کا معنی | 28/6 |
| 3 | سورۃ الرعد کے مکی یا مدنی ہونے میں اختلاف | 28/6 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 4 | سورۃ الرعد اور سورۂ یوسف میں باہمی مناسبت | 30/6 |
| 5 | سورۃ الرعد کے مضامین ومقاصد | 32/6 |
| 6 | سورۃ الرعد کا اختتام | 123/6 |
| 17 | **رقص وسرود** | |
| 1 | جاہل صوفیاء کا رقص وسرود | 627/4 |
| 2 | ہمارے زمانہ کے بناوٹی صوفیاء کا رقص کرنا | 387/8 |
| 18 | **رکون ( کفار سے میل جول )** | |
| 1 | رکون کا لغوی، عرفی اور شرعی معنی | 641/5 |
| 2 | رکون کی ممانعت کے متعلق قرآن مجید کی آیات | 642/5 |
| 3 | رکون کی ممانعت کے متعلق احادیث | 642/5 |
| 19 | **رمضان المبارک** | |
| 1 | ولیال عشر سے مراد رمضان کا آخری عشرہ اور اس کی فضیلت | 725/12 |
| 20 | **رمل** | |
| 1 | رمل کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 291/7 |
| 21 | **روزہ** | |
| 1 | روزہ کا معنی | 667/1 |
| 2 | رمضان کے روزوں کے فضائل | 668/1 |
| 3 | نفلی روزوں کی فضیلت | 671/1 |
| 4 | حاملہ اور مرضعہ کے لیے روزہ کی رخصت | 686/1 |
| 5 | عیدگاہ جاتے ہوئے تکبیرات پڑھنا | 689/1 |
| 6 | روزہ کی رات میں عمل زوجیت کی اجازت | 703/1 |
| 7 | طلوع فجر کے بعد سحری کھانا | 703/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8 | بعض ایام میں روزہ رکھنے کی ممانعت | 672/1 |
| 9 | روزہ کے اسرار و رموز | 673/1 |
| 10 | روزہ کے فساد و عدم فساد کے بعض ضروری مسائل | 674/1 |
| 11 | انجکشن لگوانے سے روزہ ٹوٹنا | 674/1 |
| 12 | مریض کا روزہ قضاء کرنا | 675/1 |
| 13 | مسافر کا روزہ قضاء کرنا | 677/1 |
| 14 | بڑھاپے یا دائمی مرض کی وجہ سے روزہ نہ رکھنا | 681/1 |
| 15 | رمضان کے اسرار و رموز اور رمضان میں نزول قرآن کا بیان | 683/1 |
| 16 | قطبین میں روزہ | 684/1 |
| 17 | روزہ کی رخصت کے لیے شرعی مسافت | 684/1 |
| 18 | سعودی عرب کے حساب سے روزہ رکھتا ہوا پاکستان آیا تو عید کس حساب سے کرے گا اور اس کا عکس؟ | 685/1 |
| 19 | سعودی عرب سے عید کے دن سوار ہو کر پاکستان آیا اور یہاں رمضان ہے تو کیا کرے؟ | 685/1 |
| 20 | میت کی طرف سے روزہ رکھنا | 686/1 |
| 21 | قطبین میں روزہ | 785/2 |
| 22 | روزہ کی حالت میں انجکشن لگوانا | 630/7 |
| 23 | حالت اضطرار میں مریض کو خون دینا | 631/7 |
| **22** | **روح القدس** | |
| 1 | روح القدس کا معنی | 446/1<br>362/3 |
| 2 | یہود کا جبرائیل کو اپنا دشمن کہنا اور اللہ تعالیٰ کی طرف سے جواب | 455-458<br>1 |
| 3 | روح القدس کا معنی | 362/3 |
| **23** | **روضۂ رسول ﷺ** | |
| 1 | روضۂ رسول ﷺ کے فضائل | 260/5 |
| **24** | **روح** | |
| 1 | فرشتوں کی طرف قبض روح کی نسبت | 509/3 |
| 2 | موت کے وقت مسلمانوں اور کافروں کی روحوں کے نکلنے کی کیفیت | 510/3 |
| 3 | روح کا انسان کی حقیقت ہونا | 511/3 |
| 4 | روح کا جسم سے پہلے پیدا ہونا | 512/3 |
| 5 | روح کا معنی | 274/6<br>352/6 |
| 6 | روح سے وحی اور اللہ کے کلام کا مراد ہونا | 353/6 |
| 7 | روح کا لغوی و اصطلاحی معنی | 786/6 |
| 8 | روح کی موت | 787/6 |
| 9 | جسم کی موت کے بعد روح کا مستقر | 788/6 |
| 10 | روح کا حادث اور مخلوق ہونا | 789/6 |
| 11 | نفس اور روح ایک چیز ہیں یا الگ الگ؟ | 790/6 |
| 12 | رسول اللہ ﷺ کو روح کا علم | 791/6 |
| 13 | کافر کی روح نکلنے کی کیفیت | 747/7 |
| 14 | روح کے تقاضے | 192/9 |
| 15 | روح کی اللہ کی طرف اضافت | 314/9 |
| 16 | روح کی تحقیق | 314/9 |
| 17 | روح کا لغوی و اصطلاحی معنی | 314/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 18 | روح کے مصداق میں مختلف اقوال | 315/9 |
| 19 | روح کی صحیح تعریف | 316/9 |
| 20 | روح کے بدن میں حلول کرنے اور درد و لذت کا ادراک کرنے کے ثبوت میں آیات | 316/9 |
| 21 | روح کے بدن میں حلول کرنے اور درد و لذت کا ادراک کرنے کے ثبوت میں احادیث | 317/9 |
| 22 | شہداء کی روحوں کو جنت میں رزق ملنا | 318/9 |
| 23 | مومن اور کافر کی روحوں کو قبر میں ان کے جسموں میں داخل کرنا | 318/9 |
| 24 | مومن اور کافر کی روحوں کی ان کے جسموں سے نکلنے کی کیفیت | 319/9 |
| 25 | روح کا معنی اور روح پھونکنے کا محمل | 148/10 |
| 26 | روح کو وحی سے تعبیر کرنے کی وجہ | 335/10 |
| 27 | روح کا مصداق | 897/12 |
| 28 | روحوں کو جسموں کے ساتھ ملانے کے محامل | 590/12 |
| 29 | کافر کی روح کھینچنے کی کیفیت | 543/12 |
| 30 | مومن کی روح کھینچنے کی کیفیت | 545/12 |
| 31 | اولیاء اللہ کی ارواح | 549/12 |
| 32 | الروح | 223/12 |
| **25** | **رونا** | |
| 1 | زیادہ رونے کی تلقین | 215/5 |
| 2 | عبادت سے محرومی کے سبب رونا | 228/5 |
| **26** | **روٹی** | |
| 1 | روٹی کی تعظیم و تکریم | 756/9 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | گندم کی روٹی کا عظیم نعمت ہونا | 758/9 |
| **27** | **سورۃ الروم** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور اس کے متعلق احادیث | 125/9 |
| 2 | سورۃ الروم کی سورۃ العنکبوت سے مناسبت | 126/9 |
| 3 | سورۃ الروم کے مشمولات | 126/9 |
| 4 | سورۃ الروم کا اختتام | 206/9 |
| **28** | **رہائش** | |
| 1 | جنگلوں اور غاروں میں رہنا | 56/7 |
| 2 | عزلت نشینی کے بجائے لوگوں کے ساتھ رہنا | 57/7 |
| 3 | عزلت نشینی اور تمدنی زندگی میں درمیانی کیفیت | 58/7 |
| 4 | غیر رہائشی عمارات کی تعیین | 126/8 |
| **29** | **رھن (گروی رکھنا)** | |
| 1 | رہن کی تعریف اور اس سے فائدہ اٹھانا | 1015/1 |
| 2 | رہن کی شرائط اور ضروری مسائل | 1017/1 |
| 3 | اعتماد کی صورت میں گروی رکھنے کو ترک کرنا | 1018/1 |
| 4 | رہن کے اسرار و حکمتیں | 1020/1 |
| 5 | بیع اور رہن کے بعد اعمال صالحہ سے مکلف کرنے کا ذکر | 1022/1 |
| **30** | **رؤیت باری تعالیٰ** | |
| 1 | رؤیت باری تعالیٰ کے متعلق فقہاء کے نظریات | 616/3 |
| 2 | منکرین رؤیت کے دلائل اور ان کے جوابات | 616/3 |
| 3 | رؤیت باری کے متعلق آیات قرآنیہ | 618/3 |
| 4 | رؤیت باری کے متعلق احادیث نبویہ | 618/3 |
| 5 | شب معراج اللہ کا دیدار | 619/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | رؤیت باری تعالیٰ کے متعلق اہل قبلہ کے مذاہب | 300/4 |
| 7 | منکرین رؤیت کے دلائل اور ان کے جوابات | 301/4 |
| 8 | اللہ تعالیٰ کا دیدار عظیم نعمت ہے | 192/5 |
| 9 | رؤیت باری پر اہل سنت کے دلائل | 302/4 |
| 10 | اللہ تعالیٰ کا دیدار | 355/5 |
| 11 | قیامت اور جنت میں اللہ تعالیٰ کی رؤیت | 415-417/12 |
| 12 | اللہ تعالیٰ کا دیدار عظیم نعمت ہے | 192/5 |
| 31 | **ریاکاری** | |
| 1 | ریاکاری سے عبادت کرنا | 835/2 |
| 2 | ریا کی مذمت | 651/4 |
| 3 | ریاکاری کا شرک خفی ہونا | 481/5 |
| 4 | ریاکاری کی مذمت اور اس پر وعید | 512/5 |
| 5 | قربانی کے عمل میں ریاکاری | 237/7 |
| 6 | ریاکاری کی تعریف | 995/12 |
| 7 | فرائض دکھا کر اور نوافل چھپا کر ادا کیے جائیں | 995/12 |
| 32 | **ریشم** | |
| 1 | چار انگل ریشم کے کام کے جواز کی تفصیل | 723-726/10 |
| 33 | **ریب** | |
| 1 | مزید دیکھئے "21: شک" صفحہ 154 | |


## ز


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **زبور** | |
| 1 | زبور کا معنی | 677/7 |
| 2 | قرآن کے صدق پر زبور کی شہادت | 678/7 |
| 2 | **سورۃ الزخرف** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور اس کے مقاصد | 651/10 |
| 2 | سورۃ الزخرف کا اختتام | 732/10 |
| 3 | **زرہ** | |
| 1 | زرہ بنانے میں مناسب مقدار کے محامل | 609/9 |
| 4 | **زکوٰۃ** | |
| 1 | زکوٰۃ کا معنی اور اس کے وجوب کی شرائط | 370/1 |
| 2 | اسلام کے نظام زکوٰۃ پر یہودیوں کے اعتراض کا جواب | 493/2 |
| 3 | زکوٰۃ نہ دے کر مال جمع کرنے کی مذمت | 127/5 |
| 4 | جس مال کی زکوٰۃ ادا کر دی گئی ہو وہ موجب عذاب نہیں ہے | 128/5 |
| 5 | ادائیگی زکوٰۃ کے بعد مال جمع کرنے میں اختلاف صحابہ | 129/5 |
| 6 | زکوٰۃ دینے والے کے حق میں زکوٰۃ کی حکمتیں اور مصلحتیں | 166/5 |
| 7 | زکوٰۃ لینے والے کے حق میں زکوٰۃ کی حکمتیں اور مصلحتیں | 168/5 |
| 8 | زکوٰۃ کو ظاہر اور پوشیدہ دینے کے محامل | 85/6 |
| 9 | گھوڑوں میں زکوٰۃ | 361/6 |
| 10 | بینک سے کاٹی ہوئی زکوٰۃ | 126/7 |
| 11 | زکوٰۃ کا معنی | 259/7<br>854/7 |
| 12 | زکوٰۃ مدینہ میں فرض ہوئی | 553/8 |
| 13 | زکوٰۃ کا لغوی و اصطلاحی معنی | 215/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 14 | انبیاء پر زکوٰۃ کا فرض نہ ہونا | 216/9 |
| 15 | زکوٰۃ کی تاکید اور اس کے فضائل | 217/9 |
| 16 | زکوٰۃ کی تعریف | 369/11 |
| **5** | **حضرت زکریا علیہ السلام** | |
| 1 | سوانح عمری | 141/2 |
| 2 | حضرت مریم کی کفالت کرنا | 143/2 |
| 3 | اولاد کی دعا کرنا | 145/2 |
| 4 | حضرت یحییٰ کی ولادت کو مستبعد سمجھنا | 151/2 |
| 5 | تین دن سے حضرت زکریا علیہ السلام کی زبان بند کرنے کے فوائد اور حکمتیں | 151/2 |
| 6 | حضرت زکریا علیہ السلام پر رحمت | 250/7 |
| 7 | حضرت زکریا علیہ السلام کا نداء خفی کرنے کی وجہ | 251/7 |
| 8 | حضرت زکریا علیہ السلام کو کس نے بشارت دی تھی؟ | 254/7 |
| 9 | حضرت زکریا علیہ السلام کا سوال | 255/7 |
| 10 | حضرت زکریا علیہ السلام کے محراب کا مصداق | 256/7 |
| 11 | حضرت زکریا علیہ السلام کا تین دن تک لوگوں سے بات نہ کرنا | 256/7 |
| 12 | حضرت زکریا علیہ السلام کا قصہ | 658/7 |
| **6** | **زلزلہ** | |
| 1 | زلزلہ کی تعریف، اسباب اور اثرات | 926/12 |
| 2 | زلزلہ کی تاریخ | 926/12 |
| 3 | زلزلہ کہاں آ سکتا ہے؟ | 927/12 |
| 4 | زلزلہ کس وقت وقوع پذیر ہوتا ہے؟ | 928/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | زلزلہ پیمائی | 929/12 |
| 6 | برصغیر پاک و ہند میں زلزلے تاریخ کے آئینے میں | 930/12 |
| 7 | زلزلے سے متعلق ۲۰/ اہم سوالات کے جوابات | 932/12 |
| 8 | زلزلہ سے متعلق اہم نکات | 935/12 |
| 9 | زلزلہ کا لغوی و عرفی معنی | 937/12 |
| 10 | زمین پر قیامت کے زلزلہ کی کیفیت | 937/12 |
| **7** | **سورۃ الزلزال** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 925/12 |
| **8** | **زم زم** | |
| 1 | زم زم کے فضائل | 204/6 |
| **9** | **زمین** | |
| 1 | زمین کا گول ہونا اور اس کا گردش کرنا | 324/1 |
| 2 | زمین اور آسمان کی تخلیق میں ترتیب | 345/1 |
| 3 | زمین میں سرنگ بنانے کا معنی | 446/3 |
| 4 | زمینوں کو حق کے ساتھ پیدا کرنے کا معنی | 541/3 |
| 5 | زمین کبھی موحدین اور عابدین سے خالی نہیں رہی | 558/3 |
| 6 | زمین کی نشانیوں سے وجود باری تعالیٰ اور توحید پر دلائل | 601/3 |
| 7 | زمین کو چھ دنوں میں بنانا | 155/4 |
| 8 | زمین کی پیداوار کی دنیا کے ساتھ مثال | 353/5 |
| 9 | زمین کے ذکر کو آسمان کے ذکر پر مقدم کرنے کی وجہ | 415/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10 | زمینوں کو چھ دنوں میں پیدا کرنے کی وجہ | 500/5 |
| 11 | زمین کی پیدائش سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 573/5 |
| 12 | زمینوں میں اللہ تعالیٰ کے وجود اور اس کی وحدت کی نشانیاں | 876/5 |
| 13 | اطراف زمین کو کم کرنے کے محامل | 120/6 |
| 14 | زمین کا تبدیل ہونا | 223-226/6 |
| 15 | زمین سے الوہیت اور وحدانیت پر استدلال | 260/6 |
| 16 | زمین کو پھیلانا اس کے گول ہونے کے منافی نہیں ہے | 261/6 |
| 17 | زمین پر پہاڑوں کا نصب کرنا | 377/6 |
| 18 | زمین کی اقسام | 435/7 |
| 19 | زمین بنانے کی حکمتیں | 529/7 |
| 20 | زمین کے فتق اور رتق کا بیان | 545/7 |
| 21 | زمین کا اپنے مدار میں گردش کرنا | 549/7 |
| 22 | زمین کی وراثت سے جنت کی زمین مراد ہونا | 679/7 |
| 23 | زمین کی وراثت سے دنیا کی زمین مراد ہونا | 679/7 |
| 24 | جب زمین کی وراثت صرف نیک بندوں کو دی جاتی ہے تو پھر کافروں کو حکومتیں اور اقتدار کیوں دیا گیا؟ | 680/7 |
| 25 | زمین کی پیداوار سے حشر ونشر پر استدلال | 710/7 |
| 26 | زمین پر وقار کے ساتھ چلنا | 266/8 |
| 27 | زمین میں اللہ کی بلند صفات | 150/9 |
| 28 | زمین کا متزلزل نہ ہونا اس کی حرکت کے منافی نہیں | 238/9 |
| 29 | زمین میں داخل اور اس سے خارج ہونے والی چیزیں | 597/9 |
| 30 | زمین کی حفاظت فرمانا | 697/9 |
| 31 | زمین کی حرکت پر دلائل | 698/9 |
| 32 | دنیا کی زمین کی وسعت، جنت کی زمین کی وسعت اور رزق کی وسعت | 199/10 |
| 33 | زمینوں کی چابیوں کے محامل | 561/10 |
| 34 | زمین کے پیدا کرنے میں بندوں کے لیے نعمتیں | 658/10 |
| 35 | زمین کے خزانے | 906/11 |
| 36 | زمین کا زبان قال سے تسبیح کرنا | 912/11 |
| 37 | زمین پر قیامت کے زلزلہ کی کیفیت | 937/12 |
| 38 | زمین کا اپنا بوجھ باہر نکالنا | 938/12 |
| 39 | زمین کے خبر دینے کی کیفیت | 938/12 |
| 40 | زمین میں نشانیاں | 712/12 |
| 41 | سات زمینوں کے متعلق مفسرین کی آراء | 90/12 |
| 42 | سات زمینوں کے متعلق صریح احادیث | 91/12 |
| 43 | سات زمینوں کے متعلق اثر ابن عباس | 92-96/12 |
| 44 | زمین کو ذات الصدع فرمانے کی توجیہات | 679/12 |
| 45 | زمین کو پھیلانے کے متعلق احادیث | 637/12 |
| 46 | زمین کو آسمان سے پہلے پیدا کرنے کی تحقیق | 559/12 |
| 47 | زمین کے منافع اور فوائد | 559/12 |
| 10 | سورۃ الزمر | |
| 1 | سورۃ کا نام | 160/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | سورۃ الزمر کا زمانہ نزول | 160/10 |
| 3 | سورۃ الزمر اور سورۂ ص میں مناسبت | 160/10 |
| 4 | سورۃ الزمر کے مشمولات | 161/10 |
| 5 | سورۃ الزمر کا اختتام | 304/10 |
| **11** | **زندیق** | |
| 1 | زندیق کی تحقیق اور اس کا شرعی حکم | 308/1 |
| 2 | زندیق کی توبہ | 308/1 |
| 3 | زندیق کا معنی و مفہوم | 633/4 |
| 4 | زندیق کی توبہ | 632/4 |
| 5 | زندیق، منافق، دھریہ اور ملحد کی تعریفوں میں فرق | 633/4 |
| 6 | زندیق کو قتل کرنے کا شرعی حکم | 634/4 |
| **12** | **زنا** | |
| 1 | زنا کی شہادت | 819/1 |
| 2 | حرمت زنا کی وجوہ | 709/6 |
| 3 | حرمت زنا کو حرمت قتل پر مقدم کرنا | 710/6 |
| 4 | زنا کا لغوی معنی | 43-48/8 |
| 5 | حد زنا کی شرائط | 48/8 |
| 6 | احصان کی تحقیق | 49/8 |
| 7 | زنا کی ممانعت اور دنیا و آخرت میں اس کی سزا | 49/8 |
| 8 | زنا کی مذمت | 50/8 |
| 9 | زنا کی حد میں عورت کے ذکر کو مقدم کرنا | 57/8 |
| 10 | زانی کو کوڑے مارنے کے بعد شہر بدر کرنا | 59-61/8 |
| 11 | غیر شادی شادہ زانی کو صرف کوڑے مارنا | 61/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | زانیہ کے لیے صرف زانی سے نکاح کی اجازت | 67/8 |
| 13 | زانیہ سے مومن کا نکاح | 68-69/8 |
| 14 | زانی کو از خود قتل کرنا | 76/8 |
| **13** | **زندگی** | |
| 1 | فانی زندگی پر مغرور نہ ہونے کی تلقین | 454/8 |
| **14** | **زوجہ** | |
| 1 | بیویوں کے درمیان عدل | 578/2 |
| 2 | بیوی کو مارنا | 659/2 |
| 3 | اختلاف زن و شوہر | 660/2 |
| 4 | شوہر کا بیوی کو نفقہ و طلاق نہ دینا | 662/2 |
| 5 | بیوی سے کہنا "تو مجھ پر حرام ہے" کا شرعی حکم | 284/3 |
| 6 | شوہر کی خدمت کرنا | 518/6 |
| 7 | عام مسلمانوں پر ازواج میں باریوں کی تقسیم کا جواب | 521/9 |
| 8 | بیوی کو حرام کہنے میں مذاہب فقہاء | 109/12 |
| 9 | بیویوں کے سوا جنسی لذت کے حصول کی ممانعت | 236/12 |
| **15** | **زوج** | |
| 1 | جو شخص اپنی بیوی کو نہ خرچ دے اور نہ آباد کرے | 668/2 |
| 2 | بیویوں کے درمیان عدل کرنا | 819-820/2 |
| 3 | زوج کریم کا معنی | 290/8 |
| 4 | شوہر پر اس کی بیوی اور بچوں کے خرچ دینے کا وجوب | 86/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 16 | زہد | |
| 1 | تقشف اور بناوٹی زہد اللہ کی ناشکری ہے | 412/5 |
| 2 | خلفائے راشدین کا زہد و تقویٰ | 427-432/5 |
| 3 | امام اعظم کا زہد و تقویٰ | 432/5 |
| 4 | زہد کی تعریف | 48/7 |
| 5 | زہد کے متعلق احادیث | 46/7 |
| 6 | آخرت کے ثواب میں اضافہ کی خاطر زہد کو اختیار کرنا | 96/11 |
| 7 | نبی کریم ﷺ اور صحابۂ کرام کا زہد | 96-100/11 |
| 17 | زیارت رسولِ کریم ﷺ | |
| 1 | زیارت رسول ﷺ کے لیے صحابہ کا اضطراب | 719/2 |
| 2 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا حضور ﷺ کی زیارت کرنا اور آپ ﷺ کی تعلیم سے مستفید ہونا | 493/9 |
| 3 | ایک وقت میں متعدد مقامات پر نبی ﷺ کی زیارت کی کیفیت | 494/9 |
| 4 | اولیاء کا حضور ﷺ کی بیداری و نیند میں زیارت کرنا | 493/9 |
| 5 | عہدِ صحابہ میں رسول اللہ ﷺ کی زیارت اور آپ ﷺ سے استفادہ کا اس قدر ظہور کیوں نہیں ہوا؟ | 495/9 |
| 18 | زیورات | |
| 1 | زیورات کے متعلق احادیث | 373/6 |
| 2 | زیورات کے متعلق فقہی احکام | 374/6 |
| 3 | زیورات کی زکوٰۃ کے متعلق احادیث و آثار | 374/6 |
| 4 | زیورات کی زکوٰۃ میں مذاہب فقہاء | 376/6 |
| 5 | مرد کے زیور پہننے کی تفصیل | 726/10 |
| 19 | زیتون | |
| 1 | زیتون کے خواص | 607/3 |
| 2 | زیتون کے غذائی اور طبی فوائد | 862/7 |
| 20 | حضرت زید بن حارثہ رضی اللہ عنہ | |
| 1 | حضرت زید بن حارثہ رضی اللہ عنہ کی سوانح حیات | 376/9 |
| 2 | حضرت زید بن حارثہ رضی اللہ عنہ کے ساتھ رسول اللہ ﷺ کا سلوک | 456/9 |
| 21 | حضرت زینب بنت جحش رضی اللہ عنہا | |
| 1 | حضرت زینب رضی اللہ عنہا کا غیر کفو میں نکاح ہونا | 452/9 |
| 2 | رسول اللہ ﷺ سے حضرت زینب رضی اللہ عنہا کے نکاح کی تفصیل | 456/9 |
| 3 | حضرت زینب رضی اللہ عنہا کی مختصر سوانح | 458/9 |
| 4 | حضرت زینب رضی اللہ عنہا سے نکاح میں مسلمانوں کے لیے نمونہ اور آسانی | 459/9 |
| 5 | حضرت زینب رضی اللہ عنہا کے ولیمہ اور آیت حجاب نازل ہونے کے متعلق احادیث | 525/9 |
| 6 | حضرت زینب رضی اللہ عنہا کے ولیمہ کی بعض تفصیلات | 527/9 |
| 22 | زینت | |
| 1 | زینت کا معنی | 733/11 |
| 23 | زیارت قبور | |



marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | زیارت قبور کا بیان | 959/12 |
| 2 | عورتوں کے لیے زیارت قبور کا حکم | 960/12 |

## س

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **سامری** | |
| 1 | سامری کو حضرت موسیٰ علیہ السلام کا ملامت کرنا | 429/7 |
| 2 | سامری کی دنیا میں سزا | 430/7 |
| 3 | سامری کا بچھڑے کو جلا کر راکھ کرنا | 430/7 |
| 4 | اثر رسول کے متعلق تفسیر | 429/7 |
| **2** | **سالک** | |
| 1 | سالک کی تعریف | 563/10 |
| **3** | **سائل/سوال کرنا** | |
| 1 | کسی بات کو سمجھنے کے لیے سوال کرنے کا جواز | 266/4 |
| 2 | سوال کرنے کی شرائط واحکام | 847/5 |
| 3 | سوال نہ کرنے کا عہد | 80/6 |
| 4 | سوال کرنے کے جواز کی شرائط | 80/6 |
| 5 | سائل سے پیش آنے کا طریقہ | 699/6 |
| 6 | کان، آنکھ اور دل سے سوال کیا جانا | 714/6 |
| 7 | کھانا مانگنے کا سوال کرنا | 182/7 |
| 8 | اللہ کے وعدہ کی بناء پر اس سے سوال کرنا | 222/8 |
| 9 | سائل اور محروم کی تعبیرات | 369/11 |
| 10 | اسلام میں سوال کرنے کی شرعی حیثیت | 371/11 |
| 11 | سوال نہ کرنے کے متعلق احادیث | 371/11 |
| 12 | سوال کرنے کے جواز اور عدم جواز کا معیار | 372/11 |
| 13 | صحیح سائل کا معیار اور غیر مستحق سائل کیلئے وعید | 830/12 |
| 14 | سائل کو دینے کی ترغیب میں احادیث | 831/12 |
| 15 | اگر سائل کو دینے کے لیے کچھ نہ ہو تو کیا کریں؟ | 833/12 |
| 16 | مخلوق سے گڑگڑا کر سوال نہ کیا جائے | 834/12 |
| 17 | صرف اللہ کی طرف سوال کرنے میں رغبت کی جائے | 866/12 |
| 18 | سوال کرنے کے جواز کا ضابطہ | 233/12 |
| **4** | **سازش** | |
| 1 | بُری سازش کی ممانعت | 699/9 |
| **5** | **سورۂ سبا** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور اس کا زمانہ نزول | 591/9 |
| 2 | سورۂ سبا اور سورۃ الاحزاب میں مناسبت | 591/9 |
| 3 | سورۂ سبا کے مشمولات | 592/9 |
| 4 | سورۂ سبا کا اختتام | 644/9 |
| **6** | **سبحان** | |
| 1 | سبحان کا معنی | 615/6 |
| 2 | سبحان اللہ کہنے کی فضیلت | 616/6 |
| **7** | **سبب نزول** | |
| 1 | اسباب نزول کا بیان | 86/1 |
| 2 | اسباب نزول کے فوائد | 87/1 |
| 3 | عام سبب اور آیت کے عام الفاظ | 88/1 |
| 4 | خاص سبب اور آیت کے خاص الفاظ | 88/1 |
| 5 | ایک آیت کے متعدد اسباب | 91/1 |
| **8** | **سابقہ امتیں** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | سابقہ امتوں میں قربانی و صدقات وغیرہ کو آگ کا کھانا | 496/2 |
| 9 | **قوم سبا** | |
| 1 | قوم سبا کی خوشحالی اور بدحالی | 615/9 |
| 2 | اہل سبا کی ناشکری اور اس کا انجام | 616/9 |
| 10 | **السبع المثانی** | |
| 1 | السبع المثانی کی تفسیر میں متعدد اقوال | 315/6 |
| 11 | **ستارہ** | |
| 1 | ستاروں کی بروج میں گردش | 690/12 |
| 2 | ستاروں کے جھڑنے کی توجیہ | 607/12 |
| 12 | **سٹہ بازی** | |
| 1 | دیکھئے "28: جواء" صفحہ 107 | |
| 13 | **سجدہ** | |
| 1 | سجدہ کا معنی | 340/1<br>65/4 |
| 2 | آدم علیہ السلام کو فرشتوں کے سجدہ کرنے کی وجہ | 339/1 |
| 3 | قرآن میں سجدہ کے اطلاقات | 65/4 |
| 4 | سجدۂ تلاوت کی تحقیق | 523/4 |
| 5 | سجدۂ تلاوت کے حکم میں مذاہب فقہاء | 523/4 |
| 6 | سجدۂ تلاوت کی تعداد | 524/4 |
| 7 | حضرت آدم علیہ السلام کو سجدہ کیا جانا | 522/4 |
| 8 | سجدہ کا لغوی و اصطلاحی معنی | 66/6<br>277/6 |
| 9 | اصطلاحی معنی کے لحاظ سے ہر چیز کا اللہ تعالیٰ کی بارہ گاہ میں سجدہ ریز ہونا | 67/6 |
| 10 | لغوی معنی کے لحاظ سے ہر چیز کا اللہ کی بارگاہ میں سجدہ ریز ہونا | 67/6 |
| 11 | سایوں کے سجدہ کرنے کی توجیہ | 68/6 |
| 12 | سجدہ کی فضیلت کے متعلق احادیث | 68/6 |
| 13 | فرشتوں کے سجدہ کی کیفیت | 277/6 |
| 14 | تمام فرشتوں کا حضرت آدم علیہ السلام کو سجدہ کرنا | 278/6 |
| 15 | ہر چیز کے سائے کے سجدہ کی توضیح | 456/6 |
| 16 | ہر چیز کے سجدہ ریز ہونے کا محمل | 457/6 |
| 17 | سجدۂ تلاوت کرنے کے آداب | 295/7 |
| 18 | سورج کا سجدہ کر کے ٹھہرنا | 721/7 |
| 19 | سورج، چاند، ستاروں، پہاڑوں، درختوں، مومنوں اور کافروں کے سجدہ کی کیفیت | 722/7 |
| 20 | سجدہ سے اللہ تعالیٰ کے قرب کا حصول | 885/12 |
| 14 | **سجدۂ تلاوت** | |
| 1 | سجدۂ تلاوت کے آداب | 331/9 |
| 2 | نماز میں سجدۂ تلاوت کی ادائیگی کا طریقہ | 332/9 |
| 3 | سورۂ ص کے سجدہ کے وجوب میں اختلاف فقہاء | 68/10 |
| 4 | سورۂ ص کے سجدہ تلاوت کے متعلق احادیث و آثار | 69/10 |
| 5 | نماز اور خارج از نماز سجدہ تلاوت کا ادا ہونا | 69/10 |
| 6 | آیت سجدہ | 512/10 |
| 7 | جنبی، حائض اور بے وضو کا سجدۂ تلاوت کرنا | 694/11 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15 | **سورۃ السجدہ** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 301/9 |
| 2 | سورۃ السجدہ کے فضائل میں احادیث | 301/9 |
| 3 | سورۃ السجدہ اور سورۂ لقمان کی مناسبت | 302/9 |
| 4 | سورۃ السجدہ کے مشمولات | 303/9 |
| 5 | سورۃ السجدہ کا اختتام | 348/9 |
| 16 | **سجدۂ تعظیمی** | |
| 1 | شریعت محمدی ﷺ میں سجدۂ تعظیمی کا حرام ہونا | 864/5<br>148/10 |
| 17 | **سچ** | |
| 1 | مزید دیکھئے "10: صدق" صفحہ 162 | |
| 18 | **سحر** | |
| 1 | دیکھئے "3: جادو" صفحہ 100 | |
| 19 | **سرقہ کرنا (چوری کرنا)** | |
| 1 | سرقہ کا معنی | 180/3 |
| 2 | جاہلیت اور اسلام میں جن کے ہاتھ کاٹے گئے | 180/3 |
| 3 | چور کے ہاتھ کاٹنے میں حکمت | 181/3 |
| 4 | حد سرقہ کا نصاب | 181-185<br>3 |
| 5 | کون سا ہاتھ کس جگہ سے کاٹا جائے؟ | 186/3 |
| 6 | جن صورتوں میں چور کا ہاتھ نہیں کاٹا جاتا | 187/3 |
| 20 | **سرجری** | |
| 1 | سرجری کیلئے غیر مسلم اور مسلم اموات کا پوسٹ مارٹم | 185-188<br>9 |

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 21 | **سرگوشی کرنا** | |
| 1 | سرگوشی کرنا | 392/7 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کا سرگوشیوں پر مطلع ہونا | 779/11 |
| 3 | تین اور پانچ سرگوشیاں کرنے والوں کی تخصیص | 780/11 |
| 4 | یہودیوں اور منافقوں کو مسلمانوں کے خلاف سرگوشیوں سے منع فرمانا | 780/11 |
| 5 | مسلمانوں کو سرگوشی سے منع کرنے کا محمل | 782/11 |
| 6 | مجلس میں ایک آدمی کو چھوڑ کر باقیوں کا سرگوشیاں کرنا منع ہے | 783/11 |
| 7 | نبی سے سرگوشی کرنے سے پہلے صدقہ کرنے کے حکم کی حکمتیں | 787-789<br>11 |
| 22 | **سزا** | |
| 1 | کسی کو تادیب و سرزنش کے لیے سزا دینے کی حد | 392/8 |
| 2 | قید کرنے اور مالی جرمانے کی سزائیں | 394/8 |
| 3 | رحمٰن کے مردود بندوں کی سزا | 279/8 |
| 4 | بقدر جرم سزا دینا | 361/10 |
| 23 | **حضرت سعد رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت سعد رضی اللہ عنہ کا موت کی تمنا کرنا | 412/9 |
| 24 | **سفر** | |
| 1 | کشتی کے ذریعے سفر کی خصوصی نعمت | 777/9 |
| 25 | **سکوت** | |
| 1 | دیکھئے "2: خاموش" صفحہ 119 | |
| 26 | **سگریٹ نوشی** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | دیکھیے" 41: تمباکونوشی" صفحہ 94 | |
| 27 | **حضرت سلیمان علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی طرف جادو کی نسبت | 459/1 |
| 2 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا نام ونسب | 621/7<br>598/8 |
| 3 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے احوال وفضائل | 621/7 |
| 4 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی وفات | 622/7 |
| 5 | حضرت سلیمان وداؤد علیہما السلام کا اختلاف | 622/7 |
| 6 | حضرت سلیمان علیہ السلام کیلئے تیز و نرم ہواؤں کو مسخر کرنا | 642/7 |
| 7 | جنات کو حضرت سلیمان علیہ السلام کے تابع کرنا | 642/7 |
| 8 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا قرآن میں ذکر | 598/8 |
| 9 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی نماز عصر کا قضاء ہونا | 599/8 |
| 10 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی ازواج کی تعداد | 600/8 |
| 11 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی اجتہاد میں اصابت رائے | 602/8 |
| 12 | حضرت سلیمان علیہ السلام سے متعلق ایک حدیث پر اعتراض کا جواب | 601/8 |
| 13 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا واقعاتی شہادت سے استدلال | 603/8 |
| 14 | حضرت سلیمان علیہ السلام کو ایسا ملک عطا کیا گیا جو کسی اور کو نہیں دیا گیا | 604/8 |
| 15 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے لیے ہوا کو مسخر کرنا | 604/8 |
| 16 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے لیے جنات کو مسخر کرنا | 605/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 17 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے احوال کے متعلق احادیث | 607/8 |
| 18 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی وفات | 609/8 |
| 19 | حضرت سلیمان علیہ السلام کو عظیم علم عطا کیا گیا | 611/8 |
| 20 | حضرت سلیمان علیہ السلام حضرت داؤد علیہ السلام کی نبوت وعلم کے وارث تھے نہ کہ مال کے | 622-627<br>8 |
| 21 | حضرت سلیمان علیہ السلام کو دنیا کی ہر چیز دی گئی | 634/8 |
| 22 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی سلطنت اور ان کا لشکر | 635/8 |
| 23 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے لشکر سے ڈرانے والی چیونٹی | 636/8 |
| 24 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا جنت اور بعد از وفات ذکر جمیل کی دعا کرنا | 647/8 |
| 25 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی دعا میں ہمارے لیے نصیحت | 650/8 |
| 26 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا ہدہد کی گمشدگی کے متعلق سوال کرنا | 651/8 |
| 27 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا حضور علیہ السلام کی بشارت دینا | 652/8 |
| 28 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا مکتوب میں پہلے اپنا نام لکھنا | 678/8 |
| 29 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا بلقیس کو ایمان لانے کا حکم دینا | 682/8 |
| 30 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے خصوصی فضائل | 609/9 |
| 31 | حضرت سلیمان علیہ السلام پر موت کا طاری ہونا | 613/9 |
| 32 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا قصہ | 90/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 33 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے گھوڑوں کی تعداد | 90/10 |
| 34 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا آزمائش میں مبتلا ہونا | 91-96 10 |
| 35 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی آزمائش کے متعلق اسرائیلی روایات | 96/10 |
| 36 | حضرت سلیمان علیہ السلام کی توبہ کا محمل | 104/10 |
| 37 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا سلطنت کی دعا کرنا | 106/10 |
| 38 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے لیے ہواؤں کو مسخر کرنا | 110/10 |
| 39 | حضرت سلیمان علیہ السلام کے لیے جنات کو زنجیروں سے جکڑنا | 111/10 |
| 40 | حضرت سلیمان علیہ السلام کا دنیاوی واخروی قرب | 111/10 |
| **28** | **سلام/ معانقہ** | |
| 1 | سلام کا مقرر کردہ طریقہ | 735/2 |
| 2 | مصافحہ اور معانقہ کی فضیلت | 736/2 |
| 3 | کن لوگوں کو سلام میں پہل کرنی چاہیے | 737/2 |
| 4 | کن مواقع پر سلام نہیں کرنا چاہیے | 738/2 |
| 5 | جن لوگوں کو سلام کرنا مکروہ ہے | 584/5 |
| 6 | جن لوگوں کے سلام کا جواب دینا مکروہ ہے | 584/5 |
| 7 | سلام کرنے کے شرعی الفاظ اور اس کے شرعی احکام ومسائل | 585/5 |
| 8 | سلام کے متعلق احادیث | 583/5 |
| 9 | سلام کی اقسام | 284/7 |
| 10 | کفار وفساق کو سلام کرنا | 285/7 |
| 11 | گھر میں دخول کے وقت گھر والوں کو سلام کرنا | 188/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | سلام کی اقسام | 837/8 |
| 13 | کافروں کو سلام کرنے کا مسئلہ | 732/10 |
| 14 | اہل ذمہ کو سلام کا جواب دینے میں فقہاء کے مذاہب | 781/11 |
| 15 | مومنوں پر فرشتوں کے سلام کے مواضع اور مقامات | 703/11 |
| **29** | **سلطان** | |
| 1 | دیکھیے "3: حاکم" صفحہ 110 | |
| **30** | **سلطنت** | |
| 1 | دیکھیے "3: حاکم" صفحہ 110 | |
| **31** | **سماع موتی** | |
| 1 | سماع موتی کی بحث | 576/4 |
| 2 | سماع موتی سے حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے انکار کی توجیہ | 577/4 |
| 3 | سماع موتی کے ثبوت میں احادیث وآثار | 584/4 |
| 4 | سماع موتی کا ثبوت | 737/8 |
| 5 | قبر والوں کے سننے کا مسئلہ | 669/9 |
| 6 | قبر والوں کے غور وفکر نہ کرنے پر ایک اعتراض کا جواب | 670/9 |
| **32** | **سماع** | |
| 1 | سماع کے دوران قیام | 63/7 |
| 2 | ہمارے زمانہ کے بناوٹی صوفیاء کا سماع | 387/8 |
| 3 | کس قسم کے اشعار کے ساتھ سماع جائز ہے | 222/9 |
| 4 | آلات موسیقی کے ساتھ سماع کا حرام ہونا | 225/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 5 | آلات موسیقی کے ساتھ سماع میں ائمہ مذاہب اربعہ کے نظریات | 225-229 / 9 |
| 6 | جائز اور ناجائز سماع | 229/9 |
| 7 | سماع کے اسباب | 230/9 |
| 8 | سماع کی حقیقت | 231/9 |
| 9 | سماع کی انواع وشرائط | 231/9 |
| 10 | سماع کے متعلق اعلیٰ حضرت کی تحقیق | 233/9 |
| 33 | سمندر | |
| 1 | سمندر میں اللہ تعالیٰ کی نعمتیں | 368/6 |
| 2 | سمندر کی تسخیر کا معنی | 368/6 |
| 3 | سمندری جانوروں کا کھانا | 369/6 |
| 4 | سمندر میں کام کرنے والے مسکین | 185/7 |
| 34 | سنت | |
| 1 | سنت کی تعریف، اقسام اور شرعی حکم | 509/1 |
| 2 | ترک سنت کی سزا | 511/1 |
| 3 | سنت کا معنی | 382/2 |
| 4 | قرآن مجید کی روشنی میں سنت کا مفہوم | 382/2 |
| 5 | سنت کی حجیت پر دلائل | 455/3 |
| 6 | سنت پر عمل کرنے کا جواز | 94/7 |
| 35 | سود | |
| 1 | دیکھئے "6: ربا" صفحہ 133 | |
| 36 | سورۃ | |
| 1 | سب سے پہلے نازل ہونے والی سورت | 93/1 |
| 2 | سب سے آخر میں نازل ہونے والی سورت | 95/1 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 3 | مکی اور مدنی سورتوں کی معرفت | 96/1 |
| 37 | سورج | |
| 1 | حدیث ردشمس | 151/3 |
| 2 | حضرت یوشع کے لیے سورج ٹھہرانا | 149/3 |
| 3 | نبی ﷺ کا سورج کو لوٹانا | 150/3 |
| 4 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے لیے ردشمس | 144/7 |
| 5 | حدیث ردشمس پر اعتراضات کے جوابات | 147/7 |
| 6 | سورج کے مستقر کے متعدد محامل | 763/9 |
| 7 | سورج کا غروب کے وقت عرش کے نیچے سجدہ کرنا | 764-770 / 9 |
| 8 | سورج اور چاند میں سے کسی کا دوسرے پر سبقت نہ کرنا | 771/9 |
| 9 | سورج گرہن کے وقت نماز پڑھنا | 510/10 |
| 10 | سورج گرہن کی نماز کے طریقہ میں مذاہب ائمہ | 510/10 |
| 11 | سورج کی تخلیق میں اللہ تعالیٰ کی حکمتیں، برکتیں اور نشانیاں | 764/12 |
| 12 | چاند کن چیزوں میں سورج کے تابع ہے؟ | 764/12 |
| 13 | رات اور دن کی سلطنت کا سورج سے زیادہ ہونا | 765/12 |
| 38 | سونا | |
| 1 | سونے کا برتنوں کا حرام ہونا | 722/10 |
| 2 | سونے کے ظروف آرائش اور چار انگل سونے کے کام والے کپڑوں کا جواز | 723/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | سونے کے ظروف کی تفصیل | 744/10 |
| 4 | سونے کے کنگن | 451/12 |
| 5 | جنت میں سونے کے برتن | 448/12 |
| **39** | **سہو** | |
| 1 | سہو کی تحقیق | 994/12 |
| **40** | **سیارہ** | |
| 1 | ہر سیارہ کا اپنے مدار میں گردش کرنا | 554/7 |
| 2 | ہر سیارے کی گردش کے متعلق سائنس کی تحقیق | 550/7 |
| 3 | قدیم فلاسفر کے نزدیک ہر سیارہ کا اپنے مدار میں گردش کرنا | 771/9 |
| 4 | ہر سیارہ کی اپنی گردش کے متعلق سائنسی تحقیق | 772/9 |
| **41** | **سیدھا راستہ** | |
| 1 | دیکھئے ''12: صراط مستقیم'' صفحہ 162 | |

# ش

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **شام** | |
| 1 | شام کا برکت والی سرزمین ہونا | 613/7 |
| **2** | **شب برأت** | |
| 1 | لیلۃ مبارکۃ سے نصف شعبان کی رات مراد ہونے کے متعلق روایات | 744/10 |
| 2 | شب برأت میں کثرت مغفرت کے متعلق احادیث وغیرہ | 744-748<br>10 |
| 3 | وہ کام جن کی وجہ سے شب برأت میں دعا کی مقبولیت سے محرومی ہوتی ہے | 751-759<br>10 |
| 4 | شب برأت میں شب بیداری کرنا اور مخصوص عبادات کرنا | 759/10 |
| 5 | شب برأت میں صلوٰۃ التسبیح اور دیگر نوافل کو جماعت سے پڑھنا | 759/10 |
| **3** | **شجرۃ الزقوم** | |
| 1 | شجرۃ الزقوم کا معنی | 750/6 |
| 2 | شجرۃ الزقوم کو ملعون فرمانا | 751/6 |
| **4** | **الشح** | |
| 1 | الشح کے متعلق احادیث وآثار | 826/11 |
| **5** | **شر** | |
| 1 | شر کی اقسام | 403/8 |
| **6** | **شرح صدر** | |
| 1 | شرح صدر کا معنی | 841/12 |
| 2 | شرح صدر کے متعلق احادیث | 842/12 |
| **7** | **شرک** | |
| 1 | شرک کی تعریف | 311/1<br>687/2 |
| 2 | کیا چیز شرک ہے اور کیا نہیں؟ | 311/1<br>688/2 |
| 3 | شرک کے فعل کا جہالت وحماقت ہونا | 287/4 |
| 4 | کسی مسلمان موحد کو مشرک کہنا کیسا | 288/4 |
| 5 | شرک کا بطلان | 363/5<br>447/5 |
| 6 | نبی ﷺ کو شرک سے منع کرنے میں امت کی طرف تعریض ہے | 481/5 |
| 7 | دنیا میں شرک کا قابل درگزر ہونا | 651/5 |
| 8 | شرک سے اجتناب کے اختصاص کی توجیہ | 760/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | غیر اللہ کو حقیقی حاجت روا مان کر پکارنا شرک ہے | 65/6 |
| 10 | کفار مکہ کے شرک پر اصرار کا سبب | 395/6 |
| 11 | شرک کے رد پر دلیل | 516/6 |
| 12 | شرک کی مذمت | 683/6 |
| 13 | مطلقاً مدد طلب کرنے کو شرک کہنا | 745/6 |
| 14 | شرک کی پستی | 214/8 |
| 15 | شرک کی مذمت | 224/8 |
| 16 | شرک کا ابطال | 720/8 |
| 17 | اولیاء اللہ کو "مشکل کشا" کہنے کو مودودی کا شرک قرار دینا | 851/8 |
| 18 | شرک کی مذمت | 238/9 837/9 |
| 19 | اس آیت کی توجیہ کہ آپ ہرگز شرک کرنے والوں میں سے نہ ہوں | 864/8 |
| 20 | شرک کے ظلم عظیم ہونے کی وجہ | 251/9 |
| 21 | شرک کی تعریف اور مشرکین مکہ کا شرک | 1039/12 |
| 8 | **شریعت** | |
| 1 | شریعت کا معنی | 176/1 |
| 2 | جن لوگوں تک اسلام کا پیغام نہیں پہنچا ان کا شریعت کا مکلف ہونا | 217/1 |
| 3 | شریعت کے معنی میں اہل سنت و معتزلہ کا اختلاف | 301/1 |
| 4 | شریعت کا مزید بیان | 500/1 |
| 5 | احکام شرعیہ پر عمل | 641/2 |
| 6 | شریعت کا مزاج، آسان احکام بیان کرنا ہے | 642/2 |
| 7 | احکام شرعیہ کا مدار | 765/2 |
| 8 | شریعت کی طرف اشارہ | 381/3 |
| 9 | تمام مقاصد حیات کے لیے شریعت کا متکفل ہونا | 782/5 |
| 10 | شریعت کی تعریف | 173/7 |
| 11 | شریعت کا لغوی و اصطلاحی معنی | 562/10 |
| 12 | تمام انبیاء کا دین واحد اور شریعتوں کا متعدد ہونا | 561/10 |
| 13 | خود ساختہ شریعتوں کی مذمت | 580/10 |
| 14 | حضور ﷺ کی شریعت کا ممتاز اور منفرد ہونا | 801/10 |
| 15 | آپ ﷺ کی شریعت کے بعد کسی اور کی شریعت کی طرف التفات کرنا جائز نہیں | 802/10 |
| 9 | **شرم گاہ** | |
| 1 | مرد اور عورت کی شرمگاہوں کے مصادیق | 89/4 |
| 2 | برہنہ طواف کی ممانعت | 101/4 |
| 3 | تعمیر کعبہ کے وقت تہبند اتار کر کندھے پر رکھنے کی روایت کی تحقیق | 102/4 |
| 10 | **شعور** | |
| 1 | شعور کا معنی | 286/1 |
| 11 | **شعر** | |
| 1 | شعر کا معنی اور رسول اللہ ﷺ کا علم شعر کی تحقیق | 519/7 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | شعر کا لغوی و اصطلاحی معنی اور اس کی تاریخ | 536/8 |
| 3 | شعراء کا ہر وادی میں بھٹکتے پھرنا | 537/8 |
| 4 | اشعار کی مذمت میں احادیث | 538/8 |
| 5 | رسول اللہ ﷺ کا انتقام لینے کیلئے کفار کی ہجو کرنا | 539/8 |
| 6 | اشعار کی فضیلت میں احادیث | 541/8 |
| 7 | حکیمانہ اشعار کا معدن و منبع | 543/8 |
| 8 | رسول اللہ ﷺ کے اشعار نہ کہنے کا سبب | 543/8 |
| 9 | شعر کی تحقیق | 828/9 |
| 10 | قرآن کی بعض آیتوں پر شعر ہونے کا شبہ اور اس کا جواب | 828/9 |
| 11 | گمراہ کن اشعار | 829/9 |
| 12 | نبی ﷺ کے کہے ہوئے کلام موزوں کے شعر ہونے یا نہ ہونے کا مسئلہ | 831/9 |
| 13 | کیا حضور ﷺ کو شعر کہنے کے فن کا علم تھا؟ | 834/9 |
| 14 | اچھے اور پسندیدہ اشعار کا بیان | 834/9 |
| **12** | **حضرت شعیب علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت شعیب علیہ السلام کے وعظ کی تشریح | 609/5 |
| 2 | حضرت شعیب علیہ السلام کی قوم کے سامنے تقریر | 609/5 |
| 3 | حضرت شعیب علیہ السلام کے خطاب کا تتمہ اور قوم کو نصیحت | 611/5 |
| 4 | حضرت شعیب علیہ السلام کی باتوں کو کفار کے نہ سمجھنے کی وجہ | 613/5 |
| 5 | حضرت شعیب علیہ السلام کی قوم پر عذاب کی تفصیل | 614/5 |

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | حضرت شعیب علیہ السلام کا تذکرہ | 418/8 |
| 7 | حضرت شعیب علیہ السلام کا مقام بعثت | 420/8 |
| 8 | اہل مدین اور اصحاب الایکہ | 421/8 |
| 9 | اصحاب الایکہ پر عذاب نازل ہونا | 436/8 |
| 10 | حضرت شعیب علیہ السلام کی قوم پر عذاب آنا | 77/9 |
| 11 | عاد اور ثمود کی ہلاکت | 77/9 |
| **13** | **شعائر اللہ** | |
| 1 | شعائر اللہ کا معنی | 36/3 |
| 2 | کعبہ اور شعائر حرم | 328/3 |
| 3 | شعائر اللہ کا معنی و مصداق | 748/7 |
| 4 | اولیاء کے مزارات کا شعائر اللہ میں داخل ہونا | 749/7 |
| **14** | **سورۃ الشعراء** | |
| 1 | سورۃ کا نام وجہ تسمیہ | 283/8 |
| 2 | سورۃ الفرقان سے سورۃ الشعراء کی مناسبت | 283/8 |
| 3 | سورۃ الشعراء کے مقاصد و مسائل | 284/8 |
| 4 | سورۃ الشعراء کی فضیلت | 285/8 |
| 5 | سورۃ الشعراء میں انبیاء کے قصص کی تنقیح | 437/8 |
| 6 | سورۃ الشعراء کا اختتام | 543/8 |
| **15** | **شفاء** | |
| 1 | شفاء کے متعلق عارفین کے اقوال | 339/8 |
| **16** | **شفقت** | |
| 1 | مخلوق پر شفقت کی تفصیل | 729/9 |
| **17** | **شفاعت** | |
| 1 | شفاعت پر قرآن سے استدلال | 391/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | شفاعت پر حدیث سے استدلال | 393/1 |
| 3 | شفاعت طلب کرنا | 747/1 |
| 4 | نبی کریم ﷺ کے روضہ پر حاضر ہو کر شفاعت طلب کرنا | 714/2 |
| 5 | شفاعت کا معنی اور اس کی اقسام | 734/2 |
| 6 | نیکی کے کاموں میں شفاعت | 734/2 |
| 7 | فساق مومنین کے لیے نبی کریم ﷺ کی شفاعت | 379/3 |
| 8 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا گناہگاروں کی آخرت میں دوبارہ شفاعت فرمانا | 621/4 |
| 9 | مرتکبین کبائر کی شفاعت پر دلیل | 196/6 |
| 10 | شفاعت کی توقع کے باوجود توبہ کرنے میں تاخیر نہ کی جائے | 775/6 |
| 11 | شفاعت کبریٰ کے متعلق احادیث | 775/6 |
| 12 | قیامت کے دن حضور ﷺ کی شفاعت کی اقسام | 777/6 |
| 13 | حضور ﷺ کی شفاعت سے دوزخ سے مسلمانوں کو نکالا جانا | 778/6 |
| 14 | شفاعت کا لغوی معنی | 438/7 |
| 15 | شفاعت کا اصطلاحی معنی | 440/7 |
| 16 | شفاعت کے متعلق معتزلہ کا نظریہ | 441/7 |
| 17 | شفاعت کے متعلق شیخ ابن تیمیہ کا نظریہ | 441/7 |
| 18 | شفاعت کے متعلق غیر مقلدین کا نظریہ | 442/7 |
| 19 | شفاعت کے متعلق شیعہ کا نظریہ | 442/7 |
| 20 | شفاعت کے متعلق محمد بن عبدالوہاب کا نظریہ | 443/7 |
| 21 | شفاعت کے متعلق شیخ اسماعیل کا نظریہ | 443/7 |
| 22 | شفاعت کے متعلق ابوالاعلیٰ مودودی کا نظریہ | 454/7 |
| 23 | شفاعت بالوجاہت کا مفہوم | 444/7<br>477/7 |
| 24 | شفاعت اور محبت | 445/7 |
| 25 | شفاعت اور دعا | 447/7 |
| 26 | شفاعت بالاذن | 449/7 |
| 27 | ہر شخص کی شفاعت کے لیے مخصوص اذن | 457/7 |
| 28 | گناہ کبیرہ کی شفاعت کے جواز پر دلائل | 459/7 |
| 29 | شفاعت کے متعلق علماء اہل سنت کا نظریہ | 461/7 |
| 30 | انبیاء علیہم السلام کی شفاعت | 464/7 |
| 31 | شفاعت کے متعلق قرآن کی آیات | 464/7 |
| 32 | حضرت سیدنا محمد ﷺ سے طلب شفاعت | 464/7 |
| 33 | صالحین کی شفاعت، مومنین کے لیے | 465/7 |
| 34 | فرشتوں کا شفاعت کرنا | 465/7<br>322/10 |
| 35 | شفاعت کے متعلق چالیس احادیث | 466/7 |
| 36 | کفار و مشرکین کے لیے شفاعت کا عدم جواز | 541/7 |
| 37 | کفار کے لیے شفاعت نہ ہونے کی دلیل | 623/9 |
| 38 | گناہ کبیرہ کے مرتکبین کی شفاعت پر ایک اعتراض کا جواب | 212/10<br>339/10 |
| 39 | بتوں کی شفاعت کرنے کا رد | 274/10 |
| 40 | مشرکین کے لیے بتوں کی شفاعت کا باطل ہونا | 108/11 |
| 41 | کفار کیلئے فرشتوں کی شفاعت نہ کرنے کی توجیہ | 517/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 42 | اللہ تعالیٰ کے اذن کے بغیر شفاعت کی ممانعت | 613/12 533/12 |
| 43 | حصول شفاعت کی دعا پر معتزلہ کے اعتراض کا جواب | 536/12 |
| 44 | فساق مؤمنین کے لیے شفاعت کا ثبوت | 396/12 |
| 45 | کفار کا شفاعت سے محروم ہونا | 213/12 |
| 46 | مسلمانوں کا گنہگار مسلمانوں کی شفاعت کرنا | 227/12 |
| **18** | **شق صدر** | |
| 1 | معراج کے موقع پر شق صدر | 851/12 |
| 2 | آپ علیہ السلام کا شق صدر کتنی بار ہوا؟ | 852/12 |
| 3 | شق صدر پر اعتراضات کے جوابات | 853/12 |
| **19** | **شق قمر** | |
| 1 | واقعۂ شق القمر کے متعلق احادیث | 574/11 |
| 2 | واقعۂ شق القمر پر اعتراضات کے جوابات | 576/11 |
| 3 | واقعۂ شق القمر کو مشرکین مکہ کا دیکھ لینا | 580/11 |
| **20** | **شکر/شاکر** | |
| 1 | شکر کی ایمان پر تقدیم | 839/2 |
| 2 | شاکر اور علیم میں مناسبت | 840/2 |
| 3 | شکر کا معنی | 53/4 143/6 146/6 |
| 4 | شکر کے متعلق قرآنی آیات | 54/4 |
| 5 | شکر ادا کرنے کے طریقے | 54/4 |
| 6 | شکر کی فضیلت | 56/4 |
| 7 | لباس کی نعمت پر شکر | 89/4 |
| 8 | شکر ادا کرنے کے متعلق حدیث | 116/4 |
| 9 | شکر کے متعلق احادیث و آثار | 142/6 |
| 10 | شکر کے بارے میں حضرت عبداللہ بن مبارک کا معیار | 143/6 |
| 11 | حمد اور شکر میں فرق | 146/6 |
| 12 | من لم یشکر الناس لم یشکر اللہ | 146/6 |
| 13 | شکر کے متعلق قرآن مجید کی آیات | 147/6 |
| 14 | اللہ کا شکر نہ کرنے سے اسے کوئی نقصان نہیں | 152/6 |
| 15 | شکر کے شرعی احکام اور اس کے متعلق احادیث | 463/6 |
| 16 | حضرت نوح علیہ السلام کا بہت زیادہ شکر گزار ہونا | 644/6 |
| 17 | شیطان کا، ناشکرا ہونا | 699/6 |
| 18 | بندہ کے شکر اور اللہ کے شکر کا معنی | 473/8 |
| 19 | ادائیگی شکر کا طریقہ | 646/8 |
| 20 | شکر کی تلقین | 193/9 |
| 21 | شکر کی فضیلت میں احادیث و آثار | 280/9 |
| 22 | صوفیاء کے نزدیک شکر کی تعریفات | 282/9 |
| 23 | بندوں کا مشکور اور اللہ کا شاکر ہونے کی توجیہ | 452/12 |
| 24 | ناشکری کا انجام بد | 187/12 |
| **21** | **شک** | |
| 1 | ریب کا معنی | 241/1 |
| 2 | قرآن میں ریب کی نفی اور اثبات کا محمل | 241/1 |
| 3 | قرآن میں بظاہر شک کی نسبت رسول اللہ ﷺ کی طرف ہونا اور اس سے عام لوگوں کا مراد ہونا | 466/5 |
| 4 | شک کی نسبت عام لوگوں کی طرف ہونا | 467/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | شک کی نسبت کے متعلق بعض تراجم | 467/5 |
| 6 | شک اور ریب میں فرق | 576/5 |
| 7 | شک کی تعریف | 151/8 |
| 22 | **شکوہ/ شکایت** | |
| 1 | فقر اور مرض میں شکوہ وشکایت نہ کرنا | 231/12 |
| 23 | **شکار** | |
| 1 | حالت احرام میں شکار | 316/3 |
| 2 | محرم کو شکاری جانوروں کے قتل کی اجازت | 317/3 |
| 3 | قتل کرنے پر ضمان | 318/3 |
| 4 | شکار کی تعریف | 318/3 |
| 5 | شکار پر دلالت کی وجہ سے ضمان | 318/3 |
| 6 | شکار کی جزاء | 320/3 |
| 7 | طعام کا صدقہ | 322/3 |
| 8 | اضطرار کی صورت میں شکار اور مردار میں سے کس کو اختیار کیا جائے؟ | 322/3 |
| 9 | دوسری بار شکار کو مارنا | 322/3 |
| 10 | سمندری شکار | 323/3 |
| 11 | شکار کا گوشت محرم کے لیے | 324/3 |
| 12 | شکار کی اقسام اور اس کا شرعی حکم | 73/3 |
| 13 | شکار کی شرائط | 73/3 |
| 14 | شکار کرنے والے جانور | 74/3 |
| 15 | شکاری کتے کا معیار | 74/3 |
| 16 | جس شکار یا ذبیحہ پر بسم اللہ نہ پڑھی جائے | 75/3 |
| 17 | غلیل، کمان اور دیگر آلات سے شکار کرنا | 77/3 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 18 | بندوق سے مارا ہوا شکار | 79/3 |
| 19 | بندوق کے شکار کو حلال قرار دینا | 80/3 |
| 24 | **شگون** | |
| 1 | فال اور شگون نکالنے کی تحقیق | 271/4 |
| 2 | بدشگونی کی ممانعت کے اسباب | 272/4 |
| 3 | نیک فال کے جواز کا سبب | 273/4 |
| 4 | عورت، مکان اور گھوڑے میں بدشگونی | 274/4 |
| 5 | بدشگونی لینا کفار کا طریقہ ہے | 275/4 |
| 6 | کسی چیز سے بدشگونی لینا یا کسی دن کو منحوس قرار دینا | 276/4 |
| 7 | بدشگونی کے متعلق خلاصہ | 278/4 |
| 8 | طائر کا لغوی وعرفی معنی | 651/6 |
| 9 | طائر کے متعلق احادیث | 657/6 |
| 10 | نحوست وبدشگون کی تحقیق | 699/8 |
| 11 | کفار کا انبیاء کو بدشگون کہنا | 737/9 |
| 12 | بدشگونی کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 44/11 |
| 13 | بعض ایام کا منحوس ہونا | 452/10 |
| 14 | نحوست اور بدشگونی کا رد | 456-464 / 10 |
| 15 | بدشگونی کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 44/11 |
| 25 | **شمس** | |
| 1 | دیکھئے "37: سورج" صفحہ 149 | |
| 26 | **سورۃ الشمس** | |
| 1 | سورۃ کا نام، وجہ تسمیہ اور اس کی فضیلت میں احادیث | 76/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | سورۃ الشمس اور سورۃ البلد کی باہمی مناسبت | 761/12 |
| 3 | سورۃ الشمس کے مشمولات | 762/12 |
| 4 | سورۃ الشمس کا خاتمہ | 775/12 |
| 5 | ''وما بناھا'' میں ''ما'' سے مراد ''من'' ہونے کی توجیہ | 766/12 |
| **27** | **شوہر** | |
| 1 | دیکھئے ''15: زوج'' صفحہ 142 | |
| **28** | **سورۃ الشوریٰ** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 533/10 |
| 2 | سورۃ الشوریٰ کا زمانہ نزول | 535/10 |
| 3 | سورۃ الشوریٰ کے مقاصد ومباحث | 535/10 |
| 4 | شوریٰ کا معنی | 617/10 |
| 5 | سورۃ الشوریٰ کا اختتام | 649/10 |
| **29** | **شہادت** | |
| 1 | شہادت کا معنی | 1006/1 |
| 2 | شہادت کی اقسام | 1007/1 |
| 3 | شہادت کا حکم | 1008/1 |
| 4 | شہادت کی تعریف، رکن اور سبب | 1008/1 |
| 5 | شہادت کی شرائط | 1008/1 |
| 6 | عورت کی شہادت | 1008/1 |
| 7 | جن امور میں فقط عورت کی گواہی معتبر ہے | 1010/1 |
| 8 | مالی معاملات میں ایک مرد کے مقابلہ میں دو عورتوں کی شہادت | 1011/1 |
| 9 | عورت کی شہادت کو نصف قرار دینا | 1012/1 |
| 10 | گواہی کے لیے گواہوں کے جانے کا شرعی حکم | 1013/1 |
| 11 | کاتب اور گواہ کے ضرر کا بیان | 1014/1 |
| 12 | گواہی دینے کا وجوب | 1019/1 |
| 13 | حدود میں عورتوں کی گواہی | 604/2 |
| 14 | حد زنا میں چار مردوں کی گواہی | 605/2 |
| 15 | اپنے خلاف گواہی دینے کا معنی | 826/2 |
| 16 | عدل کو گواہی پر مقدم کرنا | 826/2 |
| 17 | گواہی نہ دینا | 827/2 |
| 18 | صحیح اور سچی شہادت | 117/3 |
| 19 | نااہل کو سند دینا | 118/3 |
| 20 | شہادت کی تعریف | 119/3 |
| 21 | غیر مسلموں کو گواہ بنانا | 346/3 |
| 22 | اہل ذمہ کی آپس میں گواہی | 347/3 |
| 23 | ناگزیر صورت میں غیر مسلموں کو گواہ بنانا | 350/3 |
| 24 | واقعاتی شہادت کے حجت ہونے پر قرآن و حدیث سے دلائل | 839/5 |
| 25 | فاسق انسان کی شہادت مقبول نہیں | 386/8 |
| 26 | قرائن عقلیہ اور شواہد کے خلاف شہادت کا غیر معتبر ہونا | 524/10<br>527/10 |
| 27 | گواہیوں کی تفصیل | 236/12 |
| **30** | **شہید** | |
| 1 | شہید کا معنی | 315/1<br>602/1 |
| 2 | شہداء کی حیات | 596/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | شہادت کے بعد بعض جسموں کا متغیر ہونا | 596/1 |
| 4 | سبز پرندوں میں شہید کی روح کے متشکل ہونے سے تناسخ کا جواب | 597/1 |
| 5 | شہید کے متعلق فقہی احکام | 603/1 |
| 6 | شہید کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 385/2<br>719/2 |
| 7 | اللہ کی راہ میں مرنا | 413/2 |
| 8 | حیات شہداء کے متعلق احادیث | 457/2 |
| 9 | حیات شہداء کی کیفیت میں فقہاء اسلام کے نظریات | 458-461<br>2 |
| 10 | شہادت کا اجر وثواب | 462/2 |
| 11 | حکمی شہداء کے متعلق احادیث | 463/2 |
| 12 | حکمی شہداء کا خلاصہ | 467/2 |
| 13 | غسل شہداء | 468/2 |
| 14 | شہداء کی نماز جنازہ | 468/2 |
| 15 | شہداء کا رزق | 469/2 |
| 16 | ہر مومن کا شہید ہونا | 728/11 |
| 17 | حاکمی شہداء کی تعداد | 729/11 |
| 18 | شہادت کی تمنا کا اجر | 730/11 |
| 31 | **شہد** | |
| 1 | شہد کی مکھی کی طرف وحی | 492/6 |
| 2 | شہد کی مکھی کی اقسام | 493/6 |
| 3 | شہد کی مکھی کے عجیب وغریب افعال | 494/6 |
| 4 | شہد کا ذیابطیس کے مریض کے لیے شفاء نہ ہونا | 497/6 |
| 5 | رسول اللہ ﷺ کا شہد سے امتناع کو حرام سے تعبیر کرنا | 107/12 |
| 6 | رسول اللہ ﷺ کا شہد نہ پینے کا عزم | 108/12 |
| 32 | **شہاب ثاقب** | |
| 1 | شہاب ثاقب کا لغوی واصطلاحی معنی | 254/6 |
| 2 | آپ ﷺ کی بعثت سے قبل شہاب ثاقب گرائے جانے کے متعلق متعارض احادیث | 255-260<br>6 |
| 3 | شہاب ثاقب کے متعلق حدیث | 515/8 |
| 4 | ستاروں کی تاثیر کی نفی کے متعلق احادیث | 516/8 |
| 5 | حقیقت میں شیطان کو آگ کا شعلہ لگتا ہے یا ستارہ ٹوٹتا ہے؟ | 260/6 |
| 6 | شہاب ثاقب سے کیا مراد ہے؟ | 862/9 |
| 7 | شہاب ثاقب گرانے پر چند شبہات کے جوابات | 863/9 |
| 8 | شہاب ثاقب کا معنی | 863/9 |
| 9 | شہاب ثاقب کا لغوی اور اصطلاحی معنی | 143/12 |
| 10 | شہاب ثاقب کے متعلق احادیث | 143/12 |
| 33 | **شہاب الزہری** | |
| 1 | شہاب الزہری کون تھے؟ کیا تھے؟ کیسے تھے؟ | 102/8 |
| 34 | **شیطان** | |
| 1 | ابلیس کا معنی اور اس کا فرشتہ یا جن ہونا | 341/1 |
| 2 | ابلیس کے تکبر کا بیان | 340/1 |
| 3 | شجر ممنوعہ کھلانے کے لیے ابلیس کی وسوسہ اندازی | 346/1 |
| 4 | وہ شیطان جس سے منافق خلوت میں ملتے تھے | 296/1 |
| 5 | شیطان کا گمراہ کرنا | 803/2 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | شیطان کا وعدہ | 805/2 |
| 7 | شیاطین کا سرکش ہونا | 629/3 |
| 8 | شیطان کے وسوسہ اندازی کی تحقیق | 630/3 |
| 9 | شیاطین کو پیدا کرنے کی حکمتیں | 631/3 |
| 10 | ابلیس جن تھا یا فرشتہ؟ | 66/4 |
| 11 | ابلیس کا حضرت آدم علیہ السلام سے افضل ہونے پر استدلال | 67/4<br>70/4 |
| 12 | شیطان کے ساتھ طویل مکالمہ، اس کی فضیلت پر دلالت نہیں کرتا | 74/4 |
| 13 | ابلیس کو جنت سے اترنے کا حکم دیا گیا تھا یا کہ آسمان سے | 74/4 |
| 14 | ابلیس لعین کو کتنی زندگی دی گئی ہے؟ | 76/4 |
| 15 | ابلیس کا جبر اور قدر میں حیران ہونا | 78/4 |
| 16 | ابلیس کا صراط مستقیم سے بہکانے کی سعی کرنا | 78/4 |
| 17 | ابلیس کا چار جہات سے حملہ آور ہونا | 79/4 |
| 18 | ابلیس کا یہ دعویٰ کہ اکثر شکر گزار نہیں ہوں گے | 80/4 |
| 19 | ابلیس کی وسوسہ اندازی | 83/4 |
| 20 | نزغ شیطان کا معنی | 506/4 |
| 21 | وساوس شیطان سے نجات کا طریقہ | 506/4 |
| 22 | وسوسہ شیطان کی وجہ سے عصمت انبیاء پر اعتراض اور اس کا جواب | 507/4 |
| 23 | ابلیس کا سراقہ کی شکل میں آ کر کفار کو بہکانا | 652/4 |
| 24 | ابلیس کو سراقہ کی شکل میں متشکل ہونے کی قدرت دینے کی حکمت | 652/4 |
| 25 | شیطان سے مراد ابلیس ہونا | 174/6 |
| 26 | ابلیس کا وعدہ اور اللہ کا وعدہ | 175/6 |
| 27 | شیطان کا سلطان کی نفی کرنے کے دو محمل | 175/6 |
| 28 | برے کاموں کے ارتکاب پر شیطان کے بجائے خود کو مطعون کیا جائے | 176/6 |
| 29 | شیطان کے وسوسہ کی کیفیت | 176/6 |
| 30 | شیطان اور اللہ تعالیٰ کے درمیان مکالمہ کے اہم نکات | 278/6 |
| 31 | شیطان کا ناشکرا ہونا | 699/6 |
| 32 | شیطان کی ذریت کا معنی | 132/7 |
| 33 | شیطان کی ولایت کا معنی | 283/7 |
| 34 | شیاطین کو کفار پر مسلط کرنا | 315/7 |
| 35 | شیاطین قرآن کو نازل نہیں کر سکتے | 457/8 |
| 36 | شیاطین فرشتوں کا کلام نہیں سن سکتے | 458/8 |
| 37 | ابلیس کے صیغہ کی تحقیق | 139/9 |
| 38 | شیطان کے پیروکاروں کا اس کی پیش گوئی کو سچ کر دکھانا | 617/9 |
| 39 | شیطان کے دھوکے کا بیان | 654/9 |
| 40 | شیطان کو عبادت سے روکنے کا محمل | 804/9 |
| 41 | شیطان کی اطاعت | 805/9 |
| 42 | شیطان کا اللہ تعالیٰ کے نیک بندوں سے گناہ کرانے کے باوجود ناکام رہنا | 809/9 |
| 43 | شیطان کا کام صرف تزئین ہے | 815/9 |
| 44 | شیطان کو کسی انسان کے جسم پر تسلط اور تصرف حاصل نہیں ہے | 117/10 |
| 45 | ابلیس کا معنی اور اس کا جنات میں سے ہونا | 148/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 46 | ابلیس کے اس زعم کا بطلان کہ وہ آدم سے افضل ہے | 151/10 |
| 47 | معصیت میں شیطان کی اتباع دوزخ میں شیطان کی اتباع کو مستلزم ہے | 685/10 |
| 48 | شیطان کا متبع کون ہے؟ | 814/10 |
| 49 | ستاروں سے شیاطین کو رجم کرنا | 142/12 |
| 50 | ستاروں سے شیاطین کو رجم کرنے پر اعتراضات کے جوابات | 145/12 |
| 35 | شیعہ | |
| 1 | شیعہ کا لغوی معنی | 898/9 |
| 2 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کے شیعہ نوح سے ہونے کی وضاحت | 898/9 |
| 3 | موجودہ شیعہ کا اکابر صحابہ پر سب وشتم کرنا | 643/5 |
| 36 | شیخ | |
| 1 | لفظ شیخ کا معنی اور اس کے مواضع استعمال | 117/12 |

## ص

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | سورۂ ص | |
| 1 | سورۂ ص کا نام اور وجہ تسمیہ | 29/10 |
| 2 | سورۂ ص کا زمانہ نزول | 29/10 |
| 3 | سورۂ ص کے اغراض ومقاصد | 30/10 |
| 4 | سورۂ ص کے مضامین اور مشمولات | 31/10 |
| 5 | سورۂ ص کے سجدہ کے وجوب میں اختلاف فقہاء | 68/10 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | ولات حین مناص کی تفسیر | 37/10 |
| 7 | سورۂ ص کا اختتام | 159/10 |
| 2 | حضرت صالح علیہ السلام | |
| 1 | قوم ثمود کی اجمالی تاریخ | 209/4 |
| 2 | حضرت صالح کی بعثت | 209/4 |
| 3 | حضرت صالح علیہ السلام سے معجزہ کی طلبی | 209/4 |
| 4 | قوم ثمود کی سرکشی اور ان پر عذاب | 210/4 |
| 5 | اونٹنی کا قاتل کون تھا؟ | 211/4 |
| 6 | اونٹنی کا معجزہ ہونا | 212/4 |
| 7 | قوم ثمود کا قصہ | 212/4 |
| 8 | حضرت صالح علیہ السلام کا دلائل قائم کیے بغیر توحید کی دعوت دینا | 567/5 |
| 9 | حضرت صالح علیہ السلام سے ان کی قوم کی امیدوں کی وجوہات | 576/5 |
| 10 | حضرت صالح علیہ السلام کی اونٹنی کے معجزہ ہونے کی وجوہ | 577/5 |
| 11 | اپنی نبوت پر یقین کے باوجود حضرت صالح علیہ السلام نے بصورت شک بات کیوں کی؟ | 577/5 |
| 12 | اونٹنی سے قوم کی دشمنی کا سبب | 578/5 |
| 13 | اونٹنی کو قتل کرنے کی وجوہ | 578/5 |
| 14 | اونٹنی کو قتل کرنے کی تفصیل | 578/5 |
| 15 | قوم ثمود پر عذاب نازل ہونے کی تفصیل | 579/5 |
| 16 | حضرت صالح علیہ السلام کی نشانیاں | 313/6 |
| 17 | حضرت صالح علیہ السلام کو قوم ثمود کی طرف بھیجنا | 402/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 18 | حضرت صالح علیہ السلام سے دلیل کا مطالبہ | 404/8 |
| 19 | حضرت صالح علیہ السلام کا چٹان سے اونٹنی نکال کر دکھانا | 404/8 |
| 20 | قوم ثمود کا اونٹنی کو قتل کرنا | 405/8 |
| 21 | قوم ثمود کے نادم ہونے کے باوجود ان پر عذاب نازل ہونا | 406/8 |
| 22 | حضرت صالح علیہ السلام اور قوم ثمود کا تعارف | 698/8 |
| 23 | اونٹنی کو قتل کرنے والے نو آدمی | 699/8 |
| 24 | حضرت صالح علیہ السلام کے مخالفین کی سازش کا ناکام ہونا | 700/8 |
| 25 | قوم ثمود کے ہلاک ہونے کی کیفیت | 700/8 |
| 26 | حضرت صالح علیہ السلام اور ان کے متبعین کا الحجر سے نکل جانا | 701/8 |
| 27 | قوم ثمود کا ہدایت پانے کے بعد گمراہ ہو جانا | 464/10 |
| 28 | قوم ثمود کی طرف حضرت صالح علیہ السلام کی بعثت | 590/11 |
| 29 | قوم ثمود اور اونٹنی کے درمیان پانی کی تقسیم | 591/11 |
| 30 | قوم ثمود کا اونٹنی کو ذبح کرنا | 591/11 |
| 31 | قوم ثمود پر عذاب کی کیفیت | 592/11 |
| 32 | قوم ثمود کے واقعہ میں اللہ تعالیٰ کی نشانیاں | 383/11 |
| 33 | قوم ثمود کی سرکشی اور اس کا عذاب | 774/12 |
| 34 | قوم ثمود کا عذاب | 730/12 |
| 35 | قوم ثمود کا پہاڑوں کو تراش کر مکان بنانا | 732/12 |
| 36 | قوم ثمود کی عذاب سے ہلاکت | 205/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | **صالح** | |
| 1 | دیکھئے "48: نیک لوگ" صفحہ 275 | |
| 4 | **صابئین** | |
| 1 | صابئین کے دین کی تحقیق | 412/1 |
| 5 | **صابن** | |
| 1 | ملکی وغیر ملکی صابنوں کو استعمال کرنا | 636/1 |
| 6 | **صبر** | |
| 1 | صبر کا معنی | 387/1 |
| 2 | صبر کے متعلق احادیث | 387/1 |
| 3 | دنیا میں مصائب پیش آنے کی وجوہات | 605/1 |
| 4 | مصیبت پر صبر کرنے کی فضیلت | 606/1 |
| 5 | انا للہ و انا الیہ راجعون پڑھنے کی فضیلت | 606/1 |
| 6 | مروجہ ماتم کی شرعی حیثیت | 608/1 |
| 7 | صبر کا معنی | 534/2 |
| 8 | صبر کے متعلق احادیث | 534/2 |
| 9 | صبر اور مصابرہ میں فرق | 535/2 |
| 10 | مصابرہ کے متعلق احادیث | 535/2 |
| 11 | زیادتیوں پر صبر کا حکم | 485/5 |
| 12 | اختیاری صبر کی زیادہ فضیلت | 690/5 |
| 13 | ہمارے نبی ﷺ کا صبر حضرت یوسف علیہ السلام کے صبر سے زیادہ عظیم ہے | 691/5 |
| 14 | حضرت یعقوب علیہ السلام نے صبر کرنے کے بجائے بیٹوں کی تفتیش کیوں نہ کی؟ | 720/5 |
| 15 | صبر جمیل کی تعریف | 721/5<br>843/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 16 | صبر جمیل کے حصول کے اسباب | 721/5 |
| 17 | صبر جمیل کی اقسام | 722/5 |
| 18 | صبر جمیل کے اجر کے متعلق احادیث | 843/5 |
| 19 | صبر کی اقسام | 84/6 |
| 20 | صبر کی وجوہ اور جس وجہ سے صبر اللہ کے لیے ہو | 84/6 |
| 21 | مومنوں کا صبر کرنا | 88/6 |
| 22 | صبر کے متعلق احادیث | 142/6 |
| 23 | صبر کرنے کی ترغیب | 604/6 |
| 24 | نبی کریم ﷺ کو صبر کا حکم | 501/7 |
| 25 | صبر کی تلقین | 193/9 |
| 26 | صبر اور عزیمت کی تفصیل | 266/9 |
| 27 | صبر کی فضیلت میں احادیث و آثار | 280/9 |
| 28 | صوفیاء کے نزدیک صبر کی تعریفات | 282/9 |
| 29 | حضور علیہ السلام کو صبر کی تلقین | 120/10 |
| 30 | صبر کے معانی | 200/10 |
| 31 | صبر کا بے حساب اجر عطا فرمانے کی وجوہ | 201/10 |
| 32 | صبر کی جزاء کے متعلق احادیث و آثار | 201/10 |
| 33 | لوگوں کی زیادتی پر صبر کرنا اور انہیں جواب نہ دینا | 505/10 |
| 34 | مصائب پر صبر کرنے کی تلقین و ترغیب | 918/11 |
| 35 | صبر کی اقسام | 447/12 |
| 36 | صبر جمیل | 226/12 |
| 7 | صحابۂ کرام رضی اللہ عنہم | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | صحابۂ کرام پر سب و شتم کی مذمت | 295/1 |
| 2 | عدالت صحابہ | 571/1 |
| 3 | تمام صحابۂ کرام کا مومن و طیب ہونا | 479/2<br>527/2 |
| 4 | سابقین صحابہ کی فضیلت | 99/5 |
| 5 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا صحابۂ کرام کو دینی بھائی کے بجائے میرے اصحاب کہنا | 78/5 |
| 6 | صحابۂ کرام کے صدقات پر منافقین کے طعنے | 209/5 |
| 7 | اکابر صحابہ پر شیعہ کا سب و شتم کرنا | 643/5 |
| 8 | تعظیم صحابہ کا عقیدہ صرف اہل سنت و جماعت کی خصوصیت ہے | 588/10 |
| 9 | تعظیم صحابہ کے متعلق احادیث | 588/10 |
| 10 | اپنے کافر باپ یا بیٹے اور دیگر رشتہ داروں پر اللہ اور اس کے رسول کے حکم کو ترجیح دینے والے صحابہ | 794/11 |
| 11 | صحابہ اور اخیار تابعین سے محبت کا وجوب | 827/11 |
| 12 | اصحاب کو سب و شتم کی ممانعت | 827/11 |
| 13 | فضائل صحابہ میں احادیث | 721/11 |
| 14 | خلفائے راشدین کے فضائل | 268/11 |
| 15 | سجدوں کے اثر سے پیشانی پر نشان | 269/11 |
| 16 | تورات اور انجیل میں صحابہ کی صفات | 269/11 |
| 17 | صحابۂ کرام کے فضائل | 270/11 |
| 8 | صحیفہ | |
| 1 | صحیفوں کی تعداد کی تحقیق | 418/10 |
| 2 | لوگوں کو ان کے صحائف اعمال کی طرف بلانا | 821/10 |
| 3 | صحیفوں کے مندرجات کو ظاہر کرنے کے محامل | 947/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | صحیفوں کی تعداد کی تحقیق | 702/12 |
| 5 | مومنوں کے صحائف کے متعلق احادیث و آثار | 629/12 |
| 6 | صحائف اعمال کو گلے میں لٹکانا | 658/6 |
| 7 | بندہ کا اپنے صحائف اعمال کو پڑھنا | 659/6 |
| **9** | **صدیق** | |
| 1 | دیکھئے ''20: دوست'' صفحہ 130 | |
| **10** | **صدق** | |
| 1 | سچ بولنے کا فائدہ | 380/3 |
| 2 | صدق کے متعلق احادیث | 288/5 |
| 3 | صدق کی عقلی فضیلت | 289/5 |
| **11** | **صدقہ** | |
| 1 | دیکھئے ''99: انفاق فی سبیل اللہ'' صفحہ 75 | |
| **12** | **صراطِ مستقیم** | |
| 1 | صراط مستقیم کا معنی | 211/1 |
| 2 | نمازی کا صراط مستقیم کی دعا کرنا | 211/1 |
| 3 | صراط مستقیم کی متعدد تفاسیر | 288/6 |
| **13** | **صعقہ** | |
| 1 | صعقہ کا معنی | 310/4 |
| 2 | سورۃ البقرہ میں الصاعقہ اور سورۃ الاعراف میں الرجفہ فرمانے کی توجیہ | 353/4 |
| **14** | **سورۃ الصّف** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 862/11 |
| 2 | سورۃ الصف کے مشمولات | 862/11 |
| 3 | سورۃ الصف کا اختتام | 873/11 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **15** | **جنگِ صفین** | |
| 1 | جنگِ صفین کے متعلق حرف آخر | 289/11 |
| **16** | **صفات باری تعالیٰ** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کا غفار ہونا | 136-139/10 |
| 2 | العزیز اور العلیم کا معنی | 316/10 |
| 3 | جبار و متکبر کا معنی اور ان کے متعلق احادیث | 355/10 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کی صفات میں غور و فکر کرنے کے متعلق احادیث | 798/10 |
| 5 | المتکبر کا لفظ اللہ کے لیے باعث مدح اور مخلوق کے لیے باعث مذمت ہے | 835/11 |
| 6 | رحمٰن کا معنی اور اس کا اللہ تعالیٰ کی ذات کے ساتھ مخصوص ہونا | 604/11 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کی صفات میں متقدمین و متاخرین کا اختلاف | 584/11 |
| 8 | اللہ تعالیٰ کی صفت الاعلیٰ ذکر کرنے کی وجوہ | 684/12 |
| 9 | اللہ تعالیٰ کی عظیم اور منفرد صفات | 659/12 |
| **17** | **سورۃ الصّٰفّٰت** | |
| 1 | سورۃ الصّٰفّٰت کی وجہ تسمیہ اور اس کا زمانہ نزول | 853/9 |
| 2 | سورۃ الصّٰفّٰت کے متعلق احادیث | 853/9 |
| 3 | سورۃ الصّٰفّٰت کے مشمولات | 855/9 |
| 4 | سورۃ الصّٰفّٰت کے اختتامی کلمات | 972/9 |
| **18** | **صلح حدیبیہ** | |
| 1 | صلح حدیبیہ کی رُو سے صرف مہاجر مسلمانوں کو کفار کی طرف واپس کرنا | 853/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | صلح حدیبیہ کا تذکرہ | 183/11 |
| 3 | ذوالقعدہ میں عمرہ کیلئے روانہ ہونے اور حدیبیہ کے مقام پر روکے جانے کے متعلق احادیث | 184/11 |
| 4 | صلح حدیبیہ کی باقی ماندہ شرائط | 189/11 |
| 5 | بیعت رضوان کے متعلق قرآن کی آیات | 190/11 |
| 6 | بیعت رضوان کے متعلق احادیث | 191/11 |
| 7 | بیعت رضوان کا مفصل واقعہ | 192/11 |
| 8 | بشارت کی تعیین سے پہلے عمرہ حدیبیہ کی توجیہ | 193/11 |
| 9 | حدیبیہ کے بعد غزوات میں اللہ تعالیٰ کی پیہم نعمتیں | 256/11 |
| 10 | اللہ تعالیٰ کا حدیبیہ میں کفار کو مسلمانوں پر حملہ کرنے سے روکنا | 257/11 |
| 11 | حدیبیہ میں مسلمانوں کو قتال کی اجازت نہ دینے کی توجیہات | 261/11 |
| 12 | حدیبیہ میں وہ کونسی باتیں تھیں جن کو مسلمان نہیں جانتے تھے؟ | 267/11 |
| 13 | حدیبیہ کے بعد کون سی فتح حاصل ہوئی؟ | 267/11 |
| 19 | صلوٰۃ (درود وسلام) | |
| 1 | غیر انبیاء پر صلوٰۃ بھیجنے کی شرعی حیثیت | 607/1 |
| 2 | انبیاء کے غیر پر استقلالاً و انفراداً صلوٰۃ بھیجنے کی تحقیق | 248/5 |
| 3 | صلوٰۃ کا لغوی معنی | 248/5 |
| 4 | انبیاء علیہم السلام پر انفراداً صلوٰۃ بھیجنے میں مذاہب فقہاء | 248/5 |
| 5 | انبیاء علیہم السلام کے غیر پر صلوٰۃ وسلام بھیجنے میں جمہور کا موقف | 249/5 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | انبیاء علیہم السلام کے غیر پر انفراداً صلوٰۃ نہ بھیجنے کے دلائل | 250/5 |
| 7 | انبیاء علیہم السلام کے غیر پر استقلالاً صلوٰۃ پڑھنے والوں کے دلائل اور ان کے جوابات | 249/5 |
| 8 | اللہ تعالیٰ کے صلوٰۃ نازل کرنے کا معنی | 501/9 |
| 9 | نبی ﷺ پر اللہ اور فرشتوں کی صلوٰۃ کا معنی | 533/9 |
| 10 | رسول اللہ ﷺ پر صلوٰۃ وسلام پڑھنے کی فضیلت میں احادیث | 536/9 |
| 11 | دعا کے اوّل و آخر میں درود شریف پڑھنے کی فضیلت | 539/9 |
| 12 | بعض دیگر مواقع پر درود پڑھنے کی فضیلت | 540/9<br>545/9 |
| 13 | درود ابراہیمی میں تشبیہ اور دوسرے اعتراض کا جواب | 542/9 |
| 14 | نبی ﷺ پر درود پڑھنے کے حکم میں مذاہب ائمہ | 543/9 |
| 15 | ہر بار نبی کریم ﷺ کے ذکر میں درود پڑھنے کے دلائل اور ان کے جوابات | 544/9 |
| 16 | اذان سے پہلے اور بعد میں درود پڑھنے کا حکم | 544/9 |
| 17 | اذان اور اقامت کے وقت صلوٰۃ وسلام پڑھنے کی تحقیق | 545/9 |
| 18 | جن مواقع اور مواضع پر فقہاء اسلام نے صلوٰۃ وسلام پڑھنے کو مکروہ کہا ہے | 547/9 |
| 19 | غیر انبیاء پر استقلالاً صلوٰۃ پڑھنے میں مذاہب ائمہ | 547/9 |
| 20 | غیر انبیاء پر استقلالاً سلام پڑھنے کا بھی ممنوع ہونا | 548/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 21 | غیر انبیاء کے لیے استقلالاً لفظ صلوٰۃ کا استعمال | 548/9 |
| 22 | نبی علیہ السلام پر سلام کے بغیر صرف صلوٰۃ پڑھنے کا بلا کراہت جواز | 549/9 |
| 20 | **صلوٰۃ (نماز)** | |
| 1 | صلوٰۃ کا معنی | 264/1 |
| 2 | بتدریج نمازوں کی فرضیت کا بیان | 265/1 |
| 3 | نماز میں تمام عبادات کی جامعیت | 266/1 |
| 4 | قرآن اور احادیث میں نماز پڑھنے کی تاکید | 267/1 |
| 5 | تارک صلوٰۃ کے متعلق مذاہب اربعہ کے نظریات | 269/1 |
| 6 | نماز سے مدد حاصل کرنا | 388/1 |
| 7 | باجماعت نماز کے فوائد | 371/1 |
| 8 | چلتی ہوئی ٹرین میں فرض نماز پڑھنا | 505/1 |
| 9 | نماز میں حضرت ابراہیم علیہ السلام پر صلوٰۃ کی تخصیص | 549/1 |
| 10 | نماز میں ایک طرف منہ کرنے کے اسرار | 567/1 |
| 11 | نمازوں پر ایمان کے اطلاق کی وجہ | 576/1 |
| 12 | پانچوں نمازوں کے مستحب اوقات | 583/1 |
| 13 | حفاظت نماز کی تاکید، نماز میں سستی اور اسے ترک کرنے پر وعید | 855/1 |
| 14 | صلوٰۃ وسطیٰ کے متعلق آراء | 859/1 |
| 15 | چلتی ہوئی ٹرین اور طیارہ پر نماز پڑھنا | 863/1 |
| 16 | حفاظت نماز اور عدت وفات میں مناسبت | 866/1 |
| 17 | صلوٰۃ خوف پڑھنے کے متعلق احادیث | 864/1 |
| 18 | صلوٰۃ خوف پڑھنے کے متعلق آئمہ کی آراء | 863/1 |
| 19 | صلوٰۃ خوف پڑھنے کے متعلق مذاہب ائمہ اربعہ | 865/1 |
| 20 | نمازی کو ندا کرنا | 146/2 |
| 21 | محراب میں نماز پڑھنا | 146/2 |
| 22 | سجدہ کا ذکر رکوع کے ذکر پر مقدم | 155/2 |
| 23 | کروٹ کے بل نماز پڑھنا | 518/2 |
| 24 | حالت نشہ میں نماز پڑھنا | 679/2 |
| 25 | نماز خوف پڑھنے کا طریقہ | 777/2 |
| 26 | سفر شرعی میں نماز کو قصر کرنا | 778/2 |
| 27 | مسافت شرعی کی مقدار | 779/2 |
| 28 | مسافت قصر کا اندازہ بحساب میل | 779/2 |
| 29 | مسافت قصر کا اندازہ سمندری سفر میں | 782/2 |
| 30 | حالت جنگ میں نماز | 783/2 |
| 31 | ایک نماز کے وقت میں دوسری نماز | 784/2 |
| 32 | قطبین میں نماز | 785/2 |
| 33 | سستی سے نماز پڑھنا | 834/2 |
| 34 | تمام عبادات میں نماز کی اہمیت | 591/3 |
| 35 | تارک نماز کے متعلق مذاہب فقہاء | 592/3 |
| 36 | نماز کا افتتاح کس سے کیا جائے؟ | 702/3 |
| 37 | فرض نماز میں رسول اللہ ﷺ کے بلانے پر حاضر ہونا واجب ہے | 601/4 |
| 38 | ائمہ ثلاثہ کے نزدیک تارک صلوٰۃ کو قتل کرنا | 66/5 |
| 39 | نماز کی اہمیت | 644/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 40 | نماز فجر کو سفید اور روشن وقت میں پڑھنے، عصر کو دو مثل سایہ کے بعد پڑھنے اور وتر کے وجوب میں امام ابوحنیفہ کی تائید | 644/5 |
| 41 | پانچ وقت کی نمازوں سے گناہوں کا معاف ہونا | 648/5 |
| 42 | حضور ﷺ کی لیلۃ التعریس میں نماز فجر کا قضا ہونا | 770/5 |
| 43 | غزوۂ خندق میں نمازیں قضا ہونے کی تحقیق | 771/5 |
| 44 | غزوۂ خندق میں نمازیں قضا ہونے کا سبب | 772/5 |
| 45 | اب جہاد میں مشغولیت کی وجہ سے نماز کو قضا کرنا | 772/5 |
| 46 | نبی ﷺ کی نمازوں میں سہو کی تحقیق | 772/5 |
| 47 | مسجد حرام اور مسجد نبوی میں نماز پڑھنے کی فضیلت | 205/6 |
| 48 | صف اوّل میں نماز پڑھنے کی فضیلت | 267/6 |
| 49 | نماز پڑھنے سے رنج و غم کا دور ہونا | 327/6 |
| 50 | پانچ نمازوں کی فرضیت | 769/6 |
| 51 | اوقات نماز کے متعلق احادیث | 770/6 |
| 52 | تعدیل ارکان میں کمی | 296/7 |
| 53 | مستحب وقت کے بعد نماز پڑھنا | 297/7 |
| 54 | نوافل سے فرائض کی کمی کی تلافی | 297/7<br>299/7 |
| 55 | فرض نہ پڑھنے سے نفل نامقبول | 298/7<br>300/7 |
| 56 | جوتیوں کے ساتھ نماز پڑھنا | 350/7 |
| 57 | عمداً نماز ترک کرنے والے پر نماز کی قضاء | 355/7 |
| 58 | نماز کے اوقات اور رات کو نماز پڑھنا | 501/7 |
| 59 | نماز پڑھنے کی تاکید | 503/7 |
| 60 | آخری ایام میں حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نمازیں | 560/7 |
| 61 | ایام مرض میں نماز ظہر کی امامت کس نے کرائی؟ | 562/7 |
| 62 | چلتی ٹرین میں نماز پڑھنا | 629/7 |
| 63 | لاؤڈ سپیکر کے مائیک پر نماز پڑھنا | 630/7 |
| 64 | نماز کو سستی اور غفلت سے پڑھنا | 857/7 |
| 65 | عشاء کی نماز کے بعد جاگ کر باتیں کرنا | 886/7 |
| 66 | نماز فجر باجماعت پڑھنے کی فضیلت | 267/8 |
| 67 | کن لوگوں کو خرید وفروخت نماز سے غافل نہیں کرتی | 144/8 |
| 68 | نماز برے کاموں سے روکتی ہے کی تفصیل | 91/9 |
| 69 | پانچ نمازوں کے اوقات | 142/9 |
| 70 | عمداً نماز ترک کرنا | 191/9 |
| 71 | نماز کو قائم کرنے کا معنی | 213/9 |
| 72 | اقامت صلوٰۃ کے آداب | 677/9 |
| 73 | زیادہ دور سے آ کر مسجد میں نماز پڑھنے کی فضیلت | 728/9 |
| 74 | نماز میں صف بستہ کھڑے ہونے کی فضیلت | 857/9 |
| 75 | چاشت اور اشراق پڑھنے کی فضیلت | 55/10 |
| 76 | اشراق کی نماز کا وقت | 56/10 |
| 77 | نماز چاشت کی رکعات کی تعداد اور اس کا وقت | 57/10 |
| 78 | نماز میں قیام کی فضیلت | 186/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 79 | سجدہ اور قیام میں رات گزارنے والوں کے مصادیق | 188/10 |
| 80 | نماز نہ پڑھنے پر وعید | 616/10 |
| 81 | فرائض کی قضاء کو نوافل کی ادائیگی پر مقدم کرنا | 760/10 |
| 82 | نفلی عبادات کا شروع کرنے کے بعد واجب ہو جانا | 176/11 |
| 83 | رکوع میں سبحان ربی العظیم پڑھنے کی توجیہ | 705/11 |
| 84 | سجدہ میں سبحان ربی الاعلیٰ پڑھنے کی توجیہ | 705/11 |
| 85 | فجر اور عصر کی نماز پڑھنے کی خاص اہمیت | 339/11 |
| 86 | مغرب سے قبل دو رکعت نماز سنت پڑھنا | 340/11 |
| 87 | رات کو اٹھ کر نماز پڑھنے کا سب سے عمدہ طریقہ | 363/11 |
| 88 | نماز فجر سے قبل دو رکعت سنت ادا کرنا | 468/11 |
| 89 | مکروہ وقت میں نماز | 884/12 |
| 90 | کن نمازیوں کے لیے ہلاکت ہے؟ | 994/12 |
| 91 | کفار کو نماز پڑھنے کا حکم دینے کی متعدد تفاسیر | 497/12 |
| 92 | صبح اور پچھلے پہر اللہ کے ذکر کرنے سے مراد پانچ نمازیں ہیں یا اللہ کی تسبیح کرنا؟ | 457/12 |
| 93 | نماز میں سورۂ فاتحہ کی قرأت کا فرض نہ ہونا | 354/12 |
| 94 | جماعت سے نماز نہ پڑھنا | 194/12 |
| 95 | اللہ تعالیٰ کی خفیہ تدبیر | 195/12 |
| 96 | رکوع اور سجود کی تسبیحات | 216/12 |
| 97 | نماز کی حفاظت سے متعلق امور | 236/12 |
| 21 | **صلح** | |
| 1 | مسلمانوں کے دو گروہوں کے مابین صلح کرانا | 282/11 |
| 2 | حضرت حسن رضی اللہ عنہ کا حضرت معاویہ رضی اللہ عنہ سے صلح کرنا | 283/11 |
| 3 | حضرت معاویہ رضی اللہ عنہ اور ان کے لشکر کا حضرت علی رضی اللہ عنہ سے جنگ صفین کے باوجود اسلام سے خارج نہ ہونا | 284/11 |
| 22 | **صلہ رحمی** | |
| 1 | صلہ رحمی میں القرب فالقرب کی ترجیح | 460/8 |
| 2 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا کوہِ صفا پر چڑھ کر اپنے قرابت داروں کو اللہ کے عذاب سے ڈرانا | 461/8 |
| 3 | رحم کی تراوٹ سے فائدہ پہنچانا | 462/8 |
| 4 | صلح رحمی کے متعلق احادیث | 158/11 |
| 23 | **صوفی** | |
| 1 | جاہل صوفیاء کے خودساختہ احکام کا رد | 176/10 |
| 24 | **صور** | |
| 1 | قرآن و احادیث کی روشنی میں صور پھونکنے کا بیان | 541/3 |
| 2 | صور کا لغوی و اصطلاحی معنی | 748/8 |
| 3 | صور پھونکنے کے متعلق احادیث | 749/8 |
| 4 | کتنی بار صور پھونکا جائے گا؟ | 749-753/8 |
| 5 | نفخۃ الصعق سے مستثنیٰ افراد | 753-757/8 |
| 6 | صور پھونکنے کی تعداد | 787/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | صور پھونکنے کے بعد بے ہوشی سے مستثنیٰ رہنے والی شخصیات | 787/9 |
| 8 | صور سے متعلق سورۂ یاسین اور سورۂ زمر کی آیتوں کے تعارض کا جواب | 789/9 |
| 9 | لوگوں کے دوسرے صور سے زندہ ہونے کی وجہ | 790/9 |
| 10 | دوسرے صور کی تفصیل | 791/9 |
| 11 | صور پھونکنے کی تحقیق | 296/10 |
| 12 | دوسرے صور میں پھونکنے کے بعد لوگوں کے زندہ ہونے کی کیفیت | 345/11 |
| 25 | **صیغۂ امر** | |
| 1 | صیغۂ امر کے مواضع | 38/3 |
| 2 | تقاضائے امر کا واحد ہونا | 40/3 |
| 3 | امر کا مقتضیٰ وجوب | 41/3 |
| 4 | ممانعت کے بعد امر کا مقتضیٰ | 42/3 |
| 5 | نبی ﷺ کے افعال سے وجوب | 43/3 |

## ض

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **ضالین** | |
| 1 | ضالین کے معانی | 215/1 |
| 2 | ضالین کی تفسیر | 217/1 |
| 2 | **سورۃ الضحیٰ** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 803/12 |
| 2 | سورۃ الضحیٰ کی سورۃ اللیل سے مناسبت | 803/12 |
| 3 | سورۃ الضحیٰ کے مشمولات | 803/12 |
| 4 | سورۃ الضحیٰ پر سورۃ اللیل کو مقدم کرنے کی وجوہ | 805/12 |
| 5 | سورۃ الضحیٰ کی تفسیر کا اختتام | 839/12 |
| 3 | **ضد** | |
| 1 | ضد کا معنی | 313/7 |
| 4 | **ضمانت** | |
| 1 | مال اور شخص کی ضمانت کے متعلق احادیث | 821/5 |
| 2 | ضمانت کی تعریف اور اس کے شرعی احکام | 822/5 |

## ط

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **سورۃ الطارق** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 663/12 |
| 2 | سورۃ الطارق کے متعلق احادیث | 663/12 |
| 3 | سورۃ الطارق کی سورۃ البروج سے مناسبت | 663/12 |
| 4 | سورۃ الطارق کے مشمولات | 664/12 |
| 5 | سورۃ الطارق کا اختتام | 679/12 |
| 2 | **طالوت** | |
| 1 | طالوت کا بیان | 879/1 |
| 2 | طالوت کی فتح | 889/1 |
| 3 | **طاعون** | |
| 1 | طاعون سے ڈر کر بھاگنا | 872/1 |
| 2 | طاعون کے متعلق احادیث | 407/1 |
| 3 | بنو اسرائیل پر طاعون کا عذاب | 407/1 |
| 4 | طاعون کے متعلق قدیم علماء و سائنس کی تحقیق | 408/1 |
| 5 | طاعون کا علاج | 409/1 |
| 4 | **طائر** | |
| 1 | دیکھئے "24: شگون" صفحہ 155 | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | **طریقت** | |
| 1 | طریقت کا بیان | 500/1 |
| 2 | طریقت | 381/3 |
| 3 | طریقت کی تعریف | 173/7 |
| 6 | **طریقہ انتخاب** | |
| 1 | موجودہ طریقہ انتخاب کا غیر اسلامی ہونا | 796/5 |
| 2 | امیدوار کیلئے شرائط اہلیت نہ ہونے کے غلط نتائج | 796/5 |
| 3 | موجودہ طریق انتخاب کی اصلاح کی ایک صورت | 796/5 |
| 4 | کافر یا فاسق فاجر کی طرف سے عہدہ یا منصب قبول کرنے کی تحقیق | 797/5 |
| 7 | **طعام** | |
| 1 | دسترخوان اور میز پر کھانا کھانے کی شرعی حیثیت | 374/3 |
| 2 | کھانے پینے میں وسعت کی گنجائش | 105/4 |
| 3 | کھانا کھانے کے آداب | 107/4 |
| 4 | کھڑے ہو کر کھانا کھانا | 108/4 |
| 5 | پچھلی امتوں میں بھی کھانا کھانے سے پہلے ''بسم اللہ'' پڑھنے کا معمول تھا | 590/5 |
| 6 | لذیذ طعام اور مشروب، کھانے پینے کا جواز | 483/6 |
| 7 | بیماروں اور معذوروں کے ساتھ مل کر کھانا | 186/8 |
| 8 | وکیلوں کا اپنی موکلوں کے گھروں سے کھانا | 187/8 |
| 9 | اپنے دوستوں کے گھروں سے کھانا | 188/8 |
| 10 | اچھے کھانے کھانا | 270/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | بھوکے مسلمانوں کو کھانا کھلانے کی فضیلت | 756/12 |
| 8 | **طعنہ** | |
| 1 | ایک دوسرے کو طعنہ دینے کی ممانعت | 295/11 |
| 9 | **سورۃ الطلاق** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 41/12 |
| 2 | سورۃ الطلاق کا سبب نزول | 42/12 |
| 3 | سورۃ الطلاق کی سورۃ التغابن سے مناسبت | 43/12 |
| 4 | سورۃ الطلاق کے مشمولات | 43/12 |
| 5 | سورۃ الطلاق کا اختتام | 96/12 |
| 10 | **طلاق** | |
| 1 | طلاق کا معنی | 811/1 |
| 2 | طلاق کی اقسام | 811/1 |
| 3 | طلاق کی مشروعیت کی وجہ | 812/1 |
| 4 | طلاق فقط ناگزیر حالات میں | 812/1 |
| 5 | طلاق کا اختیار فقط مرد کو | 812/1 |
| 6 | طلاق میں عورت کی رضامندی | 813/1 |
| 7 | تین طلاقوں کی تحدید کی وجوہات و حکمتیں | 814/1 |
| 8 | احسن طریقہ سے طلاق دینے کے فوائد | 815/1 |
| 9 | طلاق کی تدریج میں مرد اور تحدید میں عورت کی رعایت | 815/1 |
| 10 | ایک وقت میں تین طلاقیں | 816/1 |
| 11 | بیک وقت دی گئی تین طلاقوں کے حکم میں مذاہب اربعہ کے نظریات | 816/1 |
| 12 | تین طلاقوں کو ایک قرار دینا | 818/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 13 | تین طلاقوں کا تین ہونا | 818/1 |
| 14 | جس عورت کو خاوند خرچ نہ دے | 840/1 |
| 15 | مذاق میں دی گئی طلاق میں شرعی حکم | 841/1 |
| 16 | مطلقہ غیر مدخولہ کا مہر اور متاع | 850/1 |
| 17 | مطلقہ کی متاع کی مقدار | 851/1 |
| 18 | مطلقہ کی متاع کا شرعی حکم | 852/1 |
| 19 | متاع کے وجوب پر فقہاء کے دلائل | 852/1 |
| 20 | مطلقہ عورتوں کے مہر کی ادائیگی | 871/1 |
| 21 | حالت غضب میں طلاق | 343/4 |
| 22 | بیوی کو طلاق اور اختیار دینے سے وقوع طلاق اور مدت خیار مذاہب فقہاء | 416/9 |
| 23 | اجنبی عورت کو تعلیقاً طلاق دینے میں مذاہب ائمہ | 510-511/9 |
| 24 | مطلقہ کو نصف مہر اور متاع دینے کے وجوب کے محامل | 513/9 |
| 25 | مطلقات کی اقسام اور متاع کا بیان | 514/9 |
| 26 | مسئلہ طلاق کی تحقیق | 47/12 |
| 27 | ایک لفظ کے ساتھ اور ایک مجلس میں دی ہوئی تین طلاقیں | 48-53/12 |
| 28 | ایک مجلس کی تین طلاقوں کو ایک طلاق قرار دینا | 53-57/12 |
| 29 | مسئلہ طلاق میں نبی ﷺ کو ندا کرنا | 57/12 |
| 30 | حالت حیض میں طلاق دینے کی ممانعت | 57/12 |
| 31 | طلاق بر طریقہ سنت کی دو صورتیں | 57/12 |
| 32 | طلاق کا لغوی و اصطلاحی معنی | 58/12 |
| 33 | طلاق کی اقسام | 58/12 |
| 34 | جب حاملہ کو جماع کے بعد طلاق دینا جائز ہے تو غیر حاملہ کو کیوں جائز نہیں؟ | 59/12 |
| 35 | ایک طہر میں تین طلاق دینے کی تحریم | 60/12 |
| 36 | ایک کلمہ کے ساتھ تین طلاق دینا | 61/12 |
| 37 | فی نفسہ طلاق کے ناپسندیدہ ہونے کے متعلق احادیث | 61/12 |
| 38 | تین طلاقوں کی ممانعت پر دلیل | 66/12 |
| 39 | مطلقہ سے رجوع کرنے اور اس کو دستور کے مطابق رخصت کرنے کا معنی | 67/12 |
| 40 | طلاق اور اس سے رجوع پر گواہ بنانا | 68/12 |
| 41 | طلاق ثلاثہ کے بعد نفقہ اور سکنیٰ | 81-86/12 |
| 11 | **سورۃ الطور** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 405/11 |
| 2 | سورۃ الطور اور سورۃ الذٰریات میں مناسبت | 405/11 |
| 3 | سورۃ الطور کے متعلق احادیث | 405/11 |
| 4 | سورۃ الطور کے مشمولات | 406/11 |
| 5 | الطور کا معنی اور مصداق | 408/11 |
| 6 | سورۃ الطور کا اختتام | 469/11 |
| 12 | **طواف** | |
| 1 | برہنہ طواف کی ممانعت | 101/4 |
| 2 | طواف کی اقسام | 746/7 |
| 13 | **سورۃ طٰہٰ** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 323/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | سورۂ مریم اور سورۂ طٰہٰ کی باہمی مناسبت | 323/7 |
| 3 | سورۂ طٰہٰ کا زمانۂ نزول | 324/7 |
| 4 | سورۂ طٰہٰ کے مقاصد و مسائل | 326/7 |
| 5 | طٰہٰ الخ کا شان نزول | 330/7 |
| 6 | طٰہٰ کے معانی | 330/7 |
| 7 | سورۂ طٰہٰ کا اختتام | 505/7 |
| **14** | **طہارت** | |
| 1 | طہور کا معنی اور اس کا مصداق | 249/8 |
| 2 | کسی نجس چیز کے گرنے سے پانی کا طہور | 249/8 |
| 3 | دہ دردہ (۱۰×۱۰) کی مقدار میں پانی کا طہور | 250/8 |
| 4 | قلتین کی مقدار میں پانی کا طہور | 250/8 |
| 5 | جاری پانی کا طہور ہونا | 251/8 |
| **15** | **طیب** | |
| 1 | طیب کا معنی | 628/1 |
| | **ظ** | |
| **1** | **ظالم/ظلم** | |
| 1 | ظالموں سے فدیہ قبول نہ کیا جانا | 383/5 |
| 2 | ظالموں کے پشیمانی چھپانے کی توجیہ | 384/5 |
| 3 | ظالموں کے درمیان عدل کے ساتھ فیصلہ کی توجیہ | 384/5 |
| 4 | دنیا میں ظلم کا قابل درگزر نہ ہونا | 651/5 |
| 5 | اس سوال کا جواب کہ سب لوگ ظلم کرتے ہیں | 472/6 |
| 6 | اس سوال کا جواب کہ غیر ظالموں کو ہلاک کرنا عدل کے خلاف ہے | 473/6 |
| 7 | ظالموں کے لیے قرآن کا گمراہی ہونا | 783/6 |
| 8 | ظلم کو خود مٹانا | 397/8<br>395/8 |
| 9 | کیا حضرت موسیٰ علیہ السلام کا قبطی کو قتل کرنا ظلم تھا؟ | 582/8 |
| 10 | ظالم کی مدد کرنے کی ممانعت | 788/8 |
| 11 | ظلم کا لغوی و عرفی معنی | 341/9 |
| 12 | ظلم کی سزاؤں اور عذاب کے متعلق احادیث | 341/9 |
| 13 | انسان کے ظالم ہونے کی توجیہ | 585/9 |
| 14 | ظالموں کے ازواج کی تفسیر | 876/9 |
| 15 | ظلم کی اقسام اور اللہ کا ظلم سے پاک ہونا | 338/10 |
| 16 | ظلم کی مذمت میں احادیث | 518/10<br>625/10 |
| 17 | انسان کا ظلم اور اللہ کا کرم | 657/10 |
| **2** | **ظن** | |
| 1 | اتباع ظن کی مذمت | 635/3 |
| 2 | ظن کی تعریف | 151/8 |
| **3** | **ظہار** | |
| 1 | ظہار کی تعریف، حکم اور اس کا کفارہ | 372/9 |
| 2 | بیوی کو طلاق کی نیت سے ماں، بہن کہنے کا شرعی حکم | 373/9 |
| 3 | ظہار کی تعریف اور اس کا حکم | 767/11 |
| 4 | ظہار کے الفاظ اور اس کی دیگر تفاصیل | 768/11 |
| 5 | بیوی کو طلاق کی نیت سے ماں، بہن کہنا | 768/11 |
| 6 | کفارۂ ظہار کے متعلق احادیث | 772/11 |
| 7 | ظہار میں فقہاء اربعہ کا موقف | 772-774/11 |
| 8 | ظہار میں غیر مقلدین کا موقف | 775/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبرشار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | مطلق کومقید پر محمول کرنے کا ضابطہ | 775/11 |

## ع

| نمبرشار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **عاجزی کرنا** | |
| 1 | دیکھئے "47: تواضع" صفحہ 97 | |
| 2 | **حضرت عائشہ صدیقہ رضی اللہ عنہا** | |
| 1 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا پر تہمت کی تفصیل | 82/8 |
| 2 | نزول وحی سے قبل رسول اللہ ﷺ کا حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا سے برأت کے متعلق علم | 87/8 |
| 3 | کسی نبی کی زوجہ نے کبھی بدکاری نہیں کی | 89/8 |
| 4 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کی برأت پر علماء اہل سنت کے دلائل | 89/8 |
| 5 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کی برأت پر علماء شیعہ کے دلائل | 90/8 |
| 6 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے فضائل | 91/8<br>103/8 |
| 7 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کا کہنا کہ "میں حضور ﷺ کیلئے قیام نہیں کروں گی میں صرف اللہ کی حمد کروں گی" | 86/8 |
| 8 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا پر تہمت لگانے والے منافقین کی سزا | 118/8 |
| 9 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے لیے جنت کی بشارت | 119/8 |
| 10 | حدیث افک سے استنباط شدہ مسائل | 92/8 |
| 11 | حدیث افک پر اعتراضات کے جوابات | 97/8 |
| 12 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے متعلق شیعہ کی ناگفتنی روایات | 434/9 |

| نمبرشار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 13 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے اصلاحی اقدام پر قرآن سے دلائل | 436/9 |
| 3 | **عالمین** | |
| 1 | عالمین کا لغوی وعرفی معنی | 170/1 |
| 2 | عالمین کے متعلق اقوال | 171/1 |
| 4 | **عالم** | |
| 1 | بے عمل علماء کے عذاب کا بیان | 380/1 |
| 2 | علماء سے معصیت کے صدور کا زیادہ قبیح ہونا | 579/1 |
| 3 | علماء راسخین | 66/2 |
| 4 | علماء دین کی فضیلت | 89/2 |
| 5 | علماء کا فتنہ کے زمانے میں گوشہ نشین ہونا | 703/3 |
| 6 | بدعمل اور رشوت خور عالم کی مذمت | 415/4 |
| 7 | بدعمل اور رشوت خور عالم کی کتے کے ساتھ مماثلت | 416/4 |
| 8 | زمانہ فترت میں علماء مبلغین کا حجت ہونا | 547/6 |
| 9 | عالم خلق اور عالم امر | 791/6 |
| 10 | علماء ظاہر اور علماء باطن | 194-197<br>7 |
| 11 | بے عمل عالم کے متعلق احادیث | 423/7 |
| 12 | اپنے آپ کو عالم کہنا | 615/8 |
| 13 | من عرف نفسه فقد عرف ربه | 616-619<br>8 |
| 14 | قرآن میں بیان کردہ مثالوں کی فہم صرف علماء کو حاصل ہے | 83/9 |
| 15 | عالم دین کی تعریف اور اس کی شرائط | 84/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 16 | عالم دین کے فرائض | 86/9 |
| 17 | علماء کی تعظیم و تکریم اور ان کے حقوق کے متعلق آیات | 255/9 |
| 18 | علماء کی تعظیم و تکریم اور ان کے حقوق کے متعلق احادیث | 258/9 |
| 19 | علماء دین کی فضیلت میں احادیث | 676/9 |
| 20 | انما یخشی اللہ من عبادہ العلماء کی تفسیر | 677/9 |
| 21 | علماء عالمین کا ڈھلتی ہوئی عمر میں ارذل عمر کے اثرات سے محفوظ رہنا | 825/9 |
| 22 | علماء دین کی اقسام | 493/11 |
| 23 | علماء کی فضیلت میں آیات واحادیث | 786/11 |
| 5 | **سورۃ العادیات** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 942/12 |
| 2 | سورۃ العادیات کی تکمیل | 948/12 |
| 6 | **قوم عاد** | |
| 1 | دیکھئے "13: حضرت ہود علیہ السلام" صفحہ 282 | |
| 7 | **عابد/عبادت** | |
| 1 | عبادت کا لغوی واصطلاحی معنی | 178/1 |
| 2 | قرآن میں عبد کے اطلاقات | 179/1 |
| 3 | عبد النبی نام رکھنا | 180/1 |
| 4 | عبادت کا اللہ میں منحصر ہونا | 181/1 |
| 5 | ایاک نعبد میں حرف خطاب کو مقدم کرنے کی وجہ | 182/1 |
| 6 | عبادت کو استعانت پر مقدم کرنے کی وجہ | 184/1 |
| 7 | عبادت کا حکم (مومنین، کفار، منافقین) | 304/1 |
| 8 | عبادت پر غرور کرنا | 307/1 |
| 9 | اپنی طرف سے عبادت کے طریقے مقرر کرنا | 716/1 |
| 10 | اخلاص سے عبادت کرنا | 486/3 |
| 11 | رضاء الٰہی کے لیے عبادت کرنے کے تین مراتب | 162/5 |
| 12 | غیر اللہ کی عبادت کے باطل ہونے پر دلائل | 340/5 |
| 13 | عبد کا معنی | 620/6 |
| 14 | یہودیوں کا ہفتہ کو اور عیسائیوں کا اتوار کو عبادت کے لیے مخصوص کرنا | 597/6 |
| 15 | عبادت کا مستحق فقط اللہ ہے | 684/6 |
| 16 | دکھانے اور سنانے کے لیے عبادت کرنا | 232/7 |
| 17 | عابدین کا معنی | 681/7 |
| 18 | ایک کنارے پر کھڑے ہو کر عبادت کرنا | 716/7 |
| 19 | یہود و نصاریٰ اور مسلمانوں کی عبادت کے مقامات | 764/7 |
| 20 | اگر عبادت قضاء ہو جائے تو اسے ادا کر لیا جائے | 264/8 |
| 21 | رات کو اٹھ کر عبادت کرنے کی فضیلت | 265/8 |
| 22 | فجر کی نماز با جماعت پڑھنے کی فضیلت | 267/8 |
| 23 | عبادت میں غفلت نہ کرنا | 145/8 |
| 24 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا اپنے اصحاب کی عبادات کی تفتیش کرنا | 471/8 |
| 25 | پہلے زمانے کے نیک لوگوں کی عبادت | 83/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 26 | اللہ تعالیٰ کی عبادت اور سیدھے راستہ کے معانی | 812/9 |
| 27 | طلب ثواب ورضا کے لیے عبادت کرنا | 189/10 |
| 28 | عبادات میں صحیح اور احسن افعال | 210/10 |
| 29 | عبادات کے بجائے اللہ کے فضل پر نظر رکھنی چاہیے | 581/10 |
| 30 | اپنی خواہش کی عبادت | 811/10 |
| 31 | دوزخ سے نجات کے لیے عبادت کرنا | 871/11 |
| 32 | جنت کے حصول کے لیے عبادت کرنا | 872/11 |
| 33 | رات کو کم سونے اور زیادہ عبادت کرنے کی فضیلت | 362/11 |
| 34 | کفار کا اللہ کی عبادت پر بتوں کی عبادت کو ترجیح دینا | 788/12 |
| 35 | تبلیغ کے بعد اللہ کی عبادت میں کوشش کرنا | 865/12 |
| 36 | بعض مقامات اور بعض اوقات میں عبادت کے اجر میں اضافہ | 890/12 |
| 37 | عبادت میں کثرت طلب کرنا | 957/12 |
| 8 | **العاص بن وائل** | |
| 1 | العاص بن وائل کی مذمت | 312/7 |
| 9 | **عاشورہ** | |
| 1 | عاشورہ کی فضیلت میں احادیث | 724/12 |
| 10 | **سورۃ العبس** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 566/12 |
| 2 | سورۃ العبس کے مشمولات | 567/12 |
| 3 | سورۃ العبس کا اختتام | 584/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | **حضرت عبداللہ بن سلام رضی اللہ** | |
| 1 | حضرت عبداللہ بن سلام رضی اللہ کی سوانح اور ان کے فضائل | 71/11 |
| 12 | **عبرت** | |
| 1 | پچھلی امتوں کے واقعات سے عبرت حاصل کرنا | 767/7 |
| 13 | **عبداللہ بن ابی** | |
| 1 | عبداللہ بن ابی کی نماز جنازہ پڑھنے کا شان نزول | 210/5<br>217/5<br>218/5 |
| 2 | رسول اللہ ﷺ کا ابن ابی کے کفن کیلئے قمیص عطا فرمانے کی وجوہ | 210/5 |
| 3 | اللہ تعالیٰ کے منع کرنے کے باوجود ابن ابی کے لیے استغفار کی وجوہات | 211/5 |
| 4 | ابن ابی کی نماز جنازہ پڑھنے کے متعلق امام رازی کا تسامح | 212/5 |
| 5 | کیا ابن ابی کے حق میں مغفرت کی دعا کا قبول نہ ہونا آپ کی محبوبیت کے منافی ہے؟ | 220/5 |
| 6 | ابن ابی کا رسول اللہ ﷺ سے بدزبانی کرنا | 899/11 |
| 7 | غزوہ احد میں ابن ابی کا اپنے ۳۰۰ ساتھیوں سمیت لشکر اسلام سے نکل جانا | 899/11 |
| 8 | ابن ابی کا نبی ﷺ کی حرم محترم پر بری تہمت لگانا | 901/11 |
| 9 | ابن ابی کا حضور ﷺ اور صحابہ کرام کی شان میں گستاخی کرنا | 905/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10 | رسول اللہ ﷺ کا عبداللہ ابن ابی کی نماز جنازہ پڑھانا | 174/12 |
| **14** | **عتاب** | |
| 1 | عتاب کا معنی | 543/6 |
| 2 | رسول اللہ ﷺ پر حضرت ابن ام مکتوم رضی اللہ عنہ کی وجہ سے تیوری چڑھانے پر عتاب | 570-577<br>12 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ پر عتاب کا محمل | 123/12 |
| **15** | **حضرت عثمان غنی رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت عثمان غنی رضی اللہ عنہ کی عبادت، زہد اور خوف خدا | 429/5 |
| 2 | حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کے زمانۂ خلافت میں صحابہ کا رسول اللہ ﷺ سے دعا کی درخواست کرنا | 391/6 |
| 3 | اس امت کی پہلی اجتماعی ناشکری، قتل حضرت عثمان رضی اللہ عنہ ہے | 179/8 |
| 4 | حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کا خوف خدا | 579/8 |
| 5 | قاتلین عثمان سے قصاص نہ لینے پر سید مودودی کا تبصرہ | 431/9 |
| 6 | قاتلین عثمان کا سازش کرنا | 430/9 |
| 7 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کے قصاص عثمان، نہ لینے کی وجوہ | 287/11 |
| 8 | حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کے مشہور قاتلین | 290/11 |
| 9 | حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کے قاتلین کا دنیا میں انجام | 291/11 |
| **16** | **عجلت** | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | عجلت کی مذمت | 573/10 |
| **17** | **عدت** | |
| 1 | عدت کی تعریف اور عدت وفات | 846/1 |
| 2 | عدت کے مسائل اور شرعی احکام | 847/1 |
| 3 | عدت وفات اور حفاظت نماز میں مناسبت | 8671 |
| 4 | عدت وفات کا ایک سال تک منسوخ ہونا | 867/1 |
| 5 | عدت وفات کا شرعی حکم | 868/1 |
| 6 | عدت وفات کے متعلق فقہاء کے نظریات | 869/1 |
| 7 | عدت کا معنی اور اس کے احکام | 798/1 |
| 8 | عدت مقرر کرنے کی حکمتیں | 799/1 |
| 9 | قرء کے معانی | 800/1 |
| 10 | عدت کا لغوی و اصطلاحی معنی اور اس کی اقسام | 59/12 |
| 11 | دورانِ عدت عورتوں کو گھروں سے نکالنے یا ان کے ازخود نکلنے کی ممانعت | 60/12 |
| 12 | عدت طلاق کے دوران عورت کا گھر سے باہر نکلنا | 62-66<br>12 |
| 13 | جن بوڑھی عورتوں کو حیض نہیں آتا ان کی عدت | 79/12 |
| 14 | بیوہ حاملہ کی عدت میں اختلاف صحابہ | 80/12 |
| 15 | نابالغہ کی عدت | 80/12 |
| **18** | **عدل** | |
| 1 | عدل کا معنی | 94/4<br>551/6 |
| 2 | عدل کی تعریف | 552/6 |
| 3 | عدل اور احسان میں فرق | 555/6 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | سزا بقدر جرم دینا عدل ہے | 789/7 |
| 5 | عدل کا لغوی و اصطلاحی معنی | 421/8 |
| 6 | عدل کرنے کے متعلق احادیث | 422/8 |
| 7 | عدل کرنے کے متعلق آثار | 423/8 |
| 8 | عدل کرنے کے متعلق اقوال علماء | 424/8 |
| 9 | عدل عقلی اور عدل شرعی | 425/8 |
| 10 | عدل اور احسان | 425/8 |
| 11 | عدل اور انصاف کے فوائد | 426/8 |
| **19** | **عذاب** | |
| 1 | عذاب کی بادلوں کے ساتھ تمثیل | 753/1 |
| 2 | عذاب کا عدل ہونا | 312/2 |
| 3 | عذاب کے درجات | 445/2 |
| 4 | روح اور جسم دونوں کو عذاب | 697/2<br>298/2 |
| 5 | تعذیب بلا معصیت | 697/2 |
| 6 | عذاب کی اقسام | 523/3 |
| 7 | نزول عذاب کے وقت معذبین کا اعتراف جرم | 43/4 |
| 8 | دوگنے عذاب پر سوال و جواب | 135/4 |
| 9 | نبی کی موجودگی میں عذاب کا نہ آنا | 626/4 |
| 10 | عذاب کے مستحق کو عذاب نہ دینا بھی جائز ہے | 656/4 |
| 11 | اللہ کسی پر کوئی ظلم نہیں کرتا | 656/4 |
| 12 | نعمت کی عذاب میں تبدیلی | 658/4 |
| 13 | ظالموں پر عذاب کے نزول میں صالحین کا شمول | 606/4 |
| 14 | بدکاروں کے گناہوں کی وجہ سے نیکوکاروں کو بھی عذاب | 608/4 |
| 15 | عذاب مقیم کا معنی | 188/5 |
| 16 | منافقوں کو دو مرتبہ عذاب دینا | 244/5 |
| 17 | دنیا و آخرت میں منافقین کے عذاب کی تفصیل | 301/5 |
| 18 | مشرکین پر جلدی عذاب نہ آنے کی وجہ | 373/5 |
| 19 | نزول عذاب کے بعد ایمان لانے کا فائدہ مند نہ ہونا | 373/5 |
| 20 | عذاب کی وعید کا برحق ہونا | 382/5<br>384/5 |
| 21 | کفار کو دوگنا عذاب | 519/5 |
| 22 | گزشتہ قوموں کی برائیوں کے مرتکبین پر نازل ہونے والے عذاب سے ڈرنا چاہیے | 621/5 |
| 23 | کفار مکہ پر فوراً عذاب نازل نہ کرنے کی وجہ | 637/5 |
| 24 | وعید اور وعد کی جامع آیت | 638/5 |
| 25 | سابقہ امتوں پر عذاب نازل ہونے کے دو سبب | 650/5 |
| 26 | کفار کے مطالبہ کی وجہ سے ان پر عذاب نازل نہ ہونا | 117/6 |
| 27 | اللہ کے عذاب کے ساتھ اس کی رحمت کو بھی ملحوظ رکھنا ضروری ہے | 296/6 |
| 28 | سورۃ النحل کی ابتداء عذاب کی وعید سے | 350/6 |
| 29 | مستقبل کے عذاب کو ماضی سے تعبیر کرنے کی وجہ | 351/6 |
| 30 | امت مسلمہ کو مطلقاً عذاب نہ ہونا | 396-401/6 |
| 31 | کافروں کو اپنے پیروکاروں کے کفر پر عذاب | 401/6 |
| 32 | کفار کے انتظار عذاب کی توجیہ | 410/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 33 | کفار مکہ کو انواع واقسام کے عذاب سے ڈرانا | 455/6 |
| 34 | دوسروں کو کافر بنانے پر دوگنا عذاب | 546/6 |
| 35 | روح اور جسم دونوں کو عذاب | 586/6 |
| 36 | گھر والوں کے رونے سے میت کو عذاب | 660/6 |
| 37 | جن لوگوں تک دین کے احکام نہیں پہنچے ان کو عذاب | 662-669<br>6 |
| 38 | اللہ اپنے بندوں کو عذاب دینے کے لیے بہانے نہیں ڈھونڈتا | 673/6 |
| 39 | قبر پر قرآن پڑھنے سے عذاب میں تخفیف | 726/6 |
| 40 | دوزخ کے عذاب سے انبیاء اور ملائکہ کا ڈرنا | 746/6 |
| 41 | دائمی عذاب، صرف کفار کو | 379/7 |
| 42 | حضور ﷺ کی تکذیب کے باوجود کفار کو عذاب نہ دینا | 500/7 |
| 43 | نزول عذاب کی میعاد | 500/7 |
| 44 | مکہ میں گناہ کا عذاب | 734/7 |
| 45 | آخرت میں عذاب کا ایک دن | 771/7 |
| 46 | مستقبل میں عذاب سے نجات کا مدار | 437/8 |
| 47 | اللہ کے عذاب کو جلد طلب کرنا | 454/8 |
| 48 | جرم کے بغیر بھی عذاب دینا اللہ کا ظلم نہیں | 455/8 |
| 49 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا ہر عام و خاص کو اللہ کے عذاب سے ڈرانا | 462/8 |
| 50 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا اپنے قرابت داروں کو اللہ کے عذاب سے ڈرانا | 461/8<br>463/8 |
| 51 | عذاب کا بیان | 62/9 |
| 52 | دنیا کے کافروں کو کس کس نوع کے عذاب دیئے گئے | 79/9 |
| 53 | عذاب قبر کے متعلق احادیث | 204/9 |
| 54 | عذاب ادنیٰ اور عذاب اکبر کے مصادیق | 340/9 |
| 55 | نبی علیہ السلام کا ہر خاص و عام کو اللہ کے عذاب سے ڈرانا | 639/9 |
| 56 | آثار عذاب کو دیکھ کر عبرت حاصل کرنا | 701/9 |
| 57 | جن کو عذاب سے ڈرانا مفید ہے | 725/9 |
| 58 | سامنے اور بعد کے عذاب کے متعدد محامل | 779/9 |
| 59 | عذاب قبر پر ایک اشکال کا جواب | 889/9 |
| 60 | سابقہ امتوں پر ان کی تکذیب کی وجہ سے عذاب کا نازل ہونا | 46/10 |
| 61 | عذاب کی چہرے کے ساتھ خصوصیت کی توجیہ | 221/10 |
| 62 | کفار کے آخرت میں عذاب کی تفصیل | 274/10<br>416/10 |
| 63 | عذاب قبر کے ثبوت میں قرآن کی آیات | 365/10 |
| 64 | عذاب قبر کے ثبوت میں احادیث | 366/10 |
| 65 | عذاب قبر کی نفی پر قرآن سے دلائل اور ان کے جوابات | 374/10 |
| 66 | عذاب قبر کے خلاف عقلی شبہات کے جوابات | 374/10 |
| 67 | عذاب قبر کی مزید وضاحت | 376/10 |
| 68 | امت محمدی سے کون کون سا عذاب اٹھالیا گیا ہے | 446/10 |
| 69 | اللہ رب العزت کا کفار اور فجار کو عذاب دینا عدل ہے | 810/10 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 70 | سابقہ امتوں پر عذاب کی کیفیت | 140/11 |
| 71 | اس زمانہ کے کافروں کے عذاب کی کیفیت | 140/11 |
| 72 | آخرت میں کفار کا عذاب | 146/11 |
| 73 | عذاب کی وعید پورا کرنے پر دلائل | 438/11 |
| 74 | منافقوں اور مشرکوں کی ضرر رسائی اور ان کے عذاب کی نوعیت کا فرق | 237/11 |
| 75 | کفار کے عذاب کے احوال | 440/11 |
| 76 | قرآن مجید اور احادیث صحیحہ سے عذاب قبر کا ثبوت | 463/11 |
| 77 | عذاب قبر کے اسباب | 465/11 |
| 78 | جن صورتوں میں عذاب قبر سے نجات ملتی ہے | 466/11 |
| 79 | کفار کے عذاب کی کیفیت | 977/12 |
| 80 | عذاب کے کوڑے کا معنی | 732/12 |
| 81 | بڑی آگ کا مصداق | 697/12 |
| 82 | بہت بڑے عذاب کا محمل | 714/12 |
| 83 | کفار اور مشرکین کو عذاب دینا ضروری کیوں؟ | 714/12 |
| 84 | کفار پر شدت عذاب | 708/12 |
| 85 | مرتکب کبیرہ کو دائمی عذاب نہ ہونا | 612/12 |
| 86 | کفار کا عذاب دائمی ہے کہ نہیں؟ | 517-523/12 |
| 87 | اہل نار کے نار میں دوام کے متعلق احادیث | 523/12 |
| 88 | خلود عذاب کے منکرین کا استدلال اور اس کا جواب | 524-526/12 |
| 89 | متناہی زمانہ کے جرم کی غیر متناہی زمانہ تک سزا | 527/12 |
| 90 | کفار قریش کو عذاب سے ڈرانا | 479-487/12 |
| 91 | لوگوں کو عذاب سے ڈرانے کے محامل | 363/12 |
| 92 | کفار کے جسمانی و روحانی عذاب کی تفصیل | 349/12 |
| 93 | رسوائی کے عذاب کا دوزخ کے عذاب سے زیادہ سخت ہونا | 211/12 |
| 94 | کفار کو دوزخ میں ستر ہاتھ لمبی زنجیر سے جکڑ کر عذاب دینا | 212/12 |
| 95 | حقوق اللہ اور حقوق العباد میں تقصیر کا عذاب | 212/12 |
| 96 | عذاب قبر کا ثبوت | 264/12 |
| **20** | **عذر** | |
| 1 | بندوں کے اعذار کی آخرت مدت | 292/4 |
| **21** | **عرش** | |
| 1 | عرش کا معنی | 307/5 |
| 2 | عرش کے متعلق احادیث و آثار | 308/5 |
| 3 | عرش کی تفصیل میں اقاویل علماء | 308/5 |
| 4 | عرش کے پانی پر ہونے کے متعلق احادیث | 500/5 |
| 5 | عرش کے پانی کے اوپر ہونے کے متعلق علماء کی آراء و نظریات | 501/5 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کا نبی ﷺ کو عرش پر ساتھ بٹھانا | 778/6 |
| 7 | حاملین عرش کی صورت اور ان کی تعداد | 319/10 |
| 8 | حاملین عرش کی دعا کے احکامات | 323/10 |
| 9 | عرش کو اٹھانے والے آٹھ فرشتے | 208/12 |
| **22** | **عرس** | |
| 1 | صالحین کا عرس | 203/4 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 23 | **عربی زبان** | |
| 1 | عربی زبان کی فضیلت | 447/4 |
| 2 | عربی زبان کی تاریخ | 447/4 |
| 24 | **عراف** | |
| 1 | عراف کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 44/11 |
| 25 | **عزت** | |
| 1 | تمام عزتیں اللہ کے لیے ہونے کے محامل | 660/9 |
| 26 | **عزیمت** | |
| 1 | عزیمت کی تفصیل | 266/9 |
| 27 | **عزلت نشینی** | |
| 1 | عزلت نشینی کی فضیلت میں احادیث | 911/9 |
| 2 | عزلت نشینی کے استحباب کے متعلق فقہاء اسلام کے اقوال | 912/9 |
| 28 | **حضرت عزیر علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت عزیر علیہ السلام کا نام ونسب، تعارف اوران کو ابن اللہ کہنے کا سبب | 119/5 |
| 2 | حضرت عزیر علیہ السلام نبی ہیں یا نہیں؟ | 121/5 |
| 29 | **عشر** | |
| 1 | عشر کا بیان | 958/1 |
| 2 | عشر کا نصاب | 958/1 |
| 3 | عشری اور خراجی زمین | 961/1 |
| 4 | خراج کی مقدار | 962/1 |
| 5 | اراضی پاکستان کا عشری ہونا | 962/1 |
| 6 | فصل کی کٹائی کے حق سے مراد عشر ہے یا عام صدقہ | 671/3 |
| 7 | عشر کے نصاب میں مذاہب فقہاء | 671/3 |
| 30 | **عصا** | |
| 1 | عصا رکھنے کے فوائد | 359/7 |
| 2 | عصا موسیٰ کی تاریخی حیثیت | 360/7 |
| 3 | عصا کوزمین پر ڈالنے کی وجہ | 360/7 |
| 4 | عصا کا سانپ بن جانا | 361/7 |
| 5 | حیۃ، ثعبان اور جآن | 361/7 |
| 6 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا سانپ سے ڈرنا | 361/7 |
| 7 | عصا اور ید بیضا میں سے عظیم معجزہ کون سا ہے؟ | 362/7 |
| 31 | **عصمت انبیاء** | |
| 1 | عصمت انبیاء کا معنی | 347/1 |
| 2 | عصمت انبیاء پر دلائل | 348/1 |
| 3 | عصمت انبیاء کے متعلق فقہاء اسلام کے نظریات | 350/1 |
| 4 | عصمت انبیاء کے متعلق محققین کا مذہب | 350/1 |
| 5 | عصمت انبیاء پر اعتراضات کے جوابات | 350/1 |
| 6 | عصمت کی تعریف | 790/5<br>106/6 |
| 7 | منکرین عصمت انبیاء کے اعتراضات اور ان کے جوابات | 766/6 |
| 8 | عصی آدم ربه فغوی کی تفسیر | 488-492<br>7 |
| 9 | عصمت کی تحقیق | 580/8 |
| 10 | انبیاء کا معصوم اور ان کے اصحاب کا محفوظ ہونا | 640/8 |
| 11 | عصمت انبیاء پر ایک اعتراض کا جواب | 787/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | عصمت انبیاء پر دلیل | 122/10 |
| 13 | عصمت کی تعریف اور معصوم و محفوظ میں فرق | 123/10 |
| 14 | واستغفر لذنبک سے حضور ﷺ کی عصمت پر اشکال کے جوابات | 150-154<br>11 |
| 15 | عصمت انبیاء پر ایک اعتراض کا جواب | 366/12 |
| 32 | سورۃ العصر | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 967/12 |
| 2 | سورۃ العصر کی تفسیر کی تکمیل | 973/12 |
| 33 | عطاء کرنا | |
| 1 | عطاء کرنے کی نسبت رسول اللہ ﷺ کی طرف کرنا | 163/5 |
| 34 | عفو و درگزر | |
| 1 | نبی کریم ﷺ کے عفو و درگزر کے متعلق قرآنی آیات | 419/2 |
| 2 | نبی کریم ﷺ کے عفو و درگزر کے متعلق احادیث | 419/2 |
| 3 | سراقہ بن مالک کو معاف کرنا | 420/2 |
| 4 | عمیر بن وہب کو معاف کرنا | 420/2 |
| 5 | عبداللہ بن ابی کی نماز جنازہ پڑھانا | 422/2 |
| 6 | ابوسفیان اور ہند کو معاف کرنا | 422/2 |
| 7 | صفوان بن امیہ کو معاف کرنا | 423/2 |
| 8 | عکرمہ بن ابی جہل کو معاف کرنا | 424/2 |
| 9 | وحشی کو معاف کرنا | 425/2 |
| 10 | ھبار بن الاسود کو معاف کرنا | 426/2 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | منافقوں اور دیہاتیوں سے درگزر | 426/2 |
| 12 | آپ ﷺ کے عفو و درگزر کے مختلف محامل | 428/2 |
| 13 | عفو و درگزر کے متعلق قرآن کی آیات | 503/4 |
| 14 | عفو و درگزر کے متعلق احادیث | 504/4 |
| 15 | انتقام کو ترک کرنا | 508/4 |
| 35 | عقیدہ | |
| 1 | عقیدہ اور تقلید میں فرق | 273/9 |
| 2 | عقائد میں باطل نظریات کو رد کرنا | 209/10 |
| 36 | عقد | |
| 1 | عقد کا معنی | 33/3 |
| 2 | عقد کی اقسام | 34/3 |
| 3 | فضول کے عقد میں مذاہب فقہاء | 703/3 |
| 37 | عقل | |
| 1 | عقل کا محل دل ہے یا دماغ؟ | 420/4 |
| 2 | عقل کی تعریف | 422/4<br>770/7 |
| 3 | محل عقل کے متعلق مختلف اقوال | 423/4 |
| 4 | محل عقل کے بارے میں ائمہ مذاہب کے اقوال | 770/7 |
| 5 | عقل کے معانی | 813/9 |
| 6 | عقل کی تعریفات و اقسام | 814/9 |
| 7 | عقل کے اجزاء اور حصص | 815/9 |
| 8 | عقل کا زندگی کا سبب ہونا | 835/9 |
| 9 | عقل کی تعریف، اقسام اور اس کے متعلق احادیث | 790/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10 | یومنون، یوقنون اور یعقلون فرمانے کی توجیہ | 790/10 |
| 11 | عقل کا محل | 338/11 |
| 12 | علامہ قرطبی کی یہ تحقیق کہ کفار کی عقلیں نہیں ہیں | 455/11 |
| 13 | کفار کے ہذیان کا محرک ان کی عقل ہے یا ان کی سرکشی؟ | 456/11 |
| 38 | عقیقہ | |
| 1 | بچہ کا نام رکھنا، اس کو گھٹی دینا اور اس کی ولادت کے مسائل | 131/2 |
| 2 | عقیقہ کے متعلق احادیث و آثار | 133/2 |
| 3 | عقیقہ کے متعلق فقہاء مذاہب اربعہ کے نظریات | 136-138<br>2 |
| 4 | عقیقہ کے متعلق احکام شرعیہ | 138/2 |
| 5 | عقیقہ کو منسوخ قرار دینا | 139/2 |
| 6 | بچہ کی پرورش کا حق | 158/2 |
| 39 | سورۃ العلق | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 874/12 |
| 2 | سورۃ العلق کے مشمولات | 874/12 |
| 3 | سورۃ العلق کی تفسیر کا اختتام | 886/12 |
| 40 | علم/علم دین | |
| 1 | علم اور شعور کا فرق | 603/1 |
| 2 | علم چھپانے پر وعید | 615/1 |
| 3 | نا اہل لوگوں کے سامنے علم و حکمت بیان کرنا | 615/1 |
| 4 | علم چھپانے کی مذمت | 510/2 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | اللہ تعالیٰ اور انبیاء علیہم السلام کے علم میں فرق | 452/4 |
| 6 | علم کی ذاتی اور عطائی میں تقسیم | 453/4 |
| 7 | حصول علم دین کا فرض کفایہ ہونا | 292/5 |
| 8 | حصول علم دین کا فرض عین ہونا | 293/5 |
| 9 | علم دین کے فضائل | 293/5 |
| 10 | جس سے علم حاصل کیا جائے اس کی تعظیم ضروری ہے | 780/5 |
| 11 | علم دین کی وجہ سے روز قیامت علماء کی مغفرت | 783/5 |
| 12 | دلوں سے علم کا نکل جانا | 793/6 |
| 13 | حیوانات کے ادراک پر علم کا اطلاق | 150/8 |
| 14 | علم کی تعریف | 155/8<br>158/8 |
| 15 | علم کا ذوی العقول کے ساتھ مختص ہونا | 152/8 |
| 16 | پرندوں اور حیوانوں کی معرفت اور علم کے شواہد | 153/8 |
| 17 | جمادات، نباتات اور حیوانات کے علم کے ثبوت پر قرآن سے دلائل | 154/8 |
| 18 | جمادات، نباتات اور حیوانات کے علم کے ثبوت اور احادیث سے دلائل | 155/8 |
| 19 | علم کی فضیلت | 611/8 |
| 20 | اللہ کی تمام نعمتوں میں نعمت علم کی خصوصیت | 619/8 |
| 21 | علم پر عمل کرنے کا فائدہ | 119/9 |
| 22 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا حضرت خضر علیہ السلام سے حصول علم کے لیے ادب سے درخواست کرنا | 255/9 |
| 23 | اہل علم کا مصداق | 599/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 24 | حکماء، محدثین اور متکلمین کی اصطلاح میں علم کی تعریف | 191/10 |
| 25 | علم دین کی تفصیل | 192/10 |
| 26 | علم کی فضیلت میں قرآن کی آیات | 192/10 |
| 27 | علم کی فضیلت میں احادیث | 193/10 |
| 28 | کونسا علم باعث فضیلت ہے؟ | 574/10 |
| 29 | علم کی فضیلت اور علم کا عمل پر مقدم ہونا | 149/11 |
| 30 | کس علم کا حصول فرض عین ہے اور کس علم کا حصول فرض کفایہ ہے؟ | 463/11 |
| 41 | **حضرت علی المرتضیٰ رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کی خلافت | 65/3<br>220/3<br>247/3 |
| 2 | حضور ﷺ کیلئے حضرت علی رضی اللہ عنہ منزلہ ہارون علیہ السلام ہیں | 294/4 |
| 3 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کی عبادت، زہد اور خوف خدا | 430/5 |
| 4 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کی فضیلت پر ایک روایت | 431/5 |
| 5 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کو خلیفہ بلافصل قرار دینے کی دلیل کا جواب | 51/6 |
| 6 | حضرت علی رضی اللہ عنہ مظہر ہارون علیہ السلام تھے | 424/7 |
| 7 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کا خوف خدا | 579/8 |
| 8 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کے قصاص عثمان نہ لینے کی وجوہ | 287/11 |
| 9 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کے دل میں حضرت عائشہ، زبیر اور طلحہ رضی اللہ عنہم کے احترام کے متعلق احادیث و آثار | 288/11 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10 | حضرت علی رضی اللہ عنہ کا اپنے آپ کو اور اپنے اہل و عیال کو تین دن بھوکا رکھ کر، یتیم اور قیدی کو کھانا کھلانا | 437-446/12 |
| 42 | **علم جفر** | |
| 1 | علم جفر کا لغوی و اصطلاحی معنی | 527/8 |
| 2 | علم جفر کا تفصیلی تعارف | 528/8 |
| 3 | علم جفر کے متعلق فقہاء اسلام کی آراء | 530/8 |
| 4 | علم جفر کی بنیاد پر غیب کی خبروں اور پیش گوئیوں پر علامہ غلام رسول سعیدی صاحب کا تبصرہ | 532/8 |
| 5 | حساب و کتاب اور سائنسی آلات کے ذریعے پیش گوئیاں | 532/8 |
| 6 | چاند نظر آنے کی سائنسی اور تکنیکی وجوہ | 534/8 |
| 43 | **علم غیب** | |
| 1 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا علم غیب | 472-475/3 |
| 2 | مفاتح الغیب کی تفسیر | 496/3 |
| 3 | آپ ﷺ کو فقط غیب کی خبریں دی گئیں تھیں یا علم غیب بھی | 499/3 |
| 4 | اللہ تعالیٰ اور رسول اللہ ﷺ کے علم میں فرق | 500/3 |
| 5 | سیدنا محمد ﷺ کا علم غیب | 236/4<br>471-484/4 |
| 6 | غیب کا معنی | 469/4 |
| 7 | حضور ﷺ کا یہ فرمان کہ اگر میں غیب جانتا تو خیر کثیر جمع کر لیتا | 484/4 |
| 8 | حضور ﷺ کی طرف علم غیب کی نسبت میں علماء دیوبند کا نظریہ | 485/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | حضور علیہ ﷺ کی طرف علم غیب کی نسبت میں اعلیٰ حضرت کا نظریہ | 486/4 |
| 10 | علم غیب کی خبروں اور علم غیب کے اطلاق کی بحث | 561/5 |
| 11 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کو علم غیب عطا فرمانا | 89/7 |
| 12 | علم غیب کی تحقیق | 721/8 |
| 13 | رسول اللہ علیہ ﷺ کو علم غیب | 721-724/8 |
| 14 | غیب کا لغوی و اصطلاحی | 725/8 |
| 15 | رسول اللہ علیہ ﷺ کے علم غیب کے متعلق آیات واحادیث | 726-732/8 |
| 16 | ذاتی اور عطائی علم غیب کی تحقیق | 44/11 |
| 17 | انبیاء کرام اور اولیاء کرام کے علم غیب کی تحقیق | 69/11 |
| 18 | غیب کا لغوی واصطلاحی معنی | 834/11 |
| 19 | لفظ علم الغیب کا اللہ تعالیٰ کے ساتھ مخصوص ہونا | 834/11 |
| 20 | حضور علیہ السلام کے علم غیب پر ایک دلیل | 130/12 |
| 21 | غیب کا لغوی واصطلاحی معنی | 299/12 |
| 22 | غیب کی اقسام | 300/12 |
| 23 | اللہ تعالیٰ کے غیر پر عالم الغیب کا اطلاق جائز نہیں | 300/12 |
| 24 | سورۃ الجن آیت نمبر ۲۶ میں اظہار بہ معنی اطلاع | 300-303/12 |
| 25 | سورۃ الجن آیت نمبر ۲۶ میں اظہار بہ معنی تسلط | 304/12 |
| 26 | سورۃ الجن آیت نمبر ۲۶ میں عالم الغیب اور علیٰ غیبہ سے مراد ہر غیب ہے نہ کہ وقت وقوع قیامت | 306/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 27 | کیا اللہ کاہنوں کو غیب کی خبریں دیتا ہے؟ | 307/12 |
| 28 | کیا اللہ خواب کی تعبیر بتانے والوں کو غیب کی خبریں دیتا ہے؟ | 308/12 |
| 29 | کیا اللہ جادوگروں کو غیب کی خبریں دیتا ہے؟ | 309/12 |
| 30 | علم غیب اور غیبی خبروں میں فرق | 316/12 |
| 31 | علم کلی کی تحقیق | 318/12 |
| 32 | علم کلی دفعۃً عطا کیے جانے کے متعلق دلائل | 319-323/12 |
| 33 | ماکان ومایکون کے علم کے ثبوت میں احادیث | 323/12 |
| 34 | علم کلی تدریجاً عطا کیے جانے کے دلائل | 325/12 |
| 35 | علم کلی کے استدلال پر شبہات کے جوابات | 326/12 |
| **44** | **علم لدنی** | |
| 1 | علم لدنی کی تعریف | 171/7 |
| **45** | **علم نجوم** | |
| 1 | علم نجوم کی تعریف اور ستاروں کی تاثیرات ماننے کا شرعی حکم | 253/6 |
| 2 | نجومیوں کا رد | 134/7 |
| 3 | علم نجوم کا لغوی معنی اور اس کے اصول ومبادی | 517/8 |
| 4 | علم نجوم کا اصطلاحی معنی اور اس کا شرعی حکم | 518/8 310/12 |
| 5 | علم نجوم کے متعلق فقہاء اسلام کی آراء | 519-526/8 |
| 6 | نجومیوں کی پیش گوئیوں اور غیب کی خبروں پر علامہ غلام رسول سعیدی صاحب دامت برکاتہم کا تبصرہ | 526/8 |
| **46** | **علم باری تعالیٰ** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کو مستقبل کے واقعات کا علم ہے | 88/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | اللہ تعالیٰ کے علم پر ایک اشکال کا جواب | 337/5 |
| 3 | جس چیز کے وجود کا اللہ کو علم نہ ہو اس کا وجود محال ہے | 341/5 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کے علم کی وسعت اور اس کی خصوصیات | 57/6<br>525/6 |
| 5 | اللہ تعالیٰ کے علم کے حادث ہونے کا اشکال | 60/7 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کے علم پر ایک اشکال کا جواب | 42/9 |
| 7 | ہر چھوٹا بڑا عمل اللہ کے احاطۂ علم میں ہے | 265/9 |
| 8 | اللہ تعالیٰ کا علم غیب قطعی اور ذاتی ہے | 521/10 |
| 9 | اللہ تعالیٰ کے علم پر دلائل و نظائر | 716/11 |
| 10 | بعض مترجمین کے ترجمہ سے معاذ اللہ، اللہ تعالیٰ کی بے علمی کا ظاہر ہونا | 739/11 |
| 11 | اللہ تعالیٰ کے علم پر ایک اشکال کا جواب | 947/12 |
| 12 | اللہ تعالیٰ کے علم محیط پر دلائل | 150/12 |
| 13 | اللہ تعالیٰ کے لیے جزئیات کا علم | 529/12 |
| 14 | اللہ تعالیٰ کے علم پر حادث ہونے کے اعتراض کے جوابات | 331/12 |
| **47** | **علم نبوی ﷺ** | |
| 1 | نبی کریم ﷺ کے علم کی اقسام | 251/3 |
| 2 | کس علم کی تبلیغ میں آپ ﷺ کو اختیار ہے؟ | 252/3 |
| 3 | کس علم کا اخفاء واجب ہے؟ | 254/3 |
| 4 | علم کی مراتب | 645/3 |
| 5 | رسول اللہ ﷺ کے علم پر ایک اشکال کا جواب | 329/6 |
| 6 | رسول اللہ ﷺ کو اپنے اور دوسروں کے انجام کا علم | 331-337<br>6 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کے علم کا عموم | 815-816<br>7 |
| 8 | بعثت سے قبل حضور ﷺ کو اپنے نبی ہونے کا علم | 862/8 |
| 9 | حضور ﷺ کو آسمانوں اور زمینوں کی تمام اشیاء کا علم دیا جانا | 144/10 |
| 10 | حضور ﷺ کو علم کلی دیا جانا | 144-147<br>10 |
| 11 | بعثت سے قبل حضور ﷺ کو اپنی رسالت کا علم | 85/11 |
| 12 | بعثت سے قبل حضور ﷺ کو اپنی نبوت کا علم | 86/11 |
| **48** | **علاج** | |
| 1 | دوا کرنے اور علاج کرنے کے متعلق احادیث | 228/4 |
| 2 | دوا اور دم سے حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا علاج کرانا | 228/4 |
| 3 | دم کرانے پر توکل | 227/4 |
| 4 | قرآن مجید سے جسمانی شفاء حاصل کرنے کی تحقیق | 387/5 |
| 5 | انبیاء کرام کا روحانی بیماریوں کے علاج کے لیے مبعوث ہونا | 385/5 |
| 6 | قرآن سے قلبی اور روحانی امراض کے علاج کے چار مدارج | 386/5 |
| 7 | قرآن مجید سے جسمانی شفاء کے حصول کے متعلق احادیث و آثار | 389/5 |
| 8 | کلمات طیبہ سے دم کرنے کا جواز | 392/5 |
| 9 | دم اور تعویذ کی ممانعت کے متعلق اقوال اور اُن کے جوابات | 393-403<br>5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 10 | تعویذ لٹکانے کا جواز | 403/5<br>405/5 |
| 11 | دم اور تعویذ کے جواز کے متعلق مختلف اقوال | 403-405/5 |
| 12 | خواب میں ڈرنے کا تعویذ | 405/5 |
| 13 | بخار کا تعویذ | 406/5 |
| 14 | وضع حمل میں تنگی اور مشکل کے متعلق تعویذ | 406/5 |
| 15 | نکسیر کے متعلق تعویذ | 408/5 |
| 16 | دل یا سینہ میں درد کے لیے تعویذ | 408/5 |
| 17 | میعادی بخار کے لیے تعویذ | 408/5 |
| 18 | عرق النساء کے لیے تعویذ | 408/5 |
| 19 | گٹھیا کے لیے تعویذ | 408/5 |
| 20 | داڑھ کے درد کے لیے تعویذ | 408/5 |
| 21 | پھوڑے، پھنسیوں، آبلوں اور ہر قسم کی انفیکشن کے لیے تعویذ | 408/5 |
| 22 | علاج کرنے اور دوا استعمال کرنے کے متعلق احادیث | 495/6 |
| 23 | علاج کرنے کا استحباب | 496/6 |
| 24 | صوفیاء کے نزدیک علاج کرنا | 497/6 |
| 25 | ترک علاج کو افضل کہنا | 501/6 |
| 26 | علاج کے ثبوت میں قرآن و حدیث سے دلائل | 507/6 |
| 27 | تعویذ لٹکانا | 782/6 |
| 28 | مریضوں پر دم کرنا | 781/6 |
| 29 | تعویذات کے بعض احکام | 398/7 |
| 30 | دوا اور علاج کے متعلق احادیث | 340/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 31 | قرآن کی سورتوں سے دم | 1050/12 |
| **49** | **علاماتِ قیامت** | |
| 1 | قیامت سے قبل دس نشانیوں کا ظہور | 696/3 |
| 2 | علم قیامت کے متعلق سوالات و جوابات | 424/4 |
| 3 | علامات قیامت | 443/4<br>569/9<br>148/11 |
| 4 | دابۃ الارض کا محل خروج وغیرہ | 742/8 |
| 5 | قیامت کے قریب آنے کے متعلق احادیث | 579/11 |
| 6 | قیامت کے وقوع کی علامات | 477/12<br>207/12 |
| **50** | **علوم خمسہ** | |
| 1 | علوم خمسہ کی نفی کی آیت | 284/9 |
| 2 | مخلوق سے علوم خمسہ کی نفی | 285-286/9 |
| 3 | بارش کے نزول کا علم | 286/9 |
| 4 | ماؤں کے رحم کا علم | 287/9 |
| 5 | کل اور آئندہ ہونے والے واقعات کا علم | 288/9 |
| 6 | مرنے کی جگہ کا علم | 289/9 |
| 7 | قیامت کا علم | 290/9 |
| 8 | رسول اللہ ﷺ کو علوم خمسہ کا علم دیا جانا | 291-296/9 |
| **51** | **عمارت** | |
| 1 | متعدد منزلہ بلند بلڈنگیں، خوبصورت عمارات، پلازہ اور شاپنگ سنٹر بنانا | 390/8 |
| **52** | **حضرت عمر فاروق رضی اللہ عنہ** | |
| 1 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ پر ایک الزام کا جواب | 820/1 |
| 2 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ کی عبادت، زہد اور خوف خدا | 428/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ کے زمانہ خلافت میں صحابہ کا رسول اللہ ﷺ سے دعا کی درخواست کرنا | 391/6 |
| 4 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ کا قبول اسلام | 324/7 |
| 5 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ کا خوف خدا | 578/8 |
| 6 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ کی خلافت و امامت | 245/11 |
| 53 | **عمران کی بیوی** | |
| 1 | عمران کی بیوی کی نذر | 129/2 |
| 54 | **عمر** | |
| 1 | پختگی کی عمر کے متعلق متعدد اقوال | 729/5 |
| 2 | عمر میں اضافہ کے متعلق احادیث | 119/6 |
| 3 | انسان کی عمر میں تغیر | 513/6 |
| 4 | ارذل عمر کا معنی اور اس سے پناہ طلب کرنا | 514/6 |
| 5 | عمر میں اضافہ کر کے لوح محفوظ میں لکھے ہوئے کو مٹانا | 665/9 |
| 6 | انسان کی عمروں کے مختلف ادوار | 822/9 |
| 7 | انسان کی مختلف عمروں کے متعلق احادیث | 823/9 |
| 8 | ارذل عمر کی تحقیق | 824-828<br>9 |
| 9 | عمر میں اضافہ کے متعلق احادیث | 74/12 |
| 55 | **عمریٰ** | |
| 1 | عمریٰ کا معنی | 574/5 |
| 2 | عمریٰ کے متعلق احادیث | 575/5 |
| 3 | عمریٰ میں مذاہب ائمہ | 575/5 |
| 56 | **عمل** | |
| 1 | نیک عمل نزول رحمت کا جبکہ بدعمل نزول عذاب کا باعث ہیں | 233/4 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | اعمال کے وزن کے متعلق مذاہب علماء | 46/4 |
| 3 | انسان کے اعمال کو زندہ اور مردہ لوگ دیکھتے ہیں | 255/5 |
| 4 | ہر شخص اپنے اعمال کا جواب دہ ہے | 369/5 |
| 5 | نیک اعمال کا آخرت میں کام آنا | 186/6 |
| 6 | اعمال کے مطابق جزاء وسزاء | 314/6 |
| 7 | مومن کے ہر عمل کا باعث اجر وثواب ہونا | 566/6 |
| 8 | اعمال کا ایمان سے خارج ہونا | 566/6 |
| 9 | نیک اعمال کا مقبول ہونا | 677-680<br>6 |
| 10 | بغیر علم کے ظن پر عمل کرنا | 712/6 |
| 11 | جن لوگوں کے عمل ضائع ہو جاتے ہیں | 216/7 |
| 12 | جن لوگوں کے عمل ضائع نہیں ہوتے | 217/7 |
| 13 | نیک اعمال کے لیے ایمان کا شرط ہونا | 664/7 |
| 14 | نیک عمل کے محامل | 662/9 |
| 15 | کلام طیب کی وجہ سے نیک عمل کا اوپر چڑھنا | 663/9 |
| 16 | انسان کے اچھے یا برے اعمال کا لکھا ہوا محفوظ ہونا | 727/9 |
| 17 | نیکی اور برائی کے عمل کا مرنے کے بعد بھی جاری رہنا | 728/9 |
| 18 | نیک اعمال کے اجر حسن سے مراد آخرت کا اجر ہے | 197/10 |
| 19 | اعمال کے ایمان سے خارج ہونے کی دلیل | 361/10 |
| 20 | نیک اعمال کا مشکلات سے بچانا اور عذاب سے چھڑانا | 390/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 21 | مومن کی صحت کے ایام کے نیک اعمال کا سلسلہ مرض اور سفر میں بھی منقطع نہیں ہوتا | 439/10 |
| 22 | واعظ اور مبلغ کے لیے ضروری ہے کہ اپنے وعظ پر خود بھی عمل کرے | 489/10 |
| 23 | تمام لوگوں کے اعمال کا برابر نہ ہونا | 782/12 |
| 24 | مؤمنین اور کفار کے اعمال کے وزن کی کیفیت | 952-953 / 12 |
| 25 | وہ نفوس جو قیامت کے دن اپنے اعمال کے عوض گروی ہوں گے | 388/12 |
| 26 | لغو کاموں کی تفصیل | 395/12 |
| 27 | ایمان لانے کے بعد نیک اعمال کی ضرورت | 129/12 |
| 57 | **سورۃ العنکبوت** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 35/9 |
| 2 | سورۃ العنکبوت کے متعلق احادیث | 35/9 |
| 3 | سورۃ العنکبوت کا زمانہ نزول | 36/9 |
| 4 | سورۃ العنکبوت کے مشمولات | 36/9 |
| 5 | سورۃ العنکبوت کا اختتام | 122/9 |
| 58 | **عورت** | |
| 1 | عورت پر مرد کی خدمت | 809/1 |
| 2 | زمانۂ جاہلیت کے مظالم سے نجات دلانا | 612/2 |
| 3 | عورت کی حاکمیت کا عدم جواز | 656-657 / 2 |
| 4 | ملکۂ بلقیس کی حکمرانی | 658/2 |
| 5 | وراثت و نکاح میں عورتوں کے حقوق | 814/2 |
| 6 | عورتوں کا اپنے حقوق ساقط کرنا | 818/2 |
| 7 | آزاد اور پاک دامن عورت | 486/3 |
| 8 | عورتوں کی آزادی کے نتائج | 709/6 |
| 9 | عورت کا نبی نہ ہونا | 369/7 |
| 10 | عورت کو مردوں سے اپنی آواز مستور رکھنے کا حکم | 424/9 |
| 11 | بغیر شرعی ضرورت کے خواتین کو گھروں سے نکلنے کی ممانعت | 425/9 |
| 12 | متبرج اور جاہلیۃ الاولیٰ کی تفسیر | 426/9 |
| 13 | جنگ جمل میں حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے گھر سے نکلنے پر ایک اعتراض کا جواب | 427/9 |
| 14 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کا اصلاح کے قصد سے بصرہ روانہ ہونا | 428/9 |
| 15 | قاتلین حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کا ان صحابہ کے تعاقب میں حضرت علی رضی اللہ عنہ و بصرہ روانہ کرنا | 429/9 |
| 16 | قاتلین حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کا سازش کر کے بصرہ میں مسلمانوں میں جنگ کرا دینا | 430/9 |
| 17 | قاتلین حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کا حضرت علی رضی اللہ عنہ پر تسلط اور تغلب | 430/9 |
| 18 | قرآن میں خواتین کا ذکر | 450/9 |
| 19 | عورتوں کے ناقص ہونے کی وجوہ | 666/10 |
| 20 | دنیاوی عورتیں افضل ہیں یا حوریں؟ | 780/10 |
| 59 | **عہد** | |
| 1 | وعدہ خلافی کرنا | 215/2 |
| 2 | وعدہ خلافی کی سزا | 216/2 |
| 3 | اللہ تعالیٰ سے کیے ہوئے عہد کی اقسام | 559/6 |
| 4 | ایک دوسرے سے تعاون کا معاہدہ | 560/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 5 | مظلوم کا بدلہ لینے کا باہمی معاہدہ | 562/6 |
| 6 | عہد شکنی کی مذمت | 563/6 |
| 7 | عہد کی حفاظت کرنا | 856/7 |
| 8 | مومنوں کا رحمان سے لیا ہوا عہد | 316/7 |
| 9 | عہد کا معنی اور اس کی اقسام | 803/9 |
| 10 | وعدہ پورا کرنے والوں پر وعید | 865/11 |
| 11 | اللہ تعالیٰ کے وعدہ کا پورا ہونا ضروری کیوں؟ | 351/12 |
| 60 | عہد شکنی | |
| 1 | قبیلہ بنو قریظہ کی عہد شکنی | 659/4 |
| 2 | فریق ثانی کی عہد شکنی کی وجہ سے معاہدہ ختم | 660/4 |
| 3 | مسلمانوں کے سربراہ کی عہد شکنی زیادہ مذموم ہے | 661/4 |
| 61 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام | |
| 1 | عیسیٰ کا معنی | 446/1 |
| 2 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا خدا یا بیٹا نہ ہونا | 37/2<br>59/2 |
| 3 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا مس شیطان سے محفوظ رہنا | 130/2 |
| 4 | سوانح عمری | 147/2 |
| 5 | حضرت یحییٰ علیہ السلام کا تصدیق کرنا | 150/2 |
| 6 | آپ علیہ السلام کو اللہ کا کلمہ قرار دینا | 160/2<br>885/2 |
| 7 | مسیح کا معنی | 161/2 |
| 8 | آپ علیہ السلام کی وجاہت | 161/2 |
| 9 | پختہ عمر میں کلام کرنا | 162/2 |
| 10 | آپ علیہ السلام کا میلاد | 163/2 |
| 11 | مائدہ کا نزول اور اس میں شک کرنے والوں پر عذاب آنا | 165/2 |
| 12 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کی سیرت اور ان کے مواعظ | 166/2 |
| 13 | انجیل کا نزول | 170/2 |
| 14 | آسمانوں پر اٹھایا جانا | 170/2 |
| 15 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام اور دیگر انبیاء علیہم السلام کے مابین مدت | 173/2 |
| 16 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے علوم و معجزات | 175/2 |
| 17 | آپ علیہ السلام سے یہود کی مخالفت کا سبب | 179/2 |
| 18 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا ایک شخص پر شبہ | 180/2 |
| 19 | وفات کا تعلق بمعنی موت نہیں | 182/2 |
| 20 | ابن اللہ ہونے کی دلیل کا رد | 185/2 |
| 21 | حضرت عیسیٰ و آدم علیہما السلام میں وجوہ مماثلت | 186/2 |
| 22 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا آسمان کی طرف اٹھایا جانا | 856-858<br>2 |
| 23 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا نزول اور اس کی حکمتیں | 859-863<br>2 |
| 24 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کی شان | 885/2 |
| 25 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا روح من اللہ ہونا | 885/2 |
| 26 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا خدا نہ ہونا | 140/3<br>262/3<br>264/3 |
| 27 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا اللہ کا بیٹا نہ ہونا | 141/3<br>613/3 |
| 28 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے معجزات | 363/3 |
| 29 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے معجزات کی حکمتیں | 364/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 30 | نزول مائدہ کا معجزہ | 366/3<br>371/3 |
| 31 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا کمال ادب سے اپنی برأت ظاہر کرنا | 377/3 |
| 32 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا آسمان پر اٹھایا جانا | 377/3 |
| 33 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا مشرکین کی شفاعت کرنا | 378/3 |
| 34 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا پیدا ہوتے ہی غالی نصاریٰ کا رد فرمانا | 271/7 |
| 35 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا مبارک ہونا | 271/7 |
| 36 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام پر زکوٰۃ | 271/7 |
| 37 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا اپنی والدہ کی برأت فرمانا | 273/7 |
| 38 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا بچپن میں کلام کرنا | 275/7 |
| 39 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے متعلق عیسائیوں کا نظریہ | 275/7 |
| 40 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا قصہ | 259/7 |
| 41 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام میں اللہ کی قدرت کی نشانیاں | 660/7 |
| 42 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے آسمان سے نازل ہونے کے متعلق احادیث | 489/9 |
| 43 | اس امت میں حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے احکام نافذ کرنے کی توجیہ | 490/9 |
| 44 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا شریعت اسلامیہ پر مطلع ہو کر مسلمانوں میں احکام جاری فرمانا | 490/9 |
| 45 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا قرآن میں اجتہاد کر کے احکام جاری فرمانا | 491/9 |
| 46 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا حضور ﷺ سے اسلام کے احکام کا علم حاصل کرنا | 493/9 |
| 47 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے حواریوں کو انطاکیہ میں بھیجنا | 732-736<br>9 |
| 48 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام خدا کے بندے تھے، خدا یا اس کے بیٹے نہ تھے | 702/10<br>730/10 |
| 49 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے آسمان سے نازل ہونے کی تحقیق | 703-704<br>10 |
| 50 | یہود کا حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے مشابہ کو قتل کر دینا | 704/10 |
| 51 | بل رفعه الله اليه پر مرزائیہ کے اعتراض کے جوابات | 705/10 |
| 52 | انی متوفیك ورافعك الی سے حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے نزول پر استدلال | 706/10 |
| 53 | انی متوفیك ورافعك الی پر مرزائیہ کے اعتراض کا جواب | 708/10 |
| 54 | ومکروا ومکر الله سے حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے نزول پر استدلال | 708/10 |
| 55 | یکلم الناس فی المهد وکهلا سے حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے نزول پر استدلال | 709/10 |
| 56 | ایک اور آیت سے حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے نزول پر استدلال | 710/10 |
| 57 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے نزول کا بیان | 710/10 |
| 58 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے نزول کی حکمتیں | 711/10 |
| 59 | مذکورہ استدلال پر مرزائیہ کے اعتراض کا جواب | 711/10 |
| 60 | وما محمد الا رسول سے مرزائیہ کے اعتراض کا جواب | 712/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 61 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا اللہ کی عبادت کا حکم دینا | 716/10 |
| 62 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کا حضور ﷺ کی آمد کی بشارت دینا | 867/11 |
| 63 | موجودہ انجیل کے متن میں حضور ﷺ کی بشارت | 867/11 |
| **62** | **عیادت** | |
| 1 | عیادت کا ثبوت | 157/7 |
| **63** | **عیب** | |
| 1 | مسلمانوں کے عیوب تلاش کرنے کی ممانعت | 299/11 |
| **64** | **عیش وعشرت** | |
| 1 | عیش وعشرت میں غلو نہ کرنے کی تلقین | 422/9 |
| 2 | عیش و آرام کے حال میں اللہ تعالیٰ کی یاد سے غافل نہیں ہونا چاہیے | 777/9 |

## غ

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **سورۃ الغاشیہ** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 704/12 |
| 2 | سورۃ الغاشیہ کی سورۃ الاعلیٰ کے ساتھ مناسبت | 704/12 |
| 3 | سورۃ الغاشیہ کے مشمولات | 705/12 |
| 4 | سورۃ الغاشیہ کی تفسیر کی تکمیل | 715/12 |
| **2** | **غبن** | |
| 1 | غبن فاحش کی تعریف مع شرعی حکم | 917/11 |
| **3** | **غریب** | |
| 1 | غریب وامیر کے طبقاتی فرق کی حکمتیں | 680/6 |
| **4** | **غزوۂ بدر** | |
| 1 | دیکھئے "10: (معرکہ) بدر" صفحہ 81 | |
| **5** | **غصہ** | |
| 1 | غصہ ضبط کرنے کا طریقہ اور اس کی فضیلت | 372/2 |
| 2 | غصہ میں بددعا کرنا | 654/6 |
| 3 | غصہ نہ کرنے اور معاف کردینے کی فضیلت | 507/10 |
| 4 | غصہ کرنے کے دینی ودنیاوی نقصانات | 507/10 |
| 5 | حالت غضب میں معاف کرنے کی فضیلت | 615/10 |
| **6** | **غفلت / غافل** | |
| 1 | اللہ رب العزت کی یاد سے غافل ہونے کا وبال | 684/10 |
| **7** | **مفسر قرآن علامہ غلام رسول سعیدی مدظلہ** | |
| 1 | مصنف تبیان القرآن کی والدہ کی وفات | 304/10 |
| 2 | مصنف تبیان القرآن کی والدہ کا قرآن و حدیث سے مقام | 305/10 |
| 3 | مصنف تبیان القرآن کی والدہ کی جن احادیث سے مغفرت متوقع ہے | 306/10 |
| 4 | مصنف تبیان القرآن کی والدہ کا جن واقعات سے مقرب ہونے کا پتہ چلتا ہے | 307/10 |
| **8** | **غلام** | |
| 1 | اس دور میں غلام بنانا | 855/7 |
| 2 | عورتوں کا غلاموں سے جنسی عمل کرنا | 855/7 |
| 3 | غلاموں کے بعض احکام | 436/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | غلام کو آزاد کرنے کی فضیلت میں احادیث | 756/12 |
| 9 | غلام احمد قادیانی | |
| 1 | مرزا غلام احمد قادیانی کا ختم نبوت پر ایمان و اصرار | 475/9 |
| 2 | مرزا غلام احمد قادیانی کا دعویٰ کہ وہ تشریعی نبی ہیں | 480/9 |
| 3 | مرزا غلام احمد قادیانی کا جہاد کو منسوخ قرار دینا | 480/9 |
| 4 | مرزا غلام احمد قادیانی کی عبارات سے حیات مسیح اور نزول مسیح پر استدلال | 713/10 |
| 5 | مرزا غلام احمد قادیانی کے دعویٰ مسیح موعود اور دعویٰ نبوت کا ابطال | 715/10 |
| 10 | غلو | |
| 1 | غلو حق اور غلو باطل | 265/3 |
| 11 | مال غنیمت | |
| 1 | مال غنیمت میں خیانت کرنا | 441/2 |
| 2 | مال غنیمت کے چند ضروری مسائل | 442/2 |
| 12 | غناء | |
| 1 | لہو الحدیث کا محمل غناء کو قرار دینا | 219/9 |
| 2 | غناء کی تحریم میں آیات و احادیث | 220/9 |
| 3 | غناء کے متعلق اعلیٰ حضرت کی تحقیق | 233/9 |
| 13 | غور و فکر | |
| 1 | دیکھئے "11: تدبر" صفحہ 90 | |
| 14 | غیر اللہ کو پکارنا | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | غیر اللہ کو پکارنے میں مسلمانوں اور مشرکوں کا فرق | 493/3 |
| 2 | والذین یدعون من دون اللہ کا مصداق | 384-387/6 |
| 3 | غیر اللہ کو مستحق عبادت سمجھ کر پکارنا | 744/6 |
| 4 | غیر اللہ کی عبادت کا باطل ہونا | 731/10 |
| 15 | غیب | |
| 1 | غیب کا معنی | 258/1 |
| 2 | مومن بالغیب کا مصداق | 258/1 |
| 3 | مخلوق کے علم پر علم غیب کا اطلاق کرنا | 259/1 |
| 4 | غیب کا لغوی و اصطلاحی معنی | 57/6 |
| 16 | غلطی کرنا | |
| 1 | دیکھئے "39: سہو" صفحہ 150 | |
| 17 | غیبت | |
| 1 | غیبت کی ممانعت کے متعلق احادیث | 842/2 |
| 2 | مظلوم کا ظالم کے ظلم کو بیان کرنا کیا غیبت ہے؟ | 844/2 |
| 3 | غیبت کرنے کی مباح صورتیں | 847/2 |
| 4 | غیبت کی تعریف | 300/11 |
| 5 | غیبت کرنے کو اپنے مردہ بھائی کا گوشت کھانے سے تشبیہ دینے کی وجوہ | 301/11 |
| 6 | غیبت کرنے پر عذاب کی وعیدیں | 302/11 |
| 7 | غیبت کا کفارہ | 302/11 |
| 8 | جن صورتوں میں غیبت کرنا جائز ہے | 303/11 |
| 18 | غیرت | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | غیرت کا معنی | 107/12 |
| 19 | **غیظ وغضب** | |
| 1 | غیظ وغضب کا معنی | 338/4 |
| 2 | غیظ وغضب کو ضبط کرنے کے متعلق قرآنی آیات | 339/4 |
| 3 | غیظ وغضب کو ضبط کرنے کے متعلق احادیث کریمہ | 339/4 |
| 4 | حالت غضب میں طلاق | 343/4 |

## ف

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **سورۃ الفاتحہ** | |
| 1 | سورۃ الفاتحہ کے اسماء | 133/1 |
| 2 | سورۃ الفاتحہ کے فضائل | 136/1 |
| 3 | سورۃ الفاتحہ کا مقام نزول | 139/1 |
| 4 | سورۃ الفاتحہ کی آیات کی تعداد مع مضامین | 140/1 |
| 2 | **فاتحہ خلف الامام** | |
| 1 | فاتحہ خلف الامام کے بارے میں ائمہ اربعہ کے نظریات | 219/1 |
| 3 | **حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا** | |
| 1 | تسبیح فاطمہ رضی اللہ عنہا | 860/1 |
| 2 | حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کے فضائل ومناقب | 910/7 |
| 4 | **فاسق / بدعقیدہ** | |
| 1 | فاسق وبدعقیدہ سے اجتناب | 533-537/3 |
| 2 | فساق کو مقتدر بنانے کی حکمت | 645/3 |
| 3 | فاسق کا معنی | 741/11 |
| 4 | فاسق کی روایت وشہادت کا شرعی حکم | 281/11 |
| 5 | فاسق معلن کا فسق بیان کرنے کا جواز | 296/11 |
| 5 | **سورۃ الفاطر** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 626/9 |
| 2 | سورۃ الفاطر کے مشمولات | 626/9 |
| 3 | فاطر کا معنی | 629/9 |
| 4 | سورۃ الفاطر کا اختتام | 702/9 |
| 6 | **فاحشہ** | |
| 1 | فاحشہ کا معنی اور مراد | 93/4 |
| 7 | **فال** | |
| 1 | دیکھئے "24: شگون" صفحہ 155 | |
| 8 | **فارس** | |
| 1 | فرزندان فارس کا علم دین کی بلندیوں پر پہنچنا | 879/11 |
| 9 | **فبای آلاء ربکما تکذبٰن** | |
| 1 | فبای آلاء ربکما تکذبٰن کے مخاطبین | 609/11 |
| 2 | فبای آلاء ربکما تکذبٰن کو ۳۱ بار مکرر ذکر کرنے میں حکمت | 612/11 |
| 10 | **فتح** | |
| 1 | فتح کا مدار | 72/2 |
| 2 | فتح اور شکست کی گردش | 386/2 |
| 3 | فتح کی متعدد تفاسیر | 652/9 |
| 11 | **فتویٰ** | |
| 1 | فتویٰ کا معنی، تقاضے اور مسائل | 815/2 |
| 12 | **فتنہ** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | فتنہ کے زمانہ میں نیک علماء کا گوشہ نشین ہونا | 703/3 |
| 2 | فتنہ کا معنی | 636/4 |
| 13 | سورۃ الفتح | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 182/11 |
| 2 | سورۃ الفتح کی پہلی دو سورتوں سے مناسبت | 183/11 |
| 3 | سورۃ الفتح کا مقام نزول اور زمانہ نزول | 197/11 |
| 4 | سورۃ الفتح کے مسائل و مقاصد | 197/11 |
| 5 | سورۃ الفتح کا اختتام | 271/11 |
| 14 | فتر | |
| 1 | فتر کا لغوی و اصطلاحی معنی | 142/3 |
| 15 | سورۃ الفجر | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 716/12 |
| 2 | سورۃ الفجر کی سورۃ الغاشیہ سے مناسبت | 716/12 |
| 3 | سورۃ الفجر کے مشمولات | 716/12 |
| 4 | الفجر سے مراد معروف صبح اور اس کی فضیلت | 720/12 |
| 5 | سورۃ الفجر کا اختتام | 712/12 |
| 16 | فحش کام | |
| 1 | کھلم کھلا فحش کام کرنا | 747/6 |
| 17 | فخر | |
| 1 | دیکھئے "36: تکبر" صفحہ 94 | |
| 18 | فرعون/قوم فرعون | |
| 1 | فرعون کا اصل نام | 397/1 |
| 2 | فرعون کا بنو اسرائیل پر عذاب | 396/1 |
| 3 | قوم فرعون کے ذکر کی خصوصیت | 71/2 |
| 4 | رب موسیٰ و ہارون کہنے کی وجہ | 262/4 |
| 5 | فرعون کا عوام کو شبہات میں ڈالنا | 263/4 |
| 6 | فرعون کا اپنی دھمکی پر عمل کرنا یا نہ کرنا؟ | 263/4 |
| 7 | فرعون کے معبود کی تفسیر میں اقوال | 265/4 |
| 8 | قوم فرعون پر پے در پے بلائیں نازل ہونا | 270/4 |
| 9 | قوم فرعون پر طوفان اور ٹڈی دل وغیرہ بھیجنے کا عذاب | 279/4 |
| 10 | ستر ہزار فرعونیوں کا طاعون میں مبتلا ہونا | 282/4 |
| 11 | قوم فرعون کے بیان کردہ دو عذر | 455/5 |
| 12 | فرعون کے واقعہ سے نبی ﷺ کو تسلی دینا | 457/5 |
| 13 | فرعون کے خلاف حضرت موسیٰ علیہ السلام کی دعائے ضرر کی توجیہ | 461/5 |
| 14 | فرعون کے ایمان کو قبول نہ کرنے کی وجوہ | 462/5 |
| 15 | فرعون کی گمراہی اور دوزخ میں اس کا اپنی قوم کا مقتداء ہونا | 618/5 |
| 16 | فرعون کے منہ میں حضرت جبرائیل کا مٹی ڈالنا اور اس پر اشکال کا جواب | 463/5 |
| 17 | فرعون کے جادوگروں کا ایمان لانا | 399/7 |
| 18 | فرعون کی بیوی کا ایمان لانا | 402/7 |
| 19 | فرعون کی لاف و گزاف کی توجیہ | 400/7 |
| 20 | رب العالمین کے بجائے رب موسیٰ و ہارون کہنا | 399/7 |
| 21 | فرعون کا سمندر میں بنے ہوئے خشک راستہ پر جانا | 406/7 |
| 22 | فرعون کو کلمہ پڑھنے سے روکنے پر ایک اعتراض کا جواب | 306/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 23 | فرعون کی طرف جانے کا حکم صرف حضرت موسیٰ علیہ السلام کو تھایا ان کے بھائی کو بھی؟ | 240/8 |
| 24 | آیا فرعون موحد تھا، مشرک، یادہریہ؟ | 301/8 |
| 25 | فرعون کا حضرت موسیٰ کے برحق ہونے کے تاثر کو زائل کرنا | 307/8 |
| 26 | فرعون اور اس کے حواریوں کی اپنی کامیابی کے متعلق خوش فہمی | 308/8 |
| 27 | فرعون کا اپنے خدشات کا شکار ہونا | 773/8 |
| 28 | فرعون کی بیوی کے فضائل اور جنت میں ان کا ہمارے نبی کے نکاح میں ہونا | 780/8 |
| 29 | فرعون کا کفر اور اس کی سرکشی اور اس کا عبرت ناک انجام | 813/8 |
| 30 | فرعون کا خدا کو دیکھنے کے لیے بلند عمارت بنوانا | 814/8 |
| 31 | فرعون کی قوم میں سے ایمان لانے والوں کا بیان | 325/8 |
| 32 | فرعون کو میخوں والا کہنے کی وجہ | 46/10 |
| 33 | قوم فرعون کا فرعون کو حضرت موسیٰ علیہ السلام کے قتل سے باز رکھنا | 344/10<br>353/10 |
| 34 | قوم فرعون کے مرد مومن کا تعارف اور اس کی فضیلت | 349/10 |
| 35 | مرد مومن کا قوم کو بار بار نصیحت کرنا | 353/10 |
| 36 | فرعون کا خدا کو دیکھنے کے لیے بلند عمارت بنوانا | 356/10 |
| 37 | آل فرعون کے مرد مومن کی قوم فرعون کو توحید اور دنیا سے بے رغبتی کی نصیحتیں | 360/10 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 38 | مرد مومن کو فرعون کے شر سے محفوظ رکھنا | 364/10 |
| 39 | آل فرعون کو قبر اور آخرت میں عذاب پر پیش کرنا | 365/10 |
| 40 | فرعون کے قصہ کو بیان کرنے کے فوائد و مقاصد | 691/10 |
| 41 | قوم فرعون کو آزمائش میں ڈالنے کی توجیہ | 763/10 |
| 42 | قوم فرعون کا عذاب | 730/12 |
| 19 | فرقے | |
| 1 | اسلامی فرقوں کی تحقیق | 496/1 |
| 2 | دنیا کے مشہور فرقے | 651/5 |
| 3 | اللہ تعالیٰ، رسول ﷺ اور کتاب کے ایک ہونے کے باوجود اسلام میں فرقے کیوں؟ | 653/5 |
| 20 | فرق | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کی مرضی اور مشیت میں فرق | 472/1 |
| 2 | حبیب اور خلیل میں فرق | 918/1 |
| 3 | حبیب اور کلیم میں فرق | 918/1 |
| 4 | انزال اور تنزیل کا فرق | 165/10 |
| 5 | وعد اور وعید کا فرق | 214/10 |
| 6 | حضور ﷺ اور کفار کی موت کا فرق | 223/10 |
| 7 | دنیا کے طالب اور آخرت کے طالب کا فرق | 281/10<br>578/10 |
| 8 | دنیا کی نعمتوں سے استفادہ میں مومن اور کافر کی نیت اور عمل کا فرق | 143/11 |
| 9 | آلاء اور النعماء کا فرق | 609/11<br>691/11 |
| 10 | ظاہری اور باطنی نعمتوں کا فرق اور ان کی تفاصیل | 610/11 |
| 11 | کفار کے کید اور اللہ تعالیٰ کے کید کا فرق | 677/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | دنیا کے کافور اور جنت کے کافور کا فرق | 433/12 |
| 13 | رب کے نام کو یاد کرنے اور رب کو یاد کرنے کا فرق | 345/12 |
| 14 | اللہ کی عبادت میں مشغول ہونے اور اللہ میں مشغول ہونے کا فرق | 346/12 |
| 15 | اعلیٰ حضرت کے نزدیک اللہ تعالیٰ اور اس کے رسول کے علم کا فرق | 317/12 |
| **21** | **فرقہ بندی** | |
| 1 | فرقہ بندی کی مذمت | 697/3 |
| **22** | **فرشتہ** | |
| 1 | ملائکہ کی حقیقت، خصوصیت اور ان کے فرائض منصبی | 333/1 |
| 2 | فرشتہ اور بشر کے درمیان افضلیت کا بیان | 360/1 |
| 3 | فرشتوں کی کثرت عبادت سے انسان کو عبادت پر ابھارنا | 521/4 |
| 4 | فرشتوں کی کثرت عبادت ان کی افضلیت کو مستلزم نہیں | 522/4 |
| 5 | فرشتوں کو انسانوں پر مامور کرنے کی وجوہات وحکمتیں | 60/6 |
| 6 | ملائکہ سے جبریل کا مراد ہونا | 352/6 |
| 7 | فرشتوں کا معصوم ہونا | 458/6 |
| 8 | کیا فرشتے ہر وقت تسبیح کرتے ہیں؟ | 529/7 |
| 9 | فرشتے اللہ کی بیٹیاں ہیں کا رد | 537/7 |
| 10 | فرشتوں کا مکلف ہونا | 538/7 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | فرشتوں کو رسول بنانے کی آیتوں میں تعارض | 802/7 |
| 12 | بعض فرشتوں اور انسانوں کو بیٹا بنانا | 803/7 |
| 13 | فرشتوں کے دلوں پر ہیبت طاری ہونا | 622/9 |
| 14 | ملائکہ کی تعریف | 649/9 |
| 15 | فرشتوں کے زجر کرنے کی تفصیل | 858/9 |
| 16 | فرشتے اللہ کی بیٹیاں نہیں ہیں | 962/9 |
| 17 | فرشتوں کا صفیں باندھ کر عبادت کرنا | 969/9 |
| 18 | الملاء الاعلیٰ سے مراد کون سے فرشتے ہیں؟ | 140-143/10 |
| 19 | کیا فرشتے انبیاء سے افضل ہیں؟ | 320-322/10 |
| 20 | فرشتوں کی شفاعت کرنا | 322/10 |
| 21 | فرشتوں کا مؤمنین کے لیے معاون و مددگار ہونا | 484/10 |
| 22 | فرشتوں کا موت کے وقت مومنین کو انعامات کی بشارت دینا | 485/10 |
| 23 | فرشتوں کی دائمی تسبیح پر ایک اشکال کا جواب | 512/10 |
| 24 | بشر اور فرشتوں میں باہمی افضلیت کی تحقیق | 512/10 |
| 25 | فرشتوں کا تسبیح اور حمد کرنا | 542/10 |
| 26 | فرشتے کن کن کے لیے استغفار کرتے ہیں؟ | 543/10 |
| 27 | فرشتے اللہ کی اولاد نہیں ہیں | 730/10 |
| 28 | اللہ تعالیٰ کے لکھنے اور فرشتوں کے لکھنے میں تعاون کا جواب | 822/10 |
| 29 | فرشتوں کے مؤنث ہونے پر دلائل | 517/11 |
| 30 | فرشتوں کا لیلۃ القدر میں نازل ہونا | 896/12 |
| 31 | فرشتوں کو زمین پر نازل کرنے کی حکمتیں | 898/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 32 | فرشتوں کا سلام | 899/12 |
| 33 | فرشتوں کا اعمال بنی آدم لکھنا | 668/12 |
| 34 | روح اور فرشتوں کے صحیح بات کہنے کی توجیہات | 535/12 |
| 35 | فرشتوں کو دوزخ کا محافظ بنانے کی حکمتیں | 378/12 |
| 36 | دوزخ کے فرشتوں کی تعداد | 378-383/12 |
| 37 | اللہ تعالیٰ کی مدد کے بعد فرشتوں کی مدد کا ذکر | 115/12 |
| 23 | **فریب** | |
| 1 | فریب کی ممانعت | 699/9 |
| 24 | **سورۃ الفرقان** | |
| 1 | سورۃ کا نام وجہ تسمیہ | 203/8 |
| 2 | سورۃ الفرقان کا زمانہ نزول | 206/8 |
| 3 | سورۃ النور اور سورۃ الفرقان کی باہمی مناسبت | 207/8 |
| 4 | سورۃ الفرقان کے مشمولات | 208/8 |
| 5 | سورۃ الفرقان کا اختتام | 279/8 |
| 25 | **فراست** | |
| 1 | فراست کا معنی اور اس کے مصادیق | 305/6 |
| 2 | فراست کے متعلق احادیث | 306/6 |
| 26 | **فرمانبردار** | |
| 1 | دیکھئے "58: اطاعت" صفحہ 61 | |
| 27 | **فساد** | |
| 1 | فساد کی اقسام | 403/8 |
| 28 | **فضول خرچی** | |
| 1 | دیکھئے "40: اسراف" صفحہ 59 | |
| 29 | **فضل** | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | اللہ تعالیٰ کے فضل کی مختلف تعبیریں | 881/11 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کا فضل طلب کرنے کے محامل | 890/11 |
| 30 | **فضیلت** | |
| 1 | بعض لوگوں کی بعض پر فضیلت کا آزمائش ہونا | 489/3 |
| 2 | حضور علیہ السلام کے تمام آباء کا اپنے زمانے میں سب سے افضل ہونا | 559/3 |
| 31 | **فطرت** | |
| 1 | فطرت کا لغوی و شرعی معنی | 154/9 |
| 2 | ہر بچہ کی فطرت پر پیدائش کی حدیث | 156/9 |
| 3 | حدیث میں فطرت سے مراد | 156/9 |
| 32 | **فعل** | |
| 1 | افعال انسان کے مخلوق ہونے کے متعلق اہل سنت و جبریہ کے نظریات | 72/6 |
| 2 | افعال انسان کے مخلوق ہونے کے متعلق اہل سنت و معتزلہ کے نظریات | 71/6 |
| 3 | جبریہ کے نظریہ کا رد | 72/6 |
| 4 | معتزلہ کے نظریہ کا رد | 72/6 |
| 5 | نظریہ اہل سنت کی مزید وضاحت | 73/6 |
| 6 | معتزلہ کے اعتراضات کے جوابات | 73/6 |
| 7 | جبریہ کے رد پر مزید دلائل | 75/6 |
| 8 | خلق اور کسب کی وضاحت | 75/6 |
| 9 | کلام کو فعل و اسم سے تعبیر کرنا | 579/6 |
| 10 | بندہ اپنے افعال کا خالق نہیں ہے | 906/9 |
| 11 | افعال میں حسن اور قبح عقلی ہے یا شرعی؟ | 972/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 33 | فقہ | |
| 1 | فقہ کا معنی | 526/3 |
| 2 | فقہ کا لغوی و اصطلاحی معنی | 612/5 367/7 |
| 3 | کتب فقہ کو بے وضو چھونا کیسا؟ | 691/11 |
| 34 | فقیر/فقر | |
| 1 | فقراء مسلمین کی مجلس میں بیٹھنا | 94/7 |
| 2 | فقراء کی فضیلت میں احادیث | 95/7 |
| 3 | فقراء کو مجلس سے اٹھانا | 98/7 |
| 4 | بعض لوگوں کو فقیر بنانے کی مصلحتیں | 600/10 |
| 5 | حضور ﷺ کے لیے فقر کو پسند کرنے کی وجوہ | 682/10 |
| 35 | فلسطین | |
| 1 | فلسطین میں اسرائیل کا قیام | 404/4 |
| 36 | فلسفہ | |
| 1 | جزء لایتجزیٰ کے ثبوت پر دلیل | 599/9 |
| 37 | سورۃ الفلق | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 1042/12 |
| 2 | المعوذتین کی فضیلت میں احادیث | 1042-1046/12 |
| 3 | سورۃ الفلق کا خاتمہ | 1051/12 |
| 38 | فواکہہ | |
| 1 | پھلوں کو بتدریج پیدا کرنے میں حکمت | 324/1 |
| 39 | فیصلہ | |
| 1 | حکم کا معنی | 224/2 |
| 2 | فیصلہ کے لیے قاضی کے بلانے پر جانا | 162/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | حدود اور قصاص کے ماسوا میں عورتوں کی قضاء | 673/8 |
| 40 | سورۃ الفیل | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 979/12 |
| 2 | سورۃ الفیل کی تفسیر کی تکمیل | 985/12 |
| 41 | فیئے | |
| 1 | فیئے کا معنی | 638/4 |
| 2 | فیئے کا لغوی و شرعی معنی | 809/11 |
| 3 | مال غنیمت اور مال فیئے کو کفار کی ملکیت سے نکال کر مسلمانوں کو دینے کی وجہ | 810/11 |
| 4 | مال غنیمت اور مال فیئے کا فرق | 810/11 |
| 5 | قرآن و حدیث سے مال فیئے کے وقف ہونے پر دلائل | 811-813/11 |


## ق


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | سورۂ ق | |
| 1 | سورۃ کا نام | 311/11 |
| 2 | سورۂ ق سے سورۃ الحجرات کی مناسبت | 311/11 |
| 3 | سورۂ ق کے متعلق احادیث | 311/11 |
| 4 | سورۂ ق کا اختتام | 353/11 |
| 2 | قاضی | |
| 1 | قاضی اور دیگر افسروں کا ہدیہ قبول کرنا | 743/1 |
| 2 | قضاء کا ظاہراً اور باطناً نافذ ہونا | 744-746/1 |
| 3 | قابیل/ہابیل | |
| 1 | قابیل کا ہابیل کو قتل کرنا | 154/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | قابیل کے قتل کرنے کی کیفیت | 156/3 |
| 3 | قابیل کا انجام | 157/3 |
| 4 | قارون | |
| 1 | قارون کا نام ونسب اور اس کا مال و دولت | 856/8 |
| 2 | قارون کا اپنے مال کو فقط اپنی قابلیت کا ثمرہ سمجھنا | 856/8 |
| 3 | قارون کا اپنے مال و دولت پر اترانا اور اکڑنا | 857/8 |
| 4 | قارون کو زمین میں دھنسا دینا | 858/8 |
| 5 | قارون کی حضرت موسیٰ علیہ السلام سے دشمنی | 858/8 |
| 6 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی قارون کے خلاف دعا | 858/8 |
| 7 | ویکان کا معنی اور اس کی ترکیب | 859/8 |
| 8 | قارون کا ذکر کر کے نبی علیہ السلام کو تسلی دینا | 78/9 |
| 9 | قارون کے ذکر کو فرعون اور ہامان کے ذکر پر مقدم کرنے کی وجوہ | 78/9 |
| 5 | سورۃ القارعہ | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 949/12 |
| 2 | سورۃ القارعہ کی تفسیر کی تکمیل | 954/12 |
| 6 | قبر | |
| 1 | دفن کرنے کے بعد قبر پر کھڑے ہو کر اللہ کا ذکر کرنا اور اس سے قبر پر اذان کا استدلال | 221/5 |
| 2 | قبر میں فرشتوں کا سوال کرنا | 182/6 |
| 3 | قبر میں سوالات اس امت کی خصوصیت ہے | 184/6 |
| 4 | جو مسلمان قبر کی آزمائش اور اس کے عذاب سے محفوظ رہیں گے | 185/6 |
| 5 | قبر پر کھجور کی شاخ کے ٹکڑے رکھنا | 725/6 |
| 6 | قبر پر قرآن مجید پڑھنا | 726/6 |
| 7 | قبروں سے نکلنے کی کیفیت | 739/6 |
| 8 | قبر سے نکلنے والوں کی دو حالتیں | 581/11 |
| 9 | شیطان کا قبر میں آ کر مومنوں کو بہکانا | 464/11 |
| 7 | قبلہ | |
| 1 | دیکھئے "8: تحویل قبلہ" صفحہ 90 | |
| 8 | قبولِ اسلام | |
| 1 | حضرت وحشی کا قبولِ اسلام | 272/8 |
| 9 | قبح | |
| 1 | قبح کا عقلی ہونا | 708/6 |
| 10 | قتل | |
| 1 | حضرمی کے قتل کی تاریخ | 764/1 |
| 2 | قتل خطاء | 754/2 |
| 3 | قتل خطاء کا معنی واقسام | 755/2 |
| 4 | قتل خطاء، عمد اور شبہ عمد کی دیت | 756/2 |
| 5 | قتل خطاء کے کفارہ میں مسلمان غلام کو آزاد کرنے کی حکمتیں | 759/2 |
| 6 | قتل عمد کی تعریف | 762/2 |
| 7 | قتل عمد پر اللہ اور رسول ﷺ کا غضب | 763/2 |
| 8 | مسلمان کے قاتل کی مغفرت | 764/2 |
| 9 | سلام کرنے والے کو قتل نہ کرنا | 765/2 |
| 10 | قتل برحق کی اقسام | 686/3 |
| 11 | قتل مومن پر وعید | 688/3 |



marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | کسی مسلمان کو قتل کرنے کی جائز صورتیں | 710/6 |
| **11** | **قدرت باری تعالیٰ** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کی قدرت کا معنی | 300/1 |
| 2 | بجلی اور بادل میں اللہ تعالیٰ کی قدرت کا ظہور | 63/6 |
| 3 | اللہ تعالیٰ کی قدرت کی نشانیاں | 755/6 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کی قدرت پر دلائل ونظائر | 716/11 |
| 5 | اللہ کی قدرت پر دلائل | 779-780/12<br>578/12<br>580/12 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کا حیوانات کے احوال سے اپنی قدرت پر استدلال | 157/12 |
| 7 | اللہ تعالیٰ کا اپنی صفات سے اپنی قدرت پر استدلال | 157/12 |
| 8 | زوج کے معنی سے قدرت باری تعالیٰ پر استدلال | 508/12 |
| **12** | **سورۃ القدر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 887/12 |
| 2 | سورۃ القدر کی تفسیر کی تکمیل | 900/12 |
| **13** | **قذف** | |
| 1 | قذف کا لغوی معنی | 69/8 |
| 2 | قذف کا شرعی معنی | 70/8 |
| 3 | قرآن وحدیث کی روشنی میں قذف کا حکم | 70/8 |
| 4 | احصان کی شرائط | 71/8 |
| 5 | جس پر حد قذف لگ چکی ہو اس کی شہادت | 72/8 |
| **14** | **قرآن مجید** | |
| 1 | قرآن مجید کی تعریف واسماء | 48/1 |
| 2 | قرآن مجید کے فضائل اور اجر وثواب | 50/1 |
| 3 | قرآن کو پڑھنے اور سننے کے آداب مع ضروری مسائل | 53/1 |
| 4 | قرآن مجید کا اعجاز | 59-63/1 |
| 5 | مکمل قرآن یکبارگی نازل نہ کرنے کی حکمتیں | 91/1 |
| 6 | قرآن مجید کو جمع کرنے کا بیان | 96/1 |
| 7 | قرآن مجید کے بوسیدہ اوراق کا حکم | 103/1 |
| 8 | قرآن مجید کا غیر محرف ہونا | 104/1 |
| 9 | قرآن مجید کا سات حرفوں پر نازل ہونا | 106/1 |
| 10 | قرآن مجید کی سورتوں، آیتوں اور حرفوں کی تعداد | 108/1 |
| 11 | قرآن مجید کے محفوظ اور غیر مبدل ہونے پر مستشرقین کے اعتراضات مع جوابات | 109/1 |
| 12 | قرآن مجید پر نقطے اور اعراب لگانے کی تاریخ | 112/1 |
| 13 | قرآن مجید پر رموزِ اوقاف لگانے کی تاریخ | 114/1 |
| 14 | مضامین قرآن کا خاکہ | 118/1 |
| 15 | قرآن مجید کی تفسیر کرنے پر اعتراضات کے جوابات | 122/1 |
| 16 | قرآن مجید کی مشروعیت پر دلائل | 123/1 |
| 17 | قرآن مجید کی تفسیر کے اصل ماخذ | 129/1 |
| 18 | قرآن مجید کی تفسیر کے لیے ضروری علوم | 129/1 |
| 19 | قرآن مجید سب کیلئے ہدایت ہے یا صرف متقین کے لیے | 242/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 20 | قرآن مجید کا تورات کا مصدق ہونا | 364/1 |
| 21 | تعلیم قرآن پر اجرت | 365/1 |
| 22 | قرآن خوانی کا نذرانہ | 369/1 |
| 23 | آسمانی کتب کے نزول کا مقصد | 417/1 |
| 24 | قرآن مجید کی صداقت | 453/1 |
| 25 | قرآن مجید کی آیات منسوخہ | 484/1 |
| 26 | قرآن مجید پر مسلمانوں کا عمل نہ کرنا (لمحۂ فکریہ) | 451/1 |
| 27 | قرآن مجید کی تلاوت کے آداب | 518/1 |
| 28 | قرآن مجید، کتاب حق ہے | 38/2 |
| 29 | قرآن مجید، اقوال صحابہ پر مقدم ہے | 706/2 |
| 30 | قرآن میں اختلاف نہیں | 732/2 |
| 31 | قرآن کو یکبارگی نازل نہ کرنا | 877/2 |
| 32 | قرآن کا نور ہونا | 890/2 |
| 33 | قرآن مجید کے فوائد و مقاصد | 139/3 |
| 34 | نزول قرآن کے بعد انجیل پر عمل کے حکم کی توجیہ | 205/3 |
| 35 | قرآن کا سابقہ آسمانی کتابوں کا محافظ ہونا | 206/3 589/3 |
| 36 | قرآن مجید کی آیات | 210/3 |
| 37 | قرآن تمام عقائد اسلامیہ اور احکام شرعیہ کا جامع ہے | 454/3 |
| 38 | قرآن میں ہر چیز کا ذکر ہے | 458/3 |
| 39 | قرآن میں صرف ہدایت کا مذکور ہونا | 459/3 |
| 40 | قرآن مجید کی خیر و برکت | 588/3 |
| 41 | قرآن کو مشرکین پر اتمام حجت کے لیے نازل کرنا | 695/3 |
| 42 | قرآن مجید کی تبلیغ | 36/4 |
| 43 | قرآن مجید سے ڈرانا اور نصیحت کرنا | 38/4 |
| 44 | قرآن مجید کی خصوصیات | 150/4 |
| 45 | قرآن مجید پڑھنے کے آداب | 513/4 |
| 46 | قرآن مجید سننے کا حکم | 514/4 |
| 47 | قرآن مجید سننا فرض عین ہے یا فرض کفایہ | 515/4 |
| 48 | قرآن مجید سننے کے حکم میں مذاہب فقہاء | 516/4 |
| 49 | امام کے پیچھے قرآن سننے میں مذاہب اربعہ | 518/4 |
| 50 | قرآن مجید کو بدلنے کا مشرکین کا مطالبہ | 338/5 |
| 51 | قرآن مجید میں تبدیلی کے مطالبہ کی وجوہات | 339/5 |
| 52 | قرآن مجید کا وحی الٰہی ہونا | 340/5 |
| 53 | قرآن مجید کی پیش گوئیاں | 365/5 |
| 54 | قرآن مجید کی تفصیل الکتاب ہونے کا معنی | 366/5 |
| 55 | قرآن مجید کی صداقت | 463/5 |
| 56 | قرآن مجید کی آیات کے محکم ہونے کے معانی | 493/5 |
| 57 | قرآن مجید کا معجز ہونا | 512/5 |
| 58 | قرآن مجید کا مبین ہونا | 664/5 |
| 59 | قرآن مجید میں ہر شیٔ کی تفصیل کا محمل | 883/5 |
| 60 | مسلمانوں اور یہود و نصاریٰ کا نزول قرآن سے خوش ہونا | 105/6 |
| 61 | قرآن مجید کو حکم عربی فرمانے کی وجہ اور اس کا قدیم ہونا | 107/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 62 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا قرآن مجید کی تلاوت سے لوگوں کو مسلمان کرنا | 131/6 |
| 63 | قرآن مجید کا ہدایت کے لیے کافی ہونا | 227/6 |
| 64 | قرآن مبین اور کتاب کا معنی | 235/6 |
| 65 | قرآن مبین اور کتاب میں تغایر | 235/6 |
| 66 | الکتاب کو قرآن مبین پر مقدم کرنے کی وجوہ | 235/6 |
| 67 | قرآن مجید کی حفاظت کے ظاہری اسباب | 245-247/6 |
| 68 | قرآن مجید میں ہر چیز کا روشن بیان ہے | 547/6 |
| 69 | قرآن کی پیش گوئی کا پورا ہونا | 767/6 |
| 70 | قرآن کا جسمانی وروحانی امراض کے لیے شفا ہونا | 780/6 |
| 71 | نیکوں اور بروں پر قرآن کے مختلف آثار | 783/6 |
| 72 | قرآن کو حق کے ساتھ نازل کرنا | 811/6 |
| 73 | قرآن کو تھوڑا تھوڑا کر کے نازل کرنے کی وجہ | 812/6 |
| 74 | پست اور بلند آواز سے نماز میں قرآن پڑھنا | 813/6 |
| 75 | قرآن میں کجی نہ ہونا | 41/7 |
| 76 | قرآن کا صرف ڈرنے والوں کیلئے نصیحت ہونا | 338/7 |
| 77 | قرآن کریم کی عظمت | 339/7 |
| 78 | قرآن پر ذکر کا اطلاق | 431/7 |
| 79 | قرآن مجید کی صفات | 483/7 |
| 80 | قرآن کی تلاوت میں عجلت کرنا | 483/7 |
| 81 | قرآن کے حادث ہونے کے اشکال کا جواب | 517/7 |
| 82 | قرآن کو جادو قرار دینا | 518/7 |
| 83 | قرآن اور کتب سابقہ کے تین محامل | 536/7 |
| 84 | قرآن کو غفلت وبے پروائی سے سننا | 275/8 |
| 85 | قرآن کا سات حروف پر نازل ہونا | 204/8 |
| 86 | کیا قرآن اہل کتاب کے تعاون سے بنایا گیا ہے؟ | 214/8 |
| 87 | قرآن کو تدریجاً نازل کرنے کی وجوہ | 237/8 |
| 88 | الکتاب المبین کا معنی | 287/8 |
| 89 | قرآن کو نبی ﷺ کے قلب پر نازل کرنے کی کیفیت | 441/8 |
| 90 | قرآن کا عربی زبان میں ہونا | 446/8 |
| 91 | سابقہ آسمانی کتب میں قرآن کا ذکر | 448/8 |
| 92 | قرآن کو غیر عربی میں پڑھنا کیسا؟ | 449/8 |
| 93 | کیا ترجمہ قرآن پر قرآن کا اطلاق ہوتا ہے؟ | 450/8 |
| 94 | شیاطین قرآن کو نازل نہیں کر سکتے | 457/8 |
| 95 | عربی قواعد کے خلاف قرآن کی کتابت | 653/8 |
| 96 | قواعد رسم الخط کے خلاف الفاظ | 655/8 |
| 97 | قرآن کو یکبارگی نازل نہ کرنے کی وجوہ | 823/8 |
| 98 | قرآن کا ہدایت ورحمت ہونا | 213/9 |
| 99 | قرآن کی مختلف النوع ہدایات | 306/9 |
| 100 | رکوع اور سجود میں قرآن پڑھنے کی ممانعت | 333/9 |
| 101 | دو شہادتوں سے کسی آیت کا قرآن میں درج کرنا | 407/9 |
| 102 | امت مسلمہ کا قرآن کا وارث ہونا | 629/9 |
| 103 | قرآن مجید کے معانی پر غور وفکر نہ کرنا اور اس پر عمل نہ کرنا قرآن کی ناقدری کرنا ہے | 88/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 104 | قرآن مجید کے احکام پر عمل کرنے کی ترغیب | 89/10 |
| 105 | قرآن کریم کا جن وانس کے لیے نصیحت ہونا | 158/10 |
| 106 | قرآن سن کر خوف خدا سے رونگٹے کھڑے ہونا | 219/10 |
| 107 | قرآن سن کر اظہار وجد کرنے والوں کے متعلق صحابہ وفقہاء کی آراء | 219/10 |
| 108 | قرآن کے تین اوصاف | 222/10 |
| 109 | قرآن وذکر میں مشغول ہونا افضل ہے یا دعا کرنے میں؟ | 410/10 |
| 110 | قرآن مجید کی دس صفات | 431/10 |
| 111 | قرآن مجید کے پیچھے اور سامنے سے باطل نہ آنے کے محامل | 516/10 |
| 112 | قرآن مجید کو غور سے نہ سننے کی وجہ سے کفار کا ہدایت سے محروم ہونا | 517/10 |
| 113 | قرآن مجید پر کفار کو ایمان لانے کی نصیحت | 523/10 |
| 114 | قرآن مجید کو قرآن عربی فرمانے کی وجوہ | 655/10 |
| 115 | کفار کے اس اعتراض کا جواب کہ قرآن کسی بڑے آدمی پر نازل ہونا چاہیے تھا | 679/10 |
| 116 | نبی علیہ اور آپ کی قوم کے لیے قرآن کا شرف عظیم ہونا | 687/10 |
| 117 | قرآن کے آسان ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 783/10 |
| 118 | تنزیل قرآن کے مقاصد | 788/10 |
| 119 | قرآن کا ہدایت ورحمت ہونا | 805/10 |
| 120 | قرآن مجید کا انکار، استخفاف اور استحقار کفر ہے | 41/11 |
| 121 | قرآن مجید کو کفار کا جادو کہنا | 46/11 |
| 122 | قرآن مجید پر کفار مکہ کے اعتراض کا جواب | 75/11 |
| 123 | قرآن مجید کو نور فرمانے کی وجہ | 916/11 |
| 124 | اللہ کے نور کو بجھانے کے معانی ومصادیق | 869/11 |
| 125 | قرآن مجید کی پیشین گوئی کی صداقت | 884/11 |
| 126 | قرآن مجید کی عظمت | 833/11 |
| 127 | نزول قرآن کی حکمت | 738/11 |
| 128 | قرآن کریم کو کریم فرمانے کی دس وجوہ | 683/11 |
| 129 | قرآن مجید کو کتاب اور مکنون فرمانے کی توجیہ | 687/11 |
| 130 | بے وضو قرآن کو چھونا | 987-691/11 |
| 131 | کتب تفسیر اور کتب فقہ کو بے وضو چھونا | 691/11 |
| 132 | جنبی اور حائض کا قرآن کو چھونا | 696/11 |
| 133 | قرآن مجید کو بتدریج نازل کرنے کی وجوہ | 700/11 |
| 134 | کس کو رحمن نے قرآن کی تعلیم دی؟ | 605/11 |
| 135 | قرآن مجید کے آسان ہونے کے محامل | 585/11 |
| 136 | القرآن ذو وجوہ کا جواب | 236/11 |
| 137 | اس سوال کا جواب کہ قرآن مجید چونکہ حضور علیہ کی زندگی میں جمع اور مرتب نہیں ہوا تھا اس لیے اس کا وجود مشکوک ہے | 412/11 |
| 138 | قرآن مجید کی جمع وترتیب کے متعلق عیسائیوں کے اعتراض کا جواب | 421/11 |
| 139 | حضور علیہ کو اپنی وفات سے قبل مکمل اور مرتب قرآن حفظ ہو چکا تھا | 422/11 |
| 140 | صحابۂ کرام کو بھی حضور علیہ کی زندگی میں مکمل اور مرتب قرآن حفظ ہو چکا تھا | 423-429/11 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 141 | وفات سے قبل حضور ﷺ کے پاس مکمل قرآن کا لکھا ہوا ہونا | 430/11 |
| 142 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے دور خلافت میں قرآن کو ایک مصحف اور ایک جلد میں جمع کرنا | 431/11 |
| 143 | حضرت عثمان رضی اللہ عنہ کے دور خلافت میں صرف لغت قریش پر قرآن کو باقی رکھنا اور باقی نسخوں کو جلا دینا | 434/11 |
| 144 | جمع قرآن کے متعلق حرف آخر | 435/11 |
| 145 | قرآن کی سب سے زیادہ امید افزا آیت | 811/12 |
| 146 | قرآن مجید کی آیات اور ایک حدیث کا تعارض | 816/12 |
| 147 | اللہ تعالیٰ کا یاد کرانا اور رسول اللہ کا قرآن کو نہ بھولنا | 689-694<br>12 |
| 148 | قرآن مجید کی فضیلت | 661/12 |
| 149 | قرآن مجید کا پاکیزہ فرشتوں کے ہاتھوں سے لکھا ہوا ہونا | 577/12 |
| 150 | قرآن مجید کو تھوڑا تھوڑا کر کے نازل کرنے کی حکمت | 454/12 |
| 151 | قرآن اور احادیث سے زیادہ اللہ کا ذکر کرنے کی ترغیب | 457/12 |
| 152 | رسول اللہ ﷺ کا دوران وحی قرآن مجید کو یاد کرنے کے لیے عجلت کرنا | 411/12 |
| 153 | حضور علیہ السلام کی تلاوت قرآن کا طریقہ | 340/12 |
| 154 | ترتیل کا لغوی و اصطلاحی معنی | 339/12 |
| 155 | قرآن کی تلاوت کو خوش الحانی سے پڑھنا | 340/12 |
| 156 | قرآن کو غنا کے ساتھ پڑھنے کے محامل | 341/12 |
| 157 | خوش الحانی سے قرآن پڑھنے کے متعلق مذاہب فقہاء | 342/12 |
| 158 | قرآن مجید کے مضامین سے اس کے اثر جنون ہونے کا ابطال | 198/12 |
| 159 | قرآن مجید کا سحر، شعر اور کہانت نہ ہونا | 214/12 |
| 160 | قرآن مجید کی ایجابی صفات | 216/12 |
| **15** | **قرض** | |
| 1 | اللہ کو قرض حسنہ دینا | 996/1<br>874/1 |
| 2 | مقروض کو مہلت دینا | 997/1 |
| 3 | قرض معاف کرنے پر اجر و ثواب | 998/1 |
| 4 | دَین اور قرض کی تعریفیں اور ان میں فرق | 1004/1 |
| 5 | آیت مداینہ کا حکم | 1005/1 |
| 6 | دین پر مبنی عقود کی دستاویزات | 1005/1 |
| 7 | قرض کے بعض ضروری مسائل | 1018/1 |
| 8 | قرض حسن کی شرائط | 724/11 |
| 9 | اللہ کی راہ میں خرچ کرنے کو قرض فرمانے کی توجیہ | 725/11 |
| **16** | **قرامطہ** | |
| 1 | قرامطہ کی تعریف | 272/2 |
| 2 | قرامطہ کے عقائد | 273/2 |
| 3 | قرامطہ کا حجر اسود اکھاڑ کر لے جانا | 270/2 |
| 4 | کعبہ کی بے حرمتی | 271/2 |
| **17** | **قراءت خلف الامام** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | قراءت خلف الامام احناف کے نزدیک مطلقاً ناجائز ہے | 519/4 |
| 2 | قراءت خلف الامام کی ممانعت پر احادیث | 519/4 |
| **18** | **قربانی** | |
| 1 | مویشیوں کی قربانی کرنے کا طریقہ | 737/7 |
| 2 | مسافروں اور حجاج پر قربانی | 738/7 |
| 3 | قربانی کرنے کا وقت | 738/7 |
| 4 | قربانی کا گوشت خود کھانا اور دوسروں کو کھلانا | 739/7 |
| 5 | البدن کا معنی اور اس کا مصداق | 756/7 |
| 6 | کیا البدن میں گائے شامل ہے؟ | 756/7 |
| 7 | اونٹوں کو نحر کرنے کا طریقہ | 757/7 |
| 8 | قربانی کی دعا کب پڑھی جائے؟ | 758/7 |
| 9 | قربانی کے جانوروں اور صدقۂ فطر میں تنوع | 760/7 |
| 10 | قربانی کے عمل میں ریاکاری | 237/7 |
| 11 | ھدی کو حرم سے باہر ذبح کرنا | 751/7 |
| 12 | قربانی کے فضائل کے متعلق احادیث | 927/9 |
| 13 | قربانی کے شرعی حکم سے متعلق احادیث | 929/9 |
| 14 | ایک جانور کی قربانی میں کتنے افراد شریک ہو سکتے ہیں؟ | 929/9 |
| 15 | قربانی کے جانوروں کی کم از کم عمریں | 931/9 |
| 16 | قربانی کے جانوروں کے عیوب | 931/9 |
| 17 | نماز عید پڑھنے سے قبل قربانی کرنا | 932/9 |
| 18 | قربانی کے جانور کو ذبح کرنے کی کیفیت | 933/9 |
| 19 | قربانی کی کوئی چیز قصائی کو اجرت میں دینا | 934/9 |
| 20 | قربانی کے حکم میں آئمہ مذاہب اربعہ کا نظریات | 935-938/9 |
| 21 | قربانی کے دنوں کی تعیین وتحدید میں فقہاء مذاہب اربعہ کے نظریات | 938-939/9 |
| 22 | قربانی کے منکرین کے شبہات کا ازالہ | 940/9 |
| 23 | قربانی کے جانور کا معیار | 941/9 |
| 24 | افضل قربانی کا بیان | 942/9 |
| 25 | قربانی کے گوشت کے احکام اور دیگر مسائل | 942/9 |
| 26 | قربانی کے اسرار ورموز | 943/9 |
| 27 | محصر کے لیے قربانی کی جگہ کا تعین | 258-261/11 |
| **19** | **قریش** | |
| 1 | قریش کے فضائل | 987/12 |
| 2 | القریش کا الفیل کے ساتھ مربوط ہونا | 988/12 |
| 3 | قریش کو تجارتی سفر پر راغب کرنے کی توجیہ | 988/12 |
| 4 | قریش کی وجہ تسمیہ اور حضور ﷺ کا نسب | 988/12 |
| 5 | قریش پر انعام کا تقاضا | 989/12 |
| 6 | قریش کو کھانا کھلانے اور امن میں رکھنے کے اسباب | 989/12 |
| **20** | **سورۃ القریش** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 986/12 |
| 2 | سورۃ القریش کی تفسیر کا اختتام | 987/12 |
| **21** | **قرعہ اندازی** | |
| 1 | سفر میں بیوی کو ساتھ لے جانے کیلئے قرعہ اندازی کرنا | 87/8 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 22 | **قرض خواہ** | |
| 1 | قرض خواہ اپنا حق مقروض کی لاعلمی میں بھی لے سکتا ہے | 620/10 |
| 23 | **قسم** | |
| 1 | قسم کا معنی، شرائط اور ارکان | 790/1 |
| 2 | غیر اللہ کی قسم کھانا نیز مستقبل اور ماضی میں طلاق وعتاق کی قسم کھانا | 791/1 |
| 3 | جھوٹی قسم کھانا | 793/1 |
| 4 | بلاقصد قسم | 793/1 |
| 5 | بالقصد قسم | 794/1 |
| 6 | قسم کی اقسام | 794/1 |
| 7 | قسم توڑنا | 215/2 |
| 8 | قسم توڑنے والوں کی سزاء | 216/2 |
| 9 | قسم توڑنا | 565/6 |
| 10 | منافقوں کی قسموں کا غیر معتبر ہونا | 166/8 |
| 11 | غیر اللہ کی قسم کھانے کا ممنوع ہونا | 309/8 |
| 12 | اللہ تعالیٰ کا من پسند فرشتوں کی قسم کھانا | 858/9 |
| 13 | اللہ تعالیٰ کا قسم کھانا | 36/10 |
| 14 | قسم اور جواب قسم | 764/12 |
| 15 | نفس انسان کی قسم سے مراد انسان کامل محمد ﷺ کی قسم ہے | 766/12 |
| 16 | دن اور رات کی قسم کھانے کی توجیہات | 856/12 |
| 17 | شہر مکہ کی قسم کھانے کی توجیہ | 872/12 |
| 18 | زمانہ کی قسم کھانے کی وجہ | 968/12 |
| 19 | رات کی قسم کھانے کی وجوہ | 729/12 |
| 20 | جن پانچ چیزوں کی اللہ تعالیٰ نے قسم کھائی | 475/12 |
| 21 | قسم سے پہلے حروف "لا" کے دو محمل | 402/12 |
| 22 | زیادہ قسم کھانے کی مذمت | 183/12 |
| 23 | قسم کی گرہ کھولنے کا طریقہ | 110/12 |
| 24 | آیا رسول اللہ ﷺ نے اپنی قسم کا کفارہ دیا تھا یا نہیں؟ | 110/12 |
| 24 | **قصہ** | |
| 1 | قصہ کا لغوی معنی | 665/5 |
| 2 | سورۂ یوسف کو "احسن القصص" فرمانے کی وجہ | 665/5 |
| 3 | حضرت یوسف علیہ السلام کے قصہ میں نشانیاں | 687/5 |
| 4 | حضرت یوسف علیہ السلام کے قصہ کا احسن القصص ہونا | 683/5 |
| 25 | **قصاص** | |
| 1 | قصاص کے حکم کا شان نزول | 200/3 |
| 2 | ذمی کے بدلہ میں مسلمان کو قتل کرنا | 200/3 |
| 3 | اعضاء کے بدلے قصاص کی کیفیت | 201/3 |
| 4 | بدلہ نہ لینے کی فضیلت | 202/3 |
| 5 | تلوار سے قصاص لینا | 790/7 |
| 6 | ذمی کے بدلے میں مسلمان کو قتل نہ کرنا | 338/9 |
| 7 | قاتلین عثمان سے قصاص نہ لینے پر سید مودودی کا تبصرہ | 431/9 |
| 26 | **سورۃ القصص** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 765/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | سورۃ القصص کی سورۃ النحل سے مناسبت | 765/8 |
| 3 | سورۃ القصص کے مشمولات | 766/8 |
| 4 | سورۃ القصص کے اغراض | 767/8 |
| 5 | سورۃ القصص کا خلاصہ | 770/8 |
| 6 | سورۃ القصص کے اختتامی کلمات | 865/8 |
| 27 | **قضاء** | |
| 1 | قضاء علی الغائب کے متعلق احادیث | 666/2 |
| 2 | قضاء علی الغائب کے متعلق مذاہب ائمہ | 665/2 |
| 3 | قضاء کے آداب اور قاضی کا ظلم وعدل | 703/2 |
| 4 | کتاب، سنت، اجماع اور قیاس کی حجت پر استدلال | 705/2 |
| 5 | اہل ذمہ کے مابین فیصلہ | 195/3 |
| 6 | قرآن کے مطابق فیصلہ نہ کرنا | 199/3 |
| 28 | **قلب** | |
| 1 | قلب کی تعریف | 287/1 |
| 29 | **سورۃ القلم** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 160/12 |
| 2 | سورۃ القلم کے مشمولات | 160/12 |
| 3 | سورۃ القلم کا اختتام | 198/12 |
| 4 | نون اور قلم کے معانی اور ان کے متعلق احادیث | 164/12 |
| 30 | **قمار** | |
| 1 | حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے قمار کی وضاحت | 209/2 |
| 31 | **سورۃ القمر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور زمانہ نزول | 574/11 |
| 2 | واقعۂ شق القمر کے متعلق احادیث | 574/11 |
| 3 | واقعۂ شق القمر پر اعتراضات کے جوابات | 576/11 |
| 4 | سورۃ القمر کا اختتام | 602/11 |
| 32 | **قناعت** | |
| 1 | قناعت کی تعریف | 48/7 |
| 2 | قناعت کے متعلق احادیث | 46/7 |
| 33 | **دعائے قنوت** | |
| 1 | قنوت کا معنی | 360/2<br>450/9 |
| 2 | قنوت کے متعلق فقہاء مذاہب اربعہ کے نظریات | 360-362<br>2 |
| 3 | قنوت کے متعلق غیر مقلدین کا نظریہ | 363/2 |
| 34 | **قوت** | |
| 1 | قوت نظریہ اور قوت عملیہ کا کمال | 353/6 |
| 2 | قوت نظریہ اور قوت عملیہ کا کمال وفساد | 561/12 |
| 3 | قوت عملیہ کے تین شعبے | 528/12 |
| 35 | **قواعد فقہیہ** | |
| 1 | اشیاء میں اباحت کا اصل ہونا | 330/1<br>125/4 |
| 2 | اشیاء میں اصل اباحت ہے | 277/5<br>504/7 |
| 36 | **قیاس** | |
| 1 | قیاس کا حجت ہونا | 733/2 |
| 2 | قیاس کی حجیت پر دلائل | 457/3 |
| 3 | قیاس کی اصل | 675/3 |
| 4 | قیاس کے حجت ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 363/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | قیاس کرنے کا جواز | 94/7 |
| 6 | مشروعیت قیاس پر دلائل | 552/10 |
| 7 | نفی قیاس پر دلیل | 551/10 |
| 8 | قیاس، فروع اور احکام میں جائز ہے جبکہ اصول اور عقائد میں جائز نہیں | 564/10 |
| 9 | قیاس کے ثبوت پر دلائل | 68/11 |
| 37 | **قید/قیدی** | |
| 1 | جنگی قیدیوں کو غلام اور لونڈی بنانا | 623/2 |
| 2 | مالی فدیہ کے بدلے جنگی قیدی آزاد کرنا | 625/2 |
| 3 | مسلمان قیدیوں کے بدلہ میں جنگی قیدی آزاد کرنا | 626/2 |
| 4 | جنگی قیدیوں کو احساناً آزاد کرنا | 627/2 |
| 5 | جنگی قیدیوں کو فدیہ کے بدلہ میں آزاد کرنے میں مذاہب اربعہ | 678/4 |
| 6 | جنگی قیدیوں کو فدیہ کے بدلہ میں آزاد کرنے کے متعلق احادیث | 679/4 |
| 7 | موجودہ دور میں جنگی قیدیوں کو لونڈی اور غلام بنانا | 682/4 |
| 8 | شک کی بناء پر ملزم یا متہم کو قید میں رکھنا | 350/3 |
| 9 | مجرموں کو قید میں رکھنا | 351/3 |
| 10 | نادہندہ مقروض کو قید میں رکھنا | 351/3 |
| 11 | گواہ بنانے کیلئے بعد از نماز وقت کی خصوصیت | 353/3 |
| 12 | گواہ بنانے میں مقام کی خصوصیت | 354/3 |
| 13 | اسیرانِ جنگ کے بارے میں اسلام کی ہدایات | 135/11 |
| 14 | جنگی قیدیوں کو غلام بنانا | 136/11 |
| 15 | جنگی قیدیوں کو غلام بنانے کے فوائد | 137/11 |
| 38 | **قیام تعظیمی** | |
| 1 | قیام تعظیمی کی ممانعت کے متعلق احادیث | 864/5 |
| 2 | قیام تعظیمی میں مذاہب فقہاء | 864/5 |
| 3 | آنے والے کے استقبال کے لیے کھڑا ہونا | 866/5 |
| 4 | مخلوق کی تعظیم کے لیے قیام کی ممانعت | 621/12 |
| 5 | قیام تعظیمی کی ممانعت کے محامل | 621/12 |
| 6 | اصحاب فضیلت کی تعظیم کے لیے قیام کا استحسان | 622-626/12 |
| 39 | **قیامت** | |
| 1 | یوم قیامت کی مقدار | 173/1 |
| 2 | وقوع قیامت پر عقلی و شرعی دلائل | 175/1 |
| 3 | منکرین قیامت کا خسارہ | 433/3 |
| 4 | قیامت سے قبل دس نشانیوں کا ظہور | 696/3 |
| 5 | روز قیامت کو ساعت اور اللہ سے ملاقات کا دن فرمانے کی وجہ | 433/3 |
| 6 | قیامت کے دن رسولوں اور ان کی امتوں سے سوالات | 43/4 |
| 7 | قیامت کے دن مجرموں سے سوال کرنا یا نہ کرنا | 45/4 |
| 8 | وقوع قیامت کے وقت کو مخفی رکھنے کی حکمت | 441/4 |
| 9 | رسول اللہ ﷺ کو علوم خمسہ اور علم روح وغیرہ | 447/4 |
| 10 | قیامت کے دن شرکاء کی مشرکین سے بیزاری | 358/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | وقوع قیامت کی دلیل | 622/5 |
| 12 | وقوع قیامت پر عقلی دلیل | 219/6 |
| 13 | قیامت کے دن کفار کا کف افسوس ملنا | 221/6 |
| 14 | قیامت کے دن مسلمانوں سے سوال | 324/6 |
| 15 | قیامت کے دن کفار سے سوال | 325/6 |
| 16 | قیامت کے دن بتوں اور مشرکوں کا مکالمہ | 544/6 |
| 17 | قیامت کے دن اللہ تعالیٰ کے کسی صورت میں آنے کی توجیہ | 544/6 |
| 18 | قیامت کے دن ہر شخص کا نفسی نفسی کہنا | 587/6 |
| 19 | قیامت کے دن اعمال نامہ پڑھوانا | 656/6 |
| 20 | ہر شخص قیامت کے دن اپنے امام کے ساتھ ہوگا | 761/6 |
| 21 | قیامت کے دن برہنہ حشر کرنا | 119/7 |
| 22 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کو سب سے پہلے لباس پہنانا | 120/7 |
| 23 | قیامت کے دن اعمال نامہ | 120/7 |
| 24 | روز قیامت کے مشاہدہ کا عظیم ہونا | 277/7 |
| 25 | روز قیامت کا یوم حسرت ہونا | 278/7 |
| 26 | اس دن کا مصداق جب فیصلہ ہو چکا ہوگا | 279/7 |
| 27 | وقوع قیامت پر دلیل | 356/7 |
| 28 | قیامت کے وقوع پر کفار کا شبہ | 435/7 |
| 29 | قیامت کے دن پکارنے والے | 437/7 |
| 30 | قیامت کا خوف و دہشت | 667/7 |
| 31 | قیامت کے رشتوں کا ختم ہونا | 907/7 |
| 32 | قیامت کے دن نبی ﷺ کے نسب، نکاح اور سسرال کے رشتوں کے سوا تمام رشتوں کا منقطع ہونا | 908/7 |
| 33 | قیامت کے دن دلوں اور آنکھوں کا الٹ پلٹ جانا | 145/8 |
| 34 | قیامت کے دن کی مومنوں پر طوالت | 233/8 |
| 35 | قیامت کے احوال | 234/8 |
| 36 | قیامت کے دن پہاڑوں کا ریزہ ریزہ ہونا | 757/8 |
| 37 | دآبۃ الارض کا محل خروج وغیرہ | 742/8 |
| 38 | قیامت پر دلائل | 137/9 |
| 39 | قیامت کے دن مشرکین کے احوال | 139/9 |
| 40 | قیامت کے دن کفار کا جھوٹ بولنا | 205/9 |
| 41 | قیامت کے دن کفار کے ایمان لانے کا ثمر آور نہ ہونا | 328/9 |
| 42 | رسول اللہ ﷺ کو قیامت کا علم تھا یا نہیں؟ | 569/9 |
| 43 | علم قیامت کی نفی کے متعلق مفسرین کی توجیہات | 571/9 |
| 44 | وقوع قیامت پر دلائل | 597/9 |
| 45 | قیامت کے دن متکبر اور پس ماندہ کافروں کا مناظرہ | 629/9 |
| 46 | قیامت کا اچانک آنا | 783/9 |
| 47 | قیامت کے دن نیک لوگوں کے اعضاء ان کی نیکیاں بیان کریں گے | 817/9 |
| 48 | قیامت کے دن مجرموں کے اعضاء ان کے خلاف گواہی دیں گے | 818/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 49 | مجرموں کے مونہوں پر مہر لگانے کی توجیہ | 819/9 |
| 50 | مشرکین کا انکار قیامت پر اصرار کرنا | 871/9 |
| 51 | قیامت کے دن اللہ کے سامنے جھگڑنے والے | 249/10 |
| 52 | قیامت کے دن فساق کی اپنی اعمالیوں پر ندامت | 287/10 |
| 53 | قیامت کے دن کفار کے عذاب کی کیفیت | 301/10 |
| 54 | قیامت کے دن مؤمنوں کے ثواب کی کیفیت | 301/10 |
| 55 | قیامت کے دن سب سے پہلے وقوع پذیر ہونے والے امور | 296/10 |
| 56 | قیامت کے دن لوگوں کی مستور چیزوں کو ظاہر کرنا | 336/10 |
| 57 | قیامت کے دن صرف اللہ کی بادشاہی ہوگی | 337/10 |
| 58 | حضور ﷺ کا ایک حکمت کی وجہ سے وقوع قیامت کی خبر نہ دینا | 573/10 |
| 59 | قیامت کے دن کو فیصلہ کا دن فرمانے کی توجیہات | 775/10 |
| 60 | قیامت کے وقوع پر دلیل | 817/10 |
| 61 | قیامت کے دن کون کون گھٹنوں کے بل بیٹھے ہوں گے؟ | 819/10 |
| 62 | قیامت کے متعلق کفار کے دو گروہ | 824/10 |
| 63 | قیامت کے دن کو عدم التغابن فرمانے کی وجہ | 916/11 |
| 64 | قیامت کے دن مومنوں کے نور کی مختلف مقدار | 725/11 |
| 65 | قیامت کے دن منافقین کا جنت کے راستہ سے محروم ہونا | 726/11 |
| 66 | قیامت کے دن منافقوں اور مؤمنوں کا معاملہ | 726/11 |
| 67 | قیامت کا واقع ہونا اور اس کا جھوٹ نہ ہونا | 651/11 |
| 68 | روز قیامت کی ہولناکیاں | 624/11 |
| 69 | قیامت کے دن حضرت اسرافیل علیہ السلام کا صور پھونکنا | 581/11 |
| 70 | قیامت کے دن کفار اور شیطان سے فرشتوں اور اللہ تعالیٰ کا کلام | 325/11 |
| 71 | قیامت کی کیفیات | 439/11 |
| 72 | قیامت کے دن انسان کے گذشتہ اعمال دکھانے کی توجیہ | 567/11 |
| 73 | قیامت کے دن لوگوں کے احوال | 950/12 |
| 74 | قیامت کے دن پہاڑوں کے احوال | 951/12 |
| 75 | قیامت کے دن کفار و فساق فجار کا کف افسوس ملنا | 737/12 |
| 76 | قیامت کے دن آپ کے رب کے آنے کی توجیہات | 737/12 |
| 77 | قیامت کے دن کو الغاشیہ فرمانے کی وجوہ | 707/12 |
| 78 | قیامت کے دن کی گرمی کی شدت سے پسینہ آنا | 620/12 |
| 79 | قیامت کے دن کافروں کا اپنے رب کے دیدار سے محروم رہنا | 628/12 |
| 80 | روز جزاء کی تکذیب کرنے والے | 627/12 |
| 81 | قیامت کے احوال و آثار کے ذکر سے مقصود | 606/12 |
| 82 | روز جزاء کی تکذیب کے محامل | 610/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 83 | روز جزاء کے ادراک کی نفی کا محمل | 613/12 |
| 84 | قیامت کے دن نفسی نفسی کا عالم | 581/12 |
| 85 | قیامت کے احوال | 550/12 |
| 86 | روز قیامت کے حق ہونے کی توجیہ | 537/12 |
| 87 | کفار قریش کو قیامت کی دن کے عذاب سے ڈرانا | 478/12 |
| 88 | قیامت کے احوال کو شر کہنے کی توجیہ | 435/12 |
| 89 | قیامت کے دن کو پس پشت ڈالنے کی توجیہ | 457/12 |
| 90 | قیامت کے دن بندہ کے نیک اعمال ملنے کے متعلق احادیث | 409/12 |
| 91 | قیامت اور نفس لوامہ کی مناسبت | 404/12 |
| 92 | قیامت کی تکذیب کرنا | 406/12 |
| 93 | وقوع قیامت کی دلیل | 422-423/12 |
| 94 | قیامت کے دن بچوں کو بوڑھا کرنے کی توجیہ | 351/12 |
| 95 | قیامت کو الحاقۃ فرمانے کی وجوہ | 204/12 |
| 96 | قیامت کے وقوع کی علامات | 207/12 |
| 97 | قیامت کے دن کی مقدار | 225/12 |
| 98 | حضور علیہ السلام کو وقوع قیامت کا علم | 298/12 |
| 40 | **سورۃ القیامہ** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 399/12 |
| 2 | سورۃ القیامہ کے مشمولات | 399/12 |
| 3 | سورۃ القیامہ کا اختتام | 424/12 |

## ک

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | **کائنات** | |
| 1 | کائنات کی ہر چیز کا برحق ہونا | 88/9 |
| 2 | **کاہن** | |
| 1 | کاہنوں کی اقسام | 861/9 |
| 2 | کاہن کی تعریف اور اس کے پاس جانے کا شرعی حکم | 861/9 |
| 3 | کاہن کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 44/11 |
| 3 | **سورۃ الکافرون** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 1011/12 |
| 2 | قل یاایھا الکافرون کا شان نزول | 1012/12 |
| 3 | یاایھا الکافرون سے پہلے قل لانا | 1013/12 |
| 4 | سورۃ الکافرون کی آیات میں تکرار کا جواب | 1016/12 |
| 5 | لکم دینکم ولی دین کے محامل | 1016/12 |
| 6 | سورۃ الکافرون کی تکمیل | 1016/12 |
| 4 | **کامیابی** | |
| 1 | حقیقی کامیابی کا مصداق | 823/10 |
| 5 | **کبوتر بازی** | |
| 1 | کبوتر بازی کے متعلق احادیث | 382/8 |
| 2 | کبوتر بازی کے متعلق فقہاء کی تصریحات | 385/8 |
| 6 | **کتا** | |
| 1 | کتوں کو رکھنے کا شرعی حکم | 70/7 |
| 7 | **کتاب** | |
| 1 | کتاب کا لغوی واصطلاحی معنی | 240/1 |
| 2 | کتاب وحکمت کی تعلیم وتزکیۂ نفس | 550/1 |
| 3 | کتب آسمانی کی تعداد کی تحقیق | 418/10 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | کتاب کا معنی | 741/11 |
| 5 | کتابوں کی تعداد کی تحقیق | 702/12 |
| **8** | **کذب** | |
| 1 | دیکھئے "30: جھوٹ" صفحہ 107 | |
| **9** | **کرامت** | |
| 1 | کرامت کی تعریف اور خلاف عادت کاموں کی اقسام | 434/5 |
| 2 | اولیاء اللہ کی کرامات کے ثبوت میں قرآن مجید کی آیات | 435/5 |
| 3 | اولیاء اللہ کی کرامات کے ثبوت میں احادیث صحیحہ | 437/5 |
| 4 | کرامت کے اختیاری ہونے میں علماء کی تصریحات | 437/5 |
| 5 | کرامت کی تعریف | 693/8 |
| 6 | علامہ زمخشری کا کراماتِ اولیاء کا انکار کرنا | 305/12 |
| **10** | **کراماً کاتبین** | |
| 1 | کراماً کاتبین کی تعریف اور ان کے فرائض | 505/3 |
| 2 | کراماً کاتبین کے متعلق قرآنی آیت | 505/3 |
| 3 | کراماً کاتبین کے وظائف | 506/3 |
| 4 | آیا دل کی باتوں کو کراماً کاتبین لکھتے ہیں یا نہیں؟ | 507/3 |
| 5 | اعمال کو لکھوانے کی حکمتیں | 509/3 |
| 6 | کراماً کاتبین کا صحیفۂ اعمال میں دیکھنا | 322/11 |
| 7 | کراماً کاتبین کے اعمالِ بنی آدم لکھنے کی تفصیل | 611/12 |
| 8 | کراماً کاتبین کا قضاء حاجت اور جماع کے وقت انسان سے الگ ہو جانا | 611/12 |
| **11** | **کسب** | |
| 1 | کسب واکتساب کا معنی | 1028/1 |
| 2 | شر کو اکتساب کے ساتھ مخصوص کرنا | 1028/1 |
| 3 | معاش کے حصول کے لیے کسب کرنا ضروری ہے | 268/7 |
| **12** | **کعبہ** | |
| 1 | تعمیر کعبہ کی تاریخ | 545/1 |
| 2 | کعبہ کو قبلہ بنانے کے اسرار | 567/1 |
| 3 | کعبہ کا اولیاء اللہ کی زیارت کے لیے جانا | 569/1 |
| 4 | کعبہ کا بیتِ اوّل ہونا | 257/2 |
| 5 | تعمیر کعبہ کی تاریخ | 259/2 |
| 6 | کعبہ کے فضائل | 261/2 |
| 7 | بیت اللہ کے اسماء | 265/2 |
| 8 | کعبہ کی برکت وہدایت کا معنی | 266/2 |
| 9 | کعبہ اور مقام ابراہیم کی نشانیاں | 267/2 |
| 10 | کعبہ کی بے حرمتی کرنا | 271/2 |
| 11 | تعمیر کعبہ کے وقت تہبند اتار کر کندھے پر رکھنے کی روایت کی تحقیق | 102/4 |
| **13** | **کفر/کفار** | |
| 1 | کفار کا فروع کا مکلف ہونا | 304/1 |
| 2 | کفر کے معانی | 279/1 |
| 3 | کفار کے عذاب میں تخفیف وعدم تخفیف | 620/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | کفار کو نور سے نکالنا | 938/1 |
| 5 | کفار کی ظلمت کی مثال | 939/1 |
| 6 | کفر ملت واحدہ ہے | 227/2 |
| 7 | کفار سے دوستی کی ممانعت | 103-106/2 |
| 8 | کفار سے مواسات | 107/2 |
| 9 | کفار سے مجرد معاملہ | 108/2 |
| 10 | کفار کی نیکیوں کا مقبول یا مردود ہونا | 203/2 |
| 11 | کفار کی اقسام | 244/2 |
| 12 | آخرت میں کفار کے اعمال کا ضائع ہونا | 322/2 |
| 13 | کفار کو راز دار بنانا | 324/2 |
| 14 | مسلمانوں کا کفار سے محبت کرنا | 326/2 |
| 15 | مسلمانوں کے خلاف کفار کا غیظ وغضب | 326/2 |
| 16 | متقی مسلمانوں کا کفار کی سازشوں سے محفوظ رہنا | 327/2 |
| 17 | غیر مسلموں سے دینی و دنیوی کام لینا | 328/2 |
| 18 | کفار پر لعنت | 355/2 |
| 19 | کفار کے لیے دوزخ کا تیار کیا جانا | 367/2 |
| 20 | دینی معاملات میں کفار کی اطاعت | 400/2 |
| 21 | دنیا میں کفار کی خوشحالی | 475/2 |
| 22 | کفار کو گناہوں کے لیے ڈھیل دینا | 478/2 |
| 23 | کفار کی زیادتیوں کو خندہ پیشانی سے برداشت کرنا | 507/2 |
| 24 | کفار کے لیے دنیا میں عیش | 528/2 |
| 25 | قیامت کے دن کفار کے مختلف احوال | 676/2 |
| 26 | کفار کے ساتھ دوستی | 748/2 |
| 27 | کفر پر راضی ہونا | 829/2 |
| 28 | کفار کے نابالغ بچوں پر عذاب | 836/2 |
| 29 | کفار کا مسلمانوں پر غلبہ | 830/2 |
| 30 | کفر اور فسق کی وجوہات | 148/3 |
| 31 | کیا اللہ نے کافر کے کفر کا ارادہ کیا تھا؟ | 176/3 |
| 32 | کفار کے ساتھ دوستی کی ممانعت | 212-213/3 |
| 33 | ملکی و جنگی معاملات میں کفار سے خدمت | 224/3 |
| 34 | کفار احسان فراموش ہیں | 393/3 |
| 35 | کفر باللہ اور کفر بالرسول | 396/3 |
| 36 | کفار کے انکار کا حقیقی سبب | 400/3 |
| 37 | کفار کے اخروی نقصان کا معنی | 418/3 |
| 38 | کفار کے کانوں پر ڈاٹ لگانا | 423/3 |
| 39 | قیامت کے دن کافروں کے عذاب کی کیفیت | 430/3 |
| 40 | کفار کو مردہ کہنے کی حکمت | 448/3 |
| 41 | کفار کی مطلوبہ نشانیاں نازل نہ کرنے کا سبب | 449/3 |
| 42 | کافروں کے عمومی عذاب میں مومن شامل ہوں گے یا نہیں؟ | 470/3 |
| 43 | کافروں کو ڈرانے کا محمل | 484/3 |
| 44 | کفار کے مطالبے کے باوجود ان پر عذاب نازل نہ کرنا | 495/3 |
| 45 | کفار کے دلوں کو پھیرنا | 626/3 |
| 46 | کافر کے مردہ ہونے کی مثال | 644/3 |
| 47 | کفار کو مقتدر بنانے کی حکمت | 645/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 48 | کفار کے لیے آسمان کے دروازے نہ کھولنا | 137/4 |
| 49 | کفار کی جنتوں کا مسلمانوں کو وراثت میں ملنا | 140/4 |
| 50 | کفار کو دوزخ میں کھانے پینے سے محروم رکھنا | 147/4 |
| 51 | کفار کا اخروی خسارہ | 150/4 |
| 52 | کافروں کی مثال | 188/4 |
| 53 | رنج و راحت کے نزول میں کفار کے احوال | 232/4 |
| 54 | کفار مکہ پر عذاب نہ بھیجنے کی وجہ | 235/4 |
| 55 | کفار مکہ کے دلوں پر مہر لگانے کی توجیہ | 236/4 |
| 56 | سابقہ امتوں کے عذاب سے کفار مکہ کا سبق حاصل نہ کرنا | 236/4 |
| 57 | کفار کے دلوں کو پھیرنے کی توجیہ | 318/4 |
| 58 | کفار کی نیکیوں کا ضائع ہونا | 332/4 |
| 59 | کفار کا جانوروں سے زیادہ گمراہ ہونا | 424/4 |
| 60 | جاہل کفار کا حضور ﷺ کو مجنوں کہنا | 437/4 |
| 61 | کفار کو گمراہی پر پیدا کرنے کا معنی | 440/4 |
| 62 | کفار کے فرمائشی معجزات نہ دکھانے کی وجہ | 512/4 |
| 63 | بعض صحابہ کے نزدیک لشکر کفار سے مقابلہ کا ناگوار ہونا | 554/4 |
| 64 | ابوسفیان کے قافلہ تجارت پر حملہ کو بعض صحابہ کے ترجیح دینے کا بیان | 556/4 |
| 65 | کفار قریش کا حضور علیہ السلام کو قتل کرنے کی سازش کرنا | 622/4 |
| 66 | کفار کی سازش کا ناکام ہونا | 623/4 |
| 67 | کفار کا استغفار | 626/4 |
| 68 | کفر کا غلبہ فقط عرب سے یا مکمل دنیا سے ختم کرنا مقصود ہے | 636/4 |
| 69 | کفار مکہ نے اللہ کی جن نعمتوں کی ناشکری کی | 657/4 |
| 70 | کفر کے علمبرداروں کا مصداق | 79/5 |
| 71 | کفار سے محبت کا تعلق رکھنا منع ہے جبکہ بغیر محبت کے معاملات جائز ہیں | 100/5 |
| 72 | زمانہ کفر میں کی ہوئی نیکیوں پر اجر و ثواب | 156/5 |
| 73 | زندہ کافروں کے لیے مغفرت اور ہدایت کی دعا کا جواز | 274/5 |
| 74 | کافر کے مُسرِف ہونے کی وجوہ | 334/5 |
| 75 | کفار کے ایمان نہ لانے پر نبی ﷺ کو تسلی | 370/5 |
| 76 | کفار کے ناکام ہونے کی واضح دلیل | 449/5 |
| 77 | کفار کے دلوں پر مہر لگانے کی توجیہ | 454/5 |
| 78 | کفر کا فطرت کے خلاف ہونا | 481/5 |
| 79 | کفار کی دنیا میں خوشحالی | 494/5 |
| 80 | کفار کا مصیبت میں مایوس ہونا اور راحت میں ناشکری کرنا | 508/5 |
| 81 | قیامت کے دن کفار کے خلاف گواہی دینے والوں کے مصادیق | 517/5 |
| 82 | کفار مکہ کی چودہ وجوہ سے مذمت | 518/5 |
| 83 | کفار کو دوگنا عذاب | 519/5 |
| 84 | جب کفار حق کو سننے اور دیکھنے کی طاقت نہیں رکھتے تو ان سے گرفت کیوں ہوئی؟ | 519/5 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 85 | جب اللہ تعالیٰ کفار کو گمراہ کرنے کا ارادہ فرمائے تو پھر گمراہ ہونے میں ان کا کیا قصور ہے؟ | 534/5 |
| 86 | کفار کو عذاب دینا عدل اور حکمت کا تقاضا ہے | 620/5 |
| 87 | کفار کے عذاب کو آسمان وزمین کے قیام پر موقوف کرنا | 630/5 |
| 88 | کفار کے دائمی عذاب پر دلائل | 631-634/5 |
| 89 | توحید و رسالت کا انکار کفار کی پرانی روش ہے | 637/5 |
| 90 | کفار کا رحمت اور ثواب کے بجائے عتاب اور عذاب کو طلب کرنا | 44/6 |
| 91 | گنہگار مسلمانوں کو دوزخ سے نکلتا ہوا دیکھ کر کفار کی حسرت وندامت | 237/6 |
| 92 | کفار مکہ کو زجر و توبیخ | 242/6 |
| 93 | کفار کے دلوں میں نبیوں کا استہزاء پیدا کرنے کی بحث | 248/6 |
| 94 | کفار کے انکار اور استہزاء کی وجوہات | 249/6 |
| 95 | کفار مکہ کے مطالبہ پر فرشتوں کو نازل نہ کرنے کی وجہ | 251/6 |
| 96 | کفر اور ایمان کی پانی اور جھاگ سے تشبیہ | 76/6 |
| 97 | کفار کے اخروی احوال | 77/6<br>543/6 |
| 98 | کفار کی صفات اور آخرت میں ان کی سزاء | 89/6 |
| 99 | دنیا میں کفار کی خوشحالی کی وجوہ | 90/6 |
| 100 | کفار کے فرمائشی معجزات نازل نہ کرنے کا سبب | 98/6 |
| 101 | جب کفار کو اللہ تعالیٰ نے گمراہ کر دیا تو ان کی مذمت کی وجہ | 103/6<br>171/6<br>412/6<br>414/6 |
| 102 | کافروں اور مسلمانوں کے مصائب کا فرق | 103/6 |
| 103 | کفار کے مطالبہ کی وجہ سے ان پر عذاب کیوں نازل نہ ہوا؟ | 117/6 |
| 104 | کفار کے شبہات کے جوابات | 159/6 |
| 105 | کفار کے اعمال کی راکھ کے ساتھ وجہ مشابہت | 169/6 |
| 106 | کفار کا قیامت کے دن کف افسوس ملنا | 221/6 |
| 107 | کفار کا مکر | 222/6 |
| 108 | کفار سے قیامت کے دن سوال | 325/6 |
| 109 | کفار کے مختلف نظریات کا بطلان | 478/6 |
| 110 | دوسروں کو کافر بنانا | 546/6 |
| 111 | کفار کی آنکھوں اور دلوں پر پردہ ڈالنا | 729/6 |
| 112 | کفار کا دنیا و آخرت میں اندھا ہونا | 763/6 |
| 113 | کفار کی فرمائشوں کے متعلق اقوال | 765/6 |
| 114 | کفار کا قیامت کے دن سر کے بل چلنا | 803/6 |
| 115 | کفار کا اپنے مال پر فخر کرنا | 107/7 |
| 116 | کفار کے قیامت کے دن پیش ہونے کی حالتیں | 117/7 |
| 117 | گذشتہ کفار اقوام کے متعلق اللہ کا دستور | 139/7 |
| 118 | جن برے کاموں کی وجہ سے کفار پر عذاب ہوا | 140/7 |
| 119 | کفار کے لیے مغفرت کی دعا | 286/7 |
| 120 | قیامت کے دن کفار کے حشر کی کیفیت | 306/7 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 121 | کفار کے مقام کا زیادہ برا ہونا | 311/7 |
| 122 | ان کفار کی مذمت جنہوں نے رحمان کیلئے بیٹا گھڑ لیا | 317/7 |
| 123 | کفار کی زندگی تنگ | 495/7 497/7 |
| 124 | کفار دنیا میں عیش و عشرت سے ہیں | 496/7 |
| 125 | کفار کے فرمائشی معجزات نہ بھیجنے کی وجوہ | 522/7 |
| 126 | "کفار حیات بعد الممات کے قائل نہیں" پر اعتراض | 530/7 |
| 127 | دنیا میں کفار کی حفاظت | 589/7 |
| 128 | کفار پر زمین کے کناروں کا تنگ ہونا | 590/7 |
| 129 | کفار کا ضرر پہنچانا اور نہ پہنچانا | 718/7 |
| 130 | کافروں کی سزا کے بعد مومنوں کی جزاء | 719/7 |
| 131 | کفار کو قتل کرنے کی ممانعت | 761/7 |
| 132 | کفار سے درگزر کرنا | 762/7 |
| 133 | کفار کو ان کے کفر کے باوجود نعمتیں عطا کرنا | 882/7 |
| 134 | کفار کے کرتوت اور ان پر نزول عذاب کی کیفیت | 884/7 |
| 135 | کفار کا عذاب نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کو دکھانا | 900/7 |
| 136 | کفار کے اعمال بے فائدہ ہیں | 147/8 |
| 137 | کفار سے سننے اور عقل کی نفی | 244/8 |
| 138 | کفار کا چوپایوں سے زیادہ گمراہ ہونا | 245/8 |
| 139 | کفر کے اندھیروں کا ختم ہونا | 248/8 |
| 140 | کفار کا ایمان نہ لانا | 288/8 |
| 141 | کفار کا بتدریج سرکشی میں بڑھنا | 289/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 142 | کفار مکہ کا عناد اور ہٹ دھرمی | 452/8 |
| 143 | جب کفر یہ کاموں کو اللہ نے مزین کیا ہے تو پھر ان کی مذمت کیوں؟ | 554/8 |
| 144 | کفار کو تنبیہ | 586/8 |
| 145 | کفار کا لغو اور بے ہودہ باتیں کرنا | 836/8 |
| 146 | کفار کے ایک شبہ کے جوابات | 845/8 |
| 147 | کافر اور مومن کی دنیا و آخرت میں تقابل | 848/8 |
| 148 | راحت اور مصیبت میں کفار کے احوال | 192/9 |
| 149 | کفار کا قیامت کے دن جھوٹ بولنا | 205/9 |
| 150 | کفار کے مطلوبہ معجزات نہ دینے کی وجوہ | 205/9 |
| 151 | کفار کی سزا کا ذکر | 235/9 |
| 152 | کفار کے فیصلہ کے دن سے مراد | 347/9 |
| 153 | کفار کو اللہ تعالیٰ کا غزوۂ خندق سے بے نیل مرام لوٹانا | 409/9 |
| 154 | کفار سے درگزر کرنے کے حکم کا منسوخ ہونا | 509/9 |
| 155 | کفار سے کیا ہوا معین وقت کا وعدہ | 628/9 |
| 156 | کفار کے گھبرانے اور ان کی جائے فرار نہ ہونے کی متعدد تفاسیر | 643/9 |
| 157 | روز حشر کفار کے ایمان کو قبول نہ کرنے کی وجوہ | 644/9 |
| 158 | روز حشر کفار کی خواہشات | 644/9 |
| 159 | کفار کے مکر کا بیان | 664/9 |
| 160 | کفار کو دائمی عذاب دینے کی وجہ | 695/9 |
| 161 | کفار کے نقصان اٹھانے کے محامل | 696/9 |
| 162 | کفار کی گردنوں میں طوق ڈالنے کا محمل | 718/9 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 163 | کفار کو ڈرانا یا نہ ڈرانا | 724/9 |
| 164 | کافروں کے خلاف فرشتوں کو نازل کرنا | 746/9 |
| 165 | کفار قیامت کی خبر کو وعدکیوں کہتے تھے؟ | 783/9 |
| 166 | کفار کا اپنی قبروں کو خواب گاہوں سے تعبیر کرنا | 790/9 |
| 167 | کفار کا اللہ کا ذکر رحمٰن کے نام سے کرنا | 791/9 |
| 168 | کافر پیشواؤں اور ان کے پیروکاروں کا آخرت میں مکالمہ | 880/9 |
| 169 | کفار کے متعلق اللہ تعالیٰ کی وعیدات | 881/9 |
| 170 | کفار کا تکبر کرنا | 38/10 |
| 171 | کفار کا ابوطالب سے شکایت اور حضور علیہ السلام کا جواب | 39/10 |
| 172 | کفار کا اپنے بتوں کی عبادت پر صبر کرنے کا محمل | 40/10 |
| 173 | طاغین سے مراد کفار ہیں نہ کہ اصحاب کبائر | 130/10 |
| 174 | دوزخ میں کفار اوران کے پیروکاروں کا مناظرہ | 131/10 |
| 175 | کفار کا نقصان زدہ ہونا | 204-206<br>10 |
| 176 | کفار کا دھمکیاں دینا | 263/10 |
| 177 | کفار کے اعذار کا قبول نہ ہونا | 382/10 |
| 178 | کفار کے دلوں پر پردوں اور کانوں میں ڈاٹ کا سبب | 433/10 |
| 179 | آیا کفار فروع کے مخاطب ہیں یا نہیں؟ | 438/10 |
| 180 | کفار کے جرائم اوران کی سزا | 477/10 |
| 181 | کفار قیامت کے دن بینے ہوں گے یا نابینے؟ | 632/10 |
| 182 | انسان کے کفر کا سبب | 633/10 |
| 183 | کفار مکہ کی شقاوت اور ایذا رسانی | 656/10 |
| 184 | کفار کو سلام کرنے کا مسئلہ | 732/10 |
| 185 | کفار کا اللہ تعالیٰ کو خالق ماننا محض ان کا مشغلہ اور دل لگی ہے | 761/10 |
| 186 | کفار کے مطالبہ پر ان کے باپ دادا کو زندہ نہ کرنے کی وجہ | 772/10 |
| 187 | کفار مکہ کے انتظار اور حضور علیہ السلام کے انتظار کے الگ الگ محمل | 782/10 |
| 188 | کفار کی زندگی اور موت کا مسلمانوں کے برابر نہ ہونا | 807/10 |
| 189 | کفار کے کان اور دل پر مہر لگانے اوران کی آنکھوں پر پردہ ڈالنے کی توجیہ | 812/10 |
| 190 | کفار کے نقل کردہ قول پر ایک اعتراض کا جواب | 814/10 |
| 191 | کفار اللہ سبحانہ وتعالیٰ کا بلا دلیل انکار کرتے ہیں | 816/10 |
| 192 | حشر ونشر کے انکار پر کفار کی حجت کا جواب | 816/10 |
| 193 | کفار کا خسارہ | 819/10 |
| 194 | اللہ کی راہ سے روکنے والے کفار | 125/11 |
| 195 | کفار کے اعمال ضائع کرنے کی وجہ | 140/11 |
| 196 | کفار کا آخرت میں عذاب | 146/11 |
| 197 | کفار کے پیدا کرنے میں حکمت | 914/11 |
| 198 | کفار کی دنیا وآخرت میں رسوائی | 776/11 |
| 199 | کفار پر مسلمانوں کے غلبہ سے مراد | 793/11 |
| 200 | کفار سے ان کے دین کی وجہ سے محبت کرنا | 793/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 201 | کفار کی مخالفت میں حضرت ابراہیم علیہ السلام کا نمونہ | 845/11 |
| 202 | کفار کے لیے آزمائش کا معنی | 846/11 |
| 203 | کفار کے لیے وعیدیں | 665/11 |
| 204 | کفار کے لیے آخرت میں عذاب کی مہمانی | 704/11 |
| 205 | کفار کے جہنم میں گھومنے کی کیفیت | 625/11 |
| 206 | ازل میں کفار کو ایمان سے پھیر دینے کی توجیہ | 360/11 |
| 207 | حضور ﷺ سے اعراض کرنے کی وجہ سے کفار کی مذمت | 461/11 |
| 208 | کفار کو ان کے مال پر چھوڑنے کے حکم کی توجیہ | 462/11 |
| 209 | کفار کی تمناؤں کا پورا نہ ہونا | 515/11 |
| 210 | کفار کے باطل عقائد پر ظن کے اطلاق کی توجیہ | 518/11 |
| 211 | کفار کی بدعقیدگی کو ان کا مبلغ علم قرار دینے کی توجیہ | 520/11 |
| 212 | کفار کے لیے عذاب کی وعید | 758/12 |
| 213 | کفار اہل کتاب کے عذاب کو مشرکین کے عذاب پر مقدم کرنے کی توجیہ | 911/12 |
| 214 | کفار کے انکار عذاب کا بطلان | 157/12 |
| 215 | کفار کا رسول اللہ ﷺ کو مجنون کہنا | 164/12 |
| 216 | کفار کا دنیا کی خوشحالی کے بعد آخرت کی تنگی کی طرف لوٹنا | 637/12 |
| 217 | کفار کے چہروں کی آخرت میں کیفیات | 583/12 |
| 218 | کفار کا وقوع قیامت کا سوال کرنا | 564-565/12 |
| 219 | کفار سے اللہ تعالیٰ کے کلام کی توجیہ | 530/12 |
| 220 | کافر کے قول "کاش! میں مٹی ہو جاتا" کے متعلق روایات | 538/12 |
| 221 | کفار قریش کو عذاب سے ڈرانا | 478-481/12 |
| 222 | متعدد وجوہ سے کفار کو قیامت کے دن کے عذاب سے ڈرانا | 483/12 |
| 223 | کفار کا قیامت کے دن باتیں کرنا یا نہ کرنا | 484-487/12 |
| 224 | کفار کا اللہ کے سامنے مکر کرنے سے عاجز ہونا | 487/12 |
| 225 | کفار کا نعمتوں کا شکر ادا نہ کرنا | 496/12 |
| 226 | کفار کو نماز نہ پڑھنے پر عذاب سے ڈرانا | 496/12 |
| 227 | کفار کو نماز پڑھنے کا حکم دینے کی متعدد تفاسیر | 497/12 |
| 228 | عبد اللہ کا لفظ کفار کو شامل نہیں ہے | 433/12 |
| 229 | کفار کو فنا کر کے دوسری قوم کو پیدا کرنا | 459/12 |
| 230 | کفار کا قرآن کو اللہ کا کلام نہ ماننا | 383/12 |
| 231 | کفار کی اپنی مہم میں ناکامی | 182/12 |
| 232 | کفار کا عذاب قیامت کو طلب کرنا | 222/12 |
| 233 | کفار اور فجار کو ڈھیل دینا | 286/12 |
| **14** | **کفارہ** | |
| 1 | کفارہ کا معنی | 255/10 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کا رسول اللہ ﷺ کی قسم کا کفارہ ادا کرنا | 104/12 |
| **15** | **کفریہ کلمات** | |
| 1 | جان کے خوف سے کلمۂ کفر کہنا | 580/6 |
| 2 | کفریہ محاورے | 289/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | جان جانے کے خطرہ کے باوجود کلمۂ کفر نہ کہنا | 655/12 |
| 4 | جان جانے کے خطرہ سے کلمۂ کفر کہنا | 656/12 |
| 16 | **کفو** | |
| 1 | اسلام اور اخلاق کی بناء پر رشتہ دینے کا حکم | 308/11 |
| 17 | **کلمۂ طیبہ** | |
| 1 | لا الہ الا اللہ پڑھنے کی فضیلت | 621/1 |
| 2 | ناپاک کلمہ اور ناپاک درخت کا مصداق اور وجہ مشابہت | 181/6 |
| 3 | کلمہ پڑھنے سے پہلے عقائد کفریہ سے اظہار برأت | 415/7 |
| 4 | لا الہ الا اللہ پڑھنے کی فضیلت | 342/7 |
| 5 | صرف کلمہ پڑھنے سے نجات | 344/7 |
| 6 | لا الہ الا اللہ کا سب سے بڑی نیکی ہونا | 758/8 |
| 7 | کلمہ طیبہ پڑھنے کا ثواب | 342/11 |
| 18 | **کلمۂ حق** | |
| 1 | ظالم حکام کے سامنے کلمۂ حق بیان کرنا | 96/2 |
| 2 | مصیبت سے بچنے کے لیے کلمۂ حق نہ کہنا | 96/2 |
| 3 | الکلم الطیب کی تفسیر | 661/9 |
| 4 | کلمات طیبہ کے چڑھنے کی توجیہات | 662/9 |
| 5 | کلام طیب کی وجہ سے نیک عمل کا اوپر چڑھنا | 663/9 |
| 19 | **کلالہ** | |
| 1 | دیکھئے ''13: وراثت'' صفحہ 278 | |
| 20 | **کلام باری تعالیٰ** | |

| نمبرشمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | اللہ کے کلام کے قدیم ہونے پر اعتراض اور اس کا جواب | 280/1 |
| 2 | کلام الٰہی کے قدیم ہونے پر ایک اعتراض کا جواب | 349/7 |
| 3 | اللہ کا کلام سننا | 567/8 |
| 4 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا اللہ کا کلام سننا | 567-570/8 |
| 5 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے کلام اللہ سننے کی کیفیت | 803/8<br>805-809/8 |
| 6 | شب معراج ہمارے نبی ﷺ کا اللہ سے ہم کلام ہونا | 805/8<br>809/8 |
| 7 | قیامت کے دن اللہ رب العزت کا مشرکین سے بطور زجر و توبیخ کلام فرمانا | 849/8 |
| 8 | اللہ تعالیٰ کے کلام میں کذب کے محال ہونے پر دلائل | 601/9 |
| 9 | اللہ تعالیٰ سے ہم کلام ہونے کی تین صورتیں | 635/10 |
| 10 | اللہ تعالیٰ کے دیدار کے ساتھ اس سے ہم کلام ہونا | 641-647/10 |
| 11 | اللہ تعالیٰ کے دعائیہ کلام کی توجیہ | 360/11 |
| 12 | اللہ تعالیٰ کی خبر کے برحق ہونے کو انسان کے کلام کے برحق ہونے سے تشبیہ کی وجہ | 376/11 |
| 21 | **کم عقل** | |
| 1 | کم عقل کو مال نہ دینا | 5080/2 |
| 22 | **کن فیکون** | |
| 1 | کن فیکون کی تحقیق | 511/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | کن فیکون پر ایک اعتراض کا جواب | 416/6 |
| 3 | کن فیکون پر خطاب بالمعدوم اور تحصیل حاصل کے اعتراض کا جواب | 851/9 |
| **23** | **سورۃ الکوثر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 997/12 |
| 2 | سورۃ الکوثر کا مکی یا مدنی ہونا | 997/12 |
| 3 | سورۃ الکوثر کی سورۃ الماعون سے مناسبت | 998/12 |
| 4 | سورۃ الکوثر کا اس سے پہلی سورتوں کیلئے تتمہ ہونا | 999/12 |
| 5 | سورۃ الکوثر کا بعد کی سورتوں کے لیے مقدمہ ہونا | 1001/12 |
| 6 | سورۃ الکوثر کی تفسیر کی تکمیل | 1010/12 |
| 7 | ''انا'' اور ''اعطاء'' کے فوائد و نکات | 1003/12 |
| 8 | لفظ کوثر کی تفسیر | 1004/12 |
| **24** | **کوڑے** | |
| 1 | کوڑے مارنے کے مسائل و فقہی احکام | 58/8<br>72/8 |
| **25** | **کھیل** | |
| 1 | کھیل اور ورزش کا شرعی حکم | 306/3 |
| 2 | کرکٹ میچ کا شرعی حکم | 308/3 |
| 3 | کھیل اور ورزش کے متعلق اسلامی احکام | 442/3 |
| **26** | **کھانا کھانے کے آداب** | |
| 1 | دیکھئے ''7: طعام'' صفحہ 168 | |
| **27** | **کھجور** | |
| 1 | کھجور کے فضائل اور اس کا مومن کی صفت پر مشتمل ہونا | 605/3 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | کھجور کے خواص | 607/3 |
| 3 | شجرۂ طیبہ سے کھجور کا درخت مراد ہے | 178/6 |
| 4 | کھجور کے درخت اور مومن میں وجوہ مشابہت | 179/6 |
| 5 | کھجوروں میں پیوندکاری کی ممانعت کی احادیث | 263-266<br>6 |
| 6 | کھجور کے غذائی اور طبی فوائد | 862/7 |
| **28** | **سورۃ الکہف** | |
| 1 | سورۃ الکہف کا زمانہ نزول | 33/7 |
| 2 | سورۃ الکہف کا سبب نزول | 34/7 |
| 3 | روح کے سوال کو بنی اسرائیل میں اور بقیہ دو سوالوں کو الکہف میں ذکر کرنے کی توجیہ | 34/7 |
| 4 | سورۃ الکہف کے متعلق احادیث | 35/7 |
| 5 | سورۂ بنی اسرائیل اور سورۃ الکہف میں مناسبت | 36/7 |
| 6 | سورۃ الکہف کے مشمولات | 37/7 |
| 7 | سورۂ بنی اسرائیل اور سورۃ الکہف کا ارتباط | 40/7 |
| 8 | اختتامی کلمات | 238/7 |


## گ


| | | |
|---|---|---|
| **1** | **گدھا** | |
| 1 | گدھے کی آواز کی مذمت | 269/9 |
| **2** | **گداگری** | |
| 1 | سوال کرنے کی جائز حد | 650/1<br>972/1 |
| 2 | سائلین کو دینا | 662/1 |
| 3 | گداگری کی مذمت اور سوال نہ کرنا | 971/1 |
| 4 | مسجد میں سائل کو دینا | 972/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | **گرفت** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کا بتدریج گرفت فرمانا | 701/9 |
| 4 | **گروی رکھنا** | |
| 1 | دیکھیے "29: رہن (گروی رکھنا)" صفحہ 138 | |
| 5 | **گستاخ رسول ﷺ** | |
| 1 | رسول اللہ ﷺ کی شان میں گستاخی کرنے والے کا شرعی حکم | 283/4 |
| 2 | احادیث و آثار میں غیر مسلم گستاخ رسول کو قتل کرنے کی تصریح | 385/4 |
| 3 | غیر مسلم گستاخ رسول کو قتل کرنے کے متعلق فقہاء مذاہب اربعہ کی تصریحات | 386/4 |
| 4 | اللہ کی شان میں گستاخانہ کلمات | 551/9 |
| 5 | رسول اللہ ﷺ کی شان میں گستاخانہ کلمات | 552/9 |
| 6 | **گمراہ/گمراہی** | |
| 1 | عقیدہ اور عمل کی گمراہی | 634/3 |
| 2 | گمراہی کا اللہ کی طرف سے ہونے کا معنی | 418/4 |
| 3 | بہت دور کی گمراہی کا معنی | 135/6 |
| 4 | اللہ کا بعض بندوں کو گمراہ کرنا | 564/6 |
| 5 | بہت دور کی گمراہی | 718/7 |
| 6 | حضور ﷺ کی طرف گمراہی کی نسبت کی تحقیق | 641-643/9 |
| 7 | کسی کو گمراہ کرنے کی قدرت | 964/9 |
| 8 | گمراہی کی نسبت شیطان کی طرف کرنی چاہیے | 631/10 |
| 9 | بعض بندوں کو رسول اور بعض کو گمراہ بنانے کی توجیہ | 811/10 |
| 10 | ضلال کے معانی | 477/11 |
| 11 | انبیاء کی طرف ضلال کی نسبت کرنا | 478/11 |
| 12 | اللہ کی طرف ضلال کی نسبت کرنے کے دو معانی | 479/11 |
| 7 | **گمان** | |
| 1 | دیکھیے "13: بدگمانی" صفحہ 82 | |
| 8 | **گنبد خضریٰ** | |
| 1 | گنبد خضرا کی زیارت کے لیے سفر کرنا | 716/2 |
| 9 | **گناہ** | |
| 1 | گناہ کا معنی | 628/1 |
| 2 | گناہ کے ارتکاب پر مواخذہ اور فقط ارادہ پر عدم مواخذہ | 848/1 |
| 3 | مرتکب کبیرہ کا بلا توبہ فوت ہونا | 99/2 |
| 4 | گناہ پر نادم ہونا | 375/2 |
| 5 | گناہ پر اصرار کا معنی | 378/2 |
| 6 | گناہ بخشنے میں تکرار | 523/2 |
| 7 | جہالت سے گناہ کرنے پر مقبولیت توبہ | 610/2 |
| 8 | صغیرہ اور کبیرہ گناہ | 646/2 |
| 9 | اصرار سے صغیرہ کا کبیرہ ہونا | 649/2 |
| 10 | گناہگاروں کے لیے نوید مغفرت | 808/2 |
| 11 | ہر گناہ پر سزا | 806/2 |
| 12 | گناہوں کے باوجود نعمتوں کا ملنا اللہ کی طرف سے ڈھیل ہے | 468/3 |
| 13 | جہالت کی وجہ سے گناہوں کی معافی | 491/3 |
| 14 | ظاہری اور پوشیدہ گناہ کی ممانعت | 638/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15 | اثم کا معنی و تعریف | 638/3 |
| 16 | دل کے افعال پر مواخذہ | 639/3 |
| 17 | تمام گناہوں کی اصل | 128/4 |
| 18 | گناہگار مسلمانوں کے لیے دائمی عذاب | 132/4 |
| 19 | گناہوں پر اصرار کے ساتھ اجر وثواب کی طمع کی مذمت | 406/4 |
| 20 | گناہوں کو ترک کرنے کا طریقہ | 509/4 |
| 21 | کبیرہ گناہوں کے اجتناب سے صغیرہ کا معاف ہونا | 620/4 |
| 22 | مومنوں اور کافروں کا دنیا وآخرت میں فرق | 620/4 |
| 23 | ایمان لانے سے سابقہ گناہوں کی معافی | 630/4 |
| 24 | کافر کے سابقہ گناہ بخشنے میں اللہ کا لطف وکرم | 632/4 |
| 25 | اپنے گناہوں کو چھپانا واجب ہے اور ظاہر کرنا حرام ہے | 483/5 |
| 26 | پانچ وقت کی نمازوں سے گناہوں کا معاف ہونا | 648/5 |
| 27 | نیکیوں سے صغیرہ گناہ مٹتے ہیں یا کبیرہ؟ | 649/5 |
| 28 | اللہ کی عنایت کے بغیر گناہ سے بچنا ممکن نہیں | 750/5 |
| 29 | اللہ تعالیٰ کا توبہ اور بغیر توبہ کے گناہوں کو بخش دینا | 155/6 |
| 30 | اس اشکال کا جواب کہ اگر اللہ تعالیٰ ابلیس کو گمراہ کرنے کیلئے طویل عمر نہ دیتا تو لوگ گناہ نہ کرتے | 279/6 |
| 31 | گناہ گار مسلمانوں سے قیامت کے دن سوال | 324/6 |
| 32 | گناہ صغیرہ اور کبیرہ کے متعلق مذاہب | 121/7 |
| 33 | گناہوں کی صغائر اور کبائر میں تقسیم | 121/7 |
| 34 | گناہ کبیرہ کی تعداد | 123/7 |
| 35 | گناہ کبیرہ کی تعریفات | 124/7 |
| 36 | گناہ کبیرہ کے مرتکب کی مغفرت | 301/7 |
| 37 | بندہ کا بہت زیادہ گناہ کرنا | 411/7 |
| 38 | توبہ کے بعد دوبارہ گناہ کرنا | 413/7 |
| 39 | اللہ کا گناہوں کے بدلہ میں نیکیاں عطا فرمانا | 274/8 |
| 40 | ذنب کا ترجمہ گناہ کرنے کے متعلق علامہ غلام رسول سعیدی صاحب مدظلہ کا موقف | 348/8 |
| 41 | قرآن میں مذکور حضور ﷺ کے ذنب کا ترجمہ گناہ کرنا | 474/8 |
| 42 | عوام اور خواص کے معاصی کا فرق | 583/8 |
| 43 | لوگوں پر ظلم کرنے کی وجہ سے ان کے گناہوں کا بوجھ اٹھانا | 49/9 |
| 44 | گناہ کے سبب بننے والے پر گناہ کا بوجھ ڈال دیا جائے گا | 50/9 |
| 45 | بنو آدم کے گناہوں سے جانوروں کو ہلاک کرنا | 701/9 |
| 46 | کیا گناہ بھی اللہ تعالیٰ کا مطلوب ہیں؟ | 806-809/9 |
| 47 | اثم، کبیرہ اور فحش کا معنی | 611/10 |
| 48 | چند گناہ کبیرہ کا بیان | 612/10 |
| 49 | لغو اور گناہ کی باتیں | 661/11 |
| 50 | گناہ کا سبب دنیا سے محبت اور آخرت سے غفلت ہے | 404/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 51 | گناہ صغیرہ اور گناہ کبیرہ کی تعریفات | 523/11 |
| 52 | گناہ میں اضافہ | 895/12 |
| 53 | اللہ تعالیٰ کا فوراً گناہوں پر سزا نہ دینا | 608/12 |
| 54 | بعض گناہوں کی معافی | 247/12 |
| 10 | **گوشت** | |
| 1 | مچھلی پر گوشت کا اطلاق | 369/6 |
| 2 | گوشت کو کمی اور زیادتی کے ساتھ بیچنا | 372/6 |
| 11 | **گوہ** | |
| 1 | گوہ کا کلمۂ شہادت پڑھنا | 139/6 |
| 12 | **گواہی دینا** | |
| 1 | دیکھئے "29: شہادت" صفحہ 156 | |

## ل

| | | |
|---|---|---|
| 1 | **لا الہ الا اللہ محمد رسول اللہ** | |
| 1 | دیکھئے "17: کلمۂ طیبہ" صفحہ 217 | |
| 2 | **لاحول ولا قوۃ الا باللہ العلی العظیم** | |
| 1 | لاحول ولا قوۃ پڑھنے کی فضیلت | 572/6 |
| 2 | معنی اور اس کے متعلق احادیث | 108/7 |
| 3 | **لاٹری** | |
| 1 | دیکھئے "28: جواء" صفحہ 107 | |
| 4 | **لالچ** | |
| 1 | دیکھئے "21: حرص" صفحہ 114 | |
| 5 | **لباس** | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | لباس کی نعمت پر شکر ادا کرنا | 89/4 |
| 2 | لباس پہنتے وقت کی دعا | 116/4 |
| 3 | لباس کی انواع واقسام | 116/4 |
| 4 | لباس کے رنگ | 117/4 |
| 5 | اجلا، صاف اور عمدہ لباس | 118/4 |
| 6 | قیمتی اور معمولی لباس پہننا | 119/4 |
| 7 | لباس پہننے کے شرعی احکام | 121/4 |
| 8 | اون کا لباس پہننا | 355/6 |
| 9 | اچھا لباس پہننا | 270/8 |
| 10 | کیا ایک سے زائد لباس رکھنا سرکشی اور بغاوت ہے؟ | 594/10 |
| 11 | ایک سے زائد لباس رکھنے کا ثبوت | 594/10 |
| 12 | لباس کا معنی اور رات کو لباس فرمانے کی وجہ | 510/12 |
| 13 | لباس پاک رکھنے کے محامل | 365/12 |
| 6 | **لذت** | |
| 1 | جسمانی وروحانی لذتیں | 403/8<br>884/9 |
| 2 | دنیا کی لذتوں کو آخرت کی نعمتوں پر ترجیح دینا | 700/12 |
| 7 | **لذیذ** | |
| 1 | لذیذ اور پسندیدہ چیزوں کے حصول کی اجازت | 95/11 |
| 8 | **لشکر** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کے لشکر کا مصداق | 238/11 |
| 9 | **لعان** | |
| 1 | قرآن کا لغوی وشرعی معنی | 75/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | لعان کی وجہ تسمیہ | 76/8 |
| 3 | لعان کے بعد تفریق | 76-79 / 8 |
| 4 | لعان کی وجہ سے بچہ کے نسب کی نفی | 79/8 |
| **10** | **لعنت** | |
| 1 | لعنت کا معنی اور اس کا شرعی حکم | 616/1 |
| 2 | مردہ کافروں پر لعنت کا جواز اور زندہ کافروں پر لعنت کا عدم جواز | 619/1 |
| 3 | مسلمانوں پر لعنت کی ممانعت | 620/1 |
| 4 | لعنت کی اقسام | 686/2 |
| 5 | کسی شخص پر لعنت کرنا | 686/2 |
| 6 | لعنت کی اقسام | 160/11 |
| **11.** | **لغو** | |
| 1 | لغو کا لغوی معنی | 853/7 |
| 2 | لغو کا اصطلاحی معنی | 854/7 |
| **12** | **لقب** | |
| 1 | غوث اعظم، غوث الثقلین رحمۃ اللہ تعالیٰ علیہ | 389/6 |
| 2 | ایک دوسرے کو برے القاب سے پکارنے کی ممانعت | 296/11 |
| **13** | **لقطہ** | |
| 1 | لقطہ کا لغوی معنی | 695/5 |
| 2 | لقطہ کے متعلق احادیث | 695/5 |
| 3 | لقطہ کو اٹھانے کے حکم میں مذاہب فقہاء | 696-697 / 5 |
| 4 | لقطہ کی اقسام اور ان کے احکام | 697/5 |
| 5 | لقطہ کا اعلان کرنے کے مقامات اور طریقہ کار | 698/5 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | لقطہ کے اعلان کی مدت میں مذاہب فقہاء | 699/5 |
| 7 | آج کل کے دور میں لقطہ کے اعلان کا طریقہ کار | 700/5 |
| 8 | اعلان کی مدت پوری ہونے کے بعد لقطہ کا مصرف | 701-705 / 5 |
| **14** | **لقیط** | |
| 1 | لقیط کا لغوی و اصطلاحی معنی | 693/5 |
| 2 | لقیط کے شرعی احکام | 694/5 |
| **15** | **سورۂ لقمان** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 207/9 |
| 2 | سورۂ لقمان کا زمانۂ نزول | 207/9 |
| 3 | سورۂ لقمان کی سورۃ الروم سے مناسبت | 208/9 |
| 4 | سورۂ لقمان کے مشمولات | 209/9 |
| 5 | سورۂ لقمان کا اختتام | 296/9 |
| **16** | **حکیم لقمان** | |
| 1 | حکیم لقمان کا تعارف | 241/9 |
| 2 | حکیم لقمان کی حکمت آمیز باتیں | 243/9 |
| 3 | حکیم لقمان کو شکر کرنے کی تلقین | 250/9 |
| 4 | حکیم لقمان کے بیٹے کا نام اور اس کا دین | 251/9 |
| **17** | **لکھنا** | |
| 1 | لکھنے کے جواز پر قرآن کی آیات | 382/7 |
| 2 | لکھنے کے جواز پر احادیث | 383/7 |
| 3 | لکھنے کی ممانعت پر دلائل | 384/7 |
| 4 | لکھنے کی فضیلت اور اس کے متعلق احادیث | 880/12 |
| **18** | **لوح محفوظ** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | لوحِ محفوظ سے تمام امور کا روایت و درایت سے لکھا جانا | 393/2 |
| 2 | لوحِ محفوظ تمام مخلوقات کے تمام احوال کی جامع ہے | 454/3 |
| 3 | لوحِ محفوظ کا بیان | 501/3 |
| 4 | لوحِ محفوظ میں سب کچھ لکھا ہوا ہونا | 798/7 |
| 5 | لوحِ محفوظ میں قرآن مجید اور مخلوق کے اعمال کا ثابت ہونا | 655/10 |
| 6 | لوحِ محفوظ میں لکھنے کی حکمتیں | 736/11 |
| 7 | لوحِ محفوظ کی تفسیر میں اقوالِ مفسرین | 661/12 |
| **19** | **لوحِ قرآنی** | |
| 1 | دیکھیے "22: حروف مقطعات" صفحہ 114 | |
| **20** | **لواطت** | |
| 1 | لواطت کی حرمت پر آیات | 606/2 |
| 2 | لواطت کی حرمت پر احادیث | 607/2 |
| 3 | عمل قوم لوط کی حد یا تعزیر | 608/2 |
| 4 | لواطت کی عقلی قباحتیں | 216/4 |
| 5 | قرآن و حدیث میں لواطت کی مذمت | 217/4 |
| 6 | لواطت کی سزا | 219/4 |
| **21** | **حضرت لوط علیہ السلام** | |
| 1 | قوم لوط کی بری عادتیں | 216/4 |
| 2 | عمل قوم لوط کی عقلی قباحتیں | 216/4 |
| 3 | قرآن میں عمل قوم لوط کی مذمت | 217/4 |
| 4 | احادیث میں عمل قوم لوط کی مذمت | 217/4 |
| 5 | عمل قوم لوط کی سزا | 217/4<br>219/4 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | قوم لوط پر عذاب کی کیفیت | 219/4 |
| 7 | حضرت لوط علیہ السلام کا شجرۂ نسب | 214/4 |
| 8 | حضرت لوط علیہ السلام کا مقام بعثت | 214/4 |
| 9 | رب کے ہاں فرشتوں کا نوخیز لڑکوں کی شکل میں مہمان ہونا | 215/4 |
| 10 | حضرت لوط علیہ السلام کی بیوی کی خیانت | 216/4 |
| 11 | حضرت لوط علیہ السلام کے پاس فرشتوں کا آنا | 597/5 |
| 12 | حضرت لوط علیہ السلام کی پریشانی کی وجوہ | 598/5 |
| 13 | حضرت لوط علیہ السلام نے اپنی صلبی بیٹیوں کو نکاح کے لیے پیش کیا تھا یا قوم کی بیٹیوں کو؟ | 598/5 |
| 14 | قوم کی بیٹیوں کے ارادہ پر دلائل | 599/5 |
| 15 | حضرت لوط علیہ السلام کا مضبوط قبیلہ کی پناہ کو طلب کرنا | 600/5 |
| 16 | اللہ تعالیٰ کی پناہ کی بجائے مضبوط قبیلہ کی پناہ کو طلب کرنے کی توجیہات | 601/5 |
| 17 | حضرت لوط علیہ السلام کا نجات پانا اور بدمعاش کافروں کا بھاگنا | 602/5 |
| 18 | قوم لوط کی بستی الٹنے کے متعلق روایات | 603/5 |
| 19 | قوم لوط کو سنگسار کرنے کے متعلق روایات | 604/5 |
| 20 | حضرت لوط علیہ السلام کے پاس فرشتوں کا حسین و جمیل لڑکوں کی صورت میں آنا | 300/6 |
| 21 | قوم لوط کا اپنی ہوس پوری کرنے کے لیے ان لڑکوں (فرشتوں) پر ہجوم کرنا | 300/6 |
| 22 | قوم لوط پر عذاب کا نزول | 304/6 |
| 23 | قوم لوط کے آثار | 307/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 24 | حضرت لوط علیہ السلام کا قصہ | 582/5 614/7 953/9 |
| 25 | حضرت لوط علیہ السلام کی اہل سدوم کی طرف بعثت | 409/8 |
| 26 | عمل قوم لوط کی سزا | 412/8 703/8 |
| 27 | قوم لوط کی بری خصلتیں | 412/8 |
| 28 | قوم لوط کی زبان درازی اور عذاب کا مستحق ہونا | 413/8 |
| 29 | حضرت لوط علیہ السلام کی بیوی کی خیانت اور اس کا عذاب | 413/8 |
| 30 | حضرت لوط علیہ السلام کا قصہ | 701/8 |
| 31 | قوم لوط کا بے حیائی کے کاموں میں بصیرت رکھنا | 701/8 |
| 32 | قوم لوط پر زمین کا پلٹ دینا | 702/8 |
| 33 | قوم لوط کا راستوں کو منقطع کرنا | 70/9 |
| 34 | قوم لوط کا برسر مجلس بے حیائی کے کام کرنا | 71/9 |
| 35 | قوم لوط پر نزول عذاب کا پس منظر و پیش منظر | 74/9 |
| 36 | آیا جنت میں عمل قوم لوط ہوگا یا نہیں؟ | 75/9 |
| 37 | حضرت لوط علیہ السلام کی قوم کا قصہ | 592/11 |
| 38 | قوم لوط پر عذاب کی کیفیت | 593/11 |
| 22 | **سورۃ اللہب** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 1027/12 |
| 2 | سورۃ اللہب کا شان نزول | 1028/12 |
| 3 | تبت کا معنی | 1029/12 |
| 4 | سورۃ اللہب کی تکمیل | 1033/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 23 | **لوہا** | |
| 1 | لوہے کے فوائد | 738/11 |
| 24 | **لہو ولعب** | |
| 1 | دنیاوی زندگی کو لہو ولعب قرار دینا | 435/3 |
| 2 | لہو ولعب کا معنی | 441/3 733/11 |
| 3 | لہو ولعب کے متعلق احادیث | 382/8 |
| 4 | محدثین کے نزدیک لہو کی تعریف | 383/8 |
| 5 | لہو باطل کے نقصانات | 385/8 |
| 25 | **سورۃ اللیل** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 776/12 |
| 2 | سورۃ اللیل کے مشمولات | 777/12 |
| 3 | سورۃ اللیل کی تفسیر کا اختتام | 802/12 |
| 26 | **لیلۃ القدر** | |
| 1 | لیلۃ القدر میں قرآن کا آسمان دنیا کی طرف نازل ہونا | 889/12 |
| 2 | لیلۃ القدر میں قدر کے معانی | 890/12 |
| 3 | کیا حضور ﷺ کو لیلۃ القدر کی تعیین کا علم تھا؟ | 891/12 |
| 4 | لیلۃ القدر کے فضائل | 892/12 |
| 5 | رمضان کی ستائیسویں شب کے لیلۃ القدر ہونے پر دلائل | 893/12 |
| 6 | لیلۃ القدر میں عبادت کا طریقہ | 894/12 |
| 7 | لیلۃ القدر کو مخفی رکھنے کی حکمتیں | 895/12 |
| 8 | لیلۃ القدر میں فرشتوں کا زمین پر نازل ہونا | 896/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| | **م** | |
| 1 | **مال** | |
| 1 | مال کا مذموم یا محمود ہونے کا مدار | 1002/1 |
| 2 | مال کے ذکر میں حسن ترتیب | 70/2 |
| 3 | مخالف کا مال کھانا | 205/2 |
| 4 | کافر اقوام کا مال کھانا | 207/2 |
| 5 | پسندیدہ اور محبوب مال کا معیار | 249/2 |
| 6 | مال کا فتنہ ہونا | 617/4 |
| 7 | مال دنیا کی طمع کی وجہ سے بعض صحابہ پر عتاب | 693/4 |
| 8 | مال کا سبب عذاب ہونا | 158/5 |
| 9 | بقدر ضرورت مال دنیا جمع کرنا | 184/7 |
| 10 | مستقبل کے تحفظ کے لیے مال جمع کرنا | 108/9 |
| 11 | اپنا مال قرابت داروں کو دینے کی فضیلت | 193/9 |
| 12 | مال کی محض کثرت باعث فخر نہیں | 633/9 |
| 13 | مال و دولت کی تقسیم میں مساوات کی خرابیاں | 599/10 |
| 14 | مال کی زیادتی کی خرابیاں | 599/10 |
| 15 | مال کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 44/11 |
| 16 | مال میں کثرت کی طلب مطلقاً مذموم نہیں ہے | 734/11 |
| 17 | مال کی محبت کے متعلق احادیث | 945/12 |
| 18 | مال کی محبت کے اثرات | 846/12 |
| 19 | مال میں کثرت طلب کرنا کیسا؟ | 857/12 |
| 20 | مال دنیا کی خرابیاں | 286/12 |
| 2 | **مال غنیمت** | |
| 1 | مال غنیمت کے استحقاق میں صحابہ کا اختلاف | 543/4 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | مجاہدوں کو مال غنیمت سے زائد انعام دینا | 544/4 |
| 3 | مال غنیمت کی تعریف | 639/4 |
| 4 | مال غنیمت کی تقسیم کی تفصیل | 678/4 |
| 5 | بلا اجازت مال غنیمت لینا | 694/4 |
| 3 | **سورۃ المائدہ** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 27/3 |
| 2 | سورۃ المائدہ کا زمانہ نزول | 28/3 |
| 3 | سورۃ النساء اور سورۂ مائدہ میں مناسبت | 30/3 |
| 4 | سورۃ المائدہ کے مضامین کا خلاصہ | 30/3 |
| 5 | سورۃ المائدہ کا اختتام | 382/3 |
| 4 | **ماشاء اللہ** | |
| 1 | معنی اور اس کے متعلق احادیث | 109/7 |
| 5 | **سورۃ الماعون** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 991/12 |
| 2 | سورۃ الماعون کے مکی یا مدنی ہونے میں اختلاف | 992/12 |
| 3 | الماعون کی تعریف میں بارہ اقوال | 995/12 |
| 4 | سورۃ الماعون کی تفسیر کی تکمیل | 996/12 |
| 6 | **مباہلہ** | |
| 1 | مباہلہ کا معنی اور اس کا شرعی حکم | 189/2 |
| 2 | نصاریٰ نجران کو دعوت مباہلہ | 187/2 |
| 7 | **حضرت ماریہ قبطیہ رضی اللہ عنہا** | |
| 1 | حضرت ماریہ قبطیہ رضی اللہ عنہا کی سوانح | 103/12 |
| 2 | مابور پر حضرت ماریہ رضی اللہ عنہا کی تہمت | 103/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8 | مباشرت | |
| 1 | لونڈیوں سے بغیر نکاح کے مباشرت کرنا | 629/2 |
| 9 | مایوس ہونا | |
| 1 | ییئس کا ترجمہ | 99/6 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کی رحمت و مغفرت سے مایوسی کی ممانعت | 282/10 |
| 10 | متقی | |
| 1 | متقین کی تحقیق | 294/6 405/6 |
| 2 | متقین کے لیے غیر مترقبہ نعمتوں کے علاوہ خصوصی مزید انعام | 336/11 |
| 3 | متقین کے درجات | 441/11 |
| 4 | متقین کو اجر و ثواب عطا کرنا | 488/12 |
| 5 | متقین کے مصداق میں اللہ کی اطاعت و عبادت کو داخل کرنا یا نہ کرنا | 489-495/12 |
| 6 | متقین کے لیے راہِ نجات کے حصول کے سلسلے میں احادیث | 68/12 |
| 11 | متعہ | |
| 1 | جواز متعہ پر شیعہ کے دلائل | 630-632/2 |
| 2 | حرمت متعہ پر قرآن وحدیث سے دلائل | 633-634/2 |
| 3 | احادیث شیعہ سے حرمت متعہ | 636/2 |
| 4 | بعض مفسرین کا تسامح | 636/2 |
| 5 | متعہ کرنا کیسا؟ | 855/7 |
| 12 | متفرقات | |
| 1 | مستقبل کے مکالمہ کو ماضی کے ساتھ تعبیر کرنا | 173/6 |
| 2 | ظلمت کا اصل اور نور کا عارض ہونا | 761/9 |
| 3 | زمان اور مکان کے دلائل کی باہمی مناسبت | 762/9 |
| 4 | آفاق اور انفس کی نشانیوں کا تجزیہ | 528/10 |
| 5 | لوگوں کو ان کے صحائف اور اعمال کی طرف بلانا | 821/10 |
| 13 | مٹی | |
| 1 | مٹی کا آگ سے افضل ہونا | 150/10 |
| 14 | مجرم | |
| 1 | مجرموں کے طریقہ کو بیان کرنے کی حکمت | 492/3 |
| 2 | مجرموں کے اخروی احوال | 226/6 |
| 3 | مجرموں کا دوسروں سے الگ اور جدا ہونا | 801/9 |
| 4 | کفار کی تمام اقسام کا مجرمین کے عموم میں داخل ہونا | 802/9 |
| 15 | مجمع البحرین | |
| 1 | مجمع البحرین کا مصداق | 149/7 |
| 2 | مجمع البحرین کی طرف سفر | 150/7 |
| 16 | مجذوب | |
| 1 | مجذوب کی تعریف | 563/10 |
| 17 | مجتہد | |
| 1 | مجتہدین کے ظن کا صحیح ہونا | 514/11 |
| 18 | مجلس | |
| 1 | امیر اور منتظم کو چاہیے کہ عام لوگوں کو صف اول سے اٹھا کر اصحاب فضل کو بٹھائے | 784/11 |
| 2 | صاحب فضل کا کسی کو اٹھا کر اس کی جگہ بیٹھنا | 785/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | اللہ کی کشادگی کرنے کا معنی | 786/11 |
| 19 | **مجوسی** | |
| 1 | مجوس اہل کتاب میں شامل ہیں یا نہیں؟ | 906/12 |
| 20 | **سورۃ المجادلہ** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 762/11 |
| 2 | سورۃ المجادلہ کے متعلق احادیث | 762/11 |
| 3 | سورۃ المجادلہ کا زمانہ نزول | 763/11 |
| 4 | سورۃ المجادلہ کے مشمولات | 763/11 |
| 5 | سورۃ المجادلہ کا اختتام | 796/11 |
| 21 | **مچھلی** | |
| 1 | کڑوے پانی میں لذیذ مچھلی | 368/6 |
| 2 | مچھلی پر گوشت کا اطلاق | 369/6 |
| 3 | پکی ہوئی مچھلی کا زندہ ہو جانا | 159/7 |
| 22 | **محسن** | |
| 1 | محسنین کا معنی و مصداق | 121/9 |
| 23 | **محراب** | |
| 1 | محراب کا لغوی و اصطلاحی معنی | 257/7 |
| 2 | امام کا محراب میں کھڑا ہونا | 257/7 |
| 3 | محراب کے داخل مسجد ہونے کی تحقیق | 610/9 |
| 4 | محراب کے بدعت ہونے یا نہ ہونے کی تحقیق | 612/9 |
| 24 | **محرم الحرام** | |
| 1 | الفجر سے مراد ماہِ محرم کی صبح اور اس کی فضیلت میں احادیث | 721/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | ولیال عشر سے مراد محرم کے دس دن اور ان کی فضیلت | 723/12 |
| 25 | **سورۃ محمد** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 122/11 |
| 2 | سورۃ محمد کے متعلق احادیث | 122/11 |
| 3 | سورۃ محمد کے اغراض | 123/11 |
| 4 | سورۃ کا اختتام | 180/11 |
| 26 | **محبت** | |
| 1 | محبت کا معنی | 119/2 |
| 2 | محبت رسول کا معنی | 119/2 |
| 3 | اللہ کی محبت کا حصول | 120/2 |
| 4 | جن افعال وعبادات سے اللہ محبت کرتا ہے | 121/2 |
| 5 | عارضی اور فانی محبت، دائمی اور باقی محبت کے مبادی واسباب | 687/4 |
| 6 | صحابۂ کرام کی باہمی محبت کا سبب | 688/4 |
| 7 | باپ، بیٹے، بھائی، بیوی، قریبی اعزہ، وطن، تجارت اور مال و دولت سے زیادہ اللہ و رسول اللہ ﷺ کا محبوب ہونا | 102/5 |
| 8 | صحابۂ کرام محبت کے اس معیار کا کامل نمونہ تھے | 103/5 |
| 9 | اللہ اور رسول ﷺ کے مخالفوں سے محبت نہ کرنے والوں پر انعامات | 795/11 |
| 10 | صحابہ اور اخیار تابعین سے محبت کا وجوب | 827/11 |
| 27 | **سیدنا محمد عربی ﷺ** | |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | حضور ﷺ کی نبوت پر دلیل | 314,453 457/1 |
| 2 | حضور ﷺ کا حقیقت میں خلیفۂ اعظم ہونا | 358/1 |
| 3 | حضور ﷺ کی رسالت کی پتھروں، درختوں اور جانوروں کا گواہی دینا | 431/1 |
| 4 | رسول اللہ ﷺ کی شان میں گستاخی کرنا | 475-480/1 |
| 5 | حضور ﷺ سے سوالات کی ممانعت | 486/1 |
| 6 | حضور ﷺ کا درگزر کرنا | 492/1 |
| 7 | حضور ﷺ کے وسیلہ سے دعا کا قبول ہونا | 448/1 |
| 8 | حضور ﷺ کے والدین کریمین کا ایمان والا ہونا | 514/1 |
| 9 | بعض آیات میں بظاہر حضور ﷺ سے اور حقیقت میں مسلمانوں سے خطاب | 518/1 |
| 10 | حضور ﷺ پر تمام امتیوں کے افعال واحوال کا پیش کیا جانا | 571/1 |
| 11 | حضور ﷺ کے تبرکات سے استفادہ و حصول شفاء | 884/1 |
| 12 | حضور ﷺ کی رسالت پر دلیل | 892/1 |
| 13 | بعض کفار عرب کے اسلام نہ لانے کی وجہ سے آپ ﷺ کو تسلی | 895/1 |
| 14 | حضور کا افضل الرسل ہونا | 896-909/1 |
| 15 | دیگر انبیاء کے معجزات پر آپ ﷺ کے معجزات کا افضل ہونا | 921/1 |
| 16 | حضور ﷺ کا اپنے آپ کو دوسرے انبیاء علیہم السلام پر فضیلت دینے سے منع کرنا | 923/1 |
| 17 | روم اور فارس کی فتح کی پیش گوئی | 100/2 |
| 18 | محمد عربی ﷺ کے نبی ہونے پر اعتراضات کے جوابات | 100/2 |
| 19 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نبوت پر دلیل | 158/2 |
| 20 | آپ ﷺ کا علم غیب | 158/2 |
| 21 | تمام نبیوں کا آپ ﷺ پر ایمان لانا | 229/2 |
| 22 | آپ ﷺ کی نبوت کا عام ہونا | 230/2 |
| 23 | زمینوں، آسمانوں اور تمام مخلوق کا آپ ﷺ کی اطاعت کرنا | 232/2 |
| 24 | آپ ﷺ کو کفار پر لعنت کرنے سے منع کرنا آپ ﷺ کی عصمت کے خلاف نہیں | 355/2 |
| 25 | بعض کافروں پر لعنت کرنا آپ ﷺ کی رحمت کے خلاف نہیں | 356/2 |
| 26 | علم رسالت پر اعتراض کا جواب | 364/2 |
| 27 | رسول اللہ ﷺ کی اطاعت، مغفرت اور جنت کے حصول کا ذریعہ ہے | 368/2 |
| 28 | رسول اللہ ﷺ کی وفات و نماز جنازہ | 289/2 |
| 29 | رسول اللہ ﷺ کی تصدیق کے بعد مسلمانوں کا سو جانا | 405/2 |
| 30 | آپ ﷺ نوع انسان اور بشر سے مبعوث ہوئے | 451/2 |
| 31 | تلاوت، تزکیہ اور کتاب و حکمت کی تعلیم | 453/2 |
| 32 | آپ ﷺ سے اللہ کی محبت | 474/2 |
| 33 | آپ ﷺ کو تسلی دینا | 498/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 34 | حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا کے گمشدہ ہار کے متعلق حضور ﷺ کا علم | 680/2 |
| 35 | آپ ﷺ کا سب سے زیادہ شجاع ہونا | 733/2 |
| 36 | آپ ﷺ کا فیصلہ کرنے کا طریقہ | 790/2 |
| 37 | آپ ﷺ کو کفار کی حمایت سے منع کرنا | 791/2 |
| 38 | طعمہ کے معاملہ میں آپ ﷺ کو استغفار کا حکم | 792/2 |
| 39 | حضور ﷺ کو ماکان ومایکون کا علم | 795/2 |
| 40 | آپ ﷺ کا معصوم ہونا | 799/2 |
| 41 | ہمارے نبی ﷺ کا اللہ سے ہم کلام ہونا | 880/2 |
| 42 | رسول کے بغیر محض عقل سے ایمان لانا | 881/2 |
| 43 | آپ ﷺ کی دعوت پر دلیل | 884/2 |
| 44 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا برہان ہونا | 890/2 |
| 45 | نبی کریم کو منع کرنا دراصل امت کیلئے تعریض ہے | 487/3 |
| 46 | حضور ﷺ کی عصمت پر اعتراض کا جواب | 487/3 |
| 47 | امت کے اختلاف سے نجات کے لیے دعا سے آپ ﷺ کو اللہ کا منع فرمانا | 524/3 |
| 48 | نبی ﷺ کا تمام صفات انبیاء کا جامع ہونا | 580/3 |
| 49 | رسول اللہ ﷺ کی قدر شناسی | 585/3 |
| 50 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی عمومی بعثت پر یہودیوں کا اعتراض اور اس کا جواب | 590/3 |
| 51 | آخرت پر ایمان حضور پر ایمان کو مستلزم ہے | 590/3 |
| 52 | رسول اللہ کے ذمہ کیا چیز ہے؟ | 622/3 |
| 53 | آپ علیہ السلام کی نبوت پر کفار کا شبہ | 622/3 |
| 54 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کو تسلی | 623/3 |
| 55 | رسول اللہ ﷺ کے ساتھ معاملہ اللہ کے ساتھ معاملہ ہے | 624/3 |
| 56 | حضور ﷺ کی نبوت کی دلیلیں | 632/3 |
| 57 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا اوّل المسلمین ہونا | 702/3 |
| 58 | حضور ﷺ کے تمام آباء کا اپنے زمانے کے تمام لوگوں سے افضل ہونا | 559/3 |
| 59 | آپ ﷺ سے سوال کرنے کی ممانعت کی وجوہات | 332/3 |
| 60 | آپ ﷺ سے کیے ہوئے سوالات کے متعلق احادیث | 335/3 |
| 61 | مشکل سوالات اور بجھارت ڈالنا | 336/3 |
| 62 | سوالات کے جائز ونا جائز مواقع | 337/3 |
| 63 | کثرت سوالات اور مطالبات کی وجہ سے سابقہ امتوں کا ہلاک ہونا | 337/3 |
| 64 | محمد عربی ﷺ پر طعن اور استہزاء | 401/3 |
| 65 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی تسلی کی آیات | 445/3 |
| 66 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے ہم مثل ہونے کا محمل | 453/3 |
| 67 | مسکینوں کا حساب آپ کے ذمہ نہ ہونے کی وضاحت | 486/3 |
| 68 | رسول ﷺ کا ان کی جنس سے ہونا جن کی طرف مبعوث کیے گئے ہیں | 129/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 69 | حضور علیہ السلام کی حضرت ہود و نوح علیہما السلام سے زیادہ عزت | 205/4 |
| 70 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کی رسالت پر دلیل | 236/4 |
| 71 | رسول اللہ ﷺ کے لکھنے اور پڑھنے پر قرآن سے دلائل | 359/4 |
| 72 | رسول اللہ ﷺ کے لکھنے پر مودودی کے اعتراضات کے جوابات | 360/4 |
| 73 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کے لکھنے کے متعلق محدثین کی تحقیق | 363/4 |
| 74 | تورات اور انجیل میں حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی بشارت | 368/4 |
| 75 | امر بالمعروف و نہی عن المنکر میں حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی خصوصیات | 373/4 |
| 76 | اشیاء کو حلال و حرام کرنا حضور علیہ السلام کا منصب | 375/4 |
| 77 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی تعظیم و توقیر | 378/4 |
| 78 | رسول اکرم ﷺ کا اصل کائنات ہونا | 412/4 |
| 79 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا قیامت کے دن لوگوں کو نفع پہنچانا | 462-468<br>4 |
| 80 | رسول اللہ ﷺ کے حکم پر عمل کا واجب ہونا | 598/4 |
| 81 | اللہ اور اس کے رسول ﷺ کی اطاعت کا واحد ہونا | 598/4 |
| 82 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کی رسالت کے عموم و شمول پر دلائل | 394/4 |
| 83 | رسول اللہ ﷺ کو علوم خمسہ اور علم روح وغیرہ | 447/4 |
| 84 | قرآن و حدیث میں حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا علم کا عموم | 457/4 |
| 85 | رسول اللہ ﷺ کی تقسیم پر اعتراض کرنا | 159/5 |
| 86 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کی تقسیم پر اعتراض کرنے والے کو آپ علیہ السلام کا سزا نہ دینے کی وجہ | 160/5 |
| 87 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کی تقسیم پر اعتراض کرنے والے کی نسل سے خارجیوں کا پیدا ہونا | 161/5 |
| 88 | حضور ﷺ کے فرمان ”میں صرف ظاہر پر حکم کرتا ہوں“ کی توضیح | 197/5 |
| 89 | نبی ﷺ کا توبہ کرنا اور اللہ تعالیٰ کا توبہ قبول کرنے کی توجیہ | 278/5 |
| 90 | نبی ﷺ کی پانچ صفات | 302/5 |
| 91 | امت پر سخت احکام کا آپ ﷺ پر دشوار ہونا | 305/5 |
| 92 | دنیا و آخرت میں امت کی فلاح پر آپ ﷺ کا حریص ہونا | 306/5 |
| 93 | آپ ﷺ کو اللہ تعالیٰ کا تسلی دینا | 307/5<br>102/6 |
| 94 | نبی کریم ﷺ کو ساحر کہنے کا جواب | 325/5 |
| 95 | تورات میں نبی ﷺ کی آمد کی خوشخبری | 364/5 |
| 96 | رسول اللہ ﷺ کی ذات گرامی، آپ کی آمد اور آپ کی بعثت پر فرحت و مسرت کا اظہار | 409/5 |
| 97 | قریش کا یہ اعتراض کہ اگر آپ نبی ہیں تو آپ نے شادیاں کیوں کیں اور اس کے جوابات | 108-117<br>6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 98 | سیدنا محمد ﷺ کی بعثت کا عموم | 135-136/6 |
| 99 | نبی ﷺ کی رسالت نباتات، جمادات اور حیوانات سب کے لیے ہے | 137/6 |
| 100 | کفار کے علاوہ دنیا کی ہر چیز آپ ﷺ کی رسالت کو جانتی ہے | 138/6 |
| 101 | کیا نبی ﷺ اللہ تعالیٰ کو ظالموں سے غافل سمجھتے تھے؟ | 220/6 |
| 102 | کفار کا حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کو مجنوں کہنا | 243/6 |
| 103 | آپ ﷺ کی تائید کے لیے فرشتہ کا نزول | 244/6 |
| 104 | رسول اللہ ﷺ کی زندگی کی قسم | 304/6 |
| 105 | رسول اللہ ﷺ کی بعثت کی ضرورت واہمیت | 252/6 |
| 106 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے فضلات کریمہ کے متعلق احادیث | 537/6 |
| 107 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے فضلات کریمہ کی طہارت | 539-541/6 |
| 108 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی طرف عبادتِ غیر اللہ کی نسبت | 682/6 |
| 109 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام سے حصول تبرک کا جواز | 705/6 |
| 110 | اللہ تعالیٰ کا آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کی مدد فرمانا | 749/6 |
| 111 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کو ثابت قدم رکھنا | 765/6 |
| 112 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی آزمائشوں میں کامیابی | 767/6 |
| 113 | رسول اللہ ﷺ پر اللہ کا فضل اور اس کی رحمت | 793/6 |
| 114 | نبی ﷺ کا مدد کے لیے مسلمانوں سے اپیل کرنا | 128/7 |
| 115 | نبی اکرم، حضرت ابوبکر وعمر کا ایک ہی مٹی سے مخلوق ہونا | 388/7 |
| 116 | حضور ﷺ کی تمام نبیوں اور فرشتوں پر فضیلت | 539/7 |
| 117 | رسول اللہ ﷺ کا مرض الموت | 565/7 |
| 118 | نزع روح کے وقت رسول اللہ ﷺ کو سخت تکلیف | 566/7 |
| 119 | اللہ تعالیٰ کی طرف سے رسول اللہ ﷺ کی عیادت وتعزیت | 570/7 |
| 120 | رسول اللہ ﷺ کی وفات سے قبل اور بعد کے احوال | 571/7 |
| 121 | رسول اللہ ﷺ کی وفات کی تاریخ | 576/7 |
| 122 | رسول اللہ ﷺ کی نماز جنازہ | 578/7 |
| 123 | وفات کے بعد رسول اللہ ﷺ کا امت کے اعمال پر مطلع ہونا | 582/7 |
| 124 | کفار کے استہزاء پر رسول اللہ ﷺ کو تسلی دینا | 587/7 766/7 |
| 125 | حضرت داؤد وسلیمان علیہم السلام کے معجزات کے مقابلہ میں نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کے معجزات | 643/7 |
| 126 | نبی علیہ السلام سے دعا کرانا | 898/7 |
| 127 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نبوت کا عالم میں آشکارا ہونا | 162/8 |
| 128 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی کتب سابقہ میں صفات | 166/8 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 129 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی اتباع کی تاکید | 191/8 |
| 130 | لا تجعلوا دعاء الرسول کے محامل | 192/8 |
| 131 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کو پیغام حق نہ سنانے پر کفار کا مال کی پیش کش کرنا | 215/8 |
| 132 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام پر کفار کا اعتراض کہ آپ تو بازاروں میں چلتے ہیں | 216/8 |
| 133 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام پر کفار کا اعتراض کہ آپ کے پاس سونے چاندی کے محلات کیوں نہیں؟ | 216-220/8 |
| 134 | قریش کا حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا مذاق اڑانا | 243/8 |
| 135 | رسول اللہ ﷺ کو تسلی دینا | 293/8<br>724/8 |
| 136 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نبوت کا برحق ہونا | 537/8 |
| 137 | دوسرے انبیاء کو مانگنے سے روکنا جبکہ ہمارے نبی کو بے مانگے عطا فرمانا | 347/8 |
| 138 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نبوت پر دلائل | 440/8<br>451/8<br>817/8 |
| 139 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کو غیر اللہ کی عبادت سے روکنے کی وجہ | 459/8 |
| 140 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کو حالت قیام وساجدین میں دیکھنے کے محامل | 476/8 |
| 141 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کی قمیص اور اس میں بٹن لگانا | 584/8 |
| 142 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام سے حیوانوں کا باتیں کرنا | 632/8 |
| 143 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کے کفار کی طرف مکاتیب | 678/8 |
| 144 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کی صفت ''کن'' کے مظاہر | 692/8 |
| 145 | ہمارے نبی ﷺ کی فضیلت | 324/8 |
| 146 | حضور علیہ التحیۃ والتسلیم کے کھانے پینے کے اسرار | 336/8 |
| 147 | انبیاء سابقین کے احوال سے حضور ﷺ کو تسلی دینا | 90/9<br>653/9 |
| 148 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے لکھنے اور پڑھنے کا ثبوت | 97/9 |
| 149 | ہمارے نبی ﷺ اللہ تعالیٰ کی متعدد آیات کے مصداق ہیں | 98/9 |
| 150 | تورات وغیرہ پڑھنے پر حضور ﷺ کا ناراض ہونا | 100/9 |
| 151 | حضور ﷺ اور آپ کے اصحاب کی تنگی و وسعت | 108/9 |
| 152 | نبی ﷺ کے اہل کے پاس ایک سال کا مال ہونے کے باوجود تنگی | 111/9 |
| 153 | نبی ﷺ کی حکمت آمیز احادیث | 244/9 |
| 154 | آپ ﷺ کو الحمد للہ کہنے کا حکم دینے کی وجہ | 275/9 |
| 155 | حضور ﷺ کی حضرت موسیٰ علیہ السلام سے ملاقات کے محامل | 345/9 |
| 156 | حضور ﷺ اور کفار کے انتظار کرنے میں فرق | 348/9 |
| 157 | حضور ﷺ کو کفار کا پیغام توحید سنانے سے روکنے کی ناکام کوشش کرنا | 360/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 158 | حضور ﷺ کو ڈرنے کا حکم دینے کی توجیہ | 360/9 |
| 159 | حضور ﷺ کی ذات عبادت اور معاملات کا نمونہ | 398/9 |
| 160 | حضور ﷺ کو مجوسیوں، مشرکوں اور یہود و نصاریٰ کی مخالفت کرنے کا حکم دینا | 361/9 |
| 161 | حضور ﷺ کی ذات میں سختیوں اور مشقتوں پر صبر کرنے کا نمونہ | 397/9 |
| 162 | رسول اکرم ﷺ مردوں میں سے کسی کے باپ نہیں ہیں | 460/9 |
| 163 | رسول اللہ ﷺ کو تقویٰ کا حکم دینے کی توجیہ | 498/9 |
| 164 | رسول اللہ ﷺ کا فرمان کہ میں دو ذبیحوں کا بیٹا ہوں | 924/9 |
| 165 | رسول اللہ ﷺ کا امت کے حق میں شاہد ہونا | 504/9 |
| 166 | رسول اللہ ﷺ کا اللہ کی توحید اور ذات و صفات پر شاہد ہونا | 504/9 |
| 167 | رسول اللہ ﷺ کا دنیا میں امور آخرت پر شاہد ہونا | 505/9 |
| 168 | رسول اللہ ﷺ کا عملاً امت پر شاہد ہونا | 506/9 |
| 169 | رسول اللہ ﷺ کو سراج کہنے کی توجیہ | 507/9 |
| 170 | رسول اللہ ﷺ کو ایذاء کس بات سے پہنچی تھی؟ | 529/9 |
| 171 | رسول اللہ ﷺ کو نبوت عطاء فرمانے میں تخصیص | 640/9 |
| 172 | نبی ﷺ کے لیے غیب اور قدرت کا ثبوت | 750/9 |
| 173 | حضور ﷺ کے قلب پر حجاب اور آپ کی توبہ واستغفار کا محمل | 104/10 |
| 174 | ایک دن میں سو بار توبہ کرنے کی توجیہ | 105/10 |
| 175 | حضور ﷺ کا افضل الرسل ہونا | 108/10 |
| 176 | ہواؤں اور جنات پر تصرف حضور ﷺ کو بھی حاصل ہے | 108/10 |
| 177 | حضور ﷺ کا مشقت اٹھا کر پیغام پہنچانا | 157/10 |
| 178 | حضور ﷺ کو سب سے پہلے اسلام لانے کے حکم کی توجیہ | 203/10 |
| 179 | حضور ﷺ کا مکمل جانفشانی سے پیغام حق سنانا | 266/10 |
| 180 | حضور ﷺ کا خزانوں کا مالک ہونا | 290/10 |
| 181 | حضور ﷺ کو تسلی دینا | 342/10 |
| 182 | حضور ﷺ کے لیے اللہ تعالیٰ کی نصرت | 383/10 |
| 183 | رسول اللہ ﷺ پر بڑھاپے کے آثار | 412/10 |
| 184 | حضور ﷺ کا شیطان کے وسوسوں سے محفوظ رہنا | 506/10 |
| 185 | کفار کی دل آزار باتوں پر حضور ﷺ کو تسلی دینا | 516/10 518/10 685/10 |
| 186 | رسول اللہ ﷺ کے حرم محترم کا تہمت سے بری ہونا | 525/10 |
| 187 | رسول اللہ ﷺ، اللہ تعالیٰ کے نائب مطلق ہیں | 616/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 188 | نزولِ قرآن سے قبل حضور ﷺ کو اجمالی طور پر قرآن عطا کیا جانا | 647-649 10 |
| 189 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کے وصال کے متعلق احادیث | 686/10 |
| 190 | حضور ﷺ کے خلاف سازش کرنے والوں سے اللہ تعالیٰ کا انتقام لینا | 729/10 |
| 191 | حضور ﷺ کو جاہلوں کی اتباع سے منع کرنے کا محمل | 803/10 |
| 192 | بعض مفسرین کی محبت و ادب رسول ﷺ سے محروم تفسیریں | 804/10 |
| 193 | حضور ﷺ سے افتراء کی تہمت کا ابطال | 47/11 |
| 194 | حضور ﷺ کی نبوت پر کفار مکہ کے اعتراضات کا جواب | 49/11 |
| 195 | حضور ﷺ کا شام سفر | 90-92 11 |
| 196 | مشرکین کے ظلم و ستم پر حضور ﷺ کو تسلی | 144/11 |
| 197 | حضور ﷺ کے ارشادات کو سننے میں منافقین کی کیفیت | 146/11 |
| 198 | رسول اللہ ﷺ کو بشر کہنے کی تحقیق | 915/11 |
| 199 | رسول اللہ ﷺ کی صفات | 878/11 |
| 200 | رسول اللہ ﷺ کا قیامت تک کے مسلمانوں کو کتاب و حکمت کی تعلیم دینا اور ان کے باطن کو صاف کرنا | 880/11 |
| 201 | حضور ﷺ کے ہر فعل میں حسن ہے | 785/11 |
| 202 | حضور ﷺ کا ہر حکم واجب الاطاعت ہے | 815/11 |
| 203 | حضور ﷺ کے شاہد ہونے اور وتعزروہ و توقروہ کا معنی | 238/11 |
| 204 | حضور ﷺ کے سر منڈانے اور بال کتروانے کے محمل | 266/11 |
| 205 | حضور ﷺ کو کاہن اور مجنون کہنے کا رد | 453/11 |
| 206 | کفار کو حضور ﷺ کی موت کا انتظار کرنے کا حکم | 454/11 |
| 207 | اللہ کے نزدیک رسول اللہ ﷺ کی عزت و وجاہت | 810/12 |
| 208 | دن بہ دن رسول اللہ ﷺ کی عزت و کرامت کا زیادہ ہونا | 810/12 |
| 209 | آپ ﷺ کی آخرت کا آپ ﷺ کی دنیا سے افضل ہونا | 811/12 |
| 210 | حضور ﷺ کا فرمان کہ اگر میرا ایک امتی بھی دوزخ میں گیا تو میں راضی نہیں ہوں گا | 813/12 |
| 211 | رسول اللہ ﷺ کی دنیا و آخرت میں فضیلت | 818/12 |
| 212 | آخرت میں رسول اللہ ﷺ کو عزت و کرامت عطا فرمایا جانا | 818/12 |
| 213 | رسول اللہ ﷺ کو غنی کرنے کے محامل | 828/12 |
| 214 | رسول اللہ ﷺ کو یتیم بنانے کی حکمتیں | 829/12 |
| 215 | رسول اللہ ﷺ کو کس نعمت کے بیان کا حکم دیا گیا ہے؟ | 836/12 |
| 216 | رسول اللہ ﷺ کو ملنے والی چند نعمتیں | 836/12 |
| 217 | حضور ﷺ پر وزر کے محامل | 854-856 12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 218 | حضور ﷺ کا ذکر بلند کرنا | 858-865/12 |
| 219 | حضور ﷺ کا ابتداء نبوت میں غار حرا جانا | 878/12 |
| 220 | حضور ﷺ کا فرشتہ کو پہچاننا | 879/12 |
| 221 | "ماانا بقاری" کی تحقیق | 879/12 |
| 222 | "والعصر" سے حضور ﷺ کا زمانہ مراد ہونا | 970/12 |
| 223 | رسول اللہ ﷺ کا مقام محبوبیت | 1010/12 |
| 224 | کفار کی ایذاء رسانی پر رسول اللہ ﷺ کو تسلی دینا | 348/12 |
| 225 | رسول اللہ ﷺ کی بعثت کو حضرت موسیٰ علیہ السلام کی بعثت سے تشبیہ دینے کی توجیہ | 350/12 |
| 226 | حضور ﷺ کی قیامت کے دن وجاہت | 129/12 |
| 227 | رسول اللہ ﷺ کو مہلت دینے کے حکم کی توجیہ | 678/12 |
| 228 | رسول اللہ ﷺ کا درجہ بدرجہ ترقی کرنا | 641/12 |
| 229 | رسول اللہ ﷺ کا تمام فرشتوں سے افضل ہونا | 595/12 |
| 230 | حضور ﷺ پر رسول کریم کی صفت کا منطبق ہونا | 597/12 |
| 231 | حضور ﷺ پر ذی قوۃ کی صفت کا منطبق ہونا | 598/12 |
| 232 | حضور ﷺ پر معزز اور وجیہ کی صفت کا منطبق ہونا | 598/12 |
| 233 | حضور ﷺ پر مطاع کی صفت کا منطبق ہونا | 600/12 |
| 234 | حضور ﷺ پر امین کی صفت کا منطبق ہونا | 600/12 |
| 235 | حضور ﷺ کا حضرت جبریل علیہ السلام کو ان کی اصل صورت میں دیکھنا | 602/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 236 | کفار کا حضور ﷺ کو لالچ دے کر اور دھمکا کر تبلیغ اسلام سے روکنے کی ناکام کوشش کرنا | 454/12 |
| 237 | آپ ﷺ کو کفار کی اطاعت سے منع کرنا | 455-457/12 |
| 238 | حضور ﷺ کا احسان رکھنے کی ممانعت | 366-372/12 |
| 239 | حضور ﷺ کو صبر کا حکم دینے کی توجیہ | 372/12 |
| 240 | حضور ﷺ اور کفار کے عنقریب دیکھنے سے مراد | 182/12 |
| 241 | حضور ﷺ کو مجنون کہنے والا | 185/12 |
| 242 | حضور ﷺ پر کفار مکہ کا نظر لگانے کی ناکام کوشش کرنا | 197/12 |
| 243 | حضور ﷺ کے برحق رسول ہونے پر دلیل | 215/12 |
| 244 | اللہ کی قدرت کے مقابلہ میں حضور ﷺ کو عجز کے اظہار کا حکم | 296/12 |
| 28 | **محمد بن عبدالوہاب نجدی** | |
| 1 | محمد بن عبدالوہاب نجدی کی تکفیر | 61/3 |
| 29 | **محکم** | |
| 1 | محکم کا معنی | 61/2 |
| 2 | آیات محکمات | 60/2 |
| 3 | اصولیین کے نزدیک محکم | 62/2 |
| 30 | **مخلوق** | |
| 1 | مخلوق کی ضروریات و مصلحتوں کی رعایت | 861/7 |
| 2 | مخلوق کے محتاج ہونے کی وضاحت | 179/11 |
| 31 | **مداہنت** | |
| 1 | مداہنت کی تحقیق | 110/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | مداہنت کا معنی | 111/2<br>701/11 |
| 3 | مداہنت کا لغوی و اصطلاحی معنی | 183/12 |
| 32 | **مدافعت** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کا رسول اللہ ﷺ کی طرف سے مدافعت کرنا | 1008/12 |
| 2 | انبیاء سابقین کا خود اپنی مدافعت کرنا | 1009/12 |
| 33 | **مدد حاصل کرنا** | |
| 1 | استعانت کا معنی | 184/1 |
| 2 | اولیاء اللہ سے استعانت کی تحقیق | 185/1 |
| 3 | علامہ آلوسی، شیخ شوکانی اور نواب بھوپالی کا انبیاء اور اولیاء سے استمداد کو ناجائز قرار دینا | 348/5 |
| 4 | علامہ آلوسی وغیرہ کی عبارات پر تبصرہ | 349/5 |
| 5 | وفات یافتہ بزرگوں سے استمداد کے معاملہ میں راہِ اعتدال | 351/5 |
| 6 | وصال کے بعد نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام سے استمداد اور استغاثہ کے جواز کے متعلق احادیث و آثار | 378/5 |
| 7 | وفات یافتہ بزرگوں سے استمداد کی تکفیر کا بطلان | 380/5 |
| 8 | مصائب و مشکلات میں صرف اللہ سے مدد حاصل کرنا افضل ہے | 773/5 |
| 9 | غیر اللہ سے استمداد کا جواز | 774/5 |
| 10 | مخلوق سے استمداد کی بناء پر حضرت یوسف علیہ السلام سے مؤاخذہ کی توجیہ | 775/5 |
| 11 | افضل و اولیٰ یہ ہے کہ صرف اللہ سے مدد طلب کی جائے | 66/6 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 12 | اللہ تعالیٰ کو چھوڑ کر دوسروں کو مستقل مددگار بنالینا گمراہی ہے | 543/10 |
| 13 | مقبولان بارگاہ عزت سے مدد طلب کرنا | 115/12 |
| 34 | **سورۃ المدثر** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 358/12 |
| 2 | سورۃ المدثر کے متعلق احادیث | 358/12 |
| 3 | سورۃ المدثر اور سورۃ المزمل میں مناسبت | 359/12 |
| 4 | سورۃ المدثر کے مشمولات | 360/12 |
| 5 | سورۃ المدثر کا اختتام | 398/12 |
| 35 | **مدینہ منورہ** | |
| 1 | مدینہ منورہ کو یثرب کہنے کی ممانعت | 391/9 |
| 2 | منافقوں کے اس قول کے محامل اے اہل یثرب واپس جاؤ | 393/9 |
| 36 | **مدعی نبوت** | |
| 1 | دیکھئے "34: جھوٹی نبوت کے دعویدار" صفحہ 109 | |
| 37 | **مذاق** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کے استہزاء کی توجیہ | 297/1 |
| 2 | مذاق اڑانے کی ممانعت | 294/11 |
| 3 | کفار و مشرکین سے استہزاء کی سزا | 361/11 |
| 38 | **مذہب** | |
| 1 | مذہب کا لغوی و شرعی معنی | 176/1 |
| 39 | **حضرت مریم علیہا السلام** | |
| 1 | مریم کا معنی | 446/1 |
| 2 | قرآن میں فضیلت | 153/2 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | احادیث میں فضیلت | 154/2 |
| 4 | حمل کی کیفیت | 173/2 |
| 5 | حضرت مریم علیہا السلام کا نبیہ نہ ہونا | 264/3 |
| 6 | حضرت مریم علیہا السلام کا مشرقی جگہ جانا | 263/7 |
| 7 | حضرت جبریل علیہ السلام کا بشری صورت میں آنا | 263/7 |
| 8 | فرشتہ سے ہم کلام ہونا نبوت کو مستلزم نہیں | 264/7 |
| 9 | حضرت مریم علیہا السلام کا بیٹے کی پیدائش پر تعجب فرمانا | 265/7 |
| 10 | حضرت مریم علیہا السلام کے حمل کا سبب | 265/7 |
| 11 | حضرت مریم علیہا السلام کے حمل کی مدت | 266/7 |
| 12 | یوسف نجار کا تعاون | 266/7 |
| 13 | وضع حمل کے لیے دور جانا | 266/7 |
| 14 | "کاش میں پہلے مر جاتی" کہنا | 267/7 |
| 15 | حضرت مریم علیہا السلام کو لوگوں کا ملامت کرنا | 269/7 |
| 16 | یا اخت ہارون کی توجیہات | 269/7 |
| 17 | حضرت مریم علیہا السلام کا جواب کے لیے حضرت عیسیٰ علیہ السلام کی طرف اشارہ کرنا | 270/7 |
| 18 | حضرت مریم و عیسیٰ علیہما السلام کا قصہ | 659/7 |
| 19 | حضرت مریم علیہا السلام میں روح پھونکنا | 660/7 |
| 20 | حضرت مریم علیہا السلام میں اللہ تعالیٰ کی قدرت کی نشانیاں | 660/7 |
| 21 | حضرت مریم علیہا السلام کا جنت میں حضور ﷺ کے نکاح میں ہونا | 132/12 |
| **40** | **مرتد** | |
| 1 | مرتد کی تعریف اور اس کا شرعی حکم | 768/1 |
| 2 | مرتد کو قتل کرنا | 768/1 |
| 3 | مرتدہ کو قتل کرنا | 769/1 |
| 4 | ارتداد سے نیک عمل ضائع ہونا | 770/1 |
| 5 | کیا مرتد کو قتل کرنا آزادی فکر کے خلاف ہے؟ | 770/1<br>247/11 |
| 6 | مرتدوں کو ہدایت | 239/2 |
| 7 | مرتدین کے کفر میں زیادتی | 242/2 |
| 8 | مرتدین کی توبہ کا قبول نہ ہونا | 243/2 |
| 9 | مرتدین کا حوض پر وارد ہونا | 309/2 |
| 10 | عہد رسالت اور بعد کے مرتدین | 213/3 |
| 11 | مرتد کے دلوں، کانوں اور آنکھوں پر مہر لگانا | 584/6 |
| 12 | مرتد کو قتل کرنے کا وجوب اور اس کو تین دن کی مہلت دینے پر دلائل | 246/11 |
| **41** | **مردار** | |
| 1 | مردار کا معنی اور اس کی اقسام | 51/3 |
| **42** | **سورۂ مریم** | |
| 1 | سورۂ مریم کی وجہ تسمیہ اور اس کے متعلق احادیث | 243/7 |
| 2 | سورۂ مریم کا زمانۂ نزول | 244/7 |
| 3 | سورۃ الکہف اور سورۂ مریم میں مناسبت | 247/7 |
| 4 | سورۂ مریم کے مشمولات | 247/7 |
| 5 | سورۂ مریم کے اختتامی کلمات و دعا | 319/7 |
| **43** | **مرغ** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | مرغ کی بانگ کی فضیلت | 269/9 |
| 44 | مردوں کو زندہ کرنا | |
| 1 | اللہ کے مردوں کو زندہ کرنے پر دلیل | 479/6 |
| 45 | مرجئہ | |
| 1 | مرجئہ کا رد | 735/11 |
| 46 | سورۃ المرسلات | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 470/12 |
| 2 | سورۃ المرسلات کے متعلق احادیث | 470/12 |
| 3 | سورۃ المرسلات کے مشمولات | 471/12 |
| 4 | سورۃ المرسلات کا اختتام | 497/12 |
| 47 | مزارات | |
| 1 | مزارات پر گنبد بنانا | 77/7 |
| 2 | اولیاء کے مزارات کا شعائر اللہ میں داخل ہونا | 749/7 |
| 3 | اولیاء کے مزارات کو بوسہ دینا، طواف کرنا اور سجدہ کرنا | 750/7 |
| 4 | اولیاء اللہ کے مزارات کی زیارت اور ان سے حصول فیض | 255/11 |
| 48 | سورۃ المزمل | |
| 1 | سورۃ کا نام | 333/12 |
| 2 | سورۃ المزمل کے مشمولات | 333/12 |
| 3 | المزمل کا معنی و مصداق | 336/12 |
| 4 | سورۃ المزمل کا اختتام | 356/12 |
| 5 | سورۃ المزمل میں رسول اللہ ﷺ کی سیرت کا اجمالی تذکرہ | 351/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | سورۃ المزمل کے آخر میں زکوۃ کا تذکرہ | 355/12 |
| 49 | مسکین | |
| 1 | مسکین کے ساتھ حسن سلوک | 443/1 |
| 2 | مسکین کا معنی | 650/1 |
| 3 | مساکین کی فضیلت میں احادیث | 95/7 |
| 4 | مسکین کو کھانا نہ کھلانے کی وعید | 993/12 |
| 50 | مسجد | |
| 1 | مسجد میں کافر کے دخول کے متعلق مذاہب ائمہ | 503/1 |
| 2 | کافروں سے مسجد کیلئے چندہ لینے میں مذاہب فقہاء | 92/5 |
| 3 | کافروں سے مسجد کے لیے چندہ لینے میں علماء دیوبند کا نظریہ | 94/5 |
| 4 | مسجد بنانے کا جواز اور استحقاق کن امور پر موقوف ہے | 95/5 |
| 5 | مسجد بنانے کے انحصار میں ایمان بالرسول ذکر نہ کرنے کی توجیہ | 95/5 |
| 6 | مسجد بنانے کے فضائل اور مسجد کے اجر و ثواب کے متعلق احادیث | 95/5 |
| 7 | مسجد کے احکام کے متعلق احادیث | 97/5 |
| 8 | مسجد میں کافر کے دخول کے متعلق مذاہب اربعہ کا موقف | 112-113/5 |
| 9 | مسجد ضرار کا پس منظر و پیش منظر | 256/5 |
| 10 | مسجد ضرار میں کھڑے ہونے کی ممانعت | 258/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 11 | کس مسجد کی بنیاد یوم اوّل سے تقویٰ پر رکھی گئی؟ | 259/5 |
| 12 | مسجد نبوی کے فضائل | 260/5 |
| 13 | مسجد قبا کے فضائل | 261/5 |
| 14 | مسجد حرام اور مسجد نبوی میں نماز پڑھنے کے فضائل | 205/6 |
| 15 | مسجد حرام اور مسجد نبوی میں نماز کی فضیلت کے متعلق فقہاء کے نظریات | 206/6 |
| 16 | مسجد حرام سے روکنے والوں کی مذمت | 729/7 |
| 17 | مساجد کی تعمیر و آداب اور ان میں ذکر | 143/8 |
| 18 | جنبی اور حائض کا مسجد میں داخل ہونا | 697/11 |
| 19 | مسجد میں ادا کی جانے والی عبادات واطاعات | 289/12 |
| 20 | مسجد میں برے کام کرنے کی مذمت | 292/12 |
| 21 | مسجد میں نیک کام کرنے کی فضیلت | 293/12 |
| **51** | **مسیح** | |
| 1 | ابنیت مسیح کا بطلان | 886/2 |
| 2 | متشابہ کا معنی | 62/2 |
| 3 | اصولیین کے نزدیک متشابہ | 62/2 |
| 4 | آیات متشابہات | 60/2<br>64/2 |
| 5 | مسیح کا معنی | 161/2 |
| 6 | الوہیت مسیح کے ابطال پر ایک مناظرہ | 190/2 |
| 7 | حیات مسیح اور ان کا زمین پر نزول | 362/3 |
| **52** | **مسلمان** | |
| 1 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی طرف نسبت | 193/2 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | مسلمانوں کا اعلیٰ و غالب ہونا | 384/2 |
| 3 | فوت شدہ مسلمانوں کا اپنے اقارب کے اعمال پر مطلع ہونا | 470/2 |
| 4 | مسلمان بھائی کی کامیابی پر زیادہ خوش ہونا چاہیے | 471/2 |
| 5 | مسلمانوں کے لیے دنیا میں تنگدستی | 528/2 |
| 6 | مسلمانوں سے غلبہ کا وعدہ | 830/2 |
| 7 | مسلمانوں کو ڈرانے کا عمل | 484/3 |
| 8 | مسکین مسلمانوں کو مجلس سے اٹھانا | 485/3 |
| 9 | اوّل المسلمین کون؟ | 702/3 |
| 10 | مسلمانوں کو خلیفہ بنانے کے محامل | 706/3 |
| 11 | مسلمانوں کی آزمائش | 706/3 |
| 12 | مسلمانوں کے گناہوں پر مواخذہ | 707/3 |
| 13 | مسلمانوں کی مثال | 188/4 |
| 14 | رنج و راحت کے نزول میں مسلمانوں کے احوال | 232/4 |
| 15 | اللہ نیک مسلمانوں کی مدد فرماتا ہے بدکاروں کی نہیں | 596/4 |
| 16 | مسلمانوں کے حق میں کیا چیز حیات آفریں ہے | 602/4 |
| 17 | مسلمانوں کے زوال کا سبب | 650/4 |
| 18 | کفار سے معاہدہ کی وجہ سے دارالحرب کے مسلمانوں کی مدد نہ کرنا | 710/4 |
| 19 | مسلمانوں کی دارالکفر میں سکونت کا حکم | 716/4 |
| 20 | مسلمانوں کی دو حالتوں کا بیان | 155/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 21 | مسلمان کی تکفیر وعدم تکفیر کے متعلق مذاہب ائمہ | 761/5 |
| 22 | ابتداء میں تمام لوگوں کے مسلمان ہونے پر احادیث وآثار | 341/5 |
| 23 | مسلمانوں کی دنیا میں بدحالی | 494/5 |
| 24 | دنیا میں مسلمانوں کی پس ماندگی وتنگی کی وجوہ | 90/6 |
| 25 | مسلمانوں اور کافروں کے مصائب کا فرق | 103/6 |
| 26 | گناہ گار مسلمانوں سے قیامت کے دن سوال | 324/6 |
| 27 | مسلمانوں پر زمین کے گناہوں کا کم ہونا | 590/7 |
| 28 | نیک مسلمانوں کو اچھی جزاء | 920/7 |
| 29 | مسلمانوں کی تنگدستی کے بعد خوشحالی | 168/8 |
| 30 | امیر کافروں کی خوشنودی کے لیے غریب مسلمانوں کو اٹھانا | 375/8 |
| 31 | مسلمانوں پر لازم ہے کہ وہ سینہ صاف رکھیں | 735/8 |
| 32 | مسلمین کا لفظ ہمارے نبی ﷺ کے متبعین کے ساتھ خاص ہے | 826-836/8 |
| 33 | مسلمانوں کے لیے جنت کی نعمتیں | 722/10 |
| 34 | نیک مسلمانوں کے مصادیق | 114/12 |
| 35 | اللہ تعالیٰ کی مدد کے بعد مسلمانوں کی مدد کا ذکر کرنے کی ضرورت | 115/12 |
| 53 | مشابہت | |
| 1 | کفار اور فساق کی مشابہت کے حکم کی تحقیق | 362/9 |
| 2 | کفار اور فساق کی مشابہت کے سلسلے میں مختلف علماء کی تحقیق | 363-369/9 |
| 3 | لباس میں مشابہت کی وجہ سے صرف ظاہری اور دنیاوی حکم لاگو ہوگا | 369/9 |
| 4 | بدعقیدگی، بدعات اور بداعمالیوں میں مشابہت کی وجہ سے کفر، گمراہی اور حرمت کا حکم لاگو ہوگا | 369/9 |
| 54 | مشرق | |
| 1 | مشارق کی توجیہ | 239/12 |
| 55 | مشرک | |
| 1 | مشرکین کے فرمائشی معجزات ومطالبات پورا نہ کرنے کی وجہ | 512/1 |
| 2 | مشرکین کے بتوں کا مؤنث ہونا | 802/2 |
| 3 | روز قیامت مشرکین کی ناکامی ونامرادی | 420/3 |
| 4 | مشرکین کے فرقے | 610/3 |
| 5 | مشرکین کے خودساختہ احکام کا رد | 666/3 |
| 6 | خودساختہ شریعت سازی کا رد | 667/3 |
| 7 | بیٹیوں کو قتل کرنے کی شقاوت | 686/3 |
| 8 | کن مشرکوں کو چار ماہ کی مہلت دی گئی | 49/5 |
| 9 | مشرکین کو دارالاسلام میں آنے کی اجازت دینا | 70/5 |
| 10 | معاہدہ حدیبیہ کی پابندی اور خلاف ورزی کرنے والے | 74/5 |
| 11 | مشرکین کے لیے مغفرت کی دعا کی توجیہات | 273/5 |
| 12 | مشرکین کا قرآن کو بدلنے کا مطالبہ | 338/5 |
| 13 | مشرکین کی خودساختہ شریعت کی مذمت | 410/5 |
| 14 | مشرکین کا یہ کہنا کہ حضور ﷺ پر کوئی معجزہ نازل نہیں کیا گیا | 46/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15 | مشرکین کے فرمائشی معجزات پیش نہ کرنے کی وجوہ | 46/6 |
| 16 | مشرکین کے خود ساختہ شرکاء کا رد | 102/6 |
| 17 | جن مذاق اڑانے والے مشرکوں سے بدلہ لیا گیا | 326/6 |
| 18 | اللہ کیلئے حصہ مقرر کرنے پر مشرکین کو زجرو توبیخ | 466/6 |
| 19 | مشرکین کی اوندھی عقل | 520/6 |
| 20 | مشرکین کا افتراء | 577/6 |
| 21 | مشرکین کو ہدایت نہ دینے کی وجوہ | 578/6 |
| 22 | حضرت ابراہیم علیہ الصلوٰۃ والسلام کی صفات سے مشرکین کے خلاف استدلال | 594/6 |
| 23 | مشرکین کے ایک اعتراض کا جواب | 667/7 |
| 24 | مشرکین کا آخرت میں بہرا ہونا | 668/7 |
| 25 | مشرکین سے کس چیز کا وعدہ کیا گیا تھا | 697/7 |
| 26 | مشرکین کے تکبر کی وجوہ | 885/7 |
| 27 | مشرکین کے ایمان نہ لانے کی وجوہ | 889/7 |
| 28 | مشرکین کو تنبیہ | 586/8 |
| 29 | مشرکین کے شبہات کے جوابات | 819/8 |
| 30 | مشرکین کے مددگار بننے کی ممانعت کے محمل | 864/8 |
| 31 | مشرکین کا رد | 61/9 |
| 32 | مشرکین کی ناشکری اور ان کا ظلم | 117/9 |
| 33 | مشرک اور موحد میں بہتر کون؟ | 623/9 |
| 34 | فرشتوں کی عبادت کرنے والے مشرکین کا رد | 635/9 |
| 35 | مشرکین کے معبودوں کی حاجت روائی نہ کرنے کے محامل | 666/9 |
| 36 | مشرکین کے اعذار کا قبول نہ ہونا | 382/10 |
| 37 | زکوٰۃ نہ دینے پر مشرکین کی مذمت کی توجیہ | 438/10 |
| 38 | مشرکین کے کفر کی تفصیل | 442/10 |
| 39 | مشرکین کے متعلق اللہ تعالیٰ کا قول | 472/10 |
| 40 | مشرکین کے ایمان نہ لانے کی وجہ | 562/10 |
| 41 | سید مودودی کے نزدیک مشرک کی تعریف | 670/11 |
| 42 | مخلوق کو سمیع وبصیر، فاعل مختار اور قادر کہنے کا جواز اور ان کا شرک نہ ہونا | 670/11 |
| 43 | سید مودودی کی تعریف سے معاذ اللہ، اللہ تعالیٰ کا بھی مشرک ہونا | 671/11 |
| 44 | مشرک کی صحیح تعریف | 674/11 |
| 45 | شرک کرنے والوں کے متعدد گروہ | 674/11 |
| 46 | اسناد مجاز عقلی کی تعریف وغیرہ | 675/11 |
| 47 | اللہ تعالیٰ کی اطاعت وعبادت نہ کرنے پر مشرکین کو ملامت | 458/11 |
| 48 | مشرکین کے ظن کا باطل ہونا | 514/11 |
| 49 | مشرکین کی نفسانی خواہشوں کی پیروی کی وضاحت | 515/11 |
| 50 | مشرکین پر اللہ تعالیٰ کی حجت کی تقریر | 529/11 |
| 51 | مشرکین کا نبی علیہ السلام سے متنفر ہونا اور اعراض کرنا | 396/12 |
| 52 | مشرکین کے اس زعم کا رد کہ ان کو جنت میں داخل کیا جائے گا | 238/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 53 | آیا مشرکین کو ہلاک کر کے اللہ تعالیٰ کوئی اور قوم لایا یا نہیں؟ | 239/12 |
| **56** | **مشکل الفاظ** | |
| 1 | اُمِّیٌّ اور اُمْنِیَّۃٌ | 436/1 |
| 2 | حَنِیْفٌ | 557/1 |
| 3 | سَکِیْنہ | 882/1 |
| 4 | سُوْءٌ | 629/1 |
| 5 | طَاغُوْتٌ | 938/1 |
| 6 | مُحْشَاءٌ | 629/1 |
| 7 | عَہْدُوْ مِیْثَاق | 416/1 |
| 8 | قَبْضٌ | 875/1 |
| 9 | بَسْطٌ | 875/1 |
| 10 | بَیِّنَاتٌ | 752/1 |
| 11 | نعق | 630/1 |
| 12 | وَیْلٌ | 437/1 |
| 13 | اسْتِعَانَتْ | 184/1 |
| 14 | آلْ | 397/1 |
| 15 | کُنْ فَیَکُوْنُ | 511/1 |
| 16 | مِلَّتْ | 551/1 |
| 17 | صِبْغَۃُ اللہِ | 560/1 |
| 18 | عَنْبَرْد | 630/1 |
| 19 | قُرْءٌ | 800/1 |
| 20 | لَیٌّ | 219/2 |
| 21 | بشر | 222/2 |
| 22 | حکم ربانیین | 224/2 |
| 23 | بینات +زبر +کتاب منیر | 499/2 |
| 24 | مرابطہ | 536/2 |
| 25 | نحلہ | 566/2 |
| 26 | جبت +طاغوت | 694/2 |
| 27 | زائفین | 63/2 |
| 28 | قنطار | 614/2 |
| 29 | دیت | 756/2 |
| 30 | بہیمۃ الانعام | 34/3 |
| 31 | وما اہل لغیر اللہ بہ | 53/3 |
| 32 | المنخنقۃ | 54/3 |
| 33 | الموقوذۃ | 55/3 |
| 34 | المتردیۃ | 55/3 |
| 35 | النطیحۃ | 56/3 |
| 36 | ارض مقدسہ کا مصداق | 146/3 |
| 37 | جبارین کا بیان | 147/3 |
| 38 | سحت | 194/3 |
| 39 | فتنہ | 257/3 |
| 40 | البحیرہ + السائبہ | 338/3 |
| 41 | الوصیلہ + الحامی | 339/3 |
| 42 | قرن | 398/3 |
| 43 | بسل | 537/3 |
| 44 | مستقر + مستودع | 604/3 |
| 45 | وحی + زخرف القول + غرور | 629/3 |

marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 46 | لتصغٰی | 632/3 |
| 47 | نسک | 701/3 |
| 48 | المص | 35/4 |
| 49 | معایش | 52/4 |
| 50 | مختار کل | 131/4 |
| 51 | ضعف | 135/4 |
| 52 | شماتت | 345/4 |
| 53 | الطیبات + الخبائث | 376/4 |
| 54 | خَلف + خُلف | 406/4 |
| 55 | تفکر | 436/4 |
| 56 | وجل | 547/4 |
| 57 | نفل + تنفیل + سلب | 638/4 |
| 58 | اخبار + رھبان | 121/5 |
| 59 | کنز | 127/5 |
| 60 | الدوائر + دائرۃ السوء | 235/5 |
| 61 | قربات + صلوات | 235/5 |
| 62 | التائبون | 266/5 |
| 63 | العابدون + الحامدون | 267/5 |
| 64 | السائحون + الراکعون + الساجدون | 268/5 |
| 65 | الامرون بالمعروف والناھون عن المنکر | 269/5 |
| 66 | الحافظون لحدود اللہ | 270/5 |
| 67 | اوّاہ | 275/5 |
| 68 | قدم صدق | 324/5 |
| 69 | لننظر | 338/5 |
| 70 | تمیمہ + تولہ | 388/5 |
| 71 | وکیل | 485/5 |
| 72 | تھدید + تبشیر | 497/5 |
| 73 | مستقر + مستودع | 499/5 |
| 74 | جدال | 533/5 |
| 75 | الخزی | 580/5 |
| 76 | یاویلتٰی | 591/5 |
| 77 | سجیل | 603/5 |
| 78 | بقیۃ اللہ | 608/5 |
| 79 | سعادت + شقاوت | 629/5 |
| 80 | زفیر + شھیق | 629/5 |
| 81 | السوء + الفحشاء + المخلصین | 740/5 |
| 82 | صنوان + صنو | 42/6 |
| 83 | تعجب + اغلال | 43/6 |
| 84 | طوبٰی | 96/6 |
| 85 | محو + اثبات | 118/6 |
| 86 | العزیز الحمید | 133/6 |
| 87 | جبار + عنید | 165/6 |
| 88 | وراء | 166/6 |
| 89 | برزوا | 170/6 |
| 90 | رواسی | 261/6 |
| 91 | موزون | 261/6 |
| 92 | صلصال + الحماء + مسنون | 269/6 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 93 | الجان + نارالسموم | 272/6 |
| 94 | متوسمین | 304/6 |
| 95 | عضین | 324/6 |
| 96 | اصدع | 326/6 |
| 97 | مواخر | 376/6 |
| 98 | طاغوت | 413/6 |
| 99 | مفرطون | 477/6 |
| 100 | حفدة | 518/6 |
| 101 | الحاد + عجم | 576/6 |
| 102 | قضٰی | 685/6 |
| 103 | اوابین | 695/6 |
| 104 | قفا | 712/6 |
| 105 | تصریف + تذکر | 721/6 |
| 106 | دلوك | 769/6 |
| 107 | مسحور + بصائر + استفزاز + لفیف | 810/6 |
| 108 | فتیة | 62/7 |
| 109 | سرادقها | 101/7 |
| 110 | الهشیم | 114/7 |
| 111 | الباقیات الصالحات | 115/7<br>311/7 |
| 112 | موبق | 135/7 |
| 113 | حقبا | 149/7 |
| 114 | منسك | 796/7 |
| 115 | سرب | 152/7 |
| 116 | تاویل | 184/7 |
| 117 | غی | 301/7 |
| 118 | لد + رکز | 319/7 |
| 119 | المنکر + یسطون | 799/7 |
| 120 | سر + اخفی | 339/7 |
| 121 | یوم الزینت | 391/7 |
| 122 | نسف | 435/7 |
| 123 | العوج + امت | 436/7 |
| 124 | تلك الغرانیق | 778-786/7 |
| 125 | فرقان | 597/7 |
| 126 | فظن ان لن نقدر علیه کی تفسیر | 656/7 |
| 127 | الفزع الاکبر | 669/7 |
| 128 | السجل | 670/7 |
| 129 | غمرة | 882/7 |
| 130 | مرید + صادر | 709/7 |
| 131 | تفث | 739/7 |
| 132 | منسك + مخبتین | 755/7 |
| 133 | القانع + المعتر | 758/7 |
| 134 | الصوامع + البیع + صلوٰت | 764/7 |
| 135 | نکوص + سمر + هجر | 885/7 |
| 136 | ازر | 368/7 |
| 137 | ایامٰی | 131/8 |
| 138 | سراب + البقیعه | 146/8 |
| 139 | تغیظ + زفیر | 220/8 |
| 140 | بورًا | 224/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 141 | حجر ا محجور + مرج | 231/8<br>253/8 |
| 142 | هباء منثورا | 232/8 |
| 143 | مهجور | 236/8 |
| 144 | الرس | 241/8 |
| 145 | غراماً+ اسراف | 268/8 |
| 146 | الخار | 269/8 |
| 147 | ثعبان+ حية + جآن | 305/8<br>575/8 |
| 148 | صديق + حميم | 364/8 |
| 149 | افاك + اثيم | 512/8 |
| 150 | طير | 629/8 |
| 151 | عفريت | 689/8 |
| 152 | اشد+ استویٰ | 782/8 |
| 153 | علو + فساد | 860/8 |
| 154 | صليب | 317/8 |
| 155 | زَجرةً | 872/9 |
| 156 | مُنِيبٌ | 190/9 |
| 157 | لاتصعر | 267/9 |
| 158 | شجرة الزقوم | 890/9 |
| 159 | ضَلَالٌ | 323/9 |
| 160 | لتجافى + مضاجع | 334/9 |
| 161 | القسط+ خطاء + مغفرت + رحمت | 378/9 |
| 162 | قدرًا مقدورًا | 459/9 |
| 163 | وجيه | 576/9 |
| 164 | ملكوت | 851/9 |
| 165 | اوّبی | 606/9 |
| 166 | غول بیابان | 882/9 |
| 167 | جفان+ الجواب+ قدور + راسيات | 612/9 |
| 168 | فتاح + عليم | 624/9 |
| 169 | كافة | 625/9 |
| 170 | اسروا | 630/9 |
| 171 | مترفين | 631/9 |
| 172 | تناوش | 643/9 |
| 173 | جبل | 813/9 |
| 174 | نذير | 693/9 |
| 175 | العزيز + الرحيم | 716/9 |
| 176 | غفلت | 718/9 |
| 177 | مقمحون | 719/9 |
| 178 | امام مبين | 729/9 |
| 179 | ماكان ومايكون | 730/9 |
| 180 | سبحان + تسبيح | 759/9 |
| 181 | سلخ | 761/9 |
| 182 | شغل + فاكهون | 794/9 |
| 183 | طمس + مسخ | 820/9 |
| 184 | يمين + يزفون | 905/9 |
| 185 | خَلق+ خُلق + اختلاق | 40/10 |
| 186 | فواق | 49/10 |
| 187 | قط | 51/10 |
| 188 | من شكله ازواج | 131/10 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 189 | طاغوت | 207/10 |
| 190 | قنوط | 281/10<br>601/10 |
| 191 | مقاليد | 289/10 |
| 192 | الازفة + كاظمين | 338/10 |
| 193 | صاعقة | 465/10 |
| 194 | قيض | 471/10 |
| 195 | لاجرم | 362/10 |
| 196 | تفويض | 363/10 |
| 197 | حرث | 577/10 |
| 198 | ولی حميد | 603/10 |
| 199 | اجتباء | 563/10 |
| 200 | داحضة | 571/10 |
| 201 | اقترات + شكر | 589/10 |
| 202 | غيث | 601/10 |
| 203 | اهدىٰ | 674/10 |
| 204 | مستمسكون | 672/10 |
| 205 | بصيرت | 805/10 |
| 206 | خليل | 718/10 |
| 207 | ويل + اصرار | 793/10 |
| 208 | جرح + اجتراح | 807/10 |
| 209 | اثارة | 43/11 |
| 210 | تعسًالهم | 139/11 |
| 211 | ان توليتم | 157/11 |
| 212 | يحادون | 776/11 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 213 | استحوذ | 793/11 |
| 214 | اول حشر | 805/11 |
| 215 | الجلاء | 807/11 |
| 216 | دولة | 815/11 |
| 217 | الشح | 826/11 |
| 218 | الملك+ القدوس+ السلام+ المؤمن + العزيز+ الجبار | 835/11 |
| 219 | المتكبر+ الخالق +البارى+ المصور | 835/11 |
| 220 | البينات | 738/11 |
| 221 | رجت+ بست + هباء منبثا+ السابقون | 652/11 |
| 222 | اصحاب الميمنة+ اصحاب المشئمة | 652/11 |
| 223 | سبقت | 655/11 |
| 224 | ثلة | 655/11 |
| 225 | موضونة | 656/11 |
| 226 | ولدان+ غلمان | 657/11 |
| 227 | اكواب+ اباريق+ كاس+ معين | 658/11 |
| 228 | حطام+ تفكهون+ مغرمون+ محرومون | 379/11 |
| 229 | مقوين | 380/11 |
| 230 | مواقع النجوم | 682/11 |
| 231 | روح+ ريحان | 703/11 |
| 232 | انسان+ بيان | 605/11 |
| 233 | النجم | 606/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 234 | طغیان | 607/11 |
| 235 | الاثام+ الاکمام+ الحب+ العصف+ الریحان | 609/11 |
| 236 | آلاء | 609/11 |
| 237 | شواظ+ نحاس | 622/11 |
| 238 | وردة+ دهان | 623/11 |
| 239 | ذواتاافنان | 632/11 |
| 240 | مقصورات | 642/11 |
| 241 | رفرف+ عبقری | 642/11 |
| 242 | مهطعین | 582/11 |
| 243 | مقعد صدق | 599/11 |
| 244 | یدالله | 239/11 |
| 245 | حمیت | 263/11 |
| 246 | امر مریج | 316/11 |
| 247 | اصحاب الرس | 318/11 |
| 248 | نقبوا+ لغوب | 338/11 |
| 249 | اوّاب+ حفیظ | 335/11 |
| 250 | جبر | 353/11 |
| 251 | ذات الحبك | 359/11 |
| 252 | الخرامون | 360/11 |
| 253 | اید | 385/11 |
| 254 | الا لیعبدون | 389/11 |
| 255 | رزق | 399/11 |
| 256 | قنوت | 401/11 |
| 257 | معین+ ذنوب | 402/11 |
| 258 | رق | 410/11 |
| 259 | البیت المعمور | 435/11 |
| 260 | البحر المسجور | 437/11 |
| 261 | ریب المنون | 453/11 |
| 262 | احلام | 454/11 |
| 263 | تقول | 456/11 |
| 264 | المسیطر | 459/11 |
| 265 | صاحب | 480/11 |
| 266 | غوٰی | 481/11 |
| 267 | هوٰی | 482/11 |
| 268 | اللمم | 521/11 |
| 269 | اُمنی+ شعری | 570/11 |
| 270 | ضلال | 477/11 |
| 271 | کبد | 753/12 |
| 272 | لبد | 754/12 |
| 273 | اقتحم + العقبة | 755/12 |
| 274 | حسنٰی | 783/12 |
| 275 | تردّٰی | 787/12 |
| 276 | یسرٰی | 784/12 |
| 277 | ضحٰی + سجٰی | 805/12 |
| 278 | ضال | 822-828/12 |
| 279 | عائل | 828/12 |
| 280 | التین + الزیتون | 869-871/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 281 | طور سینین | 871/12 |
| 282 | طغیان | 883/12 |
| 283 | حنفاء | 907/12 |
| 284 | العادیات ضبحا | 942/12 |
| 285 | الموریات قدحا | 943/12 |
| 286 | المغیرات صبحا | 944/12 |
| 287 | فاثرن بہٖ نقعا + فوسطن بہٖ جمعا+ الکنود | 944/12 |
| 288 | بعثر | 946/12 |
| 289 | ھاویۃ | 953/12 |
| 290 | العصر | 969/12 |
| 291 | الھمزۃ + اللمزۃ | 976/12 |
| 292 | الحطمۃ | 977/12 |
| 293 | مغافیر | 106/12 |
| 294 | مسلمات+ مؤمنات + قانتات وغیرھا | 118/12 |
| 295 | خناس | 1054/12 |
| 296 | المرعٰی | 688/12 |
| 297 | غثاء + احوٰی | 689/12 |
| 298 | مطففین | 619/12 |
| 299 | سجین | 626/12 |
| 300 | اساطیر | 627/12 |
| 301 | رحیق مختوم + تسنیم | 630/12 |
| 302 | ابرار | 612/12 |
| 303 | کوّرت | 586/12 |
| 304 | انکدرت | 687/12 |
| 305 | العشار | 588/12 |
| 306 | وحوش | 588/12 |
| 307 | تسجیر | 589/12 |
| 308 | الخنس + الکنس | 593/12 |
| 309 | ضنین | 602/12 |
| 310 | سفرۃ + کرام | 577/12 |
| 311 | راجفۃ | 550/12 |
| 312 | حافرۃ + نخرۃ | 551/12 |
| 313 | زجرۃ + ساھرۃ | 552/12 |
| 314 | اٰخرۃ + اولٰی | 555/12 |
| 315 | اغطش | 558/12 |
| 316 | دحٰھا + مرعٰھا | 559/12 |
| 317 | ارساھا + طامۃ | 560/12 |
| 318 | اوتاد | 507/12 |
| 319 | نوم + سبات | 508/12 |
| 320 | معاش | 510/12 |
| 321 | وھاج + ثجاج | 511/12 |
| 322 | مرصاد | 516/12 |
| 323 | احقاب | 517/12 |
| 324 | برد | 526/12 |
| 325 | غسّاق | 527/12 |
| 326 | التاویلات النجمیہ | 511/12 |
| 327 | ویل | 479/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 328 | شرر + قصر + جمالة + صفر | 482/12 |
| 329 | هل | 429/12 |
| 330 | نطفه + امشاج + سبيل | 431/12 |
| 331 | عبوس + قمطرير | 446/12 |
| 332 | سندس + استبرق | 450/12 |
| 333 | سلسبيل | 449/12 |
| 334 | ناضرة | 415/12 |
| 335 | باسرة + فاقرة | 417/12 |
| 336 | كلا + تراقي + راق | 418/12 |
| 337 | اولٰى لك فاولٰى | 420/12 |
| 338 | ابابيل + سجيل + عصف | 984/12 |
| 339 | كوثر | 1004/12 |
| 340 | شانئ + ابتر | 1006/12 |
| 341 | مرصاد | 732/12 |
| 342 | كلا | 735/12<br>506/12 |
| 343 | سحق | 149/12 |
| 344 | خَلق + خُلق | 165/12 |
| 345 | دكًا دكًا | 737/12 |
| 346 | طارق | 666/12 |
| 347 | النجم الثاقب | 667/12 |
| 348 | دافق + صلب + ترائب | 672/12 |
| 349 | سرائر + ابتلاء | 675/12 |
| 350 | قول فصل | 677/12 |
| 351 | شاهد + مشهود | 651/12 |
| 352 | اخدود | 652/12 |
| 353 | اذنت | 636/12 |
| 354 | كادح | 638/12 |
| 355 | يحور | 639/12 |
| 356 | شفق + وسق + اتساق | 640/12 |
| 357 | ناشطات | 544/12 |
| 358 | السابحات + السابقات | 548/12 |
| 359 | المدبرات | 549/12 |
| 360 | نقر + ناقور | 373/12 |
| 361 | قول ثقيل | 342/12 |
| 362 | تبتل | 347/12 |
| 363 | عتل + زنيم | 184/12 |
| 364 | ساق | 191/12 |
| 365 | استدراج | 195/12 |
| 366 | عيشة راضية | 210-12 |
| 367 | هلوعًا + جزوعًا | 229/12 |
| 368 | حق معلوم | 232/12 |
| 369 | اجداث + خصب | 240/12 |
| 370 | وحي + نضر + جد | 281/12 |
| 371 | صعدًا | 288/12 |
| 372 | نَفّٰثٰت | 1048/12 |
| 57 | مشورہ | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کی طرف مشورہ کی نسبت کا شرعی حکم | 336/1 |
| 2 | مشورہ کا معنی | 429/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | مشورہ کے متعلق احادیث | 429/2 |
| 4 | رسول اللہ ﷺ کے صحابہ سے مشورہ لینے کا حکم | 430/2 |
| 5 | کس سے مشورہ لیا جائے؟ | 430/2 |
| 6 | مشورہ کی اہمیت | 685/8 |
| 7 | مشورہ کرنے کے متعلق احادیث | 617/10 |
| 8 | نبی ﷺ میں اور آپ ﷺ کے اصحاب کا باہمی مشاورت سے اہم کاموں کو انجام دینا | 618/10 |
| 58 | **مصیبت** | |
| 1 | مصیبت کے متعلق ایک نظریہ | 410/2 |
| 2 | مصائب میں ثابت قدمی | 398/2 |
| 3 | مصیبتیں اور تکلیفیں بندوں کو اللہ کی طرف راجع کرنے کے لیے نازل ہوتی ہیں | 468/3 |
| 4 | مصیبت ٹل جانے کے بعد اللہ کو بھول جانا | 522/3 |
| 5 | انبیاء پر مصیبتوں کے نازل ہونے کی وجوہات | 571/3 |
| 6 | اللہ پر ایمان کامل کی وجہ سے مصائب کا آسان ہونا | 266/4 |
| 7 | نزول مصیبت کے وقت مسلمانوں کی فکر اور عمل کیا ہونا چاہیے | 334/5 |
| 8 | مصائب کے بعد کفار پر رحم فرمانا | 346/5 |
| 9 | مصائب اور شدائد میں صرف اللہ کو پکارنا | 347/5 |
| 10 | مصیبت میں گھر جانے کا معنی | 813/5 |
| 11 | انسان کا مصائب میں گھر کر اللہ کی طرف رجوع کرنا | 366/8 |
| 12 | مصیبت زدہ کی دعا کا قبول ہونا | 717/8 |
| 13 | اہل معرفت پر مصائب کا آسان ہونا | 318/8 |
| 14 | راحت اور مصیبت میں اللہ سے رابطہ رکھنا | 276/10 |
| 15 | مؤمنوں کے مصائب کا ان کیلئے کفارۂ ذنوب ہونا | 605-610<br>10 |
| 16 | مصیبت کے وقت مسلمانوں کا طریقہ | 737/11 |
| 17 | ایک مشکل کے ساتھ دو آسانیاں | 865/12 |
| 59 | **مصارف زکوٰۃ** | |
| 1 | فقیر کا معنی | 169/5 |
| 2 | مسکین کا معنی | 170/5 |
| 3 | فقیر اور مسکین کے معنی میں مذاہب ائمہ | 170/5 |
| 4 | والعاملین علیہا کا معنی اور اس کے شرعی احکام | 171/5 |
| 5 | مؤلفۃ القلوب کی تعریف اور ان کو زکوٰۃ میں سے کچھ دینا | 172/5 |
| 6 | غلاموں کو آزاد کرانے کے لیے زکوٰۃ میں حصہ | 174/5 |
| 7 | غلاموں، مقروضوں، اللہ کی راہ میں اور مسافروں پر زکوٰۃ کی رقم خرچ کرنے کیلئے تملیک ضروری نہیں | 174/5 |
| 8 | تمام مصارف زکوٰۃ میں تملیک کے ضروری ہونے پر احناف کے ادلہ | 176/5 |
| 9 | تملیک کی رکنیت کے دلائل کا تجزیہ | 177/5 |
| 10 | ائمہ ثلاثہ کے نزدیک ادائیگی زکوٰۃ میں تملیک کا رکن نہ ہونا | 178/5 |
| 11 | آخری چار مصارف میں تملیک کا اعتبار نہ کرنے کا ثمرہ | 179/5 |
| 12 | زکوٰۃ میں مقروضوں کا حصہ | 179/5 |
| 13 | زکوٰۃ میں فی سبیل اللہ کا حصہ | 179/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 14 | زکوٰۃ میں مسافروں کا حصہ | 180/5 |
| 15 | کسی ایک صنف کے ایک فرد پر زکوٰۃ تقسیم کرنے کا جواز | 180/5 |
| 60 | **مصاہرت** | |
| 1 | صہر کا معنی | 254/8 |
| 2 | اصہار کے مصادیق | 255/8 |
| 3 | نکاح اور زنا سے حرمت مصاہرت | 255-260/8 |
| 61 | **مضطر** | |
| 1 | مضطر کے مصداق کے متعلق اقوال | 716/8 |
| 2 | مضطر کی دعا | 717/8 |
| 3 | مضطر کی فریادرسی | 719/8 |
| 62 | **سورۃ المطففین** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 615/12 |
| 2 | سورۃ المطففین کی سورۃ الانفطار کے ساتھ مناسبت | 615/12 |
| 3 | سورۃ المطففین کے مشمولات | 616/12 |
| 4 | سورۃ المطففین کا اختتام | 632/12 |
| 63 | **سورۃ المعارج** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 218/12 |
| 2 | سورۃ المعارج کے مشمولات | 218/12 |
| 3 | سورۃ المعارج کا اختتام | 240/12 |
| 4 | معارج کا لغوی وعرفی معنی | 223/12 |
| 64 | **معاف کرنا** | |
| 1 | معاف کرنے کی فضیلت | 373/2 |
| 2 | معاف کرنے کی فضیلت میں قرآنی آیات | 427/2 |
| 3 | معاف کرنے کی فضیلت میں احادیث طیبہ | 427/2 |
| 4 | اللہ تعالیٰ اور مخلوق کے معاف کرنے میں فرق | 354/4 |
| 5 | عین حال معصیت میں اللہ تعالیٰ کا معاف فرما دینا | 45/6 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کا بہت زیادہ معاف فرمانا | 411/7 |
| 7 | بار بار گناہ بخشنا | 412/7 |
| 8 | اپنے مال کے حق اور عزت کے حق کو معاف کرنا | 626/10 |
| 9 | فتح مکہ کے بعد ابوسفیان اور ہند کو رسول اللہ ﷺ کا معاف کر دینا | 175/12 |
| 10 | رسول اللہ ﷺ کا ہبار بن الاسود کو معاف کر دینا | 178/12 |
| 11 | فتح مکہ کے بعد صفوان بن امیہ کو رسول اللہ ﷺ کا معاف کر دینا | 176/12 |
| 12 | فتح مکہ کے بعد عکرمہ بن ابی جہل کو رسول اللہ ﷺ کا معاف کر دینا | 176/12 |
| 13 | فتح مکہ کے بعد (طائف میں) وحشی کو رسول اللہ ﷺ کا معاف کر دینا | 177/12 |
| 14 | منافقوں اور دیہاتیوں سے درگذر کرنا | 178/12 |
| 65 | **معجزہ** | |
| 1 | معجزہ نبی کے اختیار میں ہے یا نہیں؟ | 447/3 |
| 2 | فرمائشی معجزہ نہ دکھانے کی وجہ | 626/3 |
| 3 | تمام نبی حامل معجزہ ہیں | 237/4 |
| 4 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کے معجزہ کا دیگر انبیاء کے معجزات سے امتیاز | 237/4 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | معجزہ کی تعریفات | 238/4 |
| 6 | معجزہ کی شرائط | 238/4 |
| 7 | افعال غیر عادیہ کی اقسام | 239/4 |
| 8 | معجزات، انبیاء کے اختیار میں ہیں یا نہیں | 239-243/4 |
| 9 | معجزات کے صدور میں علماء دیوبند کا موقف | 243/4 |
| 10 | معجزات کے صدور میں علماء اہل سنت کا موقف | 244/4 |
| 11 | ہر نبی کا معجزہ اس چیز کی جنس سے ہوتا ہے جس چیز کا اس زمانہ میں چرچا ہو | 257/4 |
| 12 | وہ معجزات جو حضور علیہ اسلام سے صادر ہوئے اور جو آپ کی ذات مبارکہ میں ہیں | 396/4 |
| 13 | معجزات کا مقدور ہونا | 595/4 |
| 14 | مشرکین کا یہ کہنا کہ آپ ﷺ پر کوئی معجزہ نازل نہیں کیا گیا | 46/6 |
| 15 | مشرکین کے فرمائشی معجزات پیش نہ کرنے کی وجوہ | 46/6<br>117/6<br>748/6<br>795/6 |
| 16 | آپ ﷺ کو قرآن کا معجزہ کیوں دیا گیا؟ | 47/6 |
| 17 | آپ علیہ الصلوٰۃ والسلام کے چند دیگر معجزات | 47/6 |
| 18 | معجزات کے مقدور نبی ہونے کی بحث | 798/6 |
| 19 | معجزہ کا حصول نبی کے اختیار میں نہیں | 99/9 |
| 20 | معجزہ کا دکھانا نبی کے اختیار میں ہے | 99/9 |
| 21 | مشرکین کے فرمائشی معجزات عطا نہ کرنے کی وجہ | 417/10 |
| **66** | **معرفت** | |
| 1 | معرفت کے جھوٹے دعویدار | 595/3 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **67** | **معذور** | |
| 1 | معذورین کی اقسام | 224/5 |
| 2 | جہاد اور نماز میں معذورین کے متعلق احادیث | 224/5 |
| **68** | **معصوم** | |
| 1 | نبی کے سوا، کسی بشر کا قول خطاء سے معصوم نہیں | 122/5 |
| 2 | ارتکاب معصیت محبت رسول و خدا کے منافی ہے | 69/7 |
| 3 | معصیت اور بیماری کو بیان کرنا | 153-157/7 |
| **69** | **معراج النبی ﷺ** | |
| 1 | خواب میں معراج ہونا | 617-620/6 |
| 2 | مسجد اقصیٰ سے آسمانوں کی طرف | 622/6 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کو بعض نشانیاں دکھانا | 626/6 |
| 4 | رات کے قلیل حصہ میں معراج | 628/6 |
| 5 | واقعۂ معراج کی تاریخ | 629/6 |
| 6 | واقعۂ معراج کی ابتداء کی جگہ | 629/6 |
| 7 | معراج کی احادیث میں تعارض | 630/6 |
| 8 | واقعۂ معراج کا مربوط بیان | 630/6 |
| 9 | شب معراج حضور ﷺ نے جو کچھ دیکھا وہ خواب نہ تھا | 750/6 |
| 10 | دنا فتدلی کی ضمیروں کا مرجع | 488/11 |
| 11 | فکان قاب قوسین کا معنی | 491-495/11 |
| 12 | فاوحی الی عبدہ ما اوحی کی تفسیر | 495/11 |
| 13 | شب معراج حضور ﷺ نے اپنے رب کو سر کی آنکھوں سے دیکھا یا قلب کی آنکھوں سے؟ | 496/11<br>506-511/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 14 | سدرۃ المنتہیٰ کی تعریف وغیرہ | 499/11 |
| 15 | جنت الماویٰ کی تعریف | 500/11 |
| 16 | سدرہ کو ڈھانپنے والی اشیاء | 500/11 |
| 17 | شب معراج حضور ﷺ کے اللہ تعالیٰ کو دیکھنے پر دلیل | 501/11 |
| 18 | حضور ﷺ نے شب معراج جن نشانیوں کو دیکھا | 502/11 |
| 19 | دیدار الٰہی میں حضور ﷺ کی خصوصیات | 504/11 |
| 70 | معاد | |
| 1 | معاد کے متعلق مختلف اقوال | 861/8 |
| 71 | معاملہ | |
| 1 | معاملات میں صحیح اور احسن افعال | 210/10 |
| 2 | نزاعی اور اختلافی امور کو اللہ پر چھوڑ دینا | 550/10 |
| 72 | حضرت معاویہ رضی اللہ عنہ | |
| 1 | حضرت معاویہ رضی اللہ عنہ کے متعلق حضرت علی رضی اللہ عنہ کے دعائیہ کلمات | 286/11 |
| 2 | حضرت معاویہ رضی اللہ عنہ اور ان کے لشکر کا حضرت علی رضی اللہ عنہ سے جنگ صفین کے باوجود اسلام سے خارج نہ ہونا | 284/11 |
| 73 | مغضوب | |
| 1 | مغضوب کا معنی | 214/1 |
| 2 | مغضوب علیہم کی تفسیر | 214/1 |
| 3 | مغضوب کے معنی بیان کرنے میں علماء کی لغزش | 214/1 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 74 | مغفرت | |
| 1 | ان مسلمانوں کی مغفرت کی صورتیں جن کی نیکیاں گناہوں سے کم یا ان کے برابر ہوں | 50/4 |
| 2 | مغفرت ذنب کی نسبت رسول اللہ ﷺ کی طرف کرنا (اعتراض وجواب) | 337-342 / 6 |
| 3 | مومنوں کی مغفرت اور اس پر کفار کی حسرت | 364/8 |
| 4 | خطا کاروں کے لیے استغفار | 467/8 |
| 5 | اولاد کی وجہ سے والدین کی مغفرت | 283/9 |
| 6 | مغفرت کا اللہ تعالیٰ کے فضل سے حاصل ہونا | 690/9 |
| 7 | فساق مؤمنین کی مغفرت پر دلائل | 77/11 |
| 8 | ایمان لانے سے سابقہ گناہوں کی مغفرت | 113/11 126/11 |
| 9 | آپ ﷺ کی مغفرت کے حصول کا سبب کیا ہے؟ | 201/11 |
| 10 | رسول اللہ ﷺ کی طرف مغفرت ذنب کی نسبت کی توجیہات | 203-222 / 11 |
| 11 | رسول اللہ ﷺ کی مغفرت کلی کے اعلان کا آپ کی عظیم خصوصیت ہونا | 225/11 |
| 12 | عشرہ مبشرہ، صاحب یاسین، اصحاب حدیبیہ اور اصحاب بدر کی مغفرت سے رسول اللہ ﷺ کی مغفرت کی خصوصیت پر معارضہ کا جواب | 227-230 / 11 |
| 13 | گناہگار مسلمانوں کی عدم مغفرت پر معتزلہ کا استدلال اور اس کا جواب | 297/12 |
| 75 | مغرب | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | مغارب کی توجیہ | 239/12 |
| 76 | **مفتوحہ علاقے** | |
| 1 | ان مفتوحہ علاقوں کے محامل جہاں صحابہ نہیں پہنچے تھے | 413/9 |
| 77 | **مقابلہ** | |
| 1 | دشمن سے مقابلہ کی تمنا کی ممانعت | 646/4 |
| 2 | دشمن اسلام کے مقابلہ میں ثابت قدمی | 647/4 |
| 78 | **مقتول** | |
| 1 | مقتول کے وارث کی قوت کا بیان | 711/6 |
| 2 | ولی مقتول کا تجاوز نہ کرنا | 711/6 |
| 79 | **مقام محمود** | |
| 1 | مقام محمود کی تحقیق | 775/6 |
| 80 | **مکہ مکرمہ/ اہلِ مکہ** | |
| 1 | مکہ کب سے حرم ہے؟ | 571/1 |
| 2 | مکہ مکرمہ کو ''مکہ'' اور ''بکہ'' کہنا | 265/2 |
| 3 | مکۃ المکرمہ کا ام القریٰ ہونا | 589/3 |
| 4 | اہل مکہ پر نعمتیں اور ان کی ناشکری | 189/6 |
| 5 | کفار مکہ کا شرک | 189/6 |
| 6 | مکہ کو امن والا بنانے کی دعا پر اعتراض کا جواب | 195/6 |
| 7 | مکہ کو حرم قرار دینے کی وجوہ | 204/6 |
| 8 | کفار مکہ کو زجر و توبیخ | 242/6 |
| 9 | کفار مکہ پر بھوک اور خوف مسلط کرنا | 590/6 |
| 10 | کفار مکہ کی رسول اللہ ﷺ کو پیشکش | 795/6 |
| 11 | کفار مکہ کو پچھلی قوموں کے عذاب سنانا | 528/7 |
| 12 | مکہ کی زمین اور اس کے مکانوں کو فروخت کرنا اور کرائے پر دینا | 729-732/7 |
| 13 | مکہ میں گناہ کا عذاب | 734/7 |
| 14 | شہر مکہ کی اہمیت و خصوصیت | 761/8 |
| 15 | کفار مکہ کے عذاب میں تاخیر کی وجہ | 104/9 |
| 16 | دو اشکالات کے جوابات | 306/9 |
| 17 | مکہ کے کافروں کے لیے مقام عبرت | 753/9 |
| 18 | اہل مکہ کو نزول عذاب سے ڈرانا | 47/10 |
| 19 | کفار مکہ کو دنیا کے عذاب سے ڈرانا | 342/10 |
| 20 | کفار مکہ کو عبرت حاصل کرنے کی نصیحت | 423/10 |
| 21 | مکہ کو ام القریٰ فرمانے کی توجیہ | 544/10 |
| 22 | کفار مکہ کی شقاوت اور ایذاء رسانی | 656/10 |
| 23 | کفار مکہ کی بت پرستی کے خلاف اسوۂ ابراہیم علیہ السلام سے استدلال | 677/10 |
| 24 | اہل مکہ میں رسول اللہ ﷺ کی بعثت اور ان کا کفر و استہزاء | 678/10 |
| 25 | کفار مکہ کو عبرت دلانے کے لیے حضرت مسعود رضی اللہ عنہ کی قوم کا حال بیان کرنا | 101/11 |
| 26 | اہل مکہ کی اردگرد کی بستیوں کو ہلاک کر کے ان کو عبرت دلانا | 108/11 |
| 27 | سیدنا محمد ﷺ اور قرآن مجید کے متعلق کفار مکہ کے مختلف اقوال | 360/11 |
| 28 | کفار مکہ کے مطلوبہ معجزات محض ضد بازی اور کٹ حجتی کے لیے تھے | 461/11 |
| 29 | مکہ مکرمہ کی فضیلت میں آیات و احادیث | 747/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 30 | شہر مکہ کی قسم کھانے کی توجیہ | 872/12 |
| 31 | کفار مکہ کو دنیاوی عذاب سے ڈرانا | 155/12 |
| 81 | مکس | |
| 1 | مکس کا لغوی واصطلاحی معنی | 125/7 |
| 2 | مکاس کی مذمت میں احادیث | 127/7 |
| 82 | مکڑی | |
| 1 | مکڑی کے گھر کا سب سے کمزور ہونا | 80/9 |
| 2 | غار ثور کے منہ پر مکڑی کا جالا بنانا | 81/9 |
| 3 | مکڑی کے جالوں کے متعلق احادیث | 82/9 |
| 83 | ملت | |
| 1 | ملت کا معنی | 578/1 |
| 2 | ملت ابراہیم سے انحراف کا حماقت ہونا | 578/1 |
| 84 | ملائکہ | |
| 1 | دیکھئے "22: فرشتہ" صفحہ 194 | |
| 85 | ملحد | |
| 1 | دیکھئے "71: الحاد" صفحہ 68 | |
| 86 | سورۃ الملک | |
| 1 | سورۃ کا نام | 134/12 |
| 2 | سورۃ الملک کی فضیلت میں احادیث وآثار | 134/12 |
| 3 | سورۃ الملک کے مشمولات | 135/12 |
| 4 | سورۃ الملک کا اختتام | 159/12 |
| 87 | سورۃ الممتحنہ | |
| 1 | سورۃ کا نام اور زمانہ نزول | 837/11 |
| 2 | سورۃ الممتحنہ کے مشمولات | 838/11 |
| 3 | سورۃ الممتحنہ کا اختتام | 860/11 |
| 88 | منت مانگنا | |
| 1 | دیکھئے "15: نذر" صفحہ 267 | |
| 89 | منطق | |
| 1 | نطق ومنطق کا لغوی واصطلاحی معنی | 628/8 |
| 90 | مناظرہ/مباحثہ | |
| 1 | مناظرہ ومباحثہ کے آداب واحکام | 941/1 |
| 2 | مناظرہ کی اصل | 675/3 |
| 3 | مباحثہ میں فریق مخالف پر سختی کرنا | 380/7 |
| 4 | مباحثہ میں اشتعال میں نہ آنا | 304/8 |
| 5 | اللہ کے وجود اور اس کی توحید کے متعلق حضرت موسیٰ علیہ السلام اور فرعون کا مباحثہ | 300/8 |
| 6 | اہل کتاب کے ساتھ بحث کرنے میں سختی اور نرمی کرنے کے محمل | 94/9 |
| 7 | جب دلائل متعارض ہوں تو توقف کیا جائے | 951/9 |
| 91 | منافق | |
| 1 | منافقوں کا اللہ اور رسول اللہ ﷺ کو دھوکہ دینا | 285/1 |
| 2 | منافقین کا مرض اور مرض کی تعریف | 286/1 |
| 3 | منافقین کا اپنے فساد کو اصلاح کہنے کی وجہ | 292/1 |
| 4 | عہد رسالت سے آج تک فساد کو اصلاح کہنا | 293/1 |
| 5 | منافقین کے احوال کی امثلہ | 298/1 |
| 6 | عہد رسالت کے بعد منافقین کا وجود یا عدم وجود | 300/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | منافقوں کی حسرت | 412/2 |
| 8 | حضور علیہ السلام کا فیصلہ نہ ماننے والے منافق کو حضرت عمر رضی اللہ عنہ کا قتل کرنا | 713/2 |
| 9 | منافقوں کا چوری کرنا | 788/2 |
| 10 | چوری کرنے والے منافق کا انجام | 798/2 |
| 11 | منافقوں کا فریب دینا | 829/2<br>833/2 |
| 12 | منافق کا مذبذب ہونا | 836/2 |
| 13 | منافقوں کی دو حالتوں کی تفصیل | 155/5 |
| 14 | منافقین کا نبی علیہ السلام کو ''کان'' کہنا اور اس پر اللہ کا رد کرنا | 181/5 |
| 15 | نبی علیہ السلام کو منافقین کا علم عطا فرمایا جانا | 183/5 |
| 16 | منافقین کی پہلے زمانہ کے کفار سے مشابہت | 188/5 |
| 17 | سابقہ قوموں کے عذاب سے منافقوں کو نصیحت فرمانا | 189/5 |
| 18 | منافقوں اور مومنوں میں تقابل | 190/5 |
| 19 | منافقوں کا کلمۂ کفر | 198/5 |
| 20 | منافقین کو غنی کرنے کی تفصیل | 200/5 |
| 21 | اللہ سے عہد کر کے اس کو توڑنے والا منافق | 201/5 |
| 22 | غزوۂ تبوک کے بعد منافقین کو کسی غزوہ میں شرکت سے ممانعت کی توجیہ | 216/5 |
| 23 | منافقین کی نماز جنازہ پڑھنے کی ممانعت کا شان نزول | 217/5 |
| 24 | منافقین سے ترک تعلق کا حکم | 231/5 |
| 25 | مدینہ سے باہر کے منافقین اور ان سے متعلق اعتراضات کے جوابات | 243/5 |
| 26 | منافقین کو رسول اللہ ﷺ کا نام لے کر مسجد سے نکالنا | 245/5 |
| 27 | منافقوں کے شک میں پڑنے کی وجوہ | 292/5 |
| 28 | منافقین کی قرآن سے نفرت و بیزاری | 301/5 |
| 29 | منافقین کے سینہ موڑنے کے محامل | 497/5 |
| 30 | منافقوں کو عذاب نہ دینے پر ایک اشکال کا جواب | 408/9 |
| 31 | منافقوں سے درگزر کرنے کے حکم کا منسوخ ہونا | 509/9 |
| 32 | منافقین کو قتل کرنے اور مدینہ بدر کرنے کی سزا کیوں نہیں دی گئی؟ | 568/9 |
| 33 | منافقوں کا حضور ﷺ سے اذیت ناک کلام کرنا | 573/9 |
| 34 | اللہ تعالیٰ کا منافقین کے نفاق کا پردہ چاک فرمانا | 172/11 |
| 35 | رسول اللہ ﷺ کو منافقین کا علم تھا یا نہیں؟ | 173/11 |
| 36 | منافقوں کا مسلمانوں کے خلاف سازش کرنا | 900/11 |
| 37 | منافقوں کا مسلمانوں سے جھگڑا کرنا | 901/11 |
| 38 | منافقین کا شعار جھوٹ بولنا ہے | 902/11 |
| 39 | منافقوں کا اپنی جھوٹی قسموں کو ڈھال بنانا | 902/11 |
| 40 | منافقوں کے ایمان اور ان کے دلوں پر مہر لگانے کی توجیہ | 903/11 |
| 41 | منافقوں کو دیوار کے ساتھ لگے ہوئے شہتیر کے ساتھ تشبیہ دینے کی وجوہ | 903/11 |
| 42 | منافقوں کا طلب مغفرت سے انکار کرنا | 904/11 |
| 43 | منافقین کے کرتوت اور ان کی سزا | 792/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 44 | منافقین کی مذمت | 792/11 |
| 45 | دنیا و آخرت میں منافقین کی جھوٹی قسمیں | 792/11 |
| 46 | قیامت کے دن منافقوں کا جنت کے راستہ سے محروم ہونا | 726/11 |
| 47 | منافقوں کا برا گمان | 242/11 |
| 48 | منافقین کا غزوہ خیبر میں شرکت کیلئے اصرار کرنا | 243/11 |
| 92 | سورۃ المنافقون | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 894/11 |
| 2 | سورۃ المنافقون کا زمانہ نزول | 894/11 |
| 3 | سورۃ المنافقون کے مشمولات | 895/11 |
| 4 | سورۃ المنافقون کا اختتام | 908/11 |
| 93 | موت | |
| 1 | موت کا معنی | 328/1<br>139/12 |
| 2 | مرتکب کبیرہ کے بلا توبہ فوت ہونے والے کے لیے دائمی عذاب پر استدلال کا جواب | 438/1 |
| 3 | مصیبت سے گھبرا کر موت کی تمنا کرنا | 453/1 |
| 4 | حصول شہادت کے لیے موت کی تمنا کرنا | 453/1 |
| 5 | وقت سے قبل موت آنا | 873/1 |
| 6 | موت کی تمنا کرنا | 477/2 |
| 7 | موت سے مستثنیٰ رہنے والے افراد | 499/2 |
| 8 | موت کی دعا کرنا | 868/5 |
| 9 | ہر نفس کو موت | 558/7 |
| 10 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کو اپنی موت کی خبر | 558/7 |
| 11 | انبیاء اور اولیاء کے حق میں موت کا نعمت ہونا | 342/8 |
| 12 | موت کا قیامت صغریٰ ہونا | 735/8 |
| 13 | اللہ تعالیٰ، ملک الموت اور دیگر فرشتوں کے موت دینے کے محامل | 324/9 |
| 14 | کیا ملک الموت تمام مخلوق پر موت طاری کرتے ہیں؟ | 325/9 |
| 15 | ملک الموت پر موت آنا | 326/9 |
| 16 | موت کی تمنا کی ممانعت | 51/10 |
| 17 | اللہ سے ملاقات کے حصول کیلئے موت کی تمنا کا جواز | 52/10 |
| 18 | حضور ﷺ اور کفار کی موت کا فرق | 223/10 |
| 19 | حضور ﷺ کی موت قلیل وقت کے لیے ہے | 224-227<br>10 |
| 20 | دو موتوں اور دو حیاتوں کی تفسیر | 328-331<br>10 |
| 21 | نیک آدمی کی موت پر آسمان وزمین کا رونا | 768/10 |
| 22 | موت وجودی یا عدمی؟ | 782/10 |
| 23 | موت کی سختیاں | 323/11 |
| 24 | موت کی مختلف تعبیریں | 569/11 |
| 94 | حضرت موسیٰ علیہ السلام | |
| 1 | زمین سے پانی نکالنا | 410/1 |
| 2 | آل موسیٰ کے باقی ماندہ تبرکات | 883/1 |
| 3 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا اللہ سے ہم کلام ہونا | 879/2 |
| 4 | حضرت آدم علیہ السلام سے حضرت موسیٰ علیہ السلام اور حضرت موسیٰ علیہ السلام سے حضرت محمد عربی ﷺ تک کا زمانہ | 247/4 |
| 5 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی پیدائش، پرورش، نکاح، نبوت اور فرعون کو تبلیغ | 248/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 6 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی صفات | 251/4 |
| 7 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی قبر | 252/4 |
| 8 | فرعون کے دعویٰ خدائی کا رد | 253/4 |
| 9 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے لیے پہلے تیس راتیں اور پھر دس راتیں مزید مقرر کرنے کی حکمت | 291/4 |
| 10 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی قوم پر گمراہی | 338/4 |
| 11 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا غضب | 338/4 |
| 12 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا اپنے غصہ کی تلافی کرنا | 350/4 |
| 13 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا دنیا و آخرت کی بھلائیوں کا سوال کرنا | 354/4 |
| 14 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی امت کے نیک لوگ | 397/4 |
| 15 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا قصہ | 454/5 616/5 |
| 16 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے معجزہ کا جادو نہ ہونا | 454/5 |
| 17 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی قوم کی بعض اولاد کا مصداق | 457/5 |
| 18 | حضرت موسیٰ علیہ السلام پر ایمان لانے والوں کی دعا کے دو محمل | 458/5 |
| 19 | فرعون کے خلاف حضرت موسیٰ علیہ السلام کی دعائے ضرر کی توجیہ | 460/5 |
| 20 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا حضرت یوسف علیہ السلام کے تابوت کو نکالنا | 869/5 |
| 21 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو نو احکام دیئے گئے تھے یا نو معجزات | 809/6 |
| 22 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا تعارف | 143/7 |
| 23 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی حضرت خضر علیہ السلام سے ملاقات | 160/7 |
| 24 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا حضرت خضر علیہ السلام سے حصول علم کی درخواست کرنا | 174/7 |
| 25 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی درخواست میں ادب کی وجوہ | 175/7 |
| 26 | حضرت خضر علیہ السلام کا تعلیم دینے سے احتراز کرنا | 176/7 |
| 27 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی انصاف پسندی | 181/7 |
| 28 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا مقرب ہونا | 279/7 |
| 29 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا قصہ ذکر کرنا | 345/7 872/7 |
| 30 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا مدین روانہ ہونا | 345/7 |
| 31 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا آگ کو دیکھنا | 346/7 |
| 32 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا ندا کو سننا | 347/7 |
| 33 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو نعلین اتارنے کا حکم | 348/7 |
| 34 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو منصب نبوت پر فائز کرنا | 354/7 |
| 35 | فرعون کی طرف جانے کا حکم | 363/7 |
| 36 | سانپ سے ڈرنا | 361/7 |
| 37 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی زبان میں گرہ | 366/7 |
| 38 | وزارت کے لیے بھائی کی تخصیص | 367/7 |
| 39 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی دعائیں | 368،369/7 |
| 40 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے صندوق کی دریا میں سلامتی | 370/7 |
| 41 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو فرعون کے گھر پہنچانا | 370/7 |
| 42 | فرعون کے دل میں حضرت موسیٰ علیہ السلام کی محبت | 371/7 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 43 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی ماں پر ان کی آنکھیں ٹھنڈی کرنے کا احسان | 371/7 |
| 44 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو فرعون سے نجات | 372/7 |
| 45 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی آزمائشیں | 373/7 |
| 46 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو مدین میں پناہ | 373/7 |
| 47 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو منصب رسالت دینا | 374/7 |
| 48 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو عصا اور ید بیضا دیا جانا | 375/7 |
| 49 | فرعون کے ساتھ نرمی سے کلام کرنا | 375/7 |
| 50 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا فرعون سے خوفزدہ ہونا | 377/7 |
| 51 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی دلیل سے فرعون کا پریشان ہونا | 381/7 |
| 52 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی لاٹھی کا غالب آنا | 395/7 |
| 53 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا رات کے وقت بنی اسرائیل کو لے کر روانہ ہونا | 405,406<br>7 |
| 54 | طور کی دائیں جانب جانا | 410/7 |
| 55 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا عجلت کے ساتھ جانا | 415/7 |
| 56 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی قوم کا بچھڑے کی عبادت کرنا | 417/7 |
| 57 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا واقعہ سنانے کی حکمت | 293/8 |
| 58 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے مخالفین کا زیادہ قوی ہونا | 293/8 |
| 59 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا سوال کرنا | 294/8 |
| 60 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی طرف ذنب کی نسبت | 296/8 |
| 61 | حضرت موسیٰ علیہ السلام پر ناشکری کا الزام | 296/8<br>298/8 |
| 62 | منصب نبوت عطا فرمانا | 297/8 |
| 63 | سورۃ النمل کے قصص میں سے حضرت موسیٰ علیہ السلام کا پہلا قصہ | 564/8 |
| 64 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا قبطی کو گھونسا مار کر ہلاک کرنا | 582/8 |
| 65 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے عصا کے علاوہ دیگر معجزات | 583/8 |
| 66 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی ماں کی طرف وحی | 774/8 |
| 67 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی ولادت کے سلسلے میں ارشادات | 774/8<br>777/8 |
| 68 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی ماں کا نام | 776/8 |
| 69 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی ماں کے دل کے خالی ہونے کے محامل | 778/8 |
| 70 | دوسری عورتوں کا دودھ نہ پینے کی وجوہ | 779/8 |
| 71 | اکثر لوگوں کے نہ جاننے کے محامل | 779/8 |
| 72 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو حکم اور علم دینے کا معنی | 786/8 |
| 73 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی بہن کے فضائل اور ان کا جنت میں ہمارے نبی ﷺ کے نکاح میں ہونا | 780/8 |
| 74 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے شہر میں دخول کے وقت لوگوں کا غافل ہونا | 787/8 |
| 75 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے قول ''میں مجرموں کا مددگار نہیں بنوں گا'' کی تشریح | 789/8 |
| 76 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا ایک اسرائیلی کو کھلا ہوا گمراہ کہنے کی وجہ | 790/8 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 77 | اسرائیلی نے حضرت موسیٰ علیہ السلام کو جبار کیوں کہا؟ | 790/8 |
| 78 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا مدین پہنچنا | 792/8 |
| 79 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا حضرت شعیب علیہ السلام کے گھر جانا | 793/8 |
| 80 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو عصا دیا جانا | 799/8 |
| 81 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے کلام اللہ سننے کی کیفیت | 803/8 |
| 82 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو کلیم اللہ کہنے کی خصوصیت | 804/8 |
| 83 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے دو معجزے | 810/8 |
| 84 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو معجزات سے تسلی دے کر فرعون کی طرف بھیجنا | 811/8 |
| 85 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا فرعون کے دربار میں اللہ کا پیغام پہنچانا | 812/8 |
| 86 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا جادوگروں کو رسیاں اور لاٹھیاں پہلے ڈالنے کا حکم دینا | 309/8 |
| 87 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا سانپوں کو دیکھ کر خوفزدہ ہونا | 309/8 |
| 88 | سمندر پر عصا مارنے میں حضرت موسیٰ علیہ السلام کے معجزات | 324/8 |
| 89 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا قصہ | 949/9 |
| 90 | حضرت موسیٰ علیہ السلام وحضرت آدم علیہ السلام کا مباحثہ | 967/9 |
| 91 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی دعا کے اسرار ورموز | 345/10 |
| 92 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی پیش گوئی کے بعض حصہ کا پورا نہ ہونا | 352/10 |
| 93 | حضرت یوسف علیہ السلام اور حضرت موسیٰ علیہ السلام کے زمانہ کے کافروں میں مماثلت | 354/10 |
| 94 | حضرت موسیٰ علیہ السلام اور بنی اسرائیل کی دنیا میں نصرت | 382/10 |
| 95 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے قصہ کو بیان کرنے کے مقاصد وفوائد | 691/10 |
| 96 | حضرت موسیٰ علیہ السلام اور قوم فرعون کا ماجرہ | 765/10 |
| 97 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کو دی ہوئی اذیتوں کی تفصیل | 866/11 |
| 98 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا مختصر قصہ | 595/11 |
| 99 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کے واقعہ میں اللہ کی نشانیاں | 382/11 |
| 100 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا فرعون کے ساتھ معرکہ کا قصہ | 553/12 |
| **95** | **مؤاخذہ** | |
| 1 | دل کے افعال پر مواخذہ | 1024/1 |
| 2 | تکلیف مالایطاق | 1027/1 |
| 3 | خطاء نسیان اور جو کام جبراً کرائے جائیں ان پر مواخذہ | 1030/1 |
| 4 | ہم اور عزم کی تحقیق | 1023/1 |
| 5 | خواطر قلب کی تکلیف کا منسوخ ہونا | 1022/1 |
| 6 | فرائض وواجبات کے ترک پر مواخذہ | 333/4 |
| **96** | **مویشی** | |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | دیکھئے "1: جانور" صفحہ 100 | |
| 97 | مولوی | |
| 1 | مولیٰ کا معنی | 115/12 |
| 2 | لفظ مولوی کا معنی اور اس کے مواضع استعمال | 116/12 |
| 98 | موالات | |
| 1 | کفار سے موالات کی ممانعت میں قرآن کی آیات | 843/11 |
| 2 | کفار سے موالات صوری اور مجرد معاملہ کرنے کا شرعی حکم | 843/11 |
| 3 | موالات ہر کافر سے حرام ہے | 843/11 |
| 4 | موالات صوریہ کے احکام | 843/11 850/11 |
| 5 | مجرد معاملات کا حکم | 844/11 |
| 6 | موالات کی تقسیم اور اس کے احکام | 849/11 |
| 7 | میل طبعی کا حکم | 849/11 |
| 8 | حربی غیر معاھد سے موالات کی حالی صورت بھی حرام ہے | 851/11 |
| 9 | یہود کے ساتھ دوستی رکھنے کی ممانعت | 860/11 |
| 99 | مہر | |
| 1 | مہر مقرر کرنا اسلام کی خصوصیت ہے | 567/2 |
| 2 | مہر ادا کرنا یا نہ کرنا | 568/2 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کی ازواج کا مہر | 568/2 |
| 4 | رسول اللہ ﷺ کی صاحبزادیوں کا مہر | 569/2 |
| 5 | قرآن اور مہر | 570/2 |
| 6 | حدیث اور مہر | 570/2 |
| 7 | مہر کی مقدار میں فقہاء کا اختلاف | 571-578/2 |
| 8 | مہر کی اکثر مقدار | 614/2 |
| 9 | حضرت عمر رضی اللہ عنہ کا زیادہ مہر رکھنے سے منع کرنا | 614/2 |
| 10 | خلوت صحیحہ کی وجہ سے کامل مہر کا وجوب | 616/2 |
| 11 | باپ کی منکوحہ سے بیٹا کا نکاح | 617-619/2 |
| 12 | مہر کا مال ہونا | 630/2 |
| 13 | خدمت اور کسی کام کو مہر قرار دینا | 797/8 |
| 14 | خلوت صحیح سے مہر کا واجب ہونا | 511/9 |
| 15 | خلوت صحیحہ کی تعریف | 513/9 |
| 16 | بغیر مہر کے محض ہبہ سے کوئی خاتون عام مسلمانوں کے لیے جائز نہیں ہے | 516/9 |
| 17 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی ازواج کا مہر | 515/9 |
| 100 | مہمان نوازی | |
| 1 | اسلام میں مہمان نوازی کی حیثیت | 586/5 |
| 2 | مہمان نوازی کے متعلق احادیث | 587/5 |
| 3 | مہمان نوازی کے متعلق مذاہب فقہاء | 587/5 |
| 4 | مہمان نوازی کے وجوب کے متعلق احادیث | 588/5 |
| 5 | مہمان نوازی کے وجوب کے دلائل کے جوابات | 588/5 |
| 101 | مؤمن | |
| 1 | مومنوں کو ظلمات سے نکالنا | 937/1 |
| 2 | مومن کے نور کی مثال | 939/1 |
| 3 | مومن کے نزدیک محبوبین کے مدارج | 625/1 |
| 4 | مومن کے زندہ ہونے کی مثال | 644/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 5 | عہد رسالت میں مؤمنین کی چار قسمیں | 707/4 |
| 6 | میں یقیناً مومن ہوں یا میں انشاء اللہ مومن ہوں کہنا | 551-553/4 |
| 7 | مومن کیلئے مصیبت اور راحت دونوں کا خیر ہونا | 509/5 |
| 8 | شریعت میں مومن کی تکریم اور کافر کی تذلیل مطلوب ہے | 530/5 |
| 9 | مؤمنوں کے اخروی احوال | 77/6 |
| 10 | بعض عصاۃ مومنین کا آیات وعید کے عموم سے مخصوص ہونا | 100/6 |
| 11 | مؤمن اور کھجور کے درخت میں وجوہ مشابہت | 179/6 |
| 12 | مؤمن کی پاکیزہ زندگی | 567/6 |
| 13 | مؤمن کی دنیا کی زندگی | 569/6 |
| 14 | یاایھا الذین کا خطاب صرف مومنوں کو شامل ہے | 803/7 |
| 15 | مومنوں کی تحسین کی وجہ | 883/7 |
| 16 | ہدایت وبشارت کو مومنوں کے ساتھ مخصوص کرنے کی وجہ | 551/8 |
| 17 | مومنوں پر قرآن کو تلاوت کرنے کی تخصیص کی وجہ | 771/8 |
| 18 | کن مومنین اہل کتاب کو دوگنا اجر ملے گا؟ | 823-826/8 |
| 19 | راحت ومصیبت میں مومن کے احوال | 192/9 |
| 20 | مومنوں کی جزاء کا ذکر | 235/9 |
| 21 | مؤمنوں کی جانوں اور مالوں پر حضور ﷺ کو تصرف کا زیادہ اختیار ہے | 379/9 |
| 22 | مؤمنوں کی جانوں اور مالوں پر حضور ﷺ زیادہ زیادہ شفیق ہیں | 380/9 |
| 23 | ظالم، مقتصد اور سابق کی تفسیر | 682-690/9 |
| 24 | آخرت میں مومنوں سے غم دور کرنا | 690/9 |
| 25 | مومنوں کے متعلق اللہ کی بشارتیں | 881/9 |
| 26 | مومن کا اپنے واقف کافر کو دوزخ میں دیکھنا | 886/9 |
| 27 | ''میں انشاء اللہ مومن ہوں'' یا ''میں بالیقین مومن ہوں'' کہنا | 490/10 |
| 28 | مؤمنوں کے مصائب کا ان کیلئے کفارۂ ذنوب ہونا | 607/10 |
| 29 | مؤمنوں کی عزت کا معنی | 906/11 |
| 30 | مومنوں کو دین کی مدد کرنے کا حکم دینا | 872/11 |
| 31 | مؤمنوں کو ہدایت اور تقویٰ کی ترغیب | 833/11 |
| 32 | قیامت کے دن مومنوں کے نور کی مختلف مقدار | 725/11 |
| 33 | قیامت کے دن مومنوں اور منافقوں کا معاملہ | 726/11 |
| 34 | ہر مؤمن کا صدیق اور شہید ہونا | 728/11 |
| 35 | ہر مؤمن کے شہید ہونے کی وجوہ | 728/11 |
| 36 | مؤمنوں کے لیے بشارتیں | 665/11 |
| 37 | مؤمن ایک دوسرے کے بھائی ہیں | 291/11 |
| 38 | مؤمنین صالحین کے لیے بشارت | 798/12 |
| 39 | فساق مؤمنین کے متعلق اہل سنت کا موقف | 790/12 |
| 40 | کامل مؤمنین کا ارذل عمر سے محفوظ رہنا | 872/12 |
| 41 | مؤمنین صالحین کی فرشتوں پر فضیلت | 911-916/12 |
| 42 | مؤمنین صالحین کو جزاء میں دائمی جنت عطا کرنا | 919/12 |
| 43 | مؤمنین صالحین اور مؤمنین تائبین کو ایک سے زائد جنت عطا فرمانا | 920/12 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 44 | مؤمنین کا آخرت میں اجر وثواب | 709/12 |
| 45 | قیامت کے دن مؤمنوں کا اپنی رب کے دیدار سے شاد کام ہونا | 628/12 |
| 46 | مؤمنوں کے چہروں کی آخرت میں کیفیات | 583/12 |
| 102 | **سورۃ المؤمنون** | |
| 1 | سورۃ کا نام، وجہ تسمیہ اور اس کی فضیلت | 835/7 |
| 2 | سورۃ المؤمنون کا زمانۂ نزول | 836/7 |
| 3 | سورۃ المؤمنون اور سورۃ الحج کی باہمی مناسبت | 837/7 |
| 4 | سورۃ المؤمنون کے اہداف ومقاصد | 838/7 |
| 5 | سورۃ المؤمنون کی ابتداء وانتہاء میں مناسبت | 921/7 |
| 6 | اختتامی کلمات | 922/7 |
| 103 | **سورۃ المؤمن** | |
| 1 | سورۃ کا نام مع وجہ تسمیہ | 311/10 |
| 2 | المؤمن اور دیگر الحوامیم کے متعلق احادیث | 311/10 |
| 3 | سورۃ المؤمن کی سورۃ الزمر سے مناسبت | 312/10 |
| 4 | سورۃ المؤمن کے مشمولات | 312/10 |
| 5 | سورۃ المؤمن کا اختتام | 426/10 |
| 104 | **میت** | |
| 1 | دفن سے پہلے اور دفن کے بعد میت کو دوسری جگہ منتقل کرنا | 872/5 |
| 2 | گھر والوں کے رونے سے میت کو عذاب | 660/6 |
| 105 | **میقات** | |
| 1 | میقات کا معنی اور کسی کام کی مدت مقرر کرنا | 292/4 |
| 2 | شمسی اور قمری تاریخ مقرر کرنے کا ضابطہ | 293/4 |
| 106 | **میثاق** | |
| 1 | بنو آدم سے میثاق لینا | 410/4 |
| 2 | میثاق لینے کا مقام | 411/4 |
| 3 | کیا یہ میثاق کسی کو یاد ہے؟ | 412/4 |
| 4 | میثاق کے محامل | 717/11 |
| 107 | **میزان** | |
| 1 | اعمال کے وزن کے متعلق مذاہب علماء | 46/4 |
| 2 | قرآن سے میزان کا ثبوت | 47/4 |
| 3 | احادیث وآثار سے میزان کا ثبوت | 47/4 |
| 4 | آیا صرف مسلمانوں کا اعمال کا وزن ہوگا یا کافروں کے اعمال کا بھی؟ | 50/4 |
| 5 | میزان میں اعمال کا وزن کرنا | 591/7 |
| 6 | میزان میں وزن کرنے کے متعلق احادیث | 592/7 |
| 7 | میزان میں وزن کرنے کی حکمتیں | 593/7 |
| 8 | میزان کے خطرہ سے حقوق العباد کی ادائیگی | 594/7 |
| 9 | وزن کیے جانے والوں کی تین اقسام | 595/7 |
| 10 | موازین کے محامل | 914/7 |
| 11 | میزان کا لغوی وشرعی معنی | 572/10 |
| 12 | میزان کے متعلق مفسرین کے اقوال | 607/11 |
| 13 | وزن صحیح کرنے کے حکم کے تکرار کی توجیہ | 607/11 |
| 14 | اعمال اور ان کی کیفیات کی وزن پر ایک اشکال کا جواب | 608/11 |
| 15 | کفار اور مؤمنین کے اعمال کے وزن کی کیفیت | 952-953/12 |
| 108 | **میلادِ رسول ﷺ** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | محفل میلاد ایک بدعت حسنہ ہے | 369/3 |
| 2 | یوم میلاد النبی ﷺ کا عید ہونا | 67/3 |
| **109** | **میانہ روی** | |
| 1 | عبادات و معاملات میں میانہ روی | 275/3 |
| 2 | میانہ روی کے متعلق احادیث | 703/6 |
| 3 | اسلام میں میانہ روی کی تاکید | 271/8 |
| 4 | معتدل لوگوں کا بیان | 283/9 |

## ن

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **نام** | |
| 1 | غلط طریقہ سے نام لینا اور نام بگاڑنے کی مذمت | 492/4 |
| 2 | بچوں کا نام رکھنے کی تحقیق | 492/4 |
| 3 | پسندیدہ اور ناپسندیدہ نام | 492/4 |
| 4 | عبدالنبی نام رکھنا | 493/4<br>131/8 |
| 5 | قیامت کے دن انسان کو ماں، باپ میں سے کس کی طرف منسوب کرکے پکارا جائے گا؟ | 495/4 |
| 6 | محمد نام رکھنے کی فضیلت | 497/4 |
| 7 | منہ بولے بیٹوں کو ان کے اصل باپ کے نام سے پکارنے کا حکم | 375/9 |
| **2** | **سورۃ الناس** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 1052/12 |
| 2 | سورۃ الناس کی تکمیل | 1055/12 |
| **3** | **ناپ تول** | |
| 1 | ناپ تول میں کمی کرنے کی ممانعت | 606/5 |
| 2 | ناپ تول میں کمی کرنے والوں کے متعلق احادیث | 619/12 |
| 3 | ناپ تول میں کمی کرنے والوں کو ملامت | 620/12 |
| **4** | **سورۃ النباء** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 499/12 |
| 2 | سورۃ المرسلات اور سورۃ النباء میں مناسبت | 499/12 |
| 3 | سورۃ النباء کے مشمولات | 500/12 |
| 4 | سورۃ النباء کا اختتام | 539/12 |
| 5 | عم یتساء لون کی لفظی تحقیق | 502/12 |
| 6 | عظیم خبر سے مراد | 503-505/12 |
| 7 | کلا سیعلمون کو دوبارہ ذکر کرنے کے فوائد | 506/12 |
| **5** | **نبوت / نبی** | |
| 1 | نبی اور رسول کی تعریف | 587/1 |
| 2 | نبی اور رسول کو مبعوث کرنے کی حکمتیں | 588/1 |
| 3 | نبی کی شرائط | 589/1 |
| 4 | ہر نبی کا پیدائشی نبی ہونا یا نہ ہونا | 589/1 |
| 5 | نبیوں، رسولوں، کتابوں اور صحیفوں کی تعداد | 590/1 |
| 6 | نبوت کا وہبی ہونا | 701/2 |
| 7 | نبی کی تعریف | 719/2 |
| 8 | علم نبوت پر اعتراض اور اس کا جواب | 879/2 |
| 9 | آپ علیہ السلام کی نبوت پر اللہ کی شہادت | 883/2 |
| 10 | حصول نبوت کا معیار | 646/3 |
| 11 | حکماء کے نزدیک استحقاق نبوت کی صفات اور ان کا رد | 646/3 |
| 12 | اہل حق کے نزدیک ثبوت نبوت کا منشاء | 647/3 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 13 | نبی کی صفات لازمہ | 647/3 |
| 14 | نبی کا معنی | 356/4 |
| 15 | قرآن وسنت میں نبی پرامی کا اطلاق | 356/4 |
| 16 | آپ ﷺ کی نبوت کے صدق پر دلائل | 364/5, 342/5, 322/5, 339/5, 125/5, 144/5 |
| 17 | آپ ﷺ کی نبوت پر مشرکین کا تعجب اور اس کا ازالہ | 323/5 |
| 18 | نبوت کے متعلق مشرکین کے شبہ کا ازالہ | 878/5 |
| 19 | نبی کے بشر ہونے کی حقیقت | 524/5 |
| 20 | نبی کی خصوصیات | 525/5 |
| 21 | قوت باصرہ | 525/5 |
| 22 | قوت سامعہ، قوت شامہ، قوت ذائقہ | 526/5 |
| 23 | قوت لامسہ | 527/5 |
| 24 | فرشتہ کو نبی نہ بنانے کی وجوہ | 527/5 |
| 25 | نبی کو شیطان کے بھلانے کی توجیہ | 767/5 |
| 26 | نبی ﷺ کے نسیان کی تحقیق | 768/5 |
| 27 | نسیان اور سہو کا فرق | 768/5 |
| 28 | افعال تبلیغیہ میں سہو اور نسیان کا جواز اور اقوال تبلیغیہ میں سہو اور نسیان کا عدم جواز | 769/5 |
| 29 | جن خصوصیات کی بناء پر انبیاء نبی بنائے گئے | 158/6 |
| 30 | انبیاء کی نبوت میں کفار کے شبہات | 158/6 |
| 31 | نبی کا منصب ایمان کا راستہ دکھانا ہے | 42/7 |
| 32 | نبی کی اتباع تقلید نہیں | 283/7 |
| 33 | نبی کا لغوی واصطلاحی معنی | 279/7 |
| 34 | بشر ہونا نبوت کے منافی نہیں | 517/7 |
| 35 | آپ ﷺ کی نبوت پر کفار مکہ کے چھ اعتراضات | 521/7 |
| 36 | نبیوں اور رسولوں کی تعداد | 818/8 |
| 37 | نبی کو نبوت کب ملتی ہے؟ | 783-786/8 |
| 38 | حضور ﷺ کی نبوت پر دلائل | 817/8 |
| 39 | نبی ﷺ کو ندا کرنے کی توجیہ | 356/9 |
| 40 | نبی کا لغوی واصطلاحی معنی | 357/9 |
| 41 | نبی ﷺ کو نام کے بجائے صفات کے ساتھ ندا کرنا | 357/9 |
| 42 | علامہ غلام رسول سعیدی صاحب کے نزدیک نبی ﷺ نام اور صفات دونوں کے ساتھ ندا کرنے کا جواز | 358/9 |
| 43 | نبیوں کی تعداد کی تحقیق | 418/10 |
| 44 | جن نبیوں کا قرآن میں اشارتاً اور صراحتاً نام موجود ہے | 420/10 |
| 45 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نبوت پر ایک اعتراض کا جواب | 590/10 |
| 46 | عالم ارواح میں آپ ﷺ کی نبوت کا معنی | 86/11 |
| 47 | بعثت سے قبل حضور ﷺ کو اپنی نبوت کا علم | 86/11 |
| 48 | نبی کا معنی | 741/11 |
| 49 | حضور ﷺ کی نبوت کے ثبوت میں ۱۸۰۰۰ سے زائد معجزات ہیں | 456/11 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 50 | رسول اللہ ﷺ کو بچپن میں نبوت عطا کیا جانا | 842/12<br>851/12 |
| 51 | رسول اللہ ﷺ کا اعلان نبوت سے قبل ولی ہونا | 845/12 |
| 52 | رسول اللہ ﷺ کو عالم ارواح میں نبوت ملنا | 847-851/12 |
| 53 | نبیوں کی تعداد کی تحقیق | 702/12 |
| 6 | **نجات** | |
| 1 | نجات کا مدار اللہ کے فضل پر ہے نہ کہ اعمال پر | 317/1 |
| 2 | نجات کے لیے فقط کسی دین کی طرف منسوب ہونا | 415/1 |
| 7 | **نجات از جہنم طلب کرنا** | |
| 1 | امام رازی کا نظریہ | 414/2 |
| 2 | امام غزالی کا نظریہ | 415/2 |
| 3 | مصنف تبیان القرآن کا نظریہ | 416/2 |
| 4 | قرآن مجید کی آیات | 416/2 |
| 5 | احادیث طیبہ | 416/2 |
| 6 | دوزخ سے نجات اور جنت کا حصول طلب کرنا اخلاص کی منافی نہیں | 418/2 |
| 8 | **سورۃ النّٰزعٰت** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 540/12 |
| 2 | سورۃ النّٰزعٰت اور سورۃ النباء میں مناسبت | 540/12 |
| 3 | سورۃ النّٰزعٰت کے مشمولات | 540/12 |
| 4 | سورۃ النّٰزعٰت کا اختتام | 565/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 9 | **نجاشی** | |
| 1 | نجاشی کا قبول اسلام | 269/3 |
| 2 | مسلمانوں کا حبشہ ہجرت کرنا | 269/3 |
| 3 | حضرت جعفر رضی اللہ عنہ کا نجاشی کے دربار میں اسلام کا تعارف کرانا | 270/3 |
| 10 | **نجومی** | |
| 1 | غیب کی باتیں دریافت کرنا | 57/3 |
| 2 | ازلام کا معنی | 57/3 |
| 3 | قرائن کی بناء پر مستقبل کے ظنی ادراک | 60/3 |
| 4 | کاہن کا معنی اور اس کے متعلق احادیث | 513/8 |
| 5 | کاہنوں کی اقسام | 513/8 |
| 6 | نجومیوں سے سوال کی ممانعت | 514/8 |
| 11 | **سورۃ النجم** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور اس کے متعلق احادیث | 470/11 |
| 2 | سورۃ النجم کے اہداف واغراض | 472/11 |
| 3 | النجم کے معانی ومحامل | 475/11 |
| 4 | سورۃ النجم کا اختتام | 573/11 |
| 12 | **سورۃ النحل** | |
| 1 | سورۃ کا نام، وجہ تسمیہ اور زمانہ نزول | 347/6 |
| 2 | سورۃ النحل کے متعلق احادیث | 347/6 |
| 3 | سورۃ النحل کے مضامین ومقاصد | 348/6 |
| 4 | سورۃ النحل کی ابتداء عذاب کی وعید سے | 350/6 |
| 5 | سورۃ النحل کے اختتامی کلمات | 607/6 |
| 13 | **نحوست** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | دیکھئے "24: شگون" صفحہ 155 | |
| **14** | **ندائے یا رسول ﷺ** | |
| 1 | ندائے یا محمد ﷺ پر اعتراض کے جوابات | 193/8 |
| 2 | ندائے یا محمد ﷺ کا ثبوت | 194-496 / 8 |
| **15** | **نذر (منت)** | |
| 1 | نذر کا معنی واقسام | 965/1 |
| 2 | نذر صحیح اور نذر باطل | 966/1 |
| 3 | نذر کے احکام | 741/7 |
| 4 | نذر کا لغوی و اصطلاحی معنی اس کی شرائط اور اس کا شرعی حکم | 740/7 |
| 5 | نذر کے احکام کے متعلق احادیث | 741/7 |
| 6 | نذر پورا نہ کرنے والوں پر وعید | 865/11 |
| 7 | نذر کا لغوی واصطلاحی معنی | 434/12 |
| 8 | نذر کے شرعی احکام | 434/12 |
| **16** | **نسخ** | |
| 1 | نسخ کی تحقیق مع لغوی وشرعی معنی | 79/1 504/1 |
| 2 | نسخ کے بارے میں مذاہب | 70/1 |
| 3 | نسخ کے وقوع پر قرآن سے استدلال | 74/1 |
| 4 | ثبوت نسخ کے ذرائع | 74/1 |
| 5 | قرآن مجید کی منسوخہ آیات | 74/1, 484/1 |
| 6 | احکام شرعیہ کو منسوخ کرنے کی حکمتیں | 79/1 |
| 7 | نسخ القرآن بالسنہ | 80/1 |
| 8 | نسخ السنہ بالقرآن | 84/1 |
| 9 | نسخ السنہ بالسنہ | 85/1 |
| 10 | تناسخ اور تماسخ | 422/1 |
| 11 | نسخ اور بداء کا فرق | 481/1 |
| 12 | نسخ اور تخصیص | 483/1 |
| 13 | نسخ اور تقیید | 483/1 |
| 14 | خبر کا منسوخ ہونا یا نہ ہونا | 482/1 |
| 15 | عرف اور تعامل کا بدلنا نسخ نہیں ہے | 484/1 |
| 16 | نسخ کی وجہ سے کفار کے اعتراض کا جواب | 575/6 |
| 17 | سنت سے قرآن کا منسوخ نہ ہونا | 575/6 |
| 18 | نسخ کا لغوی و اصطلاحی معنی | 222/11 |
| **17** | **سورۃ النساء** | |
| 1 | زمانہ نزول اور وجہ تسمیہ | 541/2 |
| 2 | سورۃ النساء کے فضائل | 541/2 |
| 3 | سورۃ النساء کی سورۃ البقرہ کے ساتھ مناسبت | 542/2 |
| 4 | سورۃ النساء کے مضامین کا خلاصہ | 543/2 |
| 5 | سورۃ النساء کے اول وآخر میں مناسبت | 894/2 |
| 6 | سورۃ النساء کے اختتامی کلمات اور دعا | 894/2 |
| **18** | **نسیان** | |
| 1 | شیطان کے لیے نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کو نسیان میں مبتلا کرنا ناممکن ہے | 529/3 |
| 2 | انبیاء علیہم السلام کا نسیان | 530/3 |
| 3 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کا سہو اور نسیان | 531/3 |
| 4 | نسیان کا لغوی و اصطلاحی معنی | 90/7 |
| 5 | رسول اللہ ﷺ کی طرف نسیان کی نسبت | 91/7 |
| 6 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کی طرف نسیان کی نسبت | 152/7 |



marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | بھول کی وجہ سے مواخذہ | 179/7 |
| 8 | نسیان کے دو معنی | 331/9 |
| 19 | نسب | |
| 1 | نیک اعمال کے بغیر نسب کا غیر مفید ہونا | 87/6 |
| 2 | حضرت آدم علیہ السلام تک نسب بیان کرنا | 153/6 |
| 3 | نسب کا معنی اور اس کی تحقیق | 254/8 |
| 4 | نسب پر اعتماد کرنا | 467/8 |
| 5 | خود کو اپنے باپ کے غیر کی طرف منسوب کرنا | 378/9 |
| 20 | نسبت | |
| 1 | حسن اور عیب کی نسبت | 192/7 |
| 2 | مسلمانوں اور کافروں کے درمیان عددی نسبت | 709/7 |
| 3 | عیب اور حسن کی نسبت | 339/8 |
| 21 | نشانی | |
| 1 | سمندر میں رواں دواں کشتیوں میں اللہ تعالیٰ کی صفات کی نشانیاں | 610/10 |
| 2 | سب سے بڑی نشانی کے متعلق متعدد اقوال | 554/12 |
| 22 | نصب | |
| 1 | نصب کا معنی اور اس کا شرعی حکم | 57/3 |
| 23 | سورۃ النصر | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 1018/12 |
| 2 | اذا جاء نصر اللہ سے رسول اللہ ﷺ کی مدت حیات پوری ہونے پر استدلال | 1019/12 |
| 3 | سورۃ النصر کے نزول کے بعد رسول اللہ ﷺ کا بکثرت حمد اور تسبیح و استغفار کرنا | 1021/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | سورۃ النصر کی تفسیر کی تکمیل | 1026/12 |
| 5 | فتح سے مراد فتح مکہ | 1019/12 |
| 24 | نصاریٰ | |
| 1 | نصاریٰ کے تین فرقے | 873/11 |
| 25 | نصیحت | |
| 1 | اللہ کے لیے نصیحت کا معنی | 226/5 |
| 2 | کتاب اللہ کے لیے نصیحت کا معنی | 226/5 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کے لیے نصیحت کا معنی | 226/5 |
| 4 | ائمہ مسلمین کے لیے نصیحت کا معنی | 226/5 |
| 5 | عام مسلمانوں کے لیے نصیحت کا معنی | 227/5 |
| 6 | حق، نصیحت اور عبرت میں فرق | 655/5 |
| 7 | توحید، رسالت اور آخرت کی نصیحت کا باہمی رابطہ | 639/9 |
| 8 | حق اور صبر کی نصیحت کے محامل | 972/12 |
| 9 | رسول اللہ ﷺ کا لوگوں کو نصیحت کرنا | 695-696/12 |
| 10 | کونسی نصیحت سابقہ صحیفوں میں مذکور ہے؟ | 701/12 |
| 26 | نطفہ | |
| 1 | نطفہ کا معنی | 431/12<br>423/12 |
| 2 | نطفہ کے اختلاط میں متعدد اقوال | 431/12 |
| 27 | نظر لگنا | |
| 1 | نظر لگنے کے متعلق احادیث | 814/5 |
| 2 | نظر بد میں مذاہب اور اس کے متعلق شرعی احکام | 815/5 |
| 3 | نظر بد کی تاثیرات کی تحقیق | 816/5 |
| 28 | نعمت | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | آخرت کی نعمتوں کا دنیوی نعمتوں سے افضل ہونا | 84/2 |
| 2 | وصول نعمت میں عوام وخواص کا فرق | 560/5 |
| 3 | نعمتیں عطاء فرمانے کے بعد ان سے استفادہ کی توفیق عطاء کرنا | 568/5 |
| 4 | نعمت کی ناقدری کرنے والوں سے اللہ کا نعمت واپس لینا | 61/6 |
| 5 | اللہ تعالیٰ کی غیر متناہی نعمتیں | 192/6 |
| 6 | سورج، چاند اور دن رات کے تواتر میں اللہ کی نعمتیں | 366/6 |
| 7 | سمندر میں اللہ تعالیٰ کی نعمتیں | 368/6 |
| 8 | اللہ تعالیٰ کی نعمتوں کا عموم | 381/6<br>526/6 |
| 9 | اللہ تعالیٰ کا کافروں کو بھی نعمتیں عطا کرنا | 381/6 |
| 10 | اخروی نعمتوں کا دنیاوی نعمتوں سے موازنہ | 566/6 |
| 11 | اللہ کی عظیم نعمتیں | 892/7 |
| 12 | نعمتوں کے بہتات کی وجہ سے کفر وشرک کرنا | 223/8 |
| 13 | اللہ کی نعمتوں کا اظہار کرنا | 727/8 |
| 14 | والدین کی نعمتوں کا بھی نعمت ہونا | 645/8 |
| 15 | کھلانے پلانے کی نعمت میں لپٹی ہوئی بے شمار نعمتیں | 335/8 |
| 16 | اللہ تعالیٰ کے پیدا کرنے اور پرورش کرنے کی نعمت کا بیان | 335/8 |
| 17 | ظاہری اور باطنی نعمتوں کی تفصیل | 272/9 |
| 18 | اللہ کی نعمت کو یاد کرنا اور اس کا شکر ادا کرنا | 653/9 |
| 19 | بنیادی ضروریات اور سہولت وتعیش کی نعمتیں | 774/9 |
| 20 | انسانوں کو کشتی کے ذریعے سفر کی سہولت عطا کرنے کی نعمت | 777/9 |
| 21 | اللہ کی نعمتیں اور ان کا شکر ادا کرنے کا طریقہ | 836/9 |
| 22 | اللہ تعالیٰ کی انسان پر تین قسم کی نعمتیں | 409/10 |
| 23 | زمین کے پیدا کرنے میں بندوں کے لیے نعمتیں | 658/10 |
| 24 | بحری جہازوں کا سمندر میں چلنا اللہ کی کن نعمتوں پر موقوف ہے؟ | 797/10 |
| 25 | آسمانوں اور زمینوں میں اللہ تعالیٰ کی نعمتیں | 797/10 |
| 26 | اللہ تعالیٰ کی نعمتوں میں غور وفکر کرنے کے متعلق احادیث | 798/10 |
| 27 | بنو اسرائیل کو دی گئی نعمتیں | 800/10 |
| 28 | شہداء اور صالحین کے لیے آخرت میں نعمتیں | 138/11 |
| 29 | آخرت کی تمام نعمتوں کا حقیقی سبب اللہ کا فضل اور اس کی رحمت ہے | 660/11 |
| 30 | انسان اور جنت کی تخلیق کے اعتبار سے ان پر نعمت | 614/11 |
| 31 | دو مشرق اور دو مغرب بنانے میں انسانوں پر اللہ تعالیٰ کی نعمت | 615/11 |
| 32 | دو سمندروں کو ملانے میں اللہ تعالیٰ کی نعمت | 615/11 |
| 33 | موتی اور مونگے نکالنے میں اللہ تعالیٰ کی نعمت | 616/11 |
| 34 | سطح سمندر پر جہاز چلانے میں اللہ تعالیٰ کی نعمت | 616/11 |
| 35 | اللہ رب العزت کی دیگر کئی نعمتیں | 618-623/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 36 | اللہ تعالیٰ کی دی ہوئی نعمتیں | 754/12 |
| 37 | رب کی نعمتوں کو بیان کرنا چاہیے | 834/12 |
| 38 | رسول اللہ ﷺ کو کس نعمت کے بیان کا حکم دیا گیا؟ | 836/12 |
| 39 | رسول اللہ ﷺ کو ملنے والی چند نعمتیں | 838/12 |
| 40 | نعمتوں کے متعلق کس کس سے سوال کیا جائے گا؟ | 964-966/12 |
| 41 | زمین کو نرم اور مسخر بنانے میں اللہ تعالیٰ کی نعمتیں | 153/12 |
| 42 | اللہ تعالیٰ کی نعمتوں کا اعتراف کرنا | 159/12 |
| 43 | دنیا کی لذتوں کو آخرت کی نعمتوں پر ترجیح دینا | 700/12 |
| 44 | اخروی نعمتوں کا افضل ہونا | 701/12 |
| 45 | معاش کا نعمت ہونا | 510/12 |
| **29** | **نفس** | |
| 1 | نفس کے تقاضوں کو پورا کرنا | 285/3 |
| 2 | نفس مطمئنہ و نفس امارہ | 791/5 |
| 3 | نفس امارہ، نفس مطمئنہ اور نفس لوامہ | 790/6 |
| 4 | نفس کے تقاضے | 192/9 |
| 5 | نفس کا معنی | 270/10 |
| 6 | نفس اور روح کا ایک یا مغائر ہونا | 270-274/10 |
| 7 | ہر نفس کے مکمل حساب کی وضاحت | 299/10 |
| 8 | نفس مطمئنہ کو ندا کرنے والوں کے مصداق | 739/12 |
| 9 | نفس انسان کی اقسام | 740/12 |
| 10 | نفس مطمئنہ کا مصداق | 741/12 |
| 11 | نفس مطمئنہ کا اپنے رب کی طرف لوٹنا اور جنت میں داخل ہونا | 741-742/12 |
| 12 | نفس لوامہ کے مصداق میں متعدد اقوال | 403/12 |
| 13 | قیامت اور نفس لوامہ کی مناسبت | 404/12 |
| 14 | نفس انسان کی تین قسمیں | 404/12 |
| 15 | نفس کی تعریف اور اس کا مصداق | 405/12 |
| **30** | **نفل** | |
| 1 | نوافل کی جماعت کا شرعی حکم | 373/1 |
| 2 | مسلمان کا کسی مرض کی وجہ سے مقررہ نفلی عبادت نہ کرسکنا | 792/9 |
| 3 | تہجد اور رات کے نوافل پڑھنے کی فضیلت اور ان کی رکعات کی تعداد میں احادیث | 335/9 |
| **31** | **نفاق** | |
| 1 | نفاق کی علامات | 837/2 |
| 2 | نفاق کے عذاب سے نجات | 839/2 |
| 3 | نفاق کا لغوی و اصطلاحی معنی | 899/11 |
| **32** | **نفع وضرر** | |
| 1 | وہابی علماء کا نبی ﷺ کی ذات سے ضرر اور نفع پہنچانے کی مطلقاً نفی کرنا | 374/5 |
| 2 | آپ ﷺ سے نفع اور ضرر بالذات پہنچانے کی نفی کی گئی ہے نہ کہ مطلقاً | 375/5 |
| 3 | اللہ تعالیٰ کی عطاء سے نبی ﷺ کی نفع رسانی کے متعلق قرآن مجید کی آیات | 376/5 |
| 4 | اللہ تعالیٰ کی عطاء سے نبی ﷺ کی نفع رسانی کے متعلق احادیث | 377/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | لوگوں کو نقصان نہ پہنچانے اور فساد نہ کرنے کے محامل | 607/5 |
| **33** | **نفع رسانی** | |
| 1 | آخرت میں حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا اہل بیت ودیگر قرابت داروں کو نفع پہنچانا | 364/8 |
| 2 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی نفع وضرر کی نفی کی روایات | 465-466/8 |
| **34** | **نقصان** | |
| 1 | زیادہ نقصان سے بچنے کے لیے کم نقصان برداشت کرنا | 185/7 |
| 2 | مویشیوں کے کھیت کا نقصان کرنے کی تلافی | 623-626/7 |
| **35** | **نکاح** | |
| 1 | بغیر ولی عورت کا کیا ہوا نکاح | 842/1 |
| 2 | نکاح کی گرہ کا مالک | 853/1 |
| 3 | اہل کتاب سے نکاح | 783/1 |
| 4 | شوہر کے حق میں عقد نکاح کی ملکیت | 853/1 |
| 5 | مشرک عورتوں اور مردوں کے ساتھ مسلمانوں کا نکاح | 782/1 |
| 6 | نکاح کی ترغیب وفضیلت | 548/2 |
| 7 | نکاح کی حکمتیں اور فوائد | 550/2 |
| 8 | غیر کفو میں نکاح | 552/2 |
| 9 | کفو میں نکاح کی شرط | 554/2 |
| 10 | تعدد ازدواج پر اعتراض وجواب | 554/2 |
| 11 | چار بیویوں پر اقتصار کی وجہ | 556/2 |
| 12 | قبل از اسلام چار سے زیادہ کی ہوئی بیویاں | 556/2 |
| 13 | ٹیلی فون پر نکاح | 578/2 |
| 14 | بیویوں کے درمیان عدل | 578/2 |
| 15 | محرمات نکاح | 621/2 |
| 16 | غیر سید کا سیدہ فاطمیہ سے نکاح | 638/2 |
| 17 | باندیوں سے نکاح | 638/2 |
| 18 | شوہر کا بیوی کو خرچ اور طلاق نہ دینے پر عدالت کا اس کا نکاح فسخ کرنا | 662/2 |
| 19 | عدالت کے فسخ نکاح پر اعتراض کا جواب | 663/2 |
| 20 | بغیر نکاح کے باندیوں سے جنسی عمل کرنا | 855/7 |
| 21 | نکاح کا لغوی واصطلاحی معنی | 131/8 |
| 22 | نکاح کی فضیلت میں احادیث | 132/8 |
| 23 | نکاح کے شرعی حکم میں مذاہب فقہاء | 134/8 |
| 24 | جو شخص مجرد ہو وہ اپنی پاکیزگی برقرار رکھے | 136/8 |
| 25 | جن اور انسان کا آپس میں نکاح | 661-662/8 |
| 26 | لڑکی والوں کی طرف سے لڑکے کو نکاح کی پیشکش کرنا | 794/8 |
| 27 | منکوحہ کے تعین کے بغیر نکاح صحیح نہیں ہوتا | 796/8 |
| 28 | بالغ لڑکی کا نکاح اس کی اجازت کے بغیر صحیح نہیں ہے | 796/8 |
| 29 | حضرت زینب رضی اللہ عنہا بنت جحش کا غیر کفو میں نکاح ہونا | 452/9 |
| 30 | نکاح غیر کفو میں مذاہب ائمہ | 452/9 |
| 31 | نکاح غیر کفو سے متعلق احادیث | 453/9 |
| 32 | غیر ہاشمی اور غیر سید کا ہاشمیہ یا سیدہ سے نکاح | 454/9 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 33 | اہل کتاب کی عورتوں سے نکاح کرنے کی تفصیل | 509/9 |
| 34 | حضرت ام ہانی کو حضور علیہ السلام کا نکاح کا پیغام دینا | 514/9 |
| 35 | نکاح کی اجازت کے رشتوں میں اسلام کا متوسط حکم | 515/9 |
| 36 | جن خواتین نے اپنے آپ کو نبی علیہ السلام سے نکاح کیلئے پیش کیا | 515/9 |
| 37 | نکاح سے پہلے عورت کے چہرے کو دیکھنے کا جواز | 522/9 |
| 38 | ہجرت کر کے دارالسلام میں آنے والی مسلمان خاتون کے نکاح سابق کے انقطاع میں مذاہب ائمہ | 855-859 / 11 |
| **36** | **نگاہ** | |
| 1 | مردوں کو نیچی نگاہ رکھنے کے متعلق احادیث | 127/8 |
| 2 | عورتوں کو نیچی نگاہ رکھنے کے متعلق احادیث | 128/8 |
| **37** | **نماز** | |
| 1 | دیکھئے "19: صلوٰۃ (درود وسلام)" صفحہ 163 | |
| **38** | **نمرود** | |
| 1 | نمرود اور اس کی قوم کا عذاب سے ہلاک ہونا | 612/7 |
| **39** | **سورۃ النمل** | |
| 1 | سورۃ کا نام مع وجہ تسمیہ | 547/8 |
| 2 | سورۃ النمل اور سورۃ الشعراء کی باہمی مناسبت | 547/8 |
| 3 | سورۃ النمل کے مضامین ومقاصد | 547/8 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | سورۃ النمل کو قرآن اور کتاب مبین فرمانے کی وجہ | 551/8 |
| 5 | سورۃ النمل کا خاتمہ | 762/8 |
| **40** | **حضرت نوح علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت نوح علیہ السلام کی فضیلت وخاص ذکر | 125/2 |
| 2 | حضرت نوح علیہ السلام کا نام ونسب اور تاریخ ولادت | 190/4 |
| 3 | حضرت نوح علیہ السلام کی بعثت اور ان کا اول الرسل ہونا | 191/4 |
| 4 | حضرت نوح علیہ السلام کی تبلیغ | 192/4 |
| 5 | حضرت نوح علیہ السلام کی قوم پر طوفان کا عذاب | 193/4 |
| 6 | طوفان نوح اور کشتی کی بعض تفاصیل | 194/4 |
| 7 | حضرت نوح علیہ السلام کی عمر | 194/4 |
| 8 | قصہ نوح علیہ السلام نازل کرنے کے فوائد | 195/4 |
| 9 | حضرت نوح علیہ السلام کی رسالت پر قوم نوح کا تعجب | 196/4 |
| 10 | حضرت نوح علیہ السلام کا قصہ | 451/5 523/5 |
| 11 | حضرت نوح علیہ السلام کے قصے کو مقدم کرنے کی وجہ | 452/5 |
| 12 | حضرت نوح علیہ السلام سے ان کی قوم کی ناگواری کی وجوہ | 452/5 |
| 13 | حضرت نوح علیہ السلام کو تبلیغ دین میں کفار کا کوئی خوف تھا نہ ان سے کسی نفع کی توقع تھی | 452/5 |
| 14 | حضرت نوح علیہ السلام کی قوم کے کافروں کا انجام | 453/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 15 | حضرت نوح علیہ السلام کی قوم کے کافر سرداروں کے شبہات | 523/5 |
| 16 | تبلیغ دین پر اجر طلب نہ کرنے سے حضرت نوح علیہ السلام کا اپنی نبوت پر استدلال | 530/5 |
| 17 | مومنوں کو اپنی مجلس سے نہ نکالنے کی وجوہ | 530/5 |
| 18 | حضرت نوح علیہ السلام کے جوابات پر کفار کے اعتراضات | 533/5 |
| 19 | حضرت نوح علیہ السلام کا اپنی ذات سے اللہ کے خزانے اور علم غیب کی نفی کرنا اور اس کی توجیہ | 532/5 |
| 20 | کشتی بنانے کی کیفیت، اس کی مقدار اور اس کو بنانے کی مدت | 544/5 |
| 21 | کشتی بنانے کا مذاق اڑانے کی وجوہ | 545/5 |
| 22 | حضرت نوح علیہ السلام کا جواباً مذاق اڑانے کا محمل | 545/5 |
| 23 | تنور کا معنی اور اس کے مصداق کی تفصیل | 546/5 |
| 24 | حضرت نوح علیہ السلام کی کشتی میں سوار ہونے والوں کی تفصیل | 546/5 |
| 25 | حضرت نوح علیہ السلام کا اپنے بیٹے کو کافر ہونے کے باوجود کشتی کی طرف بلانے کی وجہ | 548/5 |
| 26 | جودی پہاڑ پر کشتی کا ٹھہرنا | 551/5 |
| 27 | ان بچوں اور جانوروں کا کیا قصور تھا جنہیں طوفان میں غرق کیا گیا؟ | 552/5 |
| 28 | حضرت نوح علیہ السلام کے بیٹوں کی تفصیل | 553/5 |
| 29 | منکرین عصمت کا حضرت نوح علیہ السلام پر اعتراض اور اس کا جواب | 554/5 |
| 30 | حضرت نوح علیہ السلام کے سوال کے متعلق امام رازی کی تقریر | 555/5 |
| 31 | حضرت نوح علیہ السلام کے سوال پر سید مودودی کا تبصرہ | 556/5 |
| 32 | حضرت نوح علیہ السلام کی دعا کے متعلق جمہور مفسرین کی توجیہ | 557/5 |
| 33 | حضرت نوح علیہ السلام کا قصہ | 618/7<br>865/7 |
| 34 | حضرت نوح علیہ السلام کا قوم کو پیغام پہنچانا | 865/7 |
| 35 | حضرت نوح علیہ السلام کے قصہ کے اہم نکات | 866/7 |
| 36 | حضرت نوح علیہ السلام کی قوم کو غرق کرنا | 866/7 |
| 37 | حضرت نوح علیہ السلام کی قوم کا ان کی تکذیب کرنا | 241/8 |
| 38 | حضرت نوح علیہ السلام کی نبوت پر دلیل | 370/8 |
| 39 | حضرت نوح علیہ السلام کی قوم کے خلاف دعا کی توجیہ | 376/8 |
| 40 | قصہ نوح کے بعض اسرار | 377/8 |
| 41 | حضرت نوح علیہ السلام کی حیات کا اجمالی خاکہ | 53/9 |
| 42 | طوفان نوح کس کس جگہ آیا تھا؟ | 55-60/9 |
| 43 | حضرت نوح علیہ السلام کا قصہ | 896/9 |
| 44 | حضرت نوح علیہ السلام کے بعض فضائل اور آپ کی اولاد | 897/9 |
| 45 | حضرت نوح علیہ السلام کو ہمارا بندہ کہنے کی وجہ | 583/11 |
| 46 | حضرت نوح علیہ السلام کا اپنے آپ کو مغلوب فرمانے کی توجیہ | 583/11 |
| 47 | طوفان اور کشتی کی بناوٹ کی کیفیت | 584/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 48 | حضرت نوح علیہ السلام کے اپنے بیٹے کے متعلق ایک سوال اور آپ کی بیوی کی خیانت پر ملحدین کے ایک اعتراض کا جواب | 131/12 |
| 49 | حضرت نوح علیہ السلام کی زندگی کے اہم عنوانات | 245/12 |
| 50 | کیا حضرت نوح علیہ السلام تمام لوگوں کے رسول تھے؟ | 246/12 |
| 51 | حضرت نوح علیہ السلام کی تبلیغ | 247/12 |
| 52 | اللہ کی عبادت اور اس سے ڈرنے کے حکم کے بعد حضرت نوح علیہ السلام کی اطاعت کے حکم کی توجیہ | 247/12 |
| 53 | کفار نوح کی حضرت نوح علیہ السلام کے خلاف سازشیں | 260/12 |
| 54 | حضرت نوح علیہ السلام کی دعا کی توجیہات | 263/12 266/12 |
| **41** | **سورۂ نوح** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 241/12 |
| 2 | سورۂ نوح کے مشمولات | 241/12 |
| 3 | سورۂ نوح کا اختتام | 266/12 |
| **42** | **نور** | |
| 1 | رسول اللہ ﷺ کا نور ہونا | 132/3 |
| 2 | رسول اللہ ﷺ کا نور حسی | 134/3 |
| 3 | رسول اللہ ﷺ کا نور ہدایت | 137/3 |
| 4 | نور کا لغوی و اصطلاحی معنی | 140/8 |
| 5 | اللہ پر نور کا اطلاق | 140-141/8 |
| 6 | رب کے نور سے کیا مراد ہے؟ | 298/10 |
| **43** | **سورۃ النور** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ | 31/8 |
| 2 | سورۃ النور کی فضیلت میں احادیث و آثار | 31/8 |
| 3 | سورۃ النور اور سورۃ المؤمنون کی باہمی مناسبت | 32/8 |
| 4 | سورۃ النور کا زمانۂ نزول | 33/8 |
| 5 | سورۃ النور کے مسائل و مقاصد | 37/8 |
| 6 | سورۃ کا معنی | 41/8 |
| 7 | سورۃ النور کا اختتام | 199/8 |
| **44** | **نوحہ کرنا** | |
| 1 | گھر والوں کے نوحہ کرنے سے میت کو عذاب | 660/6 |
| **45** | **نیت** | |
| 1 | نیت کا بیان | 396/2 |
| **46** | **نیند** | |
| 1 | نیند کا وفات صغریٰ ہونا | 502/3 |
| 2 | نیند کا کانوں کے ساتھ تعلق | 58/7 |
| 3 | رات کو کم سونا | 362/11 |
| 4 | صبح تک سونے والے کی مذمت | 364/11 |
| 5 | نیند کو سبات فرمانے کی توجیہ | 508/12 |
| **47** | **نیک اعمال** | |
| 1 | بر کا معنی | 246/2 |
| 2 | صحابہ کا نیکی کے لیے محبوب چیزوں کو صدقہ کرنا | 247/2 |
| 3 | نیکی کی تعریف چاہنا | 513/2 |
| 4 | ماں باپ کے ساتھ نیکی | 670/2 |
| 5 | غلاموں اور خادموں کے ساتھ نیکی | 672/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 6 | پڑوسیوں کے ساتھ نیکی | 671/2 |
| 7 | اخروی نعمتوں کے لیے نیک اعمال | 698/2 |
| 8 | نیک اعمال کو آخر عمر تک ملتوی کرنا | 168/11 |
| 9 | بغیر ایمان کے نیک اعمال کا غیر مفید ہونا | 170/11 |
| 10 | مسلمانوں کے اعمال ضائع ہونے کی توجیہات | 175/11 |
| **48** | **نیک لوگ** | |
| 1 | نیک لوگوں کی وجہ سے گناہ گاروں کے عذاب کا خاتمہ | 890/1 |
| 2 | نیکوکاروں کا بدکاروں کی مثل نہ ہونا | 444/2 |
| 3 | بھلائی اللہ کی طرف سے | 730/2 |
| 4 | نیک لوگ، اللہ اور رسول اللہ ﷺ کے مقرب ہیں | 502/4 |
| 5 | نیکوکاروں کے لیے دنیا کا ظرف ہونا | 574/5 |
| 6 | نیکوکاروں کے دنیاوی اجر کی متعدد صورتیں | 407/6 |
| 7 | نیکوکاروں کا آخرت میں اجر وثواب | 409/6 |
| 8 | قبض روح کے وقت نیکوکاروں کی کیفیت | 409/6 |
| 9 | نیکوکاروں کے لیے بشارت | 676/6 |
| 10 | اللہ کے نزدیک عزت والا کون؟ | 373/8 |
| 11 | جنت میں ابرار کو ملنے والی نعمتیں | 447/12 |
| 12 | ابرار کو دو قسم کی جنتیں ملنا | 448/12 |
| 13 | ابرار کا جنت میں کلمات تحسین سے استقبال | 451/12 |
| 14 | صالحین کے جوار میں دفن ہونا | 524/2 |
| 15 | صالح کی تعریف | 719/2 |
| 16 | صالحین کی مجلس کے ثمرات | 68/7 |
| 17 | صالحین کی قبروں کے پاس مسجد بنانا | 79-83/7 |
| 18 | صالحین پر مصائب کا آنا | 110/7 |
| **49** | **نیکی** | |
| 1 | تمام مخلوق میں نیکی کی صلاحیت پیدا نہ کرنے کی وجہ | 150/5 |
| 2 | اللہ تعالیٰ کے ہاں ہر چھوٹی بڑی نیکی مقبول ہے | 291/5 |
| 3 | زیادہ نیکی کرنے والے کو زیادہ اجر | 496/5 |
| 4 | نیکیوں کے لازماً قبول ہونے کی توقع نہ رکھی جائے | 520/5 |
| 5 | پیروکاروں کی نیکیوں کا ثواب پیروکاروں کو بھی | 659/6 |
| 6 | نیکیاں، موت یا قیامت آنے سے قبل | 513/7 |
| 7 | نیکی کے اجر کا نیک کام سے افضل ہونا | 759/8 |
| 8 | دشمنوں اور مخالفوں سے بدلہ لینے کی بجائے نیکی کرنے کا افضل ہونا | 744/9 |
| 9 | نیکی کے متعلق مفسرین کے اقوال | 503/10 |
| 10 | مرض اور سفر کی وجہ سے بندہ جو نیکیاں نہ کر سکے وہ بھی لکھی جاتی ہیں | 322/11 |
| 11 | صحیفۂ اعمال میں لکھی ہوئی نیکیوں کی برکات | 323/11 |
| **50** | **نیکی کا حکم دینا** | |
| 1 | دیکھیے "79: امر بالمعروف ونہی عن المنکر" صفحہ 69 | |


## و


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **والدین (ماں+باپ)** | |
| 1 | والدین کی اطاعت پر ثواب | 439/1 |
| 2 | والدین کی نافرمانی پر عذاب | 442/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | اولاد کے مال سے کھانا | 957/1 |
| 4 | ماں کی اولاد پر ولایت | 140/2 |
| 5 | ماں، باپ کے حقوق | 670/2 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کی عبادت کے متصل والدین کی اطاعت کا حکم | 686/6 |
| 7 | والدین کے اولاد پر احسان کی توجیہ | 687/6 |
| 8 | ماں باپ کے حقوق | 688/6 |
| 9 | ماں باپ سے نیک سلوک | 690/6 |
| 10 | ماں باپ کو جھڑکنا اور اُف کہنا | 691/6 |
| 11 | رحم دلی سے بازو جھکانا | 691/6 |
| 12 | مشرک ماں باپ کے لیے دعا کرنا | 692/6 |
| 13 | ماں باپ کی اطاعت ونافرمانی کے ثمرات | 693/6 |
| 14 | ماں کے ساتھ زیادہ نیکی کرنے کی وجوہ | 252/9 |
| 15 | والدین کے ساتھ نیکی کرنے کی وجوہ | 254/9 |
| 16 | کافر ماں باپ کی خدمت کرنے کا استحسان | 264/9 |
| 17 | اولاد کی وجہ سے والدین کی مغفرت | 283/9 |
| 18 | ماں باپ کے حقوق | 78/11 |
| **2** | **والدین کریمین (رضی اللہ عنہما)** | |
| 1 | سیدہ آمنہ رضی اللہ عنہا کے ایمان پر استدلال | 222/5 |
| 2 | سیدہ آمنہ رضی اللہ عنہا کے ایمان پر اعتراض کا جواب | 272/5 |
| 3 | حضور ﷺ کے والدین کریمین کا دوبارہ زندہ ہوکر ایمان لانا | 861/5 |
| 4 | والدین کریمین کے ایمان کے ثبوت میں احادیث | 477/8 |
| 5 | والدین کریمین کے ایمان پر امام فخر الدین رازی کے دلائل | 480/8 |
| 6 | والدین کریمین کے ایمان پر علامہ قرطبی کے دلائل | 481/8 |
| 7 | والدین کریمین کے ایمان پر علامہ سہیلی کے دلائل | 483/8 |
| 8 | والدین کریمین کے ایمان پر علامہ ابی مالکی کے دلائل | 483/8 |
| 9 | والدین کریمین کے ایمان پر حافظ سیوطی کے دلائل | 483/8 |
| 10 | آپ علیہ السلام کے والدین کو دوبارہ زندہ کرنا اوران کا ایمان لانا وغیرہ | 485-510<br>8 |
| **3** | **وادی حجر** | |
| 1 | الحجر کا معنی اور مصداق | 310/6 |
| 2 | وادی حجر کے متعلق احادیث | 310/6 |
| 3 | وادی حجر کے متعلق احادیث کے احکام | 311/6 |
| 4 | وادی حجر اور دیگر ممنوعہ جگہوں میں نماز پڑھنے کے متعلق فقہاء کی آراء | 311/6 |
| **4** | **وادی طویٰ** | |
| 1 | وادیٔ طویٰ کا مصداق | 354/7 |
| **5** | **واعظ** | |
| 1 | بے عمل واعظ کے متعلق احادیث | 423/7 |
| 2 | بے عمل واعظوں پر وعید | 865/11 |
| **6** | **وارث** | |
| 1 | نبی کا وارث نہ بنانے کی حدیث پر اشکالات کے جوابات | 814/11 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | کیا حضرت علی رضی اللہ عنہ نے نبی کا وارث نہ بنانے کی روایت حضرت ابوبکر و عمر رضی اللہ عنہما کو عہد شکن، خائن اور گنہگار گمان کیا تھا؟ | 813/11 |
| 7 | سورۃ الواقعہ | |
| 1 | سورۂ کا نام، وجہ تسمیہ اور زمانہ نزول | 646/11 |
| 2 | سورۃ الواقعہ کے متعلق احادیث | 646/11 |
| 3 | سورۃ الواقعہ کے مشمولات | 647/11 |
| 4 | سورۃ الواقعہ اور سورۃ الرحمان کی باہمی مناسبت | 650/11 |
| 8 | وجاہت | |
| 1 | رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی وجاہت کے متعلق قرآن کی آیات | 449/7 |
| 2 | رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی وجاہت کے متعلق احادیث | 450/7 |
| 3 | رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی وجاہت کے متعلق علماء کی تصریحات | 452/7 |
| 9 | وجد | |
| 1 | قرآن سن کر اظہار وجد کرنا | 217/10 |
| 2 | مترنم آواز اور سازوں کے ساتھ اشعار سن کر اظہار وجد کرنا | 220/10 |
| 10 | وجودِ باری تعالیٰ | |
| 1 | زمین کی نشانیوں سے وجود باری تعالیٰ پر دلیل | 601/3 |
| 2 | آسمان کی نشانیوں سے وجود باری تعالیٰ پر دلیل | 602/3 |
| 3 | انسان کے نفس سے وجود باری تعالیٰ پر دلیل | 603/3 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | پھلوں کی ابتدائی حالت اور ان کے پکنے سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 608/3 |
| 5 | وجود باری تعالیٰ اور توحید باری تعالیٰ پر دلیل | 670/3 |
| 6 | اللہ تعالیٰ کے وجود پر دلیل | 154/4 |
| 7 | سورج و چاند کے احوال اور دنیا کے معاملات سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 36/6 |
| 8 | زمینوں، درختوں اور پھلوں سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 39/6 |
| 9 | زمین کے مختلف طبقات سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 41/6 |
| 10 | مختلف ذائقوں سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 42/6 |
| 11 | پرندوں کی پرواز سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 525/6 |
| 12 | اللہ تعالیٰ کے وجود پر حضرت موسیٰ علیہ السلام و فرعون کے مابین مباحثہ | 300/8 |
| 13 | دن اور رات کے توارد میں وجود باری تعالیٰ پر دلائل | 762/9 |
| 14 | وجود باری تعالیٰ پر ایک دلیل | 610/10<br>817/10 |
| 15 | آسمانوں اور زمینوں کی تخلیق سے وجود باری تعالیٰ پر استدلال | 788/10 |
| 16 | اللہ تعالیٰ کے وجود پر دلیل | 568/11 |
| 11 | حضرت وحشی رضی اللہ عنہ | |
| 1 | حضرت وحشی رضی اللہ عنہ کا اسلام لانا | 280/10 |
| 12 | وحی | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | وحی کا لغوی واصطلاحی معنی | 43/1 |
| 2 | ضرورت وثبوت وحی | 45/1 |
| 3 | وحی کی اقسام | 46/1 |
| 4 | انکار وحی کی وجہ سے سابقہ امتوں پر عذاب آنا | 636/9 |
| 5 | حضور ﷺ پر نزول وحی کے متعلق کفار کے شکوک کا ازالہ | 43/10 |
| 6 | حضور ﷺ کو وحی رسالت کیلئے منتخب کرنے کی وجہ | 41/10 |
| 7 | وحی کا لغوی واصطلاحی معنی | 539/10<br>636/10 |
| 8 | وحی کے متعلق احادیث | 540/10 |
| 9 | ضرورت وحی اور ثبوت وحی | 637/10 |
| 10 | وحی کی اقسام | 639/10 |
| 11 | وحی کا لغوی وشرعی معنی | 877/12 |
| 12 | نزول وحی کی صورتیں اور اقسام | 877/12 |
| 13 | وحی خفی کا ثبوت | 114/12 |
| **13** | **وراثت** | |
| 1 | کلالہ کا معنی | 892/2 |
| 2 | کلالہ کے متعلق حدیث جابر | 893/2 |
| 3 | کلالہ کی وراثت کے چار احوال | 894/2 |
| 4 | زمانہ جاہلیت میں بچوں اور عورتوں کو وارث نہ بنانا | 585/2 |
| 5 | تقسیم وراثت میں معیار | 586/2 |
| 6 | ورثاء کے ترکہ کی تقسیم | 587/2 |
| 7 | رشتہ داروں اور ضرورت مندوں کو دینا احسان نہیں | 588/2 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 8 | وراثت کے تفصیلی احکام | 592/2 |
| 9 | اولاد کے احوال | 593/2 |
| 10 | مرد کو عورت سے دگنا دینے کی وجہ | 594/2 |
| 11 | والدین کے احوال | 594/2 |
| 12 | قرض کو وصیت پر مقدم کرنا | 595/2 |
| 13 | حارث اعور کے ضعف کا بیان | 596/2 |
| 14 | زوجین کے احوال | 597/2 |
| 15 | کلالہ کا معنی | 598/2 |
| 16 | احکام وراثت کی اطاعت | 600/2 |
| 17 | احکام وراثت کی نافرمانی | 601/2 |
| 18 | ذوی الارحام کی تعریف اور ان کی وراثت کا ثبوت | 618/4 |
| 19 | مہاجرین وانصار کے مابین وراثت کا منسوخ ہونا | 709/4 |
| 20 | دو مختلف ملتوں کے ماننے والوں کے مابین دوستی و وراثت | 712/4 |
| 21 | وراثت کا لغوی واصطلاحی معنی | 620/8 |
| 22 | مہاجروں اور بنائے ہوئے بھائیوں کی باہمی وراثت کا منسوخ ہونا | 382/9 |
| 23 | مسلمانوں اور کافروں کا ایک دوسرے کا وارث نہ ہونا | 382/9 |
| **14** | **وزیر/وزارت** | |
| 1 | وزیر کا معنی اور اس کے متعلق احادیث | 367/7 |
| 2 | حضرت موسیٰ کی وزارت کیلئے بھائی کی تخصیص | 367/7 |
| **15** | **وسیلہ** | |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | دیکھئے "43: توسل" صفحہ 95 | |
| 16 | **وسوسہ** | |
| 1 | وسوسہ کا معنی | 1054/12 |
| 17 | **وصیت** | |
| 1 | وصیت کا معنی | 663/1 |
| 2 | وصیت کی اقسام | 663/1 |
| 3 | وصیت کی شرائط ورکن | 664/1 |
| 4 | وصیت کا لزوم | 664/1 |
| 5 | ورثاء کے لیے وصیت کا منسوخ ہونا | 665/1 |
| 6 | وصیت کے احکام | 665/1 |
| 7 | سفر میں وصیت کرنا اور غیر مسلموں کو گواہ بنانا | 346/3 |
| 18 | **وضو** | |
| 1 | آیت وضو | 93/3 |
| 2 | آیت وضو کا شان نزول | 94/3 |
| 3 | آیت وضو کے نزول سے قبل فرضیت وضو | 95/3 |
| 4 | شرائع سابقہ اور مکی دور میں وضو | 96/3 |
| 5 | وضو کا اجر وثواب | 98/3 |
| 6 | ایک وضو سے کئی نمازیں | 99/3 |
| 7 | وضو کے فرائض | 100/3<br>104/3 |
| 8 | سر کے مسح کی مقدار | 100/3 |
| 9 | پیروں کا دھونا | 102/3 |
| 10 | وضو کی سنتیں | 105/3 |
| 11 | وضو کے مستحبات | 108/3 |
| 12 | وضو کے آداب | 109/3 |
| 13 | وضو توڑنے والے امور | 109/3 |
| 14 | وضو میں نیت کی فرضیت کی دلیل اور اس کا جواب | 909/12 |
| 19 | **وعد/ وعید** | |
| 1 | خلف وعد کا محال ہونا | 68/2 |
| 2 | وعد کا معنی | 117/2 |
| 3 | اللہ تعالیٰ کے وعد اور وعید کا معنی اور اس کی خلاف ورزی کی تحقیق | 133/9 |
| 20 | **وعدہ** | |
| 1 | دیکھئے "59: عہد" صفحہ 186 | |
| 21 | **وکیل** | |
| 1 | اللہ کے سوا کسی کو وکیل بنانا | 643/6 |
| 2 | وکیل بنانے کے متعلق قرآن کی آیات | 71/7 |
| 3 | وکیل بنانے کے متعلق احادیث | 71/7 |
| 4 | وکالت کا لغوی وشرعی معنی | 74/7 |
| 5 | وکالت کے ارکان | 74/7 |
| 6 | موکل کے اعتبار سے شرائط | 75/7 |
| 7 | وکیل کے اعتبار سے شرائط | 75/7 |
| 22 | **ولایت** | |
| 1 | ولایت کا معنی | 709/4 |
| 23 | **ولی** | |
| 1 | اولیاء کی جسمانی حیات | 596/1 |
| 2 | ولی کا معنی | 416/5 |
| 3 | ولی کے مصداق اور ان کے فضائل کے متعلق احادیث وآثار | 417/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 4 | اللہ کا اپنے محبوب بندے کے کان اور آنکھیں ہونا | 418/5 |
| 5 | اللہ تعالیٰ کے تردد کرنے کی توجیہ | 419/5 |
| 6 | ولی کے فضائل کے متعلق مزید احادیث | 420/5 |
| 7 | ولی کی صفات | 425/5 |
| 8 | ولی کے لیے دنیا میں غم اور خوف کا ثبوت | 441/5 |
| 9 | ولی کے لیے آخرت کا غم اور خوف کی توجیہ | 443-444/5 |
| 10 | ولی کے لیے دنیا و آخرت میں بشارت | 445/5 |
| 11 | اولیاء اللہ سے محبت کا آخرت میں کام آنا | 190/6 |
| 12 | اولیائے کرام کی ولایت | 318/7 |
| 13 | ولی اور اس کی کرامت کی تعریفات | 693/8 |
| 14 | ولی کے مزار کی زیارت کے لیے دور سے آنا | 740/9 |
| 15 | من عادلی ولیا کی تشریح | 749/9 |
| 16 | اولیاء کا ڈھلتی ہوئی عمر میں ارذل عمر کے اثرات سے محفوظ رہنا | 825/9 |
| 17 | اولیاء کرام کی وجاہت | 139/10 |
| 18 | اولیاء کرام کا آن واحد میں متعدد جگہ موجود ہونا | 236/10 |
| **24** | **ولید بن عتبہ** | |
| 1 | ولید بن عتبہ کا جھوٹی خبر دینا | 280/11 |
| **25** | **ولید بن مغیرہ** | |
| 1 | ولید بن مغیرہ کی مذمت میں آیات | 374/12 |
| 2 | ولید بن مغیرہ کے قرآن میں دس عیوب | 185/12 |
| 3 | ولید بن مغیرہ کی ناک کو سونڈ فرمانے کی توجیہ | 186/12 |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **26** | **ووٹ** | |
| 1 | نااہل کو ووٹ دینا | 120/3 |
| 2 | طلب منصب کی تحقیق | 122/3 |
| 3 | موجودہ طریقہ انتخاب | 123/3 |
| 4 | امیدوار کے لیے شرائط اہلیت | 123/3 |
| **27** | **وہم** | |
| 1 | وہم کی تعریف | 151/8 |


## ہ/ھ


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| **1** | **حضرت ہارون علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت ہارون علیہ السلام کو خلیفہ بنانا | 293/4 |
| 2 | حضرت ہارون علیہ السلام کو سر کے بالوں سے پکڑ کر کھینچا جانا | 322/4 |
| 3 | حضرت ہارون علیہ السلام کا طریقہ تبلیغ | 425/7 |
| 4 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا ناراض ہونا | 425/7 |
| 5 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا سر اور داڑھی کے بال پکڑنا | 426/7 |
| 6 | حضرت ہارون علیہ السلام کے لیے رسالت کا سوال | 294/8 |
| 7 | حضرت ہارون علیہ السلام کا قصہ | 946/9 |
| **2** | **ہاروت و ماروت** | |
| 1 | ہاروت ماروت کی معصیت | 469/1 |
| 2 | ہاروت ماروت پر سحر | 468/1 |
| **3** | **ہجرت/مہاجرین** | |
| 1 | ہجرت کی تعریف و اقسام | 748/2 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | قیامت تک ہجرت کا مشروع ہونا | 749/2 |
| 3 | اصل ہجرت گناہوں کو ترک کرنا ہے | 749/2 |
| 4 | ہجرت کے متعلق اقوال فقہاء | 750/2 |
| 5 | فرضیت ہجرت کی آیات | 770/2 |
| 6 | ہجرت کا شرعی حکم | 772/2 |
| 7 | مدینہ منورہ کی طرف ہجرت | 772/2 |
| 8 | دفع ضرر کے لیے ہجرت کی اقسام | 773/2 |
| 9 | حصول نفع کے لیے ہجرت کی اقسام | 774/2 |
| 10 | مہاجرین اولین کی فضیلت | 707/4 |
| 11 | ہجرت کی تعریف اور اس کے متعلق مختلف النوع احادیث | 712/4 |
| 12 | ہجرت کے معانی | 714/4 |
| 13 | ہجرت کے متعلق مختلف النوع احادیث میں تطبیق | 715/4 |
| 14 | فتح مکہ کے بعد ہجرت کے منسوخ ہونے کی وجوہات | 715/4 |
| 15 | ہجرت کی اقسام | 717/4 |
| 16 | ہجرت الی اللہ کی توضیح | 717/4 |
| 17 | مہاجرین اور انصار میں سے ایمان میں سبقت کرنے والوں کی تفصیل | 239/5 |
| 18 | مہاجرین کے فضائل | 241/5 |
| 19 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کا ہجرت فرمانا کفار کے خوف کی وجہ سے نہ تھا | 447/5 |
| 20 | مہاجرین کی تعریف و تحسین | 418/6 |
| 21 | حضرت صہیب رضی اللہ عنہ کی ہجرت | 419/6 |
| 22 | ہجرت کی وجہ سے اسلام کی تقویت | 419/6 |
| 23 | ہجرت کا لغوی و اصطلاحی معنی اور اس کی اقسام | 420/6 |
| 24 | ہجرت منقطع ہونے کے متعلق احادیث | 423/6 |
| 25 | ہجرت باقی رہنے کے متعلق احادیث | 425/6 |
| 26 | ہجرت کی متعارض احادیث میں تطبیق | 425/6 |
| 27 | حضور علیہ الصلوٰۃ والسلام کی ہجرت اللہ تعالیٰ کے دستور کے موافق ہے | 768/6 |
| 28 | کفار کے ملک سے ہجرت کرنا | 106/9 |
| 29 | مہاجر خواتین سے امتحان لینے کی کیفیت وغیرہ | 854/11 |
| 4 | ہدیٰ | |
| 1 | ھدی کا معنی اور اس پر سواری کرنا | 750/7 |
| 2 | حرم سے باہر ھدی کو ذبح کرنا | 751/7 |
| 5 | ہدہد | |
| 1 | ہدہد کی سزا کے متعلق اقوال | 653/8 |
| 2 | ہدہد کی گمشدگی کا سوال | 651/8 |
| 3 | ہدہد کا ملک سبا کی سیر کر کے حضرت سلیمان علیہ السلام کی خدمت میں آنا | 658/8 |
| 4 | ہدہد کا حضرت سلیمان علیہ السلام کے سامنے اپنا علم ظاہر کرنا | 568-660 8 |
| 5 | ہدہد کا بلقیس کو خط پہنچانا | 679/8 |
| 6 | ہدایت / ہادی | |
| 1 | ہدایت کا معنی اور اس کی اقسام | 209/1 |
| 2 | اللہ اور رسول اللہ ﷺ کی ہدایت میں فرق | 210/1 |
| 3 | ہدایت کا معنی | 211/1 |
| 4 | ابتداء فطرت میں ہر انسان کا ہدایت یافتہ ہونا | 100/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 5 | ہدایت کا اللہ کی طرف سے ہونے کا معنی | 418/4 |
| 6 | لوگوں کو جبراً ہدایت یافتہ بنانا اللہ تعالیٰ کی حکمت کے خلاف ہے | 363/6 |
| 7 | دنیا و آخرت میں انسان کی ہدایت کے انتظامات | 379/6 |
| 8 | مشرکین کو ہدایت نہ دینے کی وجوہ | 578/6 |
| 9 | قرآن کا متعدد اسالیب سے ہدایت دینا | 794/6 |
| 10 | توبہ کرنے، ایمان لانے اور اعمال صالحہ کرنے کے بعد ہدایت | 414/7 |
| 11 | ہدایت دینے کے محامل | 720/7 |
| 12 | حضور ﷺ کے ہدایت دینے اور نہ دینے کے محامل | 844/8 |
| 13 | ہدایت پر قائم رہنے کا معنی | 218/9 |
| 14 | تمام انسانوں اور جنوں کو ہدایت یافتہ نہ بنانے کی توجیہ | 329/9 |
| 15 | ہدایت کے پانی سے مردہ دلوں کو زندہ کرنا | 346/9 |
| 16 | حضور علیہ السلام کا تمام مخلوق کی ہدایت کیلئے مبعوث ہونا | 717/9 |
| 17 | ہدایت کی نسبت اللہ تعالیٰ کی طرف کرنی چاہیے | 631/10 |
| 18 | ہادی اور ہدایت کے مصداق | 147/11 |
| 19 | کیا اللہ پر ہدایت دینا واجب ہے؟ | 788/12 |
| 20 | رسولوں کی ہدایت کا عقل پر مقدم ہونا | 149/12 |
| 21 | اللہ تعالیٰ کے ہدایت دینے کے متعدد معانی | 687/12 |
| 22 | کیا سبیل سے ہدایت کا راستہ مراد ہے؟ | 431/12 |
| **7** | **ہڈی** | |

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | ہڈی کا نجس ہونا | 530/6 |
| 2 | ہڈی کا پاک ہونا | 534/6 |
| **8** | **ہلاکت** | |
| 1 | قوم عاد وثمود اور دیگر امتوں کی ہلاکت | 205-207/12 |
| **9** | **سورۃ الھمزہ** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور وجہ تسمیہ وغیرہ | 974/12 |
| 2 | سورۃ الھمزہ کا شان نزول | 975/12 |
| 3 | سورۃ الھمزہ کی تفسیر کی تکمیل | 978/12 |
| **10** | **ہم جنس پرستی** | |
| 1 | ہم جنس پرستی کرنا کیسا؟ | 855/7 |
| **11** | **ہنسنا/تبسم/قہقہہ** | |
| 1 | کم ہنسنے کی تلقین | 215/5 |
| 2 | حضرت سارہ کے ہنسنے کی وجوہ (جب حضرت ابراہیم علیہ السلام کے پاس فرشتے آئے تھے) | 591/5 |
| 3 | تبسم، ضحک اور قہقہہ کے معانی | 644/8 |
| **12** | **سورۂ ہود** | |
| 1 | سورۂ ہود کی آیات، زمانہ نزول اور نزول کا مقام | 490/5 |
| 2 | سورۂ ہود کی سورۂ یونس کے ساتھ مناسبت | 490/5 |
| 3 | سورۂ ہود کے متعلق احادیث | 490/5 |
| 4 | سورۂ ہود کے مضامین | 491/5 |
| 5 | سورۂ ہود کا اختتام | 656/5 |
| **13** | **حضرت ہود علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت ہود علیہ السلام کا شجرۂ نسب | 199/4 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 2 | حضرت ہود علیہ السلام کی قوم عاد کی طرف بعثت | 200/4 |
| 3 | قوم عاد کے وطن کی تاریخی حیثیت | 202/4 |
| 4 | حضرت ہود علیہ السلام اور حضرت نوح علیہ السلام کے قصہ کے مابین فرق | 204/4 |
| 5 | حضرت نوح و ہود علیہما السلام کے مقابلہ میں حضرت محمد عربی ﷺ کی زیادہ عزت | 205/4 |
| 6 | قوم عاد کی قوت اور ان پر عذاب نازل ہونا | 200/4 |
| 7 | حضرت ہود علیہ السلام کو قوم عاد کا بھائی کہنے کی توجیہ | 563/5 |
| 8 | امتی کیلئے نبی کو اپنا بھائی کہنے کے جواز پر بعض علماء کے دلائل | 564/5 |
| 9 | نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کو بھائی کہنے کے عدم جواز پر دلائل | 564/5 |
| 10 | بڑے بھائی جتنی نبی علیہ الصلوٰۃ والسلام کی تعظیم کی تلقین کرنا غلط ہے | 566/5 |
| 11 | حضرت ہود علیہ السلام اور ان کی قوم کا مکالمہ | 569/5 |
| 12 | قوم عاد پر نزول عذاب کا پس منظر و پیش منظر | 570/5 |
| 13 | حضرت ھود علیہ السلام کا قصہ | 867/7 |
| 14 | حضرت ھود علیہ السلام کے بعد آنے والے دیگر انبیاء کا قصہ | 871/7 |
| 15 | قوم عاد کا مختصر تعارف | 380/8 |
| 16 | قوم عاد کا عبث لہو ولعب | 381/8 |
| 17 | قوم ہود کا تکبر اور اس کا ہلاک ہونا | 400/8 |
| 18 | قوم عاد کی طرف متعدد رسول آنے کے محامل | 447/10 |
| 19 | قوم عاد کا تکبر | 448/10 |
| 20 | ریح صرصر کا معنی | 449/10 |
| 21 | قوم عاد پر آندھی کا عذاب بھیجنے کی وجہ | 449-452/10 |
| 22 | قوم عاد کی جہالت کی وجوہ | 102/11 |
| 23 | قوم عاد پر آندھی کے عذاب کی کیفیت | 103/11 |
| 24 | قوم عاد پر عذاب کی تفصیل | 103/11 |
| 25 | آندھیوں کے متعلق احادیث | 104/11 |
| 26 | قوم عاد پر آندھی کا عذاب | 586/11 |
| 27 | عاد کا معنیٰ اور مصداق | 318/11 |
| 28 | ایکہ والوں کا مصداق | 318/11 |
| 29 | تبع کا معنی اور مصداق | 319/11 |
| 30 | قوم عاد کا عذاب | 730/12 |
| 31 | قوم عاد کا تعارف | 731/12 |
| 32 | قوم عاد کی عذاب سے ہلاکت | 205/12 |


## ی


| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
| --- | --- | --- |
| 1 | **یاجوج وماجوج** | |
| 1 | یاجوج وماجوج کے متعلق احادیث | 207/7 |
| 2 | یاجوج وماجوج کے متعلق علماء کی آراء | 208/7 |
| 3 | یاجوج وماجوج کے متعلق علامہ غلام رسول سعیدی کا نظریہ | 212/7 |
| 4 | یاجوج وماجوج کا تذکرہ | 666/7 |
| 2 | **یاد** | |
| 1 | اللہ تعالیٰ کی یاد سے غافل کرنے والی چیزوں کو توڑنے کا وجوب | 779/6 |
| 3 | **یتیم** | |
| 1 | یتیم کے ساتھ حسن سلوک | 443/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 2 | یتیم کا معنی | 650/1 |
| 3 | زیر کفالت یتیم کے ساتھ طرز معاشرت | 780/1 |
| 4 | یتیم کا مال ادا کرنا | 547/2 |
| 5 | یتیم کا مال کھانا اور اس سے بدسلوکی کرنا | 547/2<br>583/2 |
| 6 | یتیم کے مال کو ولی کا مال کہنے کی وجہ | 580/2 |
| 7 | یتیم کو اپنی اولاد کی طرح سمجھنا | 588/2 |
| 8 | یتیم لڑکیوں کے حقوق | 817/2 |
| 9 | یتیم کا معنی اور اس کے شرعی احکام | 187/7 |
| 10 | یتیم کے ساتھ نیکی کرنا | 188/7 |
| 11 | یتیم لڑکے اور ان کے شہر کا نام | 189,190/7 |
| 12 | یتیم کا معنی | 758/12 |
| 13 | یتیموں کو صدقہ دینے کی فضیلت | 758/12 |
| 14 | رسول اللہ ﷺ کے یتیم ہونے کی کیفیت | 821/12 |
| 15 | رسول اللہ ﷺ کو یتیم بنانے کی حکمتیں | 829/12 |
| 16 | یتیم کے ساتھ حسن سلوک کی احادیث | 830/12 |
| 17 | یتیم کی پرورش پر بشارت | 993/12 |
| 18 | یتیم کی تکریم کی وجوہ | 736/12 |
| 19 | یتیم کی دلداری نہ کرنے کی مذمت | 736/12 |
| **4** | **حضرت یحییٰ علیہ السلام** | |
| 1 | سوانح عمری | 147/2 |
| 2 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کی تصدیق کرنا | 150/2 |
| 3 | حضرت یحییٰ علیہ السلام کی ولادت کو مستبعد سمجھا جانا | 151/2 |
| 4 | حضرت یحییٰ علیہ السلام کا نام یحییٰ رکھنے کی وجہ | 254/7 |
| 5 | حضرت یحییٰ علیہ السلام کو بچپن میں نبوت | 259/7 |
| 6 | حضرت یحییٰ علیہ السلام پر تین بار سلام | 260/7 |
| 7 | حضرت یحییٰ علیہ السلام کا قصہ | 658/7 |
| **5** | **یزید** | |
| 1 | یزید پر لعنت کرنے کی بحث | 162-167/11 |
| 2 | یزید کی تکفیر | 168/11 |
| **6** | **سورۂ یٰس** | |
| 1 | سورۃ کا نام | 707/9 |
| 2 | سورۂ یٰس کے فضائل میں احادیث | 707/9 |
| 3 | سورۂ یٰس کے مشمولات | 709/9 |
| 4 | سورۂ یٰس کے بعض اسماء | 708/9 |
| 5 | سورۂ یٰس کا اختتام | 713/9<br>720/9 |
| **7** | **حضرت یعقوب علیہ السلام** | |
| 1 | اونٹ کے گوشت کو حرام کرنا | 253/2 |
| 2 | حضرت یعقوب علیہ السلام کا تذکرہ | 660/5 |
| 3 | حضرت یعقوب علیہ السلام کو حضرت یوسف علیہ السلام سے زیادہ محبت ہونے کی وجہ | 688/5 |
| 4 | حضرت یعقوب علیہ السلام کو حضرت یوسف علیہ السلام کی سربلندی اور ان کے بھائیوں کے حسد کا پیشگی علم ہونا | 678/5 |
| 5 | حضرت یعقوب علیہ السلام کو بھیڑیے کے کھانے کا خطرہ ہونے کی وجہ | 705/5 |
| 6 | حضرت یعقوب علیہ السلام کے بنیامین کو بھیجنے کی وجوہ | 812/5 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 7 | حضرت یعقوب علیہ السلام کے ہائے افسوس! کہنے کی توجیہ | 844/5 |
| 8 | جن قرائن کی بناء پر حضرت یعقوب علیہ السلام کو حضرت یوسف علیہ السلام سے ملاقات کا یقین تھا | 845/5 |
| 9 | حضرت یعقوب علیہ السلام کی بینائی کا واپس لوٹ آنا | 857/5 |
| 10 | بیٹوں کے لیے استغفار کو مؤخر کرنے کی وجوہ | 858/5 |
| 11 | حضرت یعقوب علیہ السلام کا مصر روانہ ہونا | 860/5 |
| **8** | **یقین** | |
| 1 | یقین کا معنی | 278/1 |
| 2 | یقین کا لغوی و اصطلاحی معنی | 327/6<br>328/6 |
| 3 | عین الیقین اور حق الیقین کی تعریف | 151/8 |
| 4 | ایمان والوں کے ذکر کے بعد آخرت پر یقین رکھنے والوں کا ذکر | 552/8 |
| 5 | علم الیقین، عین الیقین اور حق الیقین کی تعریفات | 963/12 |
| 6 | یقینی چیز کی وضاحت | 396/12 |
| **9** | **حضرت یوشع بن نون علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت یوشع علیہ السلام کے لیے سورج کو ٹھہرانا | 149/3 |
| 2 | حضرت یوشع بن نون علیہ السلام کا تعارف | 144/7 |
| 3 | حضرت یوشع بن نون علیہ السلام کو فتح فرمانا | 148/7 |
| 4 | حضرت موسیٰ علیہ السلام اور حضرت خضر علیہ السلام کے واقعہ میں حضرت یوشع علیہ السلام کا کردار | 192/7 |
| **10** | **سورۂ یوسف** | |
| 1 | سورۂ یوسف کا نام، مقام نزول اور زمانۂ نزول | 659/5 |
| 2 | سورۂ یوسف کے مقاصد اور اہداف | 661/5 |
| 3 | سورۂ یوسف کا اختتام | 883/5 |
| **11** | **حضرت یوسف علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت یوسف علیہ السلام کا تذکرہ | 660/5 |
| 2 | حضرت یوسف علیہ السلام کے متعلق احادیث | 662/5 |
| 3 | حضرت یوسف علیہ السلام کا خواب میں ستاروں، چاند اور سورج دیکھنا | 666/5 |
| 4 | خواب دیکھنے کے وقت حضرت یوسف علیہ السلام کی عمر | 667/5 |
| 5 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کے انبیاء ہونے کے دلائل | 679/5 |
| 6 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کے انبیاء نہ ہونے کے دلائل | 681/5 |
| 7 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کی نبوت کے متعلق علامہ غلام رسول سعیدی صاحب کا مؤقف | 684/5 |
| 8 | حضرت یوسف علیہ السلام کی مدح | 684/5 |
| 9 | تاویل الاحادیث کے محامل | 685/5 |
| 10 | تکمیل نعمت کا بیان | 685/5 |
| 11 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کی ان سے نفرت کا سبب | 687/5 |
| 12 | حضرت یوسف علیہ السلام کے قصہ میں نشانیاں | 687/5 |
| 13 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کا انہیں قتل یا شہر بدر کرنے کا منصوبہ | 692/5 |


marfat.com

Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 14 | حضرت یوسف علیہ السلام کو ان کے بھائیوں کا راستہ میں زدوکوب کرنا | 707/5 |
| 15 | حضرت یوسف علیہ السلام کی طرف وحی سے مراد وحی نبوت ہے یا الہام؟ | 708/5 |
| 16 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کو خبر نہ ہونے کے محامل | 708/5 |
| 17 | والد سے اپنے حالات کو مخفی رکھنے میں حضرت یوسف علیہ السلام کی حکمت | 708/5 |
| 18 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کا حضرت یعقوب علیہ السلام کو حضرت یوسف علیہ السلام کی خبر دینا | 709/5 |
| 19 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کی خبر کے من گھڑت ہونے کی وجوہ | 719/5 |
| 20 | قافلہ والوں کے ہاتھ حضرت یوسف علیہ السلام کو فروخت کرنا | 722/5 |
| 21 | حضرت یوسف علیہ السلام کے خریدار کے متعلق متعدد روایات | 725/5 |
| 22 | کنعان سے مصر تک حضرت یوسف علیہ السلام کے پہنچنے کی تفصیل | 726/5 |
| 23 | عزیز مصر کی فراست | 727/5 |
| 24 | حضرت یوسف علیہ السلام کی عفت و پارسائی کا کمال | 730/5 |
| 25 | عزیز مصر کی بیوی کا حضرت یوسف علیہ السلام کو ورغلانا | 731/5 |
| 26 | مخلوق کی بہ نسبت خالق سے حیاء کرنا لائق ستائش ہے | 732/5 |
| 27 | حضرت یوسف علیہ السلام کے جوابات کی وضاحت | 732/5 |
| 28 | وھم بھا کے ترجمہ کے دو محمل | 733/5 |
| 29 | حضرت یوسف علیہ السلام سے گناہ صادر ہوا یا نہیں؟ | 734/5 |
| 30 | حضرت یوسف علیہ السلام کی طرف گناہ کی تہمت کا رد اور ابطال | 737/5 |
| 31 | حضرت یوسف علیہ السلام کے پاکدامن ہونے پر متعدد شہادتیں | 738/5 |
| 32 | لولا ان را برھان ربہ کی تفسیر | 735/5<br>739-740/5 |
| 33 | عزیز مصر کی بیوی کا حضرت یوسف علیہ السلام پر الزام لگانا | 741/5 |
| 34 | حضرت یوسف علیہ السلام کی تہمت سے برأت | 742/5 |
| 35 | عزیز مصر کی بیوی کو معافی مانگنے کی تلقین | 743/5 |
| 36 | عورتوں کے مکر کا عظیم ہونا | 744/5 |
| 37 | مصر کی عورتوں کی نکتہ چینی اور ان کا منشاء | 746/5 |
| 38 | مصر کی عورتوں کی دعوت کا اہتمام | 747/5 |
| 39 | حضرت یوسف علیہ السلام کے غیر معمولی حسن کے متعلق احادیث و آثار | 748/5 |
| 40 | مصری خواتین کا پھلوں کی بجائے اپنے ہاتھوں کو کاٹ لینا | 749/5 |
| 41 | حضرت یوسف علیہ السلام کو فرشتہ کہنے کی توجیہ | 749/5 |
| 42 | حضرت یوسف علیہ السلام کی سخت آزمائش | 750/5 |
| 43 | حضرت یوسف علیہ السلام کو قید کرنے کا سبب | 751/5 |
| 44 | حضرت یوسف علیہ السلام کی پاکبازی کی علامات | 752/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 45 | حضرت یوسف علیہ السلام کی قید کی مدت | 752/5<br>776/5 |
| 46 | حضرت یوسف علیہ السلام کی قید خانہ میں ساقی اور نانبائی سے ملاقات | 754/5 |
| 47 | ساقی اور نانبائی کے بیان کردہ خواب سچے تھے یا جھوٹے | 755/5 |
| 48 | قید خانہ میں کھانا آنے سے قبل حضرت یوسف علیہ السلام کا کھانے کی خبر دینا | 755/5 |
| 49 | خواب کی تعبیر بتانے سے پہلے کھانے کے متعلق پیش گوئی کی توجیہ | 756/5 |
| 50 | حضرت یوسف علیہ السلام کے دعویٰ نبوت کے اشارات | 758/5 |
| 51 | کافروں کے دین کو ترک کرنے کی توجیہ | 758/5 |
| 52 | مبداء اور معاد کے اقرار کی اہمیت | 759/5 |
| 53 | اللہ کی نعمتوں کے اظہار کا جواز | 760/5 |
| 54 | حضرت یوسف علیہ السلام کے کلام میں توحید باری کی تقاریر | 761/5 |
| 55 | ساقی اور نانبائی کے خواب کی تعبیر | 765/5 |
| 56 | خواب کی تعبیر کے متعلق حضرت یوسف علیہ السلام کے ظن کی توجیہ | 765/5 |
| 57 | حضرت یوسف علیہ السلام کو بھلانے کے متعلق روایات | 766-7667<br>5 |
| 58 | مصر کے بادشاہ کا خواب دیکھنا | 778/5 |
| 59 | اضغاث احلام کا لغوی واصطلاحی معنی | 778/5 |
| 60 | مدت گزرنے کے بعد حضرت یوسف علیہ السلام کا ذکر کرنے کی توجیہ | 779/5 |
| 61 | حضرت یوسف علیہ السلام کے مکارم اخلاق | 780/5 |
| 62 | حضرت یوسف علیہ السلام کا غیب کی خبریں دینا | 782/5 |
| 63 | ہمارے نبی ﷺ کا حضرت یوسف علیہ السلام کی تحسین کرنا | 784/5 |
| 64 | رہائی میں حضرت یوسف علیہ السلام کے توقف کرنے کی وجوہات | 784/5 |
| 65 | ''جیل بھرو تحریک'' کا عدم جواز | 785/5 |
| 66 | حضرت یوسف علیہ السلام کا تہمت لگانے والیوں کی تعیین نہ کرنا | 785/5 |
| 67 | مصر کی عورتوں کی سازش کی وجوہ | 785/5 |
| 68 | عزیز مصر کی بیوی کا اعتراف اور حصحص کا معنی | 786/5 |
| 69 | حضرت یوسف علیہ السلام نے پس پشت کسی کی خیانت نہیں کی | 787/5 |
| 70 | حضرت یوسف علیہ السلام کی پاکیزگی پر دلائل | 787/5 |
| 71 | حضرت یوسف علیہ السلام کا یہ قول کہ ''میں اپنے نفس کو بے قصور نہیں کہتا'' | 789/5 |
| 72 | بادشاہ کا حضرت یوسف علیہ السلام کو اپنے پاس بلانا | 791/5 |
| 73 | حضرت یوسف علیہ السلام سے بادشاہ کے متاثر ہونے کی وجوہات | 792/5 |
| 74 | حضرت یوسف علیہ السلام کا رہا ہو کر بادشاہ کے دربار میں جانا | 792/5 |
| 75 | حضرت یوسف علیہ السلام کا بادشاہ کے سامنے خواب اور اس کی تعبیر بیان کرنا | 793/5 |
| 76 | بادشاہ کا حضرت یوسف علیہ السلام کو صاحب اقتدار اور امانت دار قرار دینا | 794/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 77 | طلب منصب کا عدم جواز اور حضرت یوسف علیہ السلام کے طلب منصب کی توجیہ | 794/5 |
| 78 | موجودہ طریق انتخاب پر حضرت یوسف علیہ السلام کے طلب منصب سے استدلال اور اس کے جوابات | 795/5 |
| 79 | حضرت یوسف علیہ السلام کے حفیظ اور علیم ہونے کے محامل | 798/5 |
| 80 | حضرت یوسف علیہ السلام کا اپنی تعریف کرنے کا جائز ہونا | 799/5 |
| 81 | ایام قحط میں حضرت یوسف علیہ السلام کا حسن انتظام | 800/5 |
| 82 | عزیز مصر کی بیوی سے حضرت یوسف علیہ السلام کا نکاح | 801/5 |
| 83 | حضرت یوسف علیہ السلام کی طہارت ونزاہت پر دلائل | 803/5 |
| 84 | بھائیوں کا حضرت یوسف علیہ السلام کو نہ پہچاننا اور اس کی وجوہ | 807/5 |
| 85 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کا غلہ لینے مصر پہنچنا اور حضرت یوسف علیہ السلام کا انہیں پہچان لینا | 806/5 |
| 86 | حضرت یوسف علیہ السلام نے بنیامین کو بلوا کر حضرت یعقوب علیہ السلام کو مزید غم میں کیوں مبتلا کیا؟ | 808/5 819/5 |
| 87 | بھائیوں کی بوریوں میں رقم کی تھیلی رکھنے کی وجوہ | 809/5 |
| 88 | حضرت یوسف علیہ السلام کا بنیامین کو یہ بتانا کہ میں تمہارا بھائی ہوں | 819/5 |
| 89 | بے قصور قافلہ والوں کو چور کہنا | 820/5 |
| 90 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کا چور نہ ہونا | 823/5 |
| 91 | حضرت یوسف علیہ السلام کا بھائیوں کے سامان کی تلاشی لینا | 823/5 |
| 92 | بھائیوں سے چور کی سزا معلوم کرنے کی وجہ | 823/5 |
| 93 | بھائی کو اپنے ساتھ رکھنے کے لیے اس پر چوری کا الزام لگانا | 824-825/5 |
| 94 | حضرت یوسف علیہ السلام کی طرف منسوب کی گئی چوری | 833/5 |
| 95 | بھائیوں کا حضرت یوسف علیہ السلام سے فدیہ لینے کی درخواست کرنا | 835/5 |
| 96 | بڑے بھائی کا واپس جانے سے انکار کرنا | 838/5 |
| 97 | بھائیوں کا واپس حضرت یعقوب علیہ السلام کے پاس جانے کا فیصلہ | 839/5 |
| 98 | غیب کے نگہبان نہ ہونے کے محامل | 841/5 |
| 99 | بستی سے پوچھنے کے معانی | 841/5 |
| 100 | بنیامین کے متعلق بات گھڑنے کی توجیہ | 842/5 |
| 101 | بھائیوں کا بنیامین کو ساتھ بھیجنے میں باپ کو تیار کرنا | 813/5 |
| 102 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں نے حضرت یوسف علیہ السلام کو ڈھونڈنے کی بجائے غلہ کا سوال کیوں کیا؟ | 847/5 |
| 103 | بھائیوں سے ان کے مظالم پوچھنے کی وجوہ | 848/5 |
| 104 | بھائیوں کا حضرت یوسف علیہ السلام کو پہچان لینا | 850/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 105 | حضرت یوسف علیہ السلام کا بھائیوں کے سامنے اللہ کی نعمتوں کا ذکر کرنا | 850/5 |
| 106 | حضرت یوسف علیہ السلام کے بھائیوں کا اعتراف خطاء کرنا اور حضرت یوسف علیہ السلام کا انہیں معاف کر دینا | 850/5 |
| 107 | حضرت یوسف علیہ السلام کی قمیص سے حضرت یعقوب علیہ السلام کی آنکھوں کا روشن ہونا | 851/5 |
| 108 | بہت فاصلے سے حضرت یوسف علیہ السلام کی حضرت یعقوب علیہ السلام کو خوشبو پہنچنے کی توجیہ | 856/5 |
| 109 | حضرت یوسف علیہ السلام کا حضرت یعقوب علیہ السلام کا استقبال کرنا | 860/5 |
| 110 | حضرت یوسف علیہ السلام کی ماں کی وفات کے باوجود ان کے والدین کو تخت پر بٹھانے کی توجیہ | 860/5 |
| 111 | حضرت یوسف علیہ السلام کے خواب کی تعبیر پوری ہونے کی مدت میں متعدد اقوال | 863/5 |
| 112 | حضرت یوسف علیہ السلام کے لیے حضرت یعقوب علیہ السلام کے سجدہ کی توجیہات | 863/5 |
| 113 | حضرت یوسف علیہ السلام کی تدفین | 869/5 |
| 114 | حضرت موسیٰ علیہ السلام کا ایک بڑھیا کی مدد سے حضرت یوسف علیہ السلام کا تابوت نکالنا | 869/5 |
| **12** | **یوم** | |
| 1 | یوم کا عرفی و شرعی معنی | 173/1 |
| 2 | یوم قیامت کی مقدار | 173/1 |
| 3 | یوم آخرت پر ایمان لانے کا معنی | 278/1 |
| 4 | یوم فاروق اعظم نہ منانے پر سپاہ صحابہ کا احتجاج | 71/3 |
| 5 | عشرہ حکیم الامت منانے کا اعلان | 71/3 |
| 6 | ایام اللہ کا معنی | 141/6 |
| 7 | یوم عظیمہ کا معنی | 786/7 |
| 8 | بعض ایام کا منحوس ہونا | 452-456/10 |
| **13** | **یوم حساب** | |
| 1 | یوم حساب اگر قریب ہے تو آچکا ہوتا | 517/7 |
| **14** | **یوم حشر** | |
| 1 | حشر اجساد پر دلیل | 331/1 |
| 2 | قیامت کے دن گمراہ کرنے والے متبوعین کا اپنے تابعین سے بری ہونا | 627/1 |
| 3 | قیامت کے دن مومن و کفار کی علامات | 309/2 |
| **15** | **یوم عرفہ** | |
| 1 | الوتر سے مراد یوم عرفہ اور اس کی فضیلت | 725/12 |
| **16** | **یوم میلاد** | |
| 1 | یوم میلاد النبی ﷺ کا عید ہونا | 67/3 |
| 2 | یوم میلاد پر خوشی منانے اور یوم وفات پر غم نہ منانے کا جواب | 260/7 |
| **17** | **یوم نحر** | |
| 1 | والفجر سے مراد یوم نحر کی صبح اور اس کی فضیلت | 720/12 |
| 2 | الشفع سے مراد یوم نحر ہے | 725/12 |
| **18** | **سورۂ یونس** | |
| 1 | سورۃ کا نام اور اس کی وجہ تسمیہ | 317/5 |
| 2 | سورۂ یونس کا زمانہ نزول | 318/5 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 3 | سورۃ التوبہ اور سورۂ یونس کی آپس میں مناسبت | 318/5 |
| 4 | سورۂ یونس کے مسائل و مقاصد | 319/5 |
| 5 | سورۂ یونس کے اختتامی کلمات و دعا | 486/5 |
| **19** | **حضرت یونس علیہ السلام** | |
| 1 | حضرت یونس علیہ السلام کا قصہ | 469/5 |
| 2 | حضرت یونس علیہ السلام کا نام و نسب | 469/5 |
| 3 | حضرت یونس علیہ السلام کی فضیلت میں قرآن مجید کی آیات | 469/5 |
| 4 | حضرت یونس علیہ السلام کی فضیلت میں احادیث | 470/5 |
| 5 | حضرت یونس علیہ السلام کی سوانح | 470/5 |
| 6 | آثار عذاب دیکھ کر حضرت یونس علیہ السلام کی قوم کا توبہ کرنا | 474/5 |
| 7 | حضرت یونس علیہ السلام کی قوم کی توبہ قبول کرنے اور فرعون کی توبہ قبول نہ کرنے کی وجہ | 474/5 |
| 8 | حضرت یونس علیہ السلام پر گرفت کی توجیہ اور نگاہِ رسالت میں ان کا بلند مقام | 475/5 |
| 9 | حضرت یونس علیہ السلام کی آزمائش پر سید مودودی کی تنقید | 476/5 |
| 10 | مودودی کی تنقید پر علامہ غلام رسول سعیدی صاحب کا تبصرہ | 477/5 |
| 11 | حضرت یونس علیہ السلام کا قصہ | 956/9 |
| 12 | حضرت یونس علیہ السلام کا اہل نینوی کی طرف مبعوث کیا جانا | 957/9 |
| 13 | حضرت یونس علیہ السلام کا غضب ناک ہو کر چلا جانا | 958/9 |
| 14 | حضرت یونس علیہ السلام کا مچھلی کے پیٹ سے باہر آنا | 959/9 |
| 15 | حضرت یونس علیہ السلام کا واپس اپنی قوم کی طرف جانا | 960/9 |
| 16 | حضرت یونس علیہ السلام کے فضائل میں احادیث | 961/9 |
| 17 | حضرت یونس علیہ السلام پر نعمت کے تدارک کی تفصیل | 196/12 |
| **20** | **یہود و نصاریٰ** | |
| 1 | یہود کی تلبیس اور کتمان حق | 370/1 |
| 2 | یہود کا انبیاء کو قتل کرنا | 411/1 |
| 3 | یہود پر ذلت کے باوجود اسرائیل کی حکومت | 412/1 |
| 4 | کیا موجودہ یہودیوں اور عیسائیوں کی فقط اللہ اور یوم آخرت پر ایمان لانے سے نجات ہو جائے گی؟ | 414/1 |
| 5 | یہود کا نفاق | 436/1 |
| 6 | عذاب یہود کے مزعومہ چند دن | 438/1 |
| 7 | یہود مدینہ کا ایک دوسرے کو قتل کرنا | 445/1 |
| 8 | یہود کا انبیاء سے عناد رکھنا | 446/1 |
| 9 | تورات پر یہود کا دعویٰ ایمان کا رد | 450/1 |
| 10 | یہودیوں کا یہ دعویٰ کرنا کہ جنت کے فقط وہ مستحق ہیں | 452/1 |
| 11 | یہود کا جبرائیل کو اپنا دشمن کہنا | 455/1 |
| 12 | یہود کا آپ ﷺ پر ایمان لانے کے عہد کو توڑنا | 458/1 |


marfat.com
Marfat.com

| نمبر شمار | عنوان | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 13 | یہود ونصاریٰ کا فرقوں میں تقسیم ہونا | 596/1 |
| 14 | یہود ونصاریٰ کی عدم اطاعت کی خبر | 517/1 |
| 15 | یہودیوں اور عیسائیوں نے کس شہادت کو چھپایا | 562/1 |
| 16 | یہود کو سرزنش | 879/1 |
| 17 | یہود کے جرائم پر سزائیں | 97/2 |
| 18 | حضرت عیسیٰ علیہ السلام کی مخالفت | 179/2 |
| 19 | حضرت ابراہیم علیہ السلام کی طرف نسبت | 193/2 |
| 20 | غیر یہودیوں کے مال کو حلال سمجھنا | 204/2 |
| 21 | مدینہ کے یہودیوں کی ذلت وخواری | 317/2 |
| 22 | یہودیوں کا ریاست قائم کرنا | 317/2 |
| 23 | یہودیوں کا اسلام کے نظام زکوٰۃ پر اعتراض کا جواب | 493/2 498/2 |
| 24 | یہود کی تحریف | 686/2 |
| 25 | یہود کا بخل | 695/2 |
| 26 | یہود کا حسد | 695/2 |
| 27 | یہود کی نبی کریم ﷺ کے ساتھ سرکشی وعناد | 850/2 |
| 28 | یہود کی موسیٰ علیہ السلام کے ساتھ سرکشی وعناد | 851/2 |
| 29 | چار وجوہ سے یہود کا کفر | 851-855/2 |
| 30 | سیدنا محمد ﷺ کی نبوت پر یہود کے اعتراض کا جواب | 876/2 |
| 31 | نبی کریم ﷺ کا یہودی زانی کو رجم کرانا | 191/3 |
| 32 | یہودیوں کا نبی کریم ﷺ پر ایمان نہ لانا | 192/3 |
| 33 | یہودیوں کے متعلق قرآن کی اصطلاح | 223/3 |
| 34 | یہودیوں کے کسی عمل کا لائق شمار نہ ہونا | 255/3 |
| 35 | نزول قرآن سے ان کے کفر اور سرکشی کا زیادہ ہونا | 256/3 |
| 36 | صرف نیک عمل کرنے سے یہودیوں کی نجات | 257/3 |
| 37 | یہودیوں کے لگائے ہوئے بہتانوں کی تفصیل | 420/3 |
| 38 | یہودیوں میں نیکوکار اور بدکار | 405/4 |
| 39 | یہودیوں کی دوبارہ سرکشی | 645/6 |
| 40 | یہودیوں کا انبیاء کو ناحق قتل کرنا | 647/6 |
| 41 | یہودیوں کا کن امور میں اختلاف تھا؟ | 736/8 |
| 42 | احکام تورات پر عمل نہ کرنے کی وجہ سے یہود کی مذمت | 882/11 |
| 43 | یہود کو گدھے کے ساتھ تشبیہ دینے کی وجہ | 884/11 |
| 44 | یہودیوں کا نبی ﷺ کو سلام کی صورت میں بددعا دینا اور آپ ﷺ کا جواب | 780/11 |
| 45 | یہودیوں کی گستاخیوں کے باوجود ان پر فوراً عذاب نازل نہ کرنا | 782/11 |
| 46 | یہود کے ساتھ دوستی رکھنے کی ممانعت | 860/11 |


marfat.com
Marfat.com

تفسیر تبیان القرآن کی بارہ جلدوں میں تکمیل کے بعد فرید بک سٹال کی جانب سے باذوق قارئین کی سہولت کیلئے
مفسر قرآن علامہ غلام رسول سعیدی مدظلہ العالی کی مبسوط و مفصل تفسیر اور ترجمہ قرآن کی ایک جلد میں جامع تلخیص

به نام

# انوارِ تبیان القرآن

تلخیص

ترجمۂ قرآن بہ نام

# نورُ القرآن

تلخیص و مرتب : مولانا حافظ محمد عبداللہ قادری نورانی زید علمہ

چند خصوصیات

☆ متن قرآن مجید کا سلیس رواں زبان میں مکمل ترجمہ،
☆ قرآنی آیات سے مستنبط فقہی مسائل کا مختصر اور جامع تذکرہ،
☆ عقائد اہلِ سنت وجماعت کی تائید اور ترجیح پر جامع دلائل،
☆ مفسرِ قرآن علامہ غلام رسول سعیدی (مدظلہ العالی) کے علمی تحقیقات کا بہترین نچوڑ،
☆ آیاتِ قرآنیہ کی تفسیر میں احادیث و آثار کا مستند تذکرہ،
☆ کتب تفاسیر و احادیث کے باضابطہ حوالہ جات،
☆ قرآنِ مجید کے سمجھنے اور سمجھانے میں بہترین معاون اور مددگار،
☆ مُدرسین، مقررین، طلبہ اور عوام الناس کی ضرورت کے عین مطابق،
☆ مسرت اور خوشی کے مواقع پر علمی تعاون اور محبت کے اظہار کے لیے خوب صورت تحفہ،

یہ ایک ایسی تفسیر ہوگی جس کی ضرورت، اہمیت اور افادیت صدیوں تک باقی رہے گی۔ انشاءاللہ العزیز

پیش کش: فرید بک سٹال (رجسٹرڈ) ۳۸۔ اردو بازار لاہور
فون : 092-42-7312173
فیکس: 092-42-7224899

marfat.com
Marfat.com